राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय

12 वाँ वार्षिक प्रतिवेदन
2020-21

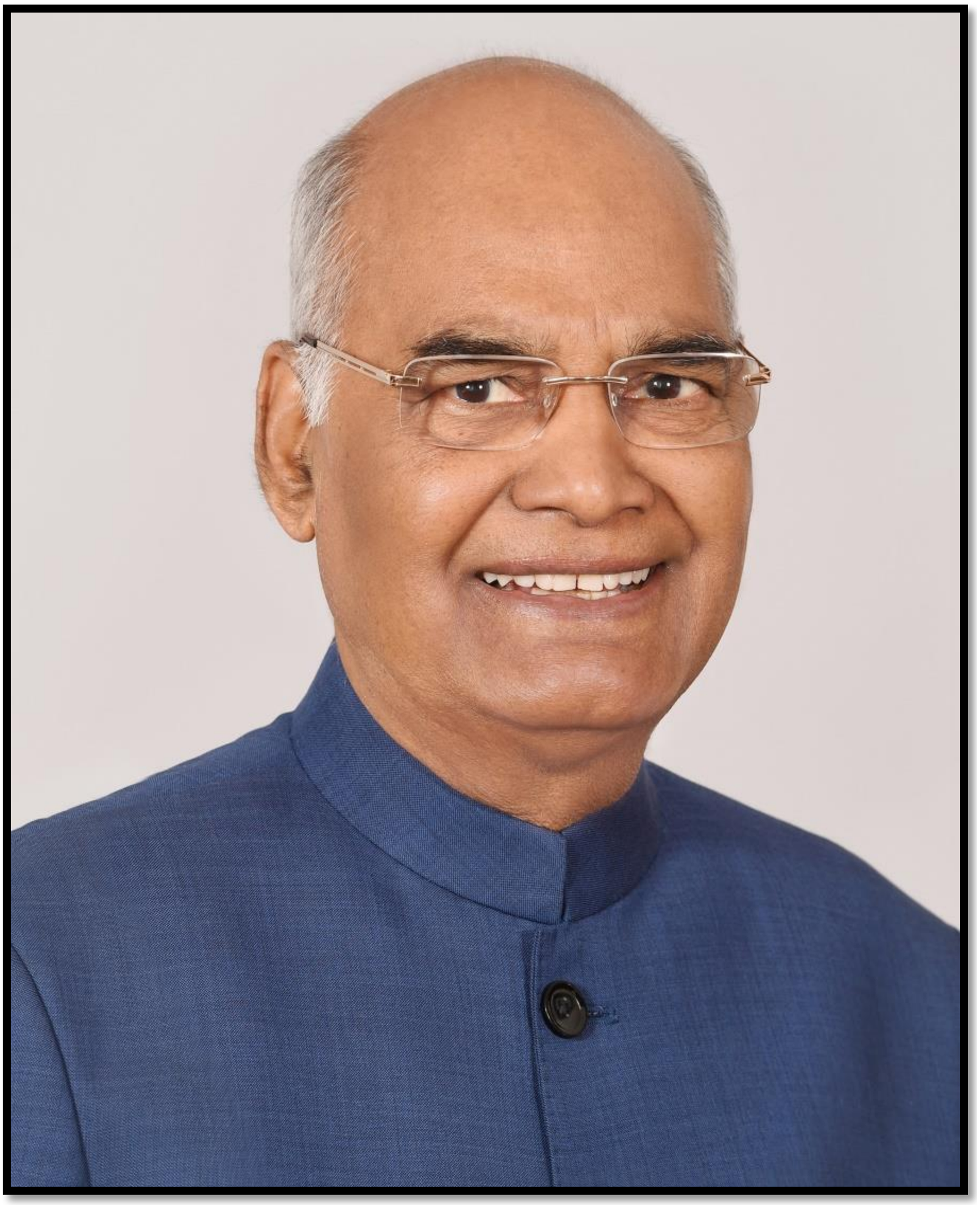

कुलाध्यक्ष
भारत के राष्ट्रपति
माननीय श्री राम नाथ कोविंद

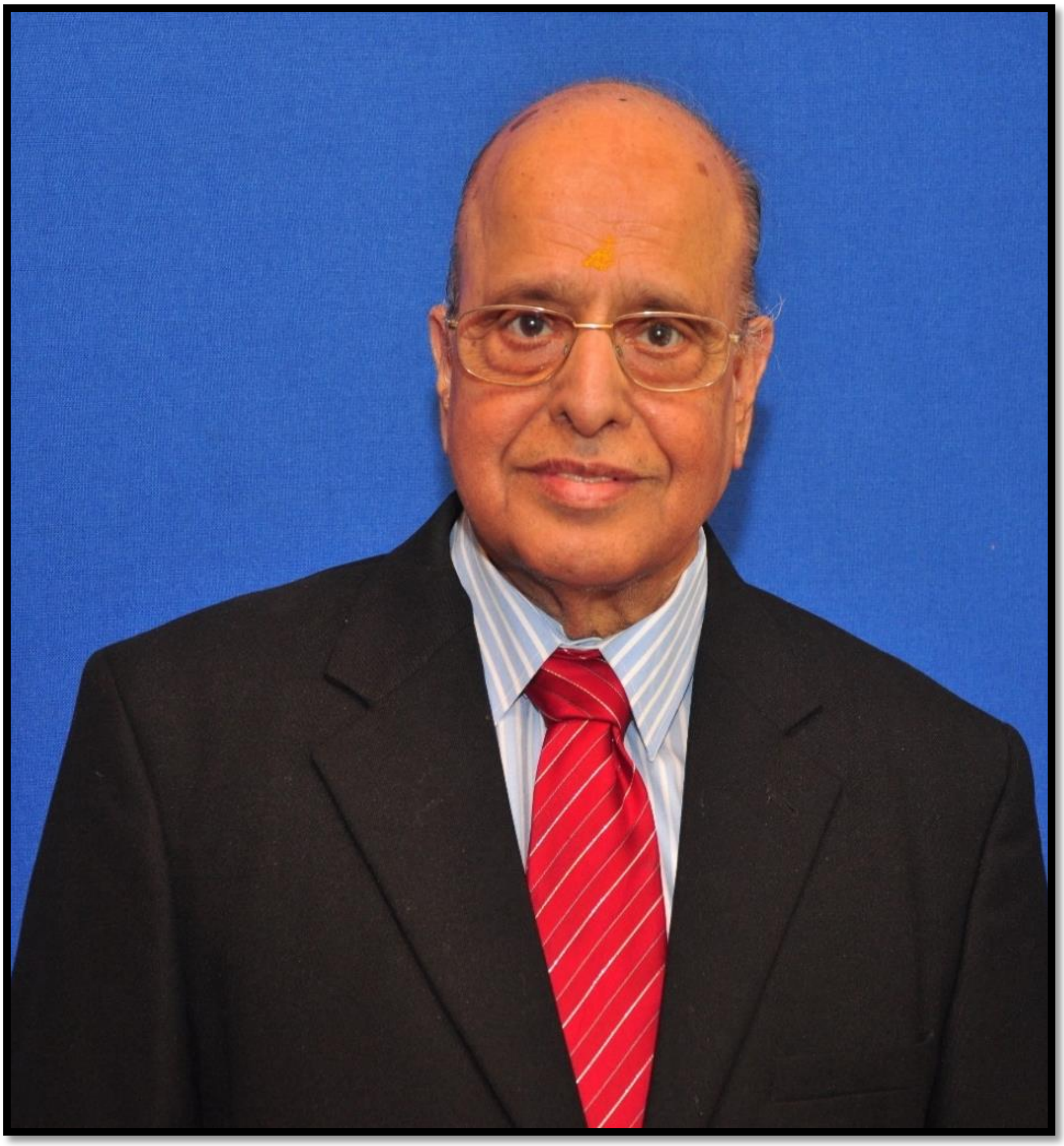

कुलाधिपति
डॉ. के. कस्तूरीरंगन

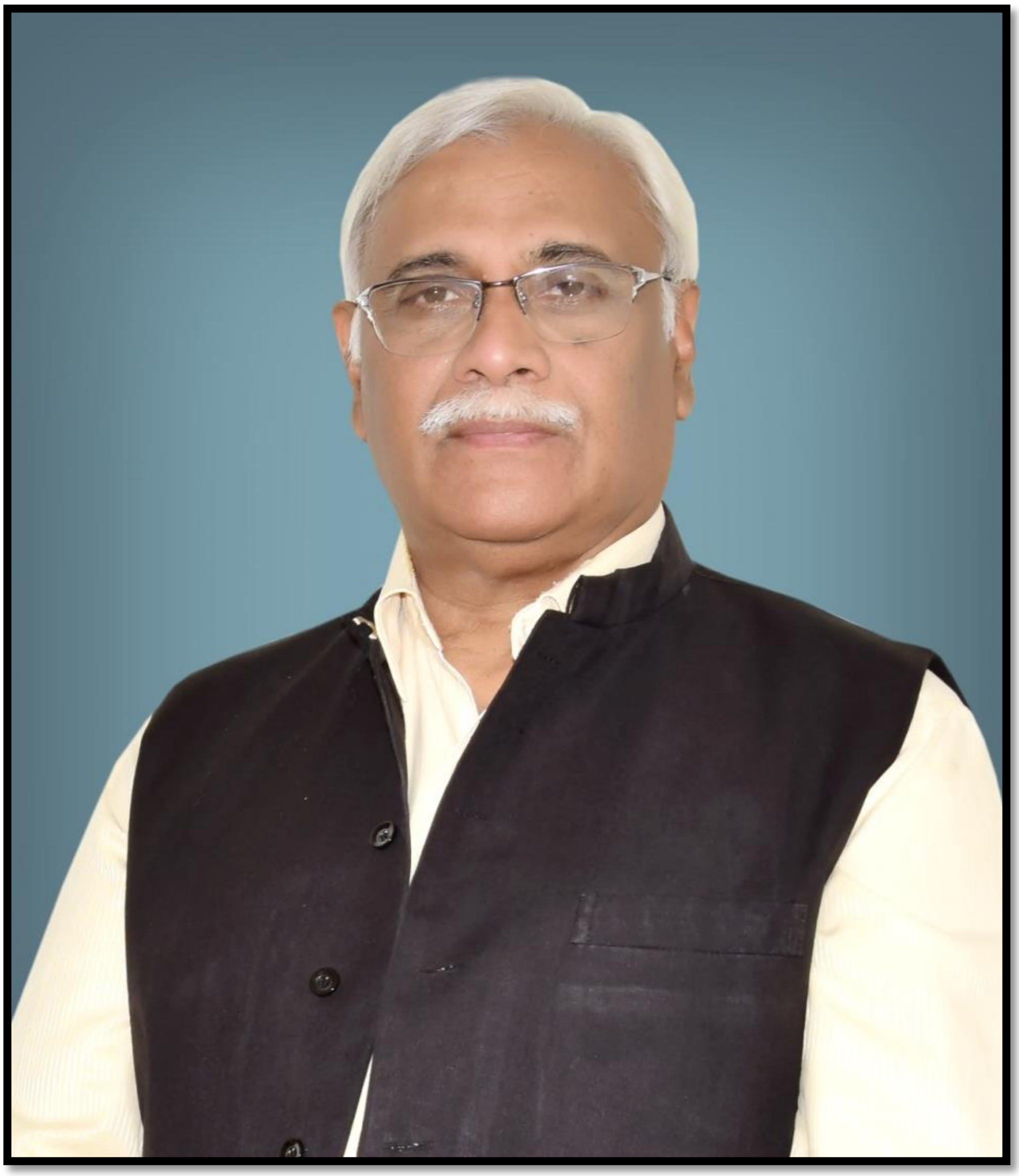

कुलपति
प्रो. अरुण कुमार पुजारी
04-10-2020 तक

कुलपति (प्रभारी)
प्रो. नीरज गुप्ता
05-10-2020 से

विषय-सूची

क्रम सं.	नाम	पृष्ठ सं.
1	कुलपति की कलम से	1
2	कुलपति (प्रभारी) की कलम से	3-4
3	दृष्टिकोण, मिशन, लक्ष्य, उद्देश्य एवं गुणवत्ता वक्तव्य	5-6
4	विश्वविद्यालय एक नज़र में	7-18
5	अकादमिक सूचना	19-32
6	अवसंरचनात्मक सुविधाएँ	33-43
7	विद्यार्थी सहायता प्रणाली	44-46
8	कार्यक्रम	47-57
9	विस्तार गतिविधियाँ	58-65
10	स्कूल एवं विभाग	66-128
11	संकाय: अकादमिक प्रयास	129-163
12	संकाय सदस्यों के प्रकाशन	164-210
13	बाह्य निधि परियोजनाएँ	211-219
14	शोध-प्रबंध एवं शोध-निबंध	220-257
15	छात्र नियोजन और उपलब्धियां	258-266
16	लैंगिक लेखा परीक्षा	267-275
17	विश्वविद्यालय के प्राधिकारी	276-287
18	संकाय सदस्यों / अधिकारियों / कर्मचारियों की सूची	288-295

कुलपति की कलम से

2015 से 2020 तक 05 वर्षों के पूर्ण कार्यकाल के लिए कुलपति के रूप में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का नेतृत्व करना मेरे लिए वास्तव में एक सम्मान की बात है। निस्संदेह, संस्थागत और व्यक्तिगत विकास के मामले में संपूर्ण अवधि फलदायी और फायदेमंद रही है। फिर भी, यात्रा का अंतिम चरण एक अभूतपूर्व प्रकार का था, जिसमें महामारी-प्रभावित अवधि सम्मिलित थी, जिसके दौरान विश्वविद्यालय ने देश भर में स्थित छात्रों तक हमारी पहुंच बनाई और भवनों की शिक्षण को तकनीकी आधारित शिक्षण में परिवर्तित कर असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया। मुझे यहां यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पूरे विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने एकजुट होकर विश्वविद्यालय को राज्य में उच्च शिक्षा के पूर्णत: कार्यात्मक केंद्र के रूप में रूपांतरित किया। इसके लिए मैं विश्वविद्यालय परिवार के प्रत्येक व्यक्ति का आभारी हूं। परंतु, उनके कठिन प्रयासों के लिए, वर्ष 2020-21 के इस प्रतिवेदन में कुछ भी अतिरिक्त नहीं दर्शाया जा सका है।

चूंकि विश्वविद्यालय मुख्य रूप से अपने ज्ञान सृजन के लिए जाना जाता है, मैं वास्तव में इन असाधारण समय के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोध कार्य से संतुष्टि का अनुभव करता हूं, जबकि अन्य जगहों पर नियमित कार्यों का निष्पादन भी एक चुनौती रही है। और इसका पूरा श्रेय हमारे शोध करने वाले शिक्षकों को जाता है, जिन्होंने वैश्विक स्तर पर भी अपनी जगह बनाई है। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में हमारे योगदान को स्वीकार किया जाएगा क्योंकि कोविड-विरोधी ज्ञान-आधार के बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त होगी। इन सबके अलावा, विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला, योग दिवस, एनएसएस दिवस, मातृभाषा दिवस और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की बाधारहित निरंतरता हमारी संस्था की अडिग भावना के प्रमाण के रूप में उल्लेखनीय है।

मैं इस अवसर पर प्रो. नीरज गुप्ता को भी शुभकामनाएं देता हूं, जिन्हें मैंने कार्यभार सौंपा है। उन्होंने प्रारंभिक चरण में निर्बाध रूप से काम किया है। विश्वविद्यालय उत्कृष्टता के अपने पथ पर अग्रसर है और मैं विश्वविद्यालय के साथ ही व्यक्तियों के लिए भी प्रगति की बहुत ही उच्च अवस्था की कामना करता हूँ।

कृतज्ञता के रूप में, मैं शिक्षा मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने मुझे विश्वविद्यालय के नेतृत्व का अवसर दिया और हमारे राष्ट्रीय जीवन के कठिन दौर में भी इसे सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी आवश्यक समर्थन प्रदान किया।

(प्रो. अरुण कुमार पुजारी)
कुलपति

कुलपति (प्रभारी) की कलम से

04 अक्टूबर 2020 से प्रो. अरुण के पुजारी के पश्चात कुलपति (प्रभारी) के रूप में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के शीर्ष पद पर रहने के लिए मैं वास्तव में सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। इस प्रकार सौंपी गई जिम्मेदारी से अवसरों के साथ-साथ चुनौतियाँ भी प्रकट हुई हैं। जहाँ कोविड-19 महामारी ने अनेक बाधाओं को जन्म दिया है, वहीं इसने प्रतिवेदित वर्ष अर्थात 2020-21 के दौरान नवाचार और उद्यम की भावना को सामने लाने में मदद भी की है। चुनौतियों का सामना करने के हमारे सामूहिक प्रयासों के साथ-साथ अकादमिक उत्कृष्टता और मूल्य-आधारित शिक्षा के घोषित लक्ष्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के प्रतिबिंब के रूप में, विश्वविद्यालय की 12वीं वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए मुझे खुशी हो रही है। यह इस बात का प्रतीक है कि कैसे और किस हद तक विश्वविद्यालय, समग्र रूप से, एक समतामूलक समाज की सभी भिन्नताओं को पाटने की अपनी प्रतिज्ञा को पूरा करने में सक्षम रहा है।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि यह एक कठिन समय रहा है। जब पूरी दुनिया अपरिहार्य लॉकडाउन और मानव जीवन के नुकसान के दबाव में थी, विश्वविद्यालय ने निर्बाध रूप से ऑनलाइन शिक्षण प्रणाली को अपनाया और यह सुनिश्चित किया कि शैक्षणिक, प्रशासनिक, मूल्यांकन संबंधी सभी गतिविधियाँ न केवल अबाधित बल्कि सामान्य रूप से आयोजित की जायें ताकि कोई भी हितधारक खुद को वंचित महसूस न कर सके। राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं जैसे नेट, गेट आदि में हमारे छात्रों की प्रगति इन समेकित प्रयासों के प्रमाण हैं।

विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश एक पारदर्शी तरीके से और गुणवत्ता के साथ किसी प्रकार की समझौता किये बिना किया गया। ये सब सभी स्तरों पर संयुक्त प्रयासों से ही संभव हो सका है। इसके अतिरिक्त, स्पर्श (लैंगिक समानता के लिए), एनएसएस, सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ, नवाचार क्लब आदि जैसे विभिन्न निकायों ने एक दूसरे के साथ मिलकर प्रणाली को पूरी तरह से परेशानी मुक्त रखने के साथ ही सभी के हित को ध्यान में रखते हुए अपने कार्यों का प्रदर्शन किया।

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि विश्वविद्यालय ने न केवल शिक्षकों तथा शिक्षण हेतु पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय योजना के तहत कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षकों के क्षमता निर्माण में अपना योगदान दिया, बल्कि एनईपी 2020 के प्रावधानों को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त उपाय भी किए ताकि गुणवत्तापूर्ण तरीके से त्वरित परिवर्तन हो सके। इसके लिए, अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रम, वेबिनार और इस तरह के अन्य कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसके अतिरिक्त, प्रतिवेदित वर्ष के दौरान प्रस्तुत शोध कार्य हमारे शोधकर्ताओं और शिक्षकों की वैश्विक दृश्यता को पर्याप्त रूप से प्रमाणित करता है। कोविड-19 से लड़ने की दिशा में हमारे काम को भी विभिन्न तिमाहियों में स्वीकार किया गया है। इस प्रकार, विश्वविद्यालय ने राष्ट्र-निर्माण, न्यायोचित समाज और सभी के लिए मूल्य-आधारित शिक्षा के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में काम करने का हर संभव प्रयास किया है।

2020-21 सत्र में हमारी प्रगति की इस व्यापक तस्वीर के साथ इस वार्षिक प्रतिवेदन में हमारे अनुभव को सम्मिलित किये जाने योग्य बनाने हेतु मैं हमारे पूर्व कुलपति प्रो. अरुण कुमार पुजारी, विश्वविद्यालय के शैक्षणिक तथा अशैक्षणिक कर्मचारियों और छात्रों को धन्यवाद देता हूँ। मैं शिक्षा मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का भी उनके निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता हूँ।

अंत में, विभिन्न समूहों की प्रशंसा करता हूँ, जिन्होंने हमारे वर्ष भर के कार्य को एक सुंदर रूप में प्रस्तुत करने योग्य बनाया है। एक बार फिर, मैं अपनी सांस्कृतिक-पारिस्थितिक विरासत को संरक्षित करते हुए हमारे राष्ट्र को मूल्यवान, ज्ञानवान, प्रौद्योगिकी से सशक्त बनाने की दिशा में उच्च शिक्षा के केंद्र के रूप में अपनी प्रतिबद्धता दोहराता हूँ।

(प्रो. नीरज गुप्ता)
कुलपति (प्रभारी)

दृष्टिकोण, मिशन, लक्ष्य, उद्देश्य एवं गुणवत्ता वक्तव्य

दृष्टिकोण

“राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय भारत के सबसे प्रगतिशील विश्वविद्यालयों में सम्मिलित होने, वैश्विक परिवर्तन के दायित्व के निर्वहन तथा शिक्षार्थी समुदाय, विशेषकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के इच्छुक समाज के निम्न सामाजिक आर्थिक वर्ग के शिक्षार्थियों के लिए उत्कृष्ट शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने का आकांक्षी है। विश्वविद्यालय प्रगतिशील परा-स्नातक एवं स्नातक शैक्षणिक कार्यक्रमों के साथ ही चयनित क्षेत्रों में व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक संवर्धन हेतु प्रयत्नशील है जिससे कि नवीनीकरण, साझाकरण एवं ज्ञान के प्रयोग तथा विचारशील, रचनात्मक, संवेदनशील एवं दायित्वपूर्ण नागरिकों को विकास की सुविधा प्रदान कर एक शिक्षित समाज का निर्माण हो सके।”

मिशन

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय का मिशन स्नातक, स्नात्तकोतर, व्यावसायिक तथा डॉक्टरेट की उपाधि हेतु एक उत्कृष्ट एवं उदार शिक्षा एवं गुणवत्तापूर्ण कार्यक्रम प्रदान कर व्यापक पैमाने पर क्षेत्र तथा पूरे देश में शैक्षणिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, पर्यावरण, स्वास्थ्य तथा सामाजिक उन्नति की प्रतिबद्धता को पूरा करने में सहयोग प्रदान करना है।

लक्ष्य

- सुगम तथा वहनीय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना ताकि छात्रों में व्यावसायिक कौशलों, नैतिक सिद्धांतों तथा वैश्विक दृष्टिकोणों का विकास हो सके।
- मूलभूत तथा क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान कर संकायो तथा छात्रों को शोध की सुविधा प्रदान करना।
- शिक्षण, अनुसंधान, विस्तार तथा परामर्श के हमारे चार मूलभूत मिशनों के लिए राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण को अपनाना।
- प्रमुख अनुसंधान विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त करने के लिए संधारणीय विकास हेतु अनिवार्य अंतर्विषयक शैक्षणिक संसाधनो के निर्माण हेतु ज्ञान तथा विवेक का अन्वेषण करना तथा सामुदायिक क्षमता को सशक्त एवं उन्नत करने के लिए समाज को ज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के हस्तान्तरण में सम्मिलित करना और वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिस्पर्धा में वृद्धि करना।
- विश्वविद्यालय प्रशासन के सक्रिय प्रबंधन की रणनीति तैयार करना तथा निपुणता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही पर आधारित उच्च गुणवत्तायुक्त शासन के संवेदनशील संरचना हेतु प्रणाली का प्रवर्तन करना।
- मूल्य-केन्द्रित शिक्षा के माध्यम से वैश्विक समुदाय के एक जवाबदेह नागरिक के रूप में कार्य करते हुये एक उन्नत अंतरराष्ट्रीय तथा प्रतिस्पर्धात्मक नियोजन बाजार का विकास करने तथा बौद्धिक कौशल एवं सकारात्मक मानसिकता प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय को विश्व के सर्वोत्कृष्ट स्थानो में से एक बनाना।

उद्देश्य

- चरित्र मूल्यों का निर्माण और साथ ही विश्लेषणात्मक सोच, व्यक्तिगत पहल और दायित्व विकास के द्वारा छात्रों के कैरियर निर्माण का प्रयास।
- क्षेत्रीय जरूरतों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए उत्तरदायी लचीली, नवीन, शैक्षणिक और अनुसन्धान कार्यक्रमों और संरचनाओं को समर्थन प्रदान करना।
- स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध कार्यक्रमों में संलग्न शिक्षार्थियों के लिए शिक्षा के अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला की सुविधा प्रदान करना।
- स्थानीय, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर विचारशील और जवाबदेह संकायों और छात्रों के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करना।
- एक विशेष दायित्व को स्वीकार करते हुए अल्पसंख्यकों और समाज के निचले सामाजिक – आर्थिक तबके से आने वाले छात्रों को शिक्षित करना।
- अपनी विशेषज्ञता से अनुसंधान एवं परामर्श द्वारा क्षेत्र की चुनौतियों एवं समस्याओं का समाधान कर समाज को लाभ पहुंचाना।
- शैक्षणिक कार्यक्रमों, परिसर की गतिविधियों के माध्यम से नेतृत्व और सेवा के लिए क्षमता निर्माण हेतु साधन उपलब्ध कराना और सामुदायिक भागीदारी के लिए अवसर उपलब्ध करना।

गुणवत्ता वक्तव्य

ज्ञान के युग की चुनौतियों को पूरा करने तथा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में ज्ञान की गति को बनाए रखने के लिए राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के सभी आयामों, जैसे शिक्षण, अनुसंधान, विस्तार एवं शासन की गुणवत्ता को वैश्विक तथा क्षेत्रीय आवश्यकताओं की पूर्ति के अनुसार बनाये रखने हेतु प्रतिबद्ध है।

विश्वविद्यालय एक नज़र में

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय वर्ष 2009 में प्रारंभ से लेकर अब तक 11 वर्षों की यात्रा पूरी की है तथा राजस्थान में उच्चतर शिक्षा के सबसे तीव्र गति से प्रगतिशील संस्थान के रूप में उभरा है। व्यापक रूप से खुला, हरा-भरा और प्रदूषण मुक्त परिसर खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से शिक्षाविद, अनुसंधान और समग्र विकास के पोषण और अनुकूलन के लिए एक सौंदर्यपूर्ण और समृद्ध वातावरण प्रदान करता है, जो अच्छे स्वास्थ्य और क्षमता के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। वर्तमान में, प्रो. नीरज गुप्ता कुलपति (प्रभारी) हैं, जिनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। विश्वविद्यालय के वरिष्ठतम संकाय के रूप में प्रो. गुप्ता ने 4 अक्टूबर 2020 को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में प्रो. अरुण के. पुजारी का कार्यकाल पूरा होने पर कुलपति का पदभार ग्रहण किया।

अकादमिक विकास

अपनी शुरूआत से 11 वर्षों में अब तक राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में 12 स्कूलों के अंतर्गत 32 विभाग बनाये गये हैं। स्कूलों एवं विभागों में पीएच.डी. , स्नातकोत्तर तथा इंटीग्रेटड कार्यक्रमों के अनेक पाठ्यक्रम संचालित किये जाते हैं। विश्वविद्यालय ने छात्रों को उनकी रुचि के विभिन्न पाठ्यक्रमों को सीखने और पर्याप्त ज्ञान और कौशल हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) को अपनाया है। सभी छात्रों को शिक्षा के क्षितिज का विस्तार करने के लिए एन.पी. टी.ई.एल. और स्वयम के माध्यम से ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने हेतु भी प्रोत्साहित किया जाता है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कार्यक्रम उच्च मानकीकृत हैं और ज्ञान और कौशल के उपयुक्त मिश्रण के साथ उच्च रोजगार देने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, और विचारशील, संवेदनशील व जिम्मेदार नागरिक विकसित करने के विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण के अनुरूप

कार्यक्रमों को सतत विकास पर केंद्रित किया गया है। उभरते वैश्विक रुझानों के अनुरूप अनेक कार्यक्रमों जैसे योग विज्ञान, खेल विज्ञान, डिजिटल सोसाइटी, बिग डेटा एनालिटिक्स, सांस्कृतिक सूचना विज्ञान, वायुमंडलीय विज्ञान आदि को उभरते वैश्विक रुझानों के अनुरूप तैयार किया गया है। इसी तरह, संबंधित विषयों में ज्ञान की वृद्धि के लिए समय-समय पर शैक्षणिक विचार-विमर्श की प्रक्रिया के माध्यम से अन्य पाठ्यक्रमों को भी संशोधित तथा अद्यतित किया जाता है। अकादमिक वर्ष 2018-19 में युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से खेल विज्ञान स्कूल के अंतर्गत खेल जैव-विज्ञान, खेल यांत्रिकी, खेल-मनोविज्ञान नामक तीन विभागों की शुरूआत से प्रमुख प्रगति हुई। इन सभी विभागों ने अपनी प्रयोगशालाएँ बनाईं, पाठ्यक्रम डिजाइन किए और अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ प्रारंभ की। खेल मनोविज्ञान विभाग में आगामी सत्र 2020-21 से छात्रों को प्रवेश प्राप्त होगा, जबकि अन्य दो विभागों ने स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम शुरू कर दिया है। अन्य सभी नए प्रारंभ विभागों तथा पाठ्क्रमों यथा योग विज्ञान, बिग डेटा विश्लेषण, डिजिटल सोसाइटी, सांस्कृतिक सूचना विज्ञान में सफलतापूर्वक शैक्षिक प्रगति हो रही है।

वर्ष 2019 में सरकारी ज्ञापन और यूजीसी के निर्देशों के अनुपालन में, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने आंतरिक समिति गठित की तथा समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (EWS) के छात्रों और शोध-छात्रों को समायोजित करने लिए विभिन्न कार्यक्रमों में स्थानों में वृद्धि की। सत्र 2020-2021 में सभी विभागों और पाठ्यक्रमों में ईडब्ल्यूएस श्रेणी के छात्रों को प्रवेश दिया गया। विश्वविद्यालय शिक्षण और शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है, और सभी कार्यक्रमों को बौद्धिक कौशल को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो एक समावेशी, समान और न्यायपूर्ण समाज बनाने की दिशा में क्षेत्रीय और वैश्विक आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा कर सकता है।

किसी विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह वास्तव में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। दीक्षांत समारोह अकादमिक जीवन व्यतीत करने का एक संस्कार है जिसकी प्रतीक्षा प्रत्येक विद्यार्थी को होती है क्योंकि वे अकादमिक उपाधि प्राप्त करने के साथ ही विश्वविद्यालय जीवन की एक सुंदर यात्रा पूरी करते हैं। विश्वविद्यालय का छठा दीक्षांत समारोह 3 दिसंबर, 2019 को आयोजित किया गया, जहां विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक प्रयासों के प्रशंसापत्र के रूप में उपाधि और स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. के. कस्तूरीरंगन ने अकादमिक जगत के अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों के साथ विचार-विमर्श किया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष डॉ. के. सिवन इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। वर्तमान में वह सबसे प्रसिद्ध अंतरिक्ष वैज्ञानिकों में से एक हैं और भारत के मिशन "चन्द्रयान -2" के पीछे मुख्य वास्तुकार हैं, जो अंतरिक्ष अनुसंधान के इतिहास में एक मील का पत्थर है। डॉ. सिवन ने विद्यर्थियों को चुनौतियों पर काम करने और जीवन यात्रा के हर कदम से सीखने हेतु बहुत ही प्रेरक भाषण दिया। इस अवसर पर, 44 शोध-छात्रों ने पीएचडी की उपाधि प्राप्त की और कुल 583 छात्रों ने उपाधियाँ प्राप्त कीं। इस दीक्षांत समारोह में 40 छात्रों को स्वर्ण पदक भी प्रदान किया गया। युवा संकाय सदस्यों में शैक्षणिक भावना को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2018 से राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा कुलाधिपति का सर्वश्रेष्ठ संकाय पुरस्कार की शुरुआत की गई। चयन की एक कठिन प्रक्रिया के बाद, कुलाधिपति

का द्वितीय सर्वश्रेष्ठ संकाय पुरस्कार राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के तीन संकाय सदस्यों को प्रदान किया गया। वर्ष 2020 में, महामारी के कारण दीक्षांत समारोह आयोजित नहीं किया गया। स्थिति पुन: सामान्य होने पर दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जाएगा।

अवसंरचनात्मक सुविधाएं

शिक्षाविदों का प्रासाद इसके बुनियादी ढांचे के आधार पर विकसित होता है। विश्वविद्यालय में आवास, कक्षा में शिक्षण, प्रयोगशाला कार्य, पुस्तकालय कार्य, मनोरंजन, शारीरिक अनुकूलता और खेल-कूद के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों के लिए 07 भली-भांति सुसज्जित छात्रावास हैं, फुटबॉल और क्रिकेट के हरे-भरे मैदान, वॉलीबॉल का मैदान और आउटडोर टेनिस कोर्ट हैं जबकि इन्डोर खेलों में बैडमिंटन और टेबल-टेनिस के कोर्ट हैं। इनके अतिरिक्त, एक बड़ा भोजनालय (मेगा-मेस) (एक बार में लगभग 500 लोगों के भोजन की क्षमता वाला), लाँड्री (06 ऑपरेटरों के साथ), परिसर में बैंक, डाकघर, डे केयर सेंटर, इनक्यूबेशन सेंटर, इत्यादि जैसी अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। छात्रावास में स्वस्थ वातावरण एवं अन्य सुविधाएं जैसे वेंडिंग मशीन एवं इनसिनरेटर, अध्ययन कक्ष तथा कॉमन लाउंज उपलब्ध हैं। छात्रावास भवन के पास स्थित विश्वविद्यालय का सभागार विभिन्न सायंकालीन कार्यक्रमों और सांस्कृतिक गतिविधियों का स्थान है। छात्रावासों के सामने खुले मैदान को खुली चर्चा, रचनात्मक सोच और सहकर्मी से सीखने को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इनके अतिरिक्त,विश्वविद्यालय नवीनतम तकनीक से युक्त है चाहे प्रयोगशालाएँ हों या पुस्तकालय (इन्फ्लिबनेट और अन्य ई-संसाधन) या कक्षाएँ (प्रोजेक्टर और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा के साथ)। विश्वविद्यालय के आईसीटी सेल द्वारा एनएमईआईसीटी के तहत इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराई गई है। ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी भी उपलब्ध है। अब रेलटेल के माध्यम से ओपेक्स का उपयोग कर वाई-फाई उपलब्ध कराया जा रहा है। लगभग 1200 लैन प्वाइंट पहले से उपलब्ध हैं। छात्रों और छात्राओं के लिए अलग-अलग व्यायामशाला के अलावा इनडोर और आउटडोर खेलों की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। एक अन्य छात्रावास भवन जो 2019-20 में निर्माणाधीन था, सत्र 2021-22 से उपयोग के लिए तैयार है। भवन में 150 छात्राओं को समायोजित किया जा सकता है और एक अलग भोजनालय (मेस), इनडोर खेल, मनोरंजन और अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा, स्टाफ क्वार्टर की 64 फ्लैट का निर्माण शुरू किया गया है, इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला और शिक्षा स्कूल के लिए भवन का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें शिक्षा विभाग और योग विभाग बनाये जायेंगे।

विश्वविद्यालय का अतिथि गृह हमारी अवसंरचना का शानदार गौरव है। अवसंरचनात्मक सुविधाओं के सतत विकास हेतु विश्वविद्यालय ने विभिन्न प्रणालियों को लागू किया है। सौर पैनल लगाया गया है तथा वर्षा जल भंडारण और कटाई प्रणाली भी उपलब्ध है। हरित क्षेत्र को बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाया जाता है और स्वस्थ व स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए अपशिष्ट निपटान प्रणालियों को अच्छी तरह से अधिष्ठापित किया गया है। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक विभागों एवं प्रशासनिक कार्य के लिए विशाल भवनों के

अलावा कर्मचारियों के लिए अच्छी तरह से डिजाइन किया गया आवास है। कर्मचारियों के बच्चों तथा आस-पास के समाज के बच्चों की शिक्षा के लिए परिसर में केंद्रीय विद्यालय तथा प्री-स्कूल भी हैं।

शिक्षार्थी अनुकूल संरचना

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र हितैषी दृष्टिकोण में निरंतर शिक्षण की संपूर्णता उजागर होती है। विद्यार्थियों को उनकी क्षमताओं का पता लगाने, नए कौशल सीखने और स्वयं को एक सफल पेशेवर के रूप में ढ़ालने के लिए हमेशा पर्याप्त अवसर दिए जाते हैं। प्रवेश, परीक्षा, ग्रेडिंग और अन्य अकादमिक प्रणाली पूरी तरह पारदर्शी हैं, क्योंकि विद्यार्थी सहयोगात्मक वातावरण में सुझाव का आदान-प्रदान कर सकते हैं। शिक्षा प्राप्त करने के लिए संपूर्ण भारत तथा विदेशी छात्रों का यहाँ होना वास्तव में विविधता में एकता और राष्ट्रीय एकता की भावना उत्पन्न करता है। अखिल भारतीय परीक्षा (सी.यू.सी.ई.टी.) के माध्यम से छात्रों का प्रवेश बिल्कुल सामाजिक समावेश के दृष्टिकोण के अनुरूप है। चयन-आधारित क्रेडिट प्रणाली, ऑडिट पाठ्यक्रम और ओपन इलेक्टिव्स तथा स्वयम एवं एन.पी.टी.ई.एल. द्वारा मूक (MOOC) पाठ्यक्रम की सुविधा सहित अकादमिक संरचना पूर्णत: छात्रों के अनुकूल हैं। अच्छे पुस्तकों से युक्त एक केंद्रीय पुस्तकालय है तथा पूरी दुनिया से ज्ञान की खोज हेतु ऑनलाइन संसाधन उपलब्ध हैं। केंद्र तथा राज्य सरकार की एजेंसियों की विभिन्न अध्येतावृत्ति योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

पाठ्येत्तर गतिविधियाँ

अवसर प्रदान करना छात्र के आंतरिक क्षमता के पोषण के लिए सबसे महत्वपूर्ण है जो अच्छे स्वास्थ्य और सेहत बनाए रखने के लिए भौतिक और मानसिक संतुलन के साथ समग्र विकास की सुविधा प्रदान करता है। इसलिए, शैक्षिक, खेल, संस्कृति, सामाजिक स्वैच्छिक जुड़ाव और अन्य गतिविधियों के उपयुक्त मिश्रण और संतुलन लाने के लिए अनेक पाठ्येतर गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा को बढ़ाने और प्रदर्शितकरने हेतु, विश्वविद्यालय ने सांस्कृतिक समिति, खेल समिति का गठन किया है, और शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न गतिविधियों के अलावा एनएसएस इकाई भी सक्रिय है। महामारी के कारण कई गतिविधियों का संचालन नहीं किया जा सका, लेकिन समितियों ने आभासी मंच के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों के आयोजन हेतु सर्वोत्तम प्रयास किया है और छात्रों को सक्रिय और स्वस्थ जीवन बनाए रखने के लिए मार्गदर्शन भी किया है। सांस्कृतिक समिति के अंतर्गत पांच क्लब, जैसे - लिटरेरी क्लब (अभिव्यक्ति), ड्रामा क्लब (अभिनय), डांस क्लब (नृत्यदा), संगीत क्लब (सरगम), आर्ट क्लब (कला-कृति) हैं। इनमें से प्रत्येक क्लब द्वारा वार्षिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और परिसर के जीवन में रंग, उत्साह और आनंद का समावेश किया।

मातृभाषा दिवस 2021 मनाने के लिए, "शिक्षा और समाज में समावेश के लिए बहुभाषावाद को बढ़ावा देना" विषय, जो विश्वविद्यालय के भीतर सांस्कृतिक और भाषाई विविधता का प्रतिनिधित्व करता है, पर सांस्कृतिक समिति ने अपनी मातृभाषा में कविता पाठ हेतु भारत के विभिन्न हिस्सों से 8 कवियों को आमंत्रित कर एक कवि-सम्मेलन का

आयोजन किया। विश्वविद्यालय ने छात्रों को "हिंदी पखवाड़ा" के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने और हिंदी सीखने को प्रोत्साहित किया। सतर्कता जागरुकता सप्ताह के अवसर पर "सतर्क भारत, समृद्ध भारत" विषय पर ऑनलाइन मंच के माध्यम से निबंध लेखन, पोस्टर प्रदर्शनी और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता इत्यादि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालय ने वर्चुअल माध्यम से संकाय सदस्यों और छात्रों के लिए योग कार्यक्रम आयोजित किया। इसके अलावा, योग विभाग ने सभी छात्रों और कर्मचारियों के लिए वर्चुअल माध्यम से सुबह 7 से 8 बजे के बीच ऑनलाइन योग सत्र शुरू किया है। योग सत्र में छात्र और संकाय सदस्य नियमित रूप से भाग ले रहे हैं; जिसका महामारी के इस कठिन समय में स्वस्थ जीवन और सेहत पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है।

विश्वविद्यालय का 13वां स्थापना दिवस 03 मार्च, 2021 को मनाया गया। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) एच.आर. नागेंद्र, कुलाधिपति, एस-व्यासा विश्वविद्यालय, बैंगलोर और पूर्व वैज्ञानिक, नासा ने स्थापना दिवस व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक और अन्य कर्मचारियों को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धा के रूप में विशेष सम्मान दिया गया। कार्यक्रम एक मिश्रित प्रणाली में आयोजित किया गया, क्योंकि कर्मचारी विश्वविद्यालय के सभागार में कार्यक्रम में शामिल हुए थे और छात्रों ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया।

एन.एस.एस. के संकाय समन्वयकों और छात्र स्वयंसेवकों ने पूरे वर्ष विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। वर्ष 2020-21 में वर्चुअल माध्यम से अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। "विश्व पर्यावरण दिवस-2021" के अवसर पर जागरूकता पैदा करने के लिए एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इसके अलावा, एन.एस.एस.-सीयूराज द्वारा 08 मार्च, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर "महिला नेतृत्व में : कोविड-19 प्रभावित विश्व में समानता का भविष्य प्राप्त करना" विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सड़क सुरक्षा वेबिनार 6, 13, 17 फरवरी 2021 को एक श्रृंखला में आयोजित किए गए। एनएसएस ने 23 जनवरी 2021 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 125 वें जन्म वर्ष समारोह को "शौर्य दिवस" के रूप में मनाया। कार्यक्रम में नेताजी के जीवन पर आधारित एक वृत्तचित्र प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों ने गीत, कविता प्रस्तुत की और प्रश्नोत्तरी तथा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सुश्री रक्षा शर्मा को गणतंत्र दिवस के पहले आयोजित कैम्प के लिए चुना गया और उन्होंने उसमें भाग लिया।

विश्वविद्यालय प्रणाली के लिए विद्यार्थी महत्वपूर्ण होते हैं, और उनकी उपलब्धियों ने हमेशा विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है। विश्वविद्यालय को उपलब्धि प्राप्त करने वाले अपने पूर्व छात्रों और विश्वविद्यालय में अपने पाठ्यक्रमों को जारी रखने वाले विद्यार्थियों की उच्च संख्या पर गर्व है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि विभिन्न विषयों के छात्रों ने यूजीसी, आईसीएसएसआर और सीएसआईआर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण की है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर कई खेलों और सांस्कृतिक

कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा दिखाई है। पीएच.डी. शोध-छात्रों ने विभिन्न राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में अनेक प्रस्तुतियां दी हैं। कुछ पीएच.डी. शोध-छात्रों को विदेशों में छात्रवृत्ति तथा पोस्ट-डॉक्टोरल होने का अवसर प्राप्त हुआ है। इसी प्रकार, विभिन्न विभागों के अनेक छात्रों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी जगह बनाई है।

संकाय प्रोफाइल

विश्वविद्यालय की अकादमिक सफलता के लिए शिक्षक एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। उच्च शिक्षा केंद्रों को उनके पास मौजूद शिक्षकों की गुणवत्ता से जाना जाता है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय को अपने अति युवा और ऊर्जावान शिक्षकों पर गर्व है जिन्होंने देश के प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे आईआईटी, आईआईएम, एम्स, जेएनयू, एचसीयू, डीयू, आईसीजीईबी, एनसीएल सीडीएफडी, सीडीआरआई, एनआईएमएचएएनएस तथा अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों एवं उत्कृष्टता केंद्रों से शिक्षा तथा शोध अनुभव प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त, अनेक संकाय सदस्यों ने विदेशी संस्थानों यूएसए (वाशिंगटन यूनिवर्सिटी, शिकागो यूनिवर्सिटी, ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी, द रॉकफेलर यूनिवर्सिटी, स्क्रिप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट, रटगर्स यूनिवर्सिटी, दक्षिण अलबामा यूनिवर्सिटी, कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, रोचेस्टर यूनिवर्सिटी, टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी, कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, इंडियाना यूनिवर्सिटी, केंटकी यूनिवर्सिटी), कनाडा (अल्बर्टा यूनिवर्सिटी, पर्यावरण स्वास्थ्य विज्ञान और अनुसंधान ब्यूरो), जर्मनी (म्यूनिस्टर यूनिवर्सिटी, म्यूनिख यूनिवर्सिटी, मैक्स-प्लैंक रिसर्च यूनिट), ऑस्ट्रेलिया (क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी), जापान (ओकायामा यूनिवर्सिटी, क्योटो यूनिवर्सिटी, टोक्यो), इटली (बोलोग्ना यूनिवर्सिटी), इज़राइल (तेल अवीव यूनिवर्सिटी), सिंगापुर (नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर) इत्यादि से शोध अनुभव प्राप्त किया है।

इस प्रकार, शिक्षार्थियों के समुचित मार्गदर्शन और विकास के लिए अति योग्य शिक्षकों की विशेषज्ञता सुनिश्चित की गई है। प्रतिवेदन वर्ष में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने डी.एस.टी., डी.बी.टी., आई.सी.सी.एस.आर., एस.ए.सी., एस.ई.आर.बी., एनसीडब्ल्यू, एनएचआरसी तथा यू.जी.सी. जैसी वित्तपोषण एजेंसियों से 100 करोड़ रुपये से अधिक की 110 शोध परियोजनाएं प्राप्त की हैं।

रोजगार संबंधी पहल

समय की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार उच्च कुशल जिम्मेदार पेशेवर उत्पन्न करना उच्च शिक्षा संस्थान की एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। अत: पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने तथा छात्रों के लिए विभिन्न प्रायोगिक कार्य क्षेत्र तैयार करने के समय रोजगार क्षेत्र की जरूरतों तथा उपयुक्त मानव संसाधनों की औद्योगिक मांगों को पूरा करने को हमेशा सबसे आगे रखा जाता है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य न केवल छात्रों को शिक्षित करना है, बल्कि उन्हें रोजगारपरक बनाना है ताकि वे राष्ट्र की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। देश के सामाजिक-आर्थिक प्रतिमान को बदलने के लिए युवा भारत की सक्षमता तथा सामर्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय का नियोजन प्रकोष्ठ न केवल संबंधित संगठनों में छात्रों के नियोजन में सहायता प्रदान करता है, बल्कि विश्वविद्यालय के छात्रों को उनके कैरियर की योजना बनाने, चयन परीक्षा, ग्रीष्मकालीन नियोजन, प्रशिक्षुता और अंतिम नियोजन की तैयारी में भी

मदद करता है। यह विश्वविद्यालय के साथ उद्योग संबंध के विकास के लिए प्रतिष्ठित संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संपर्क बनाने पर काम कर रहा है। नियोजन प्रकोष्ठ इन उद्योगों और संगठनों की आवश्यकताओं के साथ छात्रों के कैरियर की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सभी प्रयास कर रहा है। विभिन्न उद्योगों की मांग और वरीयता को ध्यान में रखते हुए, प्रकोष्ठ छात्रों के सर्वांगीण विकास की भी तलाश कर रहा है। इस दिशा में नियोजन प्रकोष्ठ द्वारा समय-समय पर विभिन्न गतिविधियों जैसे अभिक्षमता परीक्षा, समूह चर्चा, अतिथि व्याख्यान और निगम के व्यक्तित्वों के साथ प्रशिक्षण का आयोजन किया जाता है। प्रत्येक विभाग ने नियोजन प्रक्रिया में शामिल होने के इच्छुक छात्रों के मूल विवरण के साथ अपनी नियोजन विवरणिका को विकसित किया और बाद में, अनेक संभावित कंपनियों, एजेंसियों को विवरणिका भेजी गई। फरवरी और मार्च के दौरान कुछ कंपनियों ने परिसर का दौरा किया। लेकिन कोविड-19 की स्थिति और परिसर में छात्रों की अनुपलब्धता के कारण, कंपनियां परिसर में नहीं आ सकीं और भर्ती प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ा सकीं। फिर भी, कुछ कंपनियों ने अपनी भर्ती प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से की और लगभग 10% छात्रों को नियोजन का अवसर मिला। कोविड की स्थिति में सुधार के आधार पर जल्द ही नियोजन गतिविधियों को फिर से पटरी पर लाया जा सकता है।

समझौता ज्ञापन एवं साझेदारी

आज अद्यतित रहने का सबसे अच्छा तरीका संपर्क में रहना है। इस भावना को ध्यान में रखते हुए, विश्वविद्यालय ने शैक्षिक और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न संस्थानों के साथ गठजोड़ (करार) किया है। उनमें से कुछ संस्थान हैंरू कैस्टिला-ला मांचा विश्वविद्यालय (यूसीएलएम), स्पेन, गोर्नो-अल्टाइस्क स्टेट यूनिवर्सिटी (जीएएसयू), रूस, मोनाश विश्वविद्यालय, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया, कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, सैन बर्नार्डिनो, अमेरिका, सेंट्रल क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ रॉकम्पटन, (सी.क्यू. विश्वविद्यालय), क्वींसलैंड राज्य, ऑस्ट्रेलिया, इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन, एंटवर्प, बेल्जियम, थुएलोइ विश्वविद्यालय, हनोई, वियतनाम, यूनिवर्सिडैड ऑटोनोमा डे न्यूवो लेओन, मैक्सिको। अपने देश में जिन संस्थानों से करार है, वे हैंरू जेनपैक्ट इंडिया, नई दिल्ली, ए-3 लॉजिक्स, जयपुर, विश्वविद्यालय के बैंकर के रूप में बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया प्रोफेसर चेयर, एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, मुंबई, इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज, हैदराबाद, सेंटर फॉर बजट एंड पॉलिसी स्टडीज, बंगलुरु, हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज (आई.ई.एस.सी.), बंगलुरु, इन्फ्लीबनेट केन्द्र, अहमदाबाद में स्थित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का एक आईयूसी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली। इसके अतिरिक्त, सेंटर फॉर टेक्नोलॉजी इनक्यूबेशन, सामुदायिक महाविद्यालय और सामुदायिक रेडियो आदि अन्य उल्लेखनीय उपक्रम हैं। हाल ही में राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय-आर्मस्ट्रांग सहयोग, एनआईपीएएम (राष्ट्रीय लोक प्रशासन और प्रबंधन संस्थान) नामीबिया के बीच समझौता हुआ है।

विश्वविद्यालय सामुदायिक भागीदारी

विश्वविद्यालय ने भारत सरकार की नीतिगत आवश्यकताओं के अनुपालन हेतु एक सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ विकसित किया है। यह प्रकोष्ठ निकटवर्ती समुदायों के साथ विश्वविद्यालय के अंतःसंबंध स्थापित करने के उद्देश्य से अप्रैल 2015 से क्रियाशील है। प्रकोष्ठ ने अपने आस-पड़ोस के पांच गांवों को अपनाया है, जिनके नाम हैं - सिरोही, मुंडोती, खेड़ा, बांदरसिंदरी और नोहरिया। सामुदायिक जुड़ाव का दृष्टिकोण विज्ञान और प्रौद्योगिकी इंटरफेस के उपयोग के माध्यम से आस-पास के समुदाय को विकसित करना है। ग्रामीणों के लाभ के लिए ड्रग जागरूकता शिविर, स्वच्छता अभियान, युवाओं को नेतृत्व कौशल का प्रशिक्षण और समुदाय के कल्याण के लिए कई अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गांवों में विभिन्न पहल किए गए जिनमें वृक्षारोपण, सोखता गड्ढ़ा, स्वास्थ्य स्वच्छता गतिविधियों, जीवन कौशल सत्र, और किशोर लड़कियों के साथ व्यक्तिगत स्वच्छता सत्रों के आयोजन शामिल हैं। फरवरी 2021 में सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ का पुनर्गठन किया गया और प्रकोष्ठ ने कृषि परिवारों और समुदायों के विकास को सुनिश्चित करने के लिए एजोला कृषि और वर्मीकम्पोस्ट की योजना विकसित की है।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय किशनगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की खोज और जीर्णोद्धार के लिए भी उत्सुक है, जिसमें विभिन्न पत्थरों की नक्काशी, अनूठी चित्रकला शैली, संगीत, नृत्य और कला के अन्य रचनात्मक रूप शामिल हैं। एक स्थानीय चित्रकार को आमंत्रित किया गया और महत्वपूर्ण भवनों की प्रमुख दीवारों पर और 6 रंगीन चित्र बनाए गए हैं जो किशनगढ़ कला का प्रतिनिधित्व करते हैं। विशेष रूप से राजस्थान और किशनगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न अवसरों पर स्थानीय सांस्कृतिक विरासत को चित्रित किया जा रहा है।

उज्ज्वल भविष्य हेतु दायित्व का निर्वहन

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय हमेशा अपने मानकों में सुधार करने के लिए सर्वाधिक प्रयास कर रहा है और समय के साथ सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए, विश्वविद्यालय दृष्टिकोण विकसित करने और समग्र रूप से विश्वविद्यालय समुदाय के लिए एक बेहतर दुनिया और उज्जवल भविष्य के लिए दायित्व के निर्वहन हेतु पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इस प्रतिबद्धता की दिशा में विभागों, स्कूलों और विश्वविद्यालय स्तरों पर नियमित रूप से अनेक शैक्षणिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। सत्र 2019-20 के दौरान, कई विशेषज्ञ व्याख्यान, सम्मेलन, सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इसके अलावा, कई शोध परियोजनाएं चल रही हैं। विश्वविद्यालय में आई.एन.एस.ए. के युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, और इसी तरह के प्रतिष्ठित सम्मानों के प्राप्तकर्ता हैं। इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने जीआईएएन (ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ अकादमिक नेटवर्क) के तहत शानदार शिक्षाविदों की मेजबानी की है।

इसी प्रकार, विश्वविद्यालय एक विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला की मेजबानी करता है, जिसके तहत उच्च क्षमता वाले विभिन्न विद्वानों ने छात्रों तथा संकाय सदस्यों को मानव अनुभव के विभिन्न क्षेत्रों में प्रबुद्ध किया। इन विशिष्ट

व्याख्यानों में शास्त्रीय भारतीय नृत्य, आध्यात्मिक कल्याण, नवीकरणीय संसाधन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार, स्वास्थ्य और कल्याण जैसे विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान, विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन प्रणाली से दो विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किए। प्रत्येक विशेषज्ञ ने आलोचनात्मक समझ पर ध्यान केंद्रित किया और दर्शकों को सत्र से सीखने हेतु आकर्षित किया। 15 जुलाई को 'बैक टू बेसिक्स' पर 'पद्म श्री ' से सम्मानित प्रो. दीपक फाटक (सेवानिवृत्त प्रोफेसर, आईआईटी बॉम्बे) द्वारा विशिष्ट व्याख्यान दिया गया। एक और व्याख्यान 1 मार्च 2021 को "भारत में अंतःविषय अनुसंधान के शानदार अतीत को प्रोत्साहित करने वाला भविष्य : बुनियादी विज्ञान से अनुवाद के प्रयासों तक" विषय पर 'शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार विजेता' तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. देवी पी. सरकार द्वारा दिया गया। विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला का उद्देश्य प्रासंगिक विषयों और सामान्य रुचि के विषयों, जो वर्तमान समय के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक हैं, पर प्रेरित करना, चर्चा करना और परिसंवाद करना है।

छात्रों के बीच वैज्ञानिक स्वभाव और दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए, 25 फरवरी 2021 को विश्वविद्यालय के सभागार में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए "विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (एसटीआई) का भविष्य : शिक्षा, कौशल और कार्य पर प्रभाव" विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (NSD-2021) मनाया गया। इस अवसर पर 1 मार्च 2021 को एक विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें प्रो. डी पी सरकार, दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर, द्वारा "भारत में अंतःविषय अनुसंधान के शानदार अतीत को प्रोत्साहित करने वाला भविष्य : बुनियादी विज्ञान से अनुवाद के प्रयासों तक" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। आयोजन का उद्देश्य पोस्टर प्रस्तुतियों, विज्ञान मॉडल प्रदर्शनियों और पोडियम प्रस्तुतियों के माध्यम से छात्रों और शोधार्थियों के नवीन विज्ञान कौशल का प्रदर्शन करना था, जिससे उनके नवीन विज्ञान मॉडल और विचारों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में स्नातक छात्र, शोध छात्र और संकाय सदस्य शामिल हुए और ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यम में विभिन्न वैज्ञानिक विषयों पर औपचारिक और अनौपचारिक चर्चा की गई।

उच्च अकादमिक उपलब्धि की प्राप्ति की ओर :

अकादमिक प्रयासों को बढ़ावा देने और उच्च शिक्षा में भाग लेने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा नवीन प्रथाओं और दृष्टिकोणों का हमेशा समर्थन किया जाता है। संस्थान का नवाचार परिषद इस दिशा में काम करने वाली एक महत्वपूर्ण इकाई है। समकालीन या उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए अनुसंधान द्वारा संचालित नवाचार आवश्यक है। नवाचार लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान खोजने या मानव जीवन और प्रकृति के अग्रिम मुद्दों को हल करने की कुंजी है। इसलिए, नवाचार क्लब नवीन सोच को प्रोत्साहित करने और विश्वविद्यालय समुदाय और अन्य लोगों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्यों के साथ शुरू से ही राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का हिस्सा रहा है। इसके बाद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देश पर विचार करते हुए, 2019 में संस्थान की नवाचार परिषद (IIC) का पुनर्गठन किया गया। संस्थान के नवाचार परिषद में नवाचार तथा अभिनव प्रक्रियाओं के विकास से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों के अनेक बाह्य विशेषज्ञ भी शामिल हैं। इसमें निकटवर्ती इनक्यूबेशन

सेंटर के एक प्रतिनिधि, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर)/पेटेंट के विशेषज्ञ, केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र, छात्र प्रतिनिधि और अन्य सदस्य शामिल हैं। संस्थान नवाचार परिषद का प्रमुख केन्द्र बिंदु एक जीवंत स्थानीय नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाना और सभी सदस्यों के बीच नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देना है। इस संबंध में, संस्थान नवाचार परिषद ने राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में विभिन्न आंतरिक गतिविधियों के साथ-साथ मानव संसाधन विकास मंत्रालय की कुछ गतिविधियों का भी आयोजन किया।

10 नवंबर 2020 को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में संस्थान नवाचार परिषद द्वारा पेटेंट और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर एक वेबिनार आयोजित किया गया। एक अन्य गतिविधि 7 दिसंबर 2020 को "माई स्टोरी - सफल इनोवेटर्स द्वारा प्रेरक सत्र" शीर्षक से आयोजित की गई जिसमें डॉ बनवारी लाल, वरिष्ठ निदेशक, टेरी, नई दिल्ली द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। संस्थान नवाचार परिषद ने छात्रों और कर्मचारियों के बीच नवीन सोच और अभ्यास को प्रोत्साहित करने के लिए, राष्ट्रीय नवाचार और स्टार्टअप नीति पर सभी छात्रों और संकायों के लिए इनोवेशन एंबेसडर की वार्ता श्रृंखला, अभिविन्यास सत्र जैसे अनेक अन्य कार्यक्रम आयोजित किए।

शिक्षण अध्ययन केन्द्र (टीएलसी@राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय) की स्थापना 2017-18 में साक्ष्य-आधारित शिक्षण का समर्थन करने और शिक्षकों को विविध अवसर प्रदान करने की दृष्टि से की गई। यह पंडित मदन मोहन मालवीय योजना के तहत शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) के तहत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है। इसकी परिकल्पना शिक्षकों को उनकी शिक्षण शैली के आधुनिकीकरण तथा अवधारणाओं एवं सूचनाओं को इस तरह निर्मित करने में सहायता प्रदान करने के लिए की गयी है कि छात्र अर्थपूर्ण तरीके से इसे ग्रहण कर सकें तथा छात्रों को और अधिक गहराई से सीखने तथा जो उन्होने सीखा है उसे बनाए रखने की शिक्षा दी जा सके। यह शिक्षकों को शिक्षण के नए और प्रभावी तरीकों के संबंध में प्रशिक्षित करने के लिए भी है। टीएलसी की परिकल्पना महाविद्यालयों और स्नातकोत्तर विभागों के शिक्षकों द्वारा उपयोग हेतु नियमित आधार पर, अनुशासन-विशिष्ट पाठ्यक्रम, शिक्षाशास्त्र, शिक्षण सामग्री (ई-सामग्री सहित) को बढ़ावा देने के लिए की गई है। इस दिशा में टीएलसी ने वर्ष 2020-21 में ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में देश भर के प्रतिभागी और दुनिया भर के सम्मानित वक्ता शामिल हुए। इस अवधि में टीएलसी द्वारा सात कार्यक्रम आयोजित किए गए।

- 1 से 5 मार्च 2021 तक "एनईपी 2020: जीवन कौशल और समग्र विकास के लिए प्रोत्साहन" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम।
- 20 जनवरी - 16 फरवरी, 2021तक उच्चतर शिक्षा संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए चार सप्ताह का ऑनलाइन प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- 4 से 14 जनवरी, 2021 तक "प्रबंधन में भारतीय लोकाचार" पर दस दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम।
- 22 से 26 दिसंबर, 2020 तक "शिक्षण और अध्ययन की प्रक्रिया में अनुसंधान संस्कृति को विकसित करना" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम।

- 21 से 26 दिसंबर, 2020 तक "शिक्षण और अध्ययन पर पारंपरिक भारतीय ज्ञान" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम।
- 14 से 18 दिसंबर, 2020 तक “नई शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन : व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास” पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम।
- 4 से 8 नवंबर 2020 तक “नई शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन : उच्चतर शिक्षा संस्थानों के संकाय सदस्यों की भूमिका" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम।

कोविड-19 महामारी से निपटने हेतु विशेष प्रयास :

विश्वविद्यालय ने एमएचआरडी, यूजीसी और अन्य सक्षम प्राधिकारियों द्वारा जारी विभिन्न निर्देशों और प्रोटोकॉल का अनुपालन किया है ताकि महामारी की स्थिति का सर्वोत्तम संभव प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके। इसने वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सभी शैक्षणिक गतिविधियों को सफलतापूर्वक जारी रखा है। विश्वविद्यालय ने मार्च 2020 में डिजिटल शिक्षण अध्ययन कौशल और तकनीकों के साथ संकाय सदस्यों को सशक्त बनाने के लिए एक 'डिजिटल लर्निंग टेक्नोलॉजी सपोर्ट सेंटर' की भी स्थापना की और केंद्र ने छात्रों और शिक्षकों के लिए ऑनलाइन जुड़ाव को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसने संस्थागत जूम प्लेटफॉर्म खरीदा। आभासी मंच के माध्यम से संकाय सदस्यों ने शैक्षणिक सहभागिता के विभिन्न रूपों को जारी रखा। जरूरत के मुताबिक गूगल क्लासरूम और गूगल मीट और दूसरे प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। सभी असाइनमेंट और निर्धारित परीक्षा समय पर आयोजित की गई और परिणाम भी प्रकाशित किये गये। फरवरी-मार्च 2021 के दौरान, जब स्थिति बेहतर थी, सरकारी निर्देश के अनुसार अंतिम वर्ष के कुछ छात्रों को परिसर में बुलाया गया और उन्होंने अपनी प्रयोगशाला कक्षाएं पूरी कीं। प्रत्येक विभाग और विषय के शिक्षक ने कक्षाओं का संचालन किया ताकि छात्रों को महामारी के कारण शैक्षणिक बाधा महसूस न हो। मार्च 2020 में शैक्षणिक मानकों, परीक्षा और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए 'मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण समिति' का पुनर्गठन किया गया और कुछ अन्य समितियों की स्थापना की गई। समिति ने वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपना काम जारी रखा। स्वच्छता के पर्याप्त उपाय किए गए और साथ ही परिसर में और बाहर की आवाजाही पर पूरी तरह से स्क्रीनिंग और संगरोध नीतियों को अपनाने के साथ निगरानी की गई। संकाय सदस्यों ने स्विव्ल में व्याख्यान रिकॉर्ड किए, विभिन्न शैक्षणिक संसाधन लिंक साझा किए, छात्रों को स्वयम और एनपीटीईएल के माध्यम से ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। ऑनलाइन प्रणाली (घर से परीक्षा) के माध्यम से अंतिम सेमेस्टर परीक्षा को मानक प्रथाओं के साथ संस्थागत रूप दिया गया है। संकाय सदस्यों ने विभिन्न एजेंसियों को कई शोध परियोजनाएं प्रस्तुत कीं और अकादमिक गतिविधियां जैसे वेबिनार के माध्यम से व्याख्यान देना, कोविड-19 पर पत्र प्रकाशित करना आदि भी आयोजित की गईं। विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र जैविक-आपदा महामारी की इस अवधि में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय सभागार में कर्मचारियों के टीकाकरण के लिए चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया और सभी को नियमित रूप से टीकाकरण और अन्य स्वास्थ्य दिशानिर्देशों की जानकारी भी दी गईं। समग्र रूप से, विश्वविद्यालय ने महामारी की चुनौतियों को प्रौद्योगिकी-सशक्त शिक्षा को आत्मसात करने के अवसर के रूप में माना और इसे विश्वविद्यालय प्रणाली के भीतर संस्थागत रूप दिया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का कार्यान्वयन

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को अक्षरश: लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु पहले कदम के रूप में, वेबिनार और संकाय विकास कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की। पांच वर्षीय एकीकृत कार्यक्रमों में अब छठे सेमेस्टर के बाद पाठ्यक्रम छोड़ने का विकल्प मौजूद है।

- योग स्कूल द्वारा भी योग में पाठ्यक्रम छोड़ने के विकल्पों के साथ लघु अवधि प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम और व्यावसायिक कार्यक्रम डिजाइन किए जा रहे हैं। इन्हें आगामी सत्र से संचालित किया जाएगा।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अधिदेश (खंड 15.9) के अनुसार अकादमिक वर्ष 2020-21 से पीएच.डी. में प्रवेश लेने वाले सभी शोधार्थियों को, चाहे वे किसी भी विषय के हों, पीएच.डी. डॉक्टरेट प्रशिक्षण अवधि के दौरान शिक्षण/अध्ययन/शिक्षा शास्त्र संबंधित पीएच.डी. विषय में अनिवार्य रूप से क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम लेना होगा। इन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा शैक्षिक प्रबंधन और शिक्षाशास्त्र पर पाठ्यक्रम डिजाइन किए गए हैं जो औपचारिक रूप से अकादमिक परिषद द्वारा अनुमोदित हैं।
- दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता को पूरा करने के लिए स्कूल ऑफ एजुकेशन भी पाठ्यक्रम तैयार करने की प्रक्रिया में है।
- फिटनेस और सामुदायिक सेवा गतिविधियाँ जो छात्रों के समग्र विकास में मदद करती हैं, उन्हें अकादमिक वर्ष 20-21 से विश्वविद्यालय के सभी कार्यक्रमों में अनिवार्य क्रेडिट-आधारित पाठ्यक्रम के रूप में तैयार किया गया है।

परिदृश्य और संभावनाएँ

पिछले दशक की यात्रा को देखते हुए यह बहुत अच्छी तरह से पुष्ट है कि विश्वविद्यालय ने अकादमिक जगत और समाज के लिए अपने आकार, मानक और योगदान में महत्वपूर्ण वृद्धि की है। पूर्व छात्र देश के विभिन्न कोनों और यहां तक कि विदेश तक पहुंच चुके हैं, विविध पेशेवर क्षेत्रों में सफल हुए हैं, साथ ही विश्वविद्यालय का अकादमिक बंधुत्व प्रासंगिक ज्ञान और कौशल के अनुसंधान और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। अपनी सभी प्रतिबद्धताओं और शक्ति के साथ, विश्वविद्यालय पूरी तरह से शिक्षा के ऐसे केंद्र के रूप में विकसित होने के दृष्टिकोण के प्रति समर्पित है, जहां एक बेहतर, न्यायसंगत और दूरदर्शी राष्ट्र के लिए विचारशील, रचनात्मक, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिकों का विकास किया जाता हो। भविष्य के प्रत्येक प्रयास इस दिशा में एक कदम होगें। राष्ट्र को धरोहर-संपन्न (प्राकृतिक और सांस्कृतिक रूप से) बने रहने और सदाचारयुक्त तथा ज्ञान-पोषित समाज के निर्माण में सहायता करना है। इन प्रयासों के साथ राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा का एक ऐसा स्थान बनने के लिए प्रयासरत है, जहाँ स्थानीय, क्षेत्रीय और वैश्विक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए शिक्षण, अध्ययन, अनुसंधान और विस्तार के उत्कृष्ट अवसर के साथ मानव क्षमता का विकास हो।

अकादमिक सूचना

इस अध्याय में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अकादमिक स्थिति का संख्यात्मक विवरण दिया गया है। सारणी तथा चित्र अकादमिक वर्ष 2020-21 की संपूर्ण स्थिति को दर्शाती है। पहली सारणी (सारणी संख्या -1) आरक्षित और अनारक्षित श्रेणी में 52 इंटीग्रेटेड तथा स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश का विवरण दर्शाती है। दूसरी सारणी (सारणी संख्या -2) में 20 पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश को दर्शाया गया है। तीसरी सारणी (सारणी संख्या -3) में विभिन्न कार्यक्रमों मे 29 राज्यों तथा विदेशी विद्यार्थियों के लिंगानुपात को दर्शाया गया है। अगली सारणी (सारणी संख्या-4) में संबधित कार्यक्रमों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को दर्शाया गया है। सारणी संख्या 5 में दीक्षांत समारोहों के अनुसार उपाधि प्राप्तकर्ताओं का विवरण दिया गया है। 2020 बैच के लिए अगले दीक्षांत समारोह में 72 पीएचडी सहित कुल 548 डिग्री प्रदान की जाएगी। सारणी-6 में वर्ष 2020 में विभिन्न कार्यक्रमों में उत्तीर्ण होकर उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या का विवरण दिया गया है।

प्रवेश 2020-21

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	विषय	मूल प्रवेश						सीयूसीईटी20 -20 में विज्ञापित प्रवेश						प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी							अनाक्षित वर्ग में प्रवेश				
			अना.	अपिव	अजा	अजजा	ई. डब्ल्यू. एस.	कुल	अना.	अपिव	अजा	अजजा	ई. डब्ल्यू. एस.	कुल	अना.	अपिव	अजा	अजजा	ई. डब्ल्यू. एस.	विदेशी	कुल	अपिव	अजा	अजजा	ई. डब्ल्यू. एस.	कुल
1	बी.टेक .	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	7	10	4	2	4	0	27	2	0	0	1	3
2	बी.टेक.	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	6	8	2	1	3	0	20	0	0	0	0	0
3	बी.टेक.	जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	1	8	2	1	4	0	16	0	0	0	1	1
4	इंटी. एम.एससी	जैव रसायन विज्ञान	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	7	12	4	2	3	0	28	4	0	0	0	4
5	इंटी. एम.एससी	जैव प्रौद्योगिकी	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	9	13	4	2	3	0	31	5	0	0	0	5
6	इंटी. एम.एससी	रसायन विज्ञान	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	12	10	4	2	3	0	31	2	0	0	0	2
7	इंटी. एम.एससी	कंप्यूटर विज्ञान	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	5	16	4	1	3	0	29	8	0	0	0	8
8	इंटी. एम.एससी	अर्थशास्त्र	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	12	10	4	1	3	0	30	2	0	0	0	2
9	इंटी. एम.एससी	पर्यावरण विज्ञान	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	9	12	4	2	3	0	30	4	0	0	0	4
10	इंटी. एम.एससी	गणित	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	5	13	6	1	3	0	28	5	2	0	0	7
11	इंटी. एम.एससी	सूक्ष्म जीवविज्ञान	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	7	12	4	1	6	0	30	4	0	0	3	7
12	इंटी. एम.एससी	भौतिकी	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	7	13	4	1	4	0	29	5	0	0	1	6
13	इंटी. एम.एससी	सांख्यिकी	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	7	12	4	1	4	0	28	4	0	0	1	5
14	इंटी. एम.एससी	भाषा विज्ञान	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	11	7	2	0	0	0	20	0	0	0	0	0
15	एम.आर्क.	वास्तुकला	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	8	6	1	1	0	0	16	0	0	0	0	0
16	एम.एससी .	जैव रसायन विज्ञान	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	6	5	2	2	2	0	17	0	0	0	0	0
17	एम.एससी .	जैव प्रौद्योगिकी	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	12	8	3	1	1	0	25	2	0	0	0	2
18	एम.एससी .	रसायन विज्ञान	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	11	5	4	2	2	1	25	0	1	0	0	1
19	एम.कॉम.	वाणिज्य	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	6	9	5	2	1	0	23	3	2	0	0	5
20	एम. एससी.	कंप्यूटर विज्ञान	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	5	9	3	0	1	0	18	3	0	0	0	3
21	एम.टेक.	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	2	11	0	0	2	0	15	5	0	0	0	5
22	एम.टेक.	साइबर फिजिकल सिस्टम	7	4	2	1	1	15	7	4	2	1	1	15	0	2	0	0	1	0	3	2	0	0	1	3
23	एम.ए.	संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	4	8	3	0	1	0	16	2	0	0	0	2

प्रवेश 2020-21																										
क्रम सं.	पाठ्यक्रम	विषय	मूल प्रवेश						सीयूसीईटी20 -20 में विज्ञापित प्रवेश						प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी							अनाक्षित वर्ग में प्रवेश				
			अना.	अपिव	अजा	अजजा	ई. डब्ल्यू. एस.	कुल	अना.	अपिव	अजा	अजजा	ई. डब्ल्यू. एस.	कुल	अना.	अपिव	अजा	अजजा	ई. डब्ल्यू. एस.	विदेशी	कुल	अपिव	अजा	अजजा	ई. डब्ल्यू. एस.	कुल
24	एम.ए.	अर्थशास्त्र	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	7	6	1	1	0	0	15	0	0	0	0	0
25	एम.ए.	अंग्रेजी	15	9	5	3	3	35	15	9	5	3	3	35	13	12	5	3	3	0	36	3	0	0	0	3
26	एम.ए.	सांस्कृतिक सूचना विज्ञान	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	1	1	2	0	0	0	4	1	2	0	0	3
28	एम. एससी.	पर्यावरण विज्ञान	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	7	7	2	2	2	0	20	1	0	0	0	1
29	एम.ए.	हिंदी	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	2	10	2	3	0	0	17	2	0	1	0	3
30	एमबीए	प्रबंधन	15	9	5	3	3	35	15	9	5	3	3	35	11	12	5	1	5	2	36	3	0	0	2	5
31	एम .एससी.	गणित	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	7	9	3	1	1	0	21	3	0	0	0	3
32	एम. एससी.	सूक्ष्म जीवविज्ञान	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	12	6	3	1	1	0	23	0	0	0	0	0
33	एमफॉर्म.	फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान	4	2	1	1	1	9	4	2	1	1	1	9	0	6	1	1	1	0	9	4	0	0	0	4
34	एमफॉर्म.	फार्मास्युटिक्स	4	2	1	1	1	9	4	2	1	1	1	9	2	4	1	1	2	0	10	2	0	0	1	3
35	एम. एससी.	भौतिकी	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	11	7	3	2	3	0	26	1	0	0	1	2
36	एम.ए.	लोक नीति, विधि और शासन	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	7	4	1	1	0	0	13	0	0	0	0	0
37	एम.ए.	सामाजिक कार्य	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	7	8	2	1	3	0	21	2	0	0	1	3
38	एम. एससी.	सांख्यिकी	10	6	3	2	2	23	10	6	3	2	2	23	5	11	1	0	2	0	19	5	0	0	0	5
39	एम. एससी.	वायुमंडलीय	9	5	3	1	2	20	9	5	3	1	2	20	4	8	2	0	1	0	15	3	0	0	0	3
40	एम. एससी.	कंप्यूटर विज्ञान (बिग डाटा विश्लेषण)	21	13	7	4	5	50	21	13	7	4	5	50	16	14	3	2	1	0	36	1	0	0	0	1
41	एम. एससी.	योग थेरेपी	9	5	3	1	2	20	9	5	3	1	2	20	4	4	4	0	0	0	12	0	1	0	0	1
42	पी.जी डिप्लोमा	मीडिया लेखन एवं डिजिटल संचार	9	5	3	1	2	20	9	5	3	1	2	20	4	1	0	0	0	0	5	1	0	0	0	1
43	एम. एससी.	खेल जैव रसायन विज्ञान	7	4	2	1	1	15	7	4	2	1	1	15	6	3	1	1	0	0	11	0	0	0	0	0
44	एम.एससी.	खेल पोषाहार	7	4	2	1	1	15	7	4	2	1	1	15	3	2	0	0	0	1	6	2	0	0	0	2
45	एम.एससी.	खेल शरीरक्रिया विज्ञान	7	4	2	1	1	15	7	4	2	1	1	15	2	1	0	0	0	0	3	1	0	0	0	1
46	एम.एससी.	खेल मनोविज्ञान	7	4	2	1	1	15	7	4	2	1	1	15	1	2	0	0	0	0	3	2	0	0	0	2
47	एम.एससी.	खेल जैव यांत्रिकी	7	4	2	1	1	15	7	4	2	1	1	15	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
48	एम.एससी.	डिजिटल सोसाइटी	7	4	2	1	1	15	7	4	2	1	1	15	5	5	0	0	1	0	11	1	0	0	0	1
49	इंटी. एम.एससी	बी.एड.(भौतिकी)	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	6	13	4	2	6	0	31	5	0	0	3	8
50	इंटी. एम.एससी	बी.एड.(रसायन विज्ञान)	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	9	10	4	2	3	0	28	2	0	0	0	2
51	इंटी. एम.एससी	बी .एड.(गणित)	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	5	16	4	2	3	0	30	8	0	0	0	8
52	इंटी. एम.एससी	बी .एड.(अर्थशास्त्र)	13	8	4	2	3	30	13	8	4	2	3	30	12	9	2	2	1	0	26	1	0	0	0	1
	कुल		562	338	172	96	119	1287	562	338	172	96	119	1287	328	410	129	55	96	4	1022	116	8	1	16	141

सारणी सं. 1 : अकादमिक वर्ष 2020-21 में प्रवेश संबंधी सूचना

इसमें से 410 विद्यार्थी (40.11%) अ.पि.व. श्रेणी के हैं, 328 विद्यार्थी (33.09%) सामान्य श्रेणी के हैं, 125 विद्यार्थी (12.23%) अनुसूचित जाति वर्ग से, 55 विद्यार्थी (5.38%) अनुसूचित जनजाति वर्ग से और शेष 96 विद्यार्थी (9.39%) ई.डब्ल्यू.एस. वर्ग से हैं। सारणी में यह भी दर्शाया गया है कि आरक्षित श्रेणी के 141 विद्यार्थियों ने अनारक्षित सीटों पर प्रवेश प्राप्त किया। इसके बाद, चित्र -1 में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2020-21 में विभिन्न श्रेणियों में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों के वितरण को दर्शाया गया है। चित्र -2, में विभिन्न कार्यक्रमों में मेधा सूची के अनुसार अनारक्षित सीटों को सुरक्षित करने में विभिन्न वर्गों के सक्षम विद्यार्थियों की सख्या को दर्शाया गया है।

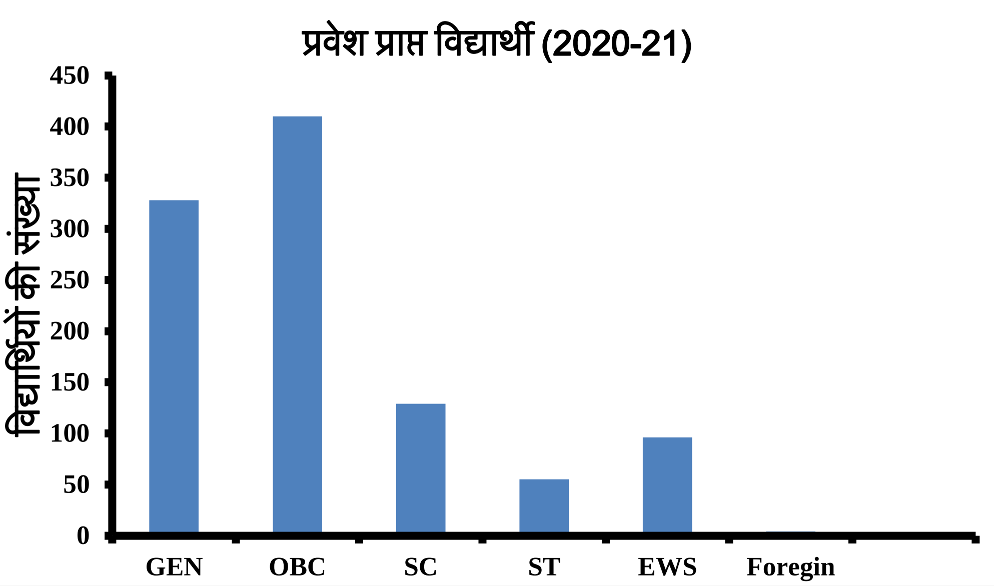

चित्र 1: अकादमिक वर्ष 2020-21 में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों की संख्या

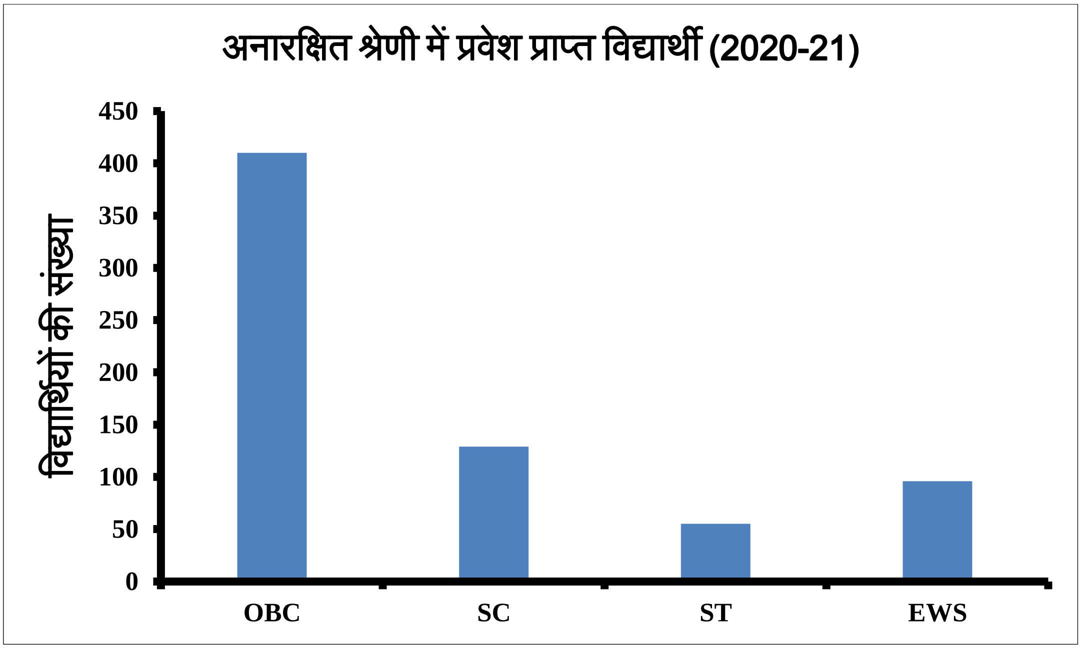

चित्र 2 : अकादमिक वर्ष 2020-21 में अनारक्षित श्रेणी में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों की संख्या

सारणी सं. 2 : अकादमिक सत्र 2020-21 में पीएच.डी. कार्यक्रम में नामांकन संबंधी सूचना

शैक्षणिक सत्र-2020-21 में पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश								
क्रम सं.	कार्यक्रम का नाम	कुल स्थान	प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी					
			अनारक्षित	अपिजा	अजा	अजजा	ई.डब्ल्यू. एस.	कुल
1	पीएच.डी. वायुमंडलीय विज्ञान	4	1	1	1	0	0	3
2	पीएच.डी. जैव रसायन विज्ञान	18	4	6	3	1	2	16

3	पीएच.डी. जैव प्रौद्योगिकी	10	2	2	1	1	0	6
4	पीएच.डी. एजुकेशन	7	2	2	1	0	1	6
5	पीएच.डी. रसायन विज्ञान	3	1	1	0	0	1	3
6	पीएच.डी. वाणिज्य	6	1	1	0	1	1	4
7	पीएच.डी. कंप्यूटर विज्ञान	3	1	1	0	0	0	2
8	पीएच.डी. कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	4	1	1	1	0	0	3
9	पीएच.डी. संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन	4	1	1	1	0	1	4
10	पीएच.डी. अर्थशास्त्र	6	1	2	1	0	2	6
11	पीएच.डी. अंग्रेजी	5	3	1	1	0	0	5
12	पीएच.डी. पर्यावरण विज्ञान	6	0	2	1	1	1	5
13	पीएच.डी. हिन्दी	3	0	1	0	0	1	2
14	पीएच.डी. प्रबंधन	8	3	2	1	0	1	7
15	पीएच.डी. गणित	4	1	1	1	0	1	4
16	पीएच.डी. सूक्ष्म जीवविज्ञान	15	6	4	1	0	0	11
17	पीएच.डी. फार्मेसी	14	3	5	2	0	2	12
18	पीएच.डी. भौतिकी	15	6	3	2	1	1	13
19	पीएच.डी. लोक नीति, विधि एवं शासन	8	3	2	1	1	1	8
20	पीएच.डी. सामाजिक कार्य	6	2	2	1	0	1	6
21	पीएच.डी. सांख्यिकी	5	**2**	**0**	**1**	**0**	**0**	**3**
	कुल	**154**	**44**	**41**	**21**	**6**	**17**	**129**

सारणी - 2 के अनुसार सत्र 2020-21 में 21 विभिन्न कार्यक्रमों में 154 स्थानों के एवज में 129 विद्यार्थियों ने पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त किया। चयन की सभी प्रक्रिया सीयूसीईटी 2020 के माध्यम से किया गया। वर्ष 2019-20 में ईडब्लूएस श्रेणी में पीएचडी प्रवेश शुरू किया था। चित्र-3 की आकृति में विभिन्न कोटि में पीएच.डी. में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों के विभाजन को दर्शाया गया है। चित्र-4 में विभिन्न विभागों में पीएच.डी. में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों के विभाजन को दर्शाया गया है।

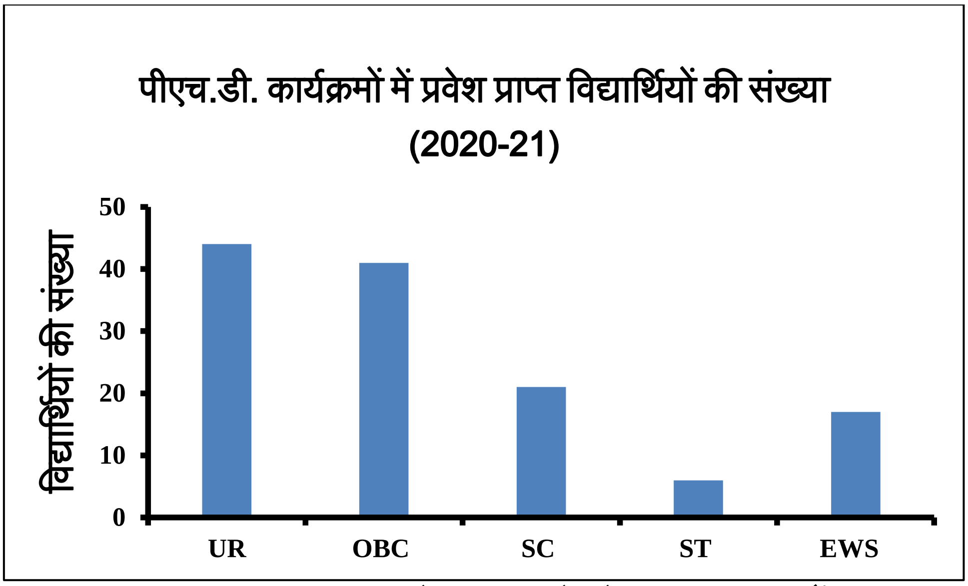

चित्र 3 : अकादमिक वर्ष 2020-21 में पीएच.डी. में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों की संख्या

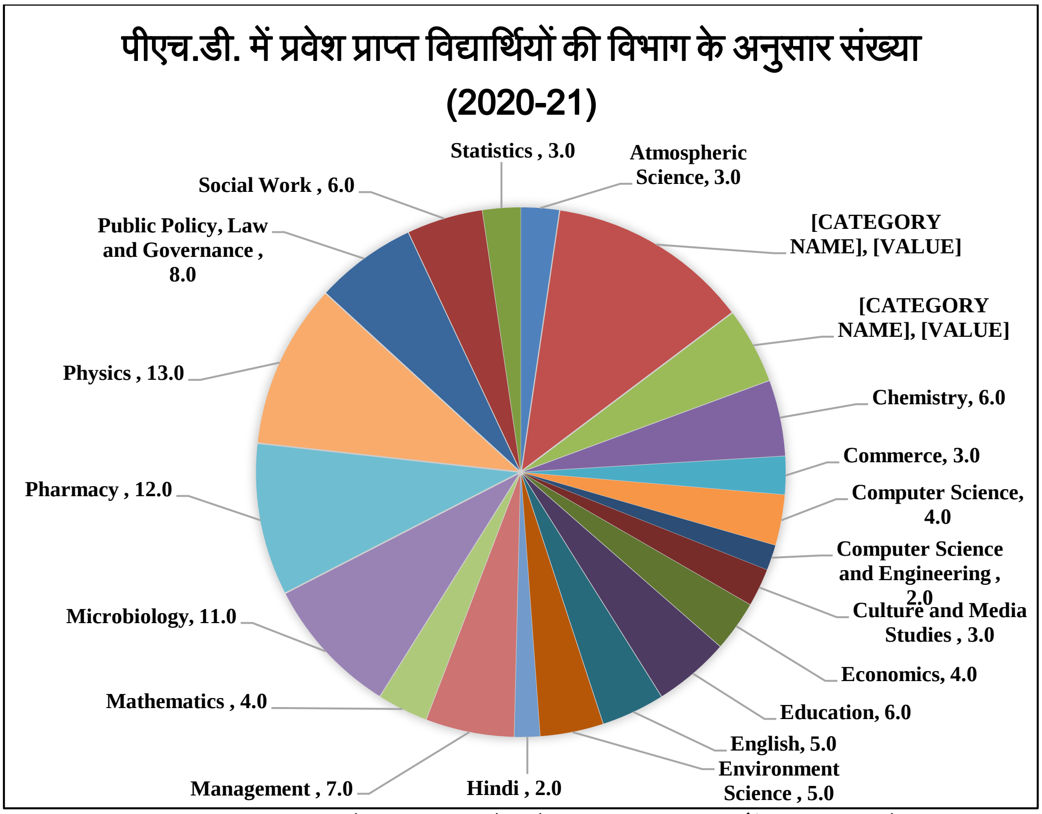

चित्र 4 : अकादमिक वर्ष 2020-21 में पीएच.डी. में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों की विभाग के अनुसार संख्या

सारणी क्रमांक 3: सत्र 2020-21 तक राज्यवार सभी कार्यक्रमों में लिंगानुसार विद्यार्थियों का विभाजन

विद्यार्थी 2020-21 तक (31.03.2021 के अनुसार)																							
क्रसं	राज्य	बी.वॉक		बी.टेक.		इंटीग्रेटेड एम.एससी. 5 वर्षीय		एम.ए./ एम. एससी.		इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड. 3 वर्षीय		एम.टेक / एम.आर्क		एमबीए		नए		पूर्ववर्ती		कुल		कुल	प्रतिशतता
		पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.		
1	अरुणाचल प्रदेश	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	0.00
2	अंडमान निकोबार	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	**1**	0.05
3	आंध्रप्रदेश	0	0	1	0	9	1	2	1	0	0	0	0	0	0	17	1	12	2	29	3	**32**	1.48
4	असम	0	0	0	0	1	1	2	2	0	1	1	0	0	0	5	6	4	4	9	10	**19**	0.88
5	बिहार	1	2	1	0	50	15	25	15	5	8	0	1	4	1	74	35	86	42	160	77	**237**	10.93
6	छत्तीसगढ़	0	1	0	0	2	1	0	2	0	0	1	0	0	0	3	1	3	4	6	5	**11**	0.51
7	चंडीगढ़	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	0.00
8	दादर और नगर हवेली	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	0.00
9	दमन और दिउ	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	0.00
10	दिल्ली	0	0	0	0	4	1	8	4	1	1	1	0	0	0	12	12	14	6	26	18	**44**	2.03
11	गोवा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	0.00
12	गुजरात	0	0	0	0	0	1	0	2	1	0	0	0	0	0	1	1	1	3	2	4	**6**	0.28
13	हरियाणा	0	0	1	0	8	10	12	19	6	2	0	1	1	1	29	14	28	33	57	47	**104**	4.80
14	हिमाचल प्रदेश	0	0	0	0	1	0	1	2	0	0	0	0	0	0	1	3	2	2	3	5	**8**	0.37
15	झारखण्ड	1	1	0	0	8	3	4	4	1	1	1	1	0	0	13	21	15	10	28	31	**59**	2.72
16	जम्मू कश्मीर	0	0	0	0	3	3	1	2	1	0	0	0	0	0	10	4	5	5	15	9	**24**	1.11
17	केरल	1	0	0	0	16	15	21	12	0	2	0	1	1	0	48	27	39	30	87	57	**144**	6.64
18	कर्नाटक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	2	0	**2**	0.09
19	लक्षदीप	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	0.00
20	मेघालय	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	**1**	0.05
21	मणिपुर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	0.00
22	मध्य प्रदेश	0	1	0	0	7	0	3	3	3	0	0	0	2	1	9	8	15	5	24	13	**37**	1.71
23	महाराष्ट्र	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	1	1	0	0	10	6	1	3	11	9	**20**	0.92
24	मिजोरम	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	**1**	0.05
25	नागालैंड	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	2	0	**2**	0.09
26	उड़ीसा	0	0	0	0	9	4	8	4	4	1	0	0	0	0	36	25	21	9	57	34	**91**	4.20
27	पंजाब	0	0	0	0	1	3	0	2	0	0	0	0	0	0	1	0	1	5	2	5	**7**	0.32
28	पांडिचेरी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	0.00
29	राजस्थान	10	8	10	1	231	120	64	72	78	27	4	6	3	8	237	131	400	242	637	373	**1010**	46.59
30	सिक्किम	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	**1**	0.05
31	तमिलनाडु	0	0	0	0	0	2	1	1	0	0	0	0	0	0	3	1	1	3	4	4	**8**	0.37
32	त्रिपुरा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	**1**	0.05
33	तेलंगाना	0	0	1	0	7	3	3	0	0	0	0	0	0	0	15	13	11	3	26	16	**42**	1.94
34	उत्तराखंड	0	0	3	0	0	0	2	3	0	1	0	0	0	0	6	8	5	4	11	12	**23**	1.06
35	उत्तर प्रदेश	0	0	0	0	22	7	17	15	0	1	5	2	3	1	51	44	47	26	98	70	**168**	7.75
36	पश्चिम बंगाल	0	0	0	0	8	3	5	7	1	3	0	1	1	0	24	9	15	14	39	23	**62**	2.86
37	विदेशी नागरिक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	1	0	0	2	1	**3**	0.14
	कुल	**13**	**13**	**17**	**1**	**388**	**193**	**181**	**175**	**101**	**49**	**14**	**14**	**15**	**12**	**609**	**373**	**729**	**457**	**1338**	**830**	**2168**	**100.00**

सारणी सं.- 3 तथा चित्र – 5 में लिंगानुपात विभाजन दर्शाता है कि सत्र 2020 में 38.28% विद्यार्थी महिला हैं जबकि शेष 61.71% विद्यार्थी पुरुष हैं. चित्र-6 दर्शाती है कि 46.59% विद्यार्थी राजस्थान के हैं जबकि 53.41% विद्यार्थी अन्य राज्यों के हैं। सारणी-3 में यह भी दर्शाया गया है कि भारत के 28 अलग-अलग राज्यों के विद्यार्थी के साथ ही अन्य विदेशी विद्यार्थी भी राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं जो अखिल भारतीय विशिष्टता एवं महानगरीय संस्कृति का द्योतक है।

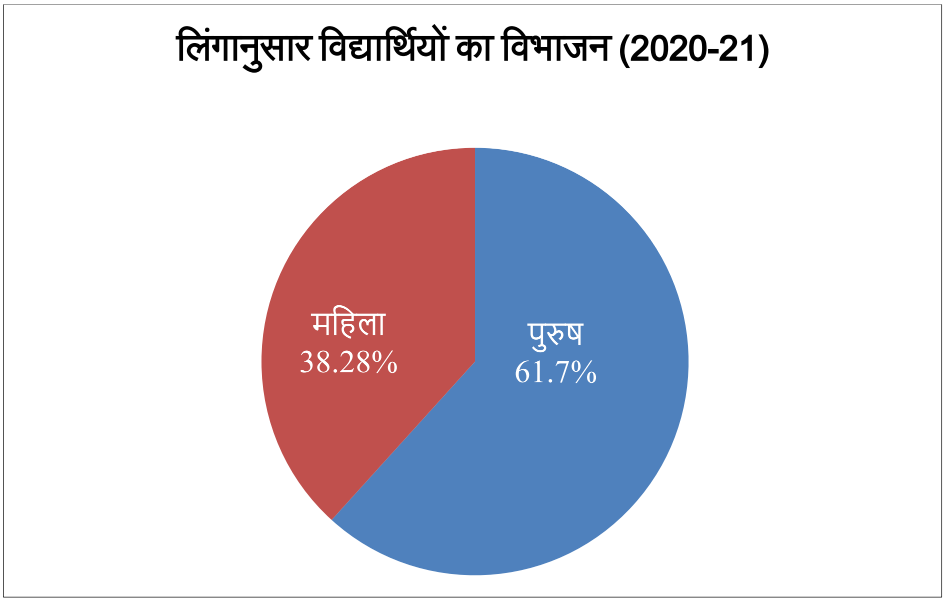

चित्र 5 : अकादमिक वर्ष 2020-21 तक प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों का लिंगानुसार विभाजन

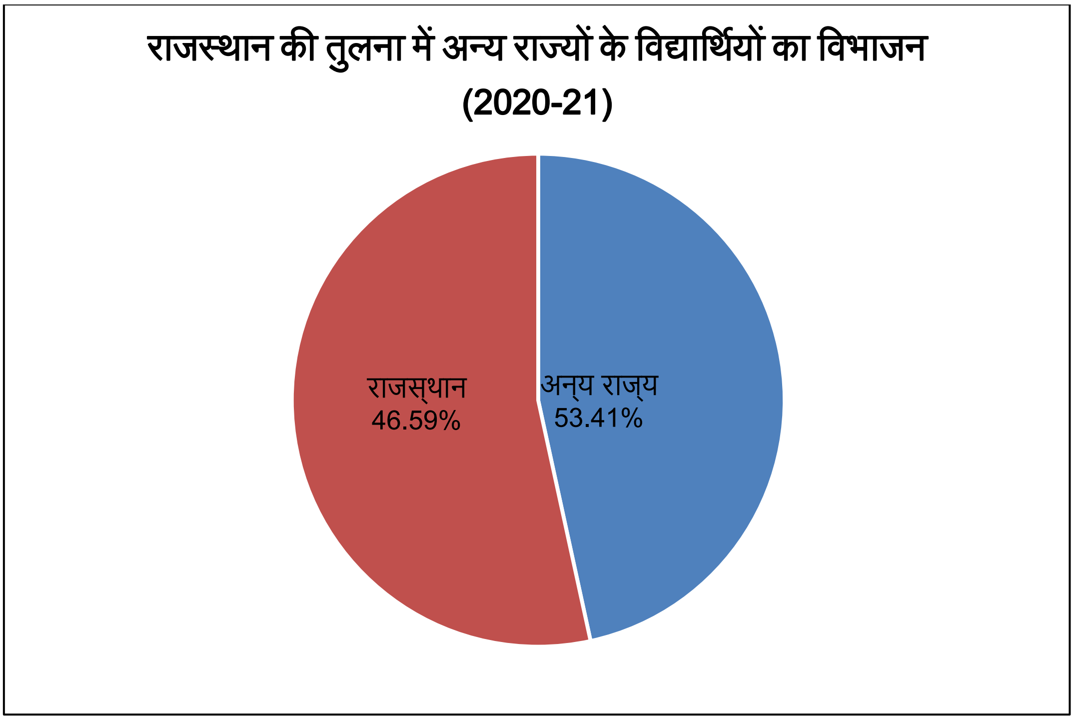

चित्र 6 : अकादमिक वर्ष 2020-21 तक प्रवेश प्राप्त अन्य राज्यों के विद्यार्थियों तथा राजस्थान के विद्यार्थियों की प्रतिशतता

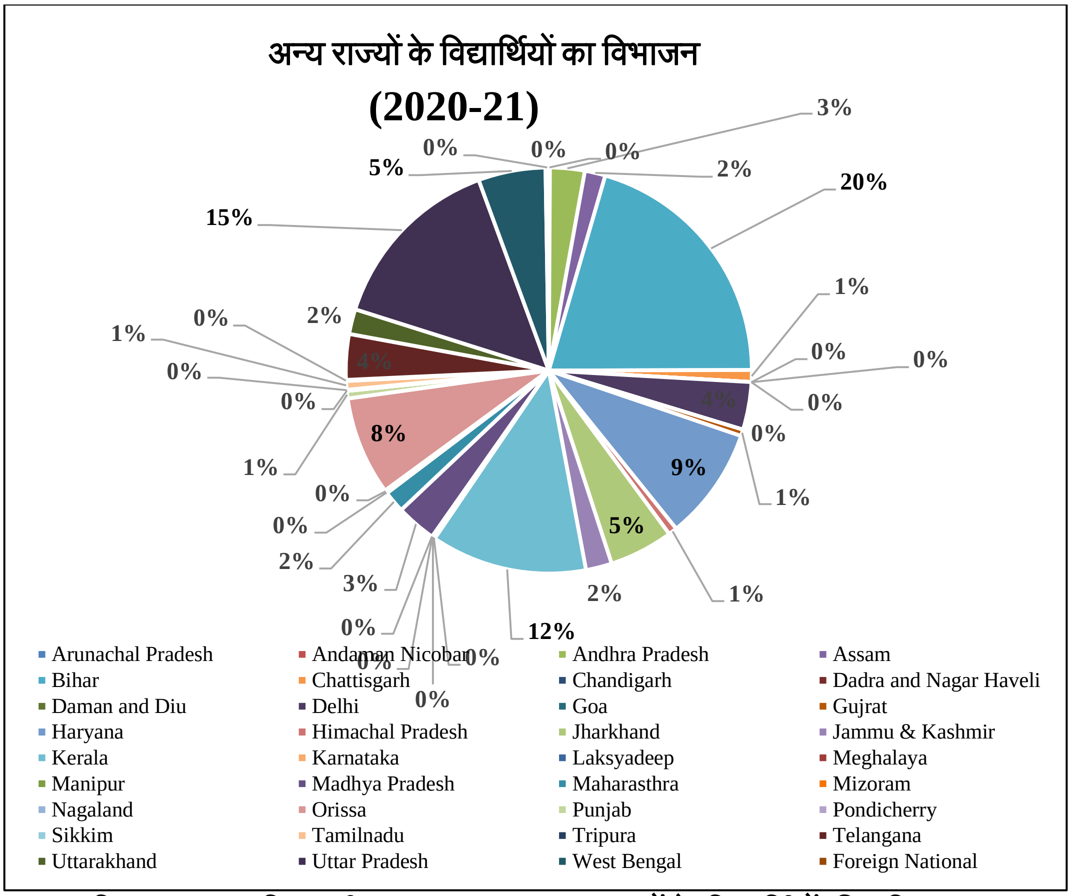

चित्र 7 : अकादमिक वर्ष 2020-21 तक अन्य राज्यों के विद्यार्थियों की प्रतिशतता

तालिका संख्या-4 में विभिन्न कार्यक्रमों में वर्ष 2020 की अंतिम परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के नाम दर्शाए गए हैं। पाई-आकृति (चित्र -8) से पता चलता है कि प्रथम स्थान धारकों का वितरण विभिन्न विभागों में है। यह विभिन्न विभागों द्वारा संचालित किए जाने वाले कार्यक्रमों की संख्या पर आधारित है।

सारणी संख्या – 4 : वर्ष 2020 में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों की सूची

क्रम सं.	नाम	उत्तीर्ण होने का वर्ष	कार्यक्रम	विभाग
1	सरांय दिवाकरण पी सी	2020	एम. आर्क (संधारणीय वास्तुकला)	वास्तुकला
2	सुदीप्ता चक्रबोर्टी	2020	एम.एससी. रसायन विज्ञान	रसायन विज्ञान
3	सुनील कुमार	2020	एम. फार्म (फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान)	फार्मेसी
4	निष्ठा चौरवल	2020	एम. फार्म (फार्मास्युटिक्स)	फार्मेसी
5	खुशाली जैन	2020	एमबीए	प्रबंधन
6	वंदना कुमारी	2020	एम.कॉम.	वाणिज्य
7	श्यामली कुमारी सिंह	2020	एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान	पर्यावरण विज्ञान
8	अंकित पटेल	2020	एम.एससी. वायुमंडलीय विज्ञान	वायुमंडलीय विज्ञान
9	अभिजित बैश्य	2020	एम.एससी. योग थेरेपी	योग
10	करिश्मा यादव	2020	एम.टेक. कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
11	के एस श्रीलक्ष्मी	2020	एम.ए. अंग्रेजी	अंग्रेजी

12	सायरी जाट	2020	एम.ए. हिंदी	हिंदी
13	बंदिता रौत	2020	एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी	जैव प्रौद्योगिकी
14	प्रिया चौहान	2020	एम.एससी. जैव रसायन विज्ञान	जैव रसायन विज्ञान
15	ट्विंकल सोनी	2020	एम.एससी. सूक्ष्म जीवविज्ञान	सूक्ष्म जीवविज्ञान
16	निलेश शर्मा	2020	एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान	कंप्यूटर विज्ञान
17	नितेश सुखवानी	2020	एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान (बिग डाटा विश्लेषण)	कंप्यूटर विज्ञान
18	प्रभात कुमार त्रिवेदी	2020	एम.एससी. सांख्यिकी	सांख्यिकी
19	संगीता कुमावत	2020	एम.एससी. गणित	गणित
20	सत्याब्रता जाना	2020	एम.एससी. भौतिकी	भौतिकी
21	आशिक ऍम ई	2020	एम.ए. संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन	संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन
22	रोनक महेश्वरी	2020	एम.एससी.डिजिटल सोसाइटी	सोसाइटी टेक्नोलॉजी इंटरफ़ेस
23	तृषि अग्रवाल	2020	मीडिया लेखन और डिजिटल संचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	सोसाइटी टेक्नोलोजी इंटरफेस
24	मिनल मेहता	2020	एम.ए. सामाजिक कार्य	सामाजिक कार्य
25	अजय कुमार सामरिया	2020	एम.ए. लोक नीति, विधि और शासन	लोक नीति, विधि और शासन
26	आकांक्षा	2020	एम.ए. अर्थशास्त्र	अर्थशास्त्र
27	मनीषा कुमारी	2020	एम.एससी. खेल पोषण	खेलकूद विज्ञान
28	अंजलि वशिष्ठ	2020	एम.एससी. खेल जैव रसायन	खेलकूद विज्ञान
29	आयुषी यादव	2020	इंटीग्रेटेड एम.एससी.रसायन विज्ञान	रसायन विज्ञान
30	निधि गोदारा	2020	इंटीग्रेटेड एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी	जैव प्रौद्योगिकी
31	प्रियांशी	2020	इंटीग्रेटेड एम.एससी. जैव रसायन विज्ञान	जैव रसायन विज्ञान
32	शुभंगिनी सिंह वर्मा	2020	इंटीग्रेटेड एम.एससी. सूक्ष्म जीवविज्ञान	सूक्ष्म जीवविज्ञान
33	सोमेश चौधरी	2020	इंटीग्रेटेड एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान	कंप्यूटर विज्ञान
34	सभ्यता जैन	2020	इंटीग्रेटेड एम.एससी. सांख्यिकी	सांख्यिकी
35	मोहित शर्मा	2020	इंटीग्रेटेड एम.एससी. गणित	गणित
36	काजल शारदा	2020	इंटीग्रेटेड एम.एससी. अर्थशास्त्र	अर्थशास्त्र
37	कल्लूरी रामबाबू	2020	इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड.रसायन विज्ञान	रसायन विज्ञान
38	नितिन अग्रवाल	2020	इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड.गणित	गणित
39	चयनिका शर्मा	2020	इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड.भौतिकी	भौतिकी
40	दिव्या अग्रवाल	2020	बी. वॉक. (इंटीरियर डिजाइन)	वास्तुकला

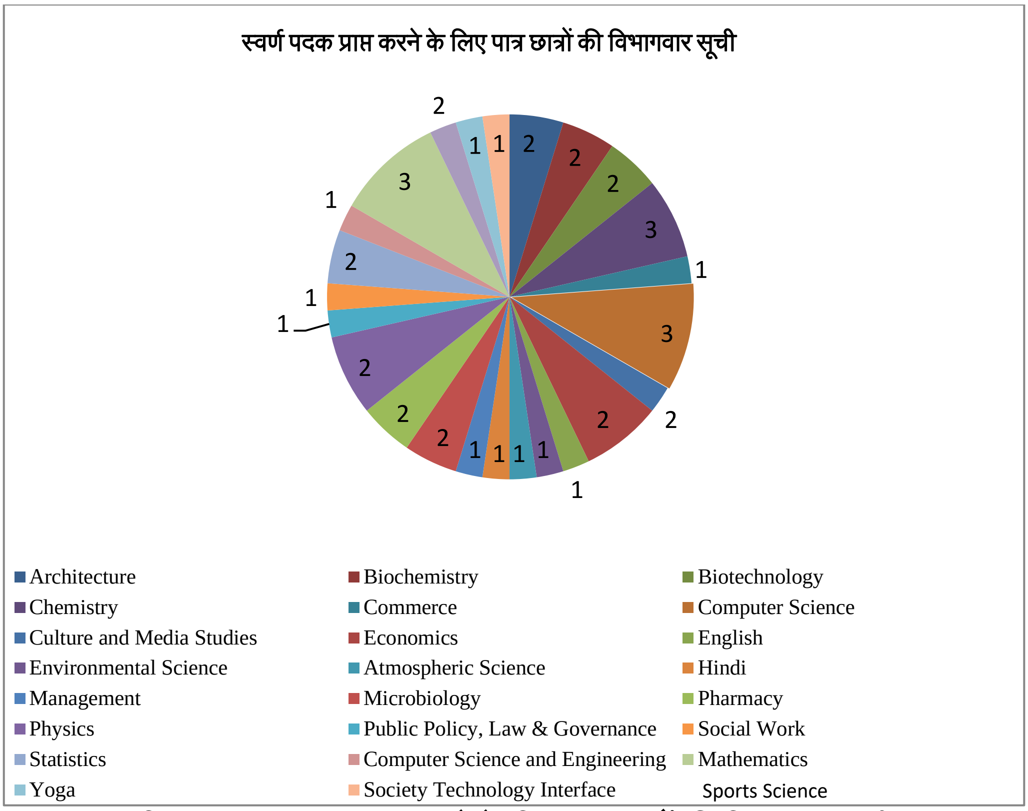

चित्र 8 : स्वर्ण पदक प्राप्त करने के लिए पात्र छात्रों की विभागवार सूची

सारणी सं. 5 : दीक्षांत समारोहों के अनुसार उपाधि प्राप्तकर्ता

दीक्षांत समारोह	पीएच.डी	एम.टेक	एम.एससी.	एम.ए.	एमबीए	एम.कॉम	एम.आर्क	एम.फार्म	इंटी. एम.एससी. (5 y)	इंटी. एम.एससी. बी.एड.	बी. एससी.	बी. वॉक	कुल
I (01-09-2012)	शून्य	22	74	32	30	-	-	-	-	-	-	-	158
II (09-07-2013)	शून्य	21	123	65	26	-	09	-	-	-	-	-	244
III (01-10-2016)	शून्य	50	529	296	103	56	22	46	-	-	23	-	1125
IV (13-11-2017)	13	18	158	103	34	16	10	17	-	-	85	32	486
V (02-11-2018)	12	08	86	67	29	18	17	05	94	62	89	27	514
VI (03-12-2019)	44	10	92	71	23	07	08	08	134	69	66	51	583
VII *आयोजित होने वाला	72	06	130	43	23	09	13	17	134	32	43	26	548
कुल													**3658**

* दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाना है। उपरोक्त सारणी सं. 5 में विश्वविद्यालय में आयोजित सभी छः दीक्षांत समारोहों का विवरण दिया गया है। 7वें दीक्षांत समारोह हेतु अब तक 72 शोधार्थियों समेत कुल 548 छात्र डिग्री प्राप्त करने के पात्र है।

सारणी सं. 6 : 2020 में विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण होकर उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रो की संख्या

एम.ए.		एम.एससी.		एम.टेक / स्पोर्ट्स		इंटी. एम.एससी.		इंटी. एम.एससी. बी.एड.		बी.एससी.	बी. वॉक.	पीएच. डी.	कुल
वास्तुकला	12	वायुमंडलीय विज्ञान	09	सी.एस.ई.	06	लागू नहीं		लागू नहीं		43	26	72	लागू नहीं
वाणिज्य	09	जैव रसायन विज्ञान	10	खेल पोषण	02	जैव रसायन विज्ञान	21			लागू नहीं	लागू नहीं		
सीएमएस	05	जैव प्रौद्योगिकी	08	खेल शरीर क्रिया विज्ञान	04	जैव प्रौद्योगिकी	12						
अर्थशास्त्र	05	रसायन विज्ञान	11			रसायन विज्ञान	14	रसायन विज्ञान	06				
अंग्रेजी	07	कंप्यूटर विज्ञान	03			कंप्यूटर विज्ञान	10	लागू नहीं					
हिंदी	07	सीएस (बिग डाटा विश्लेषण)	18	खेल जैव रसायन	05	अर्थशास्त्र	14	अर्थशास्त्र	00				
एमबीए	23	ईवीएस	05			पर्यावरण विज्ञान	17	लागू नहीं					
पीपीएलजी	02	डिजिटल सोसाइटी	06			लागू नहीं							
एमएसडब्ल्यू	11	गणित	19			गणित	09	गणित	16				
एम. डेस	01	सूक्ष्म जीवविज्ञान	09			सूक्ष्म जीवविज्ञान	11	लागू नहीं					
स्नातकोत्तर डिप्लोमा	06	फार्मेसी	17			लागू नहीं							
लागू नहीं		भौतिकी	05			भौतिकी	13	भौतिकी	10				
		सांख्यिकी	10			सांख्यिकी	13	लागू नहीं					
		योग	06			लागू नहीं							
कुल	**88**	**कुल**	**136**	**कुल**	**17**	**कुल**	**13 4**	**कुल**	**32**	**43**	**26**	**72**	**548**

सारणी-6 में विभिन्न कार्यक्रमों यथा एम.ए., एम.एससी., एम.टेक., इंटीग्रेटेड एम.एससी., बी.एड., बी.एससी., बी.वोक, तथा पीएच.डी. में उपाधि प्राप्त करने वाले कर्मचारियों की संख्या को दर्शाया गया है। एक सौ बारह (112) विद्यार्थियों ने 11 कार्यक्रमों में एम.ए. की उपाधि तथा 97 विद्यार्थियों ने 14 कार्यक्रमों में एम.एससी. की उपाधि प्राप्त की। इसी प्रकार, 10 विद्यार्थियों ने अलग-अलग तीन योजनाओं के अंतर्गत एम.टेक. की उपाधि तथा 143

विद्यार्थियों ने 10 कार्यक्रमों में इंटीग्रेटेड ए.एससी. की उपाधि प्राप्त की। 51 विद्यार्थियों ने इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड. की उपाधि प्राप्त की। कुल मिलाकर इस अध्याय में विद्यार्थियों, प्रवेश प्राप्तकर्ताओं तथा उपाधि प्राप्तकर्ताओं से संबंधित विश्वविद्यालय की अकादमिक रूपरेखा का व्यापक चित्र प्रस्तुत किया गया है।

प्रत्यायन, रैंकिंग, सहयोग और अंतर्राष्ट्रीयकरण (एआरसीआई) प्रकोष्ठ:

प्रत्यायन, रैंकिंग, सहयोग और अंतर्राष्ट्रीयकरण प्रकोष्ठ की स्थापना एनआईआरएफ और अन्य रैंकिंग योजनाओं, आईओई, नैक, आईक्यूएसी, अंतरराष्ट्रीय छात्रों के नामांकन और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों / एजेंसियों के साथ सहयोग इत्यादि की आंतरिक आवश्यकताओं के लिए की गई है। आईक्यूएसी, एनआईआरएफ और इंटरनेशनल डिवीजन की मौजूदा इकाइयां अधिष्ठाता (एआरसीआई) के मार्गदर्शन और नियंत्रण में काम करती हैं। एआरसीआई के अधिष्ठाता प्रोफेसर एस.एन. अम्बेडकर हैं, जो नियंत्रण अधिकारी और व्यवहार अधिकारी हैं।

प्रत्यायन

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय की मान्यता के उद्देश्य से 21 नवंबर, 2010 को एक आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) सेल की स्थापना की।
राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा विश्वविद्यालय का मूल्यांकन 16 सितंबर 2016 को किया गया था। विश्वविद्यालय को ए ग्रेड में सात बिंदु पैमाने पर 3.01 के सीजीपीए के साथ मान्यता प्राप्त थी, जो 16.09.2016 से पांच साल की अवधि के लिए वैध था।

श्रेणी

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारत की विभिन्न रैंकिंग में भाग लिया।

1. राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ)

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय नई ऊंचाइयों को छूता है। विश्वविद्यालय के लिए एनआईआरएफ रैंकिंग वर्ष 2020 में 101-150 (रैंक बैंड) है। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) को मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा 29 सितंबर 2015 को एमएचआरडी द्वारा अनुमोदित और लॉन्च किया गया था।

2. इंडिया टुडे (मार्केटिंग एंड डेवलपमेंट रिसर्च एसोसिएट्स)

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने इंडिया टुडे बेस्ट यूनिवर्सिटी रैंकिंग सर्वे 2020 में केंद्रीय विश्वविद्यालय रैंकिंग कैटेगरी में 19वीं रैंक हासिल की।

समाज कार्य विभाग, विशेष रूप से 2000 में स्थापित संस्थानों में, एक उभरते हुए कॉलेज/विभाग के रूप में भारत में तीसरे स्थान पर है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय मे सामाजिक कार्य विभाग की स्थापना 2012 हुई थी। यह सबसे कम फीस के लिए नौ स्थान पर है और समाज कार्य विभाग की समग्र रैंकिंग में देश में 15 वें स्थान पर है।

विपणन एवं विकास अनुसंधान सहयोग (एमडीआरए) भारत में एक प्रमुख विपणन अनुसंधान और परामर्श संगठन है, जो मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान पर केंद्रित है। यह शोध निष्कर्षों और ग्राहकों के व्यवसाय के ऐतिहासिक डेटा विश्लेषण के आधार पर रणनीतिक व्यापार योजना का समाधान प्रदान करता है।

सहयोग

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने विभिन्न प्रतिष्ठित भारतीय संस्थानों और विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग किया है।

भारतीय संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन की सूची			
वर्ष	**भारतीय संस्थान / विश्वविद्यालय**	**हस्ताक्षरित/से प्रभाव**	**वैधता तक /**
2017	अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, बैंगलोर	20.03.2017	19.03.2022 (हस्ताक्षर करने की तिथि से पांच साल के लिए वैध)
2017	भारतीय शिल्प और डिजाइन संस्थान (आईआईसीडी), जयपुर	16.03.2017	15.03.2022 (हस्ताक्षर करने की तिथि से पांच साल के लिए वैध)
2017	समझौता (त्रिपक्षीय) : एमएचआरडी+यूजीसी+सीयूराज		
2018	इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए), नई दिल्ली	11.04.2018	10.04.2021 (हस्ताक्षर करने की तिथि से तीन साल के लिए वैध)
2018	युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस), भारत सरकार, नई दिल्ली	19.03.2018	18.03.2023 (हस्ताक्षर करने की तिथि से पांच साल के लिए वैध)
2018	हिरेमी, बेंगलुरु (कर्नाटक)	25.09.2018	24.09.2020 (25.09.2018 से दो वर्ष की प्रभावी अवधि की समाप्ति तक)
2018	भारतीय संस्थान दिल्ली, नई दिल्ली (IITD)	17.01.2017 (सीयूराज) / 06.02.2018 (IITD)	----

अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापनों की सूची			
वर्ष	**अंतर्राष्ट्रीय**	**हस्ताक्षरित/ से प्रभाव**	**वैधता / तक**
2016	नामीबिया विश्वविद्यालय (यूएनएएम)	06.10.2017	05.10.2022 (हस्ताक्षर करने की दिनांक से पांच साल के लिए वैध)
2017	नोवोसिबिर्स्क स्टेट यूनिवर्सिटी	10.01.2017	09.01.2022 (हस्ताक्षर करने की दिनांक से पांच साल के लिए वैध)
2017	बॉलिंग ग्रीन स्टेट यूनिवर्सिटी, ओहियो (यूएसए)	12.04.2017	11.04.2022 (हस्ताक्षर करने की दिनांक से पांच साल के लिए वैध)
2018	ढाका विश्वविद्यालय (बांग्लादेश)	15.07.2018	14.07.2023 (पांच साल के लिए वैध)

अंतर्राष्ट्रीयकरण

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय सरकार द्वारा नामांकित विदेशी छात्रों को प्रवेश प्रदान करता है। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR), विदेश मंत्रालय (MEA) नई दिल्ली के माध्यम से विभिन्न योजनाओं के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करता है। विश्वविद्यालय विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए स्व-वित्त योजना के माध्यम से सीधे प्रवेश का भी विचारणा करता है। विदेशी नागरिकों को प्रवेश के लिए केंद्रीय विश्वविद्यालयों के सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूसीईटी) में उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है;हालाँकि, उन्हें किसी भी भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय / संस्थान से समकक्ष योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करनी होनी चाहिए।

हर वर्ष विदेशी नागरिकों को निम्नलिखित श्रेणियों के तहत अध्ययन के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है:

(1) **भारत सरकार का सांस्कृतिक आदान-प्रदान फैलोशिप कार्यक्रम:-** इस फैलोशिप कार्यक्रम के तहत प्रवेश के लिए इच्छुक उम्मीदवारों को भारतीय उच्चायोग / दूतावास / भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के माध्यम से आवेदन करने की आवश्यकता है जिस पर विचार किया जा सके है। यदि आवेदक उपयुक्त पाया जाता है, तो उनके प्रवेश की पुष्टि सीधे उनके प्रवेश को प्रायोजित करने वाली संबंधित एजेंसी को भेजी जाती है।

(2) **स्व-वित्त छात्रों के लिए सीधे प्रवेश:-** विदेशी छात्र, जो स्व-वित्त श्रेणी के तहत सम्मिलित होना चाहते हैं, उन्हें अपना आवेदन बायोडाटा और शैक्षणिक योग्यता के साथ निर्धारित प्रारूप पर प्रत्यायन रैंकिंग सहयोग और अंतर्राष्ट्रीयकरण (एआरसीआई) राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, NH-8, बांदरसिंदरी, अजमेर 305817 भारत (ईमेल: International@curaj.ac.in) के कार्यालय में जमा करना होगा।

पीएच.डी. छात्र				
क्रम सं.	**नाम**	**देश**	**विभाग**	**प्रवेश का माध्यम**
1.	श्री मोहम्मद अब्देल रहमान जदल्लाह अबुलेबदा	फिलिस्तीन	पीएच.डी. सांख्यिकी	आईसीसीआर, सामान्य छात्रवृत्ति योजना
2.	श्रीमती मासूमा खवरी	अफ़ग़ानिस्तान	पीएच.डी. सूक्ष्म जीवविज्ञान	आईसीसीआर, सामान्य छात्रवृत्ति योजना
पीजी छात्र				
1.	श्री मोहम्मद अलीमी	अफ़ग़ानिस्तान	एमबीए	आईसीसीआर, अफगान छात्रवृत्ति योजना
2.	श्री इमैनुएल चिसांबा	मलावी	एमबीए	आईसीसीआर, अफ्रीका छात्रवृत्ति योजना
बैच 2021-22				
1.	वाहुदी	इंडोनेशिया	पीपीएलजी	सामान्य छात्रवृत्ति योजना - आईसीसीआर
2.	वहीदुल्लाह	अफ़ग़ानिस्तान	एमएससी (बिग डाटा विश्लेषण)	अफगान छात्रवृत्ति योजना - विदेश मंत्रालय
3.	साहिरौ तफ़रकी महामने मंसूरी	नाइजर	पर्यावरण विज्ञान	अफगान छात्रवृत्ति योजना - विदेश मंत्रालय
4.	शिरटिका	फ़िजी	पर्यावरण विज्ञान	सामान्य छात्रवृत्ति योजना - आईसीसीआर

अवसंरचनात्मक सुविधाएँ

केंद्रीय पुस्तकालय

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का पुस्तकालय ज्ञान की खाई को पाटता है जो उच्च शिक्षा के किसी भी संस्थान की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। ई-संसाधनों, पुस्तकों और पत्रिकाओं की उपलब्धता के माध्यम से पुस्तकालय विश्वविद्यालय के सभी उपयोगकर्ताओं के लिए वैश्विक ज्ञान के आदान हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में साधन-संपन्न और सुसज्जित पुस्तकालय है। यह छात्रों, शोधार्थियों, शिक्षकों, प्रशासनिक कर्मचारियों, विशेषज्ञों और आगंतुकों सहित समस्त समुदाय को विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक सामग्री के लिए प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक दोनों तरह की सामग्री की व्यवस्था प्रदान करता है। पुस्तकालय में लगभग 36410 मुद्रित पुस्तकें तथा 3293 ऑनलाइन पुस्तकों का संस्करण, 593 मुद्रित पत्रिकाओं के साथ ही राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशकों और संग्रहकर्ताओं के 10,000+ ई-पत्रिकाएँ हैं। इसके अतिरिक्त पुस्तकालय में 04 ऑनलाइन डाटाबेस और 770 सीडी रोम का संग्रह है। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और छात्रों की शोध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पुस्तकालय ने साइंस एंड स्कोपस (सार और उद्धरण डेटाबेस) की वेब, टर्निटिन - साहित्यक चोरी ज्ञात करने का एक अग्रणी उपकरण तथा ग्रामरली - छात्रों के शोध प्रकाशन की गुणवत्ता में सुधार हेतु एक स्वचालित व्याकरण शिक्षक और पुनरीक्षण उपकरण का क्रय किया है। पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाएं और सेवाएं हैं : ग्रंथात्मक सेवा, साहित्य खोज सेवा, पुस्तक प्राप्ति, संदर्भ, दस्तावेज़ वितरण, वेब ओपेक, फोटोकॉपी, डेलनेट और इनफ्लिबनेट के माध्यम से सामग्री का अंतर-पुस्तकालय आदान-प्रदान इत्यादि। इस प्रकार पुस्तकालय अपनी 150 सदस्यों के बैठने की क्षमता के साथ ज्ञान के भंडार के रूप में विश्वविद्यालय समुदाय को इंट्रा-नेट और इंटरनेट सेवा के माध्यम से महत्वपूर्ण सेवा प्रदान कर रहा है। अपने उपयोगकर्ताओं की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह इन्फ़्लिबिनेट, डेलनेट, करेंट साइंस एसोसिएशन, इंस्टीट्यूट ऑफ साइनटोमैटिक्स तथा अन्य संस्थाओं से संबद्ध है।

आई.सी.टी. सेवाएँ : राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय का पुस्तकालय अब नियमित और विशिष्ट कार्यों को करने के लिए वाणिज्यिक सॉफ्टवेयर LibSys7 से ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर KOHA लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर में स्थानांतरित हो गया है।

OPAC इंट्रानेट (सीयूराज कैंपस नेटवर्क) के माध्यम से उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराया गया है। उपयोगकर्ता http://10.0.0.16:8380/opac/ के माध्यम से हमारे पुस्तकालय WebOPAC तक पहुँच सकते हैं। पुस्तकालय पूरी तरह वाई-फाई सेवा से युक्त है तथा लैन से जुड़े 15 कंप्यूटरों के साथ एक सुव्यवस्थित साइबर पुस्तकालय है जो उपभोक्ताओं को हज़ारों इलेक्ट्रॉनिक साधनों से जोड़ते है। पुस्तकालय द्वारा डिजिटल पुस्तकालय हेतु ओपेन सोर्स सॉफ्टवेयर अपनाने की योजना बनाई जा रही है। समय-समय पर लाइब्रेरी वेबपेज अपडेट किया जाता है जो नियमों / विनियमों, समाचार / घटनाओं के साथ ही प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के नए आगमन के बारे में जानकारी प्रदान करता है। अब, पुस्तकालय नियमित गतिविधियों के लिए आर.एफ.आई.डी एप्लिकेशन का

उपयोग कर रहा है, जो पुस्तकालय के उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय टीम के हस्तक्षेप के बिना पुस्तकों को जारी करने या वापस करने में मदद करेगा।

प्रतिवेदित अकादमिक वर्ष में पुस्तकालय द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये गये:

- 8 मार्च 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन।
- साहित्यक चोरी ज्ञात करने वाला उपकरण टर्निन, व्याकरण सहयोगी उपकरण ग्रामरली, आई.ई.ई.ई., ई.बी.एस.सी.ओ. व्यावसाय स्रोत की प्रमुख ई-पत्रिका, ई.बी.एस.सी.ओ. कला एवं वास्तुकला उपकरण के प्रभावी उपयोग के लिए जागरूकता और प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया।
- इटर्नशाला में इंटर्नशिप हेतु विद्यार्थियों को सुविधाएँ प्रदान की गईं।
- संकाय सदस्यों / छात्रों को स्वयम-एनपीटीईएल पाठ्यक्रमों में नामांकन हेतु सुविधा प्रदान की गई।
- कोविड-19 लॉकडाउन की अवधि में पुस्तकालय ने सभी उपयोगकर्ताओं को ऑन-लाइन दूरस्थ संसाधनों तक पहुंच की सुविधा प्रदान की तथा वेबिनार के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम चलाया।
- कोविड-19 महामारी के दौरान संकाय सदस्यों और छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए खुले शैक्षिक संसाधनों को विस्तारित और लोकप्रिय किया।
- एकल खोज मंच की सुविधा के लिए ईबीएससीओ (EBSCO) डिस्कवरी सेवा का परीक्षण किया गया।

श्रीमती सौभाग्यवती गुप्ता, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष ने विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समिति द्वारा जागरूकता सप्ताह के दौरान 27 अक्टूबर से 2 नवंबर 2020 तक आयोजित नारा लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

छात्रावास सुविधाएं :

उच्च शिक्षा के दौरान छात्रावास विद्यार्थियों के लिए दूसरा घर बन जाता है। छात्रावास जीवन साथियों से सीखने, अध्ययन करने, मौज-मस्ती करने और उज्ज्व भविष्य के सपने देखने का होता है। इस प्रकार, आवासीय छात्रों के लिए अनुकूल, रचनात्मक शिक्षा का माहौल, खेलने की पर्याप्त सुविधाएं, अवकाश गतिविधियों तथा स्वास्थ्य और स्वच्छता मानकों को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। कुछ अच्छा करने के लिए पर्याप्त अनुशासन और सुविधाओं के सही संतुलन की आवश्यकता होती है। छात्रावास-जीवन शैक्षणिक विकास और उपलब्धि की यात्रा का एक हिस्सा है। विश्वविद्यालय में बालकों और बालिकाओं के छात्रावासों के लिए विशेष रूप से अलग-अलग भवन हैं, और बालकों के लिए तीन और बालिकाओं के लिए तीन भवन हैं। शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 के दौरान विद्यार्थियों ने एकीकृत, यूजी, पीजी और पीएचडी के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया किन्तु कोविड प्रतिबंधों के कारण नियमित ऑफ़लाइन कक्षाएं शुरू नहीं हो सकीं और नए छात्रों को छात्रावास आवंटित नहीं किया गया। उनके आगमन पर, मौजूदा स्थिति के अनुसार छात्र आवश्यक शुल्क का भुगतान करेंगे और ऑफ़लाइन कक्षाएं शुरू होने पर छात्रावास प्रदान किया जाएगा। वर्तमान में 04 बालिका छात्रावास (प्रत्येक छात्रावास में 300 विद्यार्थियों की क्षमता) में 1200 छात्राएं और 3 बालक छात्रावास (प्रत्येक छात्रावास में 450 विद्यार्थियों की क्षमता) में 1350 छात्र रह सकते हैं। एक और छात्रावास भवन बनकर तैयार है। यह अगले शैक्षणिक सत्र 2021-22 से उपयोग के लिए खुल जाएगा। पुरुष पीएचडी छात्रों के लिए एक अलग लड़कों का छात्रावास है। फरवरी-मार्च 2021 के दौरान, जब कुछ छात्रों को ऑफ-लाइन कक्षाओं के लिए बुलाया गया था, तो उनमें से प्रत्येक को कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार एकल कक्ष आवास प्रदान किया गया था। छात्रावास के कमरे चारपाई, गद्दे, मेज, कुर्सी, आलमारी और अन्य बिजली के सामानों जैसे

रोशनी, पंखे इत्यादि से सुसज्जित हैं। जब विद्यार्थियों के माता-पिता अपने पुत्र या पुत्री से मिलने आते हैं, तो उनके अनुरोध पर एक या दो दिन के लिए उन्हें रहने की सुविधा प्रदान की जाती है।

वार्डन परिषद:

छात्रावास से संबंधित मामलों में परामर्श और प्रबंधन के लिए एक वार्डन परिषद है। परिषद के प्रमुख प्रो. पवन कुमार दाधीच, मुख्य छात्रावास अधीक्षक और डॉ. अंजलि शर्मा अतिरिक्त छात्रावास अधीक्षक (बालिका छात्रावास हेतु) हैं। छात्रावास वार्डन परिषद के सदस्य हैं - डॉ. संजय कुमार, डॉ. नेहा अरोड़ा, श्री रवि सहारन, डॉ. सुमन तप्रयाल, डॉ. हेमलता मंगलानी, डॉ. शैजी अहमद, डॉ. रितु सिंह, डॉ. मुज़म्मिल हुसैन, डॉ. संजय कुमार पटेल, डॉ. प्रमोद कुमार नाइक, डॉ. नरेंद्र कुमार, डॉ. गोविंद सिंह, डॉ. सत्यनारायण मूर्ति डोगा, डॉ. जे.पी. त्रिपाठी और डॉ. मोतिनिवा नायक सम्मिलित हैं। छात्रावास, भोजनालय और छात्रों से संबंधित अन्य गतिविधियों के संबंध में प्रशासनिक मामलों तथा समय से उनके समाधान के लिए डॉ. हरि सिंह परिहार, संयुक्त कुलसचिव और श्री मनोज कुमार इंदोरिया, सहायक कुलसचिव को छात्रावास एवं प्रबंध प्रकोष्ठ का क्रमश: नियंत्रण अधिकारी और संबंधित अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

भोजनालय (मेस) सुविधा :

लगभग एक हजार बालक छात्रों के खानपान के लिए मेगा मेस सुविधा उपलब्ध है। मेगा मेस के भोजन कक्ष में एक साथ 500 छात्रों के लिए भोजन की आपूर्ति की जा सकती है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक बालिका छात्रावास में तीन अन्य मेस छात्राओं के खानपान के लिए सक्रिय हैं। भोजनालय चूल्हा, रसोई घर तथा खाना पकाने के उपकरणों से युक्त है तथा रसोई घर के साथ सफाई का स्थान भी है। भोजन तैयार करने तथा उसके भंडारण के समय गुणवत्ता, मानक तथा स्वच्छता को प्राथमिकता दी जाती है। सभी भोजन कक्षों में विद्यार्थियों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है।

वाशिंग मशीन की व्यवस्था :

बालक छात्रावास बी 5-भवन में छह वाशिंग मशीनें और ड्रायर लगाए गए हैं। इसी तरह अन्य छः वाशिंग मशीनें और ड्रायर बी 4-बालिका छात्रावास में उपलब्ध हैं जिनका उपयोग विद्यार्थियों द्वारा किया जाता है।

सामान्य लाँज तथा अध्ययन कक्ष की सुविधाएं :

प्रत्येक छात्रावास के लाउंज क्षेत्र में बैठने की सुविधा के साथ ही एलसीडी टेलीविजन की सुविधा उपलब्ध करायी गई है। इसमें मनोरंजन, सूचनापरक और समाचार चैनल की सुविधा है। इसके अतिरिक्त छात्रावास के सभी कमरों में इंटरनेट हेतु लैन कनेक्शन उपलब्ध है जो अध्ययन के लिए अनिवार्य है। इसके आलावा, कक्ष के बाहर वाईफाई की सुविधा उपलब्ध है क्योंकि पूरे रा.के.वि.वि. परिसर को इंटरनेट के उपयोग के लिए वाई-फाई से जोड़ा गया है तथा छात्र-छात्राओं को इंटरनेट के उपयोग हेतु पासवर्ड दिए गए हैं। छात्रावास में छात्र-छात्राओं के लिए द इकोनॉमिक टाइम्स, द टाइम्स ऑफ इंडिया, दैनिक भास्कर, राजस्थान पत्रिका जैसे समाचार पत्र भी उपलब्ध कराये जाते हैं। छात्रों के लिए प्रत्येक छात्रावास में अध्ययन कक्ष की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

जिम एवं खेल सुविधाएं :

बालक तथा बालिका दोनों छात्रावासों में आधुनिक उपकरणों से युक्त जिम की सुविधाएं प्रदान की गई हैं।
इन्डोर खेलों के लिए छात्रावासों में निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान की गई हैं :

1. सभी छात्रावासों में टेबल टेनिस की सुविधा (बालकों एवं बालिकाओं के लिए)
2. सभी छात्रावासों में शतरंज की सुविधा (बालकों एवं बालिकाओं के लिए)
3. सभी छात्रावासों में कैरम बोर्ड की सुविधा (बालकों एवं बालिकाओं के लिए)

इसके अलावा छात्र-छात्राओं को आउट-डोर खेलों जैसे - फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केट बॉल, क्रिकेट और अनेक अन्य खेलों के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विश्वविद्यालय की खेल समिति छात्रों को खेल से जोड़ती है और पूरे वर्ष इनडोर और आउटडोर खेलों के विभिन्न टूर्नामेंट आयोजित करती है। विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों में छात्राओं की संरक्षा और सुरक्षा को हमेशा उच्च प्राथमिकता दी जाती है। लिंग विशेष की जरूरतों के अनुसार, बालिका छात्रावास में सेनेटरी नैपकिन, वेंडिंग मशीन और इनकंटरेटर्स सुविधाएं उपलब्ध हैं।

कोविड -19 के कारण छात्रावास में सुरक्षा बनाए रखने के लिए कदम :

कोविड-19 के कारण महामारी के संकट के शुरुआती दिनों से, छात्रों और कर्मचारियों को संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों ने बहुत सक्रिय और त्वरित कार्रवाई की। पहला कदम यह था कि सभी छात्रों और कर्मचारियों को जागरुकता व्याख्यान के आयोजन तथा आभासी माध्यम से सूचनात्मक सामग्री प्रदान कर उन्हें संवेदीकृत किया गया। सभी प्रकार की सभा को रोक दिया गया और छात्रों को 2020 में लॉकडाउन लागू होने के पूर्व चरणबद्ध तरीके से छात्रावास छोड़कर घर जाने के निर्देश दिये गये। वर्ष के दौरान अधिकांश समय छात्रावास बंद रहे, लेकिन छात्रावास भवनों और परिसर की सफाई सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त रखरखाव का काम किया गया।

प्रशासनिक तथा अकादमिक भवन

विश्वविद्यालय अकादमिक विभागों और प्रशासनिक कार्यों हेतु अनेक भवनों से समृद्ध है। 2017 सितंबर तक, सभी शैक्षणिक विभाग अस्थायी भवनों या ट्रांजिट भवनों में स्थित थे और बाद में, अधिकांश विभाग नव निर्मित चार

अकादमिक भवनों में स्थानांतरित हुए। प्रशासनिक कार्यालय को नए प्रशासनिक भवन में स्थानांतरित किया गया है जिसमें सभी प्रमुख प्रशासनिक कार्यालय, जैसे कि कुलपति सचिवालय, कुलसचिव, अधिष्ठाता (अनुसंधान), अधिष्ठाता (योजना), वित्त कार्यालय और अन्य प्रशासनिक अनुभाग हैं। अकादमिक भवनों में अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों और आचार्यों के लिए अलग कक्ष हैं। भवनों में शिक्षण और पारस्परिक अंत:क्रिया के लिए सही वातावरण प्रदान करने हेतु विशाल कक्षाएं, सेमिनार हॉल, प्रयोगशाला तथा पर्याप्त खुली जगह है। ये पांच भवन एक समूह में स्थित हैं और अन्य चार अकादमिक भवनों और केंद्रीय पुस्तकालय हेतु भवन का निर्माण उसी डिजाइन में किये जाने की योजना है। वर्तमान में कुछ विभाग और केंद्रीय पुस्तकालय अर्ध-स्थायी भवनों में कार्यशील हैं। विश्वविद्यालय परिसर के भीतर एक सभागार है जिससे विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य प्रमुख कार्यक्रमों, सम्मेलनों के आयोजन की सुविधाएँ प्राप्त होती हैं। विश्वविद्यालय परिसर में उपकरण (इंस्ट्रूमेंटेशन) प्रयोगशाला और स्कूल ऑफ एजुकेशन, जिसमें शिक्षा विभाग और योग विभाग दोनों होंगे, निर्माणाधीन है।

विश्वविद्यालय अतिथि गृह

विश्वविद्यालय का अतिथि गृह, प्रशासनिक परिसर के बाईं ओर व कुलपति बंगले के निकट स्थित है। अतिथि गृह मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के आधिकारिक अतिथियों/ विश्वविद्यालय विभागों द्वारा आयोजित सेमिनारों/कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/सम्मेलनों/ प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि में भाग लेने वालों के लिए है। पूर्व सूचना के साथ विश्वविद्यालय के अतिथिगृह में विशेषज्ञों, परीक्षकों, आगंतुकों और छात्रों के माता-पिता को भी ठहराया जाता है।

विश्वविद्यालय का अतिथिगृह एक अत्यंत महत्वपूर्ण व्यक्ति के कक्ष सेट के साथ 76 अतिथि कक्ष वाला बेहतरीन रूप से अभिकल्पित तीन मंजिलों की शानदार संरचना है। विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में अलग-अलग प्रकार के आवास – 60 एक कमरे के सेट, 10 दो कमरे के सेट और 3 कमरे के दो वीवीआईपी सेट हैं। अधिकांश कक्ष वातानुकूलन, टेलीविजन सेट, रेफ्रिजरेटर, गीजर और अन्य बुनियादी सुविधाओं से युक्त हैं। कमरों में डेंटल किट, कंघी, साबुन, मॉइस्चराइज़र, शैम्पू, हेयर ऑइल, टॉयलेट रोल और बाथरूम चप्पल जैसी अतिथि सुविधाएँ उपलब्ध हैं। अतिथि गृह में 70 लोगों के बैठने की क्षमता वाला एक वातानुकूलित सेमिनार हॉल है। इस हॉल में विभिन्न आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उसी के समीप, 40 लागों के बैठने की क्षमता वाले वातानुकूलित डाइनिंग हॉल का उपयोग विभिन्न उच्च-स्तरीय आधिकारिक भोज लिए किया जाता है। भूतल में 60 लागों के बैठने की क्षमता वाला गैर वातानुकुलित डाइनिंग हॉल अतिथि गृह के निवासियों के लिए नियमित रूप से उपयोग किया जाता है। अन्य दो गैर वातानुकुलित बहुउद्देशीय हॉल भी उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग अक्सर सामुदायिक भोजन और अन्य इनडोर कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए किया जाता है।

अतिथि गृह में शत-प्रतिशत पावर बैकअप की सुविधा उपलब्ध है। उपयोगिता को बनाए रखने के लिए, और अतिथि सदस्य तथा कर्मचारियों के आवास के तनाव को कम करने के लिए अतिथि गृह के एक भाग में सीमित समय के लिए शिक्षण संकाय और अधिकारियों को कक्ष प्रदान किये जाते हैं। ये संकाय सदस्य सहकारिता मेस सुविधा चलाने के साथ-साथ अतिथि गृह के प्रबंधन में भी सहायता करते हैं। विश्वविद्यालय के पास अतिथिगृह के लिए एक मजबूत नीति है और विशेषज्ञों, परीक्षक, आगंतुकों और माता-पिता को अतिथि गृह में प्राथमिकता के आधार पर आवासीय सुविधा प्रदान की जाती है। विभिन्न राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में यह अतिथि गृह गणमान्य लोगों की मेजबानी के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस प्रकार, विश्वविद्यालय अतिथि गृह विश्वविद्यालय के जीवन का एक

अनिवार्य हिस्सा बन गया है। डॉ. नरेंद्र कुमार और श्री रवि राज चौधरी विश्वविद्यालय अतिथि गृह के संकाय प्रभारी हैं।

खेल सुविधाएँ

शिक्षण तथा छात्रों के अध्ययन संबंधी प्रदर्शन के मूल्यांकन के अतिरिक्त, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय खेल के लिए भी सुविधाएं प्रदान करता है क्योंकि विश्वविद्यालय छात्रों के समग्र विकास में विश्वास करता है। छात्र-छात्राओं को कक्षा के बाद खेल सुविधाओं के उपयोग हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। यहां फुटबॉल और क्रिकेट के हरी घास के मैदान और वॉलीबॉल के मैदान हैं जबकि बैडमिंटन और टेबल टेनिस के इनडोर कोर्ट हैं। विश्वविद्यालय प्रत्येक वर्ष अनेक खेल कार्यक्रमों जैसे - कैरम,

शतरंज, वॉली बॉल, कबड्डी, क्रिकेट, बैडमिंटन, लंबी कूद, शॉट पुट, एथलेटिक्स, टेबल टेनिस इत्यादि का आयोजन करता है। ऐसी स्पर्धाएं छात्र-छात्राओं के समुदाय को एक साथ लाने में मदद करती हैं और उन्हें कठिन परिश्रम के महत्व को दर्शाते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु ध्यान केंद्रित करती हैं। विश्वविद्यालय का खेल परिषद और खेल विज्ञान स्कूल छात्रों में खेल भावना को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं।

शॉपिंग कॉम्पलेक्स

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का मानना है कि अच्छा परिसर जीवन छात्रों को उनके आवरण से बाहर आने में मदद करता है। इस संबंध में, विश्वविद्यालय में एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स है जो छात्रों को अनेक सुविधाएं प्रदान करने के अलावा अनेक सांस्कृतिक तथा जागरूकता संबंधी कार्यक्रमों का एक महत्वपूर्ण स्थान भी है। विश्वविद्यालय शॉपिंग कॉम्पलेक्स में रेस्तरां, चाय की दुकान, फोटोकॉपी की दुकान, डेयरी की दुकान, डाकघर, लांड्री (कपड़े धुलवाने) की सुविधा और एक सहकारी स्टोर सम्मिलित हैं। वार्षिक निविदा के माध्यम से दुकानों को संबंधित विक्रेताओं को किराए पर दिया जाता है। गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में बेचे जाने वाले सभी उत्पादों की नियमित निगरानी की जाती है। दुकानें मानक अभ्यास के रूप में दर सूची प्रदर्शित करती हैं।

स्थानों की सफाई एवं स्वच्छता को हमेशा प्राथमिकता दी जाती है। महामारी की अवधि के दौरान इनमें से अधिकतर सुविधाएं बंद कर दी गई थीं, लेकिन सीमित घंटो के लिए निवासियों को सेवाएं प्रदान की जाती थी।

बैंक, एटीएम तथा डाकघर

परिसर में, एटीएम सुविधा के साथ बैंक ऑफ इंडिया की एक शाखा है। बैंक आसपास के गांवों के ग्रामीणों सहित राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय समुदाय को सभी नियमित बैंकिंग सेवाएँ और सुविधाएँ प्रदान करता है। विश्वविद्यालय विभिन्न प्रयोजनों के लिए आईसीआईसीआई बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की सेवा का भी उपयोग करता है। विभिन्न डाक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए परिसर में एक डाकघर भी है। ये सेवाएं राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय परिसर जीवन के महत्वपूर्ण घटक हैं।

कर्मचारी आवास :

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर के भीतर और बाहर दोनों जगह यथासंभव लोगों की गतिशीलता को बनाये रखने का प्रयास कर रहा है। इस संबंध में, विश्वविद्यालय शैक्षणिक और अशैक्षणिक सदस्यों के लिए कर्मचारी आवास की सुविधा प्रदान कर रहा है। कर्मचारी आवास अकादमिक ब्लॉक के निकट ही स्थित है जो विश्वविद्यालय के सदस्यों के आवागमन को सुगम बनाता है। वर्तमान में, विश्वविद्यालय में बी, सी, और डी प्रकार के कर्मचारी आवास (क्वार्टर) हैं। कर्मचारी आवास सभी सुविधाओं से सुसज्जित हैं। कुल 68 आवासीय फ्लैट उपलब्ध हैं। पात्रता मानदंड के अनुसार क्वार्टरों के आवंटन के लिए समिति है। आवासीय ब्लॉकों में चौबीसों घंटे बिजली उपलब्ध रहती है।

विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति निवास भी है। आवासीय ब्लॉकों में विस्तृत खुली जगह है जहां संकाय सदस्यों और कर्मचारियों द्वारा विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। ऐसे कार्यक्रमों के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल, रात्रि-भोज और अन्य मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। आवासीय ब्लॉक में बच्चों के लिए एक सुंदर पार्क है जो परिसर में बच्चों के सामाजिक और मनोवैज्ञानिक सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण विशेषता है। इसके अतिरिक्त, बी-प्रकार के आवासीय ब्लॉक के निकट फिटनेस पार्क (ओपन जिम) का उद्घाटन 9 सितंबर 2020 को किया गया, जिसमें स्वस्थता गतिविधियों का अभ्यास करने के लिए विभिन्न सुविधाएं हैं। यह सुविधा विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए उपलब्ध है।

केन्द्रीय विद्यालय :

केंद्रीय विद्यालय संगठन एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान है जो स्कूली शिक्षा में योगदान के लिए जाना जाता है। केन्द्रीय विद्यालय, बांदरसिंदरी राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में स्थित है। विद्यालय 31 मई, 2017 को शुरू हुआ और जुलाई 2017 में इसका उद्घाटन हुआ। यह विद्यालय समाज के विभिन्न वर्गों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। वर्तमान में, विद्यालय में 16 शिक्षक और 1 अशैक्षणिक कर्मचारी हैं। वर्तमान में विद्यालय में 422 विद्यार्थी हैं। प्रधानाचार्य कार्यालय, कर्मचारी-कक्ष, पुस्तकालय, खेल कक्ष, गतिविधि कक्ष, कार्य-

शिक्षा कक्ष, सीएमपी कक्ष, संगीत कक्ष, कंप्यूटर लैब, समग्र विज्ञान लैब, परीक्षा कक्ष, और बैडमिंटन कोर्ट के अलावा 10 सुसज्जित कमरे हैं। छात्रों को विभिन्न क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों जैसे सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी, विज्ञान प्रदर्शनी, खेल कार्यक्रम आदि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विद्यालय में विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ जैसे एकल और समूह गीत, नृत्य, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, पोस्टर एवं चित्रकला प्रतियोगिता आदि का आयोजन सीसीए के कैलेंडर के अनुसार किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। केन्द्रीय विद्यालय संख्या 2 अजमेर में केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के तहत वाद-विवाद प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने भाग लिया और क्लस्टर स्तर में स्थान प्राप्त किया। टॉय मेकिंग प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने क्लस्टर और क्षेत्रीय स्तर पर भाग लिया और स्थान हासिल किया। ग्रीन ओलंपियाड प्रतियोगिता में तीन विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट मिला है। एनसीईआरटी, सीएसआईआर-सीरी और विज्ञान भारती के सहयोग से विज्ञान प्रसार (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार) द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय विद्यार्थी विज्ञान मंथन विज्ञान प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में आठवीं कक्षा के एक छात्र ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों ने क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर अंग्रेजी-हिंदी भाषण, और ग्रीन ओलंपियाड जैसे विभिन्न आयोजनों में स्थान हासिल किया। स्कूल ने पूरे वर्ष वर्चुअल मोड के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया है और इनमें से कई कार्यक्रमों को YouTube लिंक में अपडेट भी किया है। विशेष रूप से, स्कूल ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए दादा-दादी दिवस, शिक्षक दिवस, योग दिवस, फिट-इंडिया आंदोलन, हिंदी दिवस, मातृभाषा दिवस के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, और अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किये।

प्री-स्कूल :

विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने मिलकर केंद्रीय विद्यालय परिसर में प्री-स्कूल आयु वर्ग के बच्चों के लिए एक प्ले-स्कूल शुरू किया। प्री-स्कूल का प्रबंधन माता-पिता द्वारा स्व-वित्त आधार पर किया जाता है। प्री-स्कूल में खेल, ड्राइंग, गायन और बच्चों के सीखने की क्षमता तथा रचनात्मकता में वृद्धि हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। महामारी के कारण प्री-स्कूल सुविधा वर्तमान में बंद है।

स्वास्थ्य केंद्र :

विश्वविद्यालय परिसर में एक सुसज्जित स्वास्थ्य केंद्र हैं। हाल ही में, दो कोविड-19 आइसोलेशन वार्ड स्थापित किए गए हैं जो ऑक्सीजन, सक्शन मशीन, व्हील चेयर व स्ट्रेचर से लैस हैं। स्वास्थ्य केंद्र ने हाल ही में अत्यधिक उन्नत डेंटल चेयर, डेंटल एक्स रे मशीन, दंत चिकित्सा उपकरणों आदि के साथ एक पूरी तरह से सुसज्जित दंत चिकित्सा क्लिनिक की स्थापना की है। स्वास्थ्य केंद्र में सभी प्रकार के फिजियोथेरेपी के लिए आवश्यक सभी उपकरणों के साथ एक उन्नत फिजियोथेरेपी यूनिट की भी स्थापना की गई

है। इसके अलावा, नियमित हेमेटोलॉजिकल और जैव रासायनिक परीक्षणों के लिए उपकरण का क्रय किया गया।

यह स्वास्थ्य केंद्र आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए ऑक्सीजनेटर, नेबुलाइज़र, ईसीजी, पल्स ऑक्सी मीटर, रिससिटेशन किट (एंबुबैग आदि), स्फिग्मोमेनोमीटर, व्हील चेयर, स्ट्रेचर और आटोक्लेव आदि से सुसज्जित है। स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सा अधिकारी तथा आगंतुक विशेषज्ञों के लिए परामर्श कक्ष, ड्रेसिंग कक्ष, औषधि भंडार से युक्त है जिसमें आंतरिक रोगियों के लिए 06 बिस्तर वाले दो वार्ड हैं। स्वास्थ्य केंद्र में महत्वपूर्ण मामलों को उच्च चिकित्सा केंद्रों में संदर्भित करने के लिए एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध है। यह स्वास्थ्य केंद्र सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम को 4 बजे से 7 बजे तक ओ.पी.डी. सेवाएं और 24 घंटे आपातकालीन सेवाओं के साथ-साथ इनडोर रोगियों को इंजेक्शन, ड्रिप, ऑक्सीजन, नेबुलाइजेशन आदि सेवाएं प्रदान करता है। डॉ. चौबे शिवाजी और डॉ. मीनाक्षी प्रत्येक बुधवार को सुबह 9:00 बजे से 10:00 बजे तक आयुर्वेद परामर्श प्रदान कर रहे हैं। स्वास्थ्य केंद्र द्वारा केंद्रीय विद्यालय के छात्रों के लिए प्रत्येक 6 महीने में चिकित्सा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाता है तथा उनके संपूर्ण स्वास्थ्य की जांच की जाती है। कोविड के कारण पिछले एक साल से इन गतिविधियों का संचालन नहीं किया जा सका। चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल वर्तमान सीजीएचएस दर सूची व अध्यादेश एवं भारत सरकार के दिशा-निर्देशानुसार स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों द्वारा सत्यापित किए जाते हैं। स्वास्थ्य केंद्र ने कुल 2192 मामलों में ओपीडी परामर्श प्रदान किया और 68 मामलों (छात्रों और कर्मचारियों सहित) में प्राथमिक उपचार के बाद रोगी को अन्य अस्पताल भेजा गया, 55 आपातकालीन रोगी का उपचार किया गया।
स्वास्थ्य केंद्र में नियमित कर्मचारियों और छात्रों के लिए ऑनलाइन समर्थ पोर्टल भी है जिसमें विभिन्न प्रकार के आंकड़े, जैसे रोगी का स्वास्थ्य इतिहास, दवा, प्राप्त सुविधाएं और रेफरल विवरण आदि दर्ज किये जाते हैं। स्वास्थ्य केंद्र ने टीकाकरण के लिए स्वास्थ्य शिविर भी लगाया। विश्वविद्यालय के सभागार में शैक्षणिक कर्मचारियों, गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मचारियों, सफाई कर्मचारियों, नौकरानियों, बागवानी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए पहला और दूसरा कोविड -19 टीकाकरण अभियान आयोजित किया गया। इसके अलावा, चिकित्सा अधिकारी नियमित रूप से टीकाकरण अभियान और आवश्यक स्वास्थ्य सलाह के बारे में अपडेट भेजते हैं। स्वास्थ्य केंद्र में आवश्यक दवाओं के साथ-साथ गंभीर कोविड-19 पॉजिटिव मरीजों के लिए 4 ऑक्सीजन सिलेंडर और 2 ऑक्सीजनेटर हैं। कोविड -19 रोगियों के उपचार में सावधान हेतु स्वास्थ्य केंद्र में पर्याप्त पीपीई किट, दस्ताने, सैनिटाइज़र, मास्क और सभी प्रमुख सुरक्षात्मक सामान हैं। स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी (डॉ. अंकुर मित्तल) ने कोविड-19 रोगियों को 24X7 ऑनलाइन परामर्श दिया और कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान अस्पतालों के साथ समन्वय करके आपातकालीन स्थिति में रेफरल अस्पतालों में प्रवेश पाने में भी उनकी मदद की।

महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ आशिमा जौहरी ने चिकित्सा केंद्र में कार्य ग्रहण किया। स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी श्री अखिलेश तिवारी और सुश्री रेणु ने भी तापमान रिकॉर्ड किया और बाहर से आने वाले लोगों की एसपीओ2 की निगरानी की। वरिष्ठ शिक्षकों से युक्त एक सलाहकार समिति स्वास्थ्य केंद्र के कामकाज की देखरेख करती है। प्रो. अमित के. गोयल, सलाहकार समिति के अध्यक्ष हैं और डॉ. अंकुर मित्तल चिकित्सा अधिकारी हैं।

पूर्ण चिकित्सकीय परीक्षण के बाद स्वास्थ्य केंद्र द्वारा छात्रों के साथ साथ-कर्मचारियों को भी मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी किया गया। महामारी की स्थिति से निपटने की तैयारी में, विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को विश्वविद्यालय परिसर को सुरक्षित रखने के लिए एहतियाती उपाय के रूप में प्राथमिक चिकित्सा जांच के लिए स्वास्थ्य केंद्र को रिपोर्ट करना होगा। स्वास्थ्य केंद्र ने हाल ही में अत्यधिक उन्नत डेंटल चेयर, डेंटल

एक्स रे मशीन, दंत चिकित्सा उपकरणों आदि के साथ एक पूरी तरह से सुसज्जित दंत चिकित्सा क्लिनिक की स्थापना की है। स्वास्थ्य केंद्र में सभी प्रकार के फिजियोथेरेपी के लिए आवश्यक सभी उपकरणों के साथ एक उन्नत फिजियोथेरेपी यूनिट की भी स्थापना की गई है। इसके अलावा, नियमित हेमेटोलॉजिकल और जैव रासायनिक परीक्षणों के लिए उपकरण का क्रय किया गया। वरिष्ठ शिक्षकों से युक्त एक सलाहकार समिति स्वास्थ्य केंद्र के कामकाज की देखरेख करती है। प्रोफेसर अमित के. गोयल, सलाहकार समिति के अध्यक्ष और डॉ. अंकुर मित्तल चिकित्सा अधिकारी हैं।

राजभाषा प्रकोष्ठ :

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी को प्रोत्साहित करने हेतु राजभाषा प्रकोष्ठ बनाया गया है। राजभाषा नियमों के कार्यान्वयन हेतु सतत प्रयास किये जा रहे हैं। कार्यालय के कार्य में हिंदी के प्रयोग के मूल्यांकन हेतु कुलपति महोदय की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित की गई है। राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिंदी कार्यशाला के माध्यम से विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में कार्यों के निष्पादन हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यशालाओं में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को भी नामित किया जाता है। प्रतिवेदित वर्ष के दौरान, 22 कर्मचारियों ने केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित ऑनलाइन हिंदी कार्यशालाओं में प्रशिक्षण प्राप्त किया। सभी प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कंप्यूटर में हिंदी टंकण सॉफ्टवेयर अपलोड किया गया है। प्रतिवेदित वर्ष में कार्यालय के अनेक दस्तावेजों यथा कार्यालय आदेशों, परिपत्रों, प्रेस विज्ञप्तियों, विभिन्न पदों के लिए विज्ञापनों इत्यादि का हिंदी अनुवाद किया गया तथा इन्हें द्विभाषी रूप में जारी किया गया।

दिनांक 01 से 15 सितम्बर, 2020 के दौरान विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता, टिप्पण एवं प्रारूपण प्रतियोगिता, हिंदी अनुवाद प्रतियोगिता, हिंदी पोस्टर प्रतियोगिता इत्यादि का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार के साथ ही प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय में दिनांक 14 सितम्बर, 2020 को हिंदी दिवस मनाया गया। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रोत्साहन हेतु अनेक कदम उठाये जा रहे हैं तथा हिंदी के प्रयोग में निरंतर वृद्धि हो रही है।

अन्य सहायक सुविधाएँ:

शैक्षणिक वातावरण कक्षा, व्याख्यान कक्ष, प्रयोगशाला, अध्ययन कक्ष, छात्रावास और पुस्तकालय से सुसज्जित है। सहायक बुनियादी अवसंरचना में खेल के मैदान, व्यायामशाला, सभागार, बैंक, एटीएम, डाकघर, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स आदि सम्मिलित हैं। स्वास्थ्य लाभ हेतु टहलने और तनाव मुक्ति के लिए चौड़ी सड़क के किनारे हरियाली युक्त फुटपाथ बनाये गये हैं तथा स्ट्रीट लाइट लगाये गये हैं। संपूर्ण अवसंरचना सतत विकास के मूलमंत्र को ध्यान में रखकर किया गया है। विश्वविद्यालय के छात्रों और निवासियों के सुविधायुक्त जीवन को सुनिश्चित करने के लिए इस दिशा में अनेक प्रयास किए जाते हैं। परिसर के भीतर और किशनगढ़ शहर से परिसर तक छात्रों और कर्मचारियों के आवागमन हेतु परिवहन की सुविधा उपलब्ध है। विश्वविद्यालय की बस नियमित रूप से किशनगढ़ से विश्वविद्यालय सुबह और शाम दो बार आती-जाती है। बस सुबह, शाम, और दोपहर के भोजनावधि में छात्रावास से छात्रों को उनके शैक्षणिक ब्लॉक तक पहुँचाती है। परिसर के भीतर यातायात हेतु अन्य दो ई-रिक्शा हैं। छात्रों और कर्मचारियों के आवागमन हेतु सुबह से लेकर देर शाम तक, बांदरसिंदरी राजमार्ग बस-स्टॉप से विश्वविद्यालय परिसर के बीच एक

ऑटो-रिक्शा की सुविधा भी उपलब्ध हैं। इनमें से कुछ यात्रा सुविधाएं विशेष रूप से महामारी के कारण प्रतिबंधित थीं।

राजस्थान सौर ऊर्जा से समृद्ध है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में सौर पैनल को स्थापित करके सौर ऊर्जा का उपयोग करने के प्रयास किए गये। बिजली की खपत को कम करने और सौर-ऊर्जा का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए ये पैनल विश्वविद्यालय के छात्रावासों की छतों पर तथा अकादमिक ब्लॉक में लगाये गये हैं और अन्य भवनों भी इसे लगाये जाने की योजना बनाई गई है। ग्रिड से जुड़ा रूफ टॉप सौर संयंत्र लगाये गये हैं और वर्तमान में इस सौर संयंत्र के माध्यम से 780 किलोवाट बिजली उत्पन्न होती है। यह बिजली पावर ग्रिड के साथ जुड़ा हुआ है, इस प्रकार बिजली के बिल को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा, संधारणीय अवसंरचना को विकसित करने के लिए जल-संचयन प्रणाली की रूप-रेखा बनाई गई। जागरूकता पैदा करने और विश्वविद्यालय के सभी निवासियों की सुविधा हेतु पर्यावरण को हरा-भरा रखने के लिए नियमित रूप से वृक्षारोपण अभियान और स्वच्छता अभियान चलाया गया। विशेष स्थानों पर डस्टबिन रखे जाते हैं और उसकी नियमित सफाई की जाती है। लगातार वृक्षारोपण के माध्यम से हरित क्षेत्र का विस्तार हो रहा है।

विद्यार्थी सहायता प्रणाली

समान अवसर प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय ने अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन-क्रीमीलेयर)/अल्पसंख्यक छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए उपयुक्त कार्यक्रमों / योजनाओं को तैयार करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में अ.जा. / अ.ज.जा. छात्रों को सहायता प्रदान करने हेतु वित्तीय और अन्य शैक्षणिक संसाधन जुटाने के लिए सरकार और अन्य वित्त पोषण एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करने हेतु एक समान अवसर प्रकोष्ठ की स्थापना की है। प्रो. जे.के. प्रजापत, प्रोफेसर, गणित विभाग, समान अवसर प्रकोष्ठ के समन्वयक हैं।

रैगिंग विरोधी समिति

विश्वविद्यालय परिसर में रैगिंग से निपटने के लिए राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में एक रैगिंग विरोधी प्रकोष्ठ संचालित है। विश्वविद्यालय में एक रैगिंग विरोधी दस्ता है जो रैगिंग मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने हेतु छात्रों की निगरानी करता है और उन्हें इसके प्रति संवेदनशील बनाता है। वर्ष 2020-21 के लिए रैगिंग विरोधी समिति में निम्नलिखित सदस्य थे-

अध्यक्ष	प्रो. अरुण कुमार पुजारी, कुलपति
संयोजक / नोडल अधिकारी	प्रोक्टर (पदेन)
कुलपति द्वारा नामित	श्री के.वी.एस.कामेश्वर राव (कुलसचिव)
संकाय प्रतिनिधि	विपिन कुमार (मुख्य वार्डन) डॉ. एस. कांदासामी डॉ. अंजली शर्मा श्री रवि सहारन डॉ. नगेंद्र कुमार डॉ. मो. हुसैन कुनरु
अशैक्षणिक कर्मचारी प्रतिनिधि	डॉ. ओम कुमार कर्ण श्री सरोज कुमार पांडा सुश्री प्रतिमा चट्टराज
स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधि	श्री इंदर सिंह राठौड़, एसएचओ, बांदरसिंदरी पुलिस स्टेशन
स्थानीय मीडिया के प्रतिनिधि	श्री श्याम मनोहर पाठक, वरिष्ठ संवाददाता, दैनिक भास्कर, किशनगढ़

विद्यार्थी परिषद

विश्वविद्यालय में एक विद्यार्थी परिषद का गठन किया गया और विभागीय आधार पर विद्यार्थियों का चयन किया गया। इसके अलावा, विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद ने छात्रों को उनकी पढ़ाई, खेल-कूद और पाठ्येतर गतिविधियों में योग्यता के आधार पर भी विद्यार्थी परिषद के सदस्यों के रूप में मनोनीत किया। प्रत्येक वर्ष कुल 19 छात्र प्रतिनिधि विभिन्न विभागों से चुने जाते हैं और 20 छात्रों को अकादमिक परिषद द्वारा नामित किया जाता है।

यह परिषद छात्रों की शैक्षणिक और कल्याणकारी गतिविधियों से संबंधित मामलों पर निर्णय लेती है और उनका समाधान करती है।

मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण समिति (2020-21)

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के बाद से, छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को शैक्षणिक उन्नति और छात्रों के विकास का एक महत्वपूर्ण घटक माना है। विश्वविद्यालय ने अपने छात्र केंद्रित दृष्टिकोण में समग्र विकास, कल्याण और व्यापक शिक्षा की परिकल्पना की है। मनोवैज्ञानिक परामर्श इकाई वर्ष 2013 से कार्य कर रही है, और यह कोविड-19 महामारी के उदगमन के दौरान और भी अधिक सक्रिय हो गई। समिति ने विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों की भलाई सुनिश्चित की है। समिति ने ऑनलाइन परामर्श, नियमित चर्चा के लिए सुविधाएं खोली हैं और मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण से संबंधित पहलुओं पर जानकारी साझा करने की सुविधा प्रदान की है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने महामारी की स्थिति के सर्वोत्तम संभव प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न अधिकारियों द्वारा साझा किए गए विभिन्न निर्देशों और प्रोटोकॉल को आत्मसात किया है। विश्वविद्यालय बंद होने की अवधि के दौरान, विश्वविद्यालय ने अकादमिक तनाव को कम करने और छात्रों के साथ शिक्षाप्रद-सीखने के संचार को स्थापित करने के उद्देश्य से सभी छात्रों के साथ शैक्षणिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से संलग्न करने के लिए ऑनलाइन संचार स्थापित किया। जब भी छात्रों को ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेने के लिए किसी भी समस्या का सामना करना पड़ता है, तो परामर्शदाताओं द्वारा उनसे संपर्क किया जाता है और उनके मुद्दों को व्यक्तिगत रूप से हल किया जाता है। जब छात्रों ने कनेक्टिविटी के मुद्दों, या पर्याप्त सुविधाएं नहीं होने के बारे में बताया, तो उन्हें उनके शिक्षकों द्वारा टेलीफोन पर समर्थन दिया गया और उनके लिए सहकर्मी का समर्थन भी शुरू किया गया। मानसिक स्वास्थ्य टीम ईमेल के माध्यम से छात्रों के साथ नियमित संचार में थी और विभिन्न सामग्री प्रदान की जो उन्हें प्रतिबद्ध और ध्यान केंद्रित करने में मदद करेगी और ऑनलाइन शिक्षा से संबंधित किसी भी मुद्दे से निपटने के लिए सकारात्मक मुकाबला करने की रणनीति विकसित करने में उनकी मदद करेगी।

मानसिक स्वास्थ्य और संदर्भों के बारे में बुनियादी जानकारी के साथ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर एक वेबलिंक जोड़ा गया है। यही जानकारी विश्वविद्यालय के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर भी शेयर की गई है। मानसिक स्वास्थ्य टीम ने स्थिति को सामान्य करने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए और छात्रों को उनकी शैक्षणिक रुचि को प्राथमिकता देने के लिए और अपने निजी जीवन और पारिवारिक व्यस्तताओं में आशावादी और सक्रिय रहने के लिए प्रेरित करने पर ध्यान केंद्रित किया। परामर्शदाताओं ने अक्सर छात्रों को प्रचलित स्थिति की समझ विकसित करने और आत्म-प्रतिबद्धता के मामले में सक्रिय, फिट और स्वस्थ रखने की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्रों को अध्ययन, असाइनमेंट और ऑनलाइन पाठ्यक्रम सामग्री देखने के साथ-साथ सकारात्मक जीवन-शैली की आदतों को विकसित करने की सलाह दी गई। उन्हें कुछ समय नियमित रूप से ध्यान, योग, विश्राम अभ्यास, मनोरंजन और रुचियों के अभ्यास के लिए अलग रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। हर संचार में, घर पर रहने और स्वस्थ रहने के लिए हर संभव प्रयास करने के महत्व पर इस संदेश के साथ जोर दिया गया कि मौजूदा संदर्भ हमें चिंता करने के लिए नहीं बल्कि जिम्मेदार होने के लिए प्रेरित करे।

मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर वेबिनार:

12 मई 2021 को मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण समिति ने "महामारी और भावनात्मक स्वास्थ्य" पर एक वेबिनार का आयोजन किया। एक विशेषज्ञ वार्ता प्रोफेसर (डॉ.) आर श्रीनिवास मूर्ति, मनोचिकित्सा के पूर्व प्रोफेसर (निमहंस, बैंगलोर) और डब्ल्यूएचओ (पूर्व और मध्य-पूर्व क्षेत्र) के पूर्व सलाहकार द्वारा दी गई थी।

प्रो. नीरज गुप्ता कुलपति (प्रभारी) ने सभी की उपस्थित में प्रोफेसर मूर्ति का स्वागत किया, और बताया कि वे आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी हैं। प्रो. गुप्ता ने विश्वविद्यालय परिवार की ओर से प्रो. मूर्ति का विश्वविद्यालय के सदस्यों से संवाद करने के लिए आभार व्यक्त किया। वार्ता के बाद एक ऑनलाइन संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमे प्रतिभागियों ने विषय से संबन्धित अपने प्रश्नों पर स्पीकर के साथ चर्चा की। वेबिनार का संचालन डॉ. सुभासिस भद्रा, सह - आचार्य और चेयरपर्सन, मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण समिति और डॉ. अतीक अहमद, सहायक आचार्य, सामाजिक कार्य विभाग द्वारा किया गया। डॉ. संजीब पात्रा, सह - आचार्य और योग विभाग प्रमुख, द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

छात्र शिकायत समिति

विश्वविद्यालय ने स्कूल स्तर पर एक छात्र शिकायत निवारण तंत्र का गठन किया है, जिसमें शैक्षणिक संबंधी शिकायतें खुले और लोकतांत्रिक वातावरण में सुनी जाती हैं।

कार्यक्रम

स्पर्श प्रकोष्ठ द्वारा संचालित गतिविधियाँ (2020-21)

यौन उत्पीड़न से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूकता, रोकथाम और यौन उत्पीड़न का निवारण (स्पर्श) प्रकोष्ठ, विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों को जागरूकता प्रदान करने और संवेदनशील बनाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित एक शीर्ष निकाय है। स्पर्श प्रकोष्ठ प्रत्येक वर्ष लैंगिक संवेदनशीलता और जागरूकता पर छात्रों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करता है। इस कार्यक्रम में नए बैच के छात्रों को यौन उत्पीड़न से संबंधित विषयों के बारे में आमंत्रित किया जाता है, उन्हें संवेदनशील बनाया जाता है और विश्वविद्यालय में संचालित स्पर्श प्रकोष्ठ के कामकाज के बारे में बताया जाता है। कोराना काल में स्पर्श प्रकोष्ठ छात्रों के साथ न्यूनतम संवाद कर सका।

72 वाँ गणतंत्र दिवस समारोह

72 वाँ गणतंत्र दिवस राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में ध्वजारोहण के साथ-साथ विद्यार्थियों द्वारा नृत्य, नाटक, संगीत आदि सहित सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ मनाया गया। गणतंत्र दिवस परेड सुबह 10:00 बजे आयोजित की गई जिसमें लगभग 800 छात्र, संकाय सदस्य और कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. अरुण कुमार पुजारी ने कर्मचारी और छात्रों को मजबूत शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण के बारे में बताया।

74 वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह

74 वाँ स्वतंत्रता दिवस परिसर में परंपरागत वैभव और देशभक्ति के जज्बे के साथ मनाया गया। माननीय कुलपति प्रो. अरुण कुमार पुजारी द्वारा ध्वजारोहण करने के बाद देशभक्ति गीतों की सांस्कृतिक प्रस्तुति और छात्रों द्वारा कविताएं पढ़ने का भी आयोजन किया गया।। स्वतंत्रता दिवस परेड का आयोजन विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सामने सुबह 10:00 बजे शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों की उपस्थिति में किया गया। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के नायकों के बलिदान का स्मरण करते हुए कार्यक्रम का समापन हुआ।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

विश्वविद्यालय ने एक सांस्कृतिक समिति का गठन किया है, जो छात्रों की रचनात्मकता में वृद्धि और उनमें सकारात्मक भावनाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में संलग्न है। उसी भावना में, सांस्कृतिक समिति ने छात्रों को ऑनलाइन मोड के माध्यम से संलग्न करके पूरे वर्ष विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया, भले ही वे कोविड लॉकडाउन प्रोटोकॉल के कारण परिसर में मौजूद नहीं थे। इन ऑनलाइन गतिविधियों का उद्देश्य छात्रों को तनावमुक्त अनुभव कराना और गैर-शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से वर्चुअल मोड में अपने साथियों के साथ जोड़ना था। सांस्कृतिक समिति में पांच क्लब हैं, जिनके नाम हैं, साहित्यिक क्लब (अभिव्यक्ति), नाटक क्लब (अभिनय), नृत्य क्लब (नृत्यदा), संगीत क्लब (सरगम), कला क्लब (कला-कृति)। प्रत्येक क्लब में समारोह तथा क्लब की गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने हेतु एक संकाय समन्वयक और एक छात्र समन्वयक होते हैं।

इन क्लबों ने ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से पूरे वर्ष विभिन्न सांस्कृतिक और वार्षिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जहां छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और परिसर के जीवन में रंगों और खुशियों को जोड़ा। इन आयोजनों

के विजेताओं को विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा स्थापना दिवस समारोह में सम्मानित किया गया और परिसर में आने पर छात्रों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

कला क्लब 'कलाकृति' ने सितंबर 2020 के महीने में एक विश्वविद्यालय स्तर की ललित कला ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस आयोजन के हिस्से के रूप में, छात्रों ने 'प्रकृति और मानव जीवन, कोविड के दौरान पर्यावरण परिवर्तन, संगरोध अवधि में रहने' पर लैंड स्केप पेंटिंग प्रस्तुत की। स्केचिंग का विषय "आइसोलेशन और ऑप्टिकल इल्यूजन" था। जबकि पोस्टर बनाने वाले विषय "सोशल डिस्टेंसिंग, मेंटल हेल्थ अवेयरनेस और माय वर्ल्ड एट होम" थे। डिजिटल ग्राफिक्स कला को डूडलिंग करने की क्रियाकलाप भी आयोजित की गयी। छात्रों को रचनात्मक माध्यम से अपनी भावनाओं को व्यक्त करने और अपने रचनात्मकता के साथ जुड़ने का अवसर मिला।

भारतीय संविधान को अंगीकृत किये जाने के उपलक्ष्य में वर्ष 2015 से 26 नवंबर को भारत में संवैधानिक दिवस मनाया जाता है। इस उत्सव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा संविधान की प्रस्तावना को पढ़ना और विचारधारा को बनाए रखने के लिए हमारी प्रतिबद्धताओं की पुष्टि करना है। इस अवसर पर सांस्कृतिक समिति ने विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया। गूगल फॉर्म के माध्यम से संविधान दिवस की थीम पर 30 प्रश्नों का एक सेट तैयार किया गया और पोस्ट किया गया। इस कार्यक्रम में 96 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

नाटक क्लब 'अभिनय' ने 'महात्मा गांधी की 150वीं जयंती' के अवसर पर 28 सितंबर से 2 अक्टूबर 2020 के बीच एक सप्ताह के फिल्म समारोह का आयोजन किया। वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से हर शाम महात्मा गांधी पर पांच वृत्तचित्रों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर छात्रों को 'वर्तमान में गांधीवादी दर्शन की प्रासंगिकता या अहिंसा और समाज में इसका महत्व' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर प्रदान किया गया। इसके अलावा, 30 सितंबर 2020 को, सांस्कृतिक समिति के सदस्यों ने छात्रों के साथ एक आभासी मंच पर मुलाकात की और 'गांधी के जीवन' पर एक संवादात्मक चर्चा की। कार्यक्रमों में भाग लेने वाले सभी छात्रों को अपने विचार प्रस्तुत करने, चिंतन करने और चर्चा करने का अवसर दिया गया।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समिति ने 27 सितंबर से 2 नवंबर 2020 तक 'सतर्कता सप्ताह' के महत्व के बारे में छात्रों और कर्मचारियों के बीच जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से कुछ सांस्कृतिक रचनात्मक-अभिव्यंजक गतिविधियाँ शुरू कीं। भ्रष्टाचार की सामाजिक बुराई से लड़ने की भावना और आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, सांस्कृतिक समिति, राकेविवि ने इस वर्ष 'सतर्क भारत समृद्ध भारत' विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। निबंध लेखन का विषय "सतर्क नागरिक: समृद्धि की कुंजी" था। अन्य प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम भी आयोजित किये गये, जिनमें स्व-लिखित कविता का पाठ, नारा लेखन और पोस्टर प्रस्तुतिकरण इत्यादि शामिल थे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। समग्र रूप से, कार्यक्रमों में छात्रों और कर्मचारियों में ईमानदारी के अभाव में आने वाली चुनौतियों और राष्ट्र की समृद्धि के लिए सतर्क रहने की संस्कृति को बढ़ाने की आवश्यकता पर चर्चा की गई।

मातृभाषा दिवस (अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस)

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस प्रत्येक वर्ष 21 फरवरी को मनाया जाता है। भारत में 2021 के अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का विषय 'शिक्षा और समाज में समावेश के लिए बहुभाषावाद को बढ़ावा देना' था। इस वर्ष का विषय नीति निर्माताओं, शिक्षकों, माता-पिता और परिवारों से कोविड-19 के संदर्भ में शिक्षा की बहाली को आगे बढ़ाने के लिए बहुभाषी शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बढ़ाने और शिक्षा में सम्मिलित करने का आह्वान था। इस अवसर पर राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समिति ने ऑनलाइन कवि-सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम में देश भर के सात कवियों को अपनी कविता प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम में बंगाल,

ओडिशा, कर्नाटक, केरल, उत्तर प्रदेश, मणिपुर, असम और राजस्थान के कवियों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों को आभासी मंच के माध्यम से कवियों के साथ बातचीत करने का अवसर प्राप्त हुआ।
नृत्य क्लब (नृत्यदा) ने ऑनलाइन माध्यम से स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए समूह और एकल नृत्य प्रतियोगिता का भी आयोजन किया। छात्रों ने अपने पारंपरिक नृत्यों को रिकॉर्ड किया और उन्हें वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर साझा किया। स्थापना दिवस कार्यक्रम में छात्रों के प्रयासों का मूल्यांकन किया गया और पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया।

स्थापना दिवस

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 03 मार्च, 2020 को 12 वर्ष पूरे किए। इस शुभ अवसर पर, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का 13 वां स्थापना दिवस पूरे धूमधाम से मनाया गया। सूर्योदय के समय सामूहिक सूर्य नमस्कार के साथ स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत की गई। माननीय कुलपति, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, शिक्षक, कर्मचारी और विश्वविद्यालय के छात्रों सहित विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों ने बड़े उत्साह के साथ इसमें भाग लिया। विश्वविद्यालय झंडे को सम्मान देने के लिए एसपी-4 भवन के लॉन में प्रात: 10:00 बजे राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का झंडा फहराया गया।

खेलकूद गतिविधियां

फिट इंडिया मूवमेंट

फिट इंडिया मूवमेंट, देश को फिटनेस और स्वास्थ्य के मार्ग पर ले जाने के लिए एक आंदोलन है जो 29 अगस्त, 2019 को शुरू किया गया। यह स्वस्थ भारत की दिशा में काम करने का एक अनूठा और रोमांचक अवसर प्रदान करता है। आंदोलन के हिस्से के रूप में, व्यक्ति अपने स्वयं के स्वास्थ्य और कल्याण के साथ-साथ साथी भारतीयों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए विभिन्न प्रयास कर सकते हैं। साइकिलिंग स्वस्थ रहने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। साइकिलिंग का नया क्रेज है जो फिटनेस को मस्ती के साथ जोड़ता है। फिट इंडिया मूवमेंट, युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 10 फरवरी, 2021 को अपराह्न 3:00 बजे से 5.00 बजे के मध्य विश्वविद्यालय परिसर में मौजूद शैक्षणिक और अशैक्षणिक कर्मचारियों और पीएचडी छात्रों के लिए सीयूराज फिट इंडिया साईक्लोथोन (साइक्लिंग इवेंट) का आयोजन किया।

सीयूराज फिट इंडिया साईक्लोथोन में मुख्य अतिथि प्रो. नीरज गुप्ता, कुलपति (प्रभारी) राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय और सम्मानित अतिथि श्री आर. आर. चौधरी, ड्रोममार्बल प्रा. लिमिटेड उपस्थित थे। अन्य गणमान्य व्यक्तियों में श्री केवीएस कामेश्वर राव, कुलसचिव, और डॉ. एस. कंडास्वामी, अध्यक्ष, खेल समिति, राकेविवि उपस्थित थे। साइकिलिंग कार्यक्रम का आयोजन निम्नलिखित तीन श्रेणियों में किया गया :
श्रेणी 1: 35 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष प्रतिभागी
श्रेणी 2: सभी महिला प्रतिभागी
श्रेणी 3: 35 वर्ष से कम आयु के पुरुष प्रतिभागी

श्रेणी 1 में कुल 32 प्रतिभागियों ने सीयूराज फिट इंडिया साइक्लोथॉन कार्यक्रम में भाग लिया और प्रत्येक प्रतिभागी ने कुल 4 किमी की दूरी तय की। डॉ. एस. ईश्वर ने प्रथम, श्री सेवाराम कुमावत दुसरे और श्री गौरव शर्मा ने तीसरा

स्थान हासिल किया। श्रेणी 2 में, कुल 12 प्रतिभागियों ने सीयूराज फिट इंडिया साइक्लोथॉन कार्यक्रम में भाग लिया भाग लिया और प्रत्येक प्रतिभागी ने कुल 4 किमी की दूरी तय की। डॉ. नेहा सिंह ने रेस जीती और डॉ. सुमन तप्रयाल और सुश्री सरिता बुगलिया ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। श्रेणी 3 में, कुल 40 प्रतिभागियों ने सीयूराज फिट इंडिया साइक्लोथॉन कार्यक्रम में भाग लिया और प्रत्येक प्रतिभागी ने कुल 4 किमी की दूरी तय की। श्री इंद्रपाल सिंह ने दौड़ जीती और श्री सचिन शर्मा और श्री अतुल जाखड़ ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया।

दौड़ के दौरान सभी प्रतिभागियों को टी-शर्ट (ड्रॉम मार्बल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रायोजित) वितरित की गई। सभी प्रतिभागियों को जलपान भी कराया गया। समापन समारोह के दौरान उक्त आयोजनों के सभी विजेताओं को ट्रॉफी और भागीदारी प्रमाण पत्र दिए गये, जबकि उक्त कार्यक्रम के अन्य प्रतिभागियों को भारत सरकार के फिट इंडिया सेल द्वारा भागीदारी प्रमाण पत्र दिया गया। कार्यक्रम की सफलता में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से योगदान करने वाले सभी हितधारकों को धन्यवाद ज्ञापित करके कार्यक्रम का समापन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) गतिविधियाँ

फिट इंडिया मूवमेंट

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का परिसर कोविड-19 महामारी की स्थिति के कारण छात्रों और एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए बंद था। हालांकि, एनएसएस के स्वयंसेवकों ने अपने घर पर रहकर फिट इंडिया अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। छात्रों ने अपने आस-पास शारीरिक फिटनेस जागरूकता का आयोजन किया और माननीय प्रधान मंत्री द्वारा शुरू किए गए फिट इंडिया के मिशन के लिए शारीरिक फिटनेस कार्यक्रम के संरक्षक के रूप में कार्य किया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने बच्चों को विभिन्न फिटनेस अभ्यासों में सम्मिलित होने के लिए प्रोत्साहित किया और फिटनेस के लाभों के बारे में जागरूकता प्रदान की। उन्होंने उन्हें मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक किया।

'फिट इंडिया मूवमेंट' का उद्देश्य भारतीयों के दैनिक जीवन के व्यवहार में बदलाव लाना और बुनियादी फिटनेस प्रथाओं को प्रस्तुत करना है, जिनमें से अधिकांश के पास अपने पड़ोस में खेल या फिटनेस के बुनियादी ढांचे तक पहुंच नहीं है। इस अभियान के अंतर्गत ग्रामीण भारत पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, जिनमें शारीरिक स्वास्थ्य और फिटनेस जागरूकता में सुधार का अभाव है। इस अभियान के तहत, उच्च शिक्षण संस्थानों में फिटनेस के लिए खेल/व्यायाम/शारीरिक गतिविधियों को दैनिक दिनचर्या में सम्मिलित करते हुए संस्थागत फिटनेस योजना को मजबूत करने की आवश्यकता है। इनमें प्रतिदिन 10,000 कदम चलना भी सम्मिलित है। कोविड-19 महामारी की स्थिति के बावजूद, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सदस्यों ने फिट इंडिया के इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। एनएसएस के छात्रों ने अपने आवासीय इलाकों में इन गतिविधियों का निरीक्षण किया और संकाय सदस्यों ने स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए दैनिक व्यायाम और योगाभ्यास किया।

एनएसएस राकेविवि के स्वयंसेवक निखिल कुमार ने बिहार के बेगूसराय जिले के सलौना गांव में फिट इंडिया क्लब का निरीक्षण किया। 15 अगस्त 2020 को क्लब शुरू करने के बाद से, उन्होंने स्कूल जाने वाले 11 बच्चों का एक समूह बनाया और उन्हें व्यायाम, योग, खेल और अन्य शारीरिक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया। बच्चे इस मार्गदर्शन को पाकर प्रसन्न हैं और नियमित रूप से इन गतिविधियों का अभ्यास करते हैं।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस का 125वां जन्म वर्ष समारोह

नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को हुआ था। राष्ट्र के लिए नेताजी की अदम्य भावना और नि:स्वार्थ सेवाओं का सम्मान करने और उन्हें याद करने के लिए, एनएसएस - सीयूराज ने 23 जनवरी 2021 को उनकी जयंती मनाई। देश में इस दिन को 'पराक्रम दिवस' के रूप में भी मनाया गया, ताकि इस देश के लोगों, विशेषकर युवाओं को नेताजी की तरह विपरीत परिस्थितियों में भी ताकत के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा सके। इससे देश भर में और विशेष रूप से युवाओं में देशभक्ति की भावना का संचार करने में मदद मिली। इन गतिविधियों को एनएसएस दिशा-निर्देश निदेशालय, नई दिल्ली और क्षेत्रीय निदेशालय, जयपुर से प्राप्त निर्देशों के बाद शुरू किया गया था। एनएसएस-सीयूराज ने इस कार्यक्रम को एनएसएस स्वयंसेवकों और राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच मनाया। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के योगदान को याद

किया गया और भविष्य के भारत के लिए उनके दृष्टिकोण एवं संदेशों को प्रसारित किया गया और भारत के ऐसे दूरदर्शी तथा बहादुर सपूत को श्रद्धांजलि दी गई। एनएसएस सीयूराज ने अपने संदेशों को प्रसारित करने के लिए भाषण और कविता प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जो अभी भी हमारे राष्ट्र को मजबूत करने में बहुत प्रासंगिक हैं। विश्वविद्यालय ने अपने छात्रों को हमारी मातृभूमि के लिए नेताजी के दर्शन और योगदान से संबंधित प्रश्नोत्तरी और निबंध प्रतियोगिताओं में शामिल कर नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बारे में अपनी समझ और ज्ञान साझा करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। छात्रों ने बहुत उत्साह से इस आयोजन में भाग लिया और शीर्ष दस विजेताओं को योग्यता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया, जबकि अन्य सभी को भागीदारी हेतु प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। युवा छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी और कार्यक्रम में साझा किए गए उनके शब्दों की अत्यधिक सराहना की गयी।

एनएसएस सीयूराज द्वारा नेताजी की जयंती पर एक ऑनलाइन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। दो घंटे तक चलने वाले इस कार्यक्रम को ऑनलाइन आयोजित किया गया, जिसमें 150 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हुए। यह कार्यक्रम शाम 05:00 बजे प्रो. राजेश कुमार, अध्यक्ष एनएसएस-सीयूराज के उद्घाटन भाषण के साथ शुरू हुआ। कार्यक्रम में एनएसएस समिति की संकाय डॉ. संगीता यदुवंशी ने भी इस संबंध में वार्ता प्रस्तुत की।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह – 2020

केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में 27 अक्टूबर से 2 नवंबर 2020 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह - 2020 मनाया गया। केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्णयानुसार इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह 'सतर्क भारत, समृद्ध भारत' विषय पर मनाया गया। एनएसएस के अध्यक्ष और सीयूराज के स्वयंसेवक जो परिसर में नहीं थे, ने भाग लिया और अपने घर से ई-प्रतिज्ञा ली।

एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के योग विभाग ने 1 से 5 मार्च, 2021 तक एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "एनईपी 2020-जीवन कौशल और समग्र विकास के लिए प्रोत्साहन" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन समग्र प्रथाओं का पता लगाना था जो शिक्षण एवं अध्ययन की गतिविधियो को बढ़ाने में मदद करते हैं और शिक्षण एवं अध्ययन के माहौल में समग्र प्रथाओं को अपनाने के संभावित तरीकों की पहचान करते हैं। उक्त कार्यक्रम का आयोजन राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के संकाय विकास केंद्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संघ के पूर्व निदेशक एवम पद्मश्री डॉ. वेद प्रकाश ने किया। उद्घाटन भाषण में डॉ. वेद प्रकाश ने भोजन का महत्व, तनाव प्रबंधन और शारीरिक गतिविधि के महत्व को बताया। उन्होंने समग्र व्यक्तित्व के विकास में योग और ध्यान के महत्व के बारे में भी बताया। प्रो. नीरज गुप्ता, कुलपति (प्रभारी), राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की। इस कार्यक्रम में देश भर के विभिन्न संगठनों के 72 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागी विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, मणिपुर केंद्रीय विश्वविद्यालय, एस व्यासा विश्वविद्यालय बेंगलुरु, श्री श्री विश्वविद्यालय बेंगलुरु, श्री देवराज उर्स उच्च शिक्षा और अनुसंधान अकादमी, कोलार, रमैया आयुर्वेद अस्पताल (रमैया इंडिक स्पेशलिटी आयुर्वेद रेस्टोरेशन हॉस्पिटल) महाराणा प्रताप नेशनल कॉलेज, मुलाना आदि से थे।

देश भर के विभिन्न प्रख्यात वक्ताओं ने अपने अंतर्दृष्टिपूर्ण विचार साझा किए, जिनमें डॉ. आर. नागरत्न, एस-व्यासा विश्वविद्यालय बेंगलुरु; डॉ. आनंद भवनानी, श्री बालाजी विद्यापीठ के आईसीए और आनंद आश्रम, पांडिचेरी में अध्यक्ष आईसीवाईईआर; प्रो. विनुथा एम. शंकर, प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, मेडिकल फिजियोलॉजी विभाग, एसडीयूएमसी, कोलार, कर्नाटक; प्रो. एन. के. मंजूनाथ, सम-कुलपति, एस-व्यासा विश्वविद्यालय, बैंगलोर और डॉ हेमंत भार्गव, सहायक प्रोफेसर, निमहंस शामिल हैं। संकाय विकास में योग और ध्यान की भूमिका, जीवन कौशल विकास, धीमी गति से सीखने वालों के लिए समग्र अभ्यास और स्नातक विशेषताओं के विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। शिक्षण अधिगम में समग्र प्रथाओं के महत्वपूर्ण पर चर्चा की गई। इस संकाय विकास कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को योग, ध्यान, जीवन कौशल, शिक्षण और सीखने में भावनात्मक कल्याण सहित समग्र प्रथाओं के महत्व को सामझाने में मदद की।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

योग 5000 से अधिक वर्षों से एक भारतीय परंपरा रही है। योग जीवन शैली व्यक्तित्व के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक आयामों को बढ़ावा देने में मदद करता है। आधुनिक समय में योग के महत्व को ध्यान में रखते हुए, संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (अंतरराष्ट्रीय योग दिवस) 2015 के रूप में मान्यता दी थी। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के योग विभाग ने इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंसेज (आईयूसीवाईएस) के सहयोग से वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर 7वां (अंतरराष्ट्रीय योग दिवस) उत्सव मनाया। इस अवसर पर विभाग द्वारा 21 से 24 जून, 2021 तक योग चिकित्सा पर 4 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. वेद प्रकाश ने एक भारतीय संरचनात्मक जीवविज्ञानी, खाद्य प्रौद्योगिकीविद् और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के पूर्व महानिदेशक ने अपने प्रबुद्ध भाषण के साथ किया। समारोह की अध्यक्षता राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो नीरज गुप्ता. कुलपति (प्रभारी) ने की। कार्यशाला चार प्रमुख सामान्य स्वास्थ्य मुद्दों पर केंद्रित थी 1) मधुमेह मेलिटस, 2) पीठ दर्द, 3) हृदय रोग और 4) मानसिक स्वास्थ्य।

स्वास्थ्य संबंधी हितों के मुद्दों पर जानकारी साझा करने के लिए चार विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। डॉ. अमित सिंह, सहायक प्रोफेसर, एस-व्यासा यूनिवर्सिटी बैंगलोर ने मधुमेह पर जानकारी साझा की। डॉ. रामाजयम, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, चेतना अध्ययन केंद्र, निमहंस, बैंगलोर ने हृदय रोगों पर जानकारी साझा की। डॉ. नितिन पाटिल, एसोसिएट प्रोफेसर, इंटीग्रेटिव मेडिसिन विभाग, देवराज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च, कोलार; पीठ दर्द पर जानकारी साझा की और डॉ हेमंत भार्गव, सहायक प्रोफेसर, एकीकृत चिकित्सा विभाग, निमहंस, बैंगलोर; मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा की। प्रत्येक विशेषज्ञ वार्ता के बाद संबंधित स्वास्थ्य मुद्दों पर योग चिकित्सा सत्र आयोजित किया गया। योग विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. काशीनाथ मैत्री और योग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजीब कुमार पात्रा ने प्रायोगिक सत्र का संचालन किया। कार्यक्रम में 70 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रो. अविनाश चंद्र पांडेय, निदेशक अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र, नई दिल्ली समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

सामूहिक सूर्यनमस्कार अभ्यास

मकर संक्रांति भारतीय राज्यों की विविध संस्कृति का प्रतीक है। यह त्यौहार सौर चक्रों के अनुसार मनाया जाता है जिसके कारण यह हर साल एक ही दिन पड़ता है। यह त्यौहार राजसी सूर्य के उत्तर की ओर गति करने का प्रतीक है। यह सूर्य भगवान की पूजा करने के लिए समर्पित एक दिन है जिसका प्रकाश रथसप्तमी के रूप में पृथ्वी पर जीवन का पोषण और ऊर्जा प्रदान करता है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के योग विभाग ने रथसप्तमी के अवसर पर

सामूहिक सूर्यनमस्कार अभ्यास का आयोजन किया। चूंकि मकर संक्रांति एक सौर घटना आयोजन है, इसलिए योग विभाग ने 14 जनवरी, 2021 को टेनिस कोर्ट में सुबह 7.45 से 8.30 बजे तक राकेविवि के सभी छात्रों और कर्मचारियों के लिए सूर्यनमस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत ईशा उपनिषद में उद्धृत सूर्य देव की प्रार्थना के साथ हुई। परिसर के छात्रों और कर्मचारियों द्वारा सूर्यनमस्कार के चौबीस फेरे प्रस्तुत किए गए। भौतिकी विभाग में सहायक आचार्य डॉ. नीरज पंवार ने इस कार्यक्रम के लिए निर्देश दिए और उपरोक्त विभाग के पीएचडी शोधार्थी ने सभी दौरों के लिए सूर्यनमस्कार का प्रदर्शन किया। इस आयोजन में लगभग तीस प्रतिभागियों ने भाग लिया। योग विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा अंत में प्रतिभागियों को सूर्यनमस्कार अभ्यास के वैज्ञानिक और आध्यात्मिक लाभों के बारे में भी बताया गया।

स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती को बढ़ावा देने के लिए नियमित सुबह योग कक्षा

योग विभाग 21 अप्रैल, 2021 से नियमित रूप से विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों के लिए सुबह की योग कक्षाएं आयोजित कर रहा है। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और बीमारियों की रोकथाम करना है। सत्र सुबह 6.30 बजे शुरू होता है और सुबह 8 बजे समाप्त होता है। योगाभ्यास के अलावा सभी के लाभ के लिए स्वास्थ्य संबंधी तौर-तरीके भी बताये जाते हैं।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस

विश्व तंबाकू निषेध दिवस 31 मई 2021 को मनाया गया। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर समारोह सुबह 11 बजे शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के अधिकारियों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से विश्व तंबाकू निषेध दिवस प्रतिज्ञा में भाग लिया।

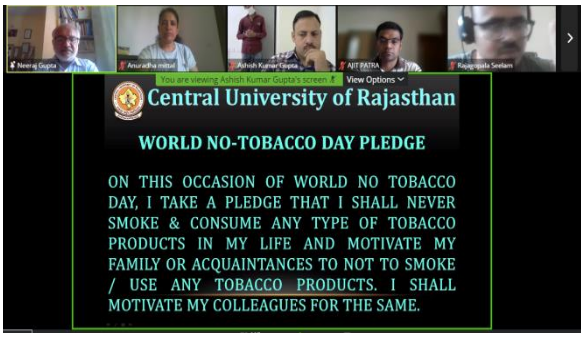

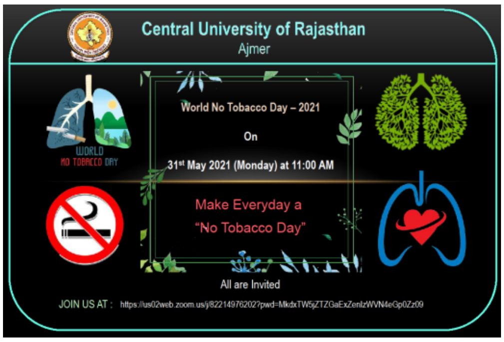

आतंकवाद विरोधी दिवस का आयोजन

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में 21 मई 2021 को सुबह 11 बजे आतंकवाद विरोधी शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जिसमे 93 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से आतंकवाद विरोधी प्रतिज्ञा में भाग लिया।

स्थापना दिवस समारोह

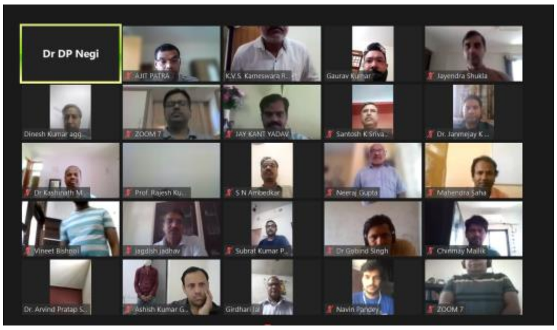

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 03 मार्च, 2021 को स्थापना दिवस मनाया। इस शुभ अवसर पर कुलाधिपति, स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर और, नासा के पूर्व वैज्ञानिक प्रो. (डॉ.) एच. आर. नागेंद्र ने ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित होकर इस कार्यक्रम की शोभा बढाई और स्थापना दिवस पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रो. नागेंद्र ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से लोगों को आगे बढने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने “योग- समग्र जीवन का विज्ञान” पर विस्तार से बात की। 13 वीं स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओ में विजेताओ को प्रमाण प्रत्र भी प्रदान किए गये।

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए 'व्यक्तिगत प्रभावशीलता बढ़ाने' पर दो दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम: 5 से 6 जून 2021 तक

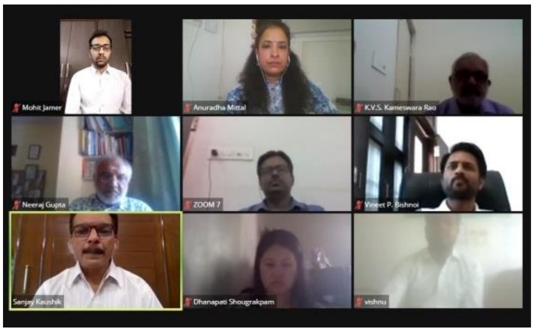

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने अपने कर्मचारियों के लिए 5 से 6 जून 2021 को ' व्यक्तिगत प्रभावशीलता का विकास' नामक दो दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें विभिन्न अकादमिक और प्रशिक्षण संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा चार वेबिनार सम्मिलित थे। यूनिवर्सिटी बिजनेस स्कूल, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के प्रो. संजय कौशिक द्वारा “उत्कृष्टता के लिए प्रेरणा” विषय पर व्याख्यान के माध्यम से संवादात्मक वेबिनार का आयोजन किया गया। श्री गुंजन गांधी, उप निदेशक, रक्षा मुख्यालय प्रशिक्षण संस्थान (डीएचटीआई), नई दिल्ली ने "कार्यालयी सम्प्रेषण - टिप्पण एवं प्रारूपण" तथा "बड़ी और छोटी-मोटी शास्तियों के संदर्भ में अनुशासनात्मक कार्रवाई" शीर्षक पर दो सत्रों में व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव, डॉ. हरिसिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर (मप्र) ने “व्यक्तित्व विकास एवं संस्थागत ब्रांडिंग” पर वार्ता प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के उपलक्ष्य में 11 नवंबर 2020 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया था। शिक्षा विभाग, शिक्षा अध्ययन केंद्र के तहत प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की 132वीं जयंती के अवसर पर निबंध लेखन प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

राकेविवि ने भारत अमृत महोत्सव मनाया

भारतीय आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण देश में भारत अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इस महोत्सव के तहत हाल ही में राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में वेबिनार का आयोजन किया गया। जेएनयू, नई दिल्ली के समाजशास्त्र के पूर्व प्रोफेसर प्रो. आनंद कुमार ने "गांधी और भारत के स्वतंत्रता संग्राम" विषय पर प्रतिभागियों को संबोधित किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए प्रो आनंद कुमार ने महात्मा गांधी, बाल गंगाधर तिलक, सुभाष चंद्र बोस, वी.डी. सावरकर, डॉ भीम राव अंबेडकर और पं. जवाहरलाल नेहरू के योगदान के बारे में बताया। उन्होंने संविधान में उल्लिखित विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास और अवसर की समानता के बारे में भी बात की। प्रो. कुमार ने कहा कि भारत के भविष्य का रास्ता स्कूलों, महविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से होकर गुजरता है; इसलिए शिक्षकों को अच्छी शिक्षा देकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए।

नेचर इंडेक्स ने देश के शीर्ष रैंकिंग संस्थानों में राकविवि के अनुसंधान को स्थान दिया

विगत वर्ष में उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान परिणामों की गणना के आधार पर प्रत्येक वर्ष नेचर इंडेक्स सूची प्रकाशित की जाती है। यह विश्वविद्यालय के लिए बड़े गर्व की बात है कि भारत के सभी शैक्षणिक संस्थानों में राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय को नेचर इंडेक्स में 38वें स्थान पर रखा गया है। यदि केवल भारतीय विश्वविद्यालयों पर विचार किया जाए तो राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय नेचर इंडेक्स में शीर्ष 10 विश्वविद्यालयों में शामिल है। रासायनिक विज्ञान एवं फार्मेसी स्कूल के अंतर्गत रसायन विज्ञान विभाग को भारत के सभी संस्थानों में 34वां स्थान दिया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में 8 मार्च 2021 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें कई क्षेत्रों की महिलाओं ने भाग लिया और अपने विचार साझा किए। "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" के नारे के पीछे वाली महिला उदयपुर की पुलिस उप-अधीक्षक सुश्री चेतना भाटी ने कहा कि आज के युग में एक महिला का आर्थिक रूप से सक्षम होना बहुत जरूरी है। उद्यमी और महिला स्टार्ट-अप्स की विशेषज्ञ सुश्री चारू कौशिक ने एक-दूसरे को सशक्त बनाने वाली महिलाओं की सामयिक जरूरत पर प्रकाश डाला और बताया कि समानता के बारे में बात करने के बजाय हमें इस दिशा में काम करना चाहिए। दिल्ली के लेडी श्री राम कॉलेज के पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष सुश्री वर्तिका नंदा ने कहा कि जो जंजीरें हमने अपने आस-पास बनाई हैं, उन्हें तोड़ना जरूरी है। सीएनएन-18 की संपादक और एंकर सुश्री महा सिद्दीकी ने कहा कि जो महिलाएं सफल हैं, उन्हें अन्य महिलाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए और आगे बढ़ने के लिए अपना मार्गदर्शन प्रदान करना चाहिए। वेबिनार के दौरान सीयूराज की सफल पूर्व छात्र महिलाओं पर एक वृत्तचित्र भी दिखाई गई।

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला

अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के लिये तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला "नियति का निर्माण... द हार्टफुलनेस वे" का आयोजन दिनांक 19.06.2021 से 21.06.2021 तक किया गया। इस कार्यक्रम का यूट्यूब पर भी सीधा प्रसारण किया गया।

कार्यशाला के प्रथम दिन श्री तरूण तोषनीवाल, क्षेत्रीय समन्वयक, जयपुर द्वारा स्व-प्रबंधन के महत्व पर जानकारी देते हुये, हार्टफुलनेस पद्धति की विश्राम और ध्यान की प्रक्रिया का अभ्यास करवाया गया। दूसरे दिन तनाव प्रबंधन विषय पर श्री सौरभ मिश्रा, व्यावसायिक सलाहकार एवं मोटीवेशनल स्पीकर द्वारा प्रशिक्षण देते हुये हार्टफुलनेस की सफाई पद्धति के माध्यम से तनाव प्रंबधन का अभ्यास करवाया गया। तीसरे दिन आन्तरिक जुड़ाव के साथ आत्म-विश्वास निर्माण के बारे में जानकारी देते हुये श्री मनोज नागर, हार्टफुलनेस प्रशिक्षक द्वारा हार्टफुलनेस ध्यान की प्रार्थना पद्धति की प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया तथा प्रतिभागियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दिये गए।

विस्तार गतिविधियाँ

सीयूसीईटी-2020

केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूसीईटी)-2020 का आयोजन 18 से 20 सितंबर 2020 के मध्य देश भर में 141 शहरों में ऑफलाइन (ओएमआर आधारित प्रणाली) से सफलतापूर्वक किया गया। यह परीक्षा लगातार तीन दिन तक दो पालियों में [सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और अपराह्न 3 बजे से शाम 5 बजे तक]आयोजित की गई। यह एक अनूठी परीक्षा है, जिसका आयोजन राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा समन्वयक विश्वविद्यालय के रूप में पूरे भारत के सभी प्रतिभागी विश्वविद्यालयों की ओर से किया गया था।

इस वर्ष 14 केंद्रीय विश्वविद्यालय, जैसे राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब झारखंड, केरल, तमिलनाडु, गुजरात, हरियाणा, ओडिशा, कर्नाटक, दक्षिण बिहार, जम्मू, आंध्र प्रदेश, कश्मीर, असम और 4 राज्य विश्वविद्यालय कालीकोट विश्वविद्यालय, बरहमपुर; बाबा गुलाम शाह बादशाह यूनिवर्सिटी, जम्मू; सरदार पटेल पुलिस सुरक्षा एवं आपराधिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर; डॉ बी आर अंबेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु ने इस संयुक्त प्रवेश परीक्षा में हिस्सा लिया।

सीयूसीईटी-2020 का आयोजन 18 सहभागी विश्वविद्यालयों द्वारा संचालित 686 कार्यक्रमों, 72 स्नातक और एकीकृत पाठ्यक्रमों, 344 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों और 270 अनुसंधान कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए, 125 परीक्षा पत्रों में आयोजित किया गया। सीयूईटी के लिए कुल 2,72,912 अभ्यर्थी पंजीकृत थे और इनमें से लगभग 1,46,864 अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित हुए। कुल पंजीकरण की लगभग 53.81% उपस्थिति दर्ज हुई।

शिक्षण अध्ययन केंद्र

शिक्षण अध्ययन केन्द्र (टीएलसी@राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय) की स्थापना 2017-18 में साक्ष्य-आधारित शिक्षण का समर्थन करने और शिक्षकों को विविध अवसर प्रदान करने की दृष्टि से की गई। यह पंडित मदन मोहन मालवीय योजना के तहत शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) के तहत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है। इसकी परिकल्पना शिक्षकों को उनकी शिक्षण शैली के आधुनिकीकरण तथा अवधारणाओं एवं सूचनाओं को इस तरह निर्मित करने में सहायता प्रदान करने के लिए की गयी है कि छात्र अर्थपूर्ण तरीके से इसे ग्रहण कर सकें तथा छात्रों को और अधिक गहराई से सीखने तथा जो उन्होने सीखा है उसे बनाए रखने की शिक्षा दी जा सके।

शिक्षण अध्ययन केन्द्र ने ऑनलाइन वीडियो कांफ्रेंसिंग माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों जैसे प्रभावी शिक्षण अधिगम, नई शिक्षा नीति की बारीकियों तथा उनके कार्यान्वयन और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण इत्यादि पर एक से चार सप्ताह की अवधि के 10 कार्यशालाओं/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन कार्यशालाओं के दौरान भारत के 28 विभिन्न राज्यों तथा विदेशों के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों के 62 विषयों के कुल 805 शिक्षकों एवं

प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। व्याख्यान/प्रशिक्षण सत्र देने के लिए भारत और विदेश से विभिन्न अकादमिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों, निजी संगठनों, उद्योग और आध्यात्मिक/योग संगठन से जुड़े वक्ताओं को आमंत्रित किया गया।

अकादमिक वर्ष 2020-21 के दौरान निम्नलिखित कार्यशालाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया :

- कंप्यूटर विज्ञान में प्रभावी शिक्षण पर पांच दिवसीय कार्यशाला (ऑनलाइन मोड) 13 - 17 जुलाई, 2020
- 4 - 8 नवंबर, 2020 के मध्य 'नई शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन–उच्चतर शिक्षा संस्थानों के संकाय सदस्यों की भूमिका' विषय पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम।
- 23 नवंबर - 3 दिसंबर, 2020 के मध्य शिक्षण अधिगम और मूल्यांकन पर दस दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम।
- 14 - 18 दिसंबर, 2020 के मध्य 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन : व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास' पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम।
- 21- 26 दिसंबर, 2020 के मध्य 'शिक्षण और अधिगम पर पारंपरिक भारतीय ज्ञान' पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम ।
- 4 - 14 जनवरी 2021 के मध्य "प्रबंधन में भारतीय लोकाचार" पर दस दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम ।
- 20 जनवरी - 16 फरवरी, 2021 के मध्य उच्चतर शिक्षा संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए चार सप्ताह का प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- 22 - 26 फरवरी, 2021 के मध्य "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : शिक्षण और अध्ययन की प्रक्रिया में अनुसंधान संस्कृति के अंतर्वेशन" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम।
- 1 - 5 मार्च, 2021 "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : जीवन कौशल और समग्र विकास के लिए प्रोत्साहन" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम।
- 15- 25 मार्च, 2021 के मध्य शिक्षण अधिगम और मूल्यांकन पर दस दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम।

प्रतिभागियों के विवरण इस प्रकार हैं:

प्रतिभागी: विषय

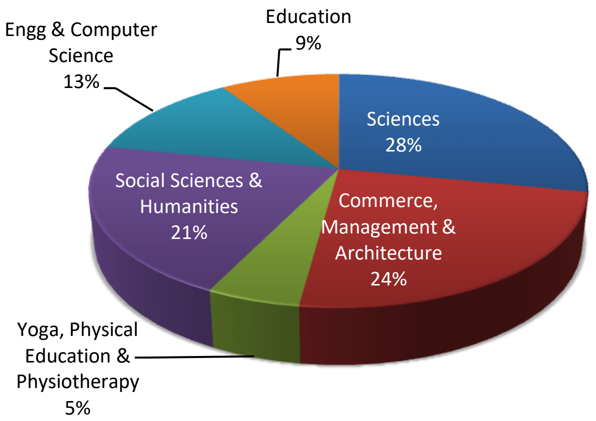

प्रतिभागी: लिंग

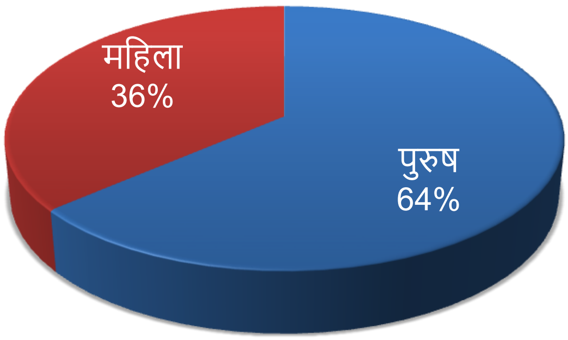

प्रतिभागी: श्रेणी

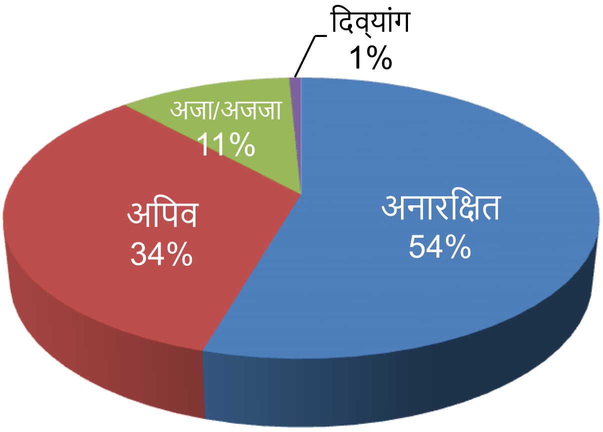

प्रतिभागी: राज्यवार

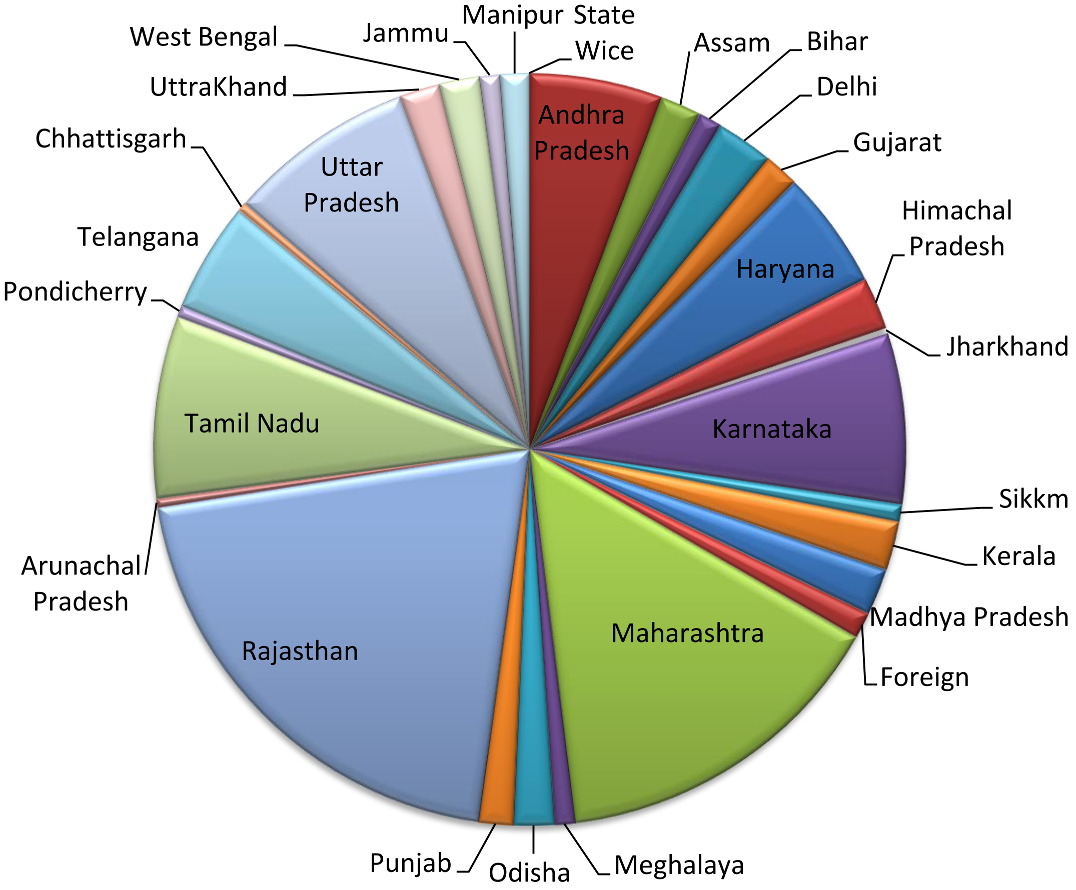

विशेषज्ञ: संस्थान

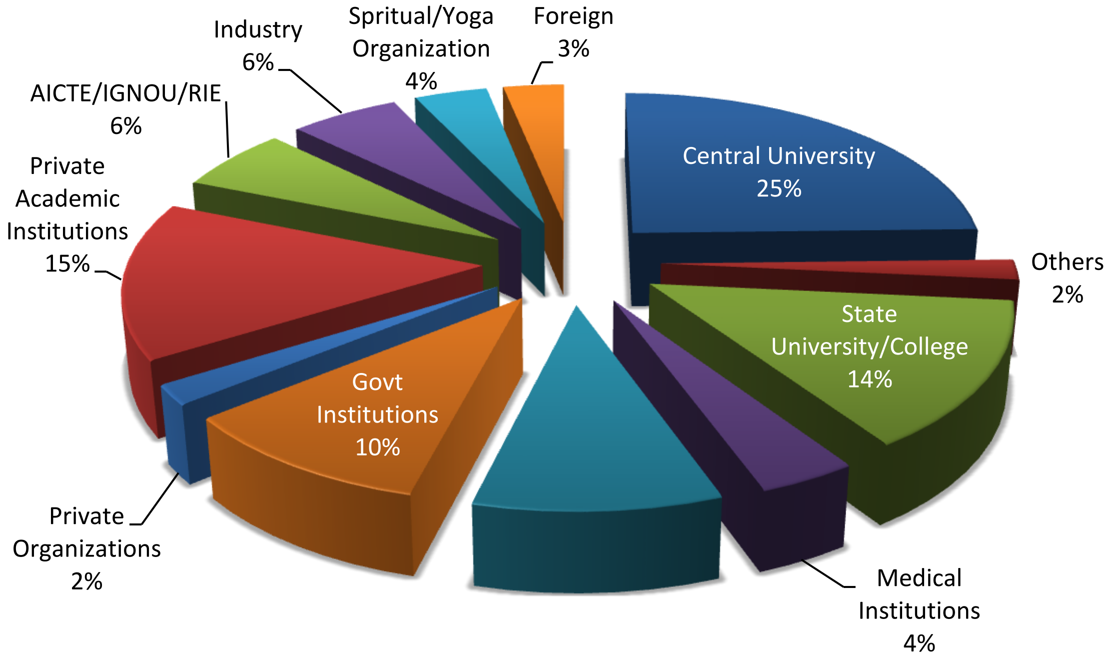

प्रमुख विषय

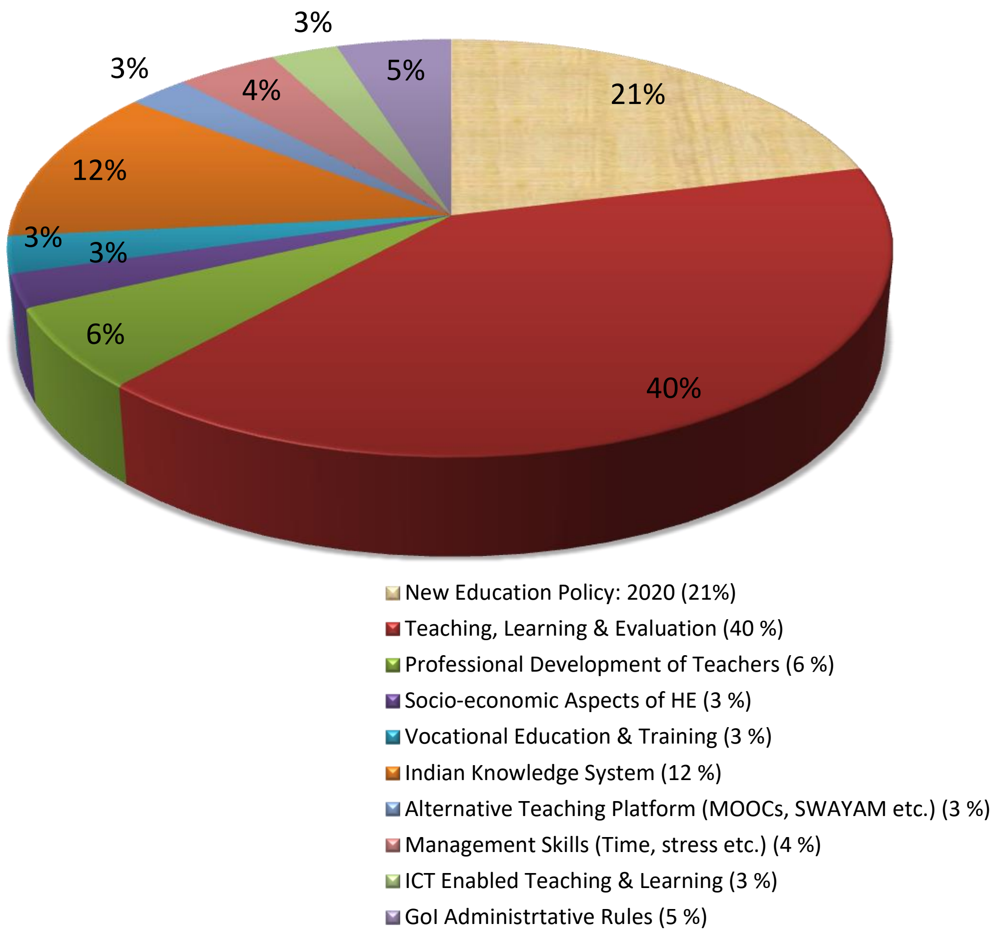

उन्नत भारत अभियान

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय शिक्षा मंत्रालय के तहत संचालित उन्नत भारत अभियान के प्रारम्भ से इस प्रमुख कार्यक्रम में एक प्रतिभागी संस्थान रहा है। विश्वविद्यालय ने अपने प्रयासों को विश्वविद्यालय के आस-पास स्थित मुंडोती, बांदरसिंदरी, खेड़ा, नोहरिया और पेडिभाटा गांवों में केंद्रित किया है।

अब तक आयोजित गतिविधियों का विवरण (गोलियों में संक्षिप्त विवरण)

	गतिविधि का नाम	संक्षिप्त विवरण
1	गाँव सर्वेक्षण	• सभी 05 गांवों में सामाजिक-आर्थिक, जनसांख्यिकीय सर्वेक्षण पूरा किया गया • इसने गोद लिए गए गांवों में लोगों की सुविधाओं और जरूरतों का आकलन करने में मदद की • सर्वेक्षण डेटा यूबीए साइटों पर अपलोड किया गया

		• सर्वेक्षण के निष्कर्षों का विश्लेषण किया जाता है और समाधान के लिए समुदाय के सदस्यों के साथ चर्चा की जाती है।
2	ग्राम सभा, परामर्श बैठक आदि आयोजित	• गोद लिए गए सभी गांवों में ग्रामीणों की भागीदारी से ग्राम सभाओं का आयोजन किया। • चिन्हित मुद्दे जैसे पेयजल की समस्या, पानी की कमी, स्वास्थ्य के मुद्दों (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं अन्य सुविधाओं का अभाव), लड़कियों की शिक्षा (पढ़ाई छोड़ना, कम उम्र में शादी), बिजली से संबंधित समस्याओं, अपशिष्ट प्रबंधन इत्यादि।
3	प्रशिक्षण कार्यक्रम/क्षमता विकास गतिविधियां	• गांवों के युवाओं को सेना/पुलिस में नौकरी की तैयारी के लिए प्रशिक्षण किया जाता है। इस गतिविधि से कई युवा लाभान्वित हुए।
4	स्वयं सहायता समूह /समूह गठन	• सभी गांवों में शुरू किए गए स्वयं सहायता समूहों के विकास में महिलाओं के साथ काम करना। • गोद लिए गए गांवों में कपड़ा बैग बनाने और मास्क बनाने की गतिविधियों जैसी सूक्ष्म इकाइयां स्थापित की गईं। • सभी गांवों में युवा समूह, किशोर लड़कियों के समूह का गठन किया गया। • समूह की बैठक आयोजित की गई और गांवों ने अपने कुछ सामुदायिक विकास गतिविधियों की योजना बनाई।
5	संवेदीकरण कार्यक्रम	• सभी गांवों में स्वच्छता, कचरा निपटान, विभिन्न सरकारी योजनाओं और इससे होने वाले लाभ के बारे में जागरूकता पैदा करने और कौशल आधारित गतिविधियों का संचालन किया जाता है।
6	सोख पिट के माध्यम से जल प्रबंधन	• सोख पिट एक स्वदेशी जल प्रबंधन तकनीक है जो घरेलू और ग्रामीण स्तर पर स्वच्छता सुनिश्चित करती है। यह रसोई या स्नानघर के पानी के निकास के पास बनाया गया एक गड्ढा है और जो स्थानीय रूप से उपलब्ध कंकड़, रेत की ईंटें इत्यादि सामग्रियों से बना है। • गोद लिए गए गांवों में 80 सोख्ता गड्ढे निर्मित।
7	सामुदायिक पुस्तकालयों और संसाधन केंद्रों (सीएलआरसी) की स्थापना	• सीएलआरसी ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अध्ययन का संभावित केंद्र हो सकता है। गोद लिए गए गांवों में ग्रामीणों के साथ मिलकर चार समुदायों में सीएलआरसी की स्थापना की गई।
8	स्वच्छता अभियान	• विश्वविद्यालय की यूबीए इकाई स्वच्छता के मुद्दों पर ग्रामीण समुदायों को संवेदनशील बनाने में सक्रिय रूप से लगी हुई है। • लोगों को शौचालय बनाने के लिए प्रेरित करने पर जोर देने के साथ रैलियों, नुक्कड़ नाटकों और गांव में स्वच्छता अभियान जैसे संवेदीकरण कार्यक्रम चलाए जाते हैं।

9	वृक्षारोपण	• गोद लिए गए सभी गांवों में वृक्षारोपण अभियान चलाए जा रहे हैं। • गांव के विभिन्न हिस्सों में लगभग 1500 पौधे लगाए गए हैं।
10	पर्याप्त शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रों को प्रेरित करने हेतु कैरियर परामर्श/कौशल विकास कक्षाएं	• कैरियर विकास के दायरे से संबंधित गोद लिए गए गांवों के स्कूलों में सत्र आयोजित किया। • उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों/व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के संबंध में स्कूली छात्रों का उन्मुखीकरण।
11	ऑनलाइन शिक्षा कार्यक्रम	• गांवों में युवा स्वयंसेवकों/सहायकों के बीच स्वास्थ्य देखभाल जैसे कोविड-19 जागरूकता, मास्क वितरण आदि पर वेबिनार का आयोजन किया। • गांवों में टीकाकरण अभियान में युवा शामिल हुए।

सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ

सामुदायिक कार्य में विश्वविद्यालय की संलग्नता

विश्वविद्यालय ने भारत सरकार की नीतिगत आवश्यकताओं के अनुपालन में एक सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ विकसित किया है। यह अप्रैल 2015 से विश्वविद्यालय को आसपास के समुदाय के साथ जोड़ने के लिए कार्य कर रहा है। प्रकोष्ठ ने अपने आसपास के 05 गांवों, नामत: सिरोही, मुंडोती, खेड़ा, बाँदरसिंदरी और नोहरिया को गोद लिया है। ग्रामीणों को लाभान्वित करने के लिए, प्रकोष्ठ ने समुदाय के कल्याण के लिए ड्रग जागरूकता शिविर, किशोर शिक्षा शिविर, जल प्रबंधन शिविर और कई अन्य गतिविधियों का आयोजन किया है। पड़ोसी गांवों में वृक्षारोपण को बढ़ावा देना, हरियाली, सोख गड्ढों का निर्माण, स्वास्थ्य स्वच्छता गतिविधियां, जीवन-कौशल सत्र, और किशोर लड़कियों के साथ व्यक्तिगत स्वच्छता सत्र जैसें कार्यक्रम किये गये।

प्रकोष्ठ का दृष्टिकोण और आगामी गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:

दृष्टिकोण : विज्ञान और प्रौद्योगिकी इंटरफेस के उपयोग के माध्यम से आस-पास के समुदाय का विकास करना।

जारी गतिविधियाँ: योग शिविर, कोविड उपयुक्त व्यवहार पर ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र, सैनिटाइज़र तैयार करने पर प्रशिक्षण सत्र। प्रकोष्ठ ने इन गतिविधियों को लॉकडाउन से पहले शुरू किया था, लेकिन भारत सरकार द्वारा सामुदायिक समारोहों पर प्रतिबंध के कारण गतिविधियों को अस्थायी रूप से रोक दिया गया था।

प्रकोष्ठ के वर्तमान सदस्य: 1. डॉ. शैजी अहमद (समन्वयक)
2. डॉ. निधि पारीक (सदस्य)
3. डॉ. तरुण कुमार भट्ट (सदस्य)
4. डॉ. राजीव एम.एम. (सदस्य)

विशिष्ठ और नोबल व्याख्यान श्रृंखला

एक जीवंत अकादमिक माहौल बनाए रखने के लिए क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान और वार्ता आवश्यक है। कई विभागीय विशिष्ट व्याख्यानों के अलावा, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय छात्रों और संकाय सदस्यों के लाभ के लिए राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय "विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला" (डीएलएस) के तहत विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों / विशेषज्ञों को व्याख्यान हेतु आमंत्रित करता है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला की अवधारणा को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरुण के पुजारी द्वारा वर्ष 2019 में प्रस्तुत किया गया। तब से विशिष्ट व्याख्यान समिति राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में मासिक आधार पर विशिष्ट वार्ता आयोजन कर रही है। वर्ष 2020-21 के दौरान निम्नलिखित व्याख्यान आयोजित किए गए:-

- पद्मश्री पुरस्कार विजेता प्रोफेसर दीपक फाटक (सेवानिवृत्त प्रोफेसर, आईआईटी बॉम्बे) द्वारा 15 जुलाई, 2020 को "बैक टू बेसिक्स" विशिष्ट व्याख्यान।
- "भारत में अंतःविषय अनुसंधान के शानदार अतीत को प्रोत्साहित करने वाला भविष्य : बुनियादी विज्ञान से अनुवाद के प्रयासों तक" विषय पर 'शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार विजेता' तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. देवी पी. सरकार द्वारा 3 मार्च, 2021 को विशिष्ट व्याख्यान।

एक भारत श्रेष्ठ भारत

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय अकादमिक वृद्धि और विकास को रेखांकित करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक और खेल आयोजनों और नियमित क्लब गतिविधियों में निरंतर जुड़ाव के माध्यम से छात्र के समग्र विकास और भलाई पर ध्यान केंद्रित करता है। विश्वविद्यालय ने इस कार्यक्रम के तहत विशिष्ट पांच बुनियादी उद्देश्यों के अनुरूप पूरे उत्साह के साथ "***एक भारत श्रेष्ठ भारत***" की शुरुआत की। विश्वविद्यालय ने युग्मित राज्य असम के बारे में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र समुदाय के बीच अंतर-सांस्कृतिक समझ को उजागर करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए।

स्कूल एवं विभाग

वास्तुकला स्कूल

अधिष्ठाता: प्रो. नीरज गुप्ता

विभाग
• वास्तुकला विभाग • डीडीयू कौशल केंद्र

वास्तुकला स्कूल मानव आवास के सतत विकास से संबंधित सभी मामलों पर उत्कृष्टता का केंद्र और ज्ञान विनिमय का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनने की कल्पना करता है। स्कूल पुनर्योजी वास्तुकला को पढ़ाने और बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और इसका उद्देश्य गर्म और शुष्क रेगिस्तानी क्षेत्रों में समुदाय के ऐतिहासिक और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों का दस्तावेजीकरण करने वाले ज्ञान का भंडार विकसित करना है। टिकाऊ वास्तुकला के लेंस के माध्यम से स्कूल के लिए केंद्रित क्षेत्र अपशिष्ट, पानी, ऊर्जा और मानव उत्पादकता है। स्कूल शिक्षकों और पेशेवरों की निरंतर शिक्षा के लिए अद्वितीय क्षमता-निर्माण कार्यक्रम विकसित करने की कल्पना करता है। विशेष क्षेत्रों में रोजगारोन्मुखी व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पाठ्यक्रम का आरम्भ किया गया है।

वास्तुकला विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. नीरज गुप्ता

संचालित कार्यक्रम

वास्तुकला विभाग वर्तमान में वास्तुकला (संधारणीय वास्तुकला) कार्यक्रम में स्नातकोत्तर और पीएच.डी. पाठ्यक्रम संचालित करता है।

एम.आर्क. (संधारणीय वास्तुकला)

वास्तुकला में (संधारणीय वास्तुकला) स्नातकोत्तर कार्यक्रम वास्तुकला क्षेत्र में स्थिरता के विभिन्न पहलुओं जैसे पारिस्थितिकी और पर्यावरण प्रबंधन, ऐतिहासिक और सामुदायिक परिप्रेक्ष्य, संधारणीय पड़ोसी योजना, जल सम्भर प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा, प्रौद्योगिकियों, भवन की बनावट, ध्वनिकी, ताप समाधान, परियोजना प्रबंधन, और पारंपरिक और आधुनिक भवन प्रौद्योगिकियां, आंतरिक, वास्तुकला, शहरी डिजाइन और शहरी नियोजन के क्षेत्र में समकालीन चुनौतियों के समाधान पर केंद्रित है।

- **विद्यावाचस्पति (पीएच. डी.)**

विभाग द्वरा विद्यावाचस्पति कार्यक्रम संचालित किये जाते है और वर्तमान में योजना और लिंग संबंधी मुद्दों में समावेशी दृष्टिकोण पर प्रमुख रूप से ध्यान केंद्रित करते हुए एक शोध विद्यार्थी पंजीकृत है।

संकाय सदस्य

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. नीरज गुप्ता	आचार्य	वास्तु कला, शहर योजना, इंटीरियर डिजाइन
वास्तुकार रितु भार्गव राय	सह-आचार्य	वास्तु कला, शहर योजना, इंटीरियर डिजाइन
वास्तुकार विवेकानंद तिवारी	सहायक आचार्य	पर्यावरण योजना, वास्तुकला, जल प्रबंधन

डॉ सुनील शर्मा	सहायक आचार्य	शहरी योजना, वास्तुकला

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/ अतिथि व्याख्यान/ संगोष्ठी/दौरा

नाम	पदनाम
श्री जियान सीमोदगिलो	संस्थापक, स्टर्लिंग इंडिया कंसल्टिंग इंजीनियर्स
वास्तुकार संजय प्रकाश	प्रिंसिपल आर्किटेक्ट "एसएचआईएफ़टी" और सस्टेनेबिलिटी इंजीनियर्स
आचार्य मनोज माथुर	एसपीए, नई दिल्ली
डॉ. मानसी बाल भार्गव	अनुसंधान उद्यमी, ईडीसी अहमदाबाद
श्री उज्जन घोष	डिजाइनर
आचार्य गीतांजलि राव	केएलई टेक, हुबली
सुश्री शिवि उपाध्याय	धरोहर संरक्षण समिति, छत्तीसगढ़
डॉ. दीपिका शेट्टी	एमआईटी मणिपाल विश्वविद्यालय
सुश्री नफीसा उत्थान	कार्यकारी निदेशक, उत्थान
श्री सुधीर माथुर	श्रेष्ठ कंसल्टेंट्स
श्री अमित कक्कड़	अपर मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, राजस्थान सरकार
श्री बी.एम. चांदना	निदेशक , जेनेसिस इंटीग्रेटेड सिस्टम्स प्रा.लिमिटेड

सम्मेलन / कार्यशाला / संगोष्ठी का आयोजन

- कार्यशाला

प्रो. नीरज गुप्ता द्वारा यू.आर.बी.ए.सी.टी. जेंडर इक्वल सिटीज वर्कशॉप - जेंडर-सेंसिटिव पब्लिक स्पेस ऑनलाइन कार्यशाला का संचालन।

संगोष्ठी

- वास्तुकार संजय प्रकाश (वरिष्ठ वास्तुकार “शिफ्ट एंड सस्टेनेबिलिटी इंजीनियर्स”) द्वारा 21 सितंबर 2020 को "ऊर्जा-कुशल निर्मित पर्यावरण" पर अतिथि व्याख्यान।
- अभियन्ता सुधीर माथुर (श्रेष्ठ कंसल्टेंट्स) द्वारा "नलसाजी सेवाओं" पर 8 मई 2021 को अतिथि व्याख्यान।
- श्री बी.एम. चांदना (निदेशक,जेनेसिस इंटीग्रेटेड सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड) द्वारा "अग्नि सुरक्षा प्रणालियों" पर विशेषज्ञ व्याख्यान।
- श्री जियान सी.मोदगिल (संस्थापक, स्टर्लिंग इंडिया कंसल्टिंग इंजीनियर्स) द्वारा "बिल्डिंग सर्विसेज एंड वेस्ट मैनेजमेंट" पर विशेषज्ञ व्याख्यान।
- डॉ. दीपिका शेट्टी (एमआईटी मणिपाल विश्वविद्यालय) द्वारा "ऐतिहासिक और संचार परिप्रेक्ष्य" पर विशेषज्ञ व्याख्यान।
- सुश्री शिवि उपाध्याय (धरोहर संरक्षण समिति,छत्तीसगढ़) द्वारा "ऐतिहासिक और संचार परिप्रेक्ष्य" पर विशेषज्ञ व्याख्यान।

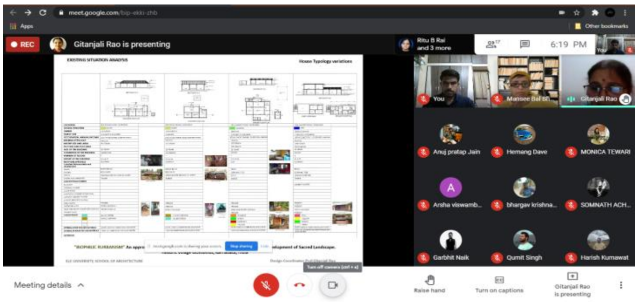

वास्तुकला स्कूल द्वारा 16 फरवरी 2021 को "ऐतिहासिक और संचार परिप्रेक्ष्य" पर आयोजित संगोष्ठी में प्रो. गीतांजलि राव (केएलई टेक, हुबली) का विशेषज्ञ व्याख्यान।

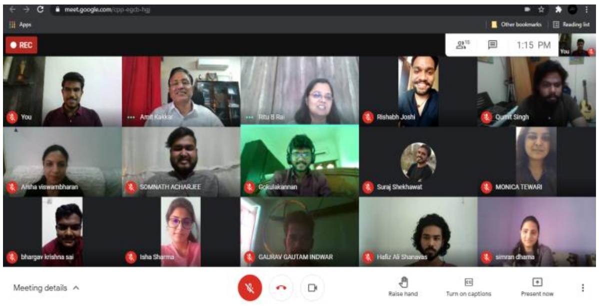

श्री अमित कक्कड़ (अतिरिक्त मुख्य अभियंता, विद्युत) बाह्य विशेषज्ञ द्वारा "नलसाजी सेवाओं" पर 14 अप्रैल 2021 को वास्तुकला स्कूल में संगोष्ठी का संचालन।

पूर्व विद्यार्थी समूह द्वारा आयोजित ऑनलाइन संगोष्ठी

वक्ताओं की सूची:-

• आशु देहदानी
• महेश चौधरी
• मत्सुशिता शर्मा
• प्रवीण रोहिल्ला
• सरन्या दिवाकरन पीसी
• अर्शा गिट्टी जॉर्ज

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

विश्वविद्यालय परिसर के विकास में संकाय का योगदान

1. प्रो. नीरज गुप्ता और वास्तुकार विवेकानंद तिवारी द्वारा "**ओबीसी गर्ल्स हॉस्टल**" का भवन डिजाइन और परिदृश्य विकास।
2. प्रो. नीरज गुप्ता, वास्तुकार रितु बी राय एवं विवेकानंद तिवारी द्वारा मुख्य प्रशासनिक भवन के सामने भूदृश्य विकास के भाग के रूप में स्थल चयन एवं स्थल विकास तथा "**गणेश प्रतिमा**" की स्थापना में योगदान।
3. आचार्य नीरज गुप्ता और वास्तुकार रितु बी राय विश्वविद्यालय परिसर में "**आगामी कर्मचारी आवास**" के स्थल विकास, भवन डिजाइन और परिदृश्य विकास में योगदान।
4. वास्तुकार रितु बी राय का विश्वविद्यालय परिसर में "**रूफ-टॉप सोलर पीवी**" परियोजना की स्थापना और प्रवर्तन में योगदान।

दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र

(ज्ञान प्राप्ति और कुशल मानव क्षमताओं और आजीविका का उन्नयन)

निदेशक : प्रो. नीरज गुप्ता

अगस्त 2015 में, विश्वविद्यालय को 3.7 करोड़ रुपये की मंजूरी के साथ दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र स्थापित करने की स्वीकृति मिली।। वर्तमान में दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र विश्वविद्यालय के वास्तुकला स्कूल के तहत कार्यशील है। बी. वॉक. कार्यक्रम के पांच बैच (इंटीरियर डिजाइन) ने अपना कार्यक्रम पूरा कर लिया है। बैच 2018 के विद्यार्थीओ को आगामी दीक्षांत समारोह में उपाधि का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाना है।

संचालित कार्यक्रम

अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अतिरिक्त, वर्तमान में दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र बी. वॉक. (इंटीरियर डिजाइन) कार्यक्रम का संचालन करता है। यह तीन वर्षीय (छह सेमेस्टर) कार्यक्रम है जिसमें प्रवेश और निकास के कई विकल्प मौजूद हैं। कार्यक्रम की प्रतिरूपक (मॉड्यूलर) संरचना विद्यार्थी को कौशल और प्रमाण पत्र के साथ उतीर्ण होने की अनुमति प्रदान करती है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रमाण पत्र हैं:

1. एक वर्ष का कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर: इंटीरियर डिजाइन में डिप्लोमा
2. दो वर्ष का कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर: इंटीरियर डिजाइन में एडवांस्ड डिप्लोमा
3. तीन वर्ष का कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर: बी. वॉक. (इंटीरियर डिजाइन)

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. नीरज गुप्ता	आचार्य	वास्तुकला, शहर योजना, इंटीरियर डिजाइन
वास्तुकार योगांशु गिरधर	अतिथि संकाय	वास्तुकला, इंटीरियर डिजाइनिंग (विशिष्ट अतिथि-व्याख्यान BID-30)
वास्तुकार पूनम शर्मा	अतिथि संकाय	सतत वास्तुकला क्षेत्र विशेषज्ञ (विशिष्ट अतिथि-व्याख्यान BID-26&27)
वास्तुकार मोहित सूद	अतिथि संकाय	वास्तुकला, सस्टेनेबिलिटी एंड क्लाइमेट चेंज (विशिष्ट अतिथि-व्याख्यान OSL-06)
अभियंता लोकेश कौशिक	अतिथि संकाय	वास्तुकला (विशिष्ट अतिथि-व्याख्यान भवन निर्माण सामग्री और तकनीक)
वास्तुकार रणंजय सिंह	अतिथि संकाय	प्रमुख वास्तुकार एवं शहरी डिजाइनर वास्तुकला कला इतिहास और एप्रीसिएशन एवं शहरी डिजाइन और फोटोग्राफी (विशिष्ट अतिथि-व्याख्यान BID-21)

शैक्षणिक गतिविधियाँ

कार्यशालाएं

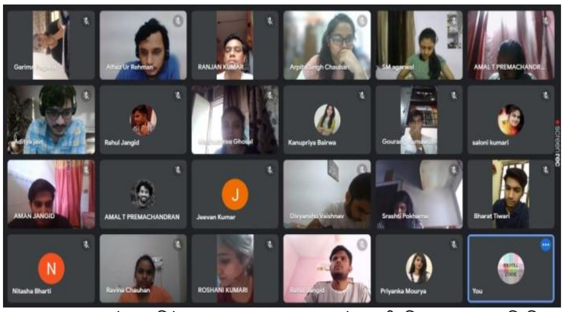

वास्तुकार रणंजय सिंह (प्रमुख वास्तुकार एवं शहरी डिजाइनर) अतिथि संकाय द्वारा बी. वॉक. छात्रों के लिए भवन निर्माण सामग्री विशिष्टता पर एक कार्यशाला का संचालन।

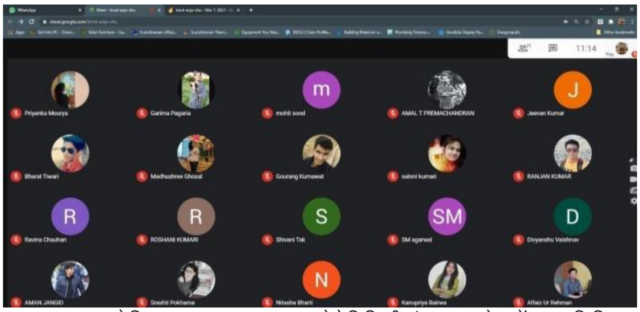

वास्तुकार मोहित सूद (वास्तुकला, सस्टेनेबिलिटी एंड क्लाइमेट चेंज) अतिथि संकाय द्वारा बी. वॉक. छात्रों के लिए तकनीकी और विशिष्टता बी.ओ.क्यू.(BOQ) पर एक कार्यशाला का संचालन।

रासायनिक विज्ञान और फार्मेसी स्कूल

अधिष्ठाता : प्रो. अमित कुमार गोयल

विभाग
• रसायन विज्ञान विभाग
• फार्मेसी विभाग

रासायनिक विज्ञान और फार्मेसी स्कूल में दो विभाग रसायन विज्ञान विभाग और फार्मेसी विभाग हैं, जहां दोनों विभागों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी अवसंरचना की उन्नति हेतु (DST-FIST) निधि के अंतर्गत सहायता प्रदान की जाती है। स्कूल का उद्देश्य दोनों विषयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रसार करना और संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान को कार्यान्वित करना है। यह स्कूल सभी हितधारकों के लाभ के लिए एक विशुद्ध विज्ञान को दूसरे अनुप्रयुक्त विज्ञान के साथ जोड़ता है, अंतर्विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देता है तथा उद्योग के लिए प्रासंगिक पाठ्यक्रमों की आवश्यकता की पूर्ति करता है।

रासायन विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. ईश्वर श्रीनिवासन

रसायन विज्ञान विभाग 2010 में अपनी शुरुआत से अनुसंधान और शिक्षण हेतु प्रतिबद्ध है। विभाग ने 2010 में दो वर्षीय कार्यक्रम विज्ञान में स्नातकोत्तर (रसायन विज्ञान) प्रारम्भ किया और 2012 में पूर्णकालिक पीएच.डी. कार्यक्रम, 2013 में पाँच वर्षीय कार्यक्रम इंटीग्रटेड एम.एससी. (रसायन विज्ञान), और 2015 में तीन वर्षीय एम.एससी. बी. एड. (रसायन विज्ञान) पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया। रसायन विज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को मौलिक और अत्याधुनिक शोध हेतु प्रशिक्षित करना है। हमने पिछले दस वर्षों में वैज्ञानिक विषयों की सीधी सीमा रेखा को पार कर लिया है और ड्रग डिजाइनिंग, ऑर्गेनोमेटेलिक रसायन, बायो-ऑर्गेनिक एवं बायो-इनऑर्गेनिक रसायन, पदार्थ रसायन विज्ञान, सिमेट्रिक विश्लेषण के संबंध में और अधिक क्षमता प्राप्त करने हेतु सैद्धांतिक रसायन, हेट्रोसायक्लिक / मैक्रोसाइक्लिक रसायन विज्ञान और कार्बनिक स्पेक्ट्रोस्कोपी पर कार्य किया है। यह विभाग डीएसटी-फिस्ट (DST-FIST) द्वारा वित्त पोषित है और इसके संकाय विभिन्न निधि प्रदाता एजेंसियों जैसे सीएसआईआर, डीएसटी, यूजीसी इत्यादि से शोध अनुदान प्राप्त करते हैं।

संचालित कार्यक्रम

- रसायन विज्ञान में पीएच.डी
- रसायन विज्ञान में एम. एससी. (दो वर्षीय)
- रसायन विज्ञान में इंटीग्रटेड एम. एससी. (पाँच वर्षीय)
- रसायन विज्ञान में एम.एससी. बी. एड. (तीन वर्षीय)

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. आर. टी. पारदसानी (31 जुलाई 2019 को सेवानिवृत्त)	आचार्य संविदा पर (13-12-2019 से)	कार्बनिक, हेटरोसाइक्लिक्क और कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान
डॉ. ईश्वर एस.	सह आचार्य	एसिमेट्रिक सिंथेसिस एंड ऑर्गेनोकैटलिसिस
डॉ. एम. भानुचंद्र	सहायक आचार्य	संक्रमण-धातु उत्प्रेरित कार्बनिक परिवर्तन और कार्बनिक पदार्थों का संश्लेषण

डॉ. अनुज के शर्मा	सहायक आचार्य	जैव-अकार्बनिक रसायन विज्ञान, अकार्बनिक चिकित्सा, समन्वय रसायन विज्ञान
डॉ. तिरुमूर्ति आर.	सहायक आचार्य	मुख्य समूह रसायन विज्ञान, आर्गेनोमेटेलिक रसायन विज्ञान
डॉ. पार्था रॉय	सहायक आचार्य	नैनोट्यूब, नैनोवायर, नैनोमैटिरियल्स का ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक
डॉ. रितेश सिंह	सहायक आचार्य	सी-एच बॉन्ड फंक्शनलाइजेशन, आर्य रसायन, कीमो-एंजाइमेटिक सिंथेसिस, रसायनिक जीवविज्ञान
डॉ. हेमंत जोशी	सहायक आचार्य	सिंथेटिक अकार्बनिक और कार्बनिक रसायन (आण्विक रोटार और आण्विक मशीन), कटैलिसीस
डॉ. राजगोपाला रेड्डी	सहायक आचार्य	सैद्धांतिक रसायन शास्त्र, इलेक्ट्रॉनिक संरचना सिद्धांत
डॉ. चंद्रकांता दास	सहायक आचार्य (यूजीसी एफ़आरपी)	ओर्गनोमेटेलिक रसायन और होमोजेनेस कटैलिसीस

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ व्याख्यान/ संगोष्ठी/दौरा

नाम	कार्यक्रम	तीथी
प्रोहोथा श्रीनिवास .	आई.आर.ई.एस.आई., पुणे साइन्स इज फॉर ऑल ए फ़न डेमोंस्ट्रेशन विथ कार्टून्स :	17.02.2021
डॉपाटिल नितिन .	आई.आर.ई.एस.आई., भोपाल अण्डरस्टैंडिंग गोल्ड कटलेसिस	17.03.2021
डॉ. सुब्रमण्यम संथानम	एसएबीआईसी रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी प्रालिमिटेड . इंटेलेक्टुयल प्रॉपर्टी एस ए कान्सैप्ट एंड ए कैरियर	21.04.2021

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

- 18 नवंबर 2020 को एक दिवसीय "विभाग दिवस" संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस आयोजन में, डॉ सुनील जी. नाइक की स्मृति में प्रो. अमित कुमार गोयल, आचार्य और अधिष्ठाता, रासायनिक विज्ञान और फार्मेसी स्कूल, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा दूसरा व्याख्यान दिया गया। इस ऑनलाइन कार्यक्रम के दौरान विभाग के पूर्व विद्यार्थी संकाय और छात्रों द्वारा कई अन्य आमंत्रित व्याख्यान भी दिए गए।

प्राप्त बाह्यनिधि

- विभाग में भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी, सीएसआईआर, यूजीसी इत्यादि से रु.72.50 लाख की बाह्य वित्त पोषित परियोजनाएं जारी हैं।

उपकरणों का क्रय /उपलब्ध सुविधाएँ

- गैस क्रोमैटोग्राफी (थर्मो फिशर साइंटिफिक)
- जीसी(थर्मो फिशर साइंटिफिक) एमएस-
- एचपीएलसी (शिमात्जु)
- यूवी कैरी - एजिलेंट) वीआईएस-100)
- एफटीआईआर स्पेक्ट्रोमीटर (पर्किनएल्मर)
- ओसीन ओप्टिक्स यूवी-वीआईएस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
- एलिमेंट एनालाइजर (थर्मो फिशर साइंटिफिक)
- फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
- इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन (मेट्रोम)
- ग्लोव बॉक्स (लैबकोनको कॉर्पोरेशन)
- पोलारिमीटर
- कंप्यूटर लैब

पुरस्कार/उपलब्धियाँ

सुश्री चांदनी सोनी (एम.एससी.)	नेट-जेआरएफ (रैंक - 88) और गेट (एआईआर - 3358) उत्तीर्ण
श्री मनोज प्रधान (एम.एससी.)	नेट-जेआरएफ (रैंक - 98) उत्तीर्ण
श्री मनीष चौहान (इंटीग्रेटेड एम.एससी.)	नेट-जेआरएफ (रैंक - 133) उत्तीर्ण
सुश्री नेहा माथुर (एम.एससी.)	गेट (एआईआर - 808) उत्तीर्ण
श्री चित्तरंजन मिश्रा (एम. एससी.)	गेट (एआईआर - 3636) उत्तीर्ण
सुश्री खुशबू (एम. एससी.)	गेट (एआईआर - 2124) उत्तीर्ण
सुश्री जयश्री सामंत (इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड.)	गेट (एआईआर - 1576) उत्तीर्ण

"विभाग दिवस" संगोष्ठी पर रसायन विज्ञान विभाग के प्रमुख द्वारा प्रो. अमित कुमार गोयल का अभिनंदन

विदाई समारोह में लिया गया फोटो, रसायन विज्ञान विभाग

फार्मेसी विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. अमित कुमार गोयल

फार्मेसी विभाग की स्थापना वर्ष 2012 में फार्मास्युटिकल रसायन में एम. फार्म और फार्मेसी में पीएच.डी. संबंधित क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और छात्रों को नए शोध प्रोटोकॉल के लिए प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से हुई थी। विभाग फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त है और 2017 से फार्मास्यूटिक्स में एम. फार्म. भी चला रहा है। फार्मेसी विभाग फार्मास्युटिकल क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु समर्पित है और इस छोटी सी अवधि में अनेक मोर्चों पर खुद को स्थापित कर रहा है। सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरा करने के पश्चात छात्रों को विभिन्न सरकारी और औद्योगिक प्रतिष्ठानो में नियोजित किया गया है।

संचालित कार्यक्रम

- फार्मेसी में पीएच.डी.
- फार्मास्युटिकल रसायन में एम. फार्म.
- फार्मास्युटिक्स में एम. फार्म

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. अमित कुमार गोयल	आचार्य	फार्मास्युटिक्स
डॉ. विपिन कुमार	आचार्य	औषधीय रसायन विज्ञान
डॉ. देवेश एम सावंत	सहायक आचार्य	औषधीय रसायन विज्ञान
डॉ. रुचि मलिक	सहायक आचार्य	औषधीय रसायन विज्ञान
डॉ. कैसर रज़ा	सहायक आचार्य	फार्मास्युटिक्स
डॉ. उमेश गुप्ता	सहायक आचार्य	फार्मास्युटिक्स

शैक्षणिक गतिविधियाँ

- फार्मेसी विभाग ने 23 जून 2021 को "**वैश्विक कोविड वैक्सीन उत्पादन और इसकी नियामक चुनौतियां**" विषय पर आधारित एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया।
- विभाग द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 पर, 22-26 फरवरी 2021 के मध्य 05 दिवसीय **संकाय विकास कार्यक्रम** (एफ़. डी. पी.) का आयोजन किया गया।

पुरस्कार/उपलब्धियाँ

डॉ. अमित कुमार गोयल	स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए, 2020 द्वारा विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में स्वीकृत किया गया।
डॉ. अमित कुमार गोयल	एसपीआईएचईआर की ओर 8 मार्च 2021 को चेन्नई में "सर सी.वी. रमन अवार्ड -2020" दिया गया।
डॉ. कैसर रज़ा	स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए, 2020 द्वारा विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में स्वीकृत किया गया।
डॉ. कैसर रज़ा	राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के शीर्ष शोध योगदानकर्ता
डॉ. उमेश गुप्ता	स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए, 2020 द्वारा विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में स्वीकृत किया गया।
सुश्री सरिता रानी (शोधार्थी)	इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आई.सी. एम.आर.) द्वारा जनवरी 2021 में सीनियर रिसर्च फेलोशिप (एसआरएफ़)-2020 से सम्मानित किया गया।
श्री राकेश कुमार साहू (शोधार्थी)	इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आई.सी. एम.आर.) द्वारा जनवरी 2021 में सीनियर रिसर्च फेलोशिप (एसआरएफ़)-2020 से सम्मानित किया गया।
श्री ओमप्रकाश शर्मा (शोधार्थी)	इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आई.सी. एम.आर.) द्वारा जनवरी 2021 में सीनियर रिसर्च फेलोशिप (एसआरएफ़)-2020 से सम्मानित किया गया।
सुश्री चारु मिश्रा (शोधार्थी)	इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आई.सी. एम.आर.) द्वारा जनवरी 2021 में सीनियर रिसर्च फेलोशिप (एसआरएफ़)-2020 से सम्मानित किया गया।
सुश्री चारु मिश्रा (शोधार्थी)	पीईआरएसईसी रिसर्च द्वारा आयोजित एसपीएसएस और रिसर्च मेथडोलॉजी ऑनलाइन लर्निंग प्रोग्राम में 01.05.21 से 8.5.21 तक भाग लिया और सभी चार सत्रों के बाद परीक्षाओं में 92% अंक प्राप्त किए।
सुश्री निष्ठा चौरावल (शोधार्थी)	पीईआरएसईसी रिसर्च द्वारा आयोजित एसपीएसएस और रिसर्च मेथडोलॉजी ऑनलाइन लर्निंग प्रोग्राम में 01.05.21 से 8.5.21 तक भाग लिया और सभी चार सत्रों के बाद परीक्षाओं में 92% अंक प्राप्त किए।

प्रो. अमित के. गोयल 8 मार्च, 2021 को सी.वी. रमन पुरस्कार प्राप्त करते हुए

वाणिज्य एवं प्रबंधन स्कूल

अधिष्ठाता: प्रो. यू.एस. मिश्रा

विभाग

- वाणिज्य विभाग
- प्रबंधन विभाग

एक दशक से भी कम पुराने वाणिज्य और प्रबंधन स्कूल में विविधता, समावेशनीयता, पारस्परिक सम्मान, सहयोग और शैक्षणिक उत्कृष्टता के मूल्य अंतर्निहित हैं। यह स्कूल नवोन्मेषी शिक्षाशास्त्रीय सिद्धांतों एवं छात्र केन्द्रित दृष्टिकोणों के साथ शिक्षण एवं अधिगम को प्रोत्साहित करता है। समर्थ शैक्षणिक पृष्ठभूमि, तीव्र शोध उन्मुखीकरण एवं पूरक कौशल समुच्चयों से युक्त व्यक्तियों का स्कूल के संकाय सदस्यों के रूप में चयन किया गया है। विकास की उच्च संभावना के साथ यह स्कूल भविष्य में स्वयं को वाणिज्य एवं प्रबंधन शिक्षा एवं शोध के विषय में उत्कृष्टता के केन्द्र के रूप में स्थापित करने के लिए तैयार है।

वाणिज्य विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. प्रवीण साहू

वाणिज्य विभाग, वर्ष 2012 में स्थापित, विश्वविद्यालय में एक तेजी से बढ़ता हुआ विभाग है। विभाग वाणिज्य और प्रासंगिकता के संबद्ध क्षेत्रों में मास्टर और डॉक्टरेट कार्यक्रम संचालित करता है। यह विभाग राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य के क्षेत्र में अध्ययन हेतु संस्थान का एक अनूठा ब्रांड बनने का निरंतर प्रयास करता है। इस विभाग का उद्देश्य उच्चस्तरीय ज्ञान और क्षमता वाले पेशेवरों को समाज के साथ-साथ उद्योगों के लिए प्रतिबद्धता और अखंडता के साथ प्रभावी ढंग से योगदान प्रदान करना है। विभाग ने उत्कृष्ट मूल्य-आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान, परामर्श और मजबूत कॉर्पोरेट के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के लिए उच्च मानक निर्धारित किए हैं।

संचालित कार्यक्रम

- वाणिज्य में पीएच.डी.
- एम.कॉम

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. प्रवीण साहू	आचार्य	विपणन, मानव संसाधन प्रबंधन, संगठनात्मक व्यवहार
डॉ. नेहा सेठ	सहायक आचार्य	वित्त एवं सामान्य प्रबंधन
डॉ. रूचिता वर्मा	सहायक आचार्य (लियन पर)	लेखा, वित्त एवं सामान्य प्रबंधन
डॉ. सुशीला कुमारी सोरिया	सहायक आचार्य	वित्त एवं सामान्य प्रबंधन
डॉ. संजय कुमार पटेल	सहायक आचार्य	लेखांकन एवं कराधान

शैक्षणिक एवं विस्तार गतिविधियाँ

सम्मेलन/ कार्यशाला/ संगोष्ठी का आयोजन

- 'स्ट्रेटजी आफ मैनेजिंग पर्सनल फाइनेंस इंक्लूडिंग म्युचुअल फंड्स ड्यूरिंग एंड आफ्टर कोविड-19' विषय पर सेबी एण्ड एम्फी, भारत के सहयोग से वाणिज्य विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार (अक्टूबर 3, 2020).
- वाणिज्य विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में पार्ट्स ऑफ इफैक्टिव ऐकेडमिक राइटिंग (मई 21, 2021), टूल्स ऑफ कोहेसिवनेस इन ऐकेडमिक राइटिंग (जून 4, 2021), प्लेजिएरिज़्म: टूल्स फॉर डिटेक्शन एण्ड अवोइडिंग (जून 14, 2021), साइटेशन एण्ड रेफ्रेंसिंग स्टाइल (जून 21, 2021) एवं जर्नल एण्ड ऑथर मैट्रिक्स: मीज़रमेंट एण्ड सिग्निफिकेंस (जून 28, 2021) विषयों पर डॉ. संजय कुमार पटेल द्वारा एम.कॉम-I के लिए कौशल विकास गतिविधियों का आयोजन।
- वाणिज्य विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में "स्टार्टअप एण्ड न्यू वेंचर: एंटरप्रीन्यूरियल थिंकिंग" विषय पर प्रो. प्रवीण साहू द्वारा एम.कॉम.-III के लिए तथा "प्रिपरेशन ऑफ बिजनेस प्रपोजल फॉर स्टार्टअप बिजनेस" विषय पर डॉ. संजय कुमार पटेल द्वारा एम.कॉम.-II के लिए उद्यमिता विकास गतिविधियों का आयोजन (2020-21)

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

- **उद्यमिता,** भारत सिंह (एम.कॉम. 2019-21), हनुमानगढ़ शहर, राजस्थान में नया स्टार्टअप व्यवसाय "डबल हेश बेकरी" स्थापित किया।
- **उद्यमिता,** वंदना कुमारी (एम.कॉम. 2018-20)**,** महेंद्रगढ़ शहर**,** हरियाणा में नया स्टार्टअप व्यवसाय "भारती एजुकेशन हब" स्थापित किया।
- **सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार,** पीजीडीएवी महाविद्यालय एवं वाणिज्य विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित "सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड बिजनेस मैनेजिंग ऑर्गेनाइजेशंस ऑफ टुमारो" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ संजय कुमार पटेल एवं मिस पूनम कुमारी (2020, अगस्त 18)
- **मेघावी प्रदर्शन पुरस्कार (वरिष्ठ स्तर),** अखिल कुमार चौधरी (एम.कॉम. 2019-21), राष्ट्रीय लेखा प्रतिभा खोज (2020-21), भारतीय लेखा संघ, भारत.
- **उच्च प्रदर्शन पुरस्कार (वरिष्ठ स्तर)**, कीर्ति (एम.कॉम. 2019-21), राष्ट्रीय लेखा प्रतिभा खोज (2020-21), भारतीय लेखा संघ, भारत.
- **खंगारोत,जी (2021).** कैपिटेलाइजिंग इन रूरल इंडिया फॉर रिवाइविंग टूरिज्म सेक्टर ड्यूरिंग द कोविड-19 पेंडेमिक सिनेरियो. उत्कल हिस्टोरिकल रिसर्च जर्नल, 34(18), 62-68
- **यादव, पी. (2020-21).** एनपीटीईएल से दो सर्टिफिकेट कोर्स पूरे किए. प्रबंधकों के लिए परियोजना प्रबंधन (12 सप्ताह). कार्यशील पूंजी प्रबंधन (12 सप्ताह).
- **लकावथ कविता** (2020-21, एम.कॉम.II). सेल्स एंड मार्केटिंग डिपार्टमेंट में सुपर-77 के साथ बिजनेस डेवलपमेंट इंटर्न (टीम लीडर) प्रोजेक्ट पूरा किया।

अन्य उपलब्धियाँ:

नेट-जेआरएफ (2019-20) उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी

क्र.सं.	छात्र का नाम	पिता का नाम	बैच	नेट-जेआरएफ
1.	अखिल कुमार चौधरी	विमलेश कुमार चौधरी	2019-21	नेट-जेआरएफ

2.	विष्णु वैष्णव	रतन लाल वैष्णव	2018-20	नेट-जेआरएफ
3.	अर्जुन	भागचंद खटीक	2016-18	नेट-जेआरएफ
4.	मृत्युंजय साहू	प्रमोद साहू	2019-20	नेट-जेआरएफ
5.	प्रियंका मीना	कैलाश चंद मीना	2018-19	नेट-जेआरएफ
6.	कीर्ति	मुकेश कुमार जैन	2019-21	नेट
7.	मोनिका शर्मा	भंवरी लाल शर्मा	2019-21	नेट
8.	पूजा यादव	अशोक यादव	2019-21	नेट
9.	वंदना कुमारी	वेदपाल	2018-20	नेट
10.	रीधी जैन	नीरज जैन	2018-20	नेट

अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

- **लकवथ कविता** (2020-21, एम.कॉम.-II) ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब, पलामुरु विश्वविद्यालय, तेलंगाना, पर राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया और 100% अंक प्राप्त किए (2021, 8 मार्च).
- **लकवथ कविता** (2020-21, एमकॉम-II) ने इम्पैक्ट फाउंडेशन द्वारा डिजाइन किए गए "इफेक्टिव पब्लिक स्पीकिंग कोर्स" में सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने कौशल को बढ़ाया (2021 जनवरी 22).
- **प्रदीप गवारिया, सचिन मारन, रजत पांडे, इयास केवी और कविता नायक** (एम.कॉम. 2020-22), महाराजा रणजीत सिंह पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय, पंजाब द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की व्यापार योजना प्रतियोगिता 'समाधान-21 (2021, मई 03)
- **विभागीय छात्र सह-पाठयक्रम गतिविधियाँ:** विभाग ने छात्रों के विकास और मनोरंजन गतिविधियों का आयोजन किया, जैसे:

✓ बोलने के लिए त्वरित विषय (2020, दिसम्बर 12),
✓ खेल- कनेक्टिंग डॉट्स (2020, दिसम्बर 31),
✓ व्याख्यान दिया गया: साक्षात्कार का सामना कैसे करें (2021, जनवरी 22)
✓ व्याख्यान दिया गया: प्रेजेंटेशन कैसे तैयार करें (2021, फरवरी 05)
✓ दिया गया विषय: अपने बारे में बताइए (2021, फरवरी 20)
✓ बहस: एनईपी 2020 (21, मार्च 04)

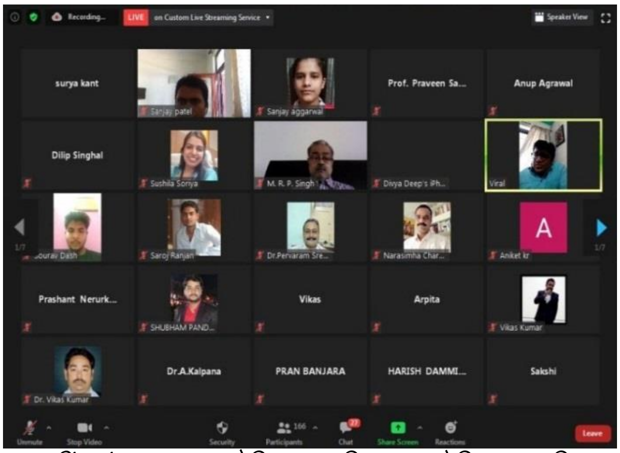

"स्ट्रेटजी आफ मैनेजिंग पर्सनल फाइनेंस इंक्लूडिंग म्युचुअल फंड्स ड्यूरिंग एंड आफ्टर कोविड-19" विषय पर वेबिनार, वाणिज्य विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (अक्टूबर 3, 2020).

प्रबंधन विभाग

विभागाध्यक्ष:: प्रो. उमा शंकर मिश्रा

2010 में स्थापित प्रबंधन विभाग तीन क्षेत्रों- वित्त, मानव संसाधन प्रबंधन और विपणन में विशेषता के साथ एम.बी.ए. पाठ्यक्रम संचालित करता है। प्रत्येक वर्ष विभिन्न पृष्ठभूमियों, राज्यों, संस्कृतियों और भाषाओं से संबंधित 30 विद्यार्थी इस कार्यक्रम में सम्मिलित होते हैं। विभाग के संकाय कठिन शिक्षण गतिविधियो, अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (जैसे जीआईएएन), और शैक्षिक पर्यटन के माध्यम से उच्च गुणवत्तापूर्ण प्रबंधन की शिक्षा प्रदान करते हैं। प्रायोजित शोध परियोजनाओं और डॉक्टोरल अनुसंधान के माध्यम से संकाय सदस्यों का मजबूत शोध अभिविन्यास परिलक्षित होता है।

संचालित कार्यक्रम

- प्रबंधन में पीएच.डी.
- एम.बी.ए.

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. उमा शंकर मिश्रा	आचार्य	विपणन
डॉ. संजय कुमार	सहायक आचार्य	वित्त
डॉ. तुलसी गिरि गोस्वामी	सहायक आचार्य	मानव संसाधन प्रबंधन
डॉ. अवंतिका सिंह	सहायक आचार्य	मानव संसाधन प्रबंधन

शैक्षणिक गतिविधियाँ

सम्मेलन/ कार्यशाला/ संगोष्ठी का आयोजन

विभाग ने डॉ. तुलसी गिरि गोस्वामी द्वारा अटल (एआईसीटीई) योजना के तहत 'उच्च शिक्षा में अकादमिक नेतृत्व' पर 17-21, मई 2021 के दौरान पांच दिवसीय ऑनलाइन एफडीपी का आयोजन और समन्वय किया है।

प्राप्त बाह्य निधि

- विभाग के पास भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे इम्प्रेस, आईसीएसएसआर, आदि से रु.17 लाख की विभिन्न बाह्य वित्त पोषित परियोजनाएं हैं।

पृथ्वी विज्ञान स्कूल

अधिष्ठाता: प्रो. राजेश कुमार

विभाग
• वायुमंडलीय विज्ञान विभाग
• पर्यावरण विज्ञान विभाग

पृथ्वी विज्ञान स्कूल पर्यावरण विज्ञान और वायुमंडलीय विज्ञान के क्षेत्र तथा सामाजिक विकास के साथ उनके संबंध में अंतर्विषयक ज्ञान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस स्कूल का मुख्य लक्ष्य स्थानीय और वैश्विक समुदायों की सेवा के लिए पृथ्वी विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक ज्ञान और तकनीकी कौशल के साथ जनशक्ति को प्रशिक्षित करना है। यह स्कूल पृथ्वी, इसके संसाधनों और इसमें आने वाले परिवर्तन की प्रक्रियाओं के संबंध में मौलिक ज्ञान का सृजन करने एवं प्रभावी ढंग से प्रसार करने के लिए प्रतिबद्ध है। अपने दृष्टिकोण और मिशन को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए मौजूदा विभाग राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से अनुसंधान, शिक्षा, और आउटरीच कार्यक्रमों से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहा है।

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. देवेश शर्मा

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग की स्थापना पृथ्वी विज्ञान स्कूल के अंतर्गत वर्ष 2016 में की गई। यह विभाग एम.एससी. और पीएच.डी. दोनों कार्यक्रम संचालित करता है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अंतरर्विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देना है। इसमें वायुमंडल और महासागर, जलवायु मॉडलिंग, मानसून, और इसके भौतिक और सामाजिक परिणामों को समझने के लिए गंभीर मौसम पूर्वानुमान, रेगिस्तान मौसम विज्ञान की समझ, वायुमंडलीय रसायन विज्ञान, वायु गुणवत्ता, रिमोट सेंसिंग और जलवायु परिवर्तन प्रभावों के संख्यात्मक मॉडलिंग शामिल है। यह विभाग राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग विकसित कर रहा है

संचालित कार्यक्रम

- वायुमंडलीय विज्ञान में एम.एससी.
- वायुमंडलीय विज्ञान में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. सोमेश्वर दास	आचार्य (संविदात्मक पुन: नियुक्ति अप्रैल 2021 तक)	वायुमंडलीय मॉडलिंग, मेघपुंज संवहन, मेघ सूक्ष्मभौतिकी
डॉ. देवेश शर्मा	सह आचार्य	जलवायु परिवर्तन और जल स्त्रोत, हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग
डॉ. सुब्रत कुमार पांडा	सहायक आचार्य	क्षेत्रीय जयवायु परिवर्तन मॉडलिंग, जलवायु परिवर्तन,

		भारतीय मानसून का अध्ययन, प्रेक्षणों और मॉडलों का उपयोग करते हुए जलवायु विश्लेषण
डॉ. चिन्मय मलिक	सहायक आचार्य	वायुमंडलीय रसायन विज्ञान, वायुमंडलीय ऑक्सीकरण ओर स्व-सफाई तंत्र, वायु प्रदूषण, वायुमंडलीय ट्रेस गैस और एरोसोल
डॉ. जयंती पाल	सहायक आचार्य	जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, वायु-सागर परस्पर क्रिया, भारतीय मानसून, उष्णकटिबंधीय चक्रवात, बादल-एयरोसोल परस्पर क्रिया

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/ अतिथि व्याख्यान/ संगोष्ठी/ दौरा

नाम	कार्यक्रम	तिथि
डॉ. वेई-कुओ टाओ	नासा/गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर, मैरीलैंड, यूएसए *क्लाउड सिस्टम मॉडलिंग*	3 फरवरी 2021 (ऑनलाइन)
प्रो. सुजान्ने ग्रे	मौसम विज्ञान विभाग, युनिवर्सिटी ऑफ रिडिंग *इंटरेक्शन बिटविन ट्रॉपिकल और एक्स्ट्राट्रॉपिकल सिस्टम*	17 फरवरी 2021 (ऑनलाइन)
नील्स वेडी	अध्यक्ष, पृथ्वी मॉडलिंग अनुभाग, ईसीएमडब्ल्यूएफ, यूके *न्यूमेरिक्स, डिस्क्रेटाइजेशन एण्ड एचपीसी इन एनडब्ल्यूपी*	3 मार्च 2021 (ऑनलाइन)
एण्डी ब्राउन	शोध निदेशक, ईसीएमडब्ल्यूएफ, यूके *रिप्रेजेंटेशन ऑफ़ फिजिकल प्रोसेसेस, इंक्लूडिंग बाउंड्री लेयर एंड ओरोग्राफिक ड्रेग*	10 मार्च 2021 (ऑनलाइन)
डॉ. जिमी डुधिया	मेसोस्केल और माइक्रोस्केल मौसम विज्ञान लैब, एनसीएआर, यूएसए *इंट्रोडक्शन टू एनडब्ल्यूपी मॉडल्स यूजिंग डब्ल्यूआरएफ*	17 मार्च 2021 (ऑनलाइन)
डॉ. डेले बार्कर	निदेशक, जलवायु अनुसंधान केंद्र सिंगापुर *द इंपॉर्टेंस ऑफ सुपरकंप्यूटिंग फॉर वेदर एंड क्लाइमेट साइंस*	28 अप्रैल 2021 (ऑनलाइन)

सम्मेलन/ कार्यशाला/ संगोष्ठी का आयोजन

- फरवरी मार्च-2021 के दौरान "इंटरनेशनल ऑनलाइन लेक्चर सीरीज ऑन एटमॉस्फेरिक साइंस" के तहत छह व्याख्यान श्रृंखलाएं

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

5 जून 2021 को विश्व पर्यावरण दिवस 2021 का उत्सव मनाया गया।

22 अप्रैल 2021 को पृथ्वी दिवस का उत्सव मनाया गया।

प्राप्त बाह्य निधि

भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी-एसईआरबी, यूजीसी, एमओडब्ल्यूआर, आदि द्वारा स्वीकृत विभाग में रु.114.85 लाख की विभिन्न बाह्य वित्त पोषित परियोजनाएं चल रही हैं।

उपकरणों का क्रय/ सुविधा

- सिमुलेशन और विज़ुअलाइज़ेशन प्रयोगशाला के लिए 5 डेस्कटॉप कंप्यूटर।
- भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे के साथ सहयोगी परियोजना के हिस्से के रूप में प्राप्त लाइटनिंग डिटेक्टर प्राप्त हुआ और 11 नवंबर 2020 को सफलतापूर्वक स्थापित किया गया।
- यूजीसी-बीएसआर स्टार्ट-अप के तहत एक हाई-एंड वर्कस्टेशन खरीदा गया है।

डॉ. निल्स वेदी, अध्यक्ष, पृथ्वी मॉडलिंग अनुभाग, यूरोपियन सेंटर फॉर मीडियम-रेंज वेदर फोरकास्ट, यूके द्वारा अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला (ऑनलाइन मोड) के तीसरे व्याख्यान का स्नैपशॉट

भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे के साथ सहयोगी परियोजना के हिस्से के रूप में लाइटनिंग डिटेक्टर 11 नवंबर 2020 को सीयुराज वेधशाला में स्थापित किया गया।

पर्यावरण विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. राजेश कुमार

उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में, भारत अपने अवसंरचनात्मक विकास के चरम पर है और इसे प्रदूषण की निगरानी और विकासात्मक परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभावों का आकलन करने के लिए पर्यावरण विशेषज्ञों तथा प्रशिक्षित कर्मियों की आवश्यकता है। वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए, विभाग की स्थापना का उद्देश्य है-

- क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर की पर्यावरणीय समस्याओं का ज्ञान प्रदान करना।

- छात्रों को कुशल पर्यावरणीय निर्णय और प्रबंधन हेतु पर्यावरणीय घटकों के वैज्ञानिक विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित करना।
- पर्यावरण अनुसंधान के लिए अंत:विषय सहयोग के लिए शिक्षाविदों और संगठनों के बीच अंतराफलक के रूप में कार्य करना।

संचालित कार्यक्रम

- पर्यावरण विज्ञान में **पीएच.डी.**
- पर्यावरण विज्ञान में **एम.एससी. (02 वर्षीय)**
- पर्यावरण विज्ञान में **इंटीग्रेटेड एम.एससी. (05 वर्षीय)**

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. राजेश कुमार	आचार्य	ग्लेशियोलॉजी, ग्लेशियरभू-आकृति विज्ञान, जलवायु विज्ञान और वायु प्रदूषण
प्रो. के.के. सत्पथी	आचार्य (अनुबंध)	थर्मल प्रदूषण, क्लोरीनीकरण, और जैव विविधता
डॉ. लक्ष्मी कांत शर्मा	सह आचार्य	पर्यावरण रिमोट सेंसिंग, पारिस्थितिक और पर्यावरण प्रबंधन
डॉ. गरिमा कौशिक	सहायक आचार्य	पर्यावरण जैवप्रौद्योगिकी, माइक्रोबियल बायोडीग्रेडेशन ऑफ पीओपी (कीटनाशक, औषधियाँ एवं एंटीबायोटिक्स)
डॉ. रितु सिंह	सहायक आचार्य	एनवायरमेंटल टॉक्सिकोलॉजी, एनवायरमेंटल पॉल्यूशन एण्ड मैनेजमेंट, नैनोरेमेडिएशन
डॉ. आलोक कुमार	सहायक आचार्य	बायोजियोकैमिस्ट्री एण्ड हाइड्रो-जियोकैमिस्ट्री
डॉ. शैलेश कुमार पाटीदार	सहायक आचार्य	पर्यावरण जैवप्रौद्योगिकी (शैवाल जैव ईंधन, कार्बन पृथक्करण, जैव उपचार), शैवाल-बैक्टीरिया परस्पर क्रिया, दूषित वातावरण की इकोफिज़ियोलॉजी
डॉ. निवेदिता चौधरी	सहायक आचार्य	वायु प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन- पौधों पर निगरानी एवं प्रभाव

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/ अतिथि व्याख्यान/ संगोष्ठी/ दौरा

नाम	कार्यक्रम	तिथि
डॉ. प्रवाकर मिश्रा	वैज्ञानिक-एफ राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र, एनआईओटी कैंपस, चेन्नई, भारत *मेरीन लिटर एंड माइक्रो-प्लास्टिक रिसर्च इन इंडिया*	दिसम्बर 22, 2020
डॉ. विजय कुमार सोनी	अध्यक्ष, पर्यावरण निगरानी और अनुसंधान केंद्र (ईएमआरसी),	जून 5, 2021

ध्रुवीय मौसम विज्ञान अनुसंधान प्रभाग (पीएमआरडी), भारत मौसम विज्ञान विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, मौसम भवन, लोदी रोड, नई दिल्ली

रिसेंट एडवांसेज इन एनवायरमेंट मॉनिटरिंग एंड एयर क्वालिटी फोरकास्टिंग इन इंडिया

प्राप्त बाह्य निधि:

भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे सीसीपीडी, डीएसटी, डीएसटी-एसईआरबी, युजीसी द्वारा स्वीकृत रु.188 लाख की विभिन्न बाह्य वित्त पोषित परियोजनाएं विभाग में जारी हैं।

उपकरण/ सॉफ्टवेयर क्रय/ सुविधाएं

- लेमिनार फ्लो

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

यूजीसी नेट/ गेट अर्हता प्राप्त छात्र

- प्रेक्षा पलसानिया, यूजीसी-जेआरएफ, 2020

अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

- जल शक्ति अभियान के एक भाग के रूप में प्रतिज्ञा - 22 मार्च 2021
- विश्व पर्यावरण दिवस समारोह मनाया गया- 05 जून 2021

पृथ्वी विज्ञान स्कूल में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

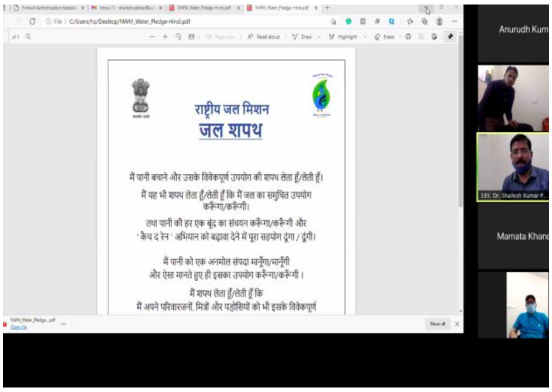

जल शक्ति अभियान-2021, संकाय, कर्मचारियों एवं छात्रों द्वारा 22 मार्च 2021 को एक प्रतिज्ञा ली गयी।

शिक्षा स्कूल

अधिष्ठाता: डॉ. अंजलि शर्मा

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षा स्कूल की स्थापना वर्ष 2014 में की गयी थी। शिक्षा स्कूल द्वारा गणित, रसायन विज्ञान और भौतिक विज्ञान स्कूल तथा अर्थशास्त्र विभाग के सहयोग से नवोन्मेषी शिक्षा कार्यक्रम - इंटीग्रेटेड एम.एससी.-बी.एड. संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य विषय वस्तु एवं अध्यापन के समर्थ ज्ञान से सम्पन्न भावी शिक्षकों में वृद्धि करना है। शिक्षा स्कूल का दृष्टिकोण अध्यापन, पाठ्यक्रम एवं अनुसंधान में उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना करने के साथ पेशेवर शिक्षकों को विकसित करना है। विश्वविद्यालय ने पूर्व-सेवा शिक्षकों के बीच यथार्थवादी क्षेत्र के अनुभवों के साथ ही पेशेवर मूल्य और नैतिकता को विकसित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की मांग को पूरा करने की ओर महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

विभाग

- **शिक्षा विभाग**
- **योग विभाग**

शिक्षा विभाग

[विभागाध्यक्ष: डॉ. अंजलि शर्मा]

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों/स्नातकोत्तर शिक्षकों (पीजीटी) को तैयार करने पर स्पष्ट ध्यान देते हुए राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा किया गया यह प्रथम प्रयास है।

संचालित कार्यक्रम

- एकीकृत एम. एससी. बी.एड. रसायन विज्ञान
- एकीकृत एम. एससी. बी.एड. अर्थशास्त्र
- एकीकृत एम. एससी. बी.एड. गणित
- एकीकृत एम. एससी. बी.एड. भौतिक विज्ञान

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. अंजलि शर्मा	सह-आचार्य	शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन, शैक्षणिक विज्ञान, महिला अध्ययन
डॉ. नरेंद्र कुमार	सहायक आचार्य	अनुसंधान पद्धति, शैक्षणिक योजना और नीतियां, शिक्षा मनोविज्ञान
डॉ. गोबिंद सिंह	सहायक आचार्य	शिक्षा के मूल आधार, मार्गदर्शन, परामर्श एवं गणित के शिक्षणशास्त्र
डॉ. संगीता यदुवंशी	सहायक आचार्य	शैक्षणिक मनोविज्ञान, शिक्षा विज्ञान, लैंगिक अध्ययन
डॉ. रीना गोदारा	सहायक आचार्य	शैक्षिक प्रबंधन, वाणिज्य शिक्षाशास्त्र, शिक्षा का अर्थशास्त्र
डॉ. टी. संगीथा त्यागरंजन	सहायक आचार्य	विशेष शिक्षा, शिक्षक शिक्षा, समावेशी शिक्षा, शिक्षा विज्ञान
डॉ. सीमा गोपीनाथ	सहायक आचार्य	गणित शिक्षा, मूल्यांकन और परीक्षण निर्माण की तकनीक
डॉ. कनक शर्मा	सहायक आचार्य	शिक्षण तकनीक, प्रौद्योगिकी, रसायन विज्ञान का शिक्षणशास्त्र, शिक्षण मापन एवं मूल्यांकन

शैक्षणिक गतिविधियां

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां (शैक्षणिक भ्रमण, शैक्षणिक आयोजन जैसे विज्ञान दिवस)

विषय / कार्यक्रम का नाम	संयोजक / समन्वयक, यदि कोई हो	दिनाक
पूर्व प्रशिक्षुता अभिविन्यास कार्यक्रम (बैच 2019-22)	डॉ. गोबिंद सिंह डॉ. रीना गोदारा डॉ. सीमा गोपीनाथ डॉ. कनक शर्मा	26 जुलाई 2021 से 6 अगस्त 2021
पूर्व प्रशिक्षुता अभिविन्यास कार्यक्रम (बैच 2018-21)	डॉ. अंजलि शर्मा	15 फरवरी 2021 से 28 फरवरी 2021
राष्ट्रीय शिक्षा दिवस समारोह निबंध लेखन प्रतियोगिता विषय : कोविड-19 के वर्तमान परिदृश्य में प्रौद्योगिकी शिक्षा की भूमिका प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता विषय : एन.ई.पी. – 2020	डॉ. कनक शर्मा	11 नवम्बर 2020

पाठ्येतर गतिविधियां

केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान और भारत के विभिन्न स्कूलों के सहयोग से बी.एड. इंटर्न के माध्यम से प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रम- “आज़ादी का अमृत महोत्सव” का आयोजन	डॉ. अंजलि शर्मा	6 जून 2021 से 30 जुलाई 2021

बीएड इंटर (योगिता वार्षनेय) द्वारा राजकीय कन्या इंटर कॉलेज किच्छा, यू.एस. नगर बिहार में पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन

बी.एड इंटर (आकांशा शर्मा) द्वारा आयोजित गतिविधि - केंद्रीय विद्यालय नंबर 1, गोल्फ कोर्स रोड सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर- I, अजमेर, राजस्थान में विश्व पर्यावरण दिवस, 5 जून 2021 के अवसर पर पेंटिंग या लघु निबंध

योग विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. संजीब कुमार पात्र

वर्तमान में, योग विभाग मनोदैहिक रोगों के उपचार के लिए ज्ञान प्रदान करने पर ध्यान देने के साथ योग चिकित्सा में स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित करता है। योग चिकित्सा एक उभरता हुआ क्षेत्र है और वैज्ञानिक प्रमाणों ने असंक्रामक रोगों की विस्तृत श्रृंखला में इसकी प्रभावकारिता का खुलासा करना शुरू कर दिया है। इसका उद्देश्य बीमारियों की रोकथाम और स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है, जिससे उत्तम स्वास्थ्य सुनिश्चित करना है। यह कार्यक्रम विभिन्न बीमारियों के लिए उपयुक्त योग चिकित्सीय तकनीकों का व्यापक ज्ञान प्रदान करता है। यह विभिन्न बुनियादी सिद्धांत, प्रकार और योग प्रथाओं के पहलुओं और विभिन्न बीमारियों में उनके अनुप्रयोगों के पीछे के विज्ञान के बारे में भी जानकारी प्रदान करता है।

योग विभाग ने इसी साल से पीएच.डी (योगिक विज्ञान) कार्यक्रम भी शुरू किया है।

संचालित कार्यक्रम

- एम. एससी. योग चिकित्सा
- यौगिक विज्ञान में पीएच.डी

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. संजीब कुमार पात्र	सह-आचार्य	नींद चिकित्सा, साइकोफिजियोलॉजी, ध्यान और योग चिकित्सा
डॉ काशीनाथ जी. मैत्री	सहायक आचार्य	योग और मानसिक स्वास्थ्य, योग और चयापचय संबंधी विकार, हृदय चिकित्सा, योग चिकित्सा, आयुर्वेद और पुनर्वासन

शैक्षणिक गतिविधियां

विशेषज्ञ व्याख्यान/सेमिनार/दौरा

योग विभाग द्वारा प्रत्येक रविवार को प्रो. श्री निधि पार्थसारथी द्वारा "प्रशासनिक प्रबंधन को बढ़ाने की प्राचीन भारतीय तकनीक" विषय पर व्याख्यान शृंखला का आयोजन किया जाता है।

सम्मेलन / कार्यशाला / संगोष्ठी का आयोजन

एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम

योग विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 1 से 5 मार्च, 2021 तक उच्चतर शिक्षा संस्थानों के कर्मचारियों के लिए "एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम" एन.ई.पी. 2020 - जीवन कौशल समग्र विकास के लिए प्रोत्साहन "का आयोजन किया।

पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में विज्ञान दिवस समारोह की पूर्व संध्या पर, विभाग के छात्रों के तीन समूहों ने वैज्ञानिक रूप से समझाने के लिए 'आंत, हृदय, फेफड़े और मस्तिष्क की दक्षता में सुधार के लिए योग उपचार के तौर-तरीके' विषय पर पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिताओं के दौरान सक्रिय रूप से भाग लिया।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

• योग विभाग ने 21 से 24 जून 2021 तक इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंसेज (आईयूसी-वाईएस) के सहयोग से 7वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

• योग विभाग विभिन्न असंक्रामक रोगों से पीड़ित छात्रों और कर्मचारियों के लिए सुबह 6.30 से 7.30 बजे तक ऑनलाइन योग सत्र की घोषणा और संचालन करता है।

पुरस्कार/उपलब्धियां

निम्नलिखित छात्र यूजीसी नेट/जेआरएफ उत्तीर्ण हुए हैं:

राजकंवरभाटी	यूजीसी नेट
केएम मेघा	यूजीसी नेट (जेआरएफ)
शुभम सेमवाल	यूजीसी नेट
अभिजीत वैश्य	यूजीसी नेट (जेआरएफ)
तरुनी सारवा यूजीसी	नेट (जेआरएफ)

अतिरिक्त पाठयक्रम गतिविधियां

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के योग विभाग ने 14 जनवरी 2021 को रथसप्तमी के अवसर पर टेनिस कोर्ट पर सुबह 7.45 से 8.30 बजे तक सामूहिक सूर्यनमस्कार अभ्यास का आयोजन किया।

अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी स्कूल

अधिष्ठाता : प्रो. उमा शंकर मिश्रा

विभाग

- **कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग**
- **इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग**
- **जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग**

सतत विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए वर्ष 2010 में विश्वविद्यालय में अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी स्कूल की स्थापना की गई। यह स्कूल अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी में स्नातक (बी.टेक), स्नातकोत्तर (एम.टेक), और अनुसंधान कार्यक्रम (पीएचडी) संचालित करता है। स्कूल का उद्देश्य विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण यानी सतत विकास के लिए शिक्षा प्रदान करने में एक विलक्षण भूमिका निभाना है। स्कूल का उद्देश्य उन्नत तकनीकों में छात्रों / विद्वानों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्रदान करना है, ताकि उच्च क्षमता और नैतिक मूल्यों के इंजीनियरिंग स्नातक तैयार किए जा सकें। स्कूल का लक्ष्य इंजीनियरिंग शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी होना है। स्कूल में तीन विभाग हैं:

1. कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग (सीएसई)
2. इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग (ईसीई)
3. जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग (बीमई)

कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग

[विभागाध्यक्ष : डॉ. देवेश शर्मा]

कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना विश्वविद्यालय में वर्ष 2010 में अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी स्कूल के तहत की गई। वर्तमान में विभाग सूचना सुरक्षा में विशेषज्ञता के साथ सीएसई मे 2 वर्षीय एम.टेक पाठ्यक्रम, एक डॉक्टरेट कार्यक्रम, और कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी में 4 वर्षीय बी.टेक पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। विभाग सूचना के इस युग में देश की सुरक्षित प्रगति में योगदान देने के लिए पेशेवरों को तैयार करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। विभाग साइबर-भौतिक प्रणाली, सूचना परीक्षण, सुरक्षा लेखा परीक्षा, डिजिटल फोरेंसिक आदि जैसे नए उभरते क्षेत्रों का अन्वेषण भी कर रहा है। विभाग विश्वविद्यालय के लक्ष्यों को प्राप्त करने में योगदान देता रहा है।

संचालित कार्यक्रम

- बी.टेक सीएसई
- एम. टेक. सीएसई
- सीएसई में पीएच.डी

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. गौरव सोमानी	सहायक आचार्य	वितरित प्रणालियां, कंप्यूटर नेटवर्क्स, एड हॉक नेटवर्क्स, क्लाउड कंप्यूटिंग
श्री रवि सहारण	सहायक आचार्य	एल्गोरिदम, कंप्यूटर ग्राफिक्स, चित्र प्रसंस्करण, सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान
डॉ. मुजम्मिल हुसैन	सहायक आचार्य	नेटवर्क सुरक्षा, वायरलेस सेंसर नेटवर्क, कंप्यूटर नेटवर्क्स

डॉ. तरुण कुमार	सहायक आचार्य	चित्र प्रसंस्करण, डीप लर्निंग और ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी

शैक्षणिक गतिविधियां

उपलब्ध उपकरण / सुविधाएं

• आईईईई ऑनलाइन

बाह्य निधि प्राप्ति

- डॉ. गौरव सोमानी को 37.13 लाख रुपये का परियोजना अनुदान प्राप्त हुआ।

पुरस्कार/उपलब्धियां

- डॉ. गौरव सोमानी, एसीएम (एसोसिएशन ऑफ कंप्यूटिंग मशीनरी) प्रतिष्ठित वक्ता (2021-2024)

एम. टेक. सीएसई शोध प्रबंध प्रस्तुतिकरण परीक्षा

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग

[विभागाध्यक्ष : प्रो. उमा शंकर मिश्रा]

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी (ईसीई) विभाग 2019 में अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी स्कूल के तहत प्रारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम को शुरू करने का प्राथमिक लक्ष्य अत्यधिक कुशल युवा अभियंता तैयार करना है ताकि वे विभिन्न उद्योगों और शैक्षणिक नौकरियों में योगदान प्रदान कर सकें। हमारे पाठ्यक्रम को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि छात्रों को ईसीई के क्षेत्र में सैद्धांतिक और व्यावहारिक रूप से एक मजबूत आधार मिल सके। वर्तमान में, विभाग 4 वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (ईसीई में बी.टेक) और साइबर-भौतिक प्रणालियों में 2 वर्षीय एम.टेक कार्यक्रम संचालित करता है। यह विभाग आधुनिक प्रयोगशाला उपकरणों से सुसज्जित है। विभाग के पास समर्पित संकाय सदस्य हैं जो छात्रों के ज्ञान, कौशल और प्रतिभा को बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं।

संचालित कार्यक्रम

- बी.टेक. (इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी)
- एम. टेक. (साइबर-भौतिक प्रणाली)

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. मिलन सासमल	सहायक आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, नैनोबायोसेंसर, एमईएमएस/एनईएमएस

डॉ. राजन सिंह	सहायक आचार्य	स्पिंट्रोनिक्स डिवाइसेस, इलेक्ट्रोसिरेमिक्स, फेरोइलेक्ट्रिक, और पीजोइलेक्ट्रिक डिवाइसेस, पीजोइलेक्ट्रिक एनर्जी हार्वेस्टर
डॉ. कपिल सारस्वत	सहायक आचार्य	आरएफ और माइक्रोवेव इंजीनियरिंग, संगणना विद्युत चुंबकत्व, उच्च प्रतिबाधा सतह एम्बेडेड सिस्टम, तंत्रिका नेटवर्क

शैक्षणिक गतिविधियां

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां: बाह्य निधि प्राप्ति

- डॉ. मिलन सासमल को लगभग 10 लाख रुपये का यूजीसी स्टार्ट-अप परियोजना अनुदान प्राप्त हुआ।

उपलब्ध उपकरण / सुविधाएँ

- बेसिक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग लैब
- इलेक्ट्रॉनिक्स कार्यशाला सुविधाएं

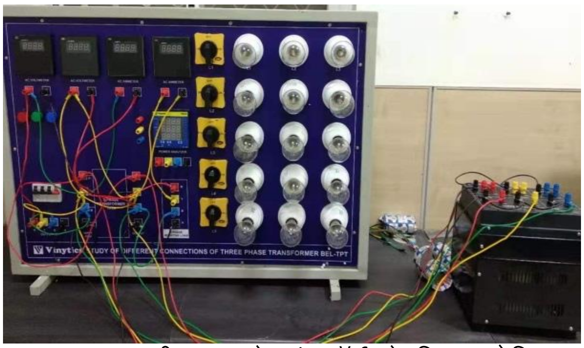

तीन चरण के ट्रांसफॉर्मर के लिए प्रायोगिक व्यवस्था विद्युत अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में कार्यरत छात्र

जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग

[विभागाध्यक्ष : प्रो. ए. के. गुप्ता]

जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग (बीएमई) 2020 में अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी स्कूल के तहत शुरू हुआ। जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी एक बहु-विषयक इंजीनियरिंग डिग्री है जो चिकित्सा के क्षेत्र में जीव विज्ञान और इंजीनियरिंग सिद्धांतों को जोड़ती है, जो दिव्यांग रोगियों के चिकित्सीय तथा निदान और पुनर्वास में मदद करती है। जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी के क्षेत्र में छात्रों को व्यापक जानकारी प्रदान करने हेतु जीवन विज्ञान, औषधि और जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी की चार प्रमुख क्षेत्रों में कार्यक्रम को डिज़ाइन किया गया है। वर्तमान में, विभाग 4 वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (बी.एम.ई. में बी.टेक) संचालित करता है।

संचालित कार्यक्रम

- बी.टेक. (जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग)

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह	सहायक आचार्य (अनुबंध पर)	बायोमेडिकल साइंस, बायोटेक्नोलॉजी, फार्माकोलॉजी

मानविकी और भाषा स्कूल

अधिष्ठाता : प्रो. सुप्रिया अग्रवाल

विभाग

- अंग्रेजी विभाग
- हिन्दी विभाग
- भाषा विज्ञान विभाग

इस स्कूल में तीन प्रगतिशील और अग्रगामी विभाग हैं जो साहित्य और भाषा से संबंधित हैं, जिसका उद्देश्य उच्च स्तर का ज्ञान प्रदान करना और छात्रों को बहु-विषयक और समग्र शिक्षा से युक्त करना है। विभागों में समर्पित और प्रतिभाशाली संकाय हैं जो मूल्य-आधारित शिक्षा प्रदान करने हेतु प्रयासरत हैं। स्कूल के शोधार्थी साहित्य, भाषा, सामाजिक और संस्कृति से जुड़े विभिन्न विषयों पर अनुकरणीय कार्य कर रहे हैं। पाठ्यक्रम नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है और छात्र के समग्र विकास और मानवता के सतत विकास के लिए उपयुक्त अवसर प्रदान किये जाते हैं। विभागों द्वारा चलाए जा रहे कई महत्वपूर्ण और रचनात्मक पाठ्यक्रम अन्य विषयों के छात्रों द्वारा चुने जाते हैं और स्कूल शिक्षण में नवाचार के माहौल को बढ़ावा देने में निरंतर कार्यरत है।

अंग्रेजी विभाग

[विभागाध्यक्ष : डॉ. संजय अरोड़ा]

अंग्रेजी विभाग की स्थापना शैक्षिक सत्र 2010-11 में हुई। इसका लक्ष्य छात्रों को कक्षा के भीतर और बाहर दोनों जगह व्यापक समग्र विकास के लिए परामर्श देना है। इसके अलावा, यह व्याख्यान, संचार कार्यों और गतिविधियों, फिल्म स्क्रीनिंग, वाद-विवाद, चर्चा, लेखन अभ्यास, संगोष्ठी, सेमिनार, कार्यशालाओं और सम्मेलनों (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) के माध्यम से गहन प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसका पाठ्यक्रम भाषा, साहित्य, संस्कृति अध्ययन, दृश्य प्रतिनिधित्व और बहु-विषयक अध्ययनों का एक स्वस्थ मिश्रण है। यह कार्यक्रम न केवल इस क्षेत्र में आवश्यक और अतिरिक्त ज्ञान प्रदान करता है बल्कि शिक्षण, रचनात्मक लेखन, अनुसंधान, सामग्री लेखन, अनुवाद और अन्य संबंधित अवसरों के क्षेत्र में आजीविका के लिए छात्रों को तैयार और प्रशिक्षित भी करता है।

संचालित कार्यक्रम

- अंग्रेजी में पीएच.डी.
- एम.ए. अंग्रेजी

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. सुप्रिया अग्रवाल	आचार्य	लैंगिक और सांस्कृतिक अध्ययन, विश्व साहित्य
डॉ. संजय अरोड़ा	सह-आचार्य	अंग्रेजी भाषा शिक्षण, अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान, सीएलटी, अनुवाद अध्ययन
डॉ. भूमिका शर्मा	सहायक आचार्य	पोस्टकोलोनियल अध्ययन, अफ्रीकी अमेरिकी लेखन, लैंगिक अध्ययन

डॉ. नेहा अरोड़ा	सहायक आचार्य	दलित साहित्य, तुलनात्मक साहित्य
डॉ. देवेन्द्र रांकावत	सहायक आचार्य	पोस्टकोलोनियल अध्ययन, रचनात्मक लेखन
डॉ. वेद प्रकाश	सहायक आचार्य	विभाजन साहित्य, फिल्म अध्ययन, जीवन लेखन, सांस्कृतिक अध्ययन

शैक्षणिक गतिविधियां

1. विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/दौरा
विस्तार व्याख्यान श्रृंखला

क्र. स.	विशेषज्ञ	विषय	दिनांक
1	प्रो. प्रदीप त्रिखा (मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर)	चार्ल्स डिकेंस की समकालीन प्रासंगिकता: कठिन समय को फिर से समझना	30/09/2020
2.	प्रो. वी पी सिंह (लखनऊ विश्वविद्यालय)	यात्रा कथाओं की विविधता: वी एस नायपॉल से बिल ऐटकेन तक	07/10/2020
3.	डॉ. रितु सेन (एनआईटी नागपुर)	फिल्म आलोचना: क्रिटिकिंग कल्चर, फॉर्म, और अनुकूलन की प्रक्रिया	14/10/2020
4.	प्रो. इंद्रनील आचार्य (विद्यासागर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल)	हाशिये से साहित्य: एक स्वदेशी संदर्भ	21/10/2020
5.	डॉ कौस्तव बख्शी (जादवपुर विश्वविद्यालय)	भारत में क्वीर सिनेमा/क्वेरिंग सिनेमा	4/11/2020
6.	डॉ. समाना माधुरी विद्यासागर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल	द स्पाइडर वेब एंड द फॉरगॉटन ब्लूज़: बच्चों के सिनेमा में विशाल भारद्वाज के योगदान को याद करते हुए	11/11/2020
7.	सुश्री फराह नूर, फ्रीबर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी	ट्रांसग्रेसर्स: मेमोरी, स्टोरी, एंड डिज़ायर आफ्टर द पार्टिशन्स	27/2/2021
8.	डॉ. देवव्रत शर्मा, अंग्रेजी के सह- आचार्य (सरकारी पीजी कॉलेज, दौसा)	'इंडियन क्रिटिकल थ्योरी'	20/11/2020
9.	डॉ. निशि उपाध्याय, अंग्रेजी के सह- आचार्य (सरकारी पीजी कॉलेज, दौसा)	'कीट्स पोएट्री में कामुकता'	24/11/2020
10.	डॉ. अविनाश जोधा, अंग्रेजी के सह- आचार्य (सरकारी डूंगर कॉलेज, बीकानेर)	'हेमलेट के अनुकूलन'	25/11/2020
11.	डॉ. विनीता गोयल, अंग्रेजी के सह- आचार्य (सरकारी गर्ल्स कॉलेज, अलवर)	अलिज़बेथन ड्रामा: एक सामान्य अवलोकन	26/11/2020
12.	डॉ. बिदिशा कांता, अंग्रेजी के सह- आचार्य (प्रेसीडेंसी कॉलेज, कोलकाता)	क्रिस्टोफर मार्लो के 'डॉक्टर फॉस्टस'	03/12/2020

2. सम्मेलन / कार्यशाला / संगोष्ठी का आयोजन

- 'रचनात्मक लेखन ' विषय पर दिनाक 1 दिसंबर 2020 को कार्यशाला आयोजित की गयी जिसमे डॉ. अभिलाषा कौशिक, विभागाध्यक्ष अंग्रेजी (जेईसीआरसी विश्वविद्यालय) विशेषज्ञ थे।
- 'प्रभावी मौखिक संचार में इंटोनेशन और फोकस का उपयोग' विषय पर दिनाक 19 नवंबर 2020 को कार्यशाला आयोजित की गयी जिसमे डॉ. अभिलाषा कौशिक, विभागाध्यक्ष अंग्रेजी (जेईसीआरसी विश्वविद्यालय) विशेषज्ञ थे।

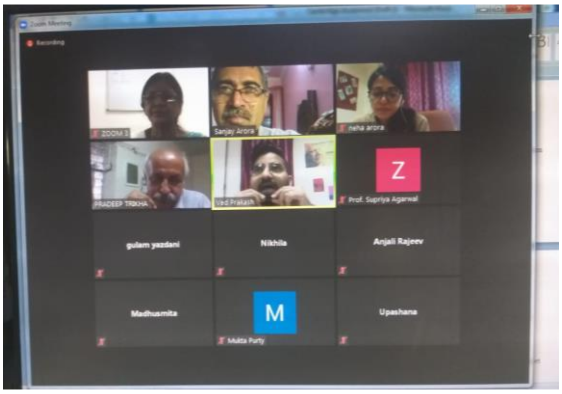

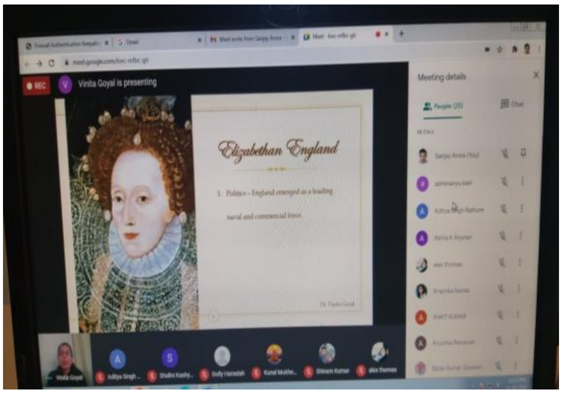

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला

हिन्दी विभाग

[विभागाध्यक्ष : प्रो. एन. लक्ष्मी अय्यर]

विभाग विभिन्न क्षेत्रों जैसे मीडिया अध्ययन, महिला अध्ययन, लोक साहित्य, कार्यात्मक हिंदी, और वर्तमान प्रवृत्ति की जरूरतों को पूरा करने वाली इसकी शैलियों में समाज की अनुसंधान चुनौतियों का सामना करने के उद्देश्य से ऊर्जावान रूप से काम कर रहा है। यह विभाग कई राज्यों के कुशल संकाय सदस्यों के साथ समृद्ध है, जिनके पास अनुसंधान का अत्यधिक अच्छा अनुभव है, तुलनात्मक रूप से विशेष लेखों, भारतीय उपन्यास, भारतीय कविताएं, लोक साहित्य, मीडिया विविधता में एकता के प्रतीक के रूप में खड़ा है। विभाग केंद्र सरकार के संस्थानों में राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए एक नोडल केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है।

संचालित कार्यक्रम

- हिन्दी में पीएच.डी.
- एम.ए. हिन्दी

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. एन. लक्ष्मी अय्यर	आचार्य	तुलनात्मक साहित्य
डॉ. शीतल प्रसाद महेंद्रा	सह-आचार्य	संत साहित्य, जन संचार
डॉ. जीतेन्द्र कुमार सिंह (लियन पर)	सहायक आचार्य	हिंदी आलोचना, भाषाविज्ञान, भाषा प्रौद्योगिकी और एनएलपी

डॉ. ममता खाण्डल	सहायक आचार्य	तुलनात्मक अध्ययन, अनुवाद, आधुनिक हिंदी साहित्य और कविता
डॉ. सुरेश सिंह राठौड़	सहायक आचार्य	कथा साहित्य, लोक साहित्य, आधुनिक कविता
डॉ. संदीप विश्वनाथराव रणभिरकर	सहायक आचार्य	भक्ति साहित्य, हिंदी कविता, कथा, महिला लेखन

निम्नलिखित छात्रों ने यूजीसी नेट/जेआरएफ उत्तीर्ण किया है:

- सुखाराम जेआरएफ 2019-2021
- सुखाराम जेआरएफ 2018-2020
- भूपेंद्र नेट 2018-2020
- चेनाराम नेट 2018-2020
- सुखाराम नेट 2018-2020
- सयारी जाट नेट 2018-2020
- हीना कंवर नेट 2019-2021
- सोना जाट नेट 2019-2021

भाषाविज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. सुप्रिया अग्रवाल
(स्वर्गीय) डॉ हेमंगा दत्ता
समन्वयक: डॉ धनपति शौग्रकपम

भाषाविज्ञान विभाग की स्थापना शैक्षणिक सत्र 2019-20 में की गई थी। यह भाषा विज्ञान में एकीकृत स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित करता है। एक अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण का उपयोग करके भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित विभाग व्याख्यान, व्यावहारिक प्रयोगशाला कार्य और कार्यशालाओं के माध्यम से भाषाविज्ञान में विविध तरीकों का उपयोग करने वाले छात्रों को व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करता है। मानव भाषा डेटा में मौजूद अंतर्निहित पद्धति की समझ विकसित करना मुख्य केंद्र बिंदु है तथा संज्ञानात्मक विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, जैविक विज्ञान के साथ ही भाषा के लिए गणितीय और कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण से प्रशिक्षण और अंतर्दृष्टि का विकास इसके पूरक हैं। कार्यक्रम छात्रों को कई सुविधाजनक बिंदुओं से अच्छी प्राकृतिक भाषा की घटनाओं से जुड़ने के लिए तैयार करता है और इस तरह उन्हें भाषाविज्ञान और उससे आगे के कैरियर के लिए तैयार करता है।

कार्यक्रम

भाषा विज्ञान में 5 वर्षीय एकीकृत एम.एससी.।

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
(स्व.) डॉ. हेमांग दत्ता	सह आचार्य	स्वर विज्ञान संबंधी सिद्धांत, लोन शब्द स्वर विज्ञान, ध्वन्यात्मक-स्वर विज्ञान इंटरफेस, सामाजिक-भाषा विज्ञान
डॉ. धनपति	सहायक आचार्य	आकृति विज्ञान, समाजशास्त्र, शब्दार्थ, शब्दावली, क्षेत्र भाषाविज्ञान और

सौग्रक्पम		संग्रह, भाषा प्रलेखन और विवरण
डॉ. साक्षी भाटिया	सहायक आचार्य	वाक्य-विन्यास, मनोभाषाविज्ञान, वाक्य-विन्यास शब्दार्थ इंटरफ़ेस, संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान, बहुभाषावाद
डॉ. सरिता शर्मा	सहायक आचार्य	सांकेतिक भाषा भाषाविज्ञान एवं व्याख्या अध्ययन, न्यूरोलिंग्विस्टिक्स, नैदानिक भाषा विज्ञान, पुनर्वास अध्ययन
डॉ. जे. मयूरी दिलीप	सहायक आचार्य	वाक्य-विन्यास, टाइपोलॉजी

शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. सम्मेलन/ कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

सीयूराज भाषा विज्ञान वार्ता श्रृंखला

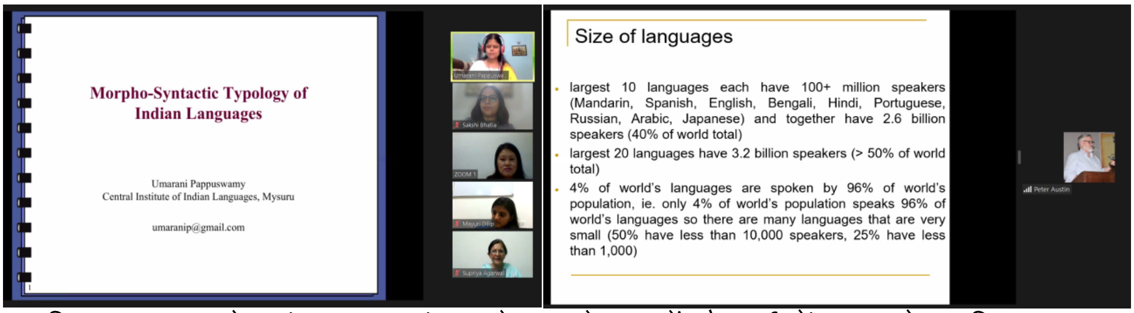

सितम्बर 2020 से प्रारंभ हुए इस श्रृंखला के भाग के रूप में नौ वार्ताओं का आयोजन किया गया।

- डॉ. अमलेश गोपे (सहायक आचार्य, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर): एकाउस्टिक फोनेटिक्स: इंस्ट्रुमेंटल टेक्निक्स, डेटा एनालिसिस एण्ड मॉडलिंग।
- डॉ. आयवी हॉसर (सहायक आचार्य, टेक्सास विश्वविद्यालय, अर्लिंग्टन, संयुक्त राज्य अमेरिका): वाय आर सम स्पीकर मोर वेरिएबल देन अदर्स? इंडिविजुअल डिफरेंसेज इन इंग्लिश, हिन्दी, एण्ड मेंडारिन।
- प्रो. पीटर के. ऑस्टिन (ऐमेरिटस आचार्य, ओरिएंटल और अफ्रीकी अध्ययन का स्कूल, लंदन विश्वविद्यालय,यूनाइटेड किंगडम): लोकल एण्ड ग्लोबल लिंग्विस्टिक डायवर्सिटी - वाट इज इट एण्ड वाट केन वी डू अबाउट इट?
- प्रो. प्रमोद पाण्डे (ऐमेरिटस आचार्य, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली): लिंग्विस्टिक्स एण्ड अदर पर्सपेक्टिव्स ऑन द सेलेबल।
- प्रो. हेमलता नागाराजन (आचार्य, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद) : लैंग्वेज गेम्स।
- डॉ. सोमदेव कर (सह आचार्य, भाषा विज्ञान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़): डुइंग फोनोलॉजी:रूल्स एण्ड कांस्ट्रेंट्स।
- डॉ. शांतनु घोष (सह आचार्य, भारतीय और विदेशी भाषा संकाय, अकाल विश्वविद्यालय तलवंडी साबो): हाउ टू डू रिसर्च इन न्यूरोलिंग्विस्टिक्स एण्ड साइकोलिंग्विस्टिक्स विथ न्यूरोइमेजिंग टूल्स?

- डॉ. मैथिली मेनन (सहायक आचार्य एवं निदेशक, भाषा विज्ञान कार्यक्रम, विचिटा स्टेट यूनिवर्सिटी, संयुक्त राज्य अमेरिका): द कंपोजिशनेलिटी ऑफ कलर एक्सप्रेशन एक्रोस लैंग्वेजेज।
- प्रो. उमरानी पप्पूस्वामी (आचार्य एवं उप निदेशक, केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर, भारत): मॉर्फोसिन्टैक्टिक टाइपोलॉजी इंडियन लैंग्वेजेज।

आयोजन समिति: प्रो. सुप्रिया अग्रवाल (संयोजक), (स्व.) डॉ. हेमांग दत्ता (आयोजक), डॉ. धनपति सोग्रक्पम एवं डॉ. साक्षी भाटिया (समन्वयक)

राकेविवि अंतर्राष्ट्रीय भाषाविज्ञान संगोष्ठी: रिसेंट थ्योरीज इन लिंग्विस्टिक्स एण्ड देअर एप्लीकेशंस

17-18 मार्च, 2021 को आयोजित इस 2 दिवसीय संगोष्ठी में 12 वार्ताएं शामिल थीं।

- प्रो. डैफिड गिब्बन (बीलेफेल्ड विश्वविद्यालय, जर्मनी): फोनेटिक्स एण्ड स्पीच साइंस: एप्रोचेज टू प्रोसोडी डेस्क्रिप्शन
- डॉ. उत्पल लहिरी (अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद): सिमेंटिक्स इन लिंग्विस्टिक थ्योरी
- प्रो. गिरीश नाथ झा (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली): मेथड्स, मॉडल्स एण्ड रिसोर्सेज इन कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स एण्ड एआई
- प्रो. शोभा सत्यनाथ (दिल्ली विश्वविद्यालय): ए वेरिएशनिस्ट एप्रोच टू लैंग्वेज: मॉडलिंग डायवर्सिटी
- डॉ. ब्रायन डिलोन (मैस्कट विश्वविद्यालय, अमेरीका): इंक्रीमेंटल प्रोसेसिंग ऑफ सिंटेक्स: इनसाइट्स फ्रॉम एग्रीमेंट
- प्रो. माइकल केनस्टोविक्ज़ (मैस्कट प्रौद्योगिकी संस्थान, अमेरीका): लोनवर्ड फोनोलॉजी: मोटिवेशन एंड केस स्टडीज
- डॉ. समीर उद दौला खान (रीड महाविद्यालय, अमेरिका): वर्ल्ड-लेवल इंटोनेशन एक्रोस राजस्थान एण्ड साउथ एशिया
- डॉ. इशानी गुहा (दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली): वर्ड ऑर्डर एण्ड मीनिंग: इंटेरेक्शन बिटविन स्क्रेम्बलिंग एण्ड क्वांटिफायर स्कोप
- प्रो. उमा माहेश्वर राव (हैदराबाद विश्वविद्यालय): लैंग्वेज टेक्नोलॉजी: स्पेनिंग लैंग्वेज बेरियर्स
- डॉ. अरूप कुमार नाथ (तेजपुर विश्वविद्यालय, असम): लिंग्विस्टिक इंपिरिएलाइजम, लिंग्विस्टीक राइट्स एण्ड एनईपी 2020: ए ट्रांसलैंग्वेजिंग पर्सपेक्टिव
- डॉ. ग्रेस डिडला (अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद): फोरेंसिक फोनेटिक्स: एन रिव्यू
- प्रो. इम्तियाज हसनैन (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़): फ्रॉम सोशियालिंग्विस्टिक्स टू क्रिटिकल सोशियोलिंग्विस्टिक्स

आयोजन समिति: प्रो. सुप्रिया अग्रवाल (अध्यक्ष), (स्व.) डॉ. हेमांग दत्ता (आयोजक), डॉ. धनपति सोग्रक्पम, डॉ. साक्षी भाटिया, डॉ. सरिता शर्मा, डॉ. जे. मयुरी दिलीप (संगोष्ठी समन्वयक)

1. उपलब्ध संकाय

कंप्यूटर प्रयोगशाला

अतिरिक्त शैक्षणिक गतिविधियाँ

ललित कला क्लब, सांस्कृतिक समिति के कार्यक्रमों में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में विभाग के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

पुरस्कार/प्रशंसा

(स्व.) डॉ हेमंगा दत्ता को एज इंडिया पब्लिशिंग प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली द्वारा 'शिक्षण में उत्कृष्टता (4 सितारे)' से सम्मानित किया गया।

डॉ. सरिता शर्मा को देश में भारतीय सांकेतिक भाषा के माध्यम से श्रवण दिव्यांगों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सरकारी पहल में उनके योगदान के लिए दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (दिव्यांगजन), सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार से प्रशंसा पत्र (दिनांक 9 मार्च 2021) प्राप्त हुआ।

जीवन विज्ञान स्कूल

अधिष्ठाता: प्रो. पवन कुमार दाधीच

विभाग
• जैव रसायन विभाग
• जैव प्रौद्योगिकी विभाग
• सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग

जीवन विज्ञान स्कूल की स्थापना वर्ष 2012 में अंतर्विषयक शिक्षण एवं आधुनिक जीव विज्ञान में अनुसंधान पर जोर देने के उद्देश्य से की गयी। इस स्कूल में वर्तमान में चौबीस शिक्षक एवं सात सहयोगी कर्मचारी हैं। इसके अतिरिक्त, इस विभाग में अनेक पोस्टडॉक्टोरल अध्येता कार्यरत हैं। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में जीवन विज्ञान स्कूल प्रत्येक संकाय हेतु अत्याधुनिक प्रोयागशाला और प्रत्येक विभाग में केंद्रीय यंत्रविन्यास की सुविधा के साथ अपने स्थायी भवन में स्थानांतरित हो गया है। इस नये भवन में जीवन विज्ञान स्कूल में आधुनिक सेमिनार कक्ष, सभागार एवं स्मार्ट कक्षा भी हैं।

जैव रसायन विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. संजीब के. पांडा

जैव रसायन विभाग का उद्देश्य अनुप्रयोग आधारित शिक्षण के माध्यम से जैव रसायनिक अभिक्रियाओं की दुनिया को समझने के लिए विभिन्न पृष्ठभूमियों से युवाओं को प्रोत्साहित करना है। यह शिक्षा उनकी तर्कशक्ति में वृद्धि करेगी तथा उन्हें भविष्य में अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी आजीविका के साथ ही सीएसआईआर-यूजीसी नेट, आईसीएमआर तथा गेट जैसी उच्च प्रतिस्पर्धी राष्ट्रीय परीक्षाएँ उत्तीर्ण करने के लिए प्रशिक्षित करेंगी। यहाँ रटने की अपेक्षा विषय को समझने पर अधिक जोर दिया जाता है तथा साथ ही छात्रों को अन्य विभागों द्वारा संचालित अतिरिक्त पाठ्यक्रम का चयन कर अपनी क्षमता का विकास करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

संचालित कार्यक्रम

- जैव रसायन में पीएच.डी.
- जैव रसायन में एम.एससी.
- जैव रसायन में एकीकृत एम.एससी.

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. संजीब के. पांडा	आचार्य	प्लांट फंक्शनल जीनोमिक्स, जीनोम एडिटिंग एण्ड जेनेटिक इंजीनियरिंग, प्लांट मोलेक्यूलर बायलॉजी एण्ड बायोकैमिस्ट्री
प्रो. चण्डी चरण मंडल	आचार्य	सेल्यूलर सिग्नलिंग एसोशिएटेड विथ कैंसर एण्ड बोन बायलॉजी
डॉ. विश्वनाथ तिवारी	सहायक आचार्य	बैक्टेरियल रेसिस्टेंस, होस्ट-पैथोजन इंटेरेक्शन, ड्रग डिस्कवरी एण्ड वैक्सीन डिजाइन, नैनोमेडिसीन
डॉ. किरण के. तेजावत	सहायक आचार्य	नैनो मेडिसीन एण्ड ड्रग डिलीवरी अगेंस्ट वेरियस कैंसर सैल्स

डॉ. विजय के. प्रजापति	सहायक आचार्य	इंफेक्शियस बायलॉजी एण्ड ड्रग डिस्कवरी
डॉ. शिव स्वरूप	सहायक आचार्य	प्रोटीन इंजीनियरिंग एण्ड स्टेबिलिटी, वैक्सीन डिजाइन, बायोफिजिक्स, सिंथेटिक बायलॉजी
डॉ. दीपक गयन	सहायक आचार्य	जिनोमिक्स, प्रोटियोमिक्स, मोलेक्यूलर बायलॉजी एण्ड जेनेटिक इंजीनियरिंग ऑफ प्लाण्ट
डॉ. भावना बिस्सा	सहायक आचार्य	ट्यूमर मेटाबोलिक हिटेरोजिनिएटी एण्ड रोल ऑफ ऑटोफेगी इन कैंसर मेटाबॉलिज़्म, नेना-सैल ऑटोनोमस फंक्शंस ऑफ ऑटोफेगी
डॉ. धनेश्वर प्रुष्टि	युजीसी एफआरपी सहायक आचार्य	मोलेक्यूलर पैरासाइटोलॉजी एण्ड ड्रग डिस्कवरी

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/ अतिथि व्याख्यान/ सेमिनार/ दौरा

नाम	कार्यक्रम	तिथि
युनिवर्सल एक्सेस टू वैक्सीन एण्ड मेडिसीन एज ए फाइट अंगेंस्ट कोविड-19 पर राष्ट्रीय वेबिनार	राष्ट्रीय वेबिनार	23 जून 2021
बायोटेक्नोलॉजी फॉर क्रोप रेजिलिएंस एण्ड सस्टेनेबिलिटी इन पोस्ट कोविड-19 इरा	अंतरराष्ट्रीय वेबिनार	5 अगस्त 2020

बाह्य अनुदान प्राप्ति

- चालू वर्ष (2020-21) में, विभाग में भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी, सीएसआईआर, डीबीटी, और डीएसटी-एसईआरबी द्वारा स्वीकृत रुपये 153.7 लाख की विभिन्न बाह्य वित्त पोषित परियोजनाएं चल रही हैं।

उपलब्ध उपकरण/ सुविधाएँ

- एलिसा रीडर वर्ष 2020-2021 में प्राप्त किया गया।

संकाय को प्रदत्त पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

संकाय का नाम	पुरस्कार का नाम	वर्ष	एजेंसी/ संस्था सोसायटी
प्रो. एस.के. पांडा	विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में शामिल	2020	स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, अमेरीका
डॉ. विश्वनाथ तिवारी	आईसीएमआर अवॉर्ड 2019- कमल सतबीर अवॉर्ड	मई 2021	भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

क्र.सं.	नाम	पंजीकरण सं.	योग्यता	कार्यक्रम	सेमेस्टर
1	वैष्णवी त्रिपाठी	2019एमएसबीसी020	सीएसआईआर नेट जेआरएफ(2020)	एम.एससी. जैव रसायन	III
2	दीपिका	2019एमएसबीसी007	गेट (2021) सीएसआईआर नेट एल.एस. (2020)	एम.एससी. जैव रसायन	III
3	हेमंत कुमार	2019एमएसबीसी008	डीबीटी जेआरएफ (2020), गेट(2021), सीएसआईआर नेट एल.एस. (2020)	एम.एससी. जैव रसायन	III
4	अक्षय पी एस	2016आईएमएसबीसी001	गेट 2021	एकीकृत एम.एससी. जैव रसायन	IX
5	प्रशांत पुरी	2019एमएसबीसी016	गेट 2021	एम.एससी. जैव रसायन	III
6	प्रतिमा झंवर	2016आईएमएसबीसी012	गेट 2021	एकीकृत एम.एससी. जैव रसायन	IX
7	करिश्मा रावत	2019एमएसबीसी009	गेट 2021	एम.एससी. जैव रसायन	III
8	कार्तिकेय शर्मा	2019एमएसबीसी010	गेट 2021, टीआईएफआर, 2021	एम.एससी. जैव रसायन	III
9	आकाश चौधरी	2019एमएसबीसी001	गेट 2021	एम.एससी. जैव रसायन	III
10	सीमा कुलदीप	2016आईएमएसबीसी014	गेट 2021	एकीकृत एम.एससी. जैव रसायन	IX
11	रविन्द्र बैरवा	2019एमएसबीसी018	डीबीटी-बीईटी 2021	एम.एससी. जैव रसायन	III

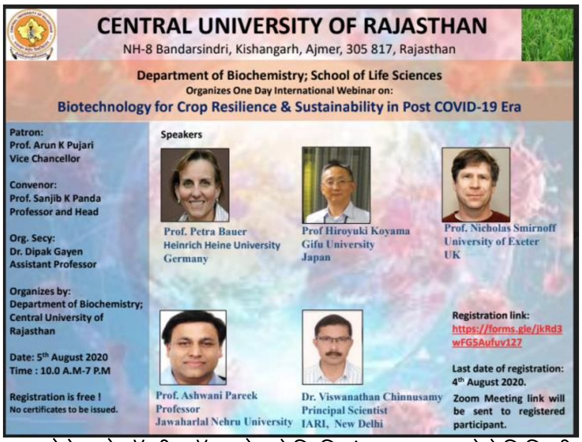

"बायोटेक्नोलॉजी फॉर क्रोप रेजिलिएंस एण्ड सस्टेनेबिलिटी इन पोस्ट कोविड-19 इरा" पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार, जैव रसायन विज्ञान विभाग, 5 अगस्त 2020

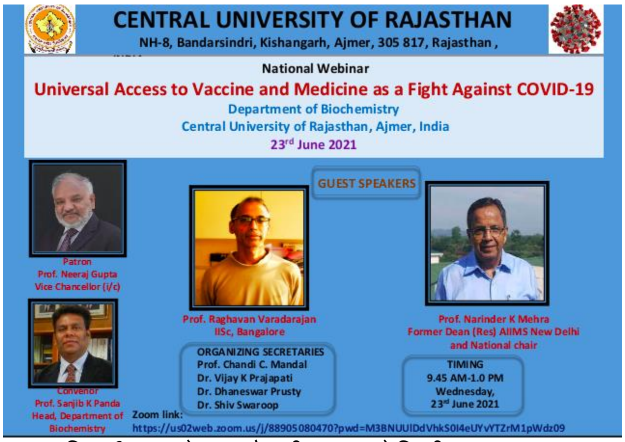

"युनिवर्सल एक्सेस टू वैक्सीन एण्ड मेडिसीन एज ए फाइट अगेंस्ट कोविड-19" पर राष्ट्रीय वेबिनार, जैव रसायन विज्ञान विभाग, 23 जून 2021

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. पवन कुमार दाधीच

जीवन विज्ञान स्कूल के तहत सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग जुलाई 2012 में अस्तित्व में आया। इसकी स्थापना के बाद से विभाग ने मौलिक और व्यावहारिक सूक्ष्म जीव विज्ञान में शिक्षण के मुख्य उद्देश्य प्राप्त करने एवं विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने तथा शिक्षा जगत/ अनुसंधान और उद्योगों के लिए सूक्ष्म जीव वैज्ञानिकों की मांग को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया है। विभाग में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय विश्वविद्यालय/ शोध संगठन के समतुल्य गुणवत्तापूर्ण शोध किया जाता है तथा राजस्थान में सम्पन्न समुदाय की सूक्ष्म जैव विविधता में भागीदारी विकसित की जाती है।

संचालित कार्यक्रम

- सूक्ष्म जीव विज्ञान में पीएच.डी.
- सूक्ष्म जीव विज्ञान में एम.एससी.
- सूक्ष्म जीव विज्ञान में एकीकृत एम.एससी.

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. पवन कुमार दाधीच	आचार्य	माइक्रोबायल डायवर्सिटी एण्ड फायलोजेनेटिक्स, मेटाजीनोमिक्स, साइनोबैक्टेरियल बायोप्रोस्पेक्टिंग, साइनोटॉक्सिन्स
प्रो. प्रदीप वर्मा	आचार्य	फर्मेन्टेशन एण्ड बायोप्रोसेस टेक्नोलॉजी, बायोफ्यूल्स
प्रो. इन्शाद अली खान	आचार्य	क्लीनिकल माइक्रोबायोलॉजी फोकसिंग ऑन द आइडेंटिफिकेशन ऑफ न्यू टारगेट्स/ न्यू कंपाउंड्स/ न्यू टारगेट-बेस्ड असेज अगेंस्ट माइक्रोबैक्टेरियम ट्यूबरकुलोसिस एंड बैक्टेरियल एफ्लक्स पंप इन्हींबिशन
डॉ. अरविंद प्रताप सिंह	सहायक आचार्य	एंटीमाइक्रोबॉयल रेजिस्टेंस इन नॉन-क्लिनिकल सेटिंग्स, एनिमल माइक्रोबायोम
डॉ. अखिल अग्रवाल	सहायक आचार्य	पेट्रोलियम माइक्रोबायोलॉजी, मेटैजिनोमिक्स, साइनोबैक्टीरियल बायोटेक्नोलॉजी
डॉ. निधि पारीक	सहायक आचार्य	माइक्रोबॉयल प्रोटियोमिक्स, मैरीन बायोप्रोस्पेक्टिंग बायोप्रोसेस डेवलपमेंट
डॉ. चन्द्र शेखर गहन	सहायक आचार्य	बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग एंड बायो- हाइड्रोमेटालर्जिकल इंजीनियरिंग
डॉ. दीक्षा त्रिपाठी	सहायक आचार्य	मोलेक्यूलर बायलॉजी ऑफ इनफेक्शियस डिजीजेस, हॉस्ट-पैथोजीन इंटेरेक्शन्स,
डॉ. विजय कुमार वर्मा	सहायक आचार्य	मॉलिक्यूलर सैल बायोलॉजी एंड केमिस्ट्री ऑफ इनफेक्शियस डिजीज

शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. बाह्य अनुदान की प्राप्ति

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार ने पांच साल (2016-2021) की अवधि के लिए डीएसटी-एफआईएसटी (स्तर 1 श्रेणी) कार्यक्रम के तहत 45 लाख रुपये मंजूर किए।
- विभाग में भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी, सीएसआईआर, डीबीटी और डीएसटी-एसईआरबी द्वारा स्वीकृत रुपये 445.3 लाख की विभिन्न बाह्य वित्त पोषित परियोजनाएं चल रही हैं।

2. उपलब्ध उपकरण/ सुविधाएँ

- कम्पाण्ड माइक्रोस्कोप
- थर्मल साइकलर पीसीआर
- रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज
- शेकिंग वाटरबाथ
- इलैक्ट्रोफोरेसिस शेकर
- इन्क्यूबेटर शेकर
- ऑटोक्लेव
- एनालिटिकल बैलेंस
- कूलिंग इन्क्यूबेटर
- यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
- रोटा इवापोरेटर
- जैव सुरक्षा कैबिनेट
- सेंट्रीफ्यूजेस
- लैमिनार एयर फ्लो
- थर्मो शेकर
- डीप फ्रीजर (-80^0 एवं -20^0)
- सीओ2 इन्क्यूबेटर
- आरटी-पीसीआर (एलसी-96)

➢ **केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधा**

- अल्ट्रा सेंट्रीफ्यूज (बेकमैन कल्टर)
- फास्ट प्रोटीन लिक्विड क्रोमेटोग्राफी (एल्पीएलसी) सिस्टम (जीई हैल्थकेयर)
- फोटोऑटोट्रोफिक कल्चर लैबोरेट्री

➢ **डीएसटी-एफआईएसटी द्वारा प्रायोजित उपकरणों की सुविधा (अनुदान सं. एसआर.एफएसटी/एलएसआई-676/2016(LH)**

- जेल डॉक टीएम एक्सआर सिस्टम (बायो-राड)
- थर्मो साइक्लर पीसीआर सी1000 (बायो-राड)
- डिस्टिलेशन युनिट (मेर्क)
- डिस्टिलेशन स्पैक्ट्रोफोटोमीटर (शिमाद्ज़ू)
- हाई-स्पीड सैंट्रीफ्यूज (बेकमैन कल्टर)
- इंक्यूबेटर शेकर (लैब टेक)
- बायोफोर्मेटिक्स लैबोरेट्री

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

- प्रो. प्रदीप वर्मा को द माइकोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया से "फंगल माइक्रोबायोलॉजी" के क्षेत्र में "प्रो. पी.सी. जैन मेमोरियल अवार्ड 2021 एण्ड माइकोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इण्डिया(एमएसआई)-फैलो 2020" मिला।

एमएससी माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला

नव-स्थापित लाइफिलाइजेशन सुविधा

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. पंकज गोयल

आधुनिक अनुसंधान के क्षेत्र की चुनौतियों में उन्नत प्रशिक्षण के साथ जैव प्रौद्योगिकी का मौलिक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से जैव प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना वर्ष 2011 में की गयी। इस विभाग की गतिविधियाँ परास्नातक, स्नातक तथा डॉक्टोरल विद्यार्थियों को अनुसंधान आधारित दृष्टिकोण प्रदान करने पर केंद्रित है। इसके अतिरिक्त, सामाजिक समस्याओं पर कार्य करने हेतु विद्यार्थियोंको शोध आधारित दृष्टिकोण प्रदान करने पर केंद्रितहै। इसके अलावा, सामाजिक समस्याओं पर कार्य करने हेतु विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक और नया दृष्टिकोण उत्पन्न करने के लिए विभागीय सेमीनार आयोजित की जाती है।

संचालित कार्यक्रम

- जैव प्रौद्योगिकी में पीएच.डी.
- जैव प्रौद्योगिकी में एम.एससी. (2 वर्षीय कार्यक्रम)
- जैव प्रौद्योगिकी में एकीकृत एम.एससी. (5 वर्षीय कार्यक्रम)

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. ए.के. गुप्ता (31 अक्टूबर 2019 को सेवानिवृत्त)	आचार्य (अनुबंध)	प्लाण्ट मोलीकूलर बायलॉजी एण्ड फंक्शनल जीनोमिक्स
डॉ. पंकज गोयल	सह आचार्य	मोलेक्यूलर मेडिसिन एण्ड प्रैग्नेंसी डिस्ऑर्डर
डॉ. जन्मेजय पांडे	सहायक आचार्य	माइक्रोबायल जीनोमिक्स एण्ड मेटाजिनोमिक्स
डॉ. तरूण के. भट्ट	सहायक आचार्य	मोलेक्यूलर पैरासाइटोलॉजी
डॉ. सुमन तपरयाल	सहायक आचार्य	एण्टीबॉडी इंजीनियरिंग एण्ड वैक्सीन डेवलोपमेंट
डॉ. जय कांत यादव	सहायक आचार्य	प्रोटीन फोल्डिंग एण्ड एग्रीगेशन
डॉ. जयेन्द्र नाथ शुक्ला	सहायक आचार्य	इंसेक्ट जेनेटिक्स एण्ड मोलेक्यूलर बायलॉजी
डॉ. सुरेन्द्र निमेश	यूजीसी एफआरपी	नैनोटेक्नोलॉजी-बेस्ड ड्रग एण्ड जीन डिलीवरी

	सहायक आचार्य	
डॉ. विवेक वर्मा	रामालिंगास्वामी फैलो	प्लाण्ट स्ट्रेस बायलॉजी

शैक्षणिक गतिविधियाँ

बाह्य अनुदान प्राप्ति

- विभाग में भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी, सीएसआईआर, डीबीटी, और डीएसटी-एसईआरबी, आदि द्वारा स्वीकृत रुपये 317.5 लाख की विभिन्न बाह्य वित्त पोषित परियोजनाएं चल रही हैं।
- विभाग को चालू वर्ष (2020-21) में रुपये 60.0 लाख का बाह्य अनुदान प्राप्त हुआ है।

खरीदे गए उपकरण/ वर्ष 2020-21 के दौरान उपलब्ध सुविधाएँ

- स्टीरियोस्कोपिक माइक्रोस्कोप
- पीसीआर
- रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज
- शेकिंग वाटरबाथ
- इलैक्ट्रोफोरेसिस सिस्टम
- इंक्यूबेटर शेकर
- सोनिकेटर
- ऑटोक्लेव
- फ्लोसाइटोमीटर
- एनालिटिकल बैलेंस
- कूलिंग इंक्यूबेटर
- डीप फ्रिजर
- कोल्ड केबिनेट
- लेमिनार एयर फ्लो
- तरल एन2 भंडारण कंटेनर, नाइट्रोजन गैस सिलेंडर
- यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
- ग्रीन हाउस
- रोटेरी इवापोरेटर
- फ्लोरेसेंट माइक्रोस्कोप
- मल्टीगेस इंक्यूबेटर
- बायोसेफ्टी केबिनेट
- सेंट्रीफ्यूजेस
- लियोफिलिज़र
- कम्प्यूटर वर्कस्टेशंस
- ट्रांसब्लोट
- थर्मो शेकर
- नैनोड्रोप
- फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोमीटर

पशु कोशिका संवर्धन सुविधा

अनुसंधान प्रयोगशाला

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

छात्र

क्र.सं.	नाम	उपलब्धियाँ
1	हर्षिता अग्रवाल	i. जीव विज्ञान विषय में नवम्बर 2020 को संयुक्त सीएसआईआर-

	एकीकृत एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम (2016-2021)	यूजीसी नेट जेआरएफ में एआईआर-177 उत्तीर्ण ii. आईआईटी जोधपुर में पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश लिया (अगस्त 2021)
2	लवली जोशी एकीकृत एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम (2016-2021)	i. जीव विज्ञान विषय में दिसम्बर 2019 को संयुक्त सीएसआईआर-यूजीसी नेट जेआरएफ में एआईआर-44 उत्तीर्ण की ii. जैव प्रोद्योगिकी एआईआर-892 में गेट 2021 उत्तीर्ण की iii. जैव प्रोद्योगिकी विषय एआईआर-1039 में गेट 2021 उत्तीर्ण की iv. सीएसआईआर-आईजीआईबी में पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश लिया (अगस्त 2021)
3	नीलम (2016आईएमएसबीटी008) एकीकृत एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम (2016-2021)	जैव प्रोद्योगिकी विषय एआईआर-2783 में गेट 2021 उत्तीर्ण की
4	रजनी चौधरी एकीकृत एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम (2016-2021)	गेट इकोलॉजी एण्ड इवोल्यूशन में एआईआर-315 उत्तीर्ण की गेट जीवन विज्ञान में एआईआर-710 उत्तीर्ण की
5	अंजलि निशा एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम (2016-2021)	i. एसीटीआरईसी परीक्षा में 18वां स्थान प्राप्त किया तथा प्रतीक्षा सूची में रखा गया है ii. एनआईआई परीक्षा में 7वां स्थान प्राप्त किया iii. गेट जीवन विज्ञान में एआईआर-3442 उत्तीर्ण की।
6	दीपाली गुप्ता - 2019एमएसबीटी006 एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम (2019-2021)	i. जेजीईईबीआईएलएस 2021 उत्तीर्ण की। ii. गेट-जीवन विज्ञान में एआईआर-3586 उत्तीर्ण की। iii. गेट- जैव प्रौद्योगिकी में एआईआर-2401 उत्तीर्ण की, 2021
7	हर्षवर्धन सिंह एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम (2019-2021)	i. जीवन विज्ञान विषय में दिसम्बर 2019 को संयुक्त सीएसआईआर-यूजीसी नेट में एआईआर-64 उत्तीर्ण की। ii. जीवन विज्ञान विषय में दिसम्बर 2020 को संयुक्त सीएसआईआर-यूजीसी नेट में एआईआर-94 उत्तीर्ण की। iii. जीवन विज्ञान विषय में 2020 को डीबीटी नेट में एआईआर-94 उत्तीर्ण की। iv. जीवन विज्ञान विषय में प्रौद्योगिकी (गेट) 2021 में स्नातक योग्यता परीक्षा में एआईआर-666 उत्तीर्ण की। v. जैविक विज्ञान में टीआईएफआर जेजीईईबीआईएलएस 2021 उत्तीर्ण की। vi. भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, भोपाल में पीएचडी कार्यक्रम (अगस्त 2021) में प्रवेश लिया।
8	लैसी लवलीन एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम (2019-2021)	गेट-जैव प्रौद्योगिकी 2021 में एआईआर-1685 उत्तीर्ण की।

गणित, सांख्यिकी और कम्प्यूटेशनल विज्ञान स्कूल

विभाग

- कंप्यूटर विज्ञान विभाग
- गणित विभाग
- सांख्यिकी विभाग
- डेटा विज्ञान और विश्लेषण विभाग

अधिष्ठाता: प्रो. जुगल के. प्रजापति

स्कूल बहु-विषयक और अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण को अपनाते हुए, लागू अग्रणी क्षेत्रों में युवा छात्रों को भविष्य के शोधकर्ताओं के रूप में संवेदनशील और प्रशिक्षित करने का प्रयास करता है। स्कूल आईसीटी और संबंधित उद्योगों और अनुसंधान संगठनों के अनुसंधान और विकास के लिए भी छात्रों को प्रशिक्षित करता है। स्कूल का गणित विभाग उच्च और प्लस टू दोनों स्तरों के लिए गणित के शिक्षकों को तैयार करने के लिए एक कार्यक्रम चला रहा है। स्थानीय और वैश्विक जरूरतों के लिए इस स्कूल के विभागों द्वारा विभिन्न अभिनव कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

प्रमुख: डॉ ममता रानी

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने वर्ष 2010-11 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में विशेषज्ञता सहित एम.एससी.(सीएस) कार्यक्रम के साथ कंप्यूटर विज्ञान विभाग शुरू किया, बाद में विभाग ने कंप्यूटर विज्ञान में पीएचडी, एकीकृत एमएससी, (कंप्यूटर विज्ञान, 5 वर्षीय कार्यक्रम) और एम.टेक (कंप्यूटर विज्ञान) साइबर-भौतिक प्रणाली, की शुरुआत की। विभाग का दृष्टिकोण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में उत्कृष्टता पैदा करना है। विभाग का प्रमुख उद्देश्य अपने छात्रों को सर्वोत्तम अभ्यास और अनुसंधान अनुभव प्रदान करने हेतु कंप्यूटर विज्ञान में अनुसंधान में प्रगति करना है।

कार्यक्रम

- कंप्यूटर विज्ञान में पीएच.डी.
- एम. एससी. कंप्यूटर विज्ञान (2 वर्षीय)
- एम. टेक. कंप्यूटर विज्ञान
- एकीकृत एम. एससी. कंप्यूटर विज्ञान (5 वर्षीय)

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. ममता रानी	सह आचार्य	फ्रैक्टल ग्राफिक्स और चाओस, स्वार्म इंटेलिजेंस, इवोल्यूशनरी एल्गोरिदम, चाओटिक क्रिप्टोग्राफी, वैदिक विज्ञान
डॉ. निष्ठा केसवानी	सहायक आचार्य	वायरलेस नेटवर्क, इंटरनेट ऑफ थिंग्स
श्री गौरव मीना	सहायक आचार्य	मशीन लर्निंग, सूचना सुरक्षा
श्री रवि राज	सहायक आचार्य	छवि प्रसंस्करण, एल्गोरिदम
डॉ. कृष्ण कुमार मोहबे	सहायक आचार्य	डाटा माइनिंग, मोबाइल ई-कॉमर्स, क्लाउड कंप्यूटिंग
डॉ. अजय इंडियन	सहायक आचार्य	इमेज प्रोसेसिंग, तंत्रिका नेटवर्क, डेटा माइनिंग

शैक्षणिक गतिविधियां

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/सेमिनार/विजिट

नाम	घटना	तिथि
डॉकगीता वेंकटेश्वर राव ., एनआईटी, वारंगल	ऑनलाइन वेबिनार	21/09/2020
प्रो एस एम .हजारिका, आईआईटी, गुवाहाटी	ऑनलाइन वेबिनार	22/09/2020
श्री सुब्बा रेड्डी, वाउंडटेक इनोवेटिव हेल्थकेयर सॉल्यूशंस	ऑनलाइन वेबिनार	23/09/2020
डॉ आसिफ इकबाल, आईआईटीपटना ,	ऑनलाइन वेबिनार	24/09/2020
प्रो सिबा के उदगाता उदगाता विश्वविद्यालय	ऑनलाइन वेबिनार	25/09/2020

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां

• विभाग में 21 से 25 सितंबर, 2020 तक "रीसेंट ट्रेंड्स एंड फ्यूचर अपॉर्चुनिटीज ऑन डीप लर्निंग" पर पांच दिवसीय ऑनलाइन एफडीपी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (एटीएएल) अकादमी द्वारा प्रायोजित किया गया था।

परिवारों, समुदायों और राष्ट्र के वैश्वीकरण पर विभागीय ऑनलाइन वेबिनार

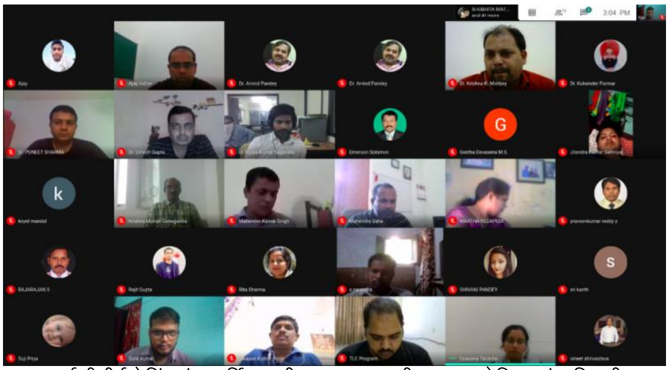

एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (एटीएएल) अकादमी द्वारा प्रायोजित पांच दिवसीय ऑनलाइन एफडीपी

गणित विभाग

विभागाध्यक्ष : प्रो. डी.सी. शर्मा

विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 2009 के प्रथम वर्ष में ही गणित विभाग की स्थापना की गई थी। विभाग का उद्देश्य शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित के लिए अच्छे गणित शिक्षकों और शोधकर्ताओं को तैयार करना और उद्योगों और अनुसंधान से संबंधित अनुसंधान संगठन और विकास के लिए आवश्यक प्रशिक्षित जनशक्ति तैयार करना है।

कार्यक्रम

- पीएच.डी. , गणित
- एम.एस.सी., गणित (2 वर्षीय)
- एकीकृत एम.एस.सी, बीएड, गणित (3 वर्षीय)
- एकीकृत एम.एस.सी, गणित (5 वर्षीय)

संकाय

नाम	*पदनाम*	*विशेषज्ञता का क्षेत्र*
प्रो. डी.सी. शर्मा	आचार्य	ऑपरेशनल रिसर्च, गणितीय प्रोग्रामिंग और मशीनिंग प्रणाली

प्रो. जुगल के. प्रजापति	आचार्य	कॉम्प्लेक्स एनालिसिस, जियोमेट्रिक फंक्शन थ्योरी, प्लानर हार्मोनिक मैपिंग, फ्रैक्शनल कैलकुलस
डॉ आनंद कुमार	सहायक आचार्य	द्रव गतिकी, मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक्स, सीमा परत सिद्धांत
डॉ विद्योत्तमा जैन	सहायक आचार्य	फ़ज़ी ऑप्टिमाइजेशन, ऑपरेशंस रिसर्च, कम्युनिकेशन सिस्टम का प्रदर्शन विश्लेषण
डॉ. राम किशोर	सहायक आचार्य	आकाशीय यांत्रिकी, गतिशील प्रणाली, अरेखीय गतिकी और चाओस, मिशन डिजाइन
डॉ. जे. पी. त्रिपाठी	सहायक आचार्य	गणितीय पारिस्थितिकी, महामारी विज्ञान, अरेखीय गतिकी, गतिशील प्रणाली
डॉ. विजय कुमार यादव	सहायक आचार्य	फ़ज़ी सेट थ्योरी, फ़ज़ी टोपोलॉजी, फ़ज़ी ऑटोमेटा थ्योरी, श्रेणी सिद्धांत
डॉ विपुल कक्कड़	सहायक आचार्य	बीजगणितसिद्धांत समूह :
डॉ. आशा कुमारी मीना	सहायक आचार्य	हाइपरबोलिक आंशिक अंतर समीकरणों के लिए कम्प्यूटेशनल तरीके

शैक्षणिक गतिविधियां

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/सेमिनार/दौरा

प्राप्त बाह्य निधि

भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों द्वारा 28.20 लाख रुपये की विभिन्न बाह्य वित्त पोषित परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। उदाहरण जैसे, यूजीसी, डीएसटी-एसईआरबी।

पुरस्कार/उपलब्धियां

- प्रो. जुगल के. प्रजापत को तीन साल (2019-2022) के लिए रामानुजन मैथमैटिकल सोसायटी की कार्यकारी परिषद के सदस्य के रूप में नामित किया गया।
- डॉ. राम किशोर, आईयूसीएए, पुणे (महाराष्ट्र), भारत के विजिटिंग एसोसिएटशिप प्रोग्राम के तहत 01.08.2019 से 31.07.2022 तक आईयूसीएए के विजिटिंग एसोसिएट के रूप में चुने गए।

अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभागीय गतिविधियाँ

सांख्यिकी विभाग

प्रमुख: डॉ जितेंद्र कुमार

सांख्यिकी विभाग शैक्षणिक वर्ष 2009 में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा गणित के साथ शुरू किए गए पहले दो विभागों में से एक है। विभाग का मुख्य लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और सांख्यिकी के विषयों में सैद्धांतिक, कम्प्यूटेशनल और व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देना है, जो छात्रों के भावी कैरियर को अकादमिक, बीमा फर्मों या मोटे तौर पर एनालिटिक्स उद्योग, सरकारी प्रशासन में आगे बढ़ाने में सक्षम बनाता है। यह विभाग अन्य क्षेत्रों में शिक्षण एवं अनुसंधान और वास्तविक समस्याओं को संबोधित करने एक्चुरियल साइंस, बायेसियन स्टैटिस्टिक्स, डिस्ट्रीब्यूशन थ्योरी, एक्सट्रीम वैल्यू थ्योरी, इंट्रेंस, सैंपलिंग थ्योरी, स्टैटिस्टिकल क्वालिटी कंट्रोल, सर्वाइवल एनालिसिस, टाइम सीरीज़ एनालिसिस आदि में सक्रिय है। विभाग अपने छात्रों और पूर्व छात्रों के लिए रोजगार का अच्छा अवसर प्रदान करता है, जो आईएसएस, आरपीएससी, आदि जैसे सरकारी विभागों के साथ-साथ प्रतिष्ठित निजी संगठनों जैसे स्विस रे, एजवाइज टोक्यो, केपीएमजी, श्रीराम फाइनेंस, डब्ल्यूएनएस कंसल्टेन्सी, द रेन मैन कंसल्टेंसी, मैक्स लाइफ इंश्योरेंस, एओएन हेविट एक्चुरियल कंसल्टेंसी, नेल्सन प्राइवेट लिमिटेड, एसबीआई, आदि में कार्य कर रहे हैं। डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी आईआईआईटी इलाहाबाद, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ, हैदराबाद जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में संकाय के रूप में कार्यरत हैं। संकाय यूजीसी, सीएसआईआर, और एमओएसपीआई, आदि के सहयोग प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए सक्रिय हैं।

कार्यक्रम

- एम.एससी./एम. ए. सांख्यिकी
- एकीकृत एम. एससी. सांख्यिकी
- पीएच.डी, सांख्यिकी

संकाय

नाम	*पदनाम*	*विशेषज्ञता का क्षेत्र*
डॉ. जितेंद्र कुमार	सह आचार्य	टाइम सीरीज़, पॉलिसी प्रोसेस रीइंजीनियरिंग और बिग डेटा
डॉ. अरविन्द पाण्डेय	सह आचार्य	सर्वाइवल एनालिसिस, कमजोर मॉडल, बायेसियन विश्लेषण, जैव-सांख्यिकी और कोपुला मॉडल।
डॉ. दीपेश भाटी	*सहायक आचार्य*	चरम मूल्य सिद्धांत, वितरण सिद्धांत, बीमांकिक सांख्यिकी।
डॉ. संजय कुमार	*सहायक आचार्य*	सैंपलिंग थ्योरी
डॉ महेंद्र साह	*सहायक आचार्य*	औद्योगिक सांख्यिकी और बीमांकिक सांख्यिकी

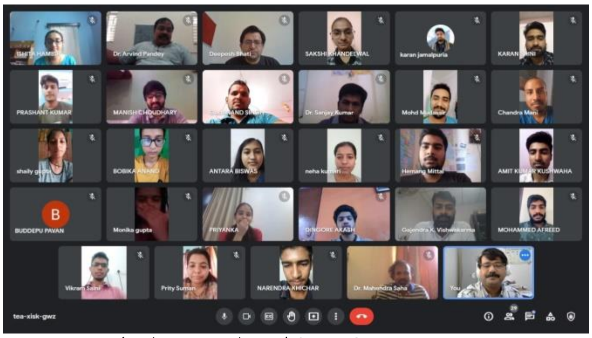
ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित एकीकृत मास्टर / मास्टर ऑफ साइंस के छात्रों द्वारा थीसिस प्रस्तुति।

प्रोफेसर जी के विश्वकर्मा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसएम),धनबाद के साथ विभाग के संकाय का वार्ता

डेटा विज्ञान और विश्लेषिकी विभाग

प्रमुख: डॉ अरविंद पांडे

डेटा विज्ञान और विश्लेषिकी विभाग दो वर्षीय (4 सेमेस्टर) व्यावसायिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम एम.एससी. सीएस (बिग डेटा एनालिटिक्स) संचालित करता है। कार्यक्रम की शुरुआत 2016 में टीसीएस के सहयोग से हुई थी, जिसका उद्देश्य छात्रों को डेटा साइंस और बिग डेटा एनालिटिक्स में समस्याओं की एक विस्तृत श्रृंखला को हल करने के लिए आवश्यक ज्ञान, उपकरण और तकनीकी में प्रशिक्षित करना है। औद्योगिक प्रशिक्षण के लिए समर्पित अंतिम सेमेस्टर के साथ, छात्र डेटा विज्ञान पेशेवरों के रूप में उद्योग में शामिल होने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। डेटा विज्ञान एक अत्यधिक बहु-विषयक विषय है। एमएससी सीएस (बीडीए) कार्यक्रम में सांख्यिकी, गणित और कंप्यूटर विज्ञान में पाठ्यक्रमों का एक विवेकपूर्ण मिश्रण है, जो डेटा विज्ञान में मुख्य दक्षताओं के लिए आवश्यक हैं। नए विभाग का दृष्टिकोण डेटा विज्ञान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य संबंधित क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता पैदा करना है।

कार्यक्रम

- एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान (बिग डेटा एनालिटिक्स), अवधि 2 वर्षीय

संकाय

नाम	*पदनाम*	*विशेषज्ञता का क्षेत्र*
डॉ. विकास कुमार (5 दिसंबर 2020 को कार्यमुक्त)	*सहायक आचार्य*	*मशीन लर्निंग, डेटा माइनिंग, मैट्रिक्स फैक्टराइजेशन, अनुशंसा प्रणाली, मल्टी-लेबल वर्गीकरण*
डॉ. उपासना तालुकदार (25 फरवरी 2021 को कार्यमुक्त)	*सहायक आचार्य*	*आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कॉग्निटिव रोबोटिक्स, नॉलेज रिप्रेजेंटेशन*

शैक्षणिक गतिविधियां

खरीदे गए उपकरण / सुविधा

वर्तमान में, डीप लर्निंग में प्रवेश करने के लिए, विभाग ने एक कस्टम-मेड सर्वर प्राप्त किया है जिसमें 2x इंटेल शियोन सिल्वर 4216 प्रोसेसर, 16 कोर, 22M कैश, 2.10 गीगाहर्ट्ज़, 16x GeForce RTX 2080 Ti (11GB GDDR6), DDR4-2666 ECC RDIMM, 128GB श्रेणी के सर्वश्रेष्ठ विनिर्देश हैं।

भौतिकीय विज्ञान स्कूल

विभाग

- भौतिकी विभाग

अधिष्ठाता: प्रो. मनीष देव श्रीमाली

भौतिकी विभाग

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में भौतिकी विभाग की स्थापना वर्ष 2011 में हुई थी। विभाग तीन स्नातकोत्तर कार्यक्रम एम.एससी. दो वर्षीय, एकीकृत एम.एससी. बी.एड. तीन वर्षीय और एकीकृत एम.एससी. 5 वर्षीय संचालित करता है। इसके अलावा, पीएच.डी. कार्यक्रम भी वर्ष 2014 से शुरू किया गया। विभाग में स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों छात्रों के लिए उत्कृष्ट प्रयोगात्मक और कम्प्यूटेशनल प्रयोगशाला सुविधाएं हैं। विद्यार्थियों को प्रायोगिक और सैद्धांतिक दोनों विषयों में व्यापक शिक्षा के माध्यम से गहरी अंतर्दृष्टि और रचनात्मकता का अनुभव करने की क्षमता प्राप्त होती है। भौतिकी विभाग में सक्षम संकाय सदस्यों की एक उत्कृष्ट टीम है जो अगली पीढ़ी के भौतिकविदों के कैरियर विकास हेतु अत्याधुनिक अनुसंधान और शिक्षण में संलग्न हैं। मुख्य अनुसंधान क्षेत्र संघनित पदार्थ भौतिकी, कम्प्यूटेशनल संघनित पदार्थ भौतिकी, लेजर और प्रकाशिकी, और गैर-रेखीय गतिकी हैं। अनुसंधान में सहयोग हेतु विभिन्न निधि प्रदाता एजेंसियों से लगभग रु 2.66 करोड़ की अनुसंधान निधि प्राप्त हुई है। विभाग ने उत्कृष्ट स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट छात्रों को सफलता पूर्वक तैयार किया है जो विश्व स्तरीय संस्थानों जैसे बीएआरसी, पीआरएल और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में कार्यरत हैं और नेट-जेआरएफ, गेट और जेस्ट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाएँ भी भी उतीर्ण की है।

कार्यक्रम

- पीएच.डी.
- एमएससी (2 वर्षीय)
- एकीकृत एम.एससी. बी.एड (3 वर्षीय)
- एकीकृत एम.एससी. (5 वर्षीय)

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. मनीष देव श्रीमाली	आचार्य	नॉनलीनियर डायनेमिक्स और कैओस
डॉ. अजित कुमार पात्र	सह आचार्य	नैनोस्केल संरचनाओं में चुंबकत्व और स्पिन-निर्भर परिवहन
डॉ. रजनीश कुमार वर्मा	सहायक आचार्य	सरफेस प्लासमोन रिजोनेंस फोटोनिक्स
डॉ. नीरज पंवार	सहायक आचार्य	मल्टीफ़ेरिक्स एंड लीड-फ्री पीजोइलेक्ट्रिक्स, एक्सचेंज-बायस, मैग्नेटाइजेशन रिवर्सल
डॉ. सुखमंदर सिंह	सहायक आचार्य	प्लाज्मा तरंगें, अस्थिरता और विद्युत प्रणोदन
डॉ. बृजेश कुमार सिंह	सहायक आचार्य	ऑप्टिकल फेज सिंगुलेरिटी, लेजर बीम शेपिंग
डॉ. राकेश कुमार	सहायक आचार्य	सहसंबद्ध क्वांटम मेनी-बॉडी सिस्टम, टोपोलॉजिकल फेज
डॉ. साहिनूर रेज	सहायक आचार्य	संघनित पदार्थ सिद्धांत
डॉ. युगांधर बिटला	सहायक आचार्य	प्रायोगिक संघनित पदार्थ भौतिकी
डॉ. संदीप कुमार	यूजीसी एफआरपी सहायक आचार्य	प्रायोगिक संघनित पदार्थ भौतिकी

प्राप्त बाह्य निधियाँ

- भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी-आरएफबीआर, डी एसटी-एसईआरबी, डीएसटी-आरएसएफ, आईयूएसी, और यूजीसी, आदि द्वारा स्वीकृत 2.66 करोड़ की विभिन्न बाह्य वित्त पोषित परियोजनाएँ विभाग में चल रही हैं।

उपकरण खरीद विवरण /उपलब्ध सुविधाएँ:-

❖ **विभागीय प्रयोगशाला सुविधाएं:**

- **एकीकृत लैब I और II:-** फ्लाईव्हील, बार पेंडुलम, कैटर्स पेंडुलम, स्प्रिंग कॉन्स्टेंट, प्लैंक कॉन्स्टेंट, स्टोक्स, टॉर्सनल पेंडुलम, वोल्टेज रेगुलेटर, आईसी 7400 और 7402 के माध्यम से लॉजिक गेट्स की ट्रूथ टेबल्स का सत्यापन, हाफ एडर, डिजिटल टाइमिंग तकनीक द्वारा जी का मूल्य, मैक्सवेल सुई, एक घर्षण-झुकाव वाले विमान का गुणांक, थॉमसन विधि द्वारा e/m, स्टीफन स्थिरांक, स्पर्शरेखा गैल्वेनोमीटर, ली डिस्क, पीएन जंक्शन डायोड, एलसीआर उपकरण, डी-सौटी ब्रिज, एंडरसन ब्रिज, रेक्टिफायर, फैराडे के नियम उपकरण, सेक्सटेंट, बीसीडी डिकोडर और एनकोडर, कैपेसिटर का चार्जिंग और डिस्चार्जिंग, कैरी-फोस्टर ब्रिज, ट्रांजिस्टर इनपुट-आउटपुट विशेषताएँ, 4 अलग-अलग रंगों के एलईडी का उपयोग करके प्लैंक का निरंतर उच्च प्रतिरोध और कम प्रतिरोध का मापन, बल्ब का थर्मल विश्राम, सिलिकॉन का थर्मोकपल, फ्रैंक हर्ट्ज प्रयोग, समानांतर संधारित्र का ढांकता हुआ स्थिरांक, रबर का पॉइसन अनुपात, मेल्डे प्रयोग प्लेटिनम प्रतिरोध थर्मामीटर, थर्मो ईएमएफ, यंग मापांक बेंडिंग बीम डबल कैंटिलीवर सिस्टम, विस्कोसी स्टोक की विधि द्वारा तरल की मात्रा, लिसाजस आकृति।
- **ऑप्टिक्स लैब:-** न्यूटन रिंग, बैबिनेट कम्पेसाटर, स्पेक्ट्रोमीटर किट, ऑप्टिकली सक्रिय पदार्थ का ऑप्टिकल रोटेशन, माइकलसन इंटरफेरोमीटर, लेजर विवर्तन, प्रकाश का फैराडे रोटेशन, फ्रेस्नेल बाय-प्रिज्म, लाइट रनर
- **इलेक्ट्रॉनिक्स लैब**:- ब्रेडबोर्ड पर फ्लिप-फ्लॉप की विशेषताओं और उत्तेजना तालिका का सत्यापन, माइक्रोकंट्रोलर 8051 और माइक्रोप्रोसेसर 8085, एडीसी, डीएसी, यूनिवर्सल गेट्स के अनुप्रयोग, काउंटर और रजिस्टर, ब्रेडबोर्ड पर मल्टीप्लेक्सर और डी-मल्टीप्लेक्सर, की VI विशेषताएं UJT, VI विशेषताएँ SCR, VI विशेषताएँ टनल डायोड, VI विशेषताएँ, FET, VI विशेषताएँ MOSFET, VI विशेषताएँ DIAC, VI विशेषताएँ TRIAC, ब्रेडबोर्ड पर मल्टी-वाइब्रेटर, IC, IC-741 के अनुप्रयोग
- भौतिकी लैब: - बीएच वक्र, मिलिकन तेल ड्रॉप, क्यूरी वीस कानून, एक संधारित्र के ढांकता हुआ स्थिरांक का मापन, हॉल प्रभाव, सौर सेल VI विशेषताएँ, क्विन्के की ट्यूब, ज़ीमैन प्रभाव, चार जांच प्रयोग, इलेक्ट्रॉन विवर्तन, टेबल टॉप एक्सआरडी, स्कैनिंग टनलिंग माइक्रोस्कोप।

❖ **अनुसंधान और केंद्र केंद्रीय इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधाएं:**

- **सामग्री विज्ञान लैब:** स्पिन कोटिंग यूनिट, हाइड्रोलिक प्रेशर मशीन, सोनिकेटर, पीएच मापने के उपकरण, वजन संतुलन, चुंबकीय स्टिरर, फ्यूम हुड, वैक्यूम पंप, हाई-स्पीड सेंट्रीफ्यूज मशीन, पतली-फिल्म निस्पंदन असेंबली, भंवर, पीक्यूएमएस, तापमान नियंत्रित ओवन, टेबुलर फर्नेस, जुपिटर फर्नेस (1450 डिग्री सेल्सियस), कार्बोलाइट फर्नेस (1700 डिग्री सेल्सियस) और

पैनालिटिकल एक्सआरडी मशीन, वैक्यूम मशीन (थर्मल वाष्पीकरण और ई-बीम वाष्पीकरण)

- **लेजर, ऑप्टिक्स और प्लाज्मा लैब:** लेजर, वेक्टर बीम जनरेटिंग डिवाइस और ऑप्टिकल तत्व, ऑप्टिकल डिटेक्टर, स्पेक्ट्रोमीटर, मैग्नेटिक स्टिरर और रेफ्रेक्टोमीटर, गैस सेंसिंग यूनिट, डिप कोटिंग यूनिट। कंप्यूटिंग सुविधाएं मैटलैब और मैथमेटिका के साथ उपलब्ध हैं।
- **नॉन-लीनियर डायनेमिक्स एंड कॉम्प्लेक्स सिस्टम लैब:** डेल और टाइरोन वर्कस्टेशन, हाई कंप्यूटिंग कंप्यूटर ELVIS Mutisim, मेट्रोनोम ए डबल वेटेड पेंडुलम।
- **कम्प्यूटेशनल कंडेंस्ड मैटर लैब:** संघनित पदार्थ मॉडल प्रणालियों के अनुकरण के लिए टायरोन एआई वर्कस्टेशन, घटना की विशेषता: अतिचालकता, कुंठित चुंबकत्व, टोपोलॉजिकल इंसुलेटर

पुरस्कार/उपलब्धियां/नियुक्तियां

पांच छात्रों ने जेआरएफ उत्तीर्ण किया: मोनू सिंघल, ललित भारती, पूजा जैन, नितिन चौधरी, रामकल्याण मीणा

• तेरह छात्रों ने गेट उत्तीर्ण किया: -सत्यव्रत जाना, अंकित दरिया, देबोदुति कर, चारू शर्मा, मोनू सिंघल, ममता, अनीश गर्ग, कोमल पारीक, रितिका शर्मा, क्षितिज सिंह राठौर, ललित भारती, रंजीत बिजार्निया, चयनिका शर्मा

• पांच छात्रों ने जेस्ट और जैम उत्तीर्ण किया: लक्ष्य शर्मा, अश्विनी वैष्णव, आकाश शुक्ला, हर्षवर्धन उपाध्याय (आईआईएससी बेंगलुरु), मनीष मील

• आठ छात्र पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त किया : नितिन चौधरी, सत्यब्रत जाना, वर्तिका खंडेलवाल, रामकल्याण मीणा, संजू माचिच, हर्षवर्धन उपाध्याय, जोस्टिन पी जोबी, क्षितिज सिंह राठौर

• तीन छात्रों ने आईआईटी में एमएससी पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया: लक्ष्य शर्मा, आकाश शुक्ला, अश्विनी वैष्णव

• सात छात्र आरपीएससी स्कूल लेक्चर 2020 में कार्यग्रहण किया :- विक्रम सिंह रेगर, राजेश कुमार, पायल सुवाल्का, सुनील कुमार मीणा, सुभाष मीणा, बलराम मीणा, ललित सिंह राठौड़ ।

• एक छात्र डीआरडीओ में शामिल:- शुभम दिवेदी

• एक छात्र सहायक सांख्यिकी अधिकारी, राजस्थान के रूप में कार्य ग्रहण किया :- बसंत कुमार दूत

आईएसपीपी सम्मेलन का उद्घाटन

सीडीएसए सम्मेलन का समूह फोटो

सामाजिक विज्ञान स्कूल

विभाग
• संस्कृति एवम मीडिया अध्ययन विभाग
• अर्थशास्त्र विभाग
• लोक नीति, विधि और शासन विभाग
• सामाजिक कार्य विभाग
• सोसाइटी टेक्नोलॉजी इंटरफ़ेस विभाग

संस्कृति और मीडिया अध्ययन विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. जगदीश जाधव

समन्वयक: डॉ. निकोलस लाकरा

संस्कृति और मीडिया अध्ययन विभाग ने जुलाई 2011 में समाजिक विज्ञान स्कूल के अंतर्गत अपनी शैक्षणिक यात्रा शुरू की। इसकी स्थापना शिक्षण और अनुसंधान के माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षित करके भारत में अंतर्विषयक मीडिया, सांस्कृतिक और संचार अध्ययन में खोज के नए क्षेत्रों का पता लगाने हेतु किया गया। छात्रों को मीडिया और संस्कृति के बीच अंतर-संबंध को समझने में सक्षम बनाने के लिए पाठ्यक्रम को डिज़ाइन किया गया है जो व्यक्तियों और समुदायों को आकार देता है बदले में उनके द्वारा इसे आकार दिया जाता है। विभाग का उद्देश्य छात्रों को विभिन्न मीडिया प्रौद्योगिकियों, प्रथाओं और कथनों के परिचय के माध्यम से एक महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य और विश्लेषणात्मक दिमाग के साथ मीडिया और सांस्कृतिक अध्ययन की दुनिया में प्रवेश करने के लिए तैयार करना है। विभाग छात्रों को मीडिया प्रौद्योगिकियों को संभालने और पत्रकारिता कौशल और मूल्यों को विकसित करने के लिए तैयार करता है। एक अंतर्विषयक दृष्टिकोण के माध्यम से, विभाग छात्रों के लिए अत्याधुनिक वृत्तचित्रों, फिल्मों, वीडियो, तस्वीरों और रचनात्मक अभिव्यक्ति के अन्य रूपों का निर्माण हेतु नींव बनाता है। प्रमुख अतिथि शिक्षकों और पेशेवरों द्वारा इंटर्नशिप, औद्योगिक यात्राओं, सम्मेलनों, कार्यशालाओं के माध्यम से छात्रों को मीडिया उद्योगों और संगठनों से परिचित कराया जाता है। वे मीडिया उपकरण और तकनीकों को संभालने में सक्षम हैं जो उन्हें मीडिया उद्योग, अनुसंधान संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों में एक स्थान सुरक्षित करने में मदद करेंगे। विभाग का लक्ष्य "एक सार्थक समाज के लिए संचार" है।

संचालित कार्यक्रम

- संस्कृति और मीडिया अध्ययन में पीएच.डी.
- संस्कृति और मीडिया अध्ययन में एम. ए.
- मीडिया लेखन तथा डिजिटल संचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. प्रांता प्रतीक पटनायक	सहायक आचार्य	मीडिया अध्ययन, सांस्कृतिक अधिकार, लिंग और लैंगिकता
डॉ. निकोलस लाकरा	सहायक आचार्य	इंटरकल्चरल कम्युनिकेशन, जर्नलिज्म, कंटेंट एनालिसिस
डॉ. नीरू प्रसाद	सहायक आचार्य	साइबर पत्रकारिता, प्रिंट मीडिया, लेआउट और डिजाइनिंग।
डॉ. अनूप कुमार	सहायक आचार्य	न्यू मीडिया स्टडीज, वेब/डिजिटल जर्नलिज्म,

		क्वालिटेटिव रिसर्च।

शैक्षणिक गतिविधियां

1. **विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/दौरा**

नाम	कार्यक्रम	तिथि
प्रो दया के टूसू .	पत्रकारिता विभाग, हांगकांग बैपटिस्ट विश्वविद्यालय वैश्विक समाचार क्षेत्र में भारत	12/03/2021
सुश्री महासिद्दीकी	सीएनएननेटवर्क 18 न्यूज़- एंकरिंग कौशल	05/02/2021
डॉशील निधि . त्रिपाठी	संचार प्रशिक्षक और स्वतंत्र पीआर सलाहकार, संचार और पीआर कौशल	29/01/2021
श्री अनुपम मिश्रा	समाचार-18 नेटवर्क एंकरिंग की कला	15/01/2021
प्रोप्रदीप नायरी .	पत्रकारिता विभाग, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय मीडिया अनुसंधान और उच्च शिक्षा में कैरियर	11/11/2020
सुश्री रमा सोलंकी	पत्रकार, टीवी टुडे नेटवर्क	11/11/2020
श्री तनमय मुखर्जी	सामाजिक मीडिया खेल पत्रकार, नई दिल्ली समग्र मास मीडिया सिस्टम में सोशल मीडिया	11/11/2020
श्री प्रदीप सूरी	सहायक संपादक, ज़ी डिजिटल, नई दिल्ली डिजिटल मीडियाउभरता परिदृश्य :	11/11/2020
डॉ तबीना अंजुम कुरैशी	वरिष्ठ पत्रकार, डेक्कन हेराल्ड मीडिया और मनोरंजन कला	10/11/2020
प्रो .के .बी . पटनायक	इग्नू, नई दिल्ली समकालीन राजनीतिक और आर्थिक दृश्य और मीडिया।	10/11/2020
डॉसना समीर .	हिंदुस्तान टाइम्स कैरियर परामर्शप्रिंट :, टीवी और डिजिटल मीडिया	10/11/2020
श्री आलोक जोशी	पत्रकार, सीएनबीसीआवाज़- समाचार और मीडिया उद्यमिता में कैरियर के अवसर।	10/11/2020
श्री अजय शर्मा	पत्रकार, नेटवर्क 18 मीडिया और सूचना उद्योग में नई तकनीक और उद्यमिता के अवसर।	10/11/2020
श्री राहुल देवी	सलाहकार, स्पीकर्स रिसर्च इनिसिएटिव स्वतंत्रता के बाद से भारतीय समाचार मीडिया का इतिहास।	09/11/2020
श्री राजेश जोशी	संस्थापक सदस्य, बीबीसी हिंदी डिजिटल टीम वैश्विक अर्थव्यवस्था, राजनीति और मीडिया दृश्य	09/11/2020

2. अन्य शैक्षणिक गतिविधियां

- डॉ. अनूप कुमार और डॉ. नीरू प्रसाद ने 11 नवंबर 2020 को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के लिए ऑनलाइन शिक्षा में उत्कृष्टता पर एक दिवसीय वेबिनार और कार्यशाला का आयोजन किया।

पुरस्कार/उपलब्धियां

- सुश्री गीता साहू (पीएचडी स्कॉलर) को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र में स्थायी और नियमित संकाय के रूप में चुना गया है।
- सुश्री अनुष्का श्रीवास्तव (पीएचडी स्कॉलर) ने पत्रकारिता और रचनात्मक अध्ययन संकाय, जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित मीडिया, संचार और डिजाइन पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र का सर्वश्रेष्ठ पेपर प्राप्त किया।

पाठ्येतर गतिविधियां

- विभाग ने शिक्षाविदों और मीडिया उद्योग के पेशेवरों को पाठ्यक्रम और कैरियर के अवसरों के बारे में जागरूक करने के लिए आमंत्रित करके एम.ए.सीएमएस और पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए तीन दिवसीय ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रम (9 से 11 नवंबर 2020) का आयोजन किया।

भारत में सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोग पर डीएसटी राष्ट्रीय कार्यशाला के प्रतिनिधियों के साथ माननीय कुलपति, प्रो. अरुण के पुजारी।

सीएमएस के छात्रों और शिक्षकों ने भारतीय समाचार पत्र दिवस मनाया

अर्थशास्त्र विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. श्याम सुंदर अग्रवाल (जुलाई 2020 से -फरवरी 2021तक)

प्रो. एस.एन. अम्बेडकर (फरवरी 2021 से)

विभाग अपने पाठ्यक्रम में सैद्धांतिक और मात्रात्मक विश्लेषण पर ध्यान केंद्रित करता है। स्नातकोत्तर कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को इसके अनुप्रयोग के प्रमुख क्षेत्रों में आर्थिक विश्लेषण के सिद्धांतों और उपकरणों से लैस करना और पर्यावरण अर्थशास्त्र के उभरते क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना है। विभाग का उद्देश्य छात्रों को माइक्रोइकोनोमिक्स, मैक्रोइकॉनॉमिक्स, सार्वजनिक अर्थशास्त्र, विकास अर्थशास्त्र, अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र और मौद्रिक अर्थशास्त्र के सिद्धांतों और अनुप्रयोगों को समझने और जटिल पर्यावरणीय और आर्थिक मुद्दों से निपटने के लिए सक्षम बनाना है।

संचालित कार्यक्रम

- अर्थशास्त्र में पीएच.डी
- अर्थशास्त्र में एम. ए.
- एकीकृत एम. एससी. अर्थशास्त्र
- एकीकृत एम. एससी. बी.एड. अर्थशास्त्र

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. श्याम सुंदर अग्रवाल	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (अनुबंध आधार पर)	वृहत अर्थशास्त्र, विकास अर्थशास्त्र, सार्वजनिक अर्थशास्त्र, राजनीतिक अर्थव्यवस्था, अवसंरचनात्मक विकास और आर्थिक एवं संरचनात्मक सुधार
डॉ. हेमलता मंगलानी	सहायक आचार्य	सूक्ष्म अर्थशास्त्र, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, विकास
डॉ. प्रगति जैन	सहायक आचार्य	पर्यावरण अर्थशास्त्र, विकास अध्ययन
डॉ. प्रमोद कुमार नायक	सहायक आचार्य	वितीय अर्थशास्त्र, अर्थमिति
डॉ. सत्यनारायण मूर्ति	सहायक आचार्य	वृहत अर्थशास्त्र और वित्त, मौद्रिक अर्थशास्त्र
डॉ. मोतिनिवा नायक	सहायक आचार्य (अनुबंध आधार पर)	विकास अर्थशास्त्र, मैक्रोइकॉनॉमिक्स के तत्व, सिद्धांत और नीति; सांख्यिकी; अर्थमिति; अनुप्रयुक्त अर्थमिति और विकास, औद्योगीकरण और विकास; औद्योगिक नीति की राजनीतिक अर्थव्यवस्था; आर्थिक विकास सिद्धांत; अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र
डॉ. सतपाल प्रधान	सहायक आचार्य (अनुबंध आधार पर)	कृषि अर्थशास्त्र, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, वृहत अर्थशास्त्र

शैक्षणिक गतिविधियां

पुरस्कार/उपलब्धियां

निम्नलिखित विद्यार्थियों ने यूजीसी नेट / जे.आर.एफ. उत्तीर्ण किया

1. वैभव माहेश्वरी (एम.ए. अर्थशास्त्र)
2. भारत धनडे (एम.ए. अर्थशास्त्र)
3. प्रीति (एकीकृत एमएससी अर्थशास्त्र)
4. ज्योति मीना (एम.ए. अर्थशास्त्र)
5. सागर कुमावत (एम.ए. अर्थशास्त्र)

लोक नीति, विधि और शासन विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. एस.एन. अम्बेडकर

विभाग में नए प्रकार के स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं जो विद्यार्थियों को नीति निर्माण और कार्यान्वयन प्रक्रियाओं के अध्ययन, नीति विशलेषण की शक्ति और क़ानूनी सिद्धांतो को समझने और एक संयुक्त समाज में विधि के उपयोग से परिचय कराता है. लोक नीति, विधि और शासन कार्यक्रम इस अर्थ में अत्यंत नवीन है कि यह विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने और सरकारी, गैर सरकारी व निजी क्षेत्रों में विशेष रूप से कार्यकारी स्तर की नौकरी प्राप्त करने में सहायक है।

संचालित कार्यक्रम

- लोक नीति, विधि और शासन में पीएच.डी.
- लोक नीति, विधि और शासन में एम.ए.

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. एस.एन. अम्बेडकर	आचार्य	स्थानीय शासन, ग्रामीण विकास, भारत सरकार और प्रशासन
डॉ. एस. कांदासामी	सह आचार्य	साइबर कानून, बौद्धिक संपदा कानून, अंतर्राष्ट्रीय कानून और मानवाधिकार कानून।
डॉ. ज्ञानरंजन पांडा	सहायक आचार्य	दक्षिण एशिया में सार्वजनिक नीति, शासन, बजट और बजट प्रक्रियाएं
डॉ. सी. जीवन कुमार	सहायक आचार्य	सार्वजनिक नीति, सार्वजनिक क्षेत्र के प्रबंधन, शासन और नेतृत्व, ई-गवर्नेंस
डॉ. अल्मिन जोस सिसली	सहायक आचार्य (अवकाश पर)	शासन, स्थानीय शासन, सार्वजनिक नीति विश्लेषण।
डॉ. अंजन कुमार साहू	सहायक आचार्य	मानव और पर्यावरण सुरक्षा, अंतर्राष्ट्रीय संबंध

अतिथि व्याख्यान:

श्री डी. सुधीर **सहायक आचार्य** **लोक प्रशासन विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय**	***"विषय: सार्वजनिक नीति के लिए विरामित संतुलन दृष्टिकोण"***	**30 जनवरी 2021 को अतिथि व्याख्यान**

प्राप्त बाहयय निधियां

विभाग में भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे आईसीएसएसआर, आईसीएसएसआर-इम्प्रेस, और यूजीसी-एमआरपी द्वारा अनुमोदित 41.00 लाख की विभिन्न बाहा निधि परियोजनाए चल रही हैं।

सामाजिक कार्य विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. जगदीश जाधव

सामाजिक कार्य विभाग अपनी स्थापना (2012) से शैक्षणिक खोज और क्षेत्र-आधारित कार्यो में सक्रिय रूप से शामिल है। यह सहभागी, समावेशी और सतत विकास की दिशा में काम करने का प्रयास करता है। विभाग समाज के भीतर अधिकतम मानव क्षमता, कौशल विकास, समान अवसर, न्याय, विविधता के लिए सम्मान और समाज के भीतर एक भेदभाव विरोधी वातावरण को बढ़ावा देने में विश्वास रखता है।

विभाग वैश्विक रूप से सक्षम, सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण और स्थानीय रूप से प्रासंगिक प्रशिक्षित कर्मियों को तैयार करने का प्रयास करता है। विभाग के कार्यो में चार क्षेत्रों को शामिल किया गया है, जिसमें पहला सतत विकास के लिए शिक्षा प्रदान करने के आदर्श वाक्य के साथ शैक्षणिक उपाधि प्रदान करना। दूसरा प्रोग्रामेटिक हस्तक्षेप और क्षेत्र प्रयोगशालाओं द्वारा सिद्धांत को व्यवहार में एकीकृत करना। तीसरा अनुभवजन्य कार्य और साक्ष्य के आधार पर छात्रों के शोध प्रबंध। चौथा क्षेत्र कार्रवाई परियोजनाओं का विस्तार करना है।

संचालित कार्यक्रम

- सामाजिक कार्य में पीएच.डी.
- सामाजिक कार्य में एम.ए. (एमएसडब्लू)

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. जगदीश जाधव	आचार्य	प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, सामाजिक कौशल प्रशिक्षण, सामुदायिक विकास, सामाजिक समर्थन
डॉ. सुभासीस भद्रा	सह आचार्य	मानसिक स्वास्थ्य और मनोसामाजिक सहायता, जीवन कौशल शिक्षा, आपदा प्रबंधन
डॉ. डी. पी. नेगी	सहायक आचार्य	विकास अध्ययन, जनजातीय अध्ययन, और सामुदायिक विकास, सामुदायिक स्वास्थ्य
डॉ. अतीक अहमद	सहायक आचार्य	न्यूरो-साइको-ऑन्कोलॉजी, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच, चिकित्सा सामाजिक कार्य
डॉ. शैजी अहमद	सहायक आचार्य	बुढ़ापा, सामुदायिक कार्य, उच्च शिक्षा, वॉश प्रबंधन, एचआरएम
डॉ. राजीव एम. एम.	सहायक आचार्य	बाल और युवा विकास, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण मुद्दे, पीआरआई

शैक्षणिक गतिविधियां

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/यात्रा

- सामाजिक कार्य विभाग ने 15 अक्टूबर 2020 को "युवा और किशोर लड़कियों पर कोविड -19 के प्रभाव" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। प्रख्यात वक्ता: डॉ। फेथ मवांगी पॉवेल, सीईओ, गर्ल्स नॉट ब्राइड्स; प्रो. नीरज गुप्ता, कुलपति, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय और प्रो. नीलम शुक्रमणि, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली। प्रथम सत्र: प्रमुख वक्ता : श्री अरविंद ओझा, उर्मुल ट्रस्ट, बीकानेर; सुश्री इंदिरा पंचोली, महिला जनाधिकार समिति, अजमेर; श्री योगेश शर्मा, विकल्प संस्थान, उदयपुर; सुश्री शबनम अजीज, एजुकेट गर्ल्स, जयपुर। सत्र 2 विश्वविद्यालय-सामुदायिक संलग्नता, वक्ता: प्रो भावना मेहता, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात; डॉ. हरदीप कौर, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब; डॉ. मंजू पंवार, भगत फूल सिंह महिला विश्व विद्यालय, हरियाणा।
- सामाजिक कार्य विभाग ने 07 जून 2021 को महामारी के दौरान 'सामाजिक कार्य प्रथाओं : चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। वक्ता : प्रो. भावना मेहता, प्रो. और अधिष्ठाता, सामाजिक कार्य संकाय, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा; प्रो. जॉनी ऑगस्टीन; प्रोफेसर सेंट एम्ब्रोस यूनिवर्सिटी यूएसए; डॉ. एरिक एंथोनी डेस मरैस, सह आचार्य, ओकायामा प्रीफेक्चुरल यूनिवर्सिटी, जापान।
- समाज कार्य विभाग ने 'सामाजिक कार्य प्रथाओं और व्यावसायिक समूह बनाने के परिप्रेक्ष्य' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। सत्र 1 एनजीओ प्रारंभ करना और प्रबंधन पर व्याख्यान, विशेषज्ञ : डॉ एलिजा पेरियारा, अध्यक्ष, इनसाइट (हील योर माइंड), बैंगलोर; सत्र 2 एनजीओ रखरखाव के दस्तावेज़ीकरण प्रक्रिया और एनजीओ विशेषज्ञ : दस्तावेज़ीकरण प्रक्रिया और कानूनी पहलू, विशेषज्ञ : श्री ओमप्रकाश, अध्यक्ष, एसडीईआरसी, राजस्थान; सत्र 3 विकलांग व्यक्तियों का समर्थन और पुनर्वास, विशेषज्ञ : डॉ ए चिदंबरम, सहायक आचार्य, सामाजिक बहिष्करण केंद्र और कैम्प; समावेशी नीति, पांडिचेरी विश्वविद्यालय; सत्र 4 तीसरे क्षेत्र के संगठन और स्थिरता, विशेषज्ञ : डॉ इफ्तिखार आलम, सहायक आचार्य, सामाजिक कार्य विभाग, पांडिचेरी विश्वविद्यालय; सत्र 5 पुणे जेरियाट्रिक केयर सेंटर: स्वयं और पेशे की समानांतर यात्रा, विशेषज्ञ : डॉ संतोष कंशेट्टी, पुणे जेरियाट्रिक केयर सेंटर; सत्र 6 अस्पताल बनाने में सामाजिक कार्य अभ्यास : एमपीएसडब्ल्यू की एक डायरी, विशेषज्ञ : डॉ स्वाति अमराले जाधव, चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ता, उपाध्यक्ष, आरएमकेएम; सत्र 7 पेशेवर स्व-तनाव का प्रबंधन और आराम, विशेषज्ञ : डॉ ताहिरा मरियम, परामर्श मनोवैज्ञानिक; सत्र 8 नैतिक मुद्दों और व्यवसायों की मदद करने में चुनौतियां विशेषज्ञ : सुश्री रेशमा मलिक, परामर्श मनोवैज्ञानिक, चेन्नई

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

- सामाजिक कार्य विभाग ने 06 जनवरी 2021 को "युवा दिमाग, आलिंगन, अनसुनी कहानी के साथ इंटरफेस" पर वेबिनार का आयोजन किया। विशेषज्ञ: डॉ जया कृतिका ओझा, डॉ राहुल शुक्ला, डॉ डब्ल्यू प्रेमी देवी, सहायक आचार्य, डीएसटीआई
- सामाजिक कार्य विभाग ने 20 जनवरी 2021 को "संवाद श्रृंखला: 2, क्यों सामाजिक कार्य छात्रों को अर्थशास्त्र को समझने की आवश्यकता है" पर वेबिनार का आयोजन किया। विशेषज्ञ: डॉ प्रमोद कुमार नाइक; सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय

- सामाजिक कार्य विभाग ने 26 मई 2021 को "मेकिंग अ प्रॉमिसिंग सीवी" पर वेबिनार का आयोजन किया। विशेषज्ञ: डॉ. धनपति शोग्रकपम, भाषा विज्ञान विभाग और डॉ. संजीवकुमार एमपी, सॉफ्ट स्किल ट्रेनर, और शिक्षाविद।
- सामाजिक कार्य विभाग ने 29 मई 2021 को "साक्षात्कार का सामना करना" पर वेबिनार का आयोजन किया। विशेषज्ञ: प्रो. नीरज गुप्ता, कुलपति, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय एवं डॉ. गुनीत इंदरजीत कौर, सहायक आचार्य, खेल मनोविज्ञान विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय।
- सामाजिक कार्य विभाग ने 04 जून 2021 को "आपदा में मानसिक स्वास्थ्य और मनोसामाजिक समर्थन: सामुदायिक उत्तरजीवियों के लिए मनोवैज्ञानिक प्राथमिक चिकित्सा" पर वेबिनार का आयोजन किया। विशेषज्ञ: डॉ सुभासिस भद्रा, विभागाध्यक्ष, सामाजिक कार्य विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय; डॉ. प्रशांत रॉय, प्रमुख नैदानिक मनोविज्ञान विभाग, मनश्चिकित्सा संस्थान, कोलकाता; सुश्री इलोरा बारिकसिल, सह – आचार्य, मनोरोग सामाजिक कार्य विभाग, मनश्चिकित्सा संस्थान, कोलकाता; और डॉ अतीक अहमद, सहायक आचार्य, सामाजिक कार्य विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय।
- सामाजिक कार्य विभाग ने 11 जून 2021 को "वर्चुअल समर इंटर्नशिप प्रोग्राम" पर वेबिनार का आयोजन किया। विशेषज्ञ (पूर्व छात्र वक्ता): पीयूष कुमार, रश्मिरंजन साहू, निष्ठा मिश्रा, अयूब शेख, अदिति मिश्रा, मस्त राम मीणा, सुनीता कुमारी, बिपासा कुमारी, कोमल बबानी, अनूप राज, अभिषेक कुमार, और मीनल मेहता
- सामाजिक कार्य विभाग ने 22 जून 2021 से 26 जून 2021 तक "वर्चुअल टूर: प्रसिद्ध नागरिक समाज संगठनों के ब्रेकिंग वर्क को समझना" विषय पर वेबिनार आयोजित किया। सिविल सोसाइटी संगठन: पीजीसीसी, पुणे; बनियान, चेन्नई; सत्या, चेन्नई; एसओएस बच्चों का गांव।

सांस्कृतिक गतिविधियों में विद्यार्थियों की भागीदारी:

छात्रों ने विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में ऑनलाइन भाग लिया। संवैधानिक दिवस ऑनलाइन खोज प्रतियोगिता में सुश्री रश्मिता ने तृतीय पुरस्कार जीता। सामाजिक कार्य विभाग के छात्र, नवागन्तुकों का स्वागत करते हैं, ऑनलाइन मोड के माध्यम से छात्रों के अन्य बैचों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

विस्तार गतिविधियां:

सामाजिक कार्य के विद्यार्थी अपने क्षेत्रीय कार्य गतिविधियों के माध्यम से स्थानीय गैर सरकारी संगठनों, पंचायत, और अस्पतालों के माध्यम से अथवा स्वतंत्र सामुदायिक स्वयंसेवकों के रूप में अपने जीवन के क्षेत्रों में समुदायों तक पहुंचे। महामारी की अवधि में, उन्होंने कोरोना महामारी के उचित व्यवहार को बनाए रखने और समुदायों में टीकाकरण के संबंध में कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। उनमें से कुछ सीधे पंचायत के साथ स्वास्थ्य शिविर, टीकाकरण अभियान, मास्क वितरण आदि की सुविधा के लिए थे। छात्रों में से एक ने स्थानीय पंचायत द्वारा नियुक्त ऑनलाइन परामर्शदाता के रूप में काम किया। इसके बाद, छात्रों ने गरीब हाशिए के परिवारों के लिए समर्थन जुटाने, बच्चों के बीच शिक्षा की सुविधा प्रदान करने में भी भाग लिया और समुदाय के लोगों के बीच स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए अनेक जीवन-कौशल आधारित गतिविधियों का संचालन किया।

सोसाइटी टेक्नोलोजी इंटरफ़ेस विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. उमा शंकर मिश्र

आईसीटी द्वारा निभाई गई आंतरिक भूमिका के कारण भारतीय समाज और अर्थव्यवस्था पूरी तरह से स्थानांतरित हो गई है। समाज के डिजिटलीकरण की तीव्र प्रक्रिया से उत्पन्न होने वाले विकासात्मक लाभों को प्राप्त करने की दिशा में देश तेजी से प्रगति कर रहा है। सामाजिक-सांस्कृतिक-राजनीतिक-आर्थिक-नीतिगत आख्यान डिजिटल उपकरणों और प्रौद्योगिकियों के उपयोग पूरी तरह आकार ग्रहण किया है और समेकित हुआ है। इस संबंध में, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने एक नया अंतःविषय शैक्षणिक विभाग, सोसाइटी-टेक्नोलोजी इंटरफेस विभाग (डीएसटीआई) की शुरुआत की है, जो दो उन्नतो ज्ञान की धाराएं- विज्ञान और प्रौद्योगिकी और सामाजिक विज्ञान को बेहतर कैरियर के अवसरों की तलाश करने और प्रतिस्पर्धी बने रहने को जोड़कर विभिन्न शैक्षिक पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए स्नातकोत्तर और शोध कार्यक्रम के लिए अनुसंधान और शिक्षण को विकसित करता है।

संचालित कार्यक्रम

- डिजिटल सोसाइटी में एम. एससी. (02 वर्षीय)
- सांस्कृतिक सूचना विज्ञान में एम.ए.(02 वर्षीय)

एम.एससी. डिजिटल सोसाइटी में अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT), बैंगलोर के साथ सक्रिय शैक्षणिक सहयोग और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA), नई दिल्ली के सहयोग से सांस्कृतिक सूचना विज्ञान में एम.ए. संचालित किया जा रहा है।

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. उमा शंकर मिश्र	आचार्य	विपणन अनुसंधान, सामान्य प्रबंधन
डॉ. जया कृतिका ओझा	सहायक आचार्य	आईसीटी और सतत विकास, लिंग-आजीविका और प्रौद्योगिकी, शहरीकरण और पीयूआरए, डिजिटल कॉमन्स और सामूहिक कार्रवाई, नेतृत्व, क्षमताएं और अधिकारिता, सामाजिक अनुसंधान के तरीके, गुणात्मक निगरानी और प्रभाव आकलन
डॉ. वैरोकपम प्रेमी देवी	सहायक आचार्य	विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज अध्ययन, नवाचार अध्ययन, अनौपचारिक क्षेत्र के नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के दर्शन, अभिनेता-नेटवर्क, लिंग, प्रौद्योगिकी और विज्ञान, सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति, जीनोम परियोजनाओं और सटीक चिकित्सा पर ध्यान देने के साथ सामाजिक तकनीकी कल्पनाएं।
डॉ. ज्ञान रंजन पांडा	संयुक्त संकाय एवं सहायक आचार्य – पीपीएलजी	सार्वजनिक नीति और शासन, सार्वजनिक वित्त, ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, लिंग बजट, जल और स्वच्छता, बिग डेटा और सार्वजनिक नीति, डिजिटल युग में नीति, राजनीति और शासन।
डॉ. निकोलस लाकरा	संयुक्त संकाय एवं सहायक आचार्य – सीएमएस	पत्रकारिता और मीडिया अध्ययन, अंतरसांस्कृतिक संचार, संचार अनुसंधान (सामग्री विश्लेषण) मानवाधिकार अध्ययन, आदिवासी और स्वदेशी लोग, विरासत, संस्कृति और संग्रहालय अध्ययन।

शैक्षणिक गतिविधियां

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/यात्रा

क्रम स.	नाम	पदनाम	विषय	तिथि
1.	डॉ. भावेश सेठ	सहायक आचार्य, मारवाड़ी विश्वविद्यालय, राजकोट	बौद्धिक संपदा अधिकार और डिजिटल नवाचार	24 जुलाई 2021
2.	श्री अभिषेक सौरव	डिजिटल डिजाइनर	डिजिटल डिजाइन और संपादन	5 जून 2021
3.	श्री सारांश चतुर्वेदी और श्री सुकृत मिश्र	एचआर – वीबियॉन्ड एवं आईबीएम – भारत	पेशेवर दुनिया के लिए सीवी तैयार करना	17 अप्रैल 2021
4.	श्री बिशन सिंह रावत एवं प्रणव कुमार	आईसीआईसीआई फाउंडेशन, देहरादून	वित्तीय साक्षरता और डिजिटल बैंकिंग	17 फरवरी 2021
5.	श्री सुबाश एस. पी.	वैज्ञानिक- कृषि, अर्थशास्त्र, आईसीएआर-राष्ट्रीय कृषि अर्थशास्त्र और नीति अनुसंधान संस्थान (एनआईएपी)	सार्वजनिक नीति में व्यवहार और कल्याण अर्थशास्त्र	18 जनवरी 2021

पुरस्कार/उपलब्धियां

सर्वश्रेष्ठ पत्र का सम्मान

'चुनौतीपूर्ण समय में उद्यमिता : सफलता और जीविका के लिए रणनीतियाँ' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन; में उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ, प्रबंधन अध्यन संकाय, उदयपुर द्वारा आयोजित तकनीकी सत्र : चुनौतीपूर्ण समय में उद्यमिता, में डॉ. जया कृतिका ओझा, सहायक आचार्य को "पश्चिमी राजस्थान में चुनैतीपूर्ण समय का सामना करने के लिए ग्रामीण उत्पादकों के लिए हस्तक्षेप, अभिसरण और जीविका रणनीतियाँ" शीर्षक के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ पत्र का सम्मान प्राप्त हुआ (19-20 जून, 2021)।

विद्यार्थियों की उपलब्धियां

इंटर्नशिप आधारित निबंध (द्वितीय बैच, 2020-2021)

क्र.स.	नाम	निबंध का शीर्षक	इंटर्नशिप के लिए मेजबान संगठन
1.	अनिक कुमार	डिजिटल मार्केटिंग- ईमेल मार्केटिंग के प्रति ग्राहक व्यवहार।	सेस्ता डेवलपमेंट सर्विसेज, गुवाहाटी, असम 781013
2.	अशोक सैनी	राजस्थान में सामान्य सेवा केंद्रों के प्रति नागरिकों का संतुष्टि स्तर	
3.	अतुल राज	ग्रासरूट इनोवेशन के लिए डिजिटल स्पेस बनाना :	नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन,

		नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन-इंडिया (एनआईएफ) का मामला	गांधीनगर, गुजरात- 382650
4.	लुशिका वत्स	ऑनलाइन शॉपिंग: बिहार के सहरसा जिले के उपभोक्ता के व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारक	फ्लाईनोट, बेंगलुरु, कर्नाटक 560102
5.	मुदिता जोशी	छोटे किसानों की प्रगति और विकास के लिए नवाचार की भूमिका को समझना।	नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन, गांधीनगर, गुजरात- 382650
6.	नेहा मिश्र	खुले सरकारी डेटा पोर्टलों में गोपनीयता ट्रेड-ऑफ़ का जोखिम-लाभ विश्लेषण	आईआईआईटी, बैंगलोर, बेंगलुरु, कर्नाटक 560100

नौकरियाँ/प्लेसमेंट/उच्च अध्ययन (जुलाई 2020-जून 2021 के दौरान)

1. अनुरुद्ध कुमार, एम.एससी. (डिजिटल सोसाइटी), बैच 2018-20 ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में असिस्टेंट सिस्टम इंजीनियर के रूप में कार्य ग्रहण किया।
2. स्वाति छिकारा, एम.एससी. (डिजिटल सोसाइटी), बैच 2018-20 अपोलो मेडस्किल्स लिमिटेड में वरिष्ठ कार्यकारी-गुणवत्ता के रूप में कार्य ग्रहण किया।
3. मनीष तरुण, एम.एससी. (डिजिटल सोसायटी), बैच 2018-20 को लोक नीति कानून एवं शासन विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में शोधार्थी के रूप में चयनित किया गया।
4. नेहा मिश्रा, एम.एससी. (डिजिटल सोसाइटी), बैच 2019-21 को यंग इंडिया फेलोशिप (YIF)-अशोका विश्वविद्यालय की 11वीं दस्ता के लिए चुना गया।

खेल विज्ञान स्कूल

समन्वयक: डॉ. चंद्रशेखर गहन

विभाग
• खेल जीव विज्ञान विभाग • खेल जैव यांत्रिकी विभाग • खेल मनोविज्ञान विभाग

खेल विज्ञान स्कूल की स्थापना मई 2018 में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से की गई थी। खेल विज्ञान स्कूल का उद्देश्य खेल विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय शिक्षण और अनुसंधान करना है। इस स्कूल के स्नातकोत्तर कार्यक्रम खेल विज्ञान में छात्रों के ज्ञान को बढ़ाएंगे और खेल विज्ञान में अंतर्निहित वैज्ञानिक सिद्धांतों के साथ उनकी समझ के स्तर में सुधार करेंगे। पाठ्यक्रम सैद्धांतिक और प्रयोगशाला दोनों पहलुओं पर जोर देंगे जो छात्रों को खेल विज्ञान में यांत्रिक तकनीक और सॉफ्टवेयर-आधारित सिमुलेशन दोनों में अपने ज्ञान को समृद्ध और तेज करने में मदद करेगा। हम अपने छात्रों का खेल जीव विज्ञान, पोषाहार और जैव रसायन सहित वैज्ञानिक क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से खेल प्रदर्शन से संबंधित वैज्ञानिक सिद्धांतों का अध्ययन करने हेतु प्रोत्साहित और मार्गदर्शन करते हैं। हमारे पाठ्यक्रम छात्रों को कई उपयोगी कौशल विकसित करने में भी मदद करते हैं जैसे अनुसंधान अध्ययन डिजाइन करना, आंकड़ा और जानकारी एकत्र करना, महत्वपूर्ण आंकड़ा विश्लेषण, विदारक परिणाम, समस्या-समाधान, संगठन और समय प्रबंधन। छात्रों के कैरियर की महत्वाकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए, हमारा स्कूल छात्रों को कई वैज्ञानिक अनुसंधान क्षेत्रों में अत्याधुनिक तकनीकों को सीखने के पर्याप्त अवसर प्रदान करता है जो उन्हें उनके खेल विज्ञान कैरियर में एक अतिरिक्त तीव्रता प्रदान करेगा। हमें विश्वास है कि हमारा सुनियोजित पाठ्यक्रम, मार्गदर्शन, समर्पित संकाय और उल्लेखनीय नेतृत्व हमारे छात्रों में काफी सुधार लाएगा और उन्हें बेहतरीन खेल विज्ञान विशेषज्ञता के साथ समृद्ध करेगा।

खेल जैव विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. चंद्र शेखर गहन

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) द्वारा समर्थित खेल विज्ञान स्कूल के अंतर्ग खेल जैव विज्ञान विभाग शुरू किया है। विभाग ने तीन एम.एससी पाठ्यक्रम एम.एससी. खेल जैव रसायन विज्ञान, एम.एससी. एम.एससी. खेल पोषाहार और एम.एससी. खेल मनोविज्ञान संचालित करता है। ये पाठ्यक्रम खेल जीव विज्ञान में छात्रों के ज्ञान को बढ़ाएंगे और खेल विज्ञान में अंतर्निहित जैविक वैज्ञानिक सिद्धांतों के साथ उनकी समझ के स्तर में सुधार करेंगे। पाठ्यक्रम सैद्धांतिक और प्रयोगशाला दोनों पहलुओं और विशेष रूप से कम्प्यूटेशनल सिमुलेशन के साथ जैव रासायनिक और पोषण सम्बंधी विश्लेषण दोनों पर जोर देंगे। यह कार्यक्रम छात्रों को खेल के दौरान एथलीटों/खिलाड़ियों के साथ मैदान पर बातचीत करने और उनके व्यावहारिक परीक्षण करने की भी अनुमति देगा। यह छात्रों को खेल गतिविधियों की अंतर्निहित पेचीदगियों और खेल के सुधार को समझने के लिए इंस्ट्रूमेंटेशन तकनीकों और सॉफ्टवेयर दोनों में अपने ज्ञान को समृद्ध और तेज करने की अनुमति देगा। खेल, शारीरिक गतिविधि और मानव जीव विज्ञान के जैव विज्ञान के लिए उत्साह रखने वालों से अपील करते हुए, ये पाठ्यक्रम सिखाएंगे कि कैसे व्यक्तिगत स्तर की सफलता सुनिश्चित करने और खिलाड़ियों की क्षमता में सुधार के लिए खेल प्रदर्शन में सुधार किया जा सकता है।

एम.एससी. कार्यक्रम

- एम. एससी. खेल जैव रसायन

- एम. एससी. खेल पोषाहार
- एम. एससी. खेल शरीर क्रिया विज्ञान
- पीएच.डी. खेल जैविक विज्ञान

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. चंद्रशेखर गहन	सह आचार्य	जैव रसायन बायोप्रोसेस अभियांत्रिकी जैव रासायनिक अभियांत्रिकी
डॉ. नेहा सिंह	सहायक आचार्य	**खेल जीव विज्ञान** जैव चिकित्सा विज्ञान
डॉ हेमंत नाइक बनावथ	सहायक आचार्य	**खेल जीव विज्ञान** जैव रसायन
डॉ. सुनील जी पुरोहित	सहायक आचार्य	खेल प्रशिक्षण की जैव रासायनिक निगरानी और एथलीटों के स्वास्थ्य लाभ। शारीरिक फिटनेस और खेल प्रशिक्षण।
डॉ. निशा	अतिथि संकाय (अस्थायी)	खाद्य प्रसंस्करण, आहार विज्ञान, चिकित्सीय पोषण, उत्पाद विकास, खाद्य विज्ञान

अकादमिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ व्याख्यान/सम्मेलन/दौरे

नाम	कार्यक्रम	तिथि
प्रो. नरेश बाबू वी.एस. डॉ. गोविंदराज.पी. डॉ. गुलाम हुसैन सैयद डॉ. सुदीप्त बसु डॉ. संजय कुमार	स्वास्थ्य में माइटोकॉन्ड्रिया और रोग-2021 पर एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार।	24 फरवरी 2021

प्राप्त उपकरण /उपलब्ध सुविधाएँ

प्रमुख उपकरण

- पोर्टेबल डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक बॉडी वेट स्केल
- डीप फ्रीजर (-40°C)
- अर्ध-स्वचालित जैव रसायन विश्लेषक
- इलेक्ट्रोमोग्राफी (ईएमजी) और नर्व कॉनडुकशॉन वेलोसिटी (एनसीवी)
- सीरोलॉजिकल वाटर बाथ
- बेंच टॉप पीएच मीटर
- हॉट प्लेट और चुंबकीय स्टिरर
- पूरी तरह से स्वचालित रुधिर विश्लेषक

- स्पाइरोमीटर (पोर्टेबल)
- फ्रिज
- हॉट एयर ओवन
- वजन संतुलन
- टेबल टॉप वोरतेक्स मिक्सर
- हॉरिजॉन्टल एलेक्ट्रोफोरेसिस विथ पॉवर पैक
- स्माल वॉल्यूम सेंट्रीफ्यूज
- एसडीएस उपकरण और वेट ट्रांसफर सिस्टम
- केमी-डॉक् प्रणाली
- क्यूआरटी-पीसीआर
- CO2 इनक्यूबेटर
- नैनोड्रॉप स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
- पीसीआर मशीन
- हैंड-हेल्ड होमोजेनाइज़र
- ड्राई ब्लॉक हीटर
- पूर्ण पोर्टेबल लैक्टेट विश्लेषक
- पोर्टेबल हैंड ग्रिप डायनेमोमीटर
- टेबल ऑप लार्ज वॉल्यूम सेंट्रीफ्यूज
- 2डी रॉकर

पुरस्कार/उपलब्धियाँ

छात्र उपलब्धियाँ

विद्यार्थी का नाम	पाठ्यक्रम	बैच	परीक्षा उत्तीर्ण	वर्ष
मोहित धारीवाल	एमएससी खेल पोषण	2019-21	नेट-एल.एस.	2020

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान विभागीय गतिविधि

खेल जैव यांत्रिकी विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. चंद्र शेखर गहन

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने युवा मामले और खेल मंत्रालय (एम.वाई.ए.एस.) द्वारा वित्त पोषित खेल विज्ञान स्कूल एम.वाई.ए.एस के तहत खेल जैव यांत्रिकी विभाग शुरू किया है। विभाग उन छात्रों के लिए खेल जैव यांत्रिकी में

एम.एससी कार्यक्रम संचालित कर रहा है जो खेल बायोइंजीनियरिंग और खिलाड़ी/एथलीट के यांत्रिक पहलुओं, शारिरिक क्रियाओ और मानव जीव विज्ञान में अपना कैरियर बनाने के लिए उत्साही और इच्छुक हैं। इस पाठ्यक्रम में अध्ययन के उस क्षेत्र को शामिल किया गया है जहां मानव शरीर की संरचना और कार्य के लिए यांत्रिक ज्ञान तथा प्रणाली को अपनाया जाता है।

संचालित कार्यक्रम

• **एम. एससी. जैव यांत्रिकी**

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. चंद्रशेखर गहन	सह आचार्य	जैव रसायन • बायोप्रोसेस अभियांत्रिकी • बायोकेमिकल अभियांत्रिकी
डॉ. एम. मारीहवारन	सहायक आचार्य	
डॉ. सुभोमय चटर्जी	सहायक आचार्य (अस्थायी)	
डॉ. अतुल नाग	अतिथि संकाय	
डॉ. पीयूष गौर	अतिथि संकाय	

खेल मनोविज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. सुभाशीष भद्रा

खेल विज्ञान स्कूल के तहत खेल मनोविज्ञान विभाग ने 2020 से अपना शैक्षणिक सत्र शुरू किया। विभाग को युवा मामले और खेल मंत्रालय (एम.वाई.एएस.), भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। खेल मनोविज्ञान विभाग रचनात्मक प्रशिक्षण, अनुप्रयुक्त अनुसंधान और अभ्यास पर ध्यान केंद्रित करता है जो खेल, स्वास्थ्य और युवाओं के विकास के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक है। गहन सैद्धांतिक और व्यावहारिक व्यस्तताओं के माध्यम से, एथलीटों के उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं स्वास्थ्य और खेल व्यवस्था और संगठनों से जुड़े प्रणालीगत मुद्दों के समाधान के लिए मनोवैज्ञानिक ज्ञान और कौशल का उपयोग करने हेतु छात्रों को प्रशिक्षित किया जाता है। विभाग सकारात्मकता का सार, चुनौतियों पर जीत की भावना और समग्र कल्याण की सुविधा सुनिश्चित करने का प्रयास करता है जिससे कि छात्र सकारात्मक-मनोविज्ञान के अभ्यास के विभिन्न क्षेत्रों में सक्षम होकर खेल के क्षेत्र में कैरियर बना सकते हैं। विभाग का कार्य चार क्षेत्रों में होता है, पहला, उत्साही, कुशल खेल मनोवैज्ञानिक बनाने के आदर्श वाक्य के साथ शिक्षण। दूसरा, कक्षा शिक्षण, प्रयोगशाला और क्षेत्र-आधारित व्यावहारिक अनुभवों के माध्यम से सिद्धांत और व्यवहार का एकीकरण। तीसरा शोध है जिसमें खेल मनोविज्ञान के क्षेत्र में अनुभवजन्य कार्य और साक्ष्य के आधार पर छात्रों के शोध प्रबंध शामिल हैं। चौथा क्षेत्र वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से अनुसंधान कार्य करना है।

संचालित कार्यक्रम

- एम.ए./एमएससी. खेल मनोविज्ञान
- पीएच.डी. खेल मनोविज्ञान

संकाय

नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. नीतू पीएस	सहायक आचार्य	पर्यावरण मनोविज्ञान, खेल मनोविज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य
डॉ. गुनीत इंदर जीत कौर	सहायक आचार्य	खेल मनोविज्ञान, प्रदर्शन मनोविज्ञान, स्वास्थ्य मनोविज्ञान, संगठनात्मक व्यवहार

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ व्याख्यान/सम्मेलन/दौरे

नाम	कार्यक्रम	तिथि
प्रोफेसर जितेंद्र मोहन प्रोफेसर एमेरिटस, मनोविज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़	उत्कृष्टता की खोज के लिए खेल मनोविज्ञान पर व्याख्यान दिया	20 जुलाई 2021
डॉ. अनुराधा सोलंकी वैज्ञानिक अधिकारी, मानव प्रदर्शन प्रयोगशाला, भारतीय खेल प्राधिकरण, नई दिल्ली	खेल मनोविज्ञान के क्षेत्र में हालिया प्रगति पर व्याख्यान दिया	23 जुलाई 2021
डॉ. रीना कौली वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, भारतीय खेल प्राधिकरण, कोलकाता	खेल उत्कृष्टता की खोज: शक्ति का दोहन सकारात्मक मनोविज्ञान पर व्याख्यान दिया	6 अगस्त 2021
डॉ. जय प्रकाश बुखारी सह - आचार्य, शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय	खेल मनोवैज्ञानिक आकलन में हाल के रुझानों पर व्याख्यान दिया	13 अगस्त 2021

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां

विषय/कार्यक्रम का नाम	आयोजक/समन्वयक	दिनांक
"खेल मनोविज्ञान में कैरियर की संभावनाएं" पर चार दिवसीय ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान श्रृंखला	खेल मनोविज्ञान विभाग	20, 23 जुलाई और 6, 13 अगस्त 2021

संकाय: अकादमिक प्रयास

आमंत्रित व्याख्यान/ मुख्य संबोधन/ सत्र की अध्यक्षता

वास्तुकला विभाग

नीरज गुप्ता

"शिक्षण, अध्ययन एवं मूल्यांकन", राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (TLC@CURaj) में दस दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (15 - 25 मार्च 2021), आमंत्रित व्याख्यान।

"एफआईपी 2, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय" कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में, (11 मार्च 2021 को), मुख्य वक्ता।

"एनईपी 2020 : शिक्षण और अध्ययन की प्रक्रिया में अनुसंधान संस्कृति विकसित करना" एक सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (TLC@CURaj) में, (22 - 26 फरवरी 2021), आमंत्रित व्याख्यान।

"उच्चतर शिक्षा संस्थान के संकाय सदस्य" सप्ताह के ऑनलाइन प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (TLC@CURaj) में, (20 जनवरी-16 फरवरी 2021), आमंत्रित व्याख्यान।।

"एनईपी कार्यान्वयन में शिक्षक की भूमिका - जागरूकता और चुनौतियां" भारतीय शिक्षण मंडल और नीति आयोग के सहयोग से श्री देवराज उर्स एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च, कोलार द्वारा ऑनलाइन आयोजित, (13 फरवरी 2021), मुख्य वक्ता।

यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी), राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा ऑनलाइन आयोजित आरयूएसए छठा प्रेरण कार्यक्रम, पाठ्यक्रम का एक उद्देश्य शिक्षकों के पेशेवर कौशल को विकसित करना और उन्हें सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का एजेंट बनाना है, (12 फरवरी 2021 से 13 मार्च 2021), सत्र की अध्यक्षता।

"प्रबंधन पर भारतीय लोकनीति" राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (TLC@CURaj) में पर दस दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (04 से 14 जनवरी 2021), आमंत्रित व्याख्यान।

"शिक्षण और अध्ययन पर पारंपरिक भारतीय ज्ञान" "शिक्षक और शिक्षण (पीएमएमएमएनएमटीटी)" पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन की योजना के तहत पर शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (TLC@CURaj) में, (21 से 26 दिसम्बर 2020), आमंत्रित व्याख्यान।

"नई शिक्षा नीति 2020 का कार्यान्वयन" राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम, (14 से 18 दिसंबर 2020), आमंत्रित व्याख्यान।

शिक्षण एवं अध्ययन पर राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (TLC@CURaj) में दस दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम, (23 नवंबर से 03 दिसंबर 2020), आमंत्रित व्याख्यान।

"नई शिक्षा नीति 2020 का कार्यान्वयन" राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (TLC@CURaj) में उच्चतर शिक्षा संस्थान के संकाय सदस्यों की भूमिका पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम, (04 - 08 नवंबर 2020), आमंत्रित व्याख्यान।

"युवा और किशोर लड़कियों पर कोविड-19 का प्रभाव" राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में ऑनलाइन वेबिनार (15 अक्टूबर 2020), आमंत्रित व्याख्यान।

"ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के नवीकरणीय ऊर्जा और डिजिटलीकरण संसाधनों पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीआरडीआर 2020)" जेएनआईटी, जयपुर, राजस्थान में आयोजित (20-29 फरवरी 2020), आमंत्रित व्याख्यान।

"उच्च शिक्षा संस्थानों के संकाय सदस्य" राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (TLC@CURaj) में चार सप्ताह का ऑनलाइन प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम, (20 जनवरी - 16 फरवरी 2021), के उद्घाटन सत्र में सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित व्याख्यान।

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग

सोमेश्वर दास

सीडीएचएम, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल और दक्षिण एशियाई मौसम विज्ञान संघ द्वारा 17 जून 2021 को आयोजित वेबिनार "हिमालय पर गंभीर मौसम की भविष्यवाणी करने में चुनौतियां" में आमंत्रित व्याख्यान।

"न्यूमेरिकल वेदर प्रेडिक्शन, डेटा एसिमिलेशन और फोरकास्टिंग। TROPMET-2020 (पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम और जलवायु सेवाएं), एनईएसएसी, शिलांग 14-17 दिसंबर 2020 में सत्र की अध्यक्षता।

ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश द्वारा 11 से 12 दिसंबर 2020 को “मौसम विज्ञान और जलवायु विज्ञान 2020 (ICMCS 2020)”, पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सत्र की अध्यक्षता।

सुब्रत कुमार पांडा

“नई शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन पर एक सप्ताह ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम: व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास, शिक्षक और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन (PMMMNMTT) की योजना के तहत राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षण अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित (14 से 18 दिसंबर 2020), समन्वयक।

चिन्मय मलिक

"एम्बिएंट एयर-इंडियन उपमहाद्वीप परिप्रेक्ष्य में गैसों का पता लगाना : विश्लेषणात्मक तकनीकों का महत्व" सीएसआईआर-आईएमएमटी, भुवनेश्वर द्वारा भारत सरकार कौशल पहल कार्यक्रम के अंतर्गत 12-13 जनवरी 2021 को, "एम्बिएंट एरोसोल्स का अध्ययन करने की तकनीक और शहरी वायु गुणवत्ता पर उनके प्रभाव" पर 2-दिवसीय आभासी कौशल कार्यशाला में आमंत्रित व्याख्यान।

"अमेज़ॅन में जलवायु अनुसंधान" भूगोल विभाग, दुखूलाल निबारन चंद्र कॉलेज, मुर्शिदाबाद के सहयोग से आईक्यूएसी द्वारा "जलवायु परिवर्तन: चुनौतियां और संभावनाएं" पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार (18 सितंबर 2020), आमंत्रित व्याख्यान।

जैव रसायन विभाग

संजीव कुमार पांडा

"जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन रणनीति के लिए कोविड -19 महामारी से सीखे गए सबक", यूएनएस, इंडोनेशिया और गिफू विश्वविद्यालय, जापान द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित जलवायु परिवर्तन 2020 पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (24-25 सितंबर 2020), आमंत्रित व्याख्यान।

"जेनेटिक इंजीनियरिंग, जीएमओ और पर्यावरण सुरक्षा" और "कार्यात्मक जीनोमिक्स" यूनिवर्सिटस सेबेलस मारेट, इंडोनेशिया, (28 नवंबर 2020), आमंत्रित व्याख्यान।

शिक्षण अध्ययन केंद्र, राकेविवि द्वारा आयोजित एफडीपी में "रिसर्च ग्रांट प्रपोजल असेसमेंट" पर शोध प्रस्ताव लेखन और गतिविधि सत्र, (20 जनवरी-16 फरवरी 2021), आमंत्रित व्याख्यान।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षण अध्ययन केंद्र द्वारा "रिसर्च फंडिंग में सफलता के लिए कौशल" पर मार्च 15-25, 2021 को आयोजित एफडीपी में आमंत्रित वार्ता।

"शिक्षण और अध्ययन की प्रक्रिया में अनुसंधान संस्कृति को विकसित करना" पर कीनोट्स / संकाय विकास कार्यक्रम "अनुसंधान प्रस्तावों के मूल्यांकन में महत्वपूर्ण पैरामीटर" 22 से 26 फरवरी 2021 में आमंत्रित व्याख्यान।

चंडी सी मंडल

"पर्यावरण तापमान प्रदूषण, कैंसर और कोविड-19 से जुड़ा हुआ है", ब्रेनवेयर यूनिवर्सिटी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल द्वारा राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस पर उत्सव, (2 दिसंबर 2020), आमंत्रित व्याख्यान।

विश्वनाथ तिवारी

"कार्बापेनम-प्रतिरोधी एसिनेटोबैक्टर बाउमानी का मुकाबला करने की रणनीतियाँ" भारतीय विज्ञान अकादमी, बंगलौर की 86वीं वार्षिक बैठक (6-8 नवंबर 2020), में आमंत्रित व्याख्यान।

"कार्बापेनम-प्रतिरोधी एसिनेटोबैक्टर बॉमनी का मुकाबला करने के लिए बहु-विषयक रणनीतियाँ" आणविक और सेलुलर इंजीनियरिंग विभाग, सैम हिगिनबॉटम कृषि प्रौद्योगिकी और विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज में "जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान और जैव रसायन में हालिया प्रगति" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, (18-20 दिसंबर 2020) में आमंत्रित व्याख्यान।

'माइक्रोबियल डायवर्सिटी: सोर्स ऑफ नॉवेल थेरेप्यूटिक्स एंड इंडस्ट्रियल एंजाइम्स', जैव प्रौद्योगिकी और सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, एकेएस विश्वविद्यालय, सतना (म.प्र.) में "कार्बापेनम-प्रतिरोधी एसिनेटोबैक्टर बॉमनी की रोकथाम और नियंत्रण के लिए रणनीतियाँ" पर कार्यशाला (5-6 अक्टूबर 2020) में आमंत्रित व्याख्यान।

"मेम्ब्रेन प्रोटिओम कार्बापेनम-प्रतिरोधी बैक्टीरिया के खिलाफ संभावित लक्ष्य प्रदान करते हैं" जंतु विज्ञान विभाग, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा द्वारा आयोजित (26 दिसंबर 2020) में आमंत्रित व्याख्यान।

दीपक गायन

"जेनेटिक इंजीनियरिंग के माध्यम से चावल की भंडारण स्थिरता और उत्पादकता में सुधार", बायोइंजीन द्वारा आयोजित, (18 जुलाई 2020), आमंत्रित व्याख्यान।

"पर्यावरणीय तनाव के संदर्भ में प्लांट ऑर्गेनेल प्रोटिओमिक्स" सीएसआईआर-ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम, (8 अगस्त 2020), आमंत्रित व्याख्यान।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

सुमन तप्रयाल

"21वीं सदी: जैव प्रौद्योगिकी का युग", कार्यशाला XI - माइक्रोबियल जैव विविधता: उपन्यास रोगाणुरोधी चिकित्सा विज्ञान का स्रोत, 6जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जीवन विज्ञान और प्रौद्योगिकी संकाय, एकेएस विश्वविद्यालय, सतना (एमपी) द्वारा आयोजित ई-रिफ्रेशर कोर्स में अक्टूबर 2020 में आमंत्रित व्याख्यान।

जय कांत यादव

"स्वस्थ उम्र वृद्धि : आणविक घटनाओं को नियंत्रित करने में पोषण की भूमिका" रसायन विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान, गीतम विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम द्वारा आयोजित वेबिनार, जल, ऊर्जा और पर्यावरण: चुनौतियां और समाधान (WEE-2021), 20-21 जनवरी 2021 में आमंत्रित व्याख्यान।

"ट्रेहलोज मानव मोतियाबिंद लेंस से पृथक घुलनशील प्रोटीन की अमाइलॉइड जैसी संरचना के उष्मा-प्रेरित संरचना को रोकता है", संधारणीय कृषि, पर्यावरण और स्वास्थ्य (बीएसएईएच 2021) के लिए जैव प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (4-8 मार्च 2021) में आमंत्रित व्याख्यान।

रसायन विज्ञान विभाग

ईश्वर एस.

"ज्ञान गंगा" पहल के तहत "द मोरिता-बायलिस-हिलमैन केटोन: ए पेंडोरा बॉक्स ऑफ रिएक्टिविटी" कॉलेज शिक्षा निदेशालय, जयपुर के सहयोग से गवर्नमेंट डूंगर कॉलेज, बीकानेर में 20 जनवरी 2021 आमंत्रित व्याख्यान।

"प्रोटॉन एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी का परिचय" मैटेरियल्स रिसर्च सेंटर, एमएनआईटी जयपुर द्वारा "सामग्री विशेषता के लिए स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीक" पर आयोजित पांच दिनों के अल्पकालिक पाठ्यक्रम 4 जनवरी 2021 में आमंत्रित व्याख्यान।

मैटेरियल्स रिसर्च सेंटर, एमएनआईटी जयपुर द्वारा आयोजित "स्पेक्ट्रोस्कोपिक टेक्निक्स फॉर मैटेरियल्स कैरेक्टराइजेशन" पर पांच दिनों के शॉर्ट टर्म कोर्स "प्रोटॉन एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी में समस्या-समाधान" 5 जनवरी 2021 में आमंत्रित व्याख्यान।

अनुज के शर्मा

ज्ञान गंगा कार्यक्रम आयुक्तालय, कॉलेज शिक्षा राजस्थान और रसायन विज्ञान विभाग, एस.पी.सी. गवर्नमेंट कॉलेज अजमेर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "पारंपरिक और समकालीन जैव अकार्बनिक रसायन विज्ञान: एक सिंहावलोकन" 11-16 जनवरी 2021 में आमंत्रित व्याख्यान।

जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए फरीदाबाद द्वारा "स्कैन और नोवा सॉफ्टवेयर टूल्स का उपयोग कर डेटा प्रोसेसिंग: यूवी-दृश्य स्पेक्ट्रोस्कोपी और चक्रीय वोल्टमेट्री" "कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री में हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग एंड प्रैक्टिसेस" नामक एक सप्ताह के राष्ट्रीय ई-वर्कशॉप सह मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम 23-27 नवंबर 2020 में आमंत्रित व्याख्यान।

एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मॉलिक्यूलर मेडिसिन एंड स्टेम सेल रिसर्च, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, में "न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों में धातु आयनों की भूमिका और चिकित्सीय एजेंटों के रूप में बहुक्रियाशील चेलेटर्स को विकसित करने के लिए चल रहे शोध" 29 अक्टूबर 2020 आमंत्रित व्याख्यान।

रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी रुड़की, भारत द्वारा आयोजित "आईआईटी रुड़की रसायन विज्ञान के पूर्व छात्रों से मिलें" में "जैव चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए बहुक्रियाशील अकार्बनिक प्रणाली", (10-15 अगस्त 2020), आमंत्रित व्याख्यान।

रसायन विज्ञान विभाग, मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर, भारत द्वारा आयोजित "टीका विकास और रसायन विज्ञान के चिकित्सीय अनुप्रयोगों में चुनौतियां" पर वेबिनार "उपचारात्मक अनुप्रयोगों के लिए डिज़ाइन किए गए उपन्यास लघु धातु-आधारित आणविक एजेंट" 28 जुलाई 2020 में आमंत्रित व्याख्यान।

थिरुमूर्ति रामलिंगम

रसायन विज्ञान विभाग, गवर्नमेंट कॉलेज, कोटा, भारत में "ट्राइचलकोजेनो पीसीपी ब्रिजेड मोनो- एंड डायनियन फॉर ट्रांजिशन एंड मेन-ग्रुप मेटल्स" 01-06 फरवरी 2021 में आमंत्रित व्याख्यान

एमईपीसीओ श्लेंक इंजीनियरिंग कॉलेज, शिवकाशी, तमिलनाडु, में रसायन विज्ञान-2020 में फ्रंटियर रिसर्च एरियास (एफआरएसी-२०२०) में "पीसीपी ब्रिजेड मोनो एंड डायनियन फॉर मेन-ग्रुप मेटल कॉम्प्लेक्स", 19–23 अक्टूबर 2020 में आमंत्रित व्याख्यान।

वाणिज्य विभाग

प्रवीण साहू

एसआरएसएच डिग्री कॉलेज, हट्टा, दमोह, म.प्र. द्वारा "भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 के प्रभाव से पहले और बाद में: ई-कॉमर्स के संदर्भ में आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार, फरवरी 10, 2021 में संसाधन व्यक्ति।

नेहा सेठ

प्रबंधन अध्ययन केंद्र, जामिया इस्लामिया, नई दिल्ली, भारत में अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन, "क्या स्टॉक मार्केट और अर्थव्यवस्था के बीच कोई संबंध है?" 21-24 मई, 2021 को व्याख्यान दिया एवं सत्र की अध्यक्षता की।

संजय कुमार पटेल

जेवीबीआई (डीम्ड यूनिवर्सिटी), राजस्थान, में "वर्तमान परिदृश्य में वित्तीय योजना की भूमिका" पर 29 दिसंबर, 2020 को राष्ट्रीय वेबिनार में "वित्तीय योजना और कर प्रावधान: व्यक्ति के लिए कर बचत", मुख्य नोट विशेषज्ञ।

कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग

गौरव सोमानी

गवर्नमेंट वूमेन इंजीनियरिंग कॉलेज, अजमेर द्वारा आयोजित 'इमर्जिंग टेक्निक्स इन इंजीनियरिंग' पर एफडीपी "डीडीओएस अटैक्स इन क्लाउड कंप्यूटिंग" 19 मार्च 2021 में आमंत्रित व्याख्यान।

TEQIP-III, सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, अजमेर द्वारा प्रायोजित "प्रभावी शिक्षण और ऑनलाइन कक्षाएं", "आईसीटी इन रिसर्च, टीचिंग एंड लर्निंग (आईसीटीआरटीएल-2020)" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन शॉर्ट-टर्म कोर्स 10 सितंबर 2020 में आमंत्रित व्याख्यान।

अहमदाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "वर्चुअलाइजेशन: फंडामेंटल्स एंड एडवांसमेंट्स" (व्याख्यान श्रृंखला: 12 वार्ता) अगस्त-सितंबर 2020 में आमंत्रित व्याख्यान।

मुज़म्मिल हुसैन

एल्सेवियर द्वारा प्रायोजित और वाग्देवी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, वारंगल, तेलंगाना, भारत द्वारा विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन 2020 (ICRSETM-2020) में अनुसंधान पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "बौद्धिक संपदा अधिकार: मुद्दे और चुनौतियां", 28 दिसंबर 2020 में आमंत्रित व्याख्यान।

यूजीसी-एचआरडीसी, जेएनटीयूएच, हैदराबाद द्वारा "ब्लॉक चेन प्रौद्योगिकी पर आयोजित दो सप्ताह का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम "ब्लॉक चेन में सुरक्षा, 17 दिसंबर 2020 में संसाधन व्यक्ति।

आईटी और सीए विभागों, जेईसीआरसी विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन एफडीपी "आईपीआर: मुद्दे और चुनौतियां",04 दिसंबर 2020 में आमंत्रित व्याख्यान।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

ममता रानी

जिम्स इंजीनियरिंग मैनेजमेंट टेक्निकल कैंपस, ग्रेटर नोएडा द्वारा आयोजित सेमिनार "हाल ही में प्रबंधन, मीडिया, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और कानूनी मुद्दों में नवाचार" 08 मई 2021 में सत्र की अध्यक्षता।

एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा में "अराजक जीवविज्ञान आधारित अनुकूलन", 07 मई 2021 में आमंत्रित व्याख्यान।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईसीएए, नेपाल "बैप्टिस्टा अराजक क्रिप्टोसिस्टम की भेद्यता" 09-11 अप्रैल 2021 में आमंत्रित व्याख्यान।

"लीलावती", एफडीपी ऑन टीचिंग लर्निंग एंड असेसमेंट,15-25 मार्च 2021 में आमंत्रित व्याख्यान।

निष्ठा केसवानी

आईआईटी पटना में "इंटरनेट ऑफ थिंग्स और कनेक्टेड टेक्नोलॉजीज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन", (आईसीआईओटीसीटी) 2021, 30 जुलाई 2021 में सत्र की अध्यक्षता।

बल्लूराम गोदारा गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज, श्री गंगानगर में 6 दिनों के ऑनलाइन एफडीपी "शिक्षण और अनुसंधान के लिए आईसीटी उपकरण" पर 19 जनवरी 2021 को आमंत्रित व्याख्यान।

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी में प्री-पीएचडी कार्यशाला में "डेटा संचार और नेटवर्क" 5 दिसंबर 2020 में आमंत्रित व्याख्यान।

IIT पटना में इंटरनेट ऑफ थिंग्स एंड कनेक्टेड टेक्नोलॉजीज (ICIoTCT) 2020 पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "क्लाउड-आईओटी एप्लीकेशन", (03-05 जुलाई 2020), सत्र की अध्यक्षता।

रवि राज चौधरी

एसकेआईटी, जयपुर द्वारा आयोजित कंप्यूटर इंजीनियरिंग में उभरती प्रौद्योगिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मशीन लर्निंग एंड एप्लीकेशन": डेटा साइंस एंड ब्लॉकचैन टेक्नोलॉजी (आईसीईटीसीई-2021), 03-04 फरवरी 2021, में सत्र की अध्यक्षता

कंप्यूटर विज्ञान विभाग, आर्यभट्ट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड रिसर्च सेंटर, अजमेर द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में "इमेज प्रोसेसिंग", 02-06 फरवरी 2021, में आमंत्रित व्याख्यान।

एसपीएआरसी, एमएचआरडी और टीईक्यूआईपी-III, एनआईटी उत्तराखंड द्वारा प्रायोजित सामग्री प्रसंस्करण और विनिर्माण अनुप्रयोग (आईसीएडीएमए-2020) में अग्रिम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "डी-फॉगिंग मशीन लर्निंग एल्गोरिथम का उपयोग करना" में आमंत्रित व्याख्यान।

एमिटी यूनिवर्सिटी राजस्थान, जयपुर, में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एसयूएससीओएम-2019 में "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फॉर सस्टेनेबिलिटी", 26-28 फरवरी 2019 में सत्र की अध्यक्षता।

अजय इंडियन

कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, इनवर्टिस विश्वविद्यालय, बरेली द्वारा सीएसआई के सहयोग से आयोजित कम्प्यूटेशनल तकनीकों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीटी-2021) में "हाल के रुझान और मुद्दे" इलाहाबाद चैप्टर, 22-23 जनवरी 2021 में सत्र की अध्यक्षता।

कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग, इनवर्टिस यूनिवर्सिटी, बरेली, (15-16 जनवरी 2021) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ई-कॉन्फ्रेंस एडवांस्ड कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजीज (एसीटी -2021) में "सीएनएन की नींव और इमेज प्रोसेसिंग में इसके अनुप्रयोग", सत्र की अध्यक्षता।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या द्वारा आयोजित ई-सामग्री निर्माण पर शिक्षकों के एक सप्ताह के रीस्किलिंग कार्यक्रम में "ई-कंटेंट क्रिएशन यूजिंग गूगल टूल्स", (02-07 दिसंबर 2020), आमंत्रित व्याख्यान।

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या द्वारा आयोजित "आईसीटी लर्निंग एंड ई-कंटेंट डेवलपमेंट" पर एक सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में "ई-कंटेंट को बढ़ाने के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर का उपयोग", (23 जुलाई 2020), आमंत्रित व्याख्यान।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या द्वारा आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में "आईसीटी और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इसकी भूमिका", 2 अप्रैल 2020, आमंत्रित व्याख्यान।

कृष्ण कुमार मोहबे

शासकीय नेहरू पीजी कॉलेज डोंगरगढ़, राजनांदगांव सी.जी. में अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार "साइबर प्रौद्योगिकी के साथ समकालीन मुद्दे", 09 जून 2021 में मुख्य वक्ता।

अनुराग ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस हैदराबाद में इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों में डेटा साइंस पर एक सप्ताह के एआईसीटीई-आईएसटीई इंडक्शन / रिफ्रेशर प्रोग्राम "आर का उपयोग करके डेटा विश्लेषण", 19 मार्च 2021 में आमंत्रित व्याख्यान।

गौरव मीना

कंप्यूटर विज्ञान विभाग, आर्यभट्ट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड रिसर्च सेंटर, अजमेर, भारत द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम "एआई और मशीन लर्निंग का अनुप्रयोग", 02-06 फरवरी 2021 में आमंत्रित भाषण।

एसकेआईटी, जयपुर द्वारा आयोजित कंप्यूटर इंजीनियरिंग में उभरती प्रौद्योगिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "मशीन लर्निंग एंड एप्लीकेशन": डेटा साइंस एंड ब्लॉकचैन टेक्नोलॉजी (आईसीईटीसीई-2021), 3-4 फरवरी 2021 में सत्र की अध्यक्षता।

अनुप्रयुक्त विज्ञान मानविकी विभाग, इंजीनियरिंग कॉलेज, अजमेर द्वारा आयोजित तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम "आईसीटी इन रिसर्च, टीचिंग लर्निंग (आईसीटीआरटीएल-2020)"। (टीईक्यूआईपी-III), 7-11 सितंबर 2020 में आमंत्रित व्याख्यान।

तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईटीसीई), जयपुर, भारत में "कंप्यूटर इंजीनियरिंग में उभरती हुई तकनीकें: मशीन लर्निंग और इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स", 07-08 फरवरी 2020 आमंत्रित व्याख्यान।

एमिटी यूनिवर्सिटी राजस्थान, जयपुर, भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एसयूएससीओएम-2019 में "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फॉर सस्टेनेबिलिटी", (26-28 फरवरी 2019), सत्र की अध्यक्षता।

राजस्थान सांख्यिकी संघ, राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एसएनएच (मानविकी के लिए सांख्यिकीय नेटवर्क) की पहली कार्य समूह बैठक मानविकी के लिए सांख्यिकीय कंप्यूटिंग पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "वर्तमान परिदृश्य में सूचना सुरक्षा", 16-17 फरवरी 2019, आमंत्रित व्याख्यान।

संस्कृति और मीडिया अध्ययन विभाग

अनूप कुमार

विजुअल कम्युनिकेशन विभाग, नेहरू आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, कोयंबटूर में नेशनल वेबिनार "अंडरस्टैंडिंग फेक न्यूज एंड इट्स प्रिवेंटिव मेजर्स", 31 मई 2021 में आमंत्रित व्याख्यान।

स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान में पीएचडी स्कॉलर्स के लिए चार सप्ताह की शोध पद्धति कार्यशाला "गुणात्मक डेटा विश्लेषण" 20 जनवरी 2021 में आमंत्रित व्याख्यान।

स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान में पीएचडी स्कॉलर्स के लिए चार सप्ताह की शोध पद्धति कार्यशाला "गुणात्मक अनुसंधान में दृष्टिकोण" 9 जनवरी 2021 में आमंत्रित व्याख्यान।

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग

राजन सिंह

इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग, सागर इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल (27 जुलाई- 1 अगस्त 2020) में "नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को शामिल करते हुए विद्युत प्रणाली का इष्टतम संचालन", मुख्य वक्ता

"अभियांत्रिकी, विज्ञान और प्रबंधन में आधुनिक दृष्टिकोण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (MAESM-2021)," बंसल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लखनऊ में, (16-17 अप्रैल 2021), सत्र अध्यक्ष

कपिल सारस्वत

राजकीय महिला अभियांत्रिकी महाविद्यालय अजमेर, राजस्थान में आईईईई छात्र शाखा द्वारा "सर्कुलर पोलराइज्ड एंटिना: बनावट और विश्लेषण" (दोपहर सत्र, 17 मार्च 2021) आमंत्रित व्याख्यान

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, बीकानेर (राजस्थान) में "संचार, नेटवर्किंग और कंप्यूटिंग प्रतिमानों में हालिया रुझान" (7 - 18 सितंबर 2020) पर एफडीपी में "स्मार्ट संचार के लिए ध्रुवीकरण और बैंड पुनर्विन्यासन करने योग्य एंटेना", आमंत्रित व्याख्यान

अंग्रेजी विभाग

सुप्रिया अग्रवाल

"आधुनिक शिक्षाशास्त्र में रणनीतियाँ", एनआईटी सिक्किम द्वारा आयोजित (17 फरवरी 2021)- आमंत्रित व्याख्यान

तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद में "संस्थागत ढांचे का पुनर्गठन" (8 सितंबर 2020)- आमंत्रित व्याख्यान

संजय अरोड़ा

सरकारी महाविद्यालय, टोंक के लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में "हास्य को संचार के लिए एक उपकरण के रूप में उपयोग करना" (01-06 मार्च 2021), आमंत्रित व्याख्यान

सरकारी डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर में " मौखिक अंग्रेजी और संवाद " (23 दिसंबर 2020 -26 फरवरी 2021), आमंत्रित व्याख्यान

बीएसआर सरकारी कला महाविद्यालय के लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में "अकादमिक लेखन के मानदंडों का पालन" (20 फरवरी 2021), आमंत्रित व्याख्यान

शाकंभर पीजी सरकारी महाविद्यालय के लघु अवधि संकाय विकास कार्यक्रम (08-13 फरवरी 2021) में "शैक्षणिक लेखन में सामंजस्य और सुसंगतता की संबद्धता" - आमंत्रित व्याख्यान

सरकारी कला महाविद्यालय, कोटा में "भाषा और साहित्य पढ़ाने के तरीके" (1-6 फरवरी 2021)- आमंत्रित व्याख्यान

जनार्दन राय नगर राजस्थान विद्यापीठ में सात दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (18 दिसंबर 2020) "सिद्धांत की बेड़ियों को तोड़ना" आमंत्रित व्याख्यान

"बहुलता ही एकता है" आर.ए.एस.ई. सम्मेलन (28-29 नवंबर 2020), सत्र की अध्यक्षता

ई.एफ.एल.यू. लखनऊ में "भाषा शिक्षण और अनुसंधान के लिए वेब उपकरण का उपयोग करना" (5 नवंबर 2020), आमंत्रित व्याख्यान

एमएलएस विश्वविद्यालय, उदयपुर में "प्रतिस्पर्धी उद्देश्य के लिए अंग्रेजी भाषा कौशल" (13 सितंबर 2020), आमंत्रित व्याख्यान

ईएलटीएआई, सोलापुर के सहयोग से क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बैंगलोर में "नई शिक्षा नीति 2020 के प्रकाश में शिक्षकों की स्थिति और पुनर्स्थापन" (24 अगस्त 2020), आमंत्रित व्याख्यान

एमएनआईटी, जयपुर के एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में 'व्याकरणिक क्षमता बढ़ाने की तकनीक' (21 अगस्त 2020)- आमंत्रित व्याख्यान

एमएनआईटी, जयपुर के एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में " रोजगार के लिए सम्मानजनक बोलने का कौशल " (20 अगस्त 2020)- आमंत्रित व्याख्यान

एमएनआईटी, जयपुर के एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में "ऑनिंग राइटिंग स्किल्स फॉर एम्प्लॉयबिलिटी" (18 अगस्त 2020)- आमंत्रित व्याख्यान

जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी, जयपुर में "ब्लॉग राइटिंग मेड ईज़ी" (26 जुलाई 2020), आमंत्रित व्याख्यान

भूमिका शर्मा

गुजरांवाला गुरु नानक खालसा कॉलेज द्वारा आयोजित “राइटिंग्स फ्रॉम पंजाब : अ डाइव थ्रू इंग्लिश ट्रांसलेशन्स ” पर एक वेबिनर “बुल्लेह शाह: अ पंजाबी पोएटिक वौइस् इन सूफी ट्रेडिशन” (12 जनवरी 2021) में आमंत्रित व्याख्यान

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा “इंडियन एथोस इन मैनेजमेंट” पर आयोजित ऑनलाइन एफ.डी.पी. “डस इंडियन एपिक ट्रेडिशन ऑफर एनी मैनेजमेंट मंत्र ? “ (11 जनवरी 2021) में आमंत्रित व्याख्यान

कनोडीया पी जी महिला महाविद्यालय, जयपुर में “इंडियन राइटिंग इन इंग्लिश : अ हिस्टोरिकल ओवरव्यू” में आमंत्रित व्याख्यान

इ.एल.टी.ए.आई वेबिनार सीरीज “वर्क्स ऑन लूइसे ग्लक”(22 नवम्बर 2020) में आमंत्रित व्याख्यान

तिरुवल्लुवर यूनिवर्सिटी कोन्स्टीटूएन्ट कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड साइंस, तमिल नाडू में “डेवलपमेंट ऑफ़ अमेरिकन लिटरेरी ट्रेडिशन : अ हिस्टोरिकल ओवरव्यू” (24 अक्टूबर 2020) में आमंत्रित व्याख्यान

गया कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग में एक सप्ताह की ऑनलाइन वर्कशॉप (02 अक्टूबर 2020) में आमंत्रित व्याख्यान

द केप कोमोरिन ट्रस्ट एंड लावेंदर लिटरेरी क्लब द्वारा जेंडर स्टडीज पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन “द लैंग्वेज ऑफ़ फेमिनिन अक्रॉस कल्चर “ में आमंत्रित व्याख्यान

नेहा अरोड़ा

"आवर हिस्ट्री टू मैर्स : रीराइटिंग हिस्ट्री", डी.ए.ए.टी.एच. वोयाज व्याख्यान श्रृंखला द्वारा आयोजित (03 नवंबर 2020) आमंत्रित व्याख्यान

"री-थिंकिंग द पोस्टकोलोनियल: टेक्स्ट्स एंड कॉन्टेक्स्ट्स" न्यू लिटरेरिया जर्नल और असम यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित, (25 सितंबर 2020)- सत्र की अध्यक्षता

"पर्यावरण, साहित्य और संस्कृति" (11 सितंबर 2020)- सत्र की अध्यक्षता

‘सफरिंग सरफेस ऑन वीमेन एम्पावरमेंट’ एनएएएस कॉलेज, मदुरई कामराज विश्वविद्यालय में पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "ब्रेकिंग बैरियर, क्रिएटिंग माइलस्टोन", (2 सितंबर 2020)- आमंत्रित व्याख्यान

देवेंद्र रंकावत

"औपचारिकता" आरएएसई और एमवीएस कॉलेज, जनार्दन राय नगर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर द्वारा समकालीन साहित्यिक सिद्धांत पर आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम (19 दिसंबर 2020), आमंत्रित व्याख्यान

"एकता में बहुलता" आरएएसई द्वारा आयोजित (28-29 नवंबर 2020), सत्र की अध्यक्षता

वेद प्रकाश

"थ्योराइजिंग लाइफ राइटिंग" अंग्रेजी : भाषा और साहित्य पर रिफ्रेशर पाठ्यक्रम, अंग्रेजी और विदेशी भाषा विभाग, यूजीसी-एचआरडीसी, भरथियार विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु द्वारा आयोजित (14 दिसंबर 2020), आमंत्रित व्याख्यान

"द जैज एज एंड द क्वेश्चन ऑफ रेस" अंग्रेजी विभाग, दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित (9 सितंबर 2020), आमंत्रित व्याख्यान

पर्यावरण विज्ञान विभाग

राजेश कुमार

"जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियरों पर इसका प्रभाव" सतत विकास के विभिन्न पहलुओं के बारे में संज्ञान बढ़ाने के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान श्रृंखला के तहत सतत विकास केंद्र, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार द्वारा आयोजित (19 जून 2021), आमंत्रित व्याख्यान

"पर्यावरण और प्राकृतिक आपदाएं" सेंट विल्फ्रेड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अजमेर द्वारा पर्यावरण और प्राकृतिक आपदाओं पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार (11 जून 2021), आमंत्रित व्याख्यान

इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स, इंडिया (ITPI), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इकोसिस्टम रेस्टोरेशन- प्रकृति के साथ एक अच्छे संबंध बनाना' पर एक वेबिनार में "बदलते जलवायु प्रभाव और हमारे पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता" (5 जून 2021)- आमंत्रित व्याख्यान।

"जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियरों पर इसका प्रभाव" पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन (PMMMNMTT), शिक्षा मंत्रालय और पर्यावरण विज्ञान विभाग, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पर्यावरण अध्ययन पर (9 मार्च 2021 से 22 मार्च 2021) एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (15 मार्च 2021), आमंत्रित व्याख्यान।

सेंट विल्फ्रेड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अजमेर द्वारा आयोजित "इंजीनियरिंग और प्रबंधन में हालिया रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन" में "जलवायु का रुझान और पर्यावरण पर प्रभाव- प्रौद्योगिकी और प्रबंधन की भूमिका" (04 मार्च 2021)- आमंत्रित व्याख्यान।

"जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियरों पर इसके प्रभाव: विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका" आई सी ए आर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर एक वेबिनार में (28 फरवरी 2021)- आमंत्रित व्याख्यान।

"जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियरों पर इसका प्रभाव" राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान के शिक्षक अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित "उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) के संकाय सदस्यों के लिए चार सप्ताह ऑनलाइन प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम" में (15 फरवरी 2021), आमंत्रित व्याख्यान।

"प्राकृतिक आपदा और शमन" 'नागरिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन' पैसिफिक स्कूल ऑफ लॉ, पैसिफिक यूनिवर्सिटी, उदयपुर द्वारा आयोजित पर 10वें वेबिनार में (9 दिसंबर 2020) आमंत्रित व्याख्यान।

एल के शर्मा

नेशनल एसोसिएशन ऑफ जियोग्राफर्स, भारत, भूगोल विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली और सऊदी जियोग्राफिकल सोसायटी, रियाद, सऊदी अरब द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान "ड्रोन / यूएवी संचालन के लिए उड़ान योजना और डेटा अधिग्रहण" (2 दिसंबर 2020)- आमंत्रित व्याख्यान।

गरिमा कौशिक

"पर्यावरण प्रबंधन में सूक्ष्म जीव: उभरते संदूषक" राष्ट्रीय ई-कार्यशाला में "पर्यावरण प्रबंधन में प्रमुख चुनौतियां और विकल्प" एनआईटीके, सुरथकल, कर्नाटक, भारत (15-19 मार्च 2021)- आमंत्रित व्याख्यान।

राजकीय महाविद्यालय, कंवर नगर, जयपुर में "कोरोना महामारी और पर्यावरणीय प्रभाव" (12 मार्च 2021)- आमंत्रित व्याख्यान

"माइक्रोकोकस युन्नानेंसिस द्वारा इबुप्रोफेन डिग्रेडेशन: ऑप्टिमाइज़ेशन एंड एक्सप्लोरेशन", खाद्य विज्ञान और पोषण पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार सम्मेलन में,(27 जनवरी 2021), आमंत्रित व्याख्यान

रितु सिंह

"संशोधित मैग्नेटाइट नैनोकणों का उपयोग करके जलीय वातावरण से दो सिंथेटिक रंगों को हटाने का मूल्यांकन: एक तुलनात्मक अध्ययन" नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जालंधर द्वारा आयोजित सामग्री, विश्वसनीयता, सुरक्षा और पर्यावरणीय मुद्दों पर हाल के विकास पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (25-27 जून 2021), आमंत्रित व्याख्यान

"डाई हटाने के लिए सतह संशोधित मैग्नेटाइट नैनोपार्टिकल्स: काइनेटिक्स और थर्मोडायनामिक्स" भारतीय जल संसाधन सोसाइटी (IWRS) और जल संसाधन विकास और प्रबंधन विभाग, IIT रुड़की, उत्तराखंड द्वारा आयोजित जल स्रोत स्थिरता पर एक अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में (18-20 जून 2021), आमंत्रित व्याख्यान

"सिंथेटिक रंगों के उपचार के लिए चुंबकीय नैनोकणों का कार्यात्मककरण" मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित रासायनिक, जैविक और पर्यावरण इंजीनियरिंग (आईसीएसीबीईई-2021) में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (23-24 अप्रैल 2021), आमंत्रित व्याख्यान

शैलेश कुमार पाटीदार

"भोजन, ऊर्जा और सतत पर्यावरण समाधान के लिए शैवाल" पूर्णिमा विश्वविद्यालय, जयपुर में (04 जुलाई 2020), आमंत्रित व्याख्यान

भाषाविज्ञान विभाग

धनपति शौग्रकपम

“राइटिंग गुड सीवी: ब्रिजिंग एकेडेमिक डेस्टिनेशन” सामाजिक कार्य विभाग, सामाजिक विज्ञान स्कूल, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा, आयोजित एक दिवसीय वेबिनार (26 मई 2021), आमंत्रित वार्ता।

साक्षी भाटिया

“अग्रीमेंट प्रोसेसिंग इन अ लैंग्वेज विथ अ मिक्स्ड अग्रीमेंट सिस्टम: एविडेंस फ्रॉम हिंदी” साइकोलिंग्विस्टिक्स कॉफ़ी टॉक सीरीज़, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, स्कॉटलैंड (7 अक्टूबर 2020), आमंत्रित वार्ता।

प्रिवर्बल सिंटैक्टिक कोम्प्लेक्सिटी एंड लोकल कोहेरेंस इफेक्ट्स, फॉर्मल अप्प्रोचेस टू साउथ एशियन लैंग्वेजेज 11, मिनेसोटा विश्वविद्यालय (26-28 मार्च 2021)- सम्मेलन की मुख्य बात।

भाषा के अधिग्रहण और प्रसंस्करण पर पहला दक्षिण एशियाई मंच, पॉट्सडैम विश्वविद्यालय, जर्मनी (31 अगस्त- 2 सितंबर, 2020) आमंत्रित पैनलिस्ट।

“टीचिंग लिंग्विस्टिक्स ऑनलाइन वर्कशॉप” फील्ड भाषाविज्ञान प्रयोगशाला, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित (5 जून 2021), आमंत्रित प्रस्तुतकर्ता।

शरिता शर्मा

"इंडियन साइन लैंग्वेज: टुवर्ड्स अन एक्सेसिबल इंडिया" एक्सेसिबल इंडिया कैंपेन (एआईसी) पहल की भागीदारी के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) तिरुपति में संकाय और कर्मचारियों के सदस्यों के लिए भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) पर संवेदीकरण व्याख्यान (2 फरवरी 2021), आमंत्रित वार्ता।

गणित विभाग

डी सी शर्मा

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन पर पैनल चर्चा" मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उच्च शिक्षा संस्थानों में कार्यान्वयन पर चर्चा के दौरान (6 जुलाई 2020), पैनलिस्ट

"क्यूइंग थ्योरी और इसके अनुप्रयोग" जेईसीआरसी विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान में गणितीय मॉडलिंग, अनुप्रयुक्त विश्लेषण और संगणना -2020 (आईसीएमएमएएसी-20) पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (7-9 अगस्त 2020), आमंत्रित व्याख्यान

"एप्लीकेशन ऑफ़ क्यूइंग थ्योरी" मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान में इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में गणित की भूमिका पर एक दिवसीय संगोष्ठी (15 अक्टूबर 2020), आमंत्रित व्याख्यान

"मशीन रिपेरेबल प्रॉब्लम विथ एप्लीकेशन" कमिश्नरेट कॉलेज शिक्षा राजस्थान, जयपुर और गणित विभाग, राजऋषि कॉलेज, अलवर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ज्ञान गंगा कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान - गणित में शिक्षण शिक्षण उत्कृष्टता के लिए पहल पर (3 फरवरी 2021) मुख्य भाषण

जे.के. प्रजापत

"विश्लेषणात्मक निरंतरता" यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, भारथिअर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर में गणित और सांख्यिकी पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के दौरान (24 नवंबर 2020), आमंत्रित व्याख्यान

"डाइरिचलेट समस्या" यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, भारथिअर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर में गणित और सांख्यिकी पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के दौरान (25 नवंबर 2020)- आमंत्रित व्याख्यान

"गणित में रामानुजन का योगदान" गांधी प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु में रामानुजन के 133वें जन्मदिन के अवसर पर (22 दिसंबर 2020), मुख्य वक्ता

"सत्र: जटिल विश्लेषण" राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के गणित विभाग में रामानुजन गणितीय सोसायटी के 35वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान (29 दिसंबर 2020), सत्र की अध्यक्षता

"सर्टेन ओपन प्रोब्लेम्स इन फंक्शन थ्योरी ऑफ़ काम्प्लेक्स वेरिएबल" डॉ बी आर अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में बीजगणित, विश्लेषण और अनुप्रयोगों पर सम्मेलन के दौरान (24 अप्रैल 2021), आमंत्रित व्याख्यान

विद्योत्तमा जैन

"इन्टिगर लीनियर प्रोग्रामिंग प्रोब्लम्स", दिल्ली में ऑपरेशन्स रिसर्च और इसके अनुप्रयोग पर एक सप्ताह के ऑनलाइन लघु अवधि पाठ्यक्रम के दौरान (7-11 दिसंबर 2020), आमंत्रित व्याख्यान

"अन इंट्रोडक्शन टु ऑप्टिमाइजेशन टेक्निक्स" कमिश्नरेट कॉलेज शिक्षा राजस्थान, जयपुर और गणित विभाग, राजऋषि कॉलेज, अलवर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ज्ञान गंगा कार्यक्रम के तहत गणित में शिक्षण उत्कृष्टता के लिए पहल पर एक ऑनलाइन अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (4 फरवरी) 2021), आमंत्रित व्याख्यान

राम किशोर

"रिस्ट्रिक्टेड प्रॉब्लम ऑफ़ थ्री बॉडीज: एन अनसाल्व्ड प्रॉब्लम" अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग, गलगोटिया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा में "अंतरिक्ष में पर्यटन: एक गणितीय अवलोकन" पर एक राष्ट्रीय वेबिनार में (03 सितंबर 2020)- मुख्य वक्ता

"एक्सिस्टेंस एंड लीनियर स्टेबिलिटी एनालिसिस ऑफ़ कोलिनिअर इक्वीलिब्रिउम पॉइंट्स इन द जनरलाईज्ड चेर्मनीख लिखे प्रॉब्लम विथ रेडिएशन प्रेशर एंड अ डिस्क", गणित विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में रामानुजन गणितीय सोसायटी के 35 वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान (28 दिसंबर 2020), सहयोगात्मक वार्ता

"सेशन : मॉडलिंग, डायनैमिकल सिस्टम एंड कोस्मोलोजी" रामानुजन गणितीय सोसायटी, गणित विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के 35वें वार्षिक सम्मेलन में (28 दिसंबर 2020), सत्र की अध्यक्षता

जय प्रकाश त्रिपाठी

"मल्टीस्ट्रेन एपिडेमिक मॉडल विथ एप्लीकेशन्स टू कोविड-19 पैन्डेमिक" आईआईआईटी भागलपुर में कोविड-19 पर विशेष ध्यान देने के साथ महामारी के प्रकोप के गणितीय परिप्रेक्ष्य पर संकाय विकास कार्यक्रम (18-22 मार्च 2021), आमंत्रित व्याख्यान

"गणितीय मॉडल और उनका अनुप्रयोग" विज्ञान एवं संचार प्रौद्योगिकी हेतु राष्ट्रीय परिषद (एनसीएसटीसी), डीएसटी, नई दिल्ली, विज्ञान और प्रौद्योगिकी म.प्र परिषद, भोपाल द्वारा राष्ट्रीय गणित दिवस पर आयोजित (22 दिसंबर 2020), आमंत्रित व्याख्यान

विजय कुमार यादव

"ऑन बाईकेटेगरी थ्योरीटिक मिनिमल रियलाइज़ेशन फॉर अ फजी बेहविअर" गणित विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में रामानुजन गणितीय सोसायटी के 35 वें वार्षिक सम्मेलन में (28 दिसंबर 2020)- योगदान वार्ता

"सत्र: अस्पष्ट और अनुकूलन" राजस्थान के केंद्रीय विश्वविद्यालय में रामानुजन गणितीय सोसायटी के 35 वें वार्षिक सम्मेलन में (12 दिसंबर 2020), सत्र की अध्यक्षता

विपुल कक्कड़

"कॉम्पैक्ट स्पेस" भवन्स मेहता महाविद्यालय, भरवारी, कौशांबी, उत्तर प्रदेश (18-31 जुलाई 2020) में मीट्रिक स्पेस पर वेब-कार्यशाला में - आमंत्रित व्याख्यान

प्रबंधन विभाग

उमा शंकर मिश्रा

"एडवांस्ड रिसर्च मेथोड़ोलोजी (ईएआरएम)" एएसबीएम विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा (14 जून - 30 जून 2021)- आमंत्रित व्याख्यान

"स्ट्रक्चरल इक्वेशन मॉडलिंग के माध्यम से उपभोक्ताओं का साइकोमेट्रिक विश्लेषण" एआईसीटीई प्रायोजित छह दिवसीय ऑनलाइन शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम (एसटीटीपी) (23 फरवरी 2021) में आमंत्रित व्याख्यान

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), नई दिल्ली के सहयोग से अजय बिनय प्रौद्योगिकी संस्थान, कटक के एमबीए विभाग द्वारा आयोजित " कंटेम्परारी टॉपिक्स इन मार्केटिंग" (22 - 27 फरवरी 2021)- आमंत्रित व्याख्यान

"रीमॉडेलिंग बिजनेस रिसर्च: ओपनिंग न्यू विस्टास" प्रबंधन अध्ययन संकाय, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर (राजस्थान) भारत द्वारा आयोजित (3 -10 जुलाई 2020), आमंत्रित व्याख्यान

तुलसी गिरी गोस्वामी

घरेलू हिंसा पर लॉकडाउन का प्रभाव और स्थिति से निपटने के उपाय, सरकारी डिग्री कॉलेज, गोसाईखेड़ा, उन्नाव, उत्तर प्रदेश और राजकीय काकटिया पीजी कॉलेज, जगदलपुर, बस्तर, छत्तीसगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित घरेलू हिंसा जागरूकता पर राष्ट्रीय वेबिनार (21 जून 2020) में आमंत्रित व्याख्यान

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा राजस्थान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग फॉर वूमेन, जयपुर में 4 जुलाई 2020 को आयोजित "टीइक्यूआईपी-III प्रायोजित वेबिनार में “जेंडर इक्यूअलिटी मैन एंड वीमेन्स कंसर्न्स“ पर आमंत्रित व्याख्यान

एटीएएल (एआईसीटीई) योजना के तहत उच्च शिक्षा में अकादमिक नेतृत्व पर पांच दिनों की ऑनलाइन एफडीपी में : लीडरशिप असेसमेंट", (17-21 मई 2021) आमंत्रित व्याख्यान

"प्रबंधन और सूचना प्रौद्योगिकी में बदलते प्रतिमान (एनसीसीपीएमआईटी-2021)" कॉम्प्यूकॉम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, जयपुर (29 जून 2021) द्वारा आयोजित आमंत्रित व्याख्यान

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

पवन के दधीच

"हानिकारक साइनोबैक्टीरियल ब्लूम्स के विकास पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव: सामाजिक-आर्थिक और जैविक परिणाम" सामाजिक-आर्थिक और जीवन के जैविक पहलुओं (आईसीसीएसईबीए) पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, वनस्पति विज्ञान विभाग, सेठ आरएलएस राजकीय महाविद्यालय, कालाडेरा, जयपुर, राजस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में (23-24 अप्रैल 2021)- आमंत्रित व्याख्यान

प्रदीप वर्मा

"एकीकृत बायोप्रोसेस डेवलपमेंट: की टू सर्कुलर बायो-इकोनॉमी" एमएनआईटी, जयपुर, राजस्थान, भारत द्वारा आयोजित "सतत कृषि, पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए जैव प्रौद्योगिकी (बीएसएईएच-2021)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (04 - 08 अप्रैल 2021) आमंत्रित व्याख्यान

"लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोमास वैलोराइजेशन: रोल ऑफ़ अल्कली असिस्टेड माइक्रोवेव प्रीट्रीटमेंट" एमजीयू, कोट्टायम, केरल, भारत द्वारा सामग्री (पॉलिमर, लकड़ी, कागज, चमड़ा, कांच, धातु, सिरेमिक, सेमी-कंडक्टर, पानी, आदि) और उनके उत्पादों (आईसीआरएम 2020) के पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण पर आयोजित पांचवें अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन में (11- 13 दिसंबर 2020) आमंत्रित व्याख्यान

"लिग्नोसेलूलोसिक बायोमास वेलोराइजेशन : रोल ऑफ अल्काली एसिस्टेड माइक्रोवेव प्रीट्रटमेंट", एमजीयू, कोट्टायम, केरल, भारत द्वारा "सामग्री (पॉलिमर, लकड़ी, कागज, चमड़ा, कांच, धातु, सिरेमिक, सेमी-कंडक्टर, पानी, आदि) और उनके उत्पाद (ICRM 2020) के पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण पर आयोजित पांचवां अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन (11- 13 दिसंबर 2020), में सत्र की अध्यक्षता।

इंशाद अली खान

"बीएसएल -3 सुविधा सेट-अप और कोविड-19 के लिए जैव सुरक्षा मार्गदर्शन" सीएसआईआर-कौशल विकास कार्यक्रम के तहत सीएसआईआर-आईआईआईएम, जम्मू में पीसीआर और रीयल-टाइम पीसीआर पर व्यावहारिक प्रशिक्षण और कार्यशाला में (01-05 मार्च 2021), आमंत्रित व्याख्यान

अखिल अग्रवाल

"भारत में बौद्धिक संपदा अधिकार" मंदसौर विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश में बौद्धिक संपदा अधिकार पर राष्ट्रीय वेबिनार में (4 जून 2021), आमंत्रित व्याख्यान

"नवाचार के प्रारंभिक चरण में बौद्धिक संपदा" असम विश्वविद्यालय, सिलचर में आईपीआर पर कार्यशाला में (8-9 अप्रैल 2021)- आमंत्रित व्याख्यान

"सूक्ष्मजीव समुदायों में अप्रत्याशित बदलाव से कच्चे तेल की रिकवरी में हुई वृद्धि" एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, टी.इ.आर.आई, नई दिल्ली के 61वें वार्षिक सम्मेलन में (3-5 फरवरी 2021)- आमंत्रित व्याख्यान

"बौद्धिक संपदा अधिकार- पेटेंट कानून" राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) के संकाय सदस्यों के लिए चार सप्ताह के ऑनलाइन प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में (25 जनवरी 2021), आमंत्रित व्याख्यान

"बौद्धिक संपदा अधिकार- कॉपीराइट और संबंधित कानून", राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई), के संकाय सदस्यों के लिए चार सप्ताह के ऑनलाइन प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में (25 जनवरी 2021), आमंत्रित व्याख्यान

निधि पारीक

"एंजाइम काइनेटिक्स एंड एंजाइम आइसोलेशन एंड प्यूरीफिकेशन" इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल इंजीनियर्स के ऑनलाइन इंटर्नशिप प्रोग्राम (OIP-2021) में (22-23 मई 2021), आमंत्रित व्याख्यान

"बायोएक्टिव चिट ओलिगोसेकेराइड्स और ग्लूकोसामाइन के उत्पादन के लिए माइको-चिटोजाइम को नियोजित करने वाले चिटिनस कचरे का जैव-मूल्यांकन" द बायोटेक रिसर्च सोसाइटी और मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर द्वारा सतत कृषि, पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए जैव प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (04-08 अप्रैल 2021), आमंत्रित व्याख्यान

"औद्योगिक अपशिष्ट जल के विलवणीकरण के लिए सूक्ष्म शैवाल को नियोजित करने की संभावनाएं" भारतीय विलवणीकरण संघ और मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर द्वारा जल विलवणीकरण, उपचार और प्रबंधन, पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (19-20 मार्च 2021)- आमंत्रित व्याख्यान

"निष्कर्षण और भौतिक-रासायनिक गुण मछली के तराजू से चिटिन और चिटोसन का मूल्यांकन" सॉफ्ट मैटेरियल्स रिसर्च सोसाइटी और मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर द्वारा सॉफ्ट मैटेरियल्स पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (13-18 दिसंबर 2020), आमंत्रित व्याख्यान

"चिटिन का उत्पादन: चिटोसन और चिट ओलिगोसेकेराइड्स के उत्पादन के लिए माइकोकिटोजाइम" जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एकेएस विश्वविद्यालय, सतना, मध्य प्रदेश, भारत द्वारा आयोजित जैव प्रौद्योगिकी में अग्रिमों की शिक्षा द्वारा नवाचार पर बायोटेक्नोलॉजी के युग पर ई-रिफ्रेशर कोर्स में (3 सितंबर -28 अक्टूबर 2020) आमंत्रित व्याख्यान

दीक्षा त्रिपाठी

फंगल रोग: मानव स्वास्थ्य के लिए एक उभरता हुआ खतरा; वनस्पति विज्ञान विभाग और शासकीय नेहरू पीजी कॉलेज, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ के आईक्यूएसी द्वारा आयोजित एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान में (29 मई 2021) आमंत्रित व्याख्यान

विजय के वर्मा

शिक्षण अध्ययन केंद्र, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) की योजना के तहत उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों के लिए "चार सप्ताह का प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम" (20 जनवरी - 16 फरवरी 2021)- समन्वयक

फार्मेसी विभाग

अमित कुमार गोयल

"नैनोपार्टिकल-बेस्ड ड्रग डिलीवरी सिस्टम", एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम, फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी विभाग, महाराजा रणजीत सिंह तकनीकी विश्वविद्यालय, भटिंडा, पंजाब द्वारा आयोजित किया गया (26-30 अक्टूबर 2020)- आमंत्रित व्याख्यान

कैसर रज़ा

"फार्मास्युटिकल साइंसेज में वर्तमान रुझान और चुनौतियां", नूतन फार्मेसी कॉलेज, विसनगर, गुजरात द्वारा आयोजित जीयूजेसीओएसटी द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन (02 - 03 अप्रैल 2021)- आमंत्रित व्याख्यान

"एनईपी 2020 शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया में अनुसंधान संस्कृति को विकसित करना", राजस्थान के केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान में एक सप्ताह का ऑनलाइन एफडीपी (22-26 फरवरी 2021), समन्वयक

"फार्मास्युटिकल शिक्षा और अनुसंधान की प्रगति में वर्तमान परिदृश्य: चुनौतियां और संभावनाएं" स्वामी विवेकानंद कॉलेज ऑफ फार्मेसी, भोपाल, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एसवीपीसीओएन-2020) में (29-31 दिसंबर 2020)- आमंत्रित व्याख्यान

"पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली: आज और कल की स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों में उनकी प्रासंगिकता और महत्व" सेंट एंड्रयूज कॉलेज, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित (02- 03 जुलाई 2020), आमंत्रित व्याख्यान

उमेश गुप्ता

"फार्मास्युटिकल साइंसेज में रियोमीटर के अनुप्रयोग, (रियोलॉजिकल पैरामीटर्स: ड्रग डिलीवरी फॉर्मूलेशन में भूमिका)" नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर) - रायबरेली, लखनऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित (22 जून 2021) आमंत्रित व्याख्यान

"इंटरप्ले बिटवीन हेल्थ वेलबिंग, एनवायरनमेंट एंड कम्युनिटी फार्मेसी" सागर इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी-फार्मेसी, सागर, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित एक सप्ताह के अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में (26 अप्रैल - 01 मई 2021), आमंत्रित व्याख्यान

"छोटे अणुओं, चिकित्सा उपकरणों और बायोलॉजिक्स (डेंड्रिमर्स: ड्रग डिलीवरी और लक्ष्यीकरण के लिए एक बहुमुखी नैनो-वाहक) के लिए विश्व स्तर पर फार्मास्युटिकल फॉर्मूलेशन और नियामक पथों में प्रगति" फार्मास्यूटिक्स और नियामक मामलों के विभाग, श्री विष्णु फार्मेसी कॉलेज (स्वायत्त), भीमावरम, पश्चिम गोदावरी जिला, आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित एवं एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में (22 - 27 फरवरी 2021), आमंत्रित व्याख्यान

भौतिकी विभाग

मनीष देव श्रीमाली

यूजीसी-एचआरडीसी, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, (10-23 सितंबर 2020) द्वारा आयोजित "बेसिक साइंस (अंतर्विषय) में ऑनलाइन दो सप्ताह का 8 वां रिफ्रेशर कोर्स"- आमंत्रित व्याख्यान।

अजित के. पात्र

"स्पिंट्रोनिक्स अनुप्रयोगों के लिए अत्यधिक अनिसोट्रोपिक चुंबकीय पतली फिल्म" अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद द्वारा आयोजित "उन्नत सामग्री और इंस्ट्रूमेंटेशन आधारित इंजीनियरिंग" पर तीसरी कार्यशाला सह पाठ्यक्रम (स्व-वित्तपोषित) में (16-20 अप्रैल 2021), आमंत्रित व्याख्यान

"मैग्नेटिक थिन फिल्म्स विद परपेंडिकुलर मैग्नेटिक अनिसोट्रोपी " और "नोवेल ह्यूस्लर अलॉयज: स्ट्रक्चर एंड मैग्नेटिक ग्राउंड स्टेट" यूजीसी-एचआरडीसी संबलपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा (10-23 फरवरी 2021) द्वारा आयोजित भौतिकी में (ऑनलाइन) पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान

"एमईएमएस अनुप्रयोगों के लिए चुंबकीय पतली फिल्में", नेशनल इंस्टीट्यूट टेक्नोलॉजी, उत्तराखंड (14-18 दिसंबर 2020) द्वारा आयोजित "ऑप्टिकल और चुंबकीय सामग्री में हालिया प्रगति" पर (ऑनलाइन) टीईक्यूआईपी द्वारा प्रायोजित एक सप्ताह के शॉर्ट-टर्म कोर्स में आमंत्रित व्याख्यान

"एपिटेक्सियल एमएन-जीई थिन फिल्म्स विद परपेंडिकुलर मैग्नेटिक अनिसोट्रॉपी", भौतिकी विभाग, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी (23-24 नवंबर 2020) द्वारा आयोजित चुंबकत्व और चुंबकीय सामग्री (MMM-2020) पर वेबिनार में आमंत्रित व्याख्यान।

सांख्यिकी विभाग

दीपेश भाटी

"टेस्ट फॉर पॉजिटिव क्वाड्रन्ट डिपेंडेंस", सांख्यिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी कोचीन विश्वविद्यालय, केरल, भारत द्वारा आयोजित व्यापार और उद्योग में उन्नत सांख्यिकीय तकनीकों पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में एक

व्यापार और औद्योगिक सांख्यिकी के लिए अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी (ISBIS) का एक क्षेत्रीय आभासी सम्मेलन (28-30 दिसंबर 2020) - आमंत्रित व्याख्यान।

केरल विश्वविद्यालय (ICSTC-2020) द्वारा आयोजित इक्कीसवीं सदी-2020 के लिए सांख्यिकी पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में " ऑन दि जेनरलाइस्ड बेल फॅमिली ऑफ़ डिस्ट्रीब्यूशन्स विद एक्चुरियल एप्लीकेशन्स" (16-19 दिसंबर 2020)- आमंत्रित वार्ता।

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर द्वारा आयोजित एप्लाइड स्टैटिस्टिक्स में हालिया प्रगति (एनसीआरएएस-2021) पर राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में "अ न्यू फॅमिली ऑफ़ काउंट डिस्ट्रीब्यूशन जनरेटेड फ्रॉम पोलीनोमिअल्स"(24 अप्रैल 2021) - आमंत्रित वार्ता।

"अ न्यू काउंट डिस्ट्रीब्यूशन्स यूजिंग पोलीनोमिअल नंबर विद एक्चुरियल नंबर" राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और मानविकी के लिए सांख्यिकी पर चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन में (1-2 मार्च 20 21) आमंत्रित वार्ता।

जितेंद्र कुमार

" स्टडी दी ट्रेंड पैटर्न एंड प्रेडिक्शन ऑफ़ कोविड-19 युसिंग स्पलाईन –बेस्ड टाइम सीरीज मॉडल: अ बयेसियन पैराडिग्म" अमेरिकन स्टैटिस्टिकल एसोसिएशन (एएसए) और केरल स्टैटिस्टिकल एसोसिएशन (केएसए) के सहयोग से सांख्यिकी विभाग, केरल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इक्कीसवीं सदी-2020 (ICSTC-2020) के लिए सांख्यिकी पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (16-19, दिसंबर 2020), आमंत्रित वार्ता।

"मल्टीपल स्ट्रक्चरल ब्रेक्स के साथ मल्टीपल-रिजिम्स थ्रेसहोल्ड ऑटोरेग्रेसिव मॉडल का बायेसियन एनालिसिस" राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के आजीवन अध्ययन विभाग में विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान के लिए सांख्यिकी (NCSHS-2021) पर चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन में (मार्च 01- 02,2021), आमंत्रित वार्ता

"डेटा हैंडलिंग कौशल: करियर में सफलता की कुंजी" कैरियर डेवलपमेंट सेंटर, छात्र कल्याण निदेशालय, श्री करण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, जयपुर, राजस्थान द्वारा आयोजित एसकेएनयू के छात्रों के लिए (30 जून 2021), आमंत्रित वार्ता

संजय कुमार

"मॉडिफाइड प्रेडिक्टिव राशियो एंड प्रोडक्ट टाइप एस्टीमेटर्स अंडर नॉन –नोर्मलिटी" राजस्थान स्टेटिस्टिकल एसोसिएशन एंड डिपार्टमेंट ऑफ लाइफलॉन्ग लर्निंग तथा सांख्यिकी विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान द्वारा आयोजित चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन में (1-2 मार्च 2021)- आमंत्रित वार्ता

"एसएयू के शिक्षकों और वैज्ञानिकों के लिए कृषि डेटा के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक" एएआरईएम द्वारा गणित और सांख्यिकी विभाग, सीसीएसएचएयू, हिसार के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय स्तर के पुनश्चर्या कक्ष में (8-28 जुलाई 2020), विशेषज्ञ।

महेंद्र साहा

"सामान्य वितरण के लिए हानि आधारित सूचकांक सीपीएम का पैरामीट्रिक अनुमान"राजस्थान सांख्यिकी संघ, राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन में (1-2 मार्च 2021), आमंत्रित वार्ता।

खेल जैव विज्ञान विभाग

नेहा सिंह

"औषधीय पौधों से द्वितीयक मेटाबोलाइट्स और अर्क का पता लगाना और भारतीय पारंपरिक चिकित्सा में उनका अनुप्रयोग" सिंगापुर-एमआईटी एलायंस फॉर रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी, डिस्टैप, सिंगापुर में (10 दिसंबर 2020), आमंत्रित व्याख्यान

हेमंत नायक बनवथ

"माइटोकॉन्ड्रियल बायोजेनेसिस में miRNA की भूमिका" डॉ. बुडोलास इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंसेज, तिरुपति, आमंत्रित व्याख्यान।

सुनील जी पुरोहित

"प्रतियोगिता अवधि के दौरान प्रशिक्षण और पुनर्प्राप्ति पहलू" वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित (5 दिसंबर 2020 - 5 जनवरी 2021)- आमंत्रित व्याख्यान

"खेल प्रशिक्षण की निगरानी" एलजे इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स मैनेजमेंट द्वारा आयोजित कोच विकास कार्यक्रम (23 अक्टूबर -7 नवंबर 2020)- आमंत्रित व्याख्यान

योग विभाग

संजीव कुमार पात्रा

"योग के माध्यम से प्रतिरक्षा को बढ़ावा“ योग विभाग, एमडीएस विश्वविद्यालय, अजमेर (7 जून 2021) में आमंत्रित वार्ता।

"प्रतिरक्षा बूस्टर के रूप में योग" लकुलिस विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात (21 जून 2021) में आमंत्रित वार्ता।

"तनाव प्रबंधन और योग" केआईआईआईटीएस विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा में (22 जून 2021) आमंत्रित वार्ता।

"योग और प्रतिरक्षा" होम्योपैथी कॉलेज, भुवनेश्वर, ओडिशा में (22 जून 2021) आमंत्रित वार्ता।

"प्राचीन विज्ञान और आधुनिक विज्ञान में आध्यात्मिकता" मैंगलोर विश्वविद्यालय, कर्नाटक में (21 जून 2021), आमंत्रित वार्ता।

काशीनाथ जी मैत्री

अमेरिकन एकेडमी ऑफ योगा एंड मेडिटेशन द्वारा आयोजित "पॉलीसिस्टिक ओवेरियन डिजीज (पीसीओडी) के प्रबंधन के लिए एकीकृत दृष्टिकोण" अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार (14 अप्रैल 2021)- आमंत्रित वार्ता।

अमेरिकन एकेडमी ऑफ योग एंड मेडिटेशन (26 जून 2021) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार "योग और महिला स्वास्थ्य" - आमंत्रित वार्ता।

एवीएस आयुर्वेद महाविद्यालय, विजयपुरा, कर्नाटक (20 जून 2021) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार "योग-एक साक्ष्य-आधारित चिकित्सा विज्ञान"- आमंत्रित वार्ता।

"प्रतिरक्षा मॉड्यूलेशन और मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन में योग की संभावित भूमिका" इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक (म.प्र.) द्वारा आयोजित (16 जून 2021) आमंत्रित वार्ता।

"हृदय रोग की रोकथाम और प्रबंधन के लिए योग" कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में (22 जून 2021)- आमंत्रित वार्ता।

सम्मेलन / कार्यशाला / संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग

जयंती पाल

पूर्वोत्तर अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र और भारतीय मौसम विज्ञान सोसायटी, (शिलांग चैप्टर) द्वारा संयुक्त रूप से 14-17 दिसंबर 2020 को आयोजित वेदर एंड क्लाइमेट सर्विसेज़ ओवर माउंटेन्स रीजन्स पर राष्ट्रीय वर्चुअल संगोष्ठी (TROPMET-2020) में "ट्रॉपिकल साइक्लोन केटेगरी यूज़िंग आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क ओवर नॉर्थ इंडियन ओशन" पर प्रस्तुतीकरण।

सोसाइटी ऑफ अर्थ साइंटिस्ट्स द्वारा 15-17 अक्टूबर 2020 को आयोजित एवं बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैलियोसाइंसेज, लखनऊ, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे, राष्ट्रीय ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान केंद्र, गोवा, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, दिल्ली, राष्ट्रीय उन्नत अध्ययन संस्थान, बेंगलुरु द्वारा सह-आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल सम्मेलन "पृथ्वी की बदलती जलवायु: अतीत, वर्तमान और भविष्य" में "रीसेंट चेंजेस इन डिफरेंट मोड्स ऑफ इंडियन ओशन इन वॉरमिंग क्लाइमेट" पर प्रस्तुतीकरण।

जैव रसायन विभाग

धनेस्वर प्रुस्टी

इंडिया बायोसाइंस, महाबलीपुरम, तमिलनाडु द्वारा 14-18 फरवरी 2021 को आयोजित 20वीं युवा अन्वेषक बैठक में "अंडरस्टैंडिंग द बॉयोकेमिकल फीचर्स ऑफ एपिकोप्लास्ट आरएनए पॉलिमरेस ऑफ प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम एंड इट्स इंप्लिकेशन फॉर एंटीमलेरियल ड्रग डेवेलपमेंट एंड कोट" पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

वाणिज्य विभाग

नेहा सेठ

प्रबंधन अध्ययन केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत में 21-24 मई 2021 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन में "एनालाइज़िंग कैज्यूअल रिलेशनशिप बिट्वीन ग्रीन इंडिसेस एंड सेंसेक्स: अ स्टडी ऑफ इंडियन स्टॉक मार्केट" पर प्रस्तुतीकरण।

रुचिता वर्मा

आईआईएम, बोधगया, बिहार में 23-24 अप्रैल 2021 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन में "एनॅलिसिस ऑफ डाइनमिक रिलेशनशिप अमंग इंडियन सेक्टोरल इंडिसेस: एविडेन्स फ्रॉम द 'फर्स्ट 100 डेज़' ऑफ कोविड-19 पैंडेमिक" पर प्रस्तुतीकरण।

नई दिल्ली, भारत में 29 अगस्त 2020 को आयोजित आईआईएफ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन व समिट अगस्त 2020 में "क्रिप्टोकरेंसी मार्केट एनोमली: द डे-ऑफ-द-वीक इफेक्ट" पर प्रस्तुतीकरण।

आईआईएम रायपुर, भारत में 19-20 दिसंबर 2020 को आयोजित तीसरे आईसीडीई और 14वें वार्षिक आईएसडीएसआई सम्मेलन 2020 में “रैंडम वॉक हाइपोथेसिस फॉर क्रिप्टोकरेंसी मार्केट: एन एंपिरिकल टेस्ट” पर प्रस्तुतीकरण।

सुशीला कुमारी सोरिया

एसआरडीसी - विद्यानिधि सीएमएस, जैन (डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी), बैंगलोर में 30 जनवरी 2021 को सस्टेनेबल बिजनेस मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज एंड सोशल इनोवेशन पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “प्रॉफिटबिलिटी मेसर्स ऑफ एमएसएमई: एविडेन्स फ्रॉम स्टॉक एक्सचेंजस एट इंडिया” पर पेपर प्रस्तुतीकरण।

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड लिबरल स्टडीज, नॉर्थ कैप यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम में 26 मार्च 2021 को आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एनआईसी'2021) में “एनालाइज़िंग द इंटीग्रेटेड रिपोर्टिंग डिसक्लोजर्स ऑफ इंडियन लिस्टेड कंपनीज़" पर प्रस्तुतीकरण।

संजय कुमार पटेल

पीजीडीएवी कॉलेज एवं वाणिज्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 18 अगस्त 2020 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन, सस्टेनबल डेवेलपमेंट एंड बिज़नेस: मैंनेजिंग ऑर्गनाइज़ेशन्स ऑफ टुमॉरो में “डाइनमिक्स ऑफ कॉर्पोरेट इन्वाइरन्मेंट डिसक्लोजर एंड फाइनैन्शियल परफॉर्मेन्स: द केस ऑफ कार्बन फुटप्रिंट्स” पर प्रस्तुतीकरण।

संस्कृति और मीडिया अध्ययन विभाग

अनूप कुमार

जनसंचार स्कूल, आईएमएस यूनिसन विश्वविद्यालय, देहरादून में 10 अक्टूबर 2020 को आयोजित राष्ट्रीय ई-सम्मेलन "कोविड-19 महामारी के दौरान संचार: संभावनाएं और चुनौतियां" में “स्प्रेड ऑफ इन्फोडेमिक एंड डिसइन्फोडेमिक: ए क्वालिटेटिव कंटेंट एनालिसिस ऑफ कोविड-19 रिलेटेड मिस/डिसइन्फर्मेशन डेबुंक्ड बाइ अल्ट न्यूज़” पर प्रस्तुतीकरण।

जनसंचार विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश में 2-3 नवंबर 2020 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ट्रांस-डिसिप्लिनरी ई-कॉन्फ्रेंस “क्राफ्टिंग द कॉन्टूर्स ऑफ मास मीडिया फॉर न्यू इंडिया: ए ग्लोबल पर्स्पेक्टिव” मे “अंडरस्टैंडिंग फेक न्यूज़, मिसइन्फर्मेशन, एंड डिसइन्फर्मेशन: ए लिटरेचर रिव्यू” (सी-ऑथर्ड बाइ डॉ. एम. शुएब मोहम्मद हनीफ) पर प्रस्तुतीकरण। (इस सम्मेलन पत्र के लिए पेपर प्रेजेंटेशन अवार्ड मिला।)

प्राग में चार्ल्स विश्वविद्यालय में सामाजिक विज्ञान संकाय में 25 मई 2021 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन “हाउ टू सर्वाइव विथइन द इन्फर्मेशन फ्लड अराउंड कोविड-19” में "नेविगेटिंग थ्रू कोविड-19 इन्फोडेमिक और डिसइन्फोडेमिक: सर्वाइविंग विद द हेल्प ऑफ फैक्ट-चेकिंग, मिल अप्रोच एंड टेक्नालॉजी-बेस्ड सौल्यूशन्स” पर प्रस्तुतीकरण।

निकोलस लकरा

सेंट लुइस विश्वविद्यालय, ब्रुसेल्स, बेल्जियम में 8 सितंबर 2020 को आयोजित एक ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "डिस्कोर्स एंड कम्यूनिकेशन एस प्रोपगेंडा" में "इल्लीगल इम्मिग्रेंट्स एंड रिलिजियस आइडेंटिटी कॉन्फ्लिक्ट इन इंडियन न्यूज़ डिबेट" पर प्रस्तुतीकरण।

कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग

गौरव सोमानी

एआईसीटीई-आईएसटीई, एलएनएमआईआईटी जयपुर द्वारा 'साइबर सुरक्षा' पर 9 अप्रैल 2021 को आयोजित कार्यशाला में "डीडीओएस अटैक सॉल्यूशन स्पेस इन क्लाउड इन्वाइरन्मेंट्स" पर प्रस्तुतीकरण।

एआईसीटीई-आईएसटीई, एवीपीटीआई-राजकोट, गुजरात द्वारा 15 दिसंबर 2020 को आयोजित रिफ्रेशर कार्यशाला "क्लाउड सुरक्षा" में "मोबाइल सिक्यूरिटी, क्लाउड कंप्यूटिंग सिक्यूरिटी चैलेंजिस: ट्रेंड्स एंड फ्यूचर डाइरेक्शन्स" पर प्रस्तुतीकरण।

मुज़म्मिल हुसैन

एसएसआरएन द्वारा प्रायोजित और सेंट मदर थेरेसा इंजीनियरिंग कॉलेज, थूटुकुडी, तमिलनाडु, भारत द्वारा 30 अक्टूबर 2020 को आईओटी, सोशल, मोबाइल, एनालिटिक्स और क्लाउड इन कम्प्यूटेशनल विजन एंड बायो-इंजीनियरिंग (आईएसएमएसी-सीवीबी 2020) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "फॉग कंप्यूटिंग: ए रिव्यू ऑफ आर्किटेक्चर, एप्लिकेशन्स एंड चैलेंजेस" पर प्रस्तुतीकरण।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

निष्ठा केसवानी

उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, अरुणाचल प्रदेश में 22-23 नवंबर 2020 को कंप्यूटर, प्रबंधन और गणितीय विज्ञान, 2020 पर आयोजित छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "लोकेशन प्राइवेसी प्रिज़र्वेशन इन आईओटी बेस्ड नेटवर्क्स" पर प्रस्तुतीकरण।

अजय इंडियन

09-10 अक्टूबर 2020 को आयोजित ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईसीसीईडीई 2020 में "ऑफ-लाइन हैंडरिटन हिन्दी कैरेक्टर रेकग्निशन यूज़िंग डीप लर्निंग विथ आग्मेंटेड डेटासेट" पर प्रस्तुतीकरण।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग, प्रौद्योगिकी संकाय, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय (केंद्रीय वित्त पोषित संस्थान), हरिद्वार, उत्तराखंड द्वारा 31 जुलाई 2020 को आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन "रेलवेन्स ऑफ वेद, साइन्स एंड टेक्नॉलाजी इन कोविड-19" में "द रेलवेन्स ऑफ ओपन-सोर्स सॉफ्टवेर टूल्स फॉर डेवेलपिंग एफेक्टिव ई-कंटेंट" पर प्रस्तुतीकरण।

अर्थशास्त्र विभाग

प्रमोद कुमार नायक

भारतीय वित्त संस्थान में 29-31 जनवरी 2021 को आयोजित आईआईएफ इंटरनेशनल रिसर्च कॉन्फ्रेंस एंड अवार्ड्स समिट में "इरेशनल इन्वेस्टर सेंटिमेंट एंड स्टॉक मार्केट रिटर्न्स: ए क्वांटिल रिग्रेशन अप्रोच" पर प्रस्तुतीकरण। (यामिनी यादव के साथ सह-लेखक)।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट्स एवं द इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसाइटी द्वारा 26-27 अगस्त 2020 को संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय वेब आधारित शोध संगोष्ठी "करंट इश्यूस एंड पॉलिसी ऑप्शन इन फाइनैन्शियल मार्केट्स" में "इफेक्ट ऑफ प्राइस चेंज ऑन वॉल्यूम एंड वोलेटिलिटी: एन एंपिरिकल एविडेन्स फ्रॉम इंडियन स्टॉक मार्केट" पर प्रस्तुतीकरण। (तपस कुमार सेठी के साथ सह-लेखक)।

प्रगति जैन

जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जयपुर द्वारा 18-20 फरवरी 2021 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "एनविसनिंग बिज़नेस फॉर ए बेटर टुमॉरो" में "वुमन एंटरप्रिन्योरशिप एक्रॉस नेशन्स: डिटर्मिनेन्ट्स एंड डिफरेन्सस" पर प्रस्तुतीकरण।

शिक्षा विभाग

अंजली शर्मा

व्यावसायिक अध्ययन संस्थान, ग्वालियर (एमपी), ऑल इंडिया एसोसिएशन फॉर एजुकेशन रिसर्च (एआईएईआर) एवं इंटरनेशनल फोरम ऑफ रिसर्चर्स इन एजुकेशन (आईएफओआई) द्वारा 16-18 जुलाई 2021 को आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "चैलेंजेस एंड अपॉर्चुनिटीस ऑफ ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग ड्यूरिंग कोविड-19 पैंडेमिक" में "चैलेंजेस एंड मेंटल हेल्थ ऑफ द स्टूडेंट्स रिलेटेड टू ऑनलाइन टीचिंग: ए सर्वे" पर पेपर प्रस्तुतीकरण।

एसटीईएम उच्च शिक्षा, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी जम्मू में 19-20 मार्च 2021 को आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "रोड मैप फॉर ह्यूमनिटीस एंड सोशियल साइन्सेस" में "ग्रोथ माइंडसेट पेडागॉजी: एटिट्यूड बिल्डिंग विथ मेटाकॉग्निशन" पर पेपर प्रस्तुतीकरण।

एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी, पुणे में 15-17 दिसंबर 2020 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: अपार्चुनिटीस अनलॉक्ड पर आयोजित चौथी राष्ट्रीय शिक्षक कांग्रेस में "टेक्नोलॉजी इन एजुकेशन: डेवेलपिंग ई-कंटेंट टू इन्हांस लर्निंग एजिलिटी" पर पेपर प्रस्तुतीकरण।

नरेंद्र कुमार

एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी कैंपस, पुणे द्वारा 15-18 दिसंबर 2020 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: अपार्चुनिटीस अनलॉक्ड पर आयोजित चौथी राष्ट्रीय शिक्षक कांग्रेस में "रिव्यू ऑफ न्यू एजुकेशन पॉलिसी' 2020 इन रेफरेन्स ऑफ इंडियन हाइयर एजुकेशन" पर पेपर प्रस्तुतीकरण।

स्कूल ऑफ एजुकेशन, एनईएचयू, शिलांग द्वारा एमएचआरडी योजना पीएमएमएमएनएमटीटी के तहत 27-28 जनवरी 2021 को आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार "रिफॉर्म्स इन टीचर एजुकेशन" में "रिव्यू ऑफ द रिकमेंडेशन्स ऑफ राष्ट्रीय शिक्षा नीतिस इन रेफरेन्स ऑफ टीचर एजुकेशन" पर पेपर प्रस्तुतीकरण।

रीना गोदारा

गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग केन्द्र, एसजीटीबी खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल एक्सीलेंस एंड मैनेजमेंट (आईपीईएम), गाजियाबाद द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) शिक्षा मंत्रालय के तहत 21 मार्च 2021 को आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन "टीचर एजुकेशन फॉर द जनरेशन नेक्स्ट: पर्स्पेक्टिव्स, अपॉर्चुनिटीस एंड चेलेंजेस" में "टीचर एजुकेशन फॉर द जनरेशन नेक्स्ट" पर पेपर प्रस्तुतीकरण।

टी संगीता

गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग केन्द्र, एसजीटीबी खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल एक्सीलेंस एंड मैनेजमेंट (आईपीईएम), गाजियाबाद द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) शिक्षा मंत्रालय के तहत 21 मार्च 2021 को आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन "टीचर एजुकेशन फॉर द जनरेशन नेक्स्ट: पर्स्पेक्टिव्स, अपॉर्चुनिटीस एंड चेलेंजेस" में "डेवेलपमेंट ऑफ ए स्केल टू मेज़र द एटिट्यूड टुवर्ड्स ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग ऑफ स्टूडेंट्स एट यूनिवर्सिटी लेवेल" पर पेपर प्रस्तुतीकरण।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एनसीईआरटी), भोपाल द्वारा 8 -10 मार्च 2021 को आयोजित "टीचर एजुकेशन इन द 21st सेंचुरी: विज़न एंड एक्शन" में "आइडेंटिफिकेशन ऑफ कॉग्निटिव फेल्यूवर्स अमंग प्रोस्पेक्टिव टीचर्स" पर पेपर प्रस्तुतीकरण।

स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस मैनेजमेंट, तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय एवं स्कूल ऑफ मैनेजमेंट ऑफ साइंसेस, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, रांची और प्रबंधन कॉलेज, एसआरएम विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई द्वारा संयुक्त रूप से 27-28 अप्रैल 2021 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन "ट्रान्स्फर्मेशन ऑफ टेक्नालॉजी इन हायर एजुकेशन" में "एटिट्यूड टुवर्ड्स ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग प्रोसेस ऑफ स्टूडेंट्स एट यूनिवर्सिटी लेवेल" पर पेपर प्रस्तुतीकरण।

सीमा गोपीनाथ

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल द्वारा 20-22 दिसंबर 2021 को ऑनलाइन माध्यम से आयोजित 9वें राष्ट्रीय सम्मेलन "मैथमेटिक्स एजुकेशन" में "क्रिएटिंग ए कल्चर ऑफ मैथमेटिकस लर्निंग" पर पेपर प्रस्तुतीकरण।

कनक शर्मा

डीएवी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, अमृतसर द्वारा 26 अगस्त 2020 को आयोजित राष्ट्रीय ई-सम्मेलन 'नई शिक्षा नीति 2020: चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य' में "करिक्युलर एंड पेडागॉजिकल शिफ्ट्स इन स्कूल एजुकेशन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020" पर पेपर प्रस्तुतीकरण।

शासकीय रजा पीजी महाविद्यालय, रामपुर, उत्तरप्रदेश द्वारा 31 मई, 2020 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार "आउटब्रेक ऑफ कोविड-19 पैंडेमिक: चैलेंजस एंड द रोड अहेड" में "कोविड-19 एंड शिफ्ट टू डिजिटल टीचिंग" पर पेपर प्रस्तुतीकरण।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग

कपिल सारस्वत

हांगकांग में 8-11 दिसंबर 2020 को आयोजित आईईईई एशिया-पैसिफिक माइक्रोवेव कॉन्फ्रेंस (एपीएमसी 2020) में "ए एचआईएस बैक्ड बैंड-रेकोंफ़िग्युरल एंटीना" पर प्रस्तुतीकरण।

इलाहाबाद, भारत में 27-29 नवंबर 2020 को आयोजित आईईईई सातवें उत्तर प्रदेश खंड अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग (यूपीसीओएन 2020)" में "कैरेक्टरिस्टिक्स मोड एनालिसिस ऑफ एच-शेप्ड पैच एंटीना" पर प्रस्तुतीकरण।

अंग्रेजी विभाग

भूमिका शर्मा

"इकोज़ इन इबोनिक्स: द इंडिजेनिटी ऑफ बींग ब्लैक इन ज़ोरा हर्स्टन'स "देयर आइज़ वर वाचिंग गॉड"। स्वदेशी अध्ययन पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। (20-22 अगस्त 2020)

नेहा अरोड़ा

"टॉकिंग लाइफ/राइटिंग लाइफ: रिक्लेमिंग एबोरिजिन आइडेंटिटी इन सैली मॉर्गन'स *माई प्लेस*"। रि-थिंकिंग द पोस्टकॉलोनियल: टेक्स्ट्स एंड कांटेक्स्ट्स पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। (25-27 सितंबर 2020)

फ्लाइट फ्रॉम/फाइट अगेन्स्ट सेक्सुअल कोलोनीयलिज़्म इन मीना कांडासामी'स *वेन ई हिट यू: और, ए पोर्ट्रेट ऑफ द राइटर एस अ यंग वाइफ*'। लैंगिक अध्ययन पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। (16-18 सितंबर 2020)

इकोलॉजिकल क्राइसिस एंड द ट्राइबल मंत्र 'एवरीथिंग इज़ कनेक्टेड'। पर्यावरण, साहित्य और संस्कृति पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। (11-12 सितंबर 2020)

देवेंद्र रांकावत

मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल के सहयोग से किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 21-25 जून 2021 को आयोजित "रिमैपिंग द इंडियन नॉवेल इन इंग्लिश" एक सप्ताह ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया।

आरएएसई द्वारा 28-29 नवंबर 2020 तक आयोजित 17वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "प्लूरलिटी इन यूनिटी" में भाग लिया।

वेद प्रकाश

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 18-20 मार्च 2021 को आयोजित इंडियन एसोसिएशन फॉर कॉमनवेल्थ लिटरेचर एंड लैंग्वेज स्टडीज एनुअल इंटरनेशनल ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस 'यूटोपियास एंड डायस्टोपियस इन आवर टाइम्स' में "डायस्टोपिया, डेथ एंड द क्वेश्चन ऑफ सर्वाइवल" पर प्रस्तुतीकरण।

स्वीडिश साउथ एशियन स्टडीज नेटवर्क, लुंड्स यूनिवर्सिटी, स्वीडन में 9-10 दिसंबर 2020 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "रीथिंकिंग द पॉलिटिक्स ऑफ मेमोरी इन साउथ एशिया" में "लोकेटिंग 'होम' थ्रू मेमोरी: ए स्टडी ऑफ द तिबतन सेटलमेंट कैंप 'मजनू का टीला' पर प्रस्तुतीकरण।

पर्यावरण विज्ञान विभाग

एल.के. शर्मा

9वीं एशियाई वेटलैंड संगोष्ठी 2021 (एडब्ल्यूएस21) में "एड्वान्स्ड जियोस्पाटियल टेक्नालाजी परटिनेन्स फॉर इनलैंड सेलीन वेट लैंडस्केप: ए केस स्टडी ऑफ एशिया'स लार्जेस्ट सेलीन वेटलैंड सांभर लेक" पर 6 जुलाई 2021 को पेपर प्रस्तुतीकरण।

भाषाविज्ञान विभाग

धनपति शौग्रकपम

कम्प्यूटिंग और संचार प्रणालियों (आईथ्रीसीएस-2020) पर 10-11 अगस्त 2020 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ब्रेन टॉक-एन ईईजी मोटर इमेजरी बीसीआई फॉर नॉन-स्पीकिंग पीपल ए वॉइस: ए पोज़िशन पेपर" पर प्रस्तुतीकरण।

केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के सहयोग से भाषाविज्ञान केंद्र, भाषा, साहित्य और संस्कृति स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 21-22 अगस्त 2020 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन "लैंग्वेज टीचिंग बियांड द क्लासरूम: इश्यूस एंड पर्स्पेक्टिव्स" में "मल्टिलिंग्वलिज़्म एंड द लैंग्वेज एजुकेशन लैंडस्केप: ए सोशियल टू फंक्शनल रियलिटी" पर प्रस्तुतीकरण।

भाषाविज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा 26-27 अगस्त 2020 को आयोजित सम्मेलन "पर्स्पेक्टिव्स ऑन इंडिजेनस माइन्योरिटी लिंग्विस्टिक ग्रुप्स: इश्यूस, चैलेंजेस एंड प्रॉस्पेक्ट्स" में "लैंग्वेज डॉक्युमेंटेशन एंड मल्टिलिंग्वल सिचुएशन इन राजस्थान: चैलेंजेस एंड प्रॉस्पेक्ट्स" पर प्रस्तुतीकरण।

भारतीय भाषा विज्ञान सोसायटी, पुणे एवं भारतीय भाषायी केन्द्रीय संस्थान, मैसूर के सहयोग से अंग्रेजी विभाग, जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा द्वारा 10-12 दिसंबर 2020 को आयोजित 42वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "रिडुप्लीकेशन इन मणिपुरी" में भाग लिया।

प्रबंधन विभाग

प्रो. यू.एस. मिश्रा

भारतीय राष्ट्रीय समाचार पत्र, "द हिंदू" के सहयोग से एसआरएम यूनिवर्सिटी, मध्यप्रदेश द्वारा 05 जून 2021 को आयोजित "कोविड-19 के बाद भारत में उच्च शिक्षा" पर प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे, अध्यक्ष, एआईसीटीई द्वारा

संबोधन दिया गया एवं श्री सतीश चंद्र, आईएएस, विशेष मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा विशेष संबोधन दिया गया।

शारदा विश्वविद्यालय, दिल्ली और आईआईएम, अहमदाबाद द्वारा 28 नवंबर 2020 से 2 दिसंबर 2020 को "स्ट्रक्चरल इक्वेशन मॉडलिंग" आयोजित।

डॉ. संजय कुमार

"इकोनोमैट्रिक एनलिसिस ऑफ टाइम सीरीज़ डेटा यूज़िंग ई-व्यूज़" पर 2-4 जून 2021 को ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित।

"फाइनैन्शियल एकनोमैट्रिक्स यूज़िंग ई-व्यूज़" पर 13 जुलाई-19 जुलाई 2020 को आयोजित।

तुलसी गिरी गोस्वामी

प्रबंधन अध्ययन संकाय, एमएलएसयू, उदयपुर द्वारा 1-7 जून 2020 को आयोजित "रिसर्च रिविजिटेड: रिफ्लेक्शन ऑन एनालिटिकल टूल्स" आयोजित।

टीएलसी (पीएमएमएमएनएमटीटी), राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा “इंप्लिमेंटेशन ऑफ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: रोल ऑफ फैकल्टी मेंबर्स ऑफ हॉयर एजूकेशन इंस्टिट्यूट्स” 4-8 नवंबर 2020 को आयोजित।

एमएनआईटी (टीईक्यूआईपी प्रायोजित), जयपुर द्वारा आयोजित "मैनेजिंग फॉर ऑनलाइन टीचिंग" 19- 23 दिसंबर 2020 को आयोजित।

टीएलसी (पीएमएमएमएनएमटीटी), राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा "टीचिंग लर्निंग एंड असेसमेंट" 15- 25 मार्च 2021 को आयोजित।

एटीएएल (एआईसीटीई) योजना के तहत "एकडेमिक लीडरशिप इन हॉयर एजुकेशन" 17-21, मई 2021 को आयोजित।

जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जयपुर द्वारा 18 फरवरी 2021 को आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन “यूथ 2025 - आईसीएचवायडीएसएच-21 (इनविज़निंग बिज़्नेस फॉर ए बैटर टुमॉरो) में "रिकॉन्सिव एचआर प्रैक्टिसिज़: पोस्ट-कोविड-19 एरा"।

भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर द्वारा 27-29 दिसंबर 2020 को आयोजित तीसरे आईसीडीई और 14वें आईएसडीएसआई वार्षिक सम्मेलन 2020 में "रिकॉन्सिव एचआर प्रैक्टिसिज़: पोस्ट-कोविड-19 एरा"।

राजगिरी बिजनेस स्कूल एसोसिएशन एवं विक्टोरिया विश्वविद्यालय, वेलिंगटन, न्यूजीलैंड द्वारा 15-16 अक्टूबर 2020 को आयोजित आरएमसी प्रथम राजगिरी प्रबंधन सम्मेलन 2020 में “रोल ऑफ स्ट्रेटेजिक लीडरशिप इन एसएमई'स” ।

श्री राम चरित भवन, ह्यूस्टन, टीएक्स, यूएसए द्वारा 15 अगस्त 2020 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "राम और कृष्ण: एक तुलनात्मक विश्लेषण" में "राम और कृष्ण: नेतृत्व का एक तुलनात्मक विश्लेषण"।

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

पवन के दधीच

"माइक्रोबायोलॉजी विभाग, भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु, भारत द्वारा 18-20 दिसंबर 2020 को आयोजित पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन "साइनोबैक्टीरियल एंड अल्गल बायोटेक्नालॉजी (सीएबी' 2020)।

प्रदीप वर्मा

एपीएस विश्वविद्यालय, सतना मध्य प्रदेश, भारत द्वारा 17-18 सितंबर 2020 को आयोजित कार्यशाला "फरमेंटेशन टेक्नालाजी", ई-रिफ्रेशर कोर्स 21स्ट सैन्चुरी द एरा ऑफ बॉयोकेमिस्ट्री में "टूल्स फॉर फ्यूचर इंडस्ट्रियल बॉयोप्रोसेसिंग: फरमेंटेशन एंड डाउनस्ट्रीम प्रोसेसिंग" पर व्याख्यान दिया।

अखिल अग्रवाल

इनोवेशन एंबेसडर टॉक, इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में 6 जून 2021 को "नेशनल इनोवेशन एंड स्टार्टअप पॉलिसी"।

खेल जैव विज्ञान विभाग

नेहा सिंह

डॉ. बुडोला इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंसेज, तिरुपति में 10 जून 2020 को आयोजित एक दिवसीय वेबिनार "रिसेंट ट्रेंड्स इन मसल बायोएनरजेटिक्स" में "मॉडिफाइड एमआरएनए टेक्नालॉजी: ए नॉवेल थेरेप्यूटिक अप्रोच फॉर कार्डियक रीजनरेशन" पर प्रस्तुतिकरण।

सुनील जी पुरोहित

ज्वालादेवी सरस्वती विद्यामंदिर, गंगापुरी, प्रयागराज द्वारा 17 जून 2021 को आयोजित योग शिविर "बच्चों के लिए योग का महत्व"।

समाज प्रौद्योगिकी विभाग इंटरफ़ेस

जया कृतिका ओझा

उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ, प्रबंधन अध्ययन संकाय, मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा 19-20 जून 2021 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन "इंटरप्रेन्योर ड्यूरिंग चैलेंजिंग टाइम्स: स्ट्रैटजीस फॉर सक्सेस एंड सस्टेनेन्स, इन टेक्निकल सेशन: इंटरप्रेन्योरशिप इन डिफिकल्ट टाइम्स" में "इंटरवेन्शन्स, कन्वर्जेन्स एंड सस्टेनेन्स स्ट्रैटजीस फॉर रूरल प्रोड्यूसर्स टू कोप विथ चैलेंजिंग टाइम्स इन वेस्टर्न राजस्थान" पर प्रस्तुतिकरण।

श्रुस्टि प्रबंधन अकादमी और संस्कृति विश्वविद्यालय, ओडिशा द्वारा 19-20 मार्च 2021 को आयोजित 23वें राष्ट्रीय सम्मेलन में 'रिबिल्डिंग सस्टेनेबल इकोनॉमी पोस्ट कोविड' में “डिसाइफरिंग डिजिटल एजुकेशन इन पोस्ट-पैंडेमिक इंडिया थ्रू सिस्टम्स पर्स्पेक्टिव” पर प्रस्तुतिकरण।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान राउरकेला, भारत द्वारा 29-30 दिसंबर 2020 को आयोजित वार्षिक ई-सम्मेलन “प्रबंधन, अर्थशास्त्र और विकास-2020” में “ड्रेसिंग पुवर मैनेजमेंट ऑफ कामन प्रॉपर्टी रिसोसेस इन थार डेज़र्ट ऑफ राजस्थान: मूविंग टुवर्ड्स पार्टिसिपेटरी मैनेजमेंट एंड इंक्लूसिव गर्वनेन्स” पर प्रस्तुतिकरण।

वैरोकपम प्रेमी देवी

एसटीएस इटालिया - विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सामाजिक अध्ययन के लिए इतालवी सोसायटी द्वारा 17-19 जून 2021 को आयोजित 8वें एसटीएस इटालिया सम्मेलन “डिस/एंटैंगलिंग टेक्नोसाइंस: वल्नरबिलिटी, रिस्पॉन्सिबिलिटी, एंड जस्टिस” में "इमेजिनरीज़ ऑफ़ जीनोमिक इनोवेशन: प्रिसिशन मेडिसिन एंड नेशनल डेवलपमेंट प्लान इन सिंगापुर" पर प्रस्तुतिकरण।

विद्यार्थियों की मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतियाँ

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग

ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश द्वारा 11-12 दिसंबर 2020 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन “मैट्रोलॉजी एंड क्लाइमेट साइंस 2020 (आईसीएमसीएस 2020)” में "अंडरस्टैंडिंग थंडरस्टॉर्म फ्रीक्वेंसी इन इंडिया एंड ए स्टडी ऑन 2019 प्री-मानसून सीवियर वेदर इवेंट्स ओवर जमशेदपुर यूजिंग डब्ल्यूआरएफ मॉडलिंग" पर **मुसैद, पीपी,** दास, एस., और पांडा, एसके द्वारा प्रस्तुतिकरण।

रसायनिकी विभाग

प्रथम वर्चुअल 16वें जे-एनओएसटी, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर, भारत द्वारा 31 अक्टूबर-01 नवंबर 2020 को आयोजित "डिग्रेडेटिव डिमराइजेशन ऑफ मोरिता-बेलिस-हिलमैन केटोन्स: एक्सेस टू मेथिलीन-ब्रिज्ड बीआईएस-1,3-डिकारबोनील कंपाउंड्स" पर **झा, एके,** द्वारा मौखिक प्रस्तुतिकरण।

एमएसजे राजकीय पीजी कॉलेज, भरतपुर, भारत द्वारा 05 मार्च–06 मार्च 2021 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन “रिसेंट ट्रेंड्स इन कैमिस्ट्री एंड इंवायरमेंट (आरटीसीई-2021)” में “बायोलॉजिकल पोटन्सी ऑफ नॉवेल कॉपर(II) कॉम्प्लेक्सिस हैविंग डिफरेंट लिगैंड सिस्टम्स” पर **भट्ट, एस.,** को सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार।

वाणिज्य विभाग

एसबीआईआईएमएस रिसर्च सेंटर और सावित्री बाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे में 24-25 जून 2021 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन “रोल ऑफ रिसर्च इन मैनेजमेंट एंड बिज़्नेस इन करेंट सिनारियो” में “ग्रोथ ऑफ़ ग्रीन बॉन्ड इश्यू: एन इंडियन पर्सपेक्टिव” पर **कीर्ति और सेठ, एन.,** द्वारा प्रस्तुतिकरण।

प्राग अर्थशास्त्र और व्यवसाय विश्वविद्यालय, प्राग, चेक गणतंत्र द्वारा 3-4 जून 2021 को आयोजित "वित्त और लेखा पर दूसरे वार्षिक सम्मेलन" में "को-इंटीग्रेशन एंड कैज्यूअरल्टी बिट्वीन मैक्रोइकोनॉमिक्स वेरियबल्स एंड बीटकॉइन: एविडेन्स फ्रॉम इंडियन मार्केट" पर **सैम. एस. वर्मा, आर., और शर्मा, डी.,** द्वारा प्रस्तुतिकरण।

इंडोनेशिया बैंक संस्थान, जकार्ता, इंडोनेशिया द्वारा 27-28 अगस्त 2020 को आयोजित "मौद्रिक अर्थशास्त्र और बैंकिंग इंटरनेशनल के 14 वें बुलेटिन" में "इफेक्ट ऑफ कोविड-19 पैंडेमिक ऑन द युरोपियन क्रप्टोकरेंसी मार्केट: एन इवेंट स्टडी अप्रोच" में **सैम, एस, वर्मा, आर., और शर्मा, डी** द्वारा प्रस्तुतिकरण।

भारतीय प्रबंधन और वाणिज्य संस्थान, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, भारत द्वारा 22 मई 2021 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन "सतत विकास के लिए केंद्रीय बजट 2021-22" में "इंपैक्ट ऑफ इंटेलेक्चुयल कैपिटल ऑन सस्टेनबल फाइनैन्शियल परर्फामेन्स ऑफ इंडियन नालेज-इंटेन्सिव इंडस्ट्रीस" पर **पुष्पेंद्र और सोरिया, एसके,** द्वारा प्रस्तुतिकरण।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार में 25-26 जून 2021 को आयोजित राष्ट्रीय ई-सम्मेलन (एनसीएबीएमटी 2021) "इज़ इंटिग्रेटेड रिपोर्टिंग एसोसिएटिड विथ परर्फामेंस? एविडेंस फ्राम इंडियन लिस्टेड कम्पनीज़" पर **रस्तोगी, पी.** और **सोरिया, एसके,** द्वारा प्रस्तुतिकरण।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार में 25-26 जून 2021 को आयोजित राष्ट्रीय ई-सम्मेलन (एनसीएबीएमटी 2021) "ए स्टडी ऑफ आईपीओ पर्फोर्मेन्स इन इंडिया ड्यूरिंग 2015-2019" पर **मीना, ए** और **सोरिया, एसके,** द्वारा प्रस्तुतिकरण।

राजगिरी बिजनेस स्कूल, कोच्चि, भारत में 9-10 अप्रैल 2021 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "सस्टेनेबल डेवलपमेंट: चैलेंजेस, अर्पाच्युनिटीज़, एंड द फ्यूचर" में "द कॉस्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज: हाउ कार्बन एमिशन रिडक्शन्स एकाउंटेड फॉर एमन इंडियन फर्म्स" पर **कुमारी, पी., और पटेल, एसके** द्वारा प्रस्तुतिकरण।

उदयन विश्वविद्यालय, इंडोनेशिया में 7 नवंबर 2020 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन "एंकरेजिंग कोलाबोरेशन टुवर्ड्स द डेवेलपमेंट ऑफ क्रियेटिव टूरिज़्म" में "कैपिटलाइज़िंग रूरल इंडिया फॉर रिवाइविंग टूरिज़्म सेक्टर ड्यूरिंग कोविड-19 पैंडेमिक सिनारियो" पर **खंगारोत, जी** द्वारा प्रस्तुतिकरण।

प्रबंधन संकाय, इनवर्टिस विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, भारत में 8-9 जनवरी 2021 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन रीसेंट एड्वान्सस इन मैनेजमेंट एंड टेक्नालॉजी (आईसीआरएएमटी-2020) में "एन एग्ज़ामिनेशन ऑफ टैक्सपेयर्स' कंप्लायन्स बिहेवियर टुवर्ड्स द इंडियन टैक्स सिस्टम: फाइंडिंग्स फ्रॉम ए सर्वे ऑफ स्माल-स्केल ट्रेडर्स" पर **हंसा**, द्वारा प्रस्तुतिकरण।

निरमा यूनिवर्सिटी में 26-27 नवंबर 2020 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन "ट्रेंड ऑफ इंटीग्रेटेड रिपोर्टिंग डिस्क्लोजर: एविडेंस फ्रॉम इंडियन लिस्टेड कंपनीज़" पर **रस्तोगी, पी.** द्वारा प्रस्तुतिकरण।

आस्था स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, भुवनेश्वर में 24-25 सितंबर 2020 तक आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी इनवेस्टिंग इन म्यूचुयल फंड्स वेन रिटर्न्स आर प्रिडिक्टबल: एन इन्वेस्टर'स पर्स्पेक्टिव पर **यादव, पी.** द्वारा प्रस्तुतिकरण।

भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर, भारत में 27-29 दिसम्बर 2020 तक आयोजित तीसरे आईसीडीई और 14 वें आईएसडीएसआई वार्षिक सम्मेलन में कस्टमर रिलेशन्शिप मैनेज्मेंट रिसर्च फ्रॉम 2000 टू 2020: एन एकेडमिक लिटरेचर रिव्यू एंड क्लासिफिकेशन पर **मीना. पी.** द्वारा प्रस्तुतिकरण।

आईआईएम, कोझीकोड द्वारा 31 जुलाई 2020 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मार्केटिंग, टेक्नोलॉजी, एंड सोसाइटी में अडॉप्शन ऑफ मोबाइल वॉलेट बाइ मर्चेंट्स: इंटीग्रेटिंग टीटीएफ और यूटीएयूटी मॉडल पर **तंवर, एस.** द्वारा प्रस्तुतिकरण।

संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग

जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा 25-26 जून 2021 को आयोजित ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मीडिया एंड हेल्थ अवेयरनेस इन इंडिया: ए सर्वे इन लखनऊ, उत्तर प्रदेश पर **श्रीवास्तव, ए,** द्वारा प्रस्तुतिकरण।

विवेकानंद स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली द्वारा 18-19 दिसंबर 2020 को आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन मीडिया लिटरेसी एंड कम्यूनिकेशन फॉर सस्टेनबल डेवेलपमेंट में मीडिया एंड जेंडर स्टेरियोटाइपिंग: रिवाइसिंग द कॉन्टूर्स ऑफ मीडिया लिटरेसी पर **खरे, ए,** द्वारा प्रस्तुतिकरण।

सेंट लुइस विश्वविद्यालय, ब्रुसेल्स, बेल्जियम द्वारा 8 सितंबर 2020 तक आयोजित ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन डिस्कोर्स एंड कम्यूनिकेशन एज़ प्रोपोगेंडा में इल्लीगल इम्मिग्रेंट्स एंड रिलिजियस आइडेंटिटी कॉन्फ्लिक्ट इन इंडियन न्यूज़ डिबेट पर **सागर,** द्वारा प्रस्तुतिकरण।

अर्थशास्त्र विभाग

भारतीय वित्त संस्थान में 29-31 जनवरी 2021 को आयोजित आईआईएफ इंटरनेशनल रिसर्च कॉन्फ्रेंस एंड अवार्ड्स समिट में "इरेशनल इन्वेस्टर सेंटीमेंट एंड स्टॉक मार्केट रिटर्न: ए क्वांटाइल रिग्रेशन अप्रोच" पर यादव, वाई., द्वारा प्रस्तुतिकरण। (सह-लेखक: डॉ. प्रमोद कुमार नाइक)

शिक्षा विभाग

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी जम्मू में 19-20 मार्च 2021 को आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन रोड मैप फॉर ह्यूमनिटीस एंड सोशियल साइन्सस इन एसटीईएम हॉयर एजुकेशन में "ग्रोथ माइंडसेट पेडागॉजी: एटिट्यूड बिल्डिंग विथ मेटाकॉग्निशन" पर सिंह, एस. द्वारा पेपर प्रस्तुतिकरण।

अंग्रेजी विभाग

25-27 सितंबर 2020 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन रि-थिंकिंग द पोस्टकॉलोनियल: टेक्स्ट्स एंड कॉंटेक्स्ट्स में पोस्टकॉलोनियल सबटेक्ट्स इन मीना कंडासमी'स पोयम्स पर **महावर, सी.,** द्वारा प्रस्तुतिकरण।

पर्यावरण विज्ञान विभाग

पूर्णिमा विश्वविद्यालय, जयपुर में 22-23 अप्रैल 2021 को आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन इमरजिंग ट्रेंड्स इन वाटर क्वांटिटी एंड क्वालिटी मैनेजमेंट-III (ईटीडब्ल्यूक्यूक्यूएम-2021) में रिडक्टिव डिग्रेडेशन ऑफ ऑर्गेनिक डाइज़ विथ चितोसन फंक्शनलिसाइड ज़ेडवीआई यूज़िंग रिस्पॉन्स सर्फेस मेथडॉलाजी (सीसीडी) पर **कुमारी, एन.,** द्वारा प्रस्तुतिकरण।

03-05 फरवरी 2021 को आयोजित एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया एवं इंडियन नेटवर्क फॉर सॉयल कंटैमिनेशन रिसर्च (आईएनएससीआर) के वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एन ओवरव्यू ऑफ रेसिडुयल कंटेमिनेशन एंड बैक्टीरियल डिग्रेडेशन ऑफ ऑर्गेनोफ़ॉसफेट पेस्टिसाइड्स एंड इन्वेस्टिगेशन ऑफ पेस्टिसाइड यूज़ेज पैटर्न्स एंड फार्मर'स पर्सेप्शन ऑन पेस्टिसाइड यूज़" पर **डार, एम, ए,** द्वारा प्रस्तुतिकरण।

एनआईटी, जालंधर में 13-14 फरवरी 2020 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन रासायनिक, जैव और पर्यावरण इंजीनियरिंग (कैमबॉयोएन-2020) में "इंप्रूव्मेंट ऑफ क्रॉप प्रोडक्शन एंड न्यूट्रियेंट अपटेक: ए रिव्यू" पर **शर्मा, ए.,** द्वारा प्रस्तुतिकरण।

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

एमएनआईटी, जयपुर, राजस्थान, भारत में 04-08 अप्रैल 2021 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "बायोटेक्नोलॉजी फॉर सस्टेनबल एग्रिकल्चर, इन्वाइरन्मेंट एंड हेल्थ (बीएसएईएच-2021)" में "माइक्रोएल्गल हेट्रोट्रॉफ़िक एंड मिक्सोट्रॉफ़िक कल्चरिंग: एन असेसमेंट यूज़िंग डिफरेंट कार्बन सोर्स फॉर बॉयोमोलेक्यूल्स प्रोडक्शन" पर **गोस्वामी, आरके,** वर्मा पी., द्वारा पोस्टर प्रस्तुतिकरण।

समाज प्रौद्योगिकी विभाग इंटरफ़ेस

राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 30 जून 2021 को आयोजित "ब्लॉकचैन टेक्नोलॉली एंड क्रिप्टोकरेंसी पर ऑनलाइन सत्र" में **शेखावत, आरएस,** ने भाग लिया।

टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप की कार्यशाला "हाउ टू पब्लिश ओपन एक्सेस एंड सक्सीड विथ यूअर पब्लिकेशन" में 11 मई 2021 को **राज, एन.** ने भाग लिया।

टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप की कार्यशाला "हाउ टू पब्लिश ओपन एक्सेस एंड सक्सीड विथ यूअर पब्लिकेशन" में 11 मई 2021 को **गौतम, जे.** ने भाग लिया।

जीयूवीआई, एआईसीटीई, एनईएटी, बीयूडीडीआई.एआई द्वारा 24-25 अप्रैल 2021 को आयोजित "ए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड इवेंट - पार्टिसिपेंट्स टू टेक एन ऑनलाइन कंप्यूटर प्रोग्रामिंग मॉड्यूल इन 24 अवर्स" में **गांडेपल्ली, आर.** ने भाग लिया।

आमंत्रित व्याख्यान/मुख्य संबोधन/सत्र की अध्यक्षता

श्री विजय कुमार, पुस्तकालयाध्यक्ष

1. डॉ हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश द्वारा 4 सितंबर 2021 को आयोजित "चेंजिंग ट्रेंड्स इन लाइब्रेरी सर्विसेज़ एंड एलआईएस एजुकेशन" में "मेंडेले: ए रेफरेन्स मैनेजमेंट टूल एट ए रिफ्रेशर कोर्स इन लाइब्ररी एंड इन्फर्मेशन साइन्स" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
2. 11 जनवरी-5 फरवरी 2021 को आयोजित रिसर्च मेथडोलॉजी वर्कशॉप, सामाजिक विज्ञान स्कूल, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में "रिसर्च एथिक्स" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
3. मैसूर विश्वविद्यालय, कर्नाटक में 19 अक्टूबर 2020 को शिक्षक और पुस्तकालयाध्यक्ष प्रतिभागियों के लिए आयोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स "डिज़ाइनिंग ऑफ सर्विसेज़ फॉर रिसिलियेंट लाइब्रेरीस इन द पोस्ट-कोविड वर्ल्ड" में लाइब्रेरी सर्विसेज़ ड्यूरिंग पैंडेमिक सिचुएशन" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
4. गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात में 19 अक्टूबर 2020 को आयोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स "बिल्डिंग ए नेक्स्ट-जनरेशन एकेडमिक लाइब्रेरीस: पर्सेविरेन्स एंड ट्रॉन्स्फर्मेशन्स" में "स्ट्रेंन्थ्स द प्रोफेशनल रिलेशन्स थ्रू नेटवर्किंग" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
5. कर्नाटक राज्य अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय, विजयपुरा, कर्नाटक में 10-11 सितंबर 2020 को आयोजित दो दिवसीय नेशनल वेबिनार "रिसर्च मेट्रिक्स एंड पेलाग्रिज़्म" में "वेब ऑफ साइंस: ए लाइफब्लड टूल फॉर रिसर्च कम्युनिटी" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
6. संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती, महाराष्ट्र में 05 सितंबर 2020 को आयोजित रिफ्रेशर कोर्स "रिसर्च मैट्रिक्स इन अकेडमिक इन्वाइरन्मेंट"।
7. एलआईएस विभाग, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार में 21 मई-6 जून 2020 को आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला (वेबिनार) "लाइब्रेरी एंड इन्फर्मेशन साइन्स इन द कॉंटेक्स्ट ऑफ चेंजिंग इन्वाइरन्मेंट" में "मेंडेली: ए रेफरेंस मैनेजमेंट टूल" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

सम्मेलन / कार्यशाला / संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण

डॉ. ओम कुमार कर्ण, हिंदी अधिकारी

1. केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा 15-19 मार्च 2021 को आयोजित ऑनलाइन अभिमुखी कार्यक्रम में प्रतिभागिता की।

सुश्री अनुराधा मित्तल, जनसंपर्क अधिकारी

1. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 16 सितंबर 2020 को आयोजित एक दिवसीय वेबिनार "इंडिया यूनिवर्सिटीस एंड इन्स्टिट्यूशन्स नेटवर्क फॉर डिज़ास्टर रिस्क रिडक्शन पी.एम.10 पॉइंट एजेंडा-6।
2. ईआईसीटी अकेडिमीस एमएनआईटी जयपुर, एनआईटी पटना एवं आईआईटी, गुवाहाटी द्वारा संयुक्त रूप से 21 सितंबर से 2 अक्टूबर 2020 तक आयोजित ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम "डिजिटल टूल्स फॉर राइटिंग, ऑथरिंग, एंड रिव्यूयिंग मॅन्युस्क्रिप्ट्स।

3. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक द्वारा 18 जनवरी से 16 फरवरी 2021 तक आयोजित चार सप्ताह प्रशिक्षण कार्यक्रम “शिक्षा प्रशासन” में भाग लिया।
4. केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा 11 से 15 जनवरी 2021 को आयोजित ऑनलाइन गहन हिंदी कार्यशाला में भाग लिया।

संकाय सदस्यों के प्रकाशन

पत्रिका प्रकाशन

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग

देवेश शर्मा

मित्रा बी., शर्मा डी., कुयामा टी., फाम बी., इस्लाम जी., थाओ पी. (2020), वाटर-एनर्जी-फूड नेक्सस पर्सपेक्टिव: पाथवे फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजीएस) टू कंट्री एक्शन इन इंडिया. एपीएन साइंस बुलेटिन, 10(1): डीओआई: 10.30852/एसबी.2020.1067

कल्याण एस., शर्मा डी., शर्मा ए. (2021),स्पतियो-टेम्पोरल वेरिएशन इन डेजर्ट वुल्नेराबिलिटी यूसिंग डेजर्टटीफीकेशन इंडेक्स ओवर दा बनास रिवर बेसिन इन राजस्थान, भारत. अरेबियन जर्नल ऑफ जियोसाइंसेज, 14, 54, डीओआई: 10.1007/एस12517-020-06417-0. इम्पैक्ट फैक्टर = 1.827

मित्रा बी.के., शर्मा डी., झोउ एक्स.; दासगुप्ता आर. (2021), असेसमेंट ऑफ़ दा इम्पक्ट्स ऑफ़ स्पेसियल वाटर रिसोर्स वरिअब्लिटी ऑन एनर्जी प्लानिंग इन दा गंगेस रिवर बेसिन अंडर क्लाइमेट चेंज स्केनरिऔस. सुस्तैनाब्लिटी 13,7273 दोई:; एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी/10.3390/एसयू13137273. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.251

चिन्मय मालिक

पांडा एस., मलिक सी., नाथ जे., दास टी., बूपैथी आर. (2020) ए स्टडी ऑन वेरिएशन ऑफ़ एटमोस्फियरिक पोल्लुतान्ट्स ओवर भुबनेश्वर डूरिंग इम्पोसीसन ऑफ़ नेशनवाइड लॉकडाउन इन इंडिया फॉर दा कोविड-19 पान्डेमिक. एयर क्वालिटी, एटमोस्फियरिक एंड हेल्थ 14, 97-108. डोई: 10.1007.एस11869-020-00916-5.इम्पैक्ट फैक्टर = 3.763

जयंती पाल

सरकार आई., चौधरी एस., पाल जे. (2021), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन फोरकास्टिंग सेंट्रल प्रेशर ड्रॉप एंड मैक्सिमम सस्टेनेबल विंड स्पीड ऑफ साइक्लोनिक सिस्टम्स ओवर अरेबियन सी: स्किल कंपेरिजन विद ट्रेडिशनल मॉडल्स.मेटोरल फिजिक्स 133, 803–822, दोई : 10.1007/एस00703-021-00777-2. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.209

जैव रसायन विज्ञान विभाग

संजीब कुमार पांडा

कार, एस माई, एच-जे, खलोफ, एच., हैथेम., बी., कुर्ज़, एस., फिंक-स्ट्रॅब, सी., ब्रूटिगम, ए., जिओंग, जेजी., शांग, एल., पांडा, एस.के. और बाउर, पी.. (2021) कम्पेरेटिव ट्रांस्क्रिप्टोमिक्स ऑफ़ लोलैंड राइस वेरायटीज लीड्स टू

नावेल कैंडिडेट गेंस फॉर अदापतिव आयरन एक्स्सस टॉलरेंस. प्लांट सेल फिजियोलॉजी, डीओआई: 10.1093/पीसीपी/पीसीएबी018. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.7

यामाशिता एच., कटाई एच., ओहनिशी टी., मोरिता ए., पांडा एस. के., आईकेकेए टी. (2021) टिश्यू-डिपेंडेंट वेरिएशन प्रोफाइल्स ऑफ़ टी क्वालिटी-रिलेटेड मेताबोलितेस इन न्यू शूट्स ऑफ़ टी एक्सेसअन . फ्रंटियर्स इन नुट्रीसन 8, 167. इम्पैक्ट फैक्टर = 6.576

अग्रवाल एस., रेगन पी., रहमान एम., तांती बी., पांडा एस.के. (2021) जीनोम-वाइड एनालिसिस ऑफ़ फ्लोराइड एक्सपोर्टर गेनेस इन प्लांट्स. 3बायोटेक, 11(3):124. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.406

अग्रहारी आर.के., कोबायाशी वाई., तनाका टीएसटी, पांडा एस.के. कोयामा एच. (2021) स्मार्ट फ़र्टिलाइज़र मैनेजमेंट : दा प्रोग्रेस ऑफ़ इमेजिंग टेक्नोलॉजीज एंड पॉसिबल इम्प्लीमेंटेशन ऑफ़ प्लांट बिओमार्केर्स इन एग्रीकल्चर. साइल साइंस प्लांट नुट्रीशन डीओआई: 10.1080/00380768.2021.1897479, इम्पैक्ट फैक्टर = 2.389

अवस्थी जे., कुसुनोकी के., साहा बी., कोबायाशी वाई., कोयामा एच., पांडा, एस.के. (2021) कम्पेरेटिव आरएनए-सेक एनालिसिस ऑफ़ दा रूट रिवील्ड ट्रांसक्रिप्शन रेगुलेशन सिस्टम फॉर एलुमिनियम टॉलरेंस इन कोन्त्रस्तिंग इंडिका राइस ऑफ़ नार्थ ईस्ट इंडिया. प्रोटोप्लाज्मा, डीओआई: 10.1007/s00709-020-01581-2इम्पैक्ट फैक्टर = 3.356

वैन बीक सी.आर., गुझा टी., कोपना एन., वैन डेर वेस्टहुइज़न सी.एस., पांडा एस.के., वैन डेर वायवर सी.वी.डी. (2021) दा सीनचा 2 ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर फ्रॉम टोमेटो कांफेर्स टॉलरेंस टू द्रौघ्त स्ट्रेस इन ट्रांसजेनिक तम्बाकू प्लांट्स फिजियोलएंड मो.बायोल. प्लांट्स. एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी/10.1007/s12298-021-00996-2इम्पैक्ट फैक्टर = 2.391

मबम्बलाला एन., पांडा एस.के., वायवर सी.वी.डी. (2020) ओवरएक्सप्रेशन ऑफ़ एटबीबीएक्स29 इम्प्रोवेस द्रौघ्त टॉलरेंस बाय मैन्टैनिंग फोटोसिंथेसिस एंड एन्हान्सिंग दा एंटीऑक्सीडेंट एंड ऑस्मोलाइट कैपेसिटी ऑफ़ सुगर्काने प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी रिपोर्टर एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी/10.1007/s11105-020-01261-8 इम्पैक्ट फैक्टर = 1.907

साधुखान ए., अग्रहारी आरके, वू एल., नाकानो वाई., पांडा एसके, कोयामा एच., कोबायाशी वाई. (2020) एक्सप्रेशन जीनोम-वाइड एसोसिएशन स्टडी आईडेंटीफ़ाय डट फॉस्फेटिडिलिनोसिटोल-डेरिवेद सिग्नलिंग रेगुलटेस एल्युमिनियम सेंसिटिव3 अंडर एल्युमिनियम स्ट्रेस इन दा शूट्स ऑफ़ अरबीडोफिसिस थालीआना. प्लांट साइंस, डीओआई: 10.1016/जे.प्लांट्ससी.2020.110711, इम्पैक्ट फैक्टर = 4.729

रेगॉन पी., डे एस., चौवर्धना बी., साहा बी., कार एस., तांती बी., पांडा एस.के. (2020) फिजियोबायोकैमिकल एंड मॉलिक्यूलर असेसमेंट ऑफ़ आयरन (फ़2+) तोक्सिसिटी रेस्पोंसेस इन कोन्त्रस्टिंग इंडिजेनस एरोमेटिक जोह. राइस कल्तिवार्स ऑफ़ असम, इंडिया, प्रोतोप्लास्मा, एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1007/s00709-020-01574-1, इम्पैक्ट फैक्टर = 3.356

मिश्रा एस., नाग ए., पांडा एस.के., पाणिग्रही जे. (2020) क्रॉस – जेनरा अम्प्लीफिकेसन ऑफ़ काजनुस स्पेसिफिक एसएसआर मार्कर्स इन क्लिटोरिया टर्नेटिया (एल.) एंड थेइर एप्लीकेशन इन जेनेटिक डाइवर्सिटी स्टडीज फिजियोलॉजी एंड मोल.बायो.प्लांट, 26, (12) :2371–2390, इम्पैक्ट फैक्टर = 2.391

बोम्मिसेट्टी आर., चक्रवर्ती एन., बोदनापु आर., नाइक जे.बी., पांडा एस.के., लेक्कला एसपी, लालम के., थॉमस जी., मल्लिकार्जुन एस., ईश्वर जीआर, गोपालकृष्ण के., स्वराज्यलक्ष्मी बीएन, इस्सा के., अक्करेड्डी एस., श्रीलक्ष्मी सी., हरिप्रसाद केआर, रमेशबाबू पी., सुधाकर पी., गुप्ता एस., लचागरी वीबीआर, वेमिरेड्डी एलआर (2020), डिस्कवरी ऑफ जीनोमिक रीजन एंड कैंडिडेट जीन फॉर ग्रेन वेट इंप्लॉयमेंट नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग बेस्ड क्यूटीएल-सेक अप्रोच इन राइस (ओरिजा सैटिवा एल.).मॉलिक्यूलर बायोलॉजी रिपोर्ट, 47 (11), 8615-862, इम्पैक्ट फैक्टर = 2.316

चंडी सी मंडल

सोनी एस., तोरवंड एम., मंडल सी.सी. (2021), मॉलिक्यूलर इनसाइट्स इनटू दा इन्टरप्ले बिटवीन अदिपोसिटी, ब्रैस्ट कैंसर एंड बोन मेटास्टेसिस. क्लिन क्स्प मेटास्टेसिस 38, 119-138. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.027

शेखावत आर.एस., मंडल सी.सी. (2021), एंटी-ओबेसिटी मेडिकेशनस इन कैंसर थेरेपी: ए कोम्प्रेहेंसिवे इनसाइट. करर कैंसर ड्रग टारगेट्स. दोई: 10.2174/1568009621666210322122829. इम्पैक्ट फैक्टर = ३.४२८

राणा पी., श्रमा ए., मंडल सी.सी. (2021),मॉलिक्यूलर इनसाइट्स इनटू फाइटोकेमिकल्स – ड्रिवेन ब्रेक फंक्शन इन टूमओर माइक्रोएनवायरनमेंट. जे फूड बायोकेम, ई13824.इम्पैक्ट फैक्टर = 2.725

शर्मा टी., राडोसेविच जे.ए., मंडल सी.सी. (2021), ड्यूल रोले ऑफ़ माइक्रोआरएनएएस इन ऑटोफागी ऑफ़ कोलोरेक्टल कैंसर. एंडोक्र मेटाब इम्यून डिसॉर्डर ड्रग टारगेट 21, 56-66. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.895

बंद्योपाध्याय एस., अकिमोव एम.जी., वर्मा आर., शर्मा ए., शर्मा डी., कुंडू जी.सी., ग्रेट्सकाया एन.एम., बेज़ुग्लोव वी.वी., मंडल, सी.सी. (2021), एन-एराकिडोनॉयल डोपामाइन इन्हिबिट्स एपिथेलियल-मेसेंच्यमल ट्रांजीशन ऑफ़ ब्रैस्ट कैंसर सेल्स थ्रू ईआरके सिग्नलिंग एंड डिक्रेसिंग दा सेलुलर कोलेस्ट्रॉल. जे बायोकेम मोल टॉक्सिकॉल 35, ई22693. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.642

शर्मा टी., मंडल सी.सी. (2020), ओमेगा -3 फैटी एसिड इन पैथोलॉजिकल कैल्सीफिकेशन एंड बॉन हेल्थ. जे फूड बायोकेम 44, ई13333. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.725

मंडल सी.सी., पंवार एम.एस. (2020), कैन दा समर टेम्पेरचर रेडुसCOVID-19केसेस ? पब्लिक हेल्थ 185, 72-79.इम्पैक्ट फैक्टर = 2.427

मंडल सी.सी. (2020),ऑस्टियोलाइटिक मेटास्टेसिस इन ब्रैस्ट कैंसर : इफेक्टिव प्रिवेंशन स्ट्रेटेजीज. एक्सपर्ट रेव एंटीकैंसर थेर 20, 797-811. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.573

बंद्योपाध्याय एस., फोर्ड बी., मंडल सी.सी. (2020), कोल्ड-हार्टेड: ए केस फॉर कोल्ड स्ट्रेस इन कैंसर रिस्क. जे थर्म बायोल 91, 102608. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.902

बंद्योपाध्याय एस., बुंदेल आर., त्यागी एस., पांडे ए., मंडल सी.सी. (2020), कैन दा अगिंग इन्फ्लुएंस कोल्ड एन्विरोंमेंटल मेडिकेटिड कैंसर रिस्क इन दा यूएसए फीमेल पापुलेशन ? जे थर्म बायोल 92, 102676. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.902

अकीमोव एम.जी., डुडिना पी.वी., गैमिसोनिया ए.एम., ग्रेट्सकाया एन.एम., ज़िनचेंको जी.एन., मंडल सी.सी., और बेज़ुग्लोव वी.वी. (2020), दा इन्फ्लुएंस ऑफ़ दा कोलेस्ट्रॉल लेवल इन सेल्स ऑन एंडोवेनिलॉइड साइटोटोक्सिसिटी. डोकल बायोकेम बायोफिज़ 493, 167-170. इम्पैक्ट फैक्टर = 0.7882

विश्वनाथ तिवारी

सोलंकी वी., तिवारी एम., तिवारी वी. (2021), इम्मुनोइन्फार्मेटिक्स एप्रोच टू डिजाईन ए मल्टीएपितोपे वैक्सीन टार्गेटिंग नॉन-म्युटेशन हॉटस्पॉट रीजनस ऑफ़ स्ट्रक्चरल एंड नॉन- स्ट्रक्चरल प्रोटीन्स ऑफ़ दा पीरजे. 9: ई 11126.इम्पैक्ट फैक्टर = 3.0

वर्मा पी., तिवारी एम., तिवारी वी. (2021), एफ्लक्स पंप्स इन मल्टीड्रग-रेसिस्टेंट एसिनेटोबैक्टर बॉमनी: करंट स्टेटस एंड चैलेंजेस इन द डिस्कवरी ऑफ एफ्लक्स पंप इनहिबिटर. माइक्रोबियल रोगजनन, 152, 194766, इम्पैक्ट फैक्टर = 3.9

शर्मा एस., तिवारी एम., तिवारी वी. (2021), थेराप्यूटिक्स स्ट्रेटेजीज अगेंस्ट औतोफगिक एस्केप बी पैथोजेनिक बैक्टीरिया ड्रग डिस्कवरी टुडे 26(3) 704-712. इम्पैक्ट फैक्टर = 7.9

तिवारी वी. (2021), डेनोवो डिजाइनिंग, रेट्रो-कॉम्बिनेटोरियल सिंथेसिस, एंड मॉलिक्यूलर डायनेमिक्स एनालिसिस आडेनटीफ़ाय नावेल एंटीवायरल वीटीआरएम1.1अगेंस्ट आरएनए-डिपेंडेंट आरएनए पोल्यमेरसे ऑफ़ सारसवो सीओवी-2 वायरस. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स 171, 358-365। इम्पैक्ट फैक्टर = 7

सोलंकी वी., शर्मा एस., तिवारी वी. (2021), सबट्रैक्टिव प्रोटिओमिक्स एंड रिवर्स वैक्सीनोलॉजी स्ट्रैटेजी फॉर डिजाइनिंग ए मल्टीएपिटोप वैक्सीन टार्गेटिंग मेम्ब्रेन प्रोटीन ऑफ क्लेबसिएला न्यूमोनिया. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पेप्टाइड रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स 27, 1177-1195. इम्पैक्ट फैक्टर = 1.9

वर्मा पी., तिवारी एम., तिवारी वी. (2021). स्ट्रेटेजीज टू कोम्बटिंग बैक्टीरियल एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस: ए फोकस ऑन मैकेनिज्म ऑफ़ दा एफ्फ्लुक्स पम्पस इन्हिबिटर. स्प्रिंगर नेचर कॉम्प्रिहेंसिव क्लिनिकल मेडिसिन.3,510-527

सोलंकी वी., तिवारी एम., तिवारी वी. (2020). सबट्रतीव प्रोटोमिक एनालिसिस ऑफ़ एंटीजेनिक एक्स्ट्रासेलुलर प्रोटीन्स एंड डिजाईन ए मल्टी-एपितोपेस वैक्सीन अगेंस्ट स्ताफ्य्लोकोच्चुस औरयूस. माइक्रोबायोलॉजी एंड इम्यूनोलॉजी, डीओआई: 10.1111/1348-0421.12870. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.0

तिवारी वी. (2020), डेनोवो डिजाइनिंग, रेट्रोसिंथेटिक एनालिसिस, एंड हा कॉम्बिनेटरियल सिंथेसिस ऑफ़ ए हाइब्रिड एंटीवायरल (वीटीएआर-01) टू इन्हिबित दा इंटरेक्शन ऑफ़ सारस –सीओवि2 स्पाइक ग्लाइकोप्रोटीन विथ ह्यूमन एंजियोटेनसिन –कांवेर्टिंग एंजाइम 2. बायोलॉजी ओपन, बायो.054056. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.4

तिवारी वी. (2020) नॉवेल हाइब्रिड एंटीवायरल वीटीआरआरटी-13वी2.1अगेंस्ट एसएआरएस-सीओवी2मेन प्रोटीज: रेट्रो-कॉम्बिनेटरियल सिंथेसिस एंड मॉलिक्यूलर डायनेमिक्स एनालिसिस हेलियोन 6(10), ई 05122

किरण कुमार तेजावथ

गुप्ता एस., कुमार ए., तेजावथ के.के. (2021), ए फाइटोकॉन्स्टिट्यूएंट्स एप्रोच फॉर मितिगातिंग पंक्रेअटिक कैंसर: एम्फेसिस ऑन हर्बल एक्सट्रेक्ट फाइटोकॉन्स्टिट्यूएंट्स, फ्यूचर जर्नल ऑफ़ फार्मास्युटिकल साइंसेज.7,1-29

हेमलता, गुप्ता एस., तेजावथ के.के. (2021), आरओएस-मेडीअतेड अपोप्तोसिस इन्दुसद बाय बीएसए नैनोस्फियर एनकेप्सुलेटेड विथ फ्रूट एक्सट्रेक्ट ऑफ़ कुकुमिस प्रोफेतारुम इन वेरियस ह्यूमन कैंसर सेल लाइन्स. एसीएस ओमेगा.6, 15, 10383-10395.इम्पैक्ट फैक्टर = 3.512

गुप्ता एस., कुमार ए., तेजावथ के.के. (2021), अनफोल्डिंग एंटीफंगल: एज़ न्यू फ्यू टू पैंक्रियाटिक डक्टल एडेनोकार्सिनोमा- एक मिनी-रिव्यू.मॉलिक्यूलर बायोलॉजी रिपोर्ट्स. 48: 2945-2956 इम्पैक्ट फैक्टर = 2.316

गुप्ता एस., तेजावथ के.के. (2021), फाइटोसिंथेसाइज्ड ननोपार्टिकल –डायरेक्ट काटाल्यटिक रिडक्शन ऑफ़ डाइज; बीस्ट टू ब्यूटी. नैनोटेक्नोल. एनवायरनमेंट इंजी. 6, 1-36..

मीना पी.आर., यादव पी., हेमलता एच., तेजवथ के.के. (2020), सिंह एपी. पोल्ट्री-ओरिजिन एक्स्त्रैन्तेस्तिनल एस्चेरिचिया कोली स्त्रैंस कैरिंग दा ट्रेट्स एसोसिएटेड विथ यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन, सेप्सिस, मैनिंजाइटिस एंड एवियन कोलिबसिल्लोसिस इन इंडिया. जे एपल माइक्रोबायोल अक्टूबर 23. दोई: 10.1111.जाम.14905.इम्पैक्ट फैक्टर = 3.772

विजय कुमार प्रजापति

प्रुस्टी डी., गुप्ता एन., उपाध्याय ए., डार ए., नाइक बी., कुमार एन., प्रजापति वी.के. (2021), एसिम्प्टोमैटिक मलेरिया इंफेक्शन प्रेवैलिंग रिस्क्स फॉर ह्यूमन हेल्थ एंड मलेरिया एलिमिनेशन. इन्फेक्शन जेनेटिक्स एंड एवोलूसन.; 93:104987. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.342

नाइक बी, मट्टापर्थी वी.एस.के. गुप्ता एन., ओझा आर., दास पी., सिंह एस., प्रजापति वी.के., प्रूस्टी डी. (2021), केमिकल सिस्टम बायोलॉजी अप्रोच टू आइडेंटीफिकेशन मल्टी-टारगेटिंग एफडीए इनहिबिटर्स फॉर ट्रीटिंग कोविड -19 एंड एसोसिएटेड हेल्थ कोम्प्लिकशन. जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स: 1-25.डोई: 10.1080/ 07391102.2021.1931451. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.310

राजपूत वी.एस., शर्मा आर., कुमारी ए., व्यास एन., प्रजापति वी.के., ग्रोवर ए. (2021), इंजीनियरिंग ए मल्टी एपिटोप वैक्सीन अगेंस्ट एसएआरएस-सीओवी-2 बाय एक्स्प्लोटिंग इट्स नॉन स्ट्रक्चरल एंड स्ट्रक्चरल प्रोटीन्स. जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स: 1-18 डोई:10.1080/07391102.2021.1924265. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.310

उपाध्याय ए., अमानुल्लाह ए., जोशी वी., धीमान आर., प्रजापति वी.के., पोलुरी के.एम., मिश्रा ए. (2021), इबुप्रोफेन-बेस्ड एडवांस्ड थेराप्यूटिक्स: ब्रेकिंग दा इंफ्लेमेटरी लिंक इन कैंसर, न्यूरोडीजेनेरेशन एंड डिजीज. ड्रग मेटाबोलिज्म रेविएव्स. 53(1):100-121. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.518

कुमार एन., एडमाने एन., कुमारी ए., सूद डी., ग्रोवर एस., प्रजापति वी.के., चंद्रा आर., ग्रोवर ए, (2021), साइटोटोक्सिक टी-लिम्फोसाइट एलिसितेड वैक्सीन अगेंस्ट सार्स-सीओवी-2 एम्प्लोयिंग इम्यूनोइन्फॉर्मेटिक्स फ्रेमवर्क. साइंटिफिक रिपोर्ट. 11(1):7653. 6. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.379

उपाध्याय ए., सुंदरिया एन., धीमान आर., प्रजापति वी.के., प्रसाद ए., मिश्रा ए. (2021), कॉम्प्लेक्स इंक्लूजन बॉडीज एंड डिफेक्टिव प्रोटिओम हब्स इन न्यूरोडीजेनेरेटिव डिजीज: न्यू क्लूज, न्यू चैलेंजेज.न्यूरोसाइंटिस्ट. डोई: 10.1177/1073858421989582.इम्पैक्ट फैक्टर = 7.519

सिरोही पी.आर., गुप्ता जे., सोमवंशी पी., प्रजापति वी.के., ग्रोवर ए. (2020), मल्टीप्ले एपितोपे बेस्ड वैक्सीन प्रेडिक्शन अगेंस्ट सारस-सीओवि-2 स्पाइक ग्लाइकोप्रोटीन. जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स. 1-12. डोई: 10.1080/07391102.2020.1846626.इम्पैक्ट फैक्टर = 3.310

कुमार बीके, फहीम., शेखर केवीजीसी., ओझा आर., प्रजापति वीके, पाई ए., मुरुगेसन एस. (2020), फार्माकोफोर बेस्ड वर्चुअल स्क्रीनिंग, मॉलिक्यूलर डॉकिंग, मॉलिक्यूलर डायनामिक्स एंड एमएम-जीबीएसए एप्रोच फॉर

आइडेंटिफिकेशन ऑफ़ प्रोस्पेक्टिवे सारस-सीओवि-2 इन्हिबिटर फ्रॉम नेचुरल प्रोडक्ट डेटाबेस. जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स. 1-24. डीओआई: 10.1080/07391102.2200.1824814.इम्पैक्ट फैक्टर = 3.310

ओझा आर., गुप्ता एन., नाइक बी., सिंह एस., वर्मा वी.के., प्रूस्टी डी., प्रजापति वी.के. (2020),हाई थ्रूपुट एंड कोप्रेहेंसिवे एप्रोच टू डेवेलोप मल्टीपितोपे वैक्सीन अगेंस्ट मिनकिऔस कोविड -19. यूरोपियन जर्नल ऑफ़ फार्मास्युटिकल साइंसेज 151:105375. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.384

शिव स्वरूप

मित्रा डी., पांडे जे., जैन ए., स्वरूप एस. (2021), इन सिलिको डिज़ाइन ऑफ़ मल्टी-एपिटोप-बेस्ड पेप्टाइड वैक्सीन अगेंस्ट सारस-सीओवी-2 यूजिंग इट्स स्पाइक प्रोटीन. जे बायोमोल स्ट्रक्चर डीएन. डीओआई: 10.1080/07391102.2020.1869092. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.54

स्वरूप एस, वैफेई टी. (2021), स्ट्रेस रिस्पांस रेगुलेशन में लॉन्ग नॉन-कोडिंग आरएनए (इन्क्रनस) इन स्ट्रेस रेस्पोंसे रेगुलेशन. आईनटी. जे. रेस. फार्म. साइंस.12 (2), 1-5.

मल्लाजोस्युला वी. वी., स्वरूप एस., वरदराजन आर. (2020), इन्फ्लुएंजा हेमाग्लगुटिनिन हेड डोमेन मिमिक्री बाय रैशनल डिज़ाइन. दा प्रोटीन जर्नल 39, 434-448. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.37

धनेश्वर प्रुस्ती

प्रुस्टी डी., गुप्ता एन., उपाध्याय ए., डार ए., नाइक बी., कुमार एन., प्रजापति वी. के. (2021), एसिम्प्टोमैटिक मलेरिया इंफेक्शन प्रेवैलिंग रिस्क फॉर ह्यूमन हेल्थ एंड मलेरिया एलिमिनेशन.इन्फेक्ट जेनेट इवोल. 93:104987. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.342

नाइक बी., मट्टापर्थी वीएसके, गुप्ता एन., ओझा आर., दास पी., सिंह एस., प्रजापति वीके, प्रुस्टी डी. (2021), केमिकल सिस्टम बायोलॉजी अप्रोच टू आइडेंटिफाई मल्टी-टारगेटिंग एफडीए इनहिबिटर्स फॉर ट्रीटिंग कोविड-19 एंड एसोसिएटेड हेल्थ कॉम्पलीकेशन. जे बायोमोल स्ट्रक्चर डीएन. 2021 जून 1:1-25.34062110. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.549

ओझा आर., गुप्ता एन., नायक बी., सिंह एस., वर्मा वी.के., प्रुस्टी डी., प्रजापति वी.के. (2020), हाई थ्रूपुट एंड कोप्रेहेंसिवे एप्रोच टू डेवेलोप मल्टीपितोपे वैक्सीन अगेंस्ट मिनकिऔस कोविड -19. यूरोपियन जर्नल ऑफ़ फार्मास्युटिकल साइंसेज 151:105375. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.384

दीपक गायेन

शर्मा पी., गेयन डी. (2021), प्लांट प्रोटीज एज़ रेगुलेटर एंड सिग्नलिंग मॉलिक्यूल फॉर एन्हांसिंग एनवायर्नमेंटल स्ट्रेस-टॉलरेंस. प्लांट सेल रिपोर्ट, 1-15.इम्पैक्ट फैक्टर = 4.57

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

पंकज गोयल

चाहर के.आर., कुमार वी., शर्मा पी.के., ब्रुनर्ट डी., कौशिक वी., गहलोत पी., शेखावत आई., कुमार एस., शर्मा ए.के., कुमारी एस., गोयल पी. (2021) स्फिन्गोसिने किनासेस नेगातिवेली रेगुलेट दा एक्सप्रेशन ऑफ़ मैट्रिक्स

मेटालोप्रोटीज (एमएम1 एंड एमएमपी 3) एंड देयर इन्हिबिटर टीआईएमपी3 गेंस वाया स्फिंगोसिन 1-फॉस्फेट इन एक्स्ट्राविलस त्रोफोब्लास्ट्स. रेप्रोदुक्टिव मेडिसिन बायोलॉजी 20,267-276.इम्पैक्ट फैक्टर = 3.329

ब्रुनेर्ट डी., कुमार वी., कौशिक वी., एहरहार्ट जे., चाहर केआर, शर्मा पीके, ज़ीगमंट एम., गोयल पी. (2021), थ्रोम्बिन इम्पैर्स दा अन्गिओगेनिक एक्टिविटी ऑफ़ एक्स्ट्राविलस त्रोफोब्लास्त सेल्स वाया मोनोकयते चेमोताक्टिक प्रोटीन -1 (एमकीपी-1) ए पॉसिबल लाइन विथ प्रीक्लाम्प्सिया. रेप्रोदुक्टिव बायोलॉजी 21,100516.इम्पैक्ट फैक्टर= 2.376

उत्तरिल्ली ए., अमलकांति एस., कोमोजू पीआर, शर्मा एस., गोयल पी., मंजूनाथ जीके, उपाध्याय वी., परवीन ए., टंडन आर., प्रसाद केएस, डाकल टीसी, श्लोमो आईबी, यूसुफ एम. नीरथिलिंगम एम., कुमार ए. (2021), सुपर-रैपिड रचे फॉर सेविंग लाइवस बाय डेवेलपिंग कोविड-19 वैक्सीनस. जर्नल ऑफ़ इन्टग्रटीवे 18(1), 27. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.32

वर्मा एन., श्रीवास्तव एस., मलिक आर., यादव जेके, गोयल पी., पांडे पी. (2020), कम्प्यूटेशनल इन्वेस्टीगेशन फॉर मॉडलिंग दा प्रोटीन-प्रोटीन इंटरेक्शन ऑफ़ टासा (28-261)-तापा (33-253): ए देसिसिव प्रोसेस इन बायोफिल्म फार्मेशन बाय बबैसिलस सबटिलिस. जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर मॉडलिंग 26, 226. इमाक्ट फैक्टर= 1.810

ए.के. गुप्ता

यादव पी.के., गुप्ता एन., वर्मा वी., गुप्ता ए.के. (2021), ओवरएक्प्रेशन ऑफ़ एसएलएचएसपी90.2 लीड्स टू अल्टरऐड रूट बायोमास एंड आर्किटेक्चर इन टोमेटो (सोलनम लाइकोपर्सिकम). मॉलिक्यूलर बायोलॉजी ऑफ़ प्लांट्स 27, 713-725.इम्पैक्ट फैक्टर = 2.391

दुबे एन.के., गुप्ता के., खनी जे.के., सिनम जी., तोमर आर.एस., शासनी ए.के., कुमार आर., पाणिग्रही जे., गुप्ता ए.के. (2020),डे नोवो ट्रांस्क्रिप्तोम एनालिसिस ऑफ़ पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस एल. एंड इनसाइट्स इनटू इट्स पोटेंशियल यूसेस, जर्नल ऑफ रिसर्च इन वीड साइंस 3, (4), 465-489.इम्पैक्ट फैक्टर = 0.98

जनमेजय पाण्डेय

मित्रा डी., पांडे जे., जैन ए., स्वरूप एस., (2020), इन सिलिको डिजाईन ऑफ़ मल्टी-एपितोपे-बेस्ड पेप्टाइड वैक्सीन अगेंस्ट एसएआरएस-सीओवी -2 यूसिंग इट्स स्पाइक प्रोटीन, जर्नल ऑफ़ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 1-14. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.594

वर्मा एन., श्रीवास्तव एस., मलिक आर., यादव जेके, गोयल पी., पांडे जे। (2020), कम्प्यूटेशनल इन्वेस्टीगेशन फॉर मॉडलिंग दा प्रोटीन-प्रितें इंटरेक्शन टासा (28-261)-तापा (33-253): ए देसिसिव प्रोसेस इन बायोफिल्म फार्मेशन बाय बबैसिलस सबटिलिस. जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर मॉडलिंग 26, (9). इम्पैक्ट फैक्टर= 1.81

गोयल डी., स्वरूप एस., पांडे जे. (2020), हार्नेसिंग द जेनेटिक डायवर्सिटी एंड मेटाबोलिक पोटेंशियल ऑफ एक्स्ट्रीमोफिलिक माइक्रोऑर्गेनिज्म्स थ्रू द इंटीग्रेशन ऑफ मेटागेनोमिक्स एंड सिंगल-सेल जीनोमिक्स.इन एक्स्ट्रीमोफिलिक माइक्रोब्स एंड मेटाबोलाइट्स-डायवर्सिटी, बायोप्रोस्पेक्टिंग एंड बायोटेक्नोलॉजिकल एप्लिकेशन. (इंटेक ओपन पब्लिकेशन. लंदन - यूके)

गोयल डी., वैजनापुरकर एम., जैक्स ई., पांडे जे., प्रकाश ओ. (2020), द अर्थ्स माइक्रोबायोम: सिग्निफिकेशन इन सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड इम्पैक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंजेस. मेटागेनोमिक सिस्टम बायोलॉजी, 115-139 (स्प्रिंगर, सिंगापुर)

पांडे जे. (2020),रिलेटिव इन्फ्लुएंस ऑफ़ "फीजीकोकेमिकल वेरिएबल्स "एंड "इंडिजेनस बैक्टीरियल डाइवर्सिटी" ऑन दा एफिशिएंसी ऑफ़ बायोएग्मेंटेशन-मेडीअटेड इन सीटू बायोरेमेडिएशन टेक्नोलॉजी, 91-108 (सीआरसी प्रेस, यूएसए)

सुमन तपरियाल

सिंह वीके, कुमार एस, धाकड़ आरके, अंसारी एएस, लोहिया एनके, तपरियाल एस. (2020), जनरेशन ऑफ़ ओलिगोमर्स ऑफ़ सबयूनिट वैक्सीन कैंडिडेट ग्लाइकोप्रोटीन डी ऑफ़ हर्पीस सिम्पलेक्स वायरस-2 एक्सप्रेस्ड इन फ्यूज़न विथ आईजीएम एफसी डोमेन (एस) इन एस्चेरिचिया कोली: ए स्ट्रेटेजी टू एन्हांस दा इम्मुनोगेनिसिटी ऑफ़ दा एंटीजन. 3 बायोटेक 10 (11),463.इम्पैक्ट फैक्टर = 2.45

कुमार एस, सिंह वीके, वासम एम., पाटिल पीएस, ढकेड आरके, अंसारी एएस, लोहिया एनके, पाराशर डी., तपरियाल एस. (2020), एन इन विट्रो रेफोल्डिंग मेथोड्स टू प्रोडूस ऑलिगोमर्स ऑफ़ एंटी-सीएचआईकेवी, ई2-आईजीएम फे फ्यूज़न सबयूनिट वैक्सीन कान्दिदातेद एक्सप्रेस्ड ई. कोलाई. जर्नल ऑफ इम्यूनोलॉजिकल मेथड्स 487, 112869 इम्पैक्ट फैक्टर = 2.3

जैन एस., भर के., बंद्योपाध्याय एस., सिंह वी.के., मंडल सी.सी., टपरियाल एस., शर्मा ए.के. (2020), डेवेलपमेंट, इवैल्यूएशन एंड इफ़ेक्ट ऑफ़ अनिओनिक को-लिगंड ऑन दा बायोलॉजिकल एक्टिविटी ऑफ़ बेंज़ोथियाज़ोल डेरिवेद कॉपर (II)कोम्प्लेक्सेस. जर्नल ऑफ अकार्बनिक बायोकैमिस्ट्री 210, 111174 इम्पैक्ट फैक्टर = 3.3

तरुण कुमार भट्ट

राणा एम., पारीक ए., भारद्वाज एस., आर्य जी., निमेश एस., आर्य एच., भट्ट टीके, यारागोरला एस., शर्मा एके (2020), एरील्डियाज़ोक्विनोलिन बेस्ड मल्टीफंक्शनल स्माल मोलेकुलेस फॉर मोडुलेटिंग एβ 42 एग्रीगेशन एंड कोलिनेस्टरेज़ एक्टिविटी रिलेटेड टू अल्झाइमर डिजीज, आरएससी एडवांसेज 10, 28827-28837। इम्पैक्ट फैक्टर = 3.361

जय कांत यादव

मित्तल सी., कुमारी ए., डी.आई., सिंह एम., हरसोलिया आर.एस., यादव जे.के. (2021), हीट ट्रीटमेंट ऑफ़ सोलुब्ले प्रोटीन्स आइसोलेटेड फ्रॉम ह्यूमन कैटरेक्ट लेंस लीड्स ऑफ़ दा फार्मेशन ऑफ़ नॉन-फिब्रिल्लर अमाइलॉइड-लिखे प्रोटीन एग्रीगेटस. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स 188: 512-522. इम्पैक्ट फैक्टर = 6.953

मित्तल सी., यादव जे.के. (2021), डिसैग्रेगेशन ऑफ अमाइलॉइड-लाइक प्रोटीन एग्रीगेट्स आइसोलेटेड फ्रॉम ह्यूमन कैटरेक्ट लेंस. इंडियन जर्नल ऑफ बायोकैमिस्ट्री एंड बायोफिजिक्स 58, 359-365.इम्पैक्ट फैक्टर = 1.918

शालिनी जी., यादव जे.के. (2021), एग्रीगेशन हॉट स्पॉट्स इन दा सारस-सीओवि-2प्रोटिओम मे कान्सटिटूट पोटेंशियल ठेरापयूटिक टारगेट्स फॉर दा सप्रेशन ऑफ़ दा वायरल रिप्लेकेशन एंड मल्टीप्लिकेशन. जर्नल ऑफ़ प्रोटीन एंड प्रोटिओमिक्स 12: 1-13

शिमांस्की ए., यादव जे.के. (2021), अम्प्लोइड क्रॉस-सीक्वेंस इंटरेक्शन बिटवीन Aβ(1-40) और αA(66–80) इन रिलेशन टू दा पथोगेनेसिस ऑफ़ कैटरेक्ट. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स 179: 61-70 इम्पैक्ट फैक्टर = 6.953

राम एल., मित्तल सी., हरसोलिया आर.एस., यादव जे.के. (2020), ट्रेहलोस इन्हिबिट्स दा हीट-इंदुकेड फार्मेशन ऑफ़ दा अम्प्लोइड-लाइक स्ट्रक्चर ऑफ़ सोलुब्ले प्रोटीन्स आइसोलेटेड फ्रॉम ह्यूमन कैटरेक्ट लेंस. प्रोटीन जर्नल 39, 509-518. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.317

हरसोलिया, आरएस, कंवर, ए., गौर, एस., कुमार, वी., कुमार, वी., बंसल, आर., कुमार, एस., सिंह, एम., यादव जेके (2020) प्रेडिक्टेड एग्रीगेशन-प्रोन रीजन (एपीआर) βB1-क्रिस्टलीय फॉर्म्स दा अम्प्लोइड-लाइक स्ट्रक्चर ऑफ़ सोलुब्ले प्रोटीन्स आइसोलेटेड फ्रॉम ह्यूमन कैटरेक्ट ऑय लेंस. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स 163: 702-710.इम्पैक्ट फैक्टर = 6.953

जयेंद्र नाथ शुक्ला

चौधरी सी., शर्मा एस., मेघवंशी के.के., पटेल एस., मेहता पी., शुक्ला एन., डी.एन., राजपुरोहित एस., सुरवझाला पी., शुक्ला जे.एन. (2021), लॉन्ग नॉन-कोडिंग आरनएएस इन इंसेक्ट्स. एनिमल्स (बसेल). एपीआर14;11(4):1118. इम्पैक्ट फैक्टर = 1.66

शिवा एन., गुप्ता एस., गुप्ता ए., शुक्ला जे.एन., मलिक बी., शुक्ला एन. (2021), जीनोम-एडिटिंग अप्रोच एंड एप्लिकेशंस: ए ब्रीफ रिव्यू ऑन सीआरआईएसपीआर टेक्नोलॉजी एंड इट्स रोल इन कैंसर. 3 बायोटेक एमएआर; 11(3):146.इम्पैक्ट फैक्टर = 2.5

सुरेंद्र निमेश

कुमारी आर.एम., शर्मा एन., मनचंदा आर., गुप्ता एन., सैयद ए., बहकली ए.एच., निमेश एस. (2021), पीजीएमडी/करक्यूमिन नैनोपार्टिकल्स फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ़ ब्रेस्ट कैंसर, साइंटिफिक रिपोर्ट्स 11, 3824. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.379

यादव जे., कुमारी आर.एम., वर्मा वी., निमेश एस. (2021), रीसेंट डेवलपमेंट इन थेरपीटिकस स्ट्रेटेजीज टार्गेटिंग प्सयूदोमोनस एरुगिनोसा बायोफिल्म्स – ए रिव्यु, मैटेरियल्स टुडे: प्रोसीडिंग्स 46 (6), 2359-2373.

शर्मा एन., सिंघल एम., कुमारी आरएम, गुप्ता एन., मनचंदा आर., सैयद ए., बहकली एएच, निमेश एस. (2020), डायोसजेनिन लोडेड पॉलीमेरिक नैनोपार्टिकल्स विद पोटेंशियल एंटीकैंसर एफ्फिकेशी, बायोमोलेक्यूल्स 10,1679. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.879

कुमारी आर.एम., कुमार वी., कुमार एम., पारीक एन., निमेश एस. (2020),असेसमेंट ऑफ़ एंटीबैक्टीरियल एंड एंटीकैंसर कैपबिलिटी ऑफ़ सिल्वर नैनोपार्टिकल्स एक्स्ट्रा सेल्युलरलीबायोसिंथेसाइज्ड यूजिंग अस्पेर्गिल्लुस तेर्रयूस, ननो एक्सप्रेस 1 (2020) 030011

शर्मा एन., कुमारी आरएम, गुप्ता एन., सैयद ए., बहकली एएच, निमेश एस. (2020), पॉली- (लैक्टिक-को-ग्लाइकोलिक) एसिड नैनोपार्टिकल्स फॉर सिनर्जिस्टिक डिलीवरी ऑफ एपिरूबिसिन एंड पैक्लिटैक्सेल टू ह्यूमन लंग कैंसर सेल्स, मोलेक्यूल्स 25 (2020) 4243. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.411

राणा एम., पारीक ए., भारद्वाज एस., आर्य जी., निमेश एस., आर्य एच., भट्ट टीके, यारागोरला एस., शर्मा एके (2020), एरील्डियाज़ोक्विनोलिन बेस्ड मल्टीफंक्शनल स्माल मोलेकुलेस फॉर मोडुलटिंग एβ 42 एग्रीगेशन एंड कोलिनेस्टरेज़ एक्टिविटी रिलेटेड टू अल्झाइमरस डिजीज, आरएससी एडवांसेज 10, 28827-28837। इम्पैक्ट फैक्टर = 3.361

विवेक वर्मा

श्रीवास्तव एम., वर्मा वी., श्रीवास्तव ए.के. (2021), दा कोन्वेर्गिंग पाथ ऑफ़ प्रोटीन सूमोलेशन इन फाइटोहोर्मोन सिग्नलिंग: हाइलाइट्स एंड न्यू फ्रंटियर्स. प्लांट सेल रिपोर्ट, एच टीटीपीएस ://दोई.ओआरजी/10.1007/s00299-021-02732-2 इम्पैक्ट फैक्टर = 4.57

वर्मा वी., श्रीवास्तव एके, गॉफ सी., कैम्पानारो ए., श्रीवास्तव एम., मोरेल आर., जॉयस जे., बेली एम., झांग सी., क्रिसन पीजे एंड सदानंदम ए. (2021), सूमो सब्सट्रेट सेलेक्टिविटी बाय मिटोजेन – एक्टिवटेड प्रोटीन किनासेस टू रेगुलेट इम्युनिटी इन प्लांट्स. प्रोसीडिंग्स ऑफ़ दा नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, यूएसए की, 118इ2021351118.इम्पैक्ट फैक्टर = 11.2

यादव, पी.के., गुप्ता, एन., वर्मा, वी., गुप्ता ए.के. (2021), ओवरएक्प्रेशन ऑफ़ एसएलएचएसपी 90.2 लीड्स टू अल्टरटेड रूट बायोमास एंड आर्किटेक्चर इन टोमेटो (सोलनम लाइकोपर्सिकम). फिजियोलॉजी एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी ऑफ़ प्लांट्स 27, 713-725.इम्पैक्ट फैक्टर = 2.391

यादव जे., कुमारी आर.एम., वर्मा वी., निमेश एस. (2021), रीसेंट डेवेलपमेंट इन थेरपीउतिक स्ट्रेटेजीज टार्गेटिंग स्यूडोमोनास एरुगिनोसा बायोफिल्म्स – ए रिव्यु, मैटेरियल्स टुडे : प्रोसीडिंग्स 46 (6), 2359-2373।

रसायन विज्ञान विभाग

ईश्वर श्रीनिवासन

झा ए के, सरिता; ईश्वर एस. (2021), अनसिमेट्रिकल एन, एन'-फंक्शनलाइज़ेशन ऑफ़ हाइड्राज़िन बाई इंसर्शन इन मोरिता-बेलिस-हिलमैन कीटोन्स. टेट्राहेड्रॉन लैटर, 69, 152971. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.415

इनाणी एच., सिंह ए., भाटी एम., कुमारी के., कुचेरेंको ए.एस., ज़्लॉटिन एस.जी., ईश्वर एस. (2021), प्रोलाइन-हिस्टिडाइन डाइपेप्टाइड: ए सूटेबल टेम्प्लेट फॉर जनरेटिंग आयन-टैगेड ऑर्गेनोकैटलिस्ट्स फॉर द एसिमेट्रिक एल्डोल रिएक्शन. सिंथेसिस,53(15), 2702-2712 इम्पैक्ट फैक्टर = 3.157

अनुज के शर्मा

सन एल., शर्मा ए.के., हान बी.-एच., मिरिका एल.एम. (2020), एमेंटोफ्लेवोन: ए बिफंक्शनल मेटल चेलेटर डेट कंट्रोल्स फार्मेशन ऑफ़ नयूरोतोक्सिक सॉल्यूबल Aβ42 ओलिगोमर्स. एसीएस केमिस्ट्री न्यूरो साइंस ., 11(17), 2741-2752. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.486

राणा एम., पारीक ए., भारद्वाज एस., आर्य, जी., निमेश एस., आर्य एच., भट्ट टी., यारागोरला एस शर्मा, एके (2020), एरील्डियाज़ोक्विनोलिन बेस्ड मल्टीफंक्शनल स्मॉल मॉलिक्यूल्स फॉर कंट्रोलिंग एसीएचई एक्टिविटी एंड मॉड्यूलेशन ऑफ़ Aβएग्रीगेशन रिलेटेड टू अल्जाइमर डिजीज. आरएससी एडवांसेज, 10, 28827-28837. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.36

चंद्रकांता दाश

यादव एस., दाश सी. (2020), वन-पॉट टेंडेम हेक अल्काइनाइलेशन/साइक्लाइज़ेशन रिएक्शन्स, काताल्य्ज़ेड बाय बीस (पाइरोलिल) पाइरिडीन बेस्ड पैलेडियम पिनसर कॉम्प्लेक्स. टेट्राहेड्रॉन, 76(30), 131350. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.457

डैश सी., दास ए., डायस एचवी. (2020), मरकरी (II) काम्प्लेक्स ऑफ़ एनीओनिक एन-हेटरोसाइक्लिककार्बाइन लिगैंड्स: स्टेरिक इफ़ेक्ट ऑफ़ दा बैकबोन सब्स्टीट्यूट. मोलेकुलेस , 25(16), 3741. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.411

यादव एस., रे एस., सिंह ए., मोबिन एस.एम., रॉय टी.के., डैश सी. (2020), डाइन्यूक्लियर गोल्ड (आई)-एन-हेटेरोसाइक्लिक कार्बाइन कॉम्प्लेक्स: सिंथेसिस, कैरेक्टराइजेशन, एंड कैटेलिटिक एप्लीकेशन फॉर हाइड्रोहाइड्राजिडेशन ऑफ टर्मिनल एल्काइन्स. एप्लीकेशन. ऑर्गनोमेट केमिस्ट्री, 34(11), ई5942.इम्पैक्ट फैक्टर = 4.105

एम. भानुचंद्र

यादव एम., जाट आर.एस., सरमा बी., भानुचंद्र एम. (2021), 2-पाइरिडाइल सल्फ़ोक्साइड डायरेक्टेड पीडी (II)-काताल्य्ज़ेड सी-एच ओलेफ़िनेशन ऑफ़ एरेन्स विद मॉलिक्यूलर ऑक्सीजन विद दा सोल ऑक्सीडेंट.सिंथेसिस,53(13), 2269-2276.इम्पैक्ट फैक्टर = 3.157

तिरुमूर्ति आर

चंद्रशेखर वी., थिरुमूर्ति आर., धनवंत के., सैनी ए. (2021), फोटोफिजिकल स्टडीज ऑफ ऑर्गनोस्टेनोक्सेन सपोर्टेड हेक्साफ्लोरोफोर असेंबली. इनॉर्ग. केमिकल. एक्टा., 522, 120378 इम्पैक्ट फैक्टर = 2.545

पार्थ रॉय

गंगादा एस., रामनगर आरए, सांगोलकर एए, पवार आर., नानुबोलु जेबी, रॉय पी., गिरिबाबू एल., चित्त आर. (2020), एक्साइटेशन-वेवलेंथ-डिपेंडेंट लाइट-इंड्यूस्ड इलेक्ट्रॉन ट्रांसफर एंड ट्विस्टेड इंट्रामोल्युलर चार्ज ट्रांसफर इन एन, एन बीआईएस (4′-टर्टब्यूटिलबिफेनिल-4-वाईएल) एनिलिन फंक्शनलाइज्ड बोरोंडिपाइरोमेथेन जे. भौतिक. केमिस्ट्री ए124, 9738−9750इम्पैक्ट फैक्टर = 2.781

रितेश सिंह

मुखर्जी ए., अंसारी ए.जे., रेड्डी एस.आर., दास जी.के. और सिंह आर. (2020), मैकेनिस्टिक इंवेस्टिगेशन फॉर द फॉर्मेशन ऑफ एक्टिव हेक्साफ्लोरोइसोप्रोपाइल बेंजोएट्स इनवॉल्विंग अज़ा-ऑक्सीलील केशन एंड एंथ्रानिल्स. एशियाई. जे. ओर्ग. केमिस्ट्री 9, 2136-2143. इम्पैक्ट फैक्टर

हेमंत जोशी

मीना एन., शर्मा एस., भट्ट आरपी, शिंदे वीएन, सुंडा एपी, भुवनेश एन., कुमार ए, जोशी एच. (2020), ए सेलेनियम कोऑर्डिनेटेड पैलेडियम (II) ट्रांस-डाइक्लोराइड मॉलिक्यूलर रोटर एज ए कैटेलिस्ट फॉर साईट सेलेक्टिव अन्नीयूसन ऑफ़ 2-एरिलिमिडाज़ो[1,2-a]पाइरिडीन केमिस्ट्री कम्यून., 56, 10223-10226.इम्पैक्ट फैक्टर = 6.222

कुमार एस., सिंह एस., गडवाल जे., मकर पी., जोशी, एच. (2021), रेजीओसेलेक्टिव सी-एच एरिलेशन ऑफ इमिडाजोल्स, एम्प्लोयिंग मैक्रोसाइक्लिक पैलेडियम (II) कॉम्प्लेक्स ऑफ ऑर्गोसेलेनियम लिगैंड. जे. ऑर्गनोमेट.केमिस्ट्री 946-947, 121907 इम्पैक्ट फैक्टर = 2.369

वाणिज्य विभाग

प्रवीण साहू

मीना पी., साहू पी. (2020),इलेक्ट्रॉनिक कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज इन इन्सुरांस इंडस्ट्री: कोन्सेकुएन्केस एंड चल्लेंगेस. शोध सरिता, , 7(28), 174-179l आईएसएसएन: 2348-2397, यूजीसी-केयर लिस्ट.

मीना पी., साहू पी. (2021), कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट रिसर्च फ्रॉम 2000 से 2020 : अन अकादमिक लिटरेचर रिव्यु एंड क्लासिफिकेशन. विज़न: दा जर्नल ऑफ़ बिज़नस पेर्पेक्टिव, 25(2), 136-158. आईएसएसएन: 0972-2629, यूजीसी-केयर लिस्ट.

यादव पी., साहू पी. (2021), बर्डन ऑफ अनपेड केयर वर्क: एन इनडायरेक्ट स्ट्राइक ऑन वीमेन राइट्स. उत्कल रिसर्च जर्नल, 34 (XVIII), 51-55l आईएसएसएन: 0976-2132, यूजीसी केयर लिस्टेड.

रुचिता वर्मा

वर्मा आर., शर्मा डी., सैम एस., शर्मा एस. (2021), इम्पैक्ट असेसमेंट ऑफ़ कोविड-19 पान्डेमिक ऑन दा टॉप 10 अफ्फेक्टेड कन्ट्रीज. शोध संचार बुलेटिन, 11(41). आईएसएसएन: 2229-3620, यूजीसी-केयर लिस्ट.

वर्मा आर., राठौर जे.एस. (2021), एम एंड एएस ऑफ़ इंडियन कमर्शियल बैंक्स : ए नॉन-पैरामीट्रिक एप्रोच टू एफिशिएंसी एनालिसिस. जेआईएमएस8एम:द जर्नल ऑफ इंडियन मैनेजमेंट एंड स्ट्रैटेजी, 26 (2), 11-21l आईएसएसएन: 0973-9335, यूजीसी-केयर लिस्ट

वर्मा आर., राठौर जे.एस. (2021), इंटरनल एंड एक्सटर्नल डीटरमिनान्ट्स ऑफ़ प्रोफिताबिलिटी: एन एम्प्रिकल अनान्य्सिस ऑफ़ इंडियन बैंकिंग सेक्टर विथ रिफरेन्स टू दा ग्लोबल फाइनेंसियल क्राइसिस एंड कंसोलिडेशन. पीआईएमटी जर्नल. (एक्सेप्टेड), आईएसएसएन: 02278-7925, यूजीसी-केयर लिस्ट

सुशीला सोरिया

सोरिया एस., कादियान पी. (2020), इंटेलेक्चुअल कैपिटल एंड फाइनेंसियल परफॉरमेंस ऑफ़ इंडियन किंग सेक्टर, शोध सरिता, , 7(25) 17-23आईएसएसएन नंबर 2348-2397. यूजीसी केयर लिस्ट

सोरिया एस., जैन आर. (2021), इंटीग्रेटिंग एजुकेशन विद द टेक्नोलॉजी- राइज इन डिमांड फॉर ऑनलाइन एजुकेशन इन इंडिया, द ऑनलाइन जर्नल ऑफ डिस्टेंस एजुकेशन एंड ई-लर्निंग, 9(1), 112-124. आईएसएसएन नंबर 2147-6454 यूजीसी केयर लिस्ट.

सोरिया एस., रस्तोगी पी. (2021), ए सिस्टमैटिक लिटरेचर रिव्यू ऑन इंटीग्रेटेड रिपोर्टिंग फ्रॉम 2011 टू 2020. जर्नल ऑफ फाइनेंशियल रिपोर्टिंग एंड अकाउंटिंग, अहेड-ऑफ-प्रिंट नंबर अहेड -ऑफ-प्रिंट एचटीटीपीएस://दोई .औरआरजी/10.1108/जेफआरए-09-2020-0266आईएसएसएन नंबर. 1985-2517 यूजीसी केयर लिस्ट

सोरिया एस., मीना ए.के. (2020), आईपीओ परफॉरमेंस इन शोर्ट-रन : एन एम्पिरिकल स्टडी ऑफ़ इंडियन मार्केट्स. शोध सरिता, 7(28), 157-164। आईएसएसएन नंबर 2348-2397. यूजीसी केयर लिस्ट

सोरिया एस., मीना ए.के. (2021), ट्रेंड्स एंड ग्रोथ ऑफ़ इंडियन कैपिटल मार्किट. वेस्लेयन जर्नल ऑफ रिसर्च, 12(01), (IV), 2021. आईएसएसएन नंबर 0975-1386. यूजीसी केयर लिस्ट

मित्तल आर., सोरिया एस. लोकब ए बोकालिया टी. (2021) प्रोफिटेब्लिटी मैजर्स ऑफ एमएसएमईएसः एवीडेन्स फ्रॉम स्टॉक एक्सेंज एट इण्डिया. सस्टेनेबल फाइनेंस फॉर बेटर वर्ल्ड प्रोसेडिंग ऑफ इन्टरनेशनल कॉन्फ्रेस ऑन सस्टेनेबल बिजनेस मैनेजमेंट प्रेक्टिस एण्ड सोसियल इनोवेशन, आईसीएसबीएमपीएसआई-2021, पीपी. 422-433 आईएसबीएनः 978-81-951108-4-1

संजय कुमार पटेल

पटेल एस.के., सोनी ए.((2021) रिवावाईल ऑफ इकॉनोमी फ्रॉम कोरोनावाइरस इन्डूस्ट डाउनटर्नः सजेस्टीव मैजर्स फॉर लोवर इनकम ग्रुप इन इण्डिया इकोनोमिक पॉलिसी एण्ड पलानिंग इन इण्डिया पोस्ट कोविड-19 सिंह के.बी. (इडी.) बलामबॉरी पब्लिकेशन इण्डिया प्राईवेट लिमिटेड. नई दिल्ली इण्डिया पीपी. 174-188 आईएसबीएनः 978-93-90513-68-0

पटेल एस.के., कुमारी पी. (2021)क्वीलिटीफाईंग द एसोसियन बिटविन कॉर्बन फूटप्रिन्टस एण्ड फॉइनेन्सियल परफॉरमेंस ऑफ इण्डियन फर्मस. पेसेफिक बिजनेस रिव्यू इन्टरनेशनल 13(5 14-162 आईएसबीएनः 0974-438एक्सः यूजीसी-केयर लिस्ट.

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग

निष्ठा केसवानी

जैन एस., केसवानी एन. (2021) नॉइस बेस्ड प्राइवेसी प्रिजरविंग मॉडल फॉर इन्टरनेट ऑफ थिंग्स. कॉम्पेक्स एण्ड इन्टिलिजेंट सिस्टम्स एससीआईई इम्फेक्ट फेक्टर - 4927

केसवानी एन., कुमार एस. (2021) गॉवरमेंट वेबसाइट एक्सीसीबिलिटीः ए क्रॉस-कन्ट्री एनालिसिस ऑफ जी7 एण्ड ब्रिक्स कन्ट्रीज. यूनिर्वसल एक्सेस इन द इनफॉरमेशन सॉसायटीः 1-16 एससीआईई, इम्फेक्ट फेक्टर - 3078

सरिका सी., डे ए., केसवानी एन. क्रिड्सः (2021) कॉरेलेशन एण्ड रिग्रेशन-बेस्ड नेटवर्क इन्ट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम फॉर एलऑटी. एसएन कम्युटर साइंस - 231-7

केसवानी एन. (2021) फलोटः लोकेशन प्राइवेसी प्रिर्जेवेशन इन इन्टरनेट ऑफ थिंग्स. आईपीओ कॉन्फ्रेस सिरीजः मेटेरिलय साइंस एण्ड इन्जियरिंग 1020 1-9 ऑनलाइन आईएसएसएनः 1757-899 एक्स प्रिन्ट आईएसएसएनः 1757-8981 स्कोप्स डीओआईः 101088/1757-899एक्स/10201012002
आयगिरी एम. आर. केसवानी एन. कुमार एम. एट एल (2021) इन्ट्रयूजन डिटेक्शन टेक्नीक्स इन नेटवर्क एनर्वायरमेंटः ए सिस्टेमिक रिव्यू. वायरलेस नेटवर्क स्प्रिंगर.

गौरव मीणा

मिना जी. चौधरी एस., चौधरी आर. आर (2021)साइलेंसी डिटेक्शन इन टेक्स्ट डॉक्यूमेंट यूजिंग पॉलिसी-ड्राइवन रैनफॉरसिमेंट लर्निंग मैथेडॉलोजी. आईपीओ कॉन्फ्रेस सिरीजः मेटेरिलय साइंस एण्ड इन्जियरिंग 1020 एचटीटीपीएसः//डीओआईः 1010881757-899एक्स/10201012019
चौधरी आर. आर. चौधरी एस. मिना जी. (2021)अबनोरमिल्टी डिटेक्शन इन मस्कलोसेकेलेटल रेडियोग्राफ आईपीओ कॉन्फ्रेस सिरीजः मेटेरिलय साइंस एण्ड इन्जियरिंग 1020 012019 एचटीटीपीएसः//डीओआईः 101088/1757-899एक्स/10201012009

अजय इण्डियन

इण्डियन ए. भाटिया के. (2021) एन अप्रोच टू रिकोगनाइज हैण्डराइटिंग हिन्दी केरेक्टर्स यूजिंग सव्सटेन्शियल जेरेनिक मूमेंट वीद जेनेटिक एलग्रोथम' इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ कम्प्यूटर विजिन एण्ड इमेंज प्रोसेसिंग (आईएसएसएनः 2155-6997 ईआईएसएसएनः 2155-6989 वोल्यूम 11 इस्यू 2 आर्टिकल 5, 2021 (इण्डेक्सड इन ए.सी.एम. डिजीटल लाईबेरी यूजीसी केयर लिस्ट) एचटीटीपीएसः//डीओआई.ओआरजी/101007एस11276-02002529-3 आईएसएसएन 2366-1186 इम्पेक्ट फेक्टर - 2659

रवि राज चौधरी

मिना जी. चौधरी एस., चौधरी आर. आर (2021)साइलेंसी डिटेक्शन इन टेक्स्ट डॉक्यूमेंट यूजिंग पॉलिसी-ड्राइवन रैनफॉरसिमेंट लर्निंग मैथेडॉलोजी. आईपीओ कॉन्फ्रेस सिरीजः मेटेरिलय साइंस एण्ड इन्जियरिंग 1020 एचटीटीपीएसः//डीओआईः 1010881757-899एक्स/10201012019
चौधरी आर. आर. चौधरी एस. मिना जी. (2021)अबनोरमिल्टी डिटेक्शन इन मस्कलोसेकेलेटल रेडियोग्राफ आईपीओ कॉन्फ्रेस सिरीजः मेटेरिलय साइंस एण्ड इन्जियरिंग 1020 012019 एचटीटीपीएसः//डीओआईः 101088/1757-899एक्स/10201012009

कृष्ण कुमार मोहबे

कुमार एस., मोहबे के.के. (2021) मेमोरी-ऑप्टीमाइज्ड डिस्ट्रीब्यूटेड यूटिलिटी माइनिंग फॉर बिग डेटा, जर्नल ऑफ किंग सोद यूनिर्वसिटी - कम्युटर एण्ड इनफॉर्मेशन साइंस (2021) एचटीटीपीएसः//डीओआई/101016 जे.जेकेएसयूसीआई.202104017

कुमार एस. मोहबे के.के. (2021) हाई यूटीलिटी पैटर्न माइनिंग डिस्ट्रीब्यूटेड एलगोरिथम बेस्ड ऑन स्पार्क आरडीडी. इन कम्युटर कम्युनिकेशन नेटवर्किंग एण्ड आइओटी पीपी. 367-374 स्प्रिंगर सिंगापुर 2021

कुमार एस. मोहबे के.के. (2021) ए पैरेरल अप्रोच फॉर हाई यूटीलीटी-बेस्ड फिक्वीएंट पैटर्न माइनिंग इन ए बिग डेटा एनर्वायरमेंट. ईरान जर्नल ऑफ कम्युटर साइंस (2021) एचटीटीपीएसः//डीओआई/101007एस42044-021-00083-5

पाण्डेय ए. शुक्ला एस. मोहबे के.के. (2021) कम्पेरेटिव एनालिसिस ऑफ डिप लर्निंग अप्रोच विद वैरियस क्लासिफिकेशन टेक्नीक्स फॉर क्रेडिट स्कोर कम्प्युटेशन, रिसेन्ट एडवान्स इन कम्युटर साइंस एण्ड कम्युनिकेशन 2021 14(9 एचटीटीपीएसः//डीओआई.ओआरजी/1021742666255813999200721004720

मोहबे के.के. (2021) सेटिंमेंट एनालिसिस फॉर प्रोडॉक्ट रेटिंग यूजिंग ए डिप लर्निंग अप्रोच 2021 इन्टरनेशनल कॉन्फ्रेस ऑन आर्टिफिसियल इन्टलिजैंस एण्ड स्मार्ट सिस्टम्स (आईसीएआईएस) 2021 पीपी. 121-126 डीओआईः 101109 आईसीएआईएस5093020219395802

कम्प्यूटर विज्ञान एवं आभियांत्रिकी विभाग

गौरव सोमानी

मेनराल बी. सोमानी जी. (2021) स्टेब्लेसिंग फॉरेन्सीक केपेब्लीटिज इन द प्रिजेन्स ऑफ सूपरयूजर इनसाईडर थैट्स डिजीटल इनवेस्टीगेशन जर्नल, एलस्वीयर एचटीटीपीएसः//डीओआई.ओआरजी/101016 जे.एफएसआईडीआई.2021301263 ईम्पेक्ट फैक्टर – 2.192

पाटीदार ए. सोमानी जी. (2021) सर्विंग वाईल अटैक्डः डीडीओएस अटैक इफैक्ट मिनीमाईजिंग यूजिंग पेज सेपरेशन एण्ड कंटेनर एलोकेशन स्ट्रैजी जर्नल ऑफ इनफॉरमेशन सिक्यूरटी एण्ड एपलीकेशन्स, एलस्वीयर एचटीटीपीएसः//डीओआई.ओआरजी/101016जे.जेआईएसए2021102818 ईम्पेक्ट फैक्टर – 3.872

मुज्जमिल हुसैन

हुसैन एम. जैन यू. (2021) सिंम्पल एण्ड स्क्यिर डिवाइस ऑथैन्टिकेशन मैकेनेज्मि फॉर स्मार्ट एनवॉर्यमेंट यूजिंग इन्टरनेट ऑफ थिंग्स डिवाइसेज. इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन सिस्टम्स (विले) 33(16 2020 ई4570 ईम्पेक्ट फैक्टर – 2.047

हुसैन एम., जैन यू. (2021) सिक्यूरिटी मैकेनिज्म फॉर मैरीटाइम टैरीटैरी एण्ड फन्टायर सर्वायलैंस इन नेवेल ऑपरेशन यूजिंग वायरलैस सैंसर नेटवर्क्स कॉनकरैन्सी एण्ड कम्युटेशनः प्रैक्टिस एण्ड एक्सप्रियंस (विले) 2021 ई6300 ईम्पेक्ट फैक्टर – 1.536

हुसैन एम. जैन यू. (2021) अंडरवाटर वॉयरलैस सैंसर नेटवर्क्स, हैण्डबुक ऑफ कम्युटर नेटवर्क्स एण्ड साइबर सिक्यूरिटी, स्प्रिंगर चाम, 2020, 227-245

हुसैन एम., जैन यू. (2021) फॉग कम्प्युटिंगः ए रिव्यू ऑफ आर्टिकचेर एप्लीकेशन एण्ड चैलेंज प्रौसेडिंग ऑफ सैकेण्ड इन्टरनेशनल कॉन्फ्रेस ऑन आईओटी सोशियल मोबाईल एनालिटिक्स एण्ड कलाउड इन कम्प्युटेशनल विजन एण्ड बॉ◌ायो-इन्जियरिंग (आईएसएमएसी-सीवीबी 2020 एसएसआरएन (2021)

अग्रवाल आर., हुसैन एम. (2021)जेनेरिक फ्रेमवर्क फॉर प्राईवेसी प्रिर्जवेशन इन साइबर-फिजिकल सिस्टम्स, प्रोग्रेस इन एडवान्सड कम्प्युटिंग एण्ड इन्टलिजेंट इन्जियरिंग स्प्रिंगर सिंगापुर 2021 257-266

सिंह के. पी. तोमर एस. हुसैन एम. (2021) सिम्पलिफाइड एण्ड स्क्यिर की शेरिंग फॉर इन्टरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) नेटवर्क्स इन्टरनेट ऑफ थिंग्स एण्ड केनेक्टेड टैक्नोलॉजी स्प्रिंगर चाम वोल 1382-2021

रवि सहारन

सहारन आर. प्रसाद आर. (2021) ब्लेकचैन टैक्नोलॉजी फॉर हैल्थकेयर डाटा एडवान्स इन इन्टलीजेन्ट सिस्टम्स एण्ड कम्प्युटिंग स्प्रिंगर वोल 1187 पेज 671-677

संस्कृति और मिडिया अध्ययन विभाग

अनूप कुमार

कुमार ए. (2021) स्पेर्ड ऑफ इनफोडेमिक एण्ड डिसइनफोडेमिकः ए क्वालिटेटिव कन्टेंट एनालिसिस ऑफ कोविड - 19 रिलेटेड मिस/डिइनफॉरमेशन डेब्यूंक्ड बाई एल्ट न्यूज. प्रज्ञानः जर्नल ऑफ मास कम्युनिकेशन 18(2 1-10(आईएसएसएन 0974-5521

प्रान्ता प्रतीक पटनायक

पटनायक पी. पी. (2021) रिव्यू ऑफ मैर्ट्रेयी चौधरी रिफैशनेनिंग इण्डियाः जेन्डर मिडिया एण्ड ए ट्रॉन्सफॉमड पब्लिक डिस्कोर्स. इण्डियन जर्नल ऑफ जेन्डर स्टीज, वोल.28(1 फरवरी 2021 141-44

पटनायक पी. पी. (2021) जेन्डरड रिप्रजेन्टशन इन मिडिया इन लिल फिलोह. डब्यू एट.एल (इडिएस) जेन्डर इक्वलिटी. इनसाइक्लोपिडिया ऑफ इ यून स्टेनेबल डवल्पमेंट गोल्स. (2021) स्प्रिंगरः चाम

पटनायक पी. पी. (2021) रिव्यू ऑफ पॉल फ्रोश इ पोएटिक्स ऑफ डिजिटल मिडिया. जर्नल ऑफ विजयूएल कल्चर वोल.35 न.1 जुलाई 2020 मैर्ट्रेयी चौधरी रिफैशनेनिंग इण्डियाः जेन्डर मिडिया एण्ड ए ट्रॉन्सफॉमड पब्लिक डिस्कोर्स. इण्डियन जर्नल ऑफ जेन्डर स्टीज, वोल.28(1 फरवरी 2021)-141-44

डेटा सांइस एण्ड एनालिटिक्स विभाग

राजेश कुमार मुण्डोतिया

मुण्डोतिया आर. के. मेहता ए. बारूह आर. सिंह ए. के. (2021) इन्टिग्रेशन ऑफ मोरफोलिजिकल फिचर एण्ड कोन्टेक्सुएल वेटेज यूजिंग मोनोटोनिक चूंक एंटेन्शन फॉर पार्ट ऑफ स्पीच टेगिंग. जर्नल ऑफ किंग सोद यूनिर्वसिटी - कम्युटर एण्ड इनफॉर्मेशन साइंस (2021) एससीआईइ इम्फेक्ट फैक्टर – 13-473

अर्थशास्त्र विभाग

हेमलता मंगलानी

मंगलानी एच. (2021) इण्डियन फर्म एक्ट 2020 फ्यूचर प्रस्पेक्ट एण्ड चैलेंज. रामबाबू मालगी प्रोबधनी इण्डियन जर्नल ऑफ डेमेर्केटिक गर्वनेंस. आईएसएसएन न. 2582-7731, वोल (1 35-41)

मंगलानी एच. कुमारी एल. (2021) इकोनॅामेट्रिक एसेसमेंट ऑफ द ग्रोथ ऑफ माइक्रोफाइनेंस इन इण्डियाः ए स्टडी ऑफ रिजनल ग्रोथ ऑफ सेल्फ-हेल्प ग्रुप-बैंक लिंकेज प्रोग्राम (एसएचजी-बीएलपी). वेलसलेयन जर्नल ऑफ रिसर्च(यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल) वोल 13-56-67

प्रमोद कुमार नायक

नायक पी.के. (2021) डिटरमिनेन्टस ऑफ बैंक डेब्तः पेनल एवीडेंस फ्रॉम इण्डियन पब्लिक सेक्टर बैंक्स इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एकॉउटिंग एण्ड फाइनेंस इण्डेक्सड इन इकॉनलिट लिस्टेड इन एबीडीसी (सी-केटेगरी) 10(1- 24-39

प्रगति जैन

जैन पी., जैन पी. (2021) डिफिटिंग वॉटर क्राइसिसः कम्युनिटी मैटर्स. लोकल इकॉनोमी वॉल्यूमः 35 इस्यूः पेज (एस)539-544

जैन पी. जैन पी. कौशिक आर. (2021) हाउ अपराइट ए पब्लिक ट्रान्सपोर्ट सिस्टम इज डिजायरेबल फॉर सस्टेनेबल मोबीलिटी इकॉनोमिक्स एण्ड पॉलिसी ऑफ एनर्जी एण्ड इनवॉयरमेंट. वोल. एलएक्सआईआई इस्यू 147-61

जैन पी. जैन पी. (2021) आर द सस्टेनेबल डवल्पमेंट गोल्स रियली सस्टेनेबल ए पॉलिसी प्रेस्पेक्टिव सस्टेनेबल डवल्पमेंट. वॉल्यूम 28 इस्यू 6 पी. 1642-1651

सत्यनारायणमूर्ति डोगा

डोगा एस. (2021) इण्डियाज मेन्यूफेकचरिंग सेक्टरः द पाथ टूवार्ड सेल्फ रिलायंस, पीआईएमटी जर्नल ऑफ रिसर्च (यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल) वोल.13 न.1 पीपी 112-115 (अक्टूबर-दिसम्बर) 2020

सतपाल प्रधान

सतपल (2021) एग्रीक्लचर सब्सिडी एल्टरकेशनः डब्ल्यूडीओ रूल्स फॉर विट प्रोसेजर. रामबाबू मालगी प्रबोधीनी इण्डियन जर्नल ऑफ डेमेक्रेटिक गर्वनेंस. आईएसएसएन न. 2582-7731 वोल. II(I) 42-51

शिक्षा विभाग

अंजलि शर्मा

शर्मा ए. (2021) ए क्रोस-सेक्शनल स्टडी ऑफ लैंग्वेज क्रिएटीवीटी इन हिन्दी लैंग्वेज लर्नर्स इन रिलेशन टू एकेडमिक अचिवमेंट जर्नल ऑफ इण्डियन एजुकेशन एनसीआरटीत्र अगस्त 2021

शर्मा ए. (2021) कंस्ट्रक्ट ऑफ द ग्रोथ मिंडेस्ट इन रेफरेन्स ऑफ रिसीलाइसेंसः ए रिव्यू लिटरेचर, कला सरोवर (क्वाटरली) (यूजीसी केयर लिस्ट) ए स्पेशल जर्नल डेडिकेटेड टू इण्डियन आर्ट एण्ड क्लचर वाराणसी. वोल. 24 न. 3-2021

शर्मा ए. (2021) ए गेटवे टू एक्सपलोर द हिडेन पोटेंन्सियल ऑफ डिफरेन्टली-एबल्डः ग्रोथ मिंडसेट पेडागागी, प्रेक्टीशनर्स गाइड टू स्पेसिफिक लर्निंग डिसेब्लिटीज एण्ड इनक्लुजिव एजुकेशन. ग्लोबल इनक्लुजिव एजुकेशन नेटवर्क (ग्यान) आईएसबीएन-978935457058

शर्मा ए. (2021) स्कूल एज ए लेबॅाटरी फॉर बीएड ट्रैनीः ए क्वालीटेटिव स्टडी (प्रोजेक्ट रिपोर्ट पब्लिकेशन इन प्रेस). इन्टर-यूनिर्वसिटी सेन्टर फॉर टीचर एजुकेशन, रिजनल इन्स्टीटूयट ऑफ एजकेशन, मैसूर.

नरेन्द्र कुमार

कुमार एन. एण्ड कुमार आर. (2021) स्टडी ऑफ एलीनेशन अमंग फर्स्ट ईयर एण्उ थर्ड ईयर अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट ऑफ गर्वमेंट एण्ड प्राइवेट यूनिर्वसिटी, शोध सरिता वोल. 7 26(5-276-279

कुमार एन. पाण्डे बी. एण्ड कुमार आर. (2021) एडजस्टमेंट एण्ड इट्स रिलेशनशिप वीद एकेडमिक अचिवमेंट ऑफ सीनियर सैकेण्डरी स्टूडेंट ऑफ हिन्दू एण्ड मुस्लिम रिलीजन शोध संचार बूलेटिन वोल. 10-38(5-199-203

कुमार एन. एण्ड कुमार आर. (2021) एलीनेशन अमंग साइंस एण्ड आर्ट फर्स्ट स्टूडेंट स्टडीइंग एट अंडरग्रेजुएट लेवल ऑफ गर्वमेंट एण्ड प्राइवेट यूनिर्वसिटी. रिसर्च एण्ड रिफलेक्शन्स ऑन एजुकेशन वोल. 18 न. (02बी)7-10

गोविन्द सिंह गुरे

गुरे जी. एस. (2021) प्राइमारी स्टूडेंट मास्टरी ऑन मिनिमम लर्निंग कम्पेंटिशेंस इन कॉनीटेटीव एरिया बेस्ड ऑन जैंडर द प्राइमरी टीचर अक्टूबर वोल एक्सएलआई नम्बर-4 2016 आईएसएसएन. 970-9282

गुरे जी. एस. (2021) ए कंम्प्रेटिव स्टडी ऑफ मास्टरी ऑन मिनिमम लेवल ऑफ लर्निंग कम्पेंटिशेंस इन कॉनीटेटीव एरिया ऑफ प्राइमरी स्कूल इन रिलेशन टू स्कूल मैनेजमेंटइन्टरनेशनल जर्नल ऑफ मोडर्न थाम्बिज रिसर्च अप्रैल-जून वोल.9 न.2 आईएसएसएन. 2321-984 एक्स.

रीना गोदारा

गोदारा आर. (2021) टीचर कंम्पेंटसीः इफेक्टिव वे टू इम्प्रूव लॉ परफॉरमिंग स्कॅल्स. अपस्ट्रीम रिसर्च इन्टररेशनल जर्नल (यूआरआईजे) वोल. 8 इस्यू 2 आईएसएसएन. 2321-0567

गोदारा आर. (2021) टीचर एजुकेशन फॉर द जनरेशन नेक्सट्. आईपीईएम जर्नल फॉर इनोवेशन इन टीचर एजुकेशन. वोल्यूम 6 जुलाई 2021, आईएसएसएन. न. 2581-5881

टी संगीता

संगीता टी. (2021) इम्फेक्ट ऑफ कोविड-19 लॉकडाउन ऑन एकेडिम रिसर्च वर्क इन इण्डिया अपस्ट्रीम रिसर्च इन्टरनेशनल जर्नल ए पीर रिव्यूड रेर्फड इण्डेक्स्ड जर्नल वाल्यूम 6(2 इम्पेक्ट फैक्टर-1113 आईसी वेल्यू 648 27-30

संगीता टी. (2021) डवेलपेंट ऑफ ए स्केल टू मैजर द एटीट्यूड टुवार्ड ऑन-लाइन टिचिंग-लर्निंग ऑफ स्टूडेंट एट यूनिर्वसिटी लेवल आईपीइएम जर्नल फॉर इनोवेशन इन टीचर एजुकेशन द एनुएल रेफर्ड जर्नल ऑफ द सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन ऑफ द इंस्टूयूट ऑफ प्रोफेशनल एक्सीलेंस एण्ड मैनेजमेंट वॉल्यूम 6 जुलाई 2021, आरएनआई नं. अपबिल/2018/72949 आईएसएसएन नं. 2581-5881 (प्रिंट) 28-33

सीमा गोपीनाथ

गोपीनाथ एस. (2021) इनफ्लूएंस ऑफ सेल्फ-एस्टीम मेटाकॉगनेटीव अवेयरनेस इन टीचिंग अंमग स्टूडेंट टीचर एट सैकेंडरी लेवल. अपस्ट्रीम रिसर्च इन्टरनेशनल जर्नल (यूआरआईजे) 9(119-24, आईएसएसएन 2320-768एक्स इम्पेक्ट फैक्टर-1113

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग

मिलन सास्मल

सस्माल एम. भट्टाचार्य टी. के. (2021) सिथेंसिस ऑफ बीएसए-कंजुगेटेड जेडएनओ नैनोपारटिकल फॉर पीबी2$ सेनसिंग एप्लीकेशन आईइटीइ जर्नल ऑफ रिसर्च वोल-00 पेज-1-3-24 फेब 2021 इम्पेक्ट फैक्टर-1125

कपिल सारस्वत

सारस्वत के. हरीश ए.आर. (2021) ड्यूल-बैंड पॉलोराइजेशन रिकनफरिऐबल गराउडेंड फ्रेक्चूएल स्लॉट एंटीना पब्लिष्ड इन आईइटी माइक्रोवेव एंटीनॉज एण्ड प्रॉपगेशन वोल. 14 नं. 14 पीपी 1786-1790 2020 डीओआईः 101049-आईइटी-मेप.20200542 इम्पेक्ट फैक्टर-1-125

अंग्रेजी विभाग

सुप्रिया अग्रवाल

अग्रवाल एस. (2021) डिसेब्लिटी हेल्थ एण्ड हिलिंग इन द गोस्ट ऑफ वासु मास्टर. शोध संचार बुलेटिन वॉल्यूम 10 इस्यू 40.आईएसएसएन-2229-3620 पीपी79-83

अग्रवाल एस. (2021) रि-थिकिंग इण्डियन लिट्रेरी हिस्ट्री. आईआईएस यूनिर्वसिटी ऑफ आर्ट वॉल्यूम 9 इस्य2 आईएसएसएन-2319-5339 पीपी. 44-57

संजय अरोडा

अरोडा, एस., गुप्ता डी. डी. (2021) कल्चर एनालिसिस ऑफ ब्लाइंड एडॉप्शन बाई पीबीएसइ ऑफ एनसीइआरटी बुक्स (क्लास 10 एण्ड क्लास 12 लंगलित (एन इन्टरनेशनल पी-रिव्यूड ओपन एक्सेस जर्नल). आईएसएसएन-223495189 वोल. 7 इस्यू 3

गुलाटी एन., अरोडा, एस. भट्ट पी. (2021) टीचर प्रस्पेक्टिव ऑन द इंग्लिश लैंग्वेज नीड्स फॉर एम्पलॉएब्लिटी ऑफ इंजियरिंग स्टूडेंटः एन एनालिसिस. जर्नल ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज टीचिंग (ए पीर-रिव्यूड जर्नल) वोल. एलएक्सआईआई नं. 6 पीपी.3-9

अरोडा, एस. अरोडा ए. (2021) वाई दिस कॉलावेरी अबाउट टीचिंग वॉवूल साउण्ड एट एचकेजी लेवल इन द प्राइमरी टिचर जर्नल एनसीइआरटी नई दिल्ली.

भूमिका शर्मा

कुमार आर. शर्मा बी. (2021) सिंगिंग सिंबॉलिकः इको-स्प्रीचूएलिटी इन द पॉएट्री ऑफ कबीर एण्ड बूल्ले शाह. लिट्टरेरी वॉइस नम्बर 13वॉल्यूम 1 आईएसएसएन-2277-452 पीपी 148-155

देवेन्द्र रांकावत

रांकावत (2021) हू इज टुरू राइटर एन इनक्वायरी. रेज. वोल. 16- 0975-3419 पीपी. 194-98

वेद प्रकाश

प्रकाश वी. (2021) क्लिकिंग फोटोग्राफ क्रिएटिंग फिक्शनः डिसकसिंग स्टेव मेकक्यूरी द अफगान गर्ल' एण्ड द फेनोमेनन ऑफ पोस्ट-टूथ. द आईएसीएलएएलएस ब्लाइंड-पीर रिव्यूड लर्नल ऑन पोस्ट-टूथः फेनोमेनन, रिफलेक्शन, रमीफिकेशन वोल. 5 आईएसएसएनः 2395-1206 2019

पर्यावरण विज्ञान विभाग

राजेश कुमार

कुमार आर., सिंह एस., सिंह ए., कुमार आर., सिंह एस., रंधावा एस. एस. (2021), सरफेस मास बैलेंस एनालिसिस एट नारादू ग्लेसयर, वेस्टर्न हिमालया, इण्डिया. साइंटिफिक रिपोर्ट 11, 12710,. इम्फैट फैक्टर - 4.37

चौहान ए., सिंह आर.पी., कुमार आर., दास पी. (2021), डाइनेमिक ऑफ एम्फॉन साइक्लॉन एण्ड एसोसिएट चैजेंज इन आसियन, लैंड मेट्रोलॉजिकल एण्ड एटमॉस्फेरिक पैरामिटर, मौसम, 72, 1, 215-228 551.515.2ः 551.509.313. इम्फैट फैक्टर - 0.57

सिंह आर., कुमार आर., कुमार आर., सिंह के. के., रंधावा एस. एव. (2021), क्वाटिंफिकेशन ऑफ वॉल्यूम लॉस एण्ड सनॉट रिट्रिट फ्रॉम 1980 टू 2019 ऑफ बास्पा बेसिन ग्लेसियर, वेस्टर्न हिमालया. मेटेरियल टूडेः प्रोसेडिंग, इम्फैट फैक्टर - 1.24

शर्मा आर. के., कुमार आर., श्रेष्ठा डी.जी. (2021), सस्पेडेंड सेडीमेंट डाइनेमिक एण्ड एसोसियट हाइड्रो-मेट्रोलॉजिकल इन्टररिलेशन इन ईस्ट राथौंग ग्लेसियर, एस्टर्न हिमालया. इण्डिया. मेटेरियल टूडेः प्रोसेडिंग, इम्फैट फैक्टर - 1.24

चौहान ए., सिहंह आर. पी., दास पी., कुमार आर. (2021), इम्पेक्ट ऑफ टॉपिकल साइक्लोन ''फनी' ' ऑन लैंड, आसियन, एटमोस्पेरिक एण्ड मेट्रोलॉजिकल पैरामिटर्स, मरीन पॉल्यूशन बुलेटिन 162, 111844. इम्फैट फैक्टर - 5.55

गरिमा कौशिक

कुमार एस., मास्टो आर.इ., कौशिक जी. (2021), र्थमली प्रॉसिड बॉओचारः प्रिपेरेशन, केरेक्टरॉइजेशन एण्ड देयर एप्लीकेशन फॉर केडमियम रिमूवल फ्रॉम सरफेस एण्ड ग्राडंउवाटर. इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एनवॉयरमेंटल एनॉलिटिकल केमेस्ट्री डीऑआईः10.1080/03067319.1958324 इम्फैट फैक्टर - 2.826

कुमार एस., कौशिक जी., मास्टो आर.इ. (2020), इवॉल्यूएशन ऑफ द फ्यूएल वेल्यू एण्ड सॉइल एप्लीकेशन पॉटेंशंयल ऑफ द केडमियम कंटमेनेटेड बॉयोचार ऑबटेंड आफ्टर वॉटर ट्रिटमेंट. सॉलिड फ्यूएल केमेस्ट्री, 54(6), पीपी.411-417. इम्फैट फैक्टर - 0.937

रितु सिंह

गिरी आर., कुमारी एन., बेहरा एम., शर्मा ए., कुमार एस., कुमार एन., सिंह आर. (2021), एडर्जासन ऑफ हेक्सावेलेंट क्रोमियम फ्रॉम एक्यूयस सॉल्यूसन यूजिंग पॉमेग्रॉन्टी पील एज लॉ-कॉस्ट बॉयोसॉरबेंट. एचटीटीपीएसः//डीओआई.ऑआरजी/10.1007/एस42398-021-00192-2.

अशरफ एस.ए., सद्दीकी ए. जे., अब्द एल्मोनेइम ऑ. ई., खान एम.आई., पटेल एम., एलरसिद्दी एम, सिंह आर.; सोनूसी एम., अदनान एम. (2021), इनॉवेशन इन नैनोसाइंस फॉर द सस्टेनेबेल डवलपमेंट ऑफ फूड एण्ड

एग्रीक्लचर वीद इम्पीकेशन ऑन हेल्थ एण्ड इनवॉयरमेंट. साइंस ऑफ द टोटल इनवॉयरमेंट, 786, 144990. इम्फैट फैक्टर - 7.963

कुमार एस., सिंह आर., कुमारी एन., कर्मेकर एस., बेहरा एम., सद्दीकी ए. जे., राजपूत वी.डी., मिनकिना टी., भौध के., कुमार एन. (2021), करंट अंडरइस्टेडिंग ऑफ द इनफ्लॉएंश ऑफ इनवॉयरमेंट फेक्टर ऑन सॉर्स.सीऑवी-2 ट्रॉन्समिशन, प्रसिसटेंस, एण्ड इनफेक्टीवीटी. इनवॉयरमेंटल सांइस पॉल्यूसन रिसर्च, 28, 6267-6288. डीऑआई-10.1007/एस11356-020-12165-1. इम्फैट फैक्टर - 4.223

के.के. सतपति

कुमार एस. बी., पाधी आर. के., माहेन्ती ए. के., सतपति के. के,. (2020), डिस्ट्रीब्यूटिशयन एण्ड इकोलॉजीकल एड हेल्थ रिस्क एस्समेंट ऑफ हैवी मैटल इन द साइउथेस्ट कॉस्ट ऑफ इण्डिया. इन्ट. जे. मैरिन पॉल्यूशन बुलेटिन, 161, (2020). इम्फैट फैक्टर - 5.6

पटनायक एस., मण्डल के., दाल एन. के., दास एन.पी.आई., सतपति के.के, राउत एन. सी. (2020), फ्लोरल डाईवरसिटी एस्समेंट एण्ड इट्स डाक्यूमेंन्टशन फॉर इन्दिरा गॉधी सेन्टर फॉर एटॉमिक रिसर्च, कलपक्कम साइट. पॉइटॉटोऑक्सॉमी. एक्सेटेप्ड (2020).

हिन्दी विभाग

एन. लक्ष्मी अय्यर

अय्यर एन. एल. (2021), किशनगढ के एल्प चर्चित महान कृष्णा भक्ति कवि, कसफ, 2020(2) 2021(1), 230-239, 3869-2231

अय्यर एन. एल. (2021), ब्लूम्स बूरि फिलॉस्पीकल लाइबेरी लदंन ऑन द टॉपिक ''ऑन रामालिंगन आदीगालर, वल्लार

शीतल प्रसाद महेन्द्र

महेन्द्र एस. पी. (2020), मानवीकरण इवीएम ने शिक्षा नीति, अक्सरा मल्टीडिसीप्लिनरी रिसर्च जर्नल आईएसएसएन 2582-5429

ममता खाण्डल

खाण्डल एम. (2020), टैगोर, पतं और किट का सौन्दर्यकरणः इक तुलना; अनुसध्ाान, 283-290, आईएसएसएनः 2249-9318

सुरेश सिंह राठौड

राठौड एस.एस. (2020), विजयदंतदैथा के साहित्य में अभिव्यक्ति समाज, साहित्य वितिका, 10(7), 46-50, 6513-2319

राठौड एस.एस. (2020), कारबैत शैली में प्रेम का लोकपक्ष, मधुमुति, 61(3), 36-41, 2321-5569 विजयदंतदैथा के साहित्य में अभिव्यक्ति समाज, साहित्य वितिका, 10(7), 46-50, 6513-2319

राठौड एस.एस. (2020), किशनगढ के अल्पज्ञात परम कृष्णा भक्त कवि, कसफ, 2020(2)2021(1), 230-239, 2231-3869

प्रबंध विभाग

उमा शंकर मिश्रा

पटनायक एस., मिश्रा यू.एस., मिश्रा बी.बी. (2021), केन फिजियोलॉजीकल केपीटल रेड्यूस स्ट्रेस एण्ड जॉब इनस्क्यूरिटी? एन एक्पीयरमेंट एक्जॉमिशन वीद इण्डियन ऐविडेंस; एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ मैनेजमेंट (स्प्रिंगर, ए ग्रेडेड जर्नल इन एबीसीडी). एचटीटीपीएसः//डीओआई.ऑआरजी/10.1007/एस10490-021-09761-1.

गणित विभाग

डी.सी. शर्मा

देवरा पी., शर्मा डी.सी., जारोटिया पी. (2020), कॉस्ट एनालिसिस ऑफ डिग्रेडेड मशिंनिंग सस्टिम वीद स्पेयर, कॉमन कॉज फैलियर एण्ड ऑपरेटिंग अंडर वेरियबल सर्विस रेट. जॉर्डन जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स एण्ड स्टेटिक्स (जेजेएमएस) 13(2), 269-285.

कुमारी यू. शर्मा डी.सी. (2020), ऑप्टिमल पैरामिटर सैलेक्शन फॉर ए मशीन रिपैयर सस्टिम वीद सर्विस वैकेशन एण्ड कन्ट्रॉलिंग एफ-पॉलिसी; जॉडर्न जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स एण्ड स्टेटिक्स (जेजेएमएस) 12(4), 625-642.

कुमारी यू. शर्मा डी.सी. (2020), परफॉरमेंस एनालिसिस ऑफ ए वॉर्म स्टैंडबॉय मशीन रिपैयर प्रॉब्लम वीद वीद सर्विस वैकेशन, इम्पैंशेन्ट एण्ड कन्ट्रॉलिंग एफ-पॉलिसी; मैथेमेटिक्स इन इंजियरिंग, सांइस एण्ड ऐरॉस्पेस एमइएसए - वॉल. 12, 1-21.

शैखर सी., देवरा पी., वर्सेनी एस., सिंह के.पी., शर्मा डी.सी. (2021), ऑप्टीमल प्रॉफिट एनालिसिस ऑफ अनरियाबल मशीन इन्टरफेस प्राब्लम वीद रिपैयर इन फैज एण्ड ऑरगेनाइजेशन डिलें; इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स, इंजियरिंग एण्ड मैनेजमेंट सांइस वॉल. 06, नं. 1, 442-468,

जे.के. प्रजापत

प्रजापत जे.के., मानवीवन्नम एम., महाराना एस. (2020), हॅारमोनिक मैपिंग वीद एनॉलिटिक पार्ट कॉनवेक्स इन वन डायरेक्शन, द जर्नल ऑफ एनॉलिसिस, 25, 961-972.

मानवीवन्नम एम., प्रजापत जे.के. (2020), ए सबक्लॉस ऑफ क्लॉज-टू-कॉनवेक्स हॅारमोनिक मैपिंग जर्नल ऑफ एनॉलिसिस, 17, 13-26.

महाराना एस., प्रजापत जे.के., बंसल डी. (2020), कॉइफैक्ट बाउंड फॉर इनवर्स फॅक्शन कॉनवेक्स इन वन डायरेक्शन, हॉनम मैथेमेटिकल जर्नल, 42, 781-794.

राजबाला, प्रजापत जे.के. (2021), ऑन ए सबक्लॉस ऑफ क्लॉज-टू-कॉनवेक्स हॅारमोनिक मैपिंग, एशियन-यूरोपियन जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स, 14, 2150102.

आनन्द कुमार

कुमार ए., गुप्ता वी.के., मीना एन., हासिम आई. (2020), इफैक्ट ऑफ रोटेसनल स्पीड मॉडूल्येशन ऑन द वीकली नॉनलाइनर हीट ट्रॉन्सफर इन वॉल्टर-बी वीसकॉलेस्टिक फ्यूड इन हाइली पीरामेबेल पॉरॉस मिडियम. मैथेमेटिक्स, 8, आर्टिकल आइडी 1448, 1-14.

राजोरा आर., कुमार ए. (2020), न्यूमेरिकल स्टडी ऑफ मैगनेटो-डबल-डिफ्यूजीव-कनवेक्शन ऑफ कॉसन फ्यूड आवॅर ए वर्टिकल कॉन अडंर नॉनयूनिफॉर्म हिटिंग एट सरफेस ऑफ कॉन. हिट ट्रॉन्सफर-एशियन रिसर्च, 50, 2303-2320.

कुमार ए., कुरैशी ओ. पी., गुप्ता वी.के. (2020), जी-जिट्टर इफैक्ट ऑन मॉस ट्राॅन्सपॉर्ट इन इलेक्ट्रेसिटी कॅडन्टटिंग न्यूटॉनिक फ्यूड. चॉइनीज जर्नल ऑफ फिजिक्स, 71, 224-234.

कुमार ए., हॉसिम आई., सिंह ए.के., गुप्ता वी.के., सैनी एन. (2021), कम्बॉइड इफैक्ट ऑफ इन्टरनल हीटिंग एण्ड जी-जिट्टर ऑन वेल्टर-बी वीस्कोलास्टिक फ्यूड इन हाइली परमिबैल पॉरस मिडिया. जर्नल ऑफ पॉरस मिडिया, 24(3), 21-33.

गुप्ता वी.के., केसरी ओ.पी., कुमार ए. (2021), इफैक्ट ऑफ रॉटेशनल स्पीड मॉडूल्येशन ऑन वीकली नॉनलाइनर मैगनेटो कॉनवेक्टिव हिट ट्रॉन्सफर वीद टेंम्परेचर-डिपेडेंडेट वीसकॉसीटी. चॉइनीज जर्नल ऑफ फिजिक्स, 72, 487-597.

राम किशौर

पॉल ए.के., एबॅालेमेज्ड इ.आई., किशौर आर. (2021), इफैक्ट ऑफ मून पेरट्यूरबेशन ऑन द एनर्जी कर्वेज एण्ड इक्वीलीब्यूरिम पॉइन्ट इन द सन-अर्थ-मून सिस्टम, न्यू एस्ट्रोनॉमी, 84, 101505. इम्फैट फैक्टर - 1.325.

मीना पी., किशौर आर. (2021), फस्ट ऑर्डर स्टैबेलिटी टेस्ट ऑफ इक्वीलिबीरियम पॉइन्ट इन द प्लानर एलीपिटिक रेस्ट्रकेटेड फॉर बॉडी प्रॉब्लम वीद रिडाइटिंग प्रीमैरीज, चॉओस, सॉल्यूशन एण्ड फ्रक्चूल, 150, 111138. इम्फैट फैक्टर - 5.944.

यूसूफ एस., किशौर आर., कुमार एम. (2021), मॉसन अबाउट इक्वीलिबीरियम पॉइन्ट इन द जूपीटर-यूरोपा सिस्टम वीद ऑब्लाटेनेस? एप्लाइड मैथेमैटिक्स एण्ड नॉनलाइनर सांइस (एक्सेप्टेड फॉर पब्लिकेशन ऑन 01.06.2021).

जय प्रकाश त्रिपाठी

तिवारी वी., त्रिपाठी जे.पी., उपाध्याय आर.के., वू वाई.पी., वॉग जे.एस., सन जी.क्यू. (2020), परेडॉप्टर-प्रे इन्टरऐक्शन सिस्टम वीद म्यूचली इन्टरफेसिंग प्रेडॉटरः रोल ऑफ फिडबैक कन्ट्रॉल. एप्लाइड मैथेमेटिकल मॉडलिंग, 87, 222-244.

त्रिपाठी जे.पी., मंडल पी.एस., पूनिया ए., बाजीया वी. पी. (2021), ए वीडस्प्रेड इन्टरऐक्शन बीटवीन जेनरलिस्ट एण्ड स्पेलिसलिस्ट एनीमिज्ः द रोल ऑफ इन्टरॉगील्ड प्रिडेटिंग एण्ड एल्ली इफैक्ट. एप्लाइडएप्लाइड मैथेमेटिकल मॉडलिंग, 89, 105-135.

बुगालिया एस., बाजीया वी. पी., त्रिपाठी जे.पी., ली एम.टी., सन जी,क्यू. (2020), मैथेमेटिकल मॉडलिंग ऑफ कोविड-19 ट्रॉन्समिशनः द रोल ऑफ इन्टरवेंशन स्ट्रेजिक एण्ड लॉकडाउन. मैथेमेटिकल बॉयोसाइंस एण्ड इंजिनियरिंग, 17(5), 5961-5986.

त्रिपाठी जे.पी., देवी एन. वी., तिवारी वी., अब्बास एस. (2020), इन्टरा-स्पेसिफिक कम्पीटीशन ऑफ प्रिडॉटर फॉर प्रे वीद वैरीयबल रेट इन प्रोटेक्टेड एरिया. नॉनलाइनर डायनेमिक, 102(1), 511-535.

त्रिपाठी जे.पी., बुगालिया एस., तिवारी वी., कांग वाई. (2020), ए प्रिडॉटर-प्रे मॉडल वीद क्रॉवली-मार्टिन फंक्शनल रेसपॉन्सः ए नॉनआटोनोमस स्टडी. नेचूरल रिसोर्स मॉडलिंग, 33(4), ई12287.

बाजीया वी. पी., बुगालिया एस., त्रिपाठी जे.पी., (2020), मैथेमेटिकल मॉडलिंग ऑफ कोविड-19ः इम्पेक्ट ऑफ नॉन-फार्मास्यूटिकल इन्टरवेन्शन इन इण्डिया. चाऑसः एन इन्टरडिसिप्लनरी जर्नल ऑफ नॉनलाइनर सांइस, 30(11), 113143.

त्रिपाठी जे.पी., बुगालिया एस., बुरडक के. अब्बास एस. (2021), डाइनेमिक एनालिसिस एण्ड इफेक्ट ऑफ लॉ एनफॉरसमेंट इन ए सॉसल इन्टरएक्शन मॉडल. फिजिका एः स्टेटीकल मैकेनिक्स एण्ड इट्स एप्लीकेशन्स, 567, 125725.

बुगालिया एस., त्रिपाठी जे.पी., वांग एच. (2021), मैथेमेटिकल मॉडलिंग ऑफ इन्टरवेंसन एण्ड लॉ मेडिकल रिसोर्स एवेलिब्लिटी वीद डिलेः एप्लीकेशन टू कोविड-19 आउटब्रेक्स इन स्पेन एण्ड इटली. मैथेमेटिकल बॉयोसाइंस एण्ड इंजिनियरिंग, 18(5), 5865-5920.

विजय कुमार यादव

यादव एव., तिवारी एस.पी., कुमारी एम., यादव वी.के. (2021), बीकैटेगरी-थैयोरिटीक अप्रोच टू मिनिमल फूजी रियलाइजेशन फॉर फूजी बिहेवियर, नई मैथेमेटिकल एण्ड नेचूरल कम्प्युटेशन, डीओआईः10.1142/एस793005721500381.

विपुल कक्कड

लाल आर., कक्कड वी., क्लासीफाइंग गीयरोट्रान्सवेसेल्स इन ग्रुप, एसियन-यूरोपियन जर्नल ऑफ मैथेमेटिकल पीपी. 2150182 (1-15)

कक्कड वी., लाल आर., यादव ए.सी., जनरेलाइज्ड राइट नियर डॉमेन एण्ड शॉर्पली 2-ट्रॉन्जिस्टीव ग्रुप्स, जर्नल ऑफ ऐलजेबरा एण्ड इट्स एप्लीकेशन्स

सूक्ष्मजैविकी विभाग

प्रदीप वर्मा

गोस्वामी आर.के., अग्रवाल के., वर्मा पी. (2021), फाइक्रोमेडीएसन ऑफ नाइट्रोन एण्ड फॉस्फेट फ्रॉम वेस्टवाटॅर यूजिंग पीकोचॉलरियम एसपी.: ए टेनेबल अप्रोच. जर्नल ऑफ बेसिक माइक्रोबॉयलोजी, एक्सेप्टैड (इन प्रेस) इम्फैट फैक्टर - 2.281

कश्यप एस., चन्द्रा आर., कुमार बी., वर्मा पी. (2021), बॉयोजॉप्शन इफीसियंसी ऑफ नीकेल बाई वैरियस एण्डटॉपेटीक बैक्टिरियल स्ट्रेन्स फॉर रिमूवल ऑफ निकेल फ्रॉम इलेक्ट्रोप्लेटिंग इण्डस्ट्री इफ्यूलेन्टः एन ऑपरेशनल स्टडी. इकोटॉक्सीलॉजी, 1-16. इम्फैट फैक्टर - 2.823

महबूत एम.ए., शाहिद ए. मलिक एस., वांग एन. जावेद एम. आर., हैदर एम.एन., वर्मा पी. अशरफ एम.यू.एफ., हबीब एन., सिफूदीन एन., बोपाथे आर. (2021), एडवान्स इन डवलपिंग मेटाबॉलिकली इन्जिरियरिड माइक्रोबॉयल प्लेटफॉर्म टू प्रॉडूयस फोर्थ-जनरेशन बॉयोफ्यूल एण्ड हाई-वेल्यू बॉयोकेमिकल. बॉयोसॉर्स टेक्नॉलोजी, पी.125510. इम्फैट फैक्टर - 9.642

डार टीयूएस., डार एसए., इस्लाम एसयू., मैंग्राल जेडए., डार आर., सिंह बीपी., वर्मा पी., हक एस. (2021), लिचेन्स एज ए रिपॉजटरी ऑफ बॉयोएक्टीव कम्पाउः एन ऑपन विन्डो फॉर ग्रीन थैरेपी अंगेस्ट डाइवर्स कैंसर, सेमीनार इन कैंसर बॉयोलॉजी, 2021, डीऑआईः एचटीटीपीएसः//डीओआई.ऑआरजी/10.1016/जे.सेमीकैंसर.2021.05.028 इम्फैट फैक्टर - 15.707

मेहरिया एस., गोस्वामी आर.के., वर्मा पी., लावीचीआ आर., जूरो, ए. (2021), इन्टीग्रटेड अप्रोच फॉर वेस्टवाटॅर ट्रिटमेंट एण्ड बॉयोफ्यूल प्रॉडक्शन इन माइक्रोलेज बॉयोफिनरिज. एनेरजिक, 14(8), 2282. इम्फैट फैक्टर - 3.004

मेहरिया एस., गोस्वामी आर.के., कार्तिकेसयन ओ.पी., वर्मा पी. (2021), माइक्रोलॉज फॉर हाइ-वेल्यू प्रॉडक्टः ए वे टूवार्ड ग्रीन न्यूट्रासेटिकल एण्ड फार्मास्येटिकल कॅम्पाउड. चेमोस्पेयर, 280, 130553. इम्फैट फैक्टर - 7.086

अग्रवाल के., चर्तुवेदी वी., वर्मा पी. (2021), चिकेन फिचरः ए ट्रेजर कोव ऑफ यूजफूल मेटाबॉलीटिज एण्ड वेल्यू-एडेड प्रॉडक्ट. इनवॉयरमेंट सस्टेनेब्लीटी. एचटीटीपीएसः//डीओआई.ऑआरजी/10.1007/एस42398-021-00160-2.

कुमार बी., अग्रवाल के., वर्मा पी. (2021), कंरट प्रेस्पेक्टिव एण्ड एडवान्स ऑफ माइक्रोबे एसीसटेड इलेक्ट्रोकेमिकल सिस्टम एज ए सस्टेनेबल अप्रोच फॉर मिटीग्रटिंग टॉक्सिक डेज एण्ड हैवी मैटल फ्रॉम वेस्टवॉटर, एएससीईज जर्नल ऑफ हजारडूस, टॉक्सिक एण्ड रडियोएक्टीव वेस्ट. 25(2),पी.04020082. इम्फैट फैक्टर - 1.48

कुमार बी., वर्मा पी. (2021), लाइफ साइकिल एस्समेंटः ब्लेजिंग ए ट्रॉयल फॉर बॉयोरिर्सोसेज मैनेजमेंट. एनर्जी कन्वर्जन एण्ड मैनेजमेंट एक्स, एल्सवियर 100063(साइस स्कोरः 4.3)

कुमार बी., वर्मा पी. (2021), बॉयोमास-बेस्ड बॉयोरिफायनरीः एन इम्पोटेन्ट आरचीटायप टूवार्ड ए र्सकुलर इकॉनोमी. फ्यूल. एल्सवियर 119622 इम्फैट फैक्टर - 6.609

गोस्वामी आरके., मेहरिया एस., कार्तिककेयन ओपीके., वर्मा पी. (2021), एडवान्सड माइक्रोलार्ज-बेस्ड रिनेबल बॉयोडाइड्रोजन प्रॉडक्शन सिस्टम्सः ए रिव्यू. बॉयोरिर्सोसेज टेक्नॉलोजी, 320:ए, 124301, एचटीटीपीएसः//डीओआई.ऑआरजी/10.1016/जे.बॉयोटेक.2020.124301 इम्फैट फैक्टर - 9.642

गोस्वामी आरके., मेहरिया एस., वर्मा पी, लावेचिया आर., जुओरो ए., (2021), माइक्रोअल्गाए-बेस्ड बायोरीफाइनरिज फॉर सस्टेनेबल रिसोर्स रिकवरी फ्रॉम वेस्टवाटर, जर्नल ऑफ़ वाटर प्रोसेस इंजीनियरिंग, 40:101747 https://doi.org/10.1016/j.jwpe.2020.101747 Impact Factor = 5.485

अग्रवाल के., शंकर जे. एंड वर्मा पी., (2020), मल्टीकोप्पर ओक्सीडेस (एमसीओ) लैकेस फ्रॉम स्ट्रोफरिया एसपी. आईटीसीसी-8422: एन अप्परेंट ऑथेंटिकेशन युसिंग इंटीग्रेटेड एक्सपेरिमेंटल एंड इन सिलिको एनालिसिस. 3 बायोटेक 10:413, https://doi.org/10.1007/s13205-020-02399-8 Impact Factor = 2.406

अग्रवाल के., शंकर जे. राज कुमार वर्मा, पी., इनसाइट इनटू मल्टीकोप्पर ओक्सीडेस (एमसीओ) लैकेस फ्रॉम मायरोथेसियम वेरुकेरिया आईटीसीसी-8447: ए केस स्टडी युसिंग इन सिलिको एंड एक्सपेरिमेंटल एनालिसिस, जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल साइंस एंड हेल्थ, पार्ट बी. इम्पैक्ट फैक्टर = 1.990

अग्रवाल के., वर्मा पी., (2020) मायको-वेलोराइजेसन एप्प्रोच युसिंग इनट्रैप्पड मायरोथेसियम वेरुकेरिया आईटीसीसी-8447 ओन सिंथेटिक एंड नेचुरल सपोर्ट वाया कॉलम बायोरिएक्टर फॉर दी डेटोक्सीफीकेशन एंड डीग्रेडेशन ऑफ़ एन्थ्राकुइनोन डाइज. इंटरनेशनल बायोडेटेरायोरेशन एंड बाय़ोडीग्रेडेशन, 153(2020) 1050521, इम्पैक्ट फैक्टर = 4.320

अग्रवाल के., वर्मा पी., (2020) प्रोडक्शन ऑप्टिमाइजेशन ऑफ़ येलो लैकेस फ्रॉम स्ट्रोफरिया एसपी. आईटीसीसी-8422 एंड एंजाइम-मिडियाटेड डेपोलयमेराइजेशन एंड हाइड्रोलिसिस ऑफ़ लिग्नोसेल्लूलोसिक बायोमास फॉर बायोरीफाइनेरी एप्लीकेशन. बायोमास कन्वर्शन एंड बायोरीफाइनेरी (2020), https://doi.org/10.1007/s13399-020-00869-w Impact Factor = 4.987

इंशाद अली खान

सिंह वी. पी., पठानिया ए. एस., कुशवाहा एम., सिंह एस., शर्मा वी., मलिक एफ. ए., खान आई. ए., कुमार ए., सिंह डी., विश्वकर्मा आर. ए. (2020), 14-रेसीड्यू पेप्टाईबोल वेलुटिबोल ए फ्रॉम त्रिचोदेर्मा वेलुटीनम: इट्स स्ट्रक्चरल एंड साइटोटोक्सिक इवैल्यूएशन, आरएससी एडवांसेज, 10(52):31233-31242

रैना डी., तिवारी एच., शर्मा एस., दीपिका, चिन्थाकिंदी पीके, नरगोत्रा ए., सांगवान पी. एल, एन्ज्याँ के, बाजपेई यु., विश्वकर्मा आर. ए., खान एफ. जी., सारन एस., खान आई. ए. (2021), स्क्रीनिंग ऑफ़ कंपाउंड लाइब्रेरी आइडेंटीफाइज नोवेल इन्हिबिटर्स अगेंस्ट दी मुरा एंजाइम ऑफ़ एस्चेरिचिया कोली. एपिपिएल माइक्रोबायोल बायोटेकनोल, मई; 105(9):3611-3623.

नाज़ एफ., खान ए., कुमारी ए., अली आई., अहमद एफ., लोने बी. ए., अहमद इन., खान आई. ए., राजपूत वी. एस., ग्रोवर ए., शफी एस. (2021), 1,2,3-ओक्सादियाजोल कोंजूगेट्स ऑफ़ कैप्सैसिन एज पोटेंट नोरा एफ्फ्लुक्स पंप इन्हिबिटर्स ऑफ़ स्टेफीलोकोच्चुस औरुस. बायोआर्गेनिक केमिस्ट्री 113 DOI: 10.1016/j.bioorg.2021.105031

पवन के दाधीच

तोमर ए.के., दाधीच पी.के. (2020), बायोप्रोस्पेक्टिंग एंटीऑक्सीडेंट्स इन सम नॉन-हेटेरोसेस्टस फिलामेंटस साइनोबैक्टीरिया इनहैबिट वाटर बॉडीज ऑफ़ सेमी-एरिड राजस्थान इन इंडिया. वेगेतोस 33, 601-609 (2020).

अखिल अग्रवाल

बैरवा एच. के., प्रजापत जी., जैन एस., खान आई. ए., लेडवानी एल., अग्रवाल ए. (2021), इवैल्यूएशन ऑफ़ युवी-बी प्रोटेक्शन एफिशिएंसी ऑफ़ मायकॉस्पोराइन लाइक एमिनो एसिड एक्सट्रेक्टेड फ्रॉम दी साइनोबैक्टीरिया एनाबैनोप्सिस एसपी. एसएलसीवाईए आइसोलेटेड फ्रॉम अ हाइपर्सलाइन लेक जर्नल: बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी रिपोर्ट्स, वोल.1,

शक्तिप्रिया इन., कुमार जी., अग्रवाल ए., डोबले एम., संगवई जे.एस. (2021), इम्पैक्ट ऑफ़ बायोसर्फेक्टेंट, सरफेक्टिन, एंड रमनोलिपिड प्रोड्यूसड फ्रॉम बेसिलस सबतिलिस एंड स्यूडोमोनास एरूगीनोसा, ओन दी एनहांस्ड रिकवरी ऑफ़ क्रूड आयल एंड इट्स कमपेरिशन विथ.. जर्नल: एनर्जी एंड फ्यूल्स 35 (12)

प्रजापत जी., जैन एस., रेलेगड़ला एस., टेलर पी., अग्रवाल ए. (2021), साईनेरजिस्टिक एप्रोच तो कण्ट्रोल रेसेर्वार सौरिंग इन दी मोडरेटली थर्मोफिलिक आयल फ़ील्ड्स ऑफ़ वेस्टर्न इंडिया, जर्नल: बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी रिपोर्ट्स 14, 100649

रेलेगड़ला एस., जैन एस., संगवई जे एस., लवानिया एम., लाल बी., जिएग एल., राजशेखर ए. (2021), वेत्ताबिलिटी ऑल्टरेशन ऑफ़ दी आयल-वेट कार्बोनेट बाय विस्कोसिटी-ऑगमेंटेड गौर गालाक्टोमन्नन फॉर एनहांस्ड आयल रिकवरी, जर्नल एसीएस एप्लाइड पॉलीमर मैटेरियल्स.

अरविन्द पी. सिंह

प्रियंका, मीणा पी.आर., मेघवंशी के.के. राना ए, सिंह ए.पी. (2021), लीफी ग्रीन्स एज ए पोटेंशियल सोर्स ऑफ़ मल्टीड्रग-रेसिस्टेंट दिअर्ऱ्होएअगेनिक एस्चेरिचिया कोली एंड सलमोनेल्ला, माइक्रोबायोलॉजी, 2021, 167:001059

मीणा पी.आर., यादव पी., हेमलता एच., तेजावथ के.के., सिंह ए.पी. (2021), पोल्ट्री-ओरिजिन एक्सट्रेटेस्टिनल एस्चेरिचिया कोली स्ट्रेंस कैरिंग दी ट्रेट्स एसोसिएटेड विथ यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन, सेप्सिस, मैनिंजाइटिश एंड एवियन कोलिबसिल्लोसिस इन इंडिया. जे. एपीपीएल माइक्रोबायोल. 2021, 130:2087-2101

हेमलता, मीणा पी.आर., सिंह ए.पी., तेजावथ के.के. (2020), बायोसिंथेसिस ऑफ़ सिल्वर नेनोपार्टिकल्स यूजिंग कुकुमिस प्रोफेतरुम एक्वस लीफ एक्सट्रेक्ट एंड देयर एंटीबैक्टीरियल एंड एंटीप्रोलाइफरेटिव एक्टिविटी अगेंस्ट कैंसर सेल लाइन्स. एसीएस ओमेगा. 2020.10:5520-5528.

निधि पारीक

कुमार एम., मधुप्रकाश जे., बालन वी., सिंह ए.के., विवेकानंद वी., पारीक इन. (2021), चेमोएन्ज़्यमेटीक प्रोडक्शन ऑफ़ चितूलिगोसच्चारिदेश एम्प्लोयिंग आयनिक लिक्विड्स एंड थर्मोम्य्सेस लानुगिनोसुस चिटीनेस. बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी, 337, 125399. इम्पैक्ट फैक्टर =9.64

पारितोष के., यादव एम., केशरवानी एन., पारीक एन., कर्थ्यीकियन ओ. पी., बालन वी., विवेकानंद वी. (2021), स्ट्रेटेजिस टू इम्प्रूव सोल्ड-स्टेट एनाएरोबिक बायोकन्वर्शन ऑफ़ लिग्नोसेल्लुलोसिक बायोमास: एन ओवरव्यू, बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी, 331,125036, इम्पैक्ट फैक्टर = 9.64

अग्रवाल ए., पारितोष के., डंगयाच पी., गहलोत पी., पारीक एन., विवेकानंद वी., (2021), हाइड्रोथर्मल, एसिडिक एंड एल्कलाइन प्रीट्रीटमेंट ऑफ़ वेस्ट फ्लावर-मिक्स फॉर एनहांस्ड बायोगैस प्रोडक्शन: ए कम्पेरेटिव असेसमेंट. बायोमास कन्वर्शन एंड बायोरीफाइनरी, 11, 404. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.98

कुशवाहा एस.के., वेतुकुरी आर.आर., ओड़ीबेकोव एफ., पारीक एन., हेनरिक्सन टी., चवादे ए., (2020), डिफरेंशियल जीन एक्सप्रेशन एनालिसिस ऑफ़ व्हीट ब्रीडिंग लाइन्स रिविल मॉलिक्यूलर इनसाइट्स इन येलो रस्ट रेजिस्टेंस अंडर फील्ड कंडीशनस. अग्रोनोमी 10, 1888. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.41

कुमारी आर.एम., कुमार वी., कुमार एम., पारीक एन., निमेश एस. (2020), असेसमेंट ऑफ़ एंटीबैक्टीरियल एंड एंटीकैंसर कैपबिलिटी ऑफ़ सिल्वर नेनोपार्टिकल्स एक्स्ट्रासेल्युलर्ली बायोसिंथेसाइज्ड यूजिंग अस्पेर्गीलूस टेरियस. नेनो एक्सप्रेस 1,030011.

चन्द्र शेखर गहन

आछेरा एस., तिवारी एस., सिंह एस., नागर एन., गर्ग एच., गहन सी. एस.(2021), ए स्टडी ऑन बायोसोर्पशन काईनेटिक्स ऑफ़ टू मेटल इओंस फ्रॉम एक्वस फेज इन सलफेट मीडियम बाय वुडेन बायोमास ऑफ़ एकेसिया निलोटिका, इकोटोक्सिकोलोजी, स्प्रिंगर (आईएफ:2.823), आईएसएसएन: 1573-3017, इन प्रेस.

तिवारी एस., आछेरा एस., गर्ग एच., रोजरा एम., नागर एन., गहन सी.एस. (2021), कम्पेरेटिव बायोसोर्पशन काईनेटिक्स स्टडी ऑफ़ एनआई एंड जेडएन मेटल इओंस फ्रॉम थे एक्वस फेज इन सलफेट मीडियम बाय दी वुडेन बायोमास ऑफ़ दल्बेर्जिया सिस्सू. एनवायर्नमेंटल क्वालिटी मैनेजमेंट, विले, 1-11 इम्पैक्ट फैक्टर = 0.96

नागर एन., गर्ग एच., गहन सी. एस. (2021), कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ डिफरेंट टाइप्स ऑफ़ पेट्रोलियम रिफाइनरी स्पेंट कैटेलिस्ट फॉलोवड बाय माइक्रोबायल मीडियाटेड लीचिंग ऑफ़ मेटल वैल्यूज, केमिकल रिपोर्ट्स, एसवाईएनसीएससीआई पब्लिसिंग पीटीइ एलटीडी. सिंगापुर, 3(1):177-187.

नागर एन., गर्ग एच., शर्मा एन., अवे एस.ए., गहन सी.एस. (2021), इफेक्ट ऑफ़ पल्प डेंसिटी ऑन दी बायोलीचिंग ऑफ़ मेटल्स फ्रॉम पेट्रोलियम रिफाइनरी स्पेंट कैटेलिस्ट, 3 बायोटेक, स्प्रिंगर, 11,143 इम्पैक्ट फैक्टर = 2.406

गर्ग एच., नागर एन., अंसारी एम.एन., एल्लमपरूथी जी., अंगडी एस. आई., अक्किल ए., गहन सी.एस. (2020), बायोलीचिंग ऑफ़ वेस्ट मोबाइल फ़ोन प्रिंटेड सर्किट बोर्ड इन कंट्रोल्ड रेडोक्स पोटेंशियल कमपेयर्ड टू नॉन-कंट्रोल्ड रेडोक्स पोटेंशियल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, आइएसएसएन: 1735-1472, स्प्रिंगर, 17(6): 3165-3176 इम्पैक्ट फैक्टर = 2.860

दीक्षा त्रिपाठी

भारद्वाज पी., त्रिपाठी डी., पाण्डेय एस., तपदार एस., दास डी., पलवन इ., रानी एम., कुमार ए., (2021), मॉलिक्यूलर बायोलॉजी टेक्निक्स फॉर दी डिटेक्शन ऑफ़ कांटामिनेंट्स इन वेस्ट वाटर; बुक:वेस्टवाटर ट्रीटमेंट: कटिंग एज मॉलिक्यूलर टूल्स, टेक्निक्स & एप्लाइड आस्पेक्ट्स, (एडिटेड बाय मौलिन पी. शाह, अंगना सरकार, सुखेंदु मंडल) (डीओजे : 10.1016/B978-0-12-821881-5.00010-6) (आईएसबीएन: 9780128218815), एल्सविएर

तपदार एस., गोस्वामी के., त्रिपाठी डी., पाण्डेय एस., पलवान इ., रानी एम., कुमार ए. (2020), रोल ऑफ़ एक्सट्रेमोफिल्स एंड एक्सट्रेमोफिलिक प्रोटीन्स इन इंडस्ट्रियल वेस्ट ट्रीटमेंट; बुक: रिमूवल ऑफ़ इमर्जिंग कोन्तामिनन्ट्स थ्रू माइक्रोबायल प्रोसेसेस (आइएसबीएन 9789811559006) (एडिटर्स: मौलिन पी शाह, स्प्रिंगर.

फार्मेसी विभाग

अमित कुमार गोयल

बसक टी., नाथ वी., कुमार वी., गोयल ए.के. (2021), इन सिलिको आइडेंटिफिकेशन ऑफ़ एंटीफंगल कंपाउंड्स एज म्युटेंट डीएचएफआरएएसइ इन्हिबिटर्स: स्ट्रक्चर बेस्ड एप्रोच, मॉलिक्यूलर डायनामिक्स सिमुलेशन एंड

स्ट्रक्चरल इंटेग्रिटी एनालिसिस पब्लिकेशन डिस्क्रिप्शन. जर्नल ऑफ़ कम्प्यूटेशनल बायोफिजिक्स एंड केमिस्ट्री, इम्पैक्ट फैक्टर = 0.939 (एक्सेप्टेड ऑन 20 जुलाई 2021).

मिश्रा सी., रजा के., गोयल ए.के. (2020), दी स्कोप एंड चैलेंजेज ऑफ़ वेसिकुलर केरियर-मिडियाटेड डिलीवरी ऑफ़ डोकेटेक्सेल फॉर दी मैनेजमेंट ऑफ़ कैंसर. कुर्र. ड्रग डेलिव. (17), 874-884. इम्पैक्ट फोस्टर = 1.518

साहू आर. के., सिंह एच., ठाकुर के., गुप्ता यु., गोयल ए.के. (2021), थेरानोस्टिक एप्लिकेशंस ऑफ़ नेनोमैटेरियल्स इन दी फील्ड ऑफ़ कार्डियोवैस्कुलर डिजीज. करंट फार्मास्यूटिकल डिजाईन, दीओआई: https://doi.org/10.2174/1381612827666210701154305 (एक्सेप्टेड) इम्पैक्ट फैक्टर = 3.116

कुमार वी., साहू आर. के., बासक टी., यास्मीन टी., गुप्ता यू., गोयल ऐ. के. (2021), डायग्नोस्टिक एंड थेराप्यूटिक ऍप्लिकेशन्स ऑफ़ स्मार्ट नेनोकम्पोसाईट डेनड्रीमर्स. फ्रंटियर्स इन बायोसाइंस लैंडमार्क, 26, 518-536. इम्पैक्ट फैक्टर= 4.009

रथ जी., प्रधान डी., घोष जी., गोयल ऐ. के. (2021), चैलेंजेज एंड अपरचूनिटीज़ ऑफ़ ननोटेक्नोलॉजिकल बेस्ड एप्रोच फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ़ ट्यूबरक्लोसिस, करंट फार्मास्यूटिकल डिज़ाइन, वॉल 27, 46. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.116.

प्रधान डी., बिस्वास्रोय पी., गोयल ऐ., घोष जी., रथ जी., (2021), रीसेंट एडवांसमेंट इन नैनोटेक्नोलाजी -बेस्ड ड्रग डिलीवरी सिस्टम अगेंस्ट वायरल इन्फेक्शन्स, आप्स फार्म्सकीटेक, वॉल 22 इशू 1 पेजेज 1-19, स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग, इम्पैक्ट फैक्टर = 3.246.

विपिन कुमार

नाथ वी., रामचंदानी ऍम., कुमार एन., अग्रवाल आर., कुमार वी. (2021), कम्प्यूटेशनल आइडेंटिफिकेशन ऑफ़ पोटेंशियल दीपेप्टिद्यल पेप्टिडासे डीपीपी-IV इन्हिबिटर्स: स्ट्रक्चर बेस्ड वर्चुअल स्क्रीनिंग, मॉलिक्यूलर डायनामिक्स सिमुलेशन एंड नॉलेज बेस्ड असऐआर स्टडीज. जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1224, 129006. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.196.

पॉल आर. के., नाथ वी., कुमार वी. (2021), स्ट्रक्चर बेस्ड वर्चुअल स्क्रीनिंग ऑफ़ नेचुरल कंपाउंड्स एंड मॉलिक्यूलर डायनामिक्स सिमुलेशन: बुटीरोसिन एज दीपेप्टिद्यल पेप्टिडासे (डीपीपी-IV) इन्हीबिटर. बायोकेटालीसिस एंड एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी, 35, 102042. इम्पैक्ट फैक्टर = 1.863

रूचि मालिक

वर्मा एन., श्रीवास्तव एस., मालिक आर., यादव जे. के., गोयल पी., पांडेय जे. (2020), कम्प्यूटेशनल इन्वेस्टीगेशन फॉर मॉडलिंग द प्रोटीन–प्रोटीन इंटरेक्शन ऑफ़ टीएएसए (28–261)–टीएपीए (33–253): ए डिसाईव प्रोसेस इन बायोफिल्म फार्मेशन बी बेसिलस सब्तिलिस. जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर मॉडलिंग. 26 (226), 1-16. इम्पैक्ट फैक्टर = 1.810

श्रीवास्तव एस., मेहता पी., शर्मा औ., शर्मा ऍम., मालिक आर. (2020), कम्प्यूटेशनली गाइडेड आइडेंटिफिकेशन ऑफ़ एक्ट-3, ए सेरिन/थ्रेओनीन काइनेज इन्हिबिटर्स: इनसाइटस फ्रॉम होमोलोजी मॉडलिंग, स्ट्रक्चर-बेस्ड स्क्रीनिंग, मॉलिक्यूलर डायनामिक्स एंड क्वांटम मैकेनिकल कॅल्क्युलेशन्स. जर्नल ऑफ़ बायोमोलेक्युलर स्ट्रक्चर एंड डायनामिक्स. 38 (14), 4179-4188. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.310

मेहता पी., मालिक आर. (2020), डिस्कवरी एंड आइडेंटिफिकेशन ऑफ़ पुटेटीव एडेनोसाइन काइनेज इन्हिबिटर्स एज पोटेंशियल एंटी-एपिलेप्टिक एजेंट्स फ्रॉम स्ट्रक्चरल इनसाइट्स. जर्नल ऑफ़ बायोमोलेक्युलर स्ट्रक्चर एंड डायनामिक्स.38 (18), 5320-5337. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.310

शर्मा एस., श्रीवास्तव एस., श्रीवास्तव ऐ., मालिक आर., अलमलकी एफ., सैफुल्लाह के., आलम एम. एम., शाकीक़ुज़्ज़मन एम., अली एस., अख्तर एम. (2020), माइनिंग ऑफ़ पोटेंशियल दीपेप्टिद्यल पेप्टिडासे-IV इन्हिबिटर्स एज एंटी-डायबिटिक एजेंट्स यूजिंग इंटीग्रेटेड इन सिलिको अप्प्रोचेस, जर्नल ऑफ़ बायोमोलेक्युलर स्ट्रक्चर एंड डायनामिक्स. 38 (18), 5349-5361. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.310

कुशवाहा ऍम., क़यूम ऐ., जैन एस. के., सिंह जे., श्रीवास्तव ऐ. के., श्रीवास्तव एस., शर्मा एन., अब्रोल वी., मलिक आर., सिंह एस. के., विश्वकर्मा आर. ऐ., जागलान एस. (2021), टैंडेम एमएस-बेस्ड मेटाबॉलीट प्रोफाइलिंग ऑफ़ 19, 20-एपोक्सीसाईतोचालसिन सी रीवेल्स द इम्पोर्टेंस ऑफ़ ए हाइड्रोक्सी ग्रुप ऐट सी7 पोजीशन फॉर बायोलॉजिकल एक्टिविटी. ऐसीएस ओमेगा. 6 (5), 3717-3726. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.512

शर्मा एस., श्रीवास्तव एस., सिंह जी., सिंह एस., मालिक आर., आलम एम. एम., शकीकुंजम्मन एम., अली एस., अख्तर एम. (2021), ईनसिलिको स्ट्रेटेजीज फॉर प्रोबिंग नावेल डीपीपी-IV इन्हिबिटर्स एज एंटी-डायबिटिक एजेंट्स. जर्नल ऑफ़ बायोमोलेक्युलर स्ट्रक्चर एंड डायनामिक्स. 39 (6), 2118-2132. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.310

कैंसर राजा

लोहान एस., शर्मा टी., सैनी एस., स्वामी आर., धूल डी., बेग एस., राजा के., कुमार ऐ., सिंह बी., (2021), ओब्ड-स्टीरेड डेवलपमेंट ऑफ़ मिक्स्ड नेनोमिकल्स ऑफ़ गलांटामाइन: डेमोंस्ट्रेशन ऑफ़ एनहांस्ड ब्रेन अपटेक, प्रोलोंजड सिस्टेमेंटीक रिटेंशन एंड इम्प्रूवड बायोफॉर्माचुटीकल ऐट्रिब्यूट्स, इंट. जे. फार्म. (600) 120482. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.845

सिंह बी., शर्मा टी., सैनी एस., कौर आर., जैन ऐ., राजा के., बेग एस. (2020), सिस्टेमेटिक डेवलपमेंट ऑफ़ ड्रग नेनोकार्गोस यूजिंग फार्मूलेशन बी डिज़ाइन (FbD): एन अपडेटेड ओवरव्यू. जे. चरित्. रेव. (37), 229-269. इम्पैक्ट फैक्टर = 1.27

थोटाकुरा एन., पाराशर पी., राजा के. (2021), अस्सेसिंग दी फार्माकोकिनेटिक्स एंड टॉक्सिकोलॉजी ऑफ़ पोलीमेरिक मिसळले कोंजुगेटेड थेराप्यूटिक्स, एक्सपर्ट ओपिन ड्रग मेटाबटोक्सिकोल. (17) 2214. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.487

शर्मा जी., यच्छा वाई., कनिका टी., महाजन ऐ., कौर जी., सिंह बी., राजा के., कतरे ओपी. (2021), को-डिलीवरी ऑफ़ आईसोट्रेटिनॉइन एंड क्लिन्दमईसिन बाय फॉस्फोलिपिड-बेस्ड मिक्स्ड मिसलर सिस्टम कांफेर्स सिनर्जिस्टिक इफ़ेक्ट फॉर ट्रीटमेंट ऑफ़ एक्ने वुल्गैरिस, एक्सपर्ट ओपिन ड्रग डेलीव. (18), 1291-1308. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.838

मिश्रा सी., राजा के., गोयल, ऐ. के., (2020), दी स्कोप एंड चैलेंजेज ऑफ़ वेसिकुलर केरियर-मिडियाटेड डिलीवरी ऑफ़ डोसटेक्सेल फॉर द मैनेजमेंट ऑफ़ कैंसर. कुर्र.ड्रग डेलीव. (17), 874-884. इम्पैक्ट फैक्टर = 1.518

प्रीत एस., कौर जे., राजा के., (2021), निसिन लोडेड कार्बोपोल जेल अगेंस्ट सेउदोमोनस एरुगीनोसाइनफेक्टेड थर्ड डिग्री बर्न्स: ए थेराप्यूटिक इंटरवेंशन, वाउंड रिपेयर रीजन. इम्पैक्ट फैक्टर = 1.571

घनगस पी., शर्मा एम., देसाई डी., राजा के., भल्ला ऐ., कुमार पी., नरूला डी., अमिन एस. (2021), सेलेनियम-बेस्ड नावेल एपिजेनेटिक रेगुलेटर्स ऑफर इफेक्टिव चेमोथेरपुटिक अल्टरनेटिव विथ वाईडर सेफ्टी मार्जिन्स इन एक्सपेरिमेंटल कोलोरेक्टल कैंसर, बायोल. ट्रेस एलएम. रेस. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.43

थोटाकुरा एन., पंजेटा ऐ., नेगी पी., प्रीत एस., राजा के., (2021), डोक्सोरुबिसिन-लोडेड मिक्स्ड मीसल्स फॉर दी इफेक्टिव मैनेजमेंट ऑफ़ स्किन कार्सिनोमा: इन वीवो एंटी-ट्यूमर एक्टिविटी एंड बायोडिसट्रिब्यूशन स्टडीज. आप्स फार्म्सकीटेक. (22), 130. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.451

उमेश गुप्ता

साहू आर. के., सिंह एच., ठाकुर के., गुप्ता उ., गोयल ऐ. के. (2021), थेरनॉटिक ऐप्लिकेशन्स ऑफ़ नेनोमेंटेरियल्स इन द फील्ड ऑफ़ कार्डियोवैस्कुलर डिजीज. करंट फार्मास्यूटिकल डिज़ाइन, डीओआई: https://doi.org/10.2174/1381612827666210701154305 (एक्सेप्टेड) इम्पैक्ट फैक्टर= 3.116

पांचाल के., साहू आर. के., गुप्ता उ., चौरसिया ऐ. (2021), रोल ऑफ़ टार्गेटेड इम्मुनोथेरेपी फॉर पेनक्रिएटिक डक्टल एडेनोकार्सिनोमा (पिडीऐसी) ट्रीटमेंट: एन ओवरव्यू. इंटरनेशनल इम्मुनोफार्माकोलोजी, 95(107508), 01-14. इम्पैक्ट फैक्टर= 4.932

कुमार वि., साहू आर. के., बसक टी., यास्मीन टी., गुप्ता उ., गोयल, ए. के. (2021), डायग्नोस्टिक एंड थेराप्यूटिक ऐप्लिकेशन्स ऑफ़ स्मार्ट नेनोकम्पोजीट डेनड्रीमर्स. फ्रंटियर्स इन बायोसाइंस लैंडमार्क, 26, 518-536. इम्पैक्ट फैक्टर= 4.009

खान आई., जोशी जी., सरकार बी., नखाते के. टी., एजाजुद्दीन, मंथा ऐ. के., कुमार आर., कॉल ऐ., चतुर्वेदी एस., मिश्रा ऐ. के., गुप्ता उ. (2020), डोक्सोरुबिसिन एंड क्रोसिन को-डिलीवरी बाय पोलीमेरिक नैनोपार्टिकल्स फॉर एनहांस्ड एंटीकैंसर पोटेंशियल इन विट्रो एंड इन वीवो. ऐसीअस एप्लाइड बायो मैटेरियल्स,3(11), 7789-7799. इम्पैक्ट फैक्टर नॉट देक्लारेड.

अग्रवाल एम., सराफ एस., सराफ एस., दुबे एस. के., पूरी ऐ., गुप्ता उ., केशरवानी पी., रविचंदीरण वी., कुमार पी., नायडू वी. जी. एम., मूर्ति यू. एस., एजाजुद्दीन, एलेग्जेंडर ए. (2020), स्टिमुली-रेस्पॉन्सिव इन सीटू गेल्लिंग सिस्टम फॉर नोज-टू-ब्रेन ड्रग डिलीवरी. जर्नल ऑफ़ कंट्रोल्ड रिलीज़, 327, 235-265. इम्पैक्ट फैक्टर= 9.776

कुमार वी., खान इ., गुप्ता उ. (2020), लिपिड-डेनड्रीमर नेनोहायब्रिड सिस्टम और डेंड्रोसोम्स: एविडेन्सेज ऑफ़ एनहांस्ड एन्केप्सुलेशन, सोलुबिलाईजेशन, सेलुलर अपटेक एंड कीटोटोक्सीसिटी ऑफ़ बोरतेजोमिब. एप्लाइड नैनोसाइंस, 10, 4049-4062. इम्पैक्ट फैक्टर= 3.674

भौतिक विभाग

मनीष देव श्रीमाली

दीक्षित एस., असीर एम. पी., श्रीमाली एम. डी. (2020), एजिंग इन ग्लोबल नेटवर्क्स विथ कंपेटिंग अट्रैक्टिव–रेपुल्सिव इंटरेक्शन, चाओस: एन इंटरडिसिप्लिनरी जर्नल ऑफ़ नॉनलीननियर साइंस, 30, 123112. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.642

दीक्षित एस., असीर एम. पी., प्रसाद ऐ., कुज़्नेत्सोव एन. वी., श्रीमाली एम. डी. (2020), स्पाशल फीडबैक कण्ट्रोल ऑन मल्टी-स्टेबिलिटी इन हिडन अट्रैक्टर्स, इंडियन अकैडेमी ऑफ़ साइंसेज कांफ्रेंस सीरीज, 3, 13.

दीक्षित एस., चौधरी एस. एन., प्रसाद ऐ., घोष डी., श्रीमाली एम. डी. (2021), इमर्जेंट रीदम्स इन कपल्ड नॉनलीनियर ओस्किल्लेतर्स ड्यू टू डायनामिक इंटरेक्शन्स, चाओस: अन इंटरडिसिप्लिनरी जर्नल ऑफ़ नॉनलीनियर साइंस, 31, 011105. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.642

असीर एम पी., दीक्षित एस., श्रीमाली एम. डी. (2021), क्रिटिकल ट्रांजीशन इन्फ्लुएंस्ड बाय डायनामिक कोरम सेंसिंग इन नॉनलीनियर ओस्किलेटर्स, एयुआर. फीज. जे. स्पेशल टॉपिक्स, 230. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.707

असीर एम पी., प्रसाद ए., कुज़्नेत्सोव एन. वी., श्रीमाली एम. डी. (2021), चिमेरा स्टेट्स इन ए क्लास ऑफ़ हिडन ओस्किलेटरी नेटवर्क्स, नॉनलीनियर दयन, 104, 1645. इम्पैक्ट फैक्टर = 5.022

दीक्षित एस., चौधुरी एस. एन., घोष डी., श्रीमाली एम. डी. (2021), डायनामिक इंटरेक्शन इन्क्लूडेड एक्सप्लोसिव डेथ, युरोफिजिक्स लेटर्स, 133, 40003. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.753

मंडल एस., श्रीमाली एम. डी. (2021), अचीविंग कृटीकैलिटी फॉर रिजर्वायर कंप्यूटिंग युसिंग एनवायरनमेंट-इन्क्लूडेड एक्सप्लोसिव डेथ, जर्नल ऑफ़ नॉनलीनियर साइंस, 31, 031101. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.642

अजित के पात्रा

नैंसी; पूजिता बी., शुक्ला आर. , वसुंधरा एम., मुहम्मद राशि यु. पी., गंगिनेनी आर. बी., साहू आर. सी., चौधरी आर. जे., बिटला वाई., पात्रा ऐ. के. (2021), अनवेलिंग दी मैग्नेटिक एंड ट्रांसपोर्ट प्रॉपर्टीज ऑफ़ ला 0.5 एसआर 0.5 Co 1-x V x O 3-δ (x = 0, 0.01, 0.02 एंड 0.1). जर्नल ऑफ़ मैग्नेटिस्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स, 530, 167851. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.993

श्रेडर इ. आई., लुकोयानोव ऐ. वी., माखनेव ए. ए., दास एस., पात्रा ऐ., वसुंधरा एम. (2021) इलेक्ट्रॉनिक स्ट्रक्चर एंड ऑप्टिकल प्रॉपर्टीज ऑफ़ दी एमएन2सिआरऐअल हैउसलेर एलाय. फिजिक्स ऑफ़ मेटल्स एंड मेटालोग्राफी, 121, 532. इम्पैक्ट फैक्टर = 0.877

दास एस., लुकोयानोव ए. वी., नैंसी, मिश्रा डी., मोहम्मद राशि यु. पी., गंगिनेनी आर. बी., वसुंधरा एम., पात्रा ए. के. (2020), स्ट्रक्चरल स्टेबिलिटी एंड मैग्नेटिक प्रॉपर्टीज ऑफ़ एमएन2एफइऐएल एलाय विथ अ β- ऍमअन स्ट्रक्चर. जर्नल ऑफ़ मैग्नेटिस्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स, 513, 167205. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.993

रजनीश कुमार वर्मा

विकास, वर्मा आर. के. (2021), ऑन द एप्लीकेशन ऑफ़ फ्यू लेयर टीआई3सी2 ऍमएक्सइएनइ ऑन फाइबर ऑप्टिक एसपीआर सेंसर फॉर परफॉरमेंस एनहांसमेंट. द यूरोपियन फिजिकल डी 75:5 इम्पैक्ट फैक्टर =1.425

वालिआ के., वर्मा आर. के.; सिंह ए. (2021), सेकंड हार्मोनिक जनरेशन ऑफ़ लेज़र बीम इन क्वांटम प्लाज्मा अंडर कलेक्टिव इन्फ्लुएंस ऑफ़ रेलेटीवीस्टिक-पोंडेरोमोटीव नॉनलीनियरिटीज़. ऑप्टिक 225 165745 इम्पैक्ट फैक्टर=2.187

विकास. वालिआ के.,वर्मा आर. के. (2020), लोस्सी मोड रेजोनेंस बेस्ड यूनिफार्म कोर टेपर्ड फाइबर ऑप्टिक सेंसर फॉर सेंसिटिविटी एनहांसमेंट. कम्युनिकेशन्स इन थ्योरेटिकल फिजिक्स, 72 095502 इम्पैक्ट फैक्टर = 1.968

विकास, यादव एम.के., कुमार पि., वर्मा आर. के. (2020), डिटेक्शन ऑफ़ अडल्ट्रेशन इन प्योर हनी युटीलाइज़िंग एजी-ग्राफेन ऑक्साइड कोटेड फाइबर ऑप्टिक एसपीआर प्रोब्स. फ़ूड केमिस्ट्री 332 127346 इम्पैक्ट फैक्टर = 7.514

नीरज पंवार

कँवर के., कुंडू आई., अनस एम., मलिक वी. के., कुमार पी., कुमार एस., कुलरिया पी. के., कौशिक एस. डी., पंवार एन. (2021), अ कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ़ द स्ट्रक्चरल, ऑप्टिकल, मैग्नेटिक एंड मैग्नेटोकलोरिक प्रॉपर्टीज ऑफ़ $HoCrO_3$ एंड $HoCr_{0.85}Cr_{0.15}MnO_3$ आर्थोक्रोमीटस. सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 47, 7386. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.47

कुंडू आई., पंवार एन., करीलोवा एस., करीलोय ए., एलीकीन डी., जक्का एस. के., तुरिगिन ए., शुर वी. वाई., खोलकिन ए. एल. (2021), टेम्परेचर-डिपेंडेंट रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी, डोमेन मॉर्फोलोजी एंड फोटोलुमिनेसेन्स स्टडीज इन लीड-फ्री बीसीजेडटी सिरेमिक. सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 47, 2828. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.47

यादव एम. के., पंवार एन., सिंह एस., कुमार पी. (2020), प्रेहेटेड सेल्फ-अलाईजड ग्राफेन ऑक्साइड फॉर एनहांस्ड रूम टेम्परेचर हाइड्रोजन स्टोरेज. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ हाइड्रोजन एनर्जी, 38, 4519561. इम्पैक्ट फैक्टर = 5.816

सुखमंदर सिंह

सिंह एस., भूपाल आर. एस., सोनिआ वाई. , विधानी बी., लुइत ए. एस. (2021), एस्टिमेशंस ऑफ़ मैकेनिकल प्रॉपर्टीज ऑफ़ कॉपर पाउडर फिल्ड विथ लीनियर लौ डेंसिटी पोलीएथीलेन कंपोजिट्स, जर्नल ऑफ़ मैकेनिक्स ऑफ़ मैटेरियल्स एंड स्ट्रकचर्स, एक्सेप्टेड (2021). इम्पैक्ट फैक्टर = 1.094

भारती एस. पी., सिंह एस., कुमार एस., मीणा एस. के. (2021), इलेक्ट्रान बीम प्लाज्मा इंस्ताबिलिटी इन हॉल थ्रस्टर डिवाइस. Jñānābha, 51 114-124.

बृजेश कुमार सिंह

मीणा एच. के., सिंह बी. के.(2021), कंट्रोल्ड मॉडुलेशन ऑफ़ ऑप्टिकल एनर्जी इन द हाई आर्डर हर्मिट-गुस्सियन लेज़र मोड्स, ऑप्टिक., 232 166560 इम्पैक्ट फैक्टर = 2.187

मीणा एच. के., पंत बी., सिंह बी. के. (2021), ईवोलुशन ऑफ़ एलिजेंट, स्टैण्डर्ड, एंड मॉडलेटेड हाई आर्डर हर्मिट-गुस्सियन लेज़र मोड्स इन फ्री स्पेस, एशियन जर्नल ऑफ़ फिजिक्स 30 1-11.

युगांधर बिटला

बिटला वाई., चु वाई. एच. (2020), वेन देर वाल्स ऑक्साइड हेटेरोएपिटाक्सी फॉर सॉफ्ट ट्रांसपेरेंट इलेक्ट्रॉनिक्स (रिव्यु). नैनोस्केल 12, 18523 इम्पैक्ट फैक्टर = 7.79

नैंसी, पूजिता बी. , शुक्ला आर., वसुंधरा एम., राशि यु. पी. एम., गंगिनेनी आर. बी., साहू एस. सी., चौधरी आर. जे., बिटला वाई., पात्रा ऐ. के. (2021), अनवेलिंग द मैग्नेटिक एंड ट्रांसपोर्ट प्रॉपर्टीज ऑफ़ $La_{0.5}Sr_{0.5}Co_{1-x}V_xO_{3-\delta}$ (x = 0, 0.01, 0.02 एंड 0.1). जे. मग्न. मग्न. मेटर. 530, 167851. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.7

जेबथ्यु ए. जे., करुणाकरण एम., अड़े आर., जयराम एन. डी., गणेश वी., बिटला वाई., विनोथ एस., अलगरनि एच., यहिअ आई. एस. (2021), ऑप्टिकल मैनीपुलेशन ऑफ़ नेबुलाइजर स्प्रे पैरोलीसेड ZnS थिन फिल्म्स फॉर फोटोडीटेक्टर एप्लिकेशन्स: इफ़ेक्ट ऑफ़ Al, Sn एंड Sb डोपिंग. ऑप्टिकल मैटेरियल्स 117, 111177. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.08

अड़े आर., कुमार एस. एस., वलनारासु एस., कुमार एस. एस., शशीकुमार एस., गणेश वी., बिटला वाई., अलगरनि एच., यहिअ आई. एस. (2021), इम्प्रूवड ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक प्रॉपर्टीज ऑफ़ टीआई-डोप्ड ZnO नैनोरॉड्स फॉर फोटोडीटेक्टर ऍप्लिकेशन्स. सरम. इन्टर. 47, 24031. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.527

देवी एम. डी., जूलिएट ए. वी., इसाक आर. एस. आर., रामुडू एम., गणेश वी., बिटला वाई., यहिअ आई. एस. (2021), फेब्रिकेशन ऑफ़ कॉस्ट-इफेक्टिव नेबुलाइजर स्प्रैड In_2S_3 थिन फिल्म्स फॉर फोटोडीटेक्टर ऍप्लिकेशन्स. जे. एलेक्ट्र. मीटर, 50, 4373. इम्पैक्ट फैक्टर = 1.938

शिवकुमार पी., अकेरा एच. एस., रेड्डी टी. आर. के., बिटला वाई., गणेश वी., कुमार पी. ऍम., रेड्डी जी. एस., पोलोजू एम. (2021), इफ़ेक्ट ऑफ़ टीआई-डोपिंग ऑन स्ट्रक्चरल, ऑप्टिकल एंड इलेक्ट्रिकल प्रॉपर्टीज ऑफ़ SnO2 ट्रांसपेरेंट कंडक्टिंग थिन फिल्म्स डेपोजीटेड बाय sol-gel स्पिन कोटिंग. ऑप्टिकल मैटेरियल्स 113, 110845 इम्पैक्ट फैक्टर = 3.08

कुमार बी. आर., प्रसाद के. एच., कासिरजन के., करुणाकरण एम., गणेश वी., बिटला वाई., अल्फाइफय एस., यहिअ आई. एस. (2021), एन्हान्सिंग द प्रॉपर्टीज ऑफ़ CdO थिन फिल्म्स बाय को-डोपिंग विथ Mn एंड Fe फॉर फोटोडीटेक्टर ऍप्लिकेशन्स. सेंसर्स एंड एक्टुएटर्स ऐ: फिजिकल 319, 112544 इम्पैक्ट फैक्टर = 3.407

गणेश वी., बिटला यो., हरिथा एल., शकीर एम., अल्फाइफय एस. (2021), फसीले फेब्रिकेशन एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ नैनोस्ट्रक्चर्द वाई: CdO थिन फिल्म्स. J Sol-Gel Sci टेक्नोल 97, 697 इम्पैक्ट फैक्टर = 2.326

गणेश वी., कुमार बी. आर., बिटला वाई, यहिअ आई. एस., अल्फाइफय एस. (2021), स्ट्रक्चरल, ऑप्टिकल एंड डाइलेक्ट्रिक प्रॉपर्टीज ऑफ़ Nd डोप्ड NiO थिन फिल्म्स डेपोजीटेड विथ अ स्प्रे पैरोलीसिस मेथड. जे इनॉर्ग ओर्गनोमेट पोल्यम 31, 2691 इम्पैक्ट फैक्टर = 3.543

सिंह एस., कुमार के. एस., बिटला वाई., कोरी बी., हिरेमठ बी., रामपुर एम., जोशी आर. एस. (2021), लार्ज लौ-मैग्नेटिक-फील्ड मैग्नेटोकेपसिटेंस इफ़ेक्ट एंड स्पिन अकुमुलेशन इन ग्राफेन ऑक्साइड. आईइइइ ट्रांस. मग्न. (अर्ली व्यू) इम्पैक्ट फैक्टर = 1.7

डॉ. संदीप कुमार

देवी सी., स्वरुप आर., तंवर आर्य ए. एस., शर्मा ए. एल., कुमार एस. (2021), फेब्रिकेशन ऑफ़ एनर्जी स्टोरेज इडीएलसी डिवाइस बेस्ड ऑन सेल्फ-सिंथेसाइज्ड TiO2 नैनोवायर डिस्पेर्सेड पॉलीमर नेनोकम्पोसाईट फिल्म्स, पॉलीमर बुलेटिन. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.87

कँवर के., कुंडू आई., अनस एम., मलिक वी. के., कुमार पी., कुमार एस., कुलरिया पी. के., कौशिक एस. डी., पंवार एन. (2021), ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ़ द स्ट्रक्चरल, ऑप्टिकल, मैग्नेटिक एंड मैग्नेटोकलोरिक प्रॉपर्टीज ऑफ़ HoCrO3 एंड HoCr0.85Cr0.15MnO3 आर्थोक्रोमीटस. सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 47, 7386. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.47

लोक नीति, विधि एवं शासन विभाग

चिरुकु जीवन कुमार

कुमार सी. जे. (2021), ट्राइबल एजुकेशन इन राजस्थान: ए पालिसी एनालिसिस, इन ए बुक टाइटलड: एजुकेशन एंड पॉलिटिक्स इन इंडिया: पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम बिलो, एडिटेड बाय रामदास रूपवत, रूटलेज, नई दिल्ली, 2021

कुमार सी. जे. (2020), डेवलपमेंटल स्टेट इन ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी (विथ नवीन कोल्लोजु), इन बुक टाइटलड: कॉन्टूर्स ऑफ़ पब्लिक पालिसी एंड गवर्नेंस इन इंडिया: फेस्टस्कृफत इन ऑनर ऑफ़ प्रो.आई.रामब्रह्मम एडिटेड बाई एस एन आंबेडकर एंड सुधाकर बाबू, सेगमेंट पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2020.

अंजन कुमार साहू

साहू ए. के. (2021) फ्रॉम दी क्लाइमेट चेंज थ्रेट टू द सिक्युराइजेशन ऑफ़ डेवलपमेंट: एन एनालिसिस ऑफ़ चाइना, चाइना रिपोर्ट, 57(2), 2021, पीपी. 192-209. सेज. आईएसएसएन न: 00094455, https://journals.sagepub.com/doi/full/10.1177/00094455211004259

साहू ए. के. (2021) फ्रॉम सिक्युरिटाइजेशन टू सिक्योरिटी काम्प्लेक्स: क्लाइमेट चेंज, वाटर सिक्योरिटी एंड द इंडिया–चाइना रिलेशन्स, इंटरनेशनल पॉलिटिक्स, पलग्रैव, 2021. आईएसएसएन न: 1740-3898, इम्पैक्ट फैक्टर: 0.874 https://doi.org/10.1057/s41311-021-00313-4

साहू ए. के. (2021) चैप्टर इन एन एडिटेड बुक: हेटेरोगेनोस सिक्योरिटी काम्प्लेक्स: ए फ्रेमवर्क फॉर दी एनालिसिस ऑफ़ चाइना-इंडिया वाटर कनफ्लिक्ट एंड साउथ एशिया, इन डी. त्रिपाठी (इडी.), रिमेजिन बॉर्डर स्टडीज इन साउथ एशिया, नई यॉर्क: रूटलेज, 2021. पीपी. 193-216, https://www.routledge.com/Re-imagining-Border-Studies-inSouth-Asia/Tripathi/p/book/9780367337186

साहू ए. के. (2021), बुक रिव्यु: मकाज, ब्रूनो.2018: बेल्ट एंड रोड: अ चायनेज वर्ल्ड आर्डर. लंदन: हर्स्ट एंड कंपनी. 228 पीपी. हार्डकवर. आईएसबीएन: 9781787380028. वॉल. 20, इशू 3. 2020. पीपी. 243-44. प्रोग्रेस इन डेवलपमेंट स्टडीज, सेज, आईएसएसएन न: 14649934, इम्पैक्ट फैक्टर: 1.471 https://journals.sagepub.com/doi/full/10.1177/1464993419897029

साहू ए. के. (2021), बुक रिव्यु: फ्रॉम सिक्युरिराटाइजेशन टू जस्ट सिक्युरिराटाइजेशन एंड जस्ट डेसक्युरिटीजेशन: एस्टाब्लिशिंग सिनर्जी बिटवीन एथिक्स एंड सिक्योरिटी. रिव्यु ऑफ़ द मोरालिटी ऑफ़ सिक्योरिटी, बाय रीटा फ्लॉयड, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2019. इंटरनेशनल स्टडीज रिव्यु, ऑक्सफ़ोर्ड, 2020, इम्पैक्ट फैक्टर= 2.076, https://academic.oup.com/isr/article/23/2/436/5910404?login=true

नागेंद्र अम्बेडकर सोले

सोले एन. ए. (विथ उर्वशी पारीक), स्टेटस ऑफ़ सेड्यूल्ड कास्टस एंड सेड्यूल्ड ट्राइब्स इन राजस्थान: इश्यूज एंड अल्टरनेटिव एक्शन्स एंड पालिसी प्रेस्क्रिप्शन्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ पोलिटिकल साइंस, वॉल. 6, न. 1, जुलाई-दिसंबर 2020, पीपी. 71-79.

सोले एन. ए. (विथ उर्वशी पारीक), नागेंद्र अम्बेडकर सोले (विथ उर्वशी पारीक), डिलीवरी ऑफ़ टाइम-बाउंड पब्लिक सर्विसेज टू सिटीजन्स: इंडियन एक्सपीरियंस, इंडियन जर्नल ऑफ़ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, वॉल. 66, न. 3, पीपी. 343-355.

सोले एन. ए. (विथ उर्वशी पारीक), इंडियन माइग्रेंट वर्कर्स ड्यूरिंग द कोविड 19 पेन्डेमिक: पर्सपेक्टिव एंड पालिसी रेस्पॉन्सेस ऑफ़ द स्टेट, पब्लिक अफेयर्स एंड गवर्नेंस, वॉल. 8, न. 3., दिसंबर. 2020.

सोले एन. ए. (विथ तन्वी यादव), इम्पैक्ट ऑफ़ कोविड 19 लॉकडाउन ऑन दी ह्यूमन राइट्स ऑफ़ वल्नरेबल ग्रुप्स एंड दी रोल ऑफ़ जुडिशियरी, साउथ एशियन जर्नल ऑफ़ सोसिओ-पोलिटिकल स्टडीज, वॉल. xxi, न. 2, जन-जून 2021, पीपी. 21-25.

सोले एन. ए. (विथ उर्वशी पारीक),"पब्लिक सर्विस डिलीवरी ड्यूरिंग दी पेन्डेमिक: ए स्टडी ऑफ़ कोविड 19 क्राइसिस इन इंडिया" इन लाल, बी. एस. एंड पटेल, एन. (इडी.), इकोनॉमिक्स ऑफ़ कोविड 19 डिजिटल हेल्थ एजुकेशन एंड साइकोलॉजी (नई दिल्ली: अध्ययन पब्लिशर्स, 2020), पीपी. 293-314.

ज्ञान रंजन पांडा

पांडा, जी. आर. (2021), पब्लिक पालिसी रिफॉर्म्स एंड कोर्पोरटाइजेशन ऑफ़ एग्रीकल्चर: ट्रेसिंग इंटरलिंकेज, पॉसिबिलिटीज एंड कंसर्नस फॉर फ्रेमन कम्युनिटीज इन इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ़ डेमोक्रेटिक गवर्नेंस, वॉल-II, इशू-I, अप्रैल 2021, पीपी 52-62 आईअसअसअन न: 2582-7731

पांडा, जी. आर. (2020), "डिजिटल सिल्क रोड इनिशिएटिव (डिअसआरआई) अंडर बीआरआई: इम्प्लिकेशन्स एंड कंसर्नस फॉर इंडिया" इन अरविंद एलेरय एंड मृदुल नीले (इडी), "टेलस्पिन: दी पॉलिटिक्स ऑफ़ इंडिया-चाइना इकनोमिक रिलेशन्स", नई दिल्ली: केडब्लू पब्लिशर्स प्रा. ली.

सोशल वर्क विभाग

सुभासिस भद्रा

भद्रा एस. (2021), वुलनेराबिलिटीज़ ऑफ़ द रूरल पुअर इन इंडिया ड्यूरिंग पेन्डेमिक कोविड-19: सोशल वर्क पर्सपेक्टिव फॉर डिजाइनिंग सस्टेनेबल इमरजेंसी रिस्पांस. एशियन सोक वर्क पालिसी रिव्यु. (जॉन विलेय & संस ऑस्ट्रेलिया, ली.) (doi: 10.1111/aswp.12236)

कौसर आर., भद्रा एस., (2021), हिस्टोरिकल अंडरस्टैंडिंग ऑफ़ चाइल्ड डेवलपमेंट थ्रू स्कूल एजुकेशन इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ़ बॉर्डर कनफ्लिक्ट इन जेएंडके, शोध संचार बुलेटिन, वॉल-11, इशू 41 (जनुअरी टू मार्च 2021), (ISSN: 2229-3620)

कौसर आर, भद्रा एस. (2021), बॉर्डर कनफ्लिक्ट: अंडरस्टैंडिंग दी इम्पैक्ट ऑन एजुकेशन ऑफ़ दी चिल्ड्रन इन जम्मू रीजन, जर्नल ऑफ़ पीस एजुकेशन, रूटलेज (टेलर एंड फ्रांसिस), विल 18, No-1, पीपी-48-71 (doi: 10.1080/17400201.2021.1873756).

देनडूब पलजोर नेगी

नेगी डी. पी., अज़ीज़ इ.पी.ए. (2021), "डाइमिनिशिंग ट्रेडिशनल मेथड्स एंड इनएक्सेसिबल मॉडर्न हैल्थकेयर: दी डाइलेमा ऑफ़ ट्राइबल हेल्थ इन इंडिया", जर्नल ऑफ़ हेल्थ रिसर्च, https://doi.org/10.1108/JHR-01-2021-0001. एमराल्ड पब्लिशिंग.

नेगी डी. पी., अज़ीज़ इ.पी.ए., कइनी, ए, जबिर,पी. (2021), 'फोर्स्ड ट चूज': बच्चारा वीमेन'स एक्सपीरिएंसेस इन सेक्स वर्क. सेक्सुअलिटी और कल्चर. स्प्रिंगर नेचर.

अज़ीज़ इ.पी.ए., शिव, सुब्रमनिआ पी., सेंथिल कुमार ए. पी, नेगी डी. पी. (2021), आर विलेज हेल्थ, सैनिटेशन, एंड नुट्रिशन कमिटीस फंक्शनल? एविडेंस फ्रॉम छत्तीसगढ़ एंड मध्य प्रदेश. इंडियन जर्नल ऑफ़ कम्युनिटी मेडिसिन. 46: 8-4.

अज़ीज़ इ.पी.ए., नेगी डी. पी. चौधरी पी. (2021), दी कस्टमरी प्रैक्टिस ऑफ़ नाता प्रथा इन राजस्थान, इंडिया: इज आईटी फ्रीडम और कैप्टिविटी फॉर वीमेन?, जर्नल ऑफ़ डाइवोर्स & रिमैरिज. 62 (2). टेलर & फ्रांसिस..

अज़ीज़ इ.पी.ए., नेगी डी. पी. रानी ए., सेंथिल कुमार, ए.पी, (2020), दी इम्पैक्ट ऑफ़ कोविड-19 ऑन माइग्रेंट वीमेन वर्कर्स इन इंडिया. यूरेशियन जियोग्राफी एंड इकोनॉमिक्स, 1-20. टेलर & फ्रांसिस.

सोसाइटी टेक्नोलॉजी इंटरफ़ेस विभाग

जया कृतिका ओझा

ओझा जे.के. (2021), फाइंडिंग स्पेस इन ए ट्रेडिशनल सोसाइटी: दी भील गर्ल्स ऑफ़ जैसलमेर. जूनि ख्यात, 10 (2), 94-102. [ISSN 22784632 इन युजीसी-केयर लिस्ट]

वैरोकपम प्रेमी देवी

विमल एम., देवी डब्ल्यू. पी., मकगोनिगले आई. (2021), गेनेरशनल मेडिसिन इन सिंगापुर: ए नेशनल बायोबैंक फॉर ए ग्रेयिंग नेशन. ईस्ट एशियन साइंस, टेक्नोलॉजी एंड सोसाइटी: एन इंटरनेशनल जर्नल, 1-17.

विमल एम., देवी डब्ल्यू. पी., मकगोनिगले आई. (2021), जीनोमएशिया100K: सिंगापुर बिल्ड्स नेशनल साइंस विथ एशियन डीअनऐ. ईस्ट एशियन साइंस, टेक्नोलॉजी एंड सोसाइटी: अन इंटरनेशनल जर्नल, 15(2), 238-259.

खेल जैवयांत्रिकी विभाग

एम. मारीश्वरन

सिकीदार ए., मारीश्वरन एम., कल्यानासुन्दाराम डी. (2021), एस्टीमेशन ऑफ़ फोर्सेज ओं एंटीरियर क्रूसीअट लिगामेंट इन डायनामिक एक्टिविटीज. बायोमेक मॉडल मेकनोबायोओल 20, 1533-1546 (2021). https://doi.org/10.1007/s10237-021-01461-5, इम्पैक्ट फैक्टर = 2.96

मारीश्वरन एम., सिकीदार ए., राना ए., सिंह डी., मंसूरी एन., लालवानी एस., कल्यानासुन्दाराम डी. (2021), ए कादावेरिक स्टडी ऑन दा रेट ऑफ़ स्ट्रेन-डिपेंडेंट बिहेवियर ऑफ़ ह्यूमन एंटीरियर क्रूसीअट लिगामेंट, एक्टा ऑफ़ बायोइंजीनियरिंग एंड बायोमैकेनिक्स, वॉल्युम. 23, नंबर. 1, 2021, 10.37190/ए बीबी-01672-2020-05, इम्पैक्ट फैक्टर = 1.073

खेल जैव विज्ञान विभाग

चन्द्र शेखर गहन

आक्चेरा एस., तिवारी एस., सिंह एस., नगर एन., गर्ग एच., गहन सी.एस. (2021), ए स्टडी ऑन बायोसोपर्सन कैनेटीक्स ऑफ़ टू मेटल आयॉन्स फ्रॉम एक्वस फेज इन सल्फेट मीडियम बाय वुडन बायोमास ऑफ़ एकेसिया निलोटिका, इकोटोम्सिकोजोजी, स्प्रिंगेर, (आईफ: 2.823) इन प्रेस.

तिवारी एस., आक्चेरा एस., गर्ग एच., रोजरा एम., नगर एन., गहन सी. एस. (2021), कम्पेरेटिव बायोसोपर्सन कैनेटीक्स स्टडी ऑफ़ नी एंड जन मेटल आयॉन्स फ्रॉम दा एक्वेऑस फेज इन सल्फेट मीडियम बाय दी वुडन बायोमास ऑफ़ दल्बेर्जिया सिस्सू, एन्वायरमेन्ट क्वालिटी मैनेजमेंट, विले. 1-11, इम्पैक्ट फैक्टर = 0.96

नगर एन., गर्ग एच., गहन सी.एस. (2021), कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ डिफरेंट टाइप्स ऑफ़ पेट्रोलियम रिफाइनरी स्पेंट कैटेलिस्ट फोल्लोवेड बाय माइक्रोबियल मेदिटेड लीचिंग ऑफ़ मेटल वैल्यूज, केमिकल रिपोर्ट्स, सिंकस्की पब्लिशिंग प्रा. लिमटेड. सिंगापुर, 3(1): 177-187.

नगर एन., गर्ग एच., शर्मा एन., अवे एस. ए., गहन सी.एस. (2021), इफ़ेक्ट ऑफ़ पल्प डेंसिटी ऑन दा बायोलीचिंग ऑफ़ मेटल्स फ्रॉम पेट्रोलियम रिफाइनरी स्पेंट कैटेलिस्ट, 3 बायोटेक, स्प्रिन्गेर, 11, 143 इम्पैक्ट फैक्टर = 2.406

नेहा सिंह

मेगाडम, ए.; सिंह, एन.; कुरियन, ए.ए.; मुनीर, आई.; महमूद, टी,; ब्राउन, के,; सरका शर्कर , एम.; टी चेपुरको, ई.; सस्सी , वाई.; ओह . जी.; ली, पी.; सेन्टा, सी.; गज़ेल-सोवरन, ए.;झॉग, जी.; की, सी.एल.; खो, की.सीमॉय, एम शाह, ए. एम,; हिज्जर, आर. जे. जंगी, एल. (2020), पीकेएम रेलगुलेहस कार्डियोमायोसाइट सेल साइकिल एंड प्रोमोट्स कार्डियक रीजनरेशन. सर्कुलेशन, 141(15), 1249–1265. इम्पैक्ट फैक्टर = 23.054.

बनावाथ एच. एन., पुरोहित एस. जी., पारीक ए., खटिक एन., सिंह एन. (2020), सिलेक्टेड ट्रेडिशनल इंडियन प्लांट्स एंड स्पोर्ट्स परफॉरमेंस: ए रिव्यु. जर्नल ऑफ़ फिटोलॉजिकल रिसर्च.

मेगाडम, ए.; सिंह, एन.; कुरियन, ए.ए.; सरकार एम.टी.के., सुल्तान एन., चेपुरको ई., कौर के., जाक एम. एम. हदास वाय., लेबेचे डी., साहू एस., हेज्जर आर., जंगी एल., थेराप्युटीक डिलीवरी ऑफ़ पिप4के2सी- मॉडिफाइड एमआरएनए एटेन्युअस कार्डियक हाइपरट्राफी एंड फाइब्रोसिस इन दा फैलिंग हार्ट. एडीवि. साइंस . (2021), 8, 2004661. इम्पैक्ट फैक्टर = 15.84

हेमंत नैसक बनावत

हीरेगंग; दिशा; नैक , एच .; राव बी. जे. (2020), एटीआर सिग्नलिंग मिडीएट्स द प्रोसर्वाइवल फंक्शन ऑफ़ फोस्फो –अगेंस्ट पीआईडीडीओसम मेडीएटेड सेल डेथ. 109602. https://doi.org/10.1016/j.cellsig.2020.109602. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.968.

गणेश; एन कृष्णा ; भिन्गार्देवे पी., मधनगोपाल बीआर; जैन, पी.; नाइक, एच.; मनोहरण, एम. (2020), रिसेप्टर स्पेसिफिक डिलिवरी ऑफ़ पेप्टाइड न्युक्लिक एसीड्स कंजुगेटेड टू थ्री सिक्वेंसियली लिंक्ड एन-एसीटाइल गैलेक्टोसमिन मोएटीज इनटू हेपाटोसाइट्सदी जर्नल ऑफ़ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, https://doi.org/10.1021/acs.joc.0c00601. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.335.

सुनील जी पुरोहित

पटिअल डी.एस., पुरोहित एस. जी. (2020), इफेक्टिव लोडिंग पैटर्न्स डूरिंग दा फेंसिंग लन्स एंड फेंसिंग ट्रेनिंग. इन्टायर रिसर्च, वॉल्यूम- XII, इशू – I आईएसएसएन 0975-5020, 36-43. इम्पैक्ट फैक्टर: 5. 524 (विथ आईएसआरए)

बनावाथ एच. एन., पुरोहित एस. जी., पारीक ए., खटिक एन., सिंह एन. (2020), सिलेक्टेड ट्रेडिशनल इंडियन प्लांट्स एंड स्पोर्ट्स परफॉरमेंस: ए रिव्यु. जर्नल ऑफ़ फिटोलॉपिकल रिसर्च.

खेल मनोविज्ञान विभाग

नीतू पी एस

नीतू पी एस., सुदर्शन ए. (2021), होप एंड वेलबीइंग डूरिंग कोविड 19 पेन्डेमिक. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सोशल साइंस रिव्यु. 9 (3).

गुनीत इन्दर जीत कौर

मोहन जे., कौर जी.आई. जे. (2021), इमोशनल इंटेलिजेंस: एन एंकर ऑफ़ एक्सीलेंस इन स्पोर्ट्स एंड अकादमिक. एक्सेप्टेड फॉर पब्लिकेशन इन इंडियन जर्नल ऑफ़ साइकोलॉजी. (आईएसएसएन: 0019-5553)

सांख्यिकी विभाग

जितेन्द्र कुमार

आगीवाल, वी.; कुमार, जे.; कुमार एन., 2021, बाएसियन एस्टिमेशन ऑफ़ दा पोलिनोमियल टाइम ट्रेंड एआर (1) मॉडल थ्रू स्प्लीन फंक्शन (एक्सेप्टेड)

कुमार, ए; कुमार, जे. (2020), बाएसियन इन्फेरेंस फॉर सी मर्जड पैनल ऑटोरिग्रेसिव मॉडल, कम्युनिकेशनस इन स्टेटिस्टिक्स- थ्योरी एंड मेथड्स, (एक्सेप्टेड).

अशोक के, कुमार जे. (2020) बाएसियन इन्फेरेंस फॉर सी-एआर मॉडल विथ स्फेरिकली सिमेट्रिक एरर, जर्नल ऑफ़ मॉडर्न एप्लाइड स्टैटिस्टिकल मेथड्स (एक्सेप्टेड)..

आगीवाल, वी.; कुमार, जे.; शंगोदोयीं डी.के. 2020), बयेसियन एनालिसिस ऑफ़ कम्पलीट मल्टीप्ल ब्रेअक्स इन पैनल ऑटोरेग्रेस्सिव (सीएमबी-पीएआर(1)) टाइम सीरीज मॉडल, स्टेटिस्टिक्स इन ट्रांजीशन, 21 (5), 133-149

आगीवाल, वी.; कुमार, जे.; (2020), बयेसियन एस्टीमेशन फॉर थ्रेशोल्ड ऑटोरिग्रेसिव मॉडल विथ मल्टीप्ल स्ट्रक्चरल ब्रेक्स ,मेट्रोंन, 78(3), 361-382

कुमार एस., कुमार जे., शर्मा वि. के., आगीवाल वी. (2020),रैंडम आर्डर ऑटोरेग्रेस्सिव टाइम सीरीज मॉडल विथ स्ट्रक्चरल ब्रेक , जर्नल ऑफ़ मॉडल असिस्टेड स्टेटिस्टिक्स एंड एप्लिकेशन ,15 (3), 225 – 237.

अरविन्द पाण्डेय

त्यागी एस., पांडे ए., हनागल डी.डी., गुप्ता पी.(2021), बायेसियन इनफरेंसेस इन जेनरलाइज्ड लिंडले शेयर्ड फ्रैल्टी मॉडल विथ लेफ्ट सेंसर्ड बिवेरिएट डेटा, एडवांस रिसर्च ट्रेंड्स इन स्टैटिस्टिक्स एंड डेटा साइंस, एमकेएसईएस पब्लिकेशन्स, 137-157. (पुस्तक अध्याय)

पांडे ए., भूषण एस., लालपाविमावाहा, त्यागी, एस., (2020), एनालिसिस ऑफ बिवरिएट सर्वाइवल डेटा यूजिंग शेयर्ड इनवर्स गॉसियन फ्रैल्टी मॉडल्स: ए बायेसियन अप्रोच, प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स यूजिंग स्टैटिस्टिक्स एंड बिग डेटा: कॉन्सेप्ट्स एंड मॉडलिंग, बेंथम बुक्स, 75-88 (14). (पुस्तक अध्याय)

बंद्योपाध्याय एस., बुंदेल, आर., त्यागी एस., पांडे ए., मंडल सी.सी. (2020), कैन द एजिंग इन्फ्लुएंस कोल्ड एनवायरनमेंट मीडिएटेड कैंसर रिस्क इन यूएसए फीमेल पॉपुलेशन?, जर्नल ऑफ थर्मल बायोलॉजी, 92, 102676.

पांडे ए., हनागल डी.डी., गुप्ता पी., त्यागी एस. (2020), एनालिसिस ऑफ़ ऑस्ट्रलियन ट्विन डाटा यूजिंग जनरलाइज्ड इनवर्स गौससियन शेयर्ड फ्रैल्टी मॉडल्स बेस्ड ऑन रिवर्सेड हैज़र्ड इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ स्टेटिस्टिक्स एंड रिलायबिलिटी इंजीनियरिंग, 7(2), 219-235

पांडे ए., मिश्रा पी.के., लालपाविमवाहा (2020), मिक्स्चर शेयर्ड फ्रैलिटी मॉडल बेस्ड ऑन लॉग-लॉजिस्टिक बेसलाइन डिस्ट्रीब्यूशन. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एप्लाइड इंजीनियरिंग रिसर्च, 15 नंबर 11 1088-1097

दीपेश भाटी

अल्तून ई., भाटी डी., खान एन. एम. (2021), ए न्यू एप्रोच टू मॉडल दा काउंट्स ऑफ़ अर्थक्वेक्स: आईएनएआरपीक्यूएक्स (1) प्रोसेस. एसएन एप्लाइड साइंस 3(2), 1-17.

भाटी डी., काल्डेरिन-ओजेडा ई (2021), ऑन दा फॅमिली ऑफ़ डिस्ट्रीब्यूशन विथ एक्चुरियल एप्लीकेशनस. एस्टिन बुलेटिन: दा जर्नल ऑफ़ दा आईएए, 1-26. इम्पेक्ट फैक्टर= 1.236

भाटी डी., कट्टुमननिल एस.के., श्रीलक्ष्मी, एन. (2021), जैकनाइफ एम्पिरिकल लाइक्लीहुड-बेस्ड इन्फेरेंस फॉर प्रोबबिलिटी वेटेड मोमेंट्स. जर्नल ऑफ़ द कोरियन स्टैटिस्टिकल सोसाइटी, 50(1), 98-116. इम्पेक्ट फैक्टर = 0.556

भाटी डी., चक्रवर्ती एस., लतीफ एस.जी. (2020), ए डिस्क्रीट प्रोबबिलिटी मॉडल सूटेबल फॉर बोथ सिमेट्रिक एंड असिमेट्रिक काउंट डाटा. फिलोमैट, 34(8), 2559-2572. इन्पक्ट फैक्टर = 0.848

महेंद्र साहा

साहा एम., कुमार एस., साहा आर. (2020), कोम्परीसन ऑफ़ टू जनरललिजेड प्रोसेस कैपबिलिटी इण्डिक्स बाय यूजिंग बूटस्टैप कॉन्फिडेंस इंटरवलस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ स्टेटिस्टिक्स एंड रिलायबिलिटी इंजीनियरिंग, 7(1), 187-195.

साहा एम., एस. यादव वाई. एस. (2021), एस्टीमेशन ऑफ़ दा रिलायबिलिटी केरेक्टेरिस्टिक्स बाय यूसिंग क्लासिकल एंड बयेसियन मेथोड्स ऑफ़ एस्टीमेशन ऑफ़ क्स्गाम्मा डिस्ट्रीब्यूशन, लाइफ साइकिल रिलायबिलिटी एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग DOI.ORG/10.1007/S41872-020-00162-9 .

साहा एम., एस. डे., एस. (2021), सप्लायर सिलेक्शन बाय एस्टीमेशन एंड टेस्टिंग ऑफ़ डिफरेंसेस बिटवीन टू प्रोसेस कैपबिलिटी इन्दिसस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ स्टेटिस्टिक्स एंड रिलायबिलिटी इंजीनियरिंग, 8 (1), 69-73.

साहा एम, डे एस., एस. यादव वाई. एस., अली एस. (2021), कॉन्फिडेंस इन्टरवल्स ऑफ़ दा इंडेक्सीपी के फॉर नॉर्मली डिस्ट्रिब्यूटेड क्वालिटी केरेक्टेरिस्टिक्स यूजिंग क्लासिकल एंड बयेसियन मेथोड्स ऑफ़ एस्टीमेशन, ब्राज़ीलियाई जर्नल ऑफ़ प्रोबबिलिटी एंड स्टेटिस्टिक्स, 35(1), 138-157. स्ट्र,

साहा एम., त्रिपाठी एच., डे एस. (2021), टाइम ट्रन्केटेड सिंगल एंड डबल सम्प्लिंग इंस्पेक्शन प्लान बेस्ड ऑन ट्रांसक्युटेड रायलीध डिस्ट्रीब्यूशन, जर्नल ऑफ़ इंटरनेशनल एंड प्रोडक्शन इंजीनियरिंग, DOI.ORG/10.1080/21681015.2021.1893843

योगा विभाग

संजीब पात्रा

आचार्य के., पात्रा एस., प्रधान बी, मैथ्स के. (2021), औटोनोमिक एंड रेस्पिरेटरी चंगेस फोल्लोविंग वेरियस स्टाइल्स ऑफ़ मंत्र चंटिंग. जर्नल ऑफ़ ऑफ रिलियन एंड हेल्थ, (इन प्रेस) इम्पैक्ट फैक्टर = 1.898

सिंह एस.पी., अमर एस., गहलोत पी., पात्रा एस. के., कँवर एन., कानवाल ए. (2021), माइटोकॉन्ड्रियल मॉड्यूलेशन, ऑटोफैजी पाथवेज़ शिफ्ट्स इन वायरल इन्फेक्शनस: कोन्सेकुएन्केस ऑफ़ कोविड -19. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर ऑफ़ साइंस , 22 (15), 8180. https://doi.org/10.3390/ijms22158180 इम्पैक्ट फैक्टर = 5.923

गांगुली एम., मोहंती एस., मिश्रा एस., पात्रा एस., झा एम. (2021), इम्पैक्ट ऑफ़ संस्कृत प्रॉज्डी ऑन एंग्जायटी, माइंडफुल्नेस, एंड सेल्फ-कांसेप्ट इन यंग एडोलैसेंट्स: ए फोर-आर्म्ड कण्ट्रोल ट्रायल. योग मिमाम्सा, 52 (1), 4-11। https://doi.org/ 14.139.2444.217

गांगुली एम., मोहंती एस., मिश्रा एस., पात्रा एस. (2021), इफ़ेक्ट ऑफ़ प्रोसोडी ऑफ़ ह्य्थमिक योग-बेस्ड रेसिसन ऑन पॉजिटिव एंड नेगेटिव एफेक्ट अमोंग एडोलैसेंट्स: ए फोर-आर्म्ड कम्पेरेटिव स्टडी. इन्टरडिसिप्लिनरी जर्नल 17, 13-19. https://doi.org/10.36018/dsiij.v17i.182

गांगुली एम., मोहंती एस., मिश्रा एस., पात्रा एस. (2021), संस्कृत प्रोसोडी: ए पोटेंशियल टूल टू इम्पैक्ट न्यूरोसाइकोलॉजिकल वेरिएबल्स इन मिडिल स्कूल चिल्ड्रन. टुवर्ड एक्सीलेंस, 13 (2), 917-27. https://hrdc.gujaratuniversity.ac.in/पब्लिकेशन

मेट्री के., पात्रा एस., रामकृष्ण के. के., सालवी के., नायक जे., नागरत्ना आर. (2021), मैंनेजमेंट ऑफ़ एक्यूट कैलकुलस चोलेच्यटितिस विथ इंटीग्रेटेड आयुर्वेद एंड योग इंटरवेंशन: ए केस रिपोर्ट. जर्नल ऑफ़ आयुर्वेदा एंड इन्टेग्रटिव मेडिसिन, 12 (1), 187 1 9 0. https://doi.org/10.1016/j.jaim.2020.12.014

चोबे एस., पात्रा एस. के., चोबे एम., मेट्री के. (2020),इफ़ेक्ट ऑफ़ इंटीग्रेटेड योगा एंड आयुर्वेदा रसायन ऑन कोगनितीव फंक्शनस इन एल्देर्ली विथ माइल्ड कोगनिटिव इम्पैर्मेंट. जर्नल ऑफ़ आयुर्वेद और इंटीग्रेटिव मेडिसिन, S0975-9476 (20) 30106-6। एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन. https://doi.org/10.1016/j.jaim.2020.11.003

काशीनाथ जी मैत्री

रानी एस., महाराणा एस., मैत्री के.जी., भार्गव एच., नागरत्न, आर. (2021), इफ़ेक्ट ऑफ़ योगा ऑन डिप्रेशन इन हाइपोथायरायडिज्म: ए पायलट स्टडी. जर्नल ऑफ़ ट्रेडिशनल एंड कॉम्प्लिमेंटरी मेडिसिन, 11(4), 375-380। https://doi.org/10.1016/j.jtcme.2021.01.001। इम्पैक्ट फैक्टर= 4.4

उल्लास के., महाराणा एस., मेट्री के.जी., गुप्ता ए., नागेंद्र, एच.आर. (2021), इम्पैक्ट ऑफ़ योगा ऑन मेंटल हेल्थ एंड स्लीप क्वालिटी अमोंग मदर ऑफ़ चिल्ड्रन विथ इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी.अल्टरनेटिव थेरपिएस इन हेल्थ एंड मेडिसिन, 27(S1), 128-132। प्रभाव कारक = 1.3

मोहंती एस., नागरत्ना आर., मेट्री के., पाटिल एस., कुमार एस., सिंह ए., नागेंद्र, एच.आर. (2021), ट्रेंड्स ऑफ हाइपरटेंशन एंड न्यूरोलॉजिकल डिजीज इन इंडिया: ए नेशनवाइड सर्वे रिपोर्टिंग द डिस्ट्रीब्यूशन अक्रॉस जियोग्राफिकल एरियाज. अन्नाल्स ऑफ़ न्यूरोसाइंस, 0972753120987457. इम्पैक्ट फैक्टर = 1.6

सिंह जे, टेकूर पी, मैत्री के, सिंह ए, रघुराम आर, मोहंती एस. (2021), डिजाइनिंग, वेलिडेशन, एंड द फिजिबिलिटी ऑफ ए योगा मॉड्यूल फॉर पेशेंट्स विद एंकिलॉजिंग स्पॉन्डिलाइटिस. जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन (इन प्रेस)

किशोर डी.एम., मंजूनाथ एन.के., मेट्री के., बाबू एन., अंगदी, बी. (2020), डिप्रेशन, एंग्जायटी एंड स्ट्रेस अमोंग नर्सेज वर्किंग इन ए टेरटीरी केयर सेंटर इन साउथर्न इंडिया. एशियाई जर्नल ऑफ़ मेडिसिन एंड हेल्थ, 147-152।

मैत्री के., पात्रा एस., रामकृष्ण के.के., साल्वी के., नाइक जे., नागरत्न, आर. (2021), मैनेजमेंट ऑफ़ एक्यूट कैलकुलस स कोलेसिस्टिटिस विथ इंटीग्रेटेड आयुर्वेदा एंड योगा इंटरवेंशन: ए केस रिपोर्ट. जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन, 12(1), 187-190. https://doi.org/10.1016/j.jaim.2020.12.014

चोबे एस., पात्रा एस. के., चोबे एम., मेट्री के. (2020),इफ़ेक्ट ऑफ़ इंटीग्रेटेड योगा एंड आयुर्वेदा रसायन ऑन कोगनितीव फंक्शनस इन एल्देर्ली विथ माइल्ड कोगनिटिव इम्पैर्मेंट. जर्नल ऑफ़ आयुर्वेद और इंटीग्रेटिव मेडिसिन, S0975-9476 (20) 30106-6 एडवांस ऑनलाइन पब्लिकेशन. https://doi.org/10.1016/j.jaim.2020.11.003

मोहंती एस., नागरत्ना आर., मेट्री के., पाटिल एस., कुमार एस., सिंह ए., नागेंद्र, एच.आर. (2021), ट्रेंड्स ऑफ हाइपरटेंशन एंड न्यूरोलॉजिकल डिजीज इन इंडिया: ए नेशनवाइड सर्वे रिपोर्टिंग द डिस्ट्रीब्यूशन अक्रॉस जियोग्राफिकल एरियाज. अन्नाल्स ऑफ़ न्यूरोसाइंस, 0972753120987457. इम्पैक्ट फैक्टर = 1.6

सिंह जे., टेकूर पी., मैत्री के., सिंह ए., रघुराम आर. (2021), पोटेंशियल रोले ऑफ़ योगा इन दा मैनेजमेंट ऑफ़ अन्क्यलोसिंग स्पोंद्य्लितिस: ए रेस्तटोस्पेक्टिव स्टडी. अन्नाल्स ऑफ़ न्यूरोसाइंस. (इन प्रेस) इम्पैक्ट फैक्टर = 1.6

बीमन एस., महाराना एस., मैत्री के. (2021), वर्कपैलेस योगा टू रिड्यूस स्ट्रेस, फातीग्यू, मस्कक्सयूलोसकेलेटल पैन, एण्ड इनहैन्स द क्वालीटी ऑफ लाइफः ए न्यू अप्रोच इन एम्पलॉय वेलनेस. वर्क (इन प्रेस). इम्फेक्ट फेक्टर - 1.5

बालाकृष्णन बी., मैत्री के., डे जी., जेनेसन जी. (2021), पैरासैम्पेथिक प्रीडोमेन्स इन लॉग टर्म हाथा-योगा प्रेक्शनरः पौटेन्शियल इम्पीकेशन टू प्रिवेन्ट कार्डियावेस्क्यूलर रिस्क. एल्टरनेटिव थैरिपी इन हैल्थ मेडिसिन. (इन प्रेस). इम्फेक्ट फेक्टर - 1.3

बी. बुक/बुक चेप्टर/एडीटर ऑफ बुक

वास्तुकला विभाग

नीरज गुप्ता

गुप्ता एन. (2020), रिथिकिंग इम्पीमेटेंन्शन ऑफ वॉकेशनल ऐजुकेशन इन लाइट ऑफ एनइपी 2020, नेशनल ऐजुकेशन पॉलिसी 2020- रिफलेक्शन फ्रॉम स्टॉकहोल्डर, 2020, आईएसबीएन-978-1-6364-008-2

जीव रसायन विभाग

चण्डी सी मण्डल

मकवाना, एस; मण्डल सीसी (2020), इन्टरप्ले ऑफ माइक्रोआरएनए एण्ड रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पेसिएज इन कैंसर स्टीम सैलः न्यू प्रेस्पक्टिव इन कैंसर मैटास्टैसिस; हैण्डबुक ऑफ ऑक्सीडेटीव स्ट्रेस इन कैंसरः थैराप्यूटिक ऑस्पेक्ट (पब्लिसर स्प्रींगर) एक्सेप्टेड मई 26,

महापात्रा, एमके;मण्डल सीसी (2021), नेचुरल एक्सट्रेट टारगेट एनएफ-केबी एण्ड रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पेसिसः मॉलीक्यूलर इनसाइट इनटू थैरेपी रेसिसटैंस एण्ड टॉक्सीसीटी; न्यू प्रेसपेक्टिव इन कैंसर मैटास्टेसिस; हैण्डबुक ऑफ ऑक्सीडेटीव स्ट्रेस इन कैंसरः थैराप्यूटिक ऑस्पेक्ट (पब्लिसर स्प्रींगर) एक्सेप्टेड मई 26,

विश्वनाथ तिवारी

शर्मा, एस; तिवारी, एम; तिवारी, वी (2020), माइक्रोबाइल मेटालोप्रोटेऑमः अप्रोचेज एण्ड बॉयोमेडिकल एप्लीकेशन इन माइक्रोबॉयल एन्टीबॉयोटिक्स रेसिसटेन्स. माइक्रोबॉयल प्रोटोमिकः डेवलेपमेंट इन टेक्नोलॉजी एण्ड एप्लीकेशन्स. 1, 167-178. पब्लिसर-बैन्थम सांइस

विजय कुमार प्रजापति

शर्मा, एस; चौहान पी., पाण्डे आरके; प्रजापति वीके (2021), रिसेंट थैरेप्युटिक स्ट्रेटेजिस फॉर द ट्रिटमेंट ऑफ कॉलन कैंसर. कॉलन कैंसर डाइग्नोसिस एण्ड थैरेपी, वाल्यूम 2. आइएसबीएनः 978-3-030-64668-4. पब्लिसर-स्प्रींगर नेचुर

ओझा आर; पाण्डे आरके; प्रजापति वीके (2020), वैक्सिन डिलेवरी सिस्टम अंगेस्ट टूयूबरक्यूलोसिस. बुक नेम- नैनोटेक्नॉलोजी बेस्ड अप्रोचेज फॉर टूयूबरक्यूलोसिस ट्रिटमेंट. आइएसबीएनः 9780128198117. पब्लिसर- एल्सवीयर

शिव स्वरूप

गोयल, डी.; स्वरूप्, एस.; पाण्डे आरके. (2020), हारनेसिंग द जैनेटिक डॉइर्वसिटी एण्ड मैटाबॉलिक पौटेन्शियल ऑफ एक्ट्रॉमेपोलिक माइक्रोऑरगेनिक्जम थ्रू द इन्टीग्रेशन ऑफ मेटाजेनॉमिक्स एण्ड सिंगल-सैल जैनेमिक्स. (इनटेकऑपन, 2020)

दीपक ग्यान

ग्यान डी. कर्माकर एस. (2021), डिजाइनिंग परफॉरमिंग, एण्ड एनालिजिंग सीआरआईएसपीआर-केस9-मेडियाटेड जेनेम एक्सपियरमेंट इन लेग्यूमिनियस प्लांट. मैथैड (103-122) हुमाना, न्यू योर्क, एनवाई

जैव प्रौधोगिकी विभाग

जयकान्त यादव

यादव जे.के. (2020), मैनेजमेंट ऑफ एलजेमेर डिजेज वीद न्यट्रासेक्यूटिक्ल्स, इन- न्यट्रासेक्यूटिक्ल्स इन ब्रेन हेल्थ एण्ड बियोण्ड (आइएसबीएनः 978-0-12-820593-8) एडिटेड बाएः दिलीप घोष, पब्लिष्ड बाए एकेडमिक प्रेस

सतापति ए., यादव जे.के. (2021), इनोवेटिव प्रोटिन एण्ड एजांइम इंजियरिंग प्रोसेस फॉर द प्रॉडक्शन ऑफ बॉयोमास हाइड्रोलेजिंग एजांइम, इन-बीबीबी र्सकुलर बॉयोइकॉनोमीः टेक्नोलॉजी फॉर बॉयोफ्यूल एण्ड बॉयोकेमिकल्स (आइएसबीएनः 97803238988553) एडीटेड बाएः सुनीता वरजानी अशोक पाण्डे थालाडा भास्कर एस. वेंकटा मोहन डेनियल सी.डब्ल्यू. टांसग, पब्लिष्ड बाए एल्सवियर

यादव जे.के. (2021), मीटीगेशन ऑफ इनफ्लामैशन इन कोविड-19 इनफेक्शन थ्रू न्यूट्रीशियन मैनेजमेंट, इन-हैल्थ हाइजिन, सेन्टीशन एण्ड एनवॉयरमेंट इन पैंडामिक टाइम, पब्लिस्ड बाय इर्मोटल पब्लिकेशन

सुरेन्द्र निमेश

आर्या जी., कुमारी आर.एम., निमेश एस. (2021), थैरेप्युटिक पौटेन्शियल ऑफ प्रोसोपीक जूलीफ्लोरा अगेस्ट कैंसर इन प्रोसोपीक-प्रोपर्टीज यूजेज एण्ड डाइवर्सिटी, इडीः रोनन बतिष्टा (नोवा सांइस पब्लिर्स आइएनसी0, यूएस)

शर्मा एन., कुमारी आर.एम., आर्या जी., गुप्ता एन., चन्द्रा आर., निमेश एस. (2020), क्लिनिकल ट्राइल ऑफ एपोपटॉसिस मॉड्यूलेटिंग ड्रग इन क्लिनिकल प्रेस्पेक्टिव एण्ड टारगेटेड थैरेपेसिस इन एपोपटॉसिस, 329-391 इडी. आर.के. सोडी, जे. मदान (ऐकडमिक प्रेस, लंदन, यूके)

कुमारी आर.एम., गोस्वामी आर., निमेश एस. (2020), एप्लीकेशन ऑफ नैनोटेक्नीकल इन डाइग्नोसिस एण्ड थैरेप्युटिक्स इन नैनोटैक्नॉलोजी फॉर एनर्जी एण्ड इनवॉयरमेंट इंजियरिंग, 413-440, इडी. एल. लेडवानी एण्ड जे.एस. संगवानी, ग्रीन एनर्जी एण्ड टैक्नॉलोजी (स्प्रींगर इन्टरनेशनल पब्लिसिंग)

वाणिज्य विभाग

नेहा सेठ

सेठ एन., सदीकी एस. (2021), क्वान्टाइल रिग्रेशन मॉडलिंग ऑफ सेलेक्ट इण्डिका इन कोविड-19 इराः निफ्टी 50 एण्ड अदर, इकॉनोमिक पॉलिसी एण्ड प्लानिंग इन इण्डिया पोस्ट कोविड-19, सिंह, के.बी. (इडी), ब्लूमब्यूरी पब्लिकेशन इण्डिया प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, इण्डिया, पीपी. 174-188 (आईएसबीएनः978-93-905513-68-0)

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग

निष्ठा केसवानी

ज्योतिसना, मोनिका, केसवानी एन. (2021), इन्ट्राडाक्सन टू डिप लर्निंग इन हैल्थ इन्फोमेटिक्स. बॉयोमेडिकल डेटा माइनिंग फॉर इनफॉरमेशन रिट्र्वलः मैथोडॉलोजी, टेक्निक एण्ड एप्लीकेशन (2021)ः 237-261, वीनली. एटीटीपीएसः//डीओआई.ओआरजी/10.1002/9781119711278.सीएच9.

ज्योतिसना, मोनिका, केसवानी एन. (2021), एन इम्प्रूवड अप्रोच फॉर रिमूवल ऑफ साल्ट एण्ड पेपर नॉइस इन एमआर इमेज. 2एण्ड इन्टरनेशनल कॉन्फेस ऑन डिप लर्निंग, आर्टीफिसियल इन्टलीजेन्स एण्ड रॉबोटिक्स, (आइसीडीएलएआइआर) 2020, 07-18 दिसम्बर 2020, यूनिर्वसिटी ऑफ सेर्लेनो, इटली. स्प्रींगर एलएनएनएस.

विश्वर्कमा, मोनिका, केसवानी एन. (2020), ए टू-स्टेज इन्स्ट्रयूजन डिटेक्शन सिस्टम् (टीआईडीएस) फॉर इन्टरनेट ऑफ थिंग्स. 2एण्ड इन्टरनेशनल कॉन्फेस ऑन डिप लर्निंग, आर्टीफिसियल इन्टलीजेन्स एण्ड रॉबोटिक्स, (आइसीडीएलएआइआर) 2020, 07-18 दिसम्बर 2020, यूनिर्वसिटी ऑफ सेर्लेनो, इटली. स्प्रींगर एलएनएनएस.

अर्थशास्त्र विभाग

प्रगति जैन

जैन एस., जैन पी. (2020), एक्पलॉरिंग प्रोपेंन्सीटी ऑफ वूमन टूवार्ड इन्टरप्रियोन्सिप अक्रोस नेशन्स. पंकज पी. इटी एल (इडीएस). इन एनवाइजिंग बिजनेस फॉर ए बेटर टूमारो. नई दिल्ली, ब्लॉमसब्यूरी पब्लिकेशन.

शिक्षा विभाग

सीमा गोपीनाथ

गोपीनाथ एस. (2021), मेटाक्गोनाइज्ड स्ट्रैरजीज फॉर स्टूडेण्ट विद लर्निंग डिस्एब्लीटिज. लर्निंग डिस्एब्लीटिज इन चिल्डर्न इस्यू एण्ड ऑप्सन. नई दिल्ली, कंसिका पब्लिकेशन, आईएसबीएनः 978-81-951998-2-2.

गोपीनाथ एस. (2021), स्ट्रैरजीज फॉर केटरिंग द ऐजुकेशनल निड ऑफ चिल्डर्न विद डाईकेलक्यूलिया. हॅम्यानिजिंग द ऐजुकेशन ऑफ डिफंरेन्टली ऐब्लड चिल्डर्न. नई दिल्ली, कंसिका पब्लिकेशन, आईएसबीएनः 978-93.

गोपीनाथ एस. (2020), रिसर्च कल्चरः ए की कम्पोनेंट फॉर सस्टेनिंग एण्ड इनहैसिंग गुड प्रेक्टिस इन रिसर्च. रिसर्च कल्चरः रिफनमेंट इन क्वालिटी अस्योरेंस. यूनाईटेड स्टेटः ल्यूल्यू पब्लिकेशन, आईएसबीएनः 978-1-67801-249-6 .

गोपीनाथ एस. (2020), डिजीटल इन्फास्ट्रक्चर इन द 21फस्ट सेन्चुरी. (मोनोग्राम) इ-पैडोलॉजी फॉर द डिजीटल एज.यूनाईटेड स्टेटः ल्यूल्यू पब्लिकेशन, आईएसबीएनः 978-1-71697-114-3 .

कनक शर्मा

शर्मा के. (2020), इफेक्ट ऑफ ब्लेंडेड लर्निंग मॉडल ऑन क्लास 11 सांइस स्टूडेण्ट ऐकेडमिक अचिवमेंट. द सीगंगा, इन प्रेस, 8(2).

अंग्रेजी विभाग

सजंय अरोड़ा

गुलाटी एन. अरोड़ा एस., भट्ट पी. (2021), इंग्लिस फॉर एम्पलॉयब्लीटीः एन एनालिसिस ऑफ लैग्वेज नीड ऑफ इंनियनियरिंग स्टूडेण्ट. इन मल्टीडिसिप्लनरी अप्रोच टू सस्टेनेबल डवलपमेंट गोलः सम इस्यू एण्ड रिफलेक्शन (इड. के शानमूगन एण्ड दिप्ती शर्मा), किंडल डाईरेक्ट इफेक्ट पब्लिकेशन, आईएसबीएनः 9798513908517. पीपी. 63-75.

भूमिका शर्मा

सिंह ए., शर्मा बी. (2021), डेमस्टीफाईग मेथोलॉजीः अनरैवलिंग द मैथिक औरा इन राजशेखर ऑल लाइज, सेज कृष्णात्र इन मेथोलॉजीः पास्ट, प्रजेंट एण्ड फ्यूचर (इडी) इडी. डॉ. शिवानी वशिष्ठ, कन्याकुमारीः केप कॉमरान पब्लिसर, इ-आईएसबीएनः 978-93-88761-83-3 पीपी. 77-80.

नेहा अरोड़ा

अरोड़ा एन. (2020), डॉसाइल बॉडिज, स्पीकिंग माइंसः आन्सवरिंग सेक्सुएल कॉलोनिज्म इन मीना कांडास्वामी वेन आई हिट यूः और, ए पौट्रेट ऑफ द राइटर एज ए यंग वाइफ. इन (इडी) एमीना हुसैन एण्ड मूस्ताब्सीरा सदीकी. द डाइनेमिक ऑफ जैंडरः न्यू अप्रोचेच इन फैमिनाज्मि. नई दिल्लीः विश्वनाथ कविराजा इन्स्टूयट. पीपी. 29-38.

देवेन्द्र रांकावत

रांकावत डी. (2020), कोविड-19 द डिस्ट्रायर और प्रेजिवर. इन (इडीएस) यू.के. सिंह, ए परमार एण्ड वी. खूरीवाल. कोरोना इन ऐकेडमिक डिसकोर्स. बाबा पब्लिकेशन. आईएसबीएनः 978-93-88031-52- पीपी. 59-63.

वेद प्रकाश

प्रकाश वी., (2020), फूड फॉर सॉल, ’सॉल’ फॉर फूडः द ताले ऑफ ब्लेक्स टॉल्ड थ्रू सॉल फूड. इन फूड कल्चर स्टडीज इन इण्डियाः कजंप्शन, रिप्रजेन्टेशन, एण्ड मेडिटेशन. स्प्रींगर. आईएसबीएनः 10-9811552533, आईएसबीएन 13-978-9811552533.

प्रकाश वी., (2020), परफॉरमिंग जैंडर, इनवाइटिंग अबॉरेन्सः ए स्टडी ऑफ सर्फिंग एण्ड वॉयलैंस थ्रू हिजरा ऑफ कश्मीर. इन अनमास्किंग साइंलेसः वॉइस हियर्ड एण्ड अनहियर्ड. आदी पब्लिकेशन. आईएसबीएन 978-81-952501-3-4.

हिन्दी विभाग

एन. लक्ष्मी अय्यर

अय्यर एन.एल. (2021), डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णनः शिक्षणः अधिगम-भारतीय शिक्षा शास्त्री श्रृंखला-5, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा 72-77 आईएसबीएन -978-93-8803953-6.

शीतल प्रसाद महेन्द्रा

महेन्द्रा एस.पी. (2021), कोरोनाः बॉडी-माइंड-मेडिसीन-मीडिया, बुक चेप्टर, कोरोना वायरसः एक वैश्विक महामारी, आईएसबीएन 978-93-91589-06-6.

भाषा विज्ञान विभाग

धनापति शोयग्राकपकम

तालुकदार यू., शोयग्राकपकम, डी. (2021), बैनटॉक्-एन ईईजी मॉटर बीसीआइ फॉर गिविंग नॉन-स्पीकिंग पिपूल ए वाइॅसः ए पॉजीशन पेपर. इन प्रोसेडिंग ऑफ द इन्टरनेशनल कॉन्फ्रेस ऑन कम्प्यूटिंग एण्ड कम्यूनिकेशन सिस्टमः आई3सीएस 2020, नेहु, शिलौंग, इण्डिया (वोल.170,पी. 361) स्पींगर नेचर.

सूक्ष्म जैवविज्ञान विभाग

प्रदीप वर्मा

अग्रवाल के. अलाम ए. वर्मा पी. (2021), बॉयोप्रोस्पेक्टिंग एण्ड एप्लीकेशन्स ऑफ फून्गीः ए गेम चैंजर इन प्रजेन्ट सिनेरियों. रिसेन्ट ट्रेण्ड इन मायकोलोजीकल रिसर्चः वॉल्यूम 2 एनवॉयरमेंटल एण्ड इण्डिस्ट्रीयल प्रेस्पक्टिव, पी.1. स्पींगर.

गोस्वामी आर.के., अग्रवाल के. वर्मा पी. (2021), एन आवरव्यू ऑफ थैरोटिकल एण्ड एक्पीयरमेंट अप्रोच टू स्टडी एनवॉयरमेंटल माइक्रोफ्लोरा. इन वेस्टवॉटर ट्रिटमेंट रिएक्टर, पीपी.119-139.

बाह्य निधि परियोजनाएँ

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय अपने विभिन्न विभागों में अकादमिक वर्ष 2019-2020 के दौरान निम्नलिखित 81 शोध परियोजनाओं का संचालन किया। ये बाह्य परियोजनाएं भारत के साथ-साथ विदेशों की विभिन्न निधि प्रदाता संस्थाओं, जैसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, अंतर-विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, जल संसाधन मंत्रालय, एशिया-पैसिफिक नेटवर्क फॉर ग्लोबल चेंज रिसर्च (जापान) से वित्त पोषित है। वर्तमान में जारी शोध परियोजनाओं के संबंध में विस्तृत विवरण निम्नलिखित है:

रासायन विज्ञान एवं फार्मेसी स्कूल

रसायन विज्ञान विभाग

डीएसटी-एफआईएसटी (स्तर -1 श्रेणी)	70.5 लाख	2016-2021	डीएसटी, भारत सरकार
डॉ. हेमन्त जोशी			
सिंथेसिस ऑफ मेटल कॉम्पलेक्स ऑफ मैकेनिकली इंटरलॉक्ड मोलीक्यूल्स एण्ड देयर एप्लीकेशंस	35.00 लाख	2018-2023	डीएसटी-इंस्पायर स्कॉलरशिप
डॉ. अनुज शर्मा			
डिजाइन एंड सिंथेसिस ऑफ सिलेक्टेड ट्रांजिशन मेटल (एफई, आरयू, आरएच, आईआर) कॉम्पलेक्सेस/एरीन कॉम्पलेक्सेस एंड इनवेस्टिगेटिंग देयर एंटीकैंसर पोटेंशियल	10.0 लाख	2018-2021	यूजीसी
डॉ. पार्थ रॉय			
इंजिनियरिंग ऑफ रिसाईलिएंट सुपरहाइड्रोफोबिक कोटिंग यूजिंग टीआईओ 2नैनोस्ट्रक्चर्स इन कॉम्बिनेशन विथ अल्ट्राथिन कोन्फोर्मल लेयर ऑफ आर्गेनिक मॉलिक्यूलस	49.97 लाख	2019-2022	डीएसटी-एसईआरबी
प्रोबिंग द चार्ज ट्रांसफर मैकेनिज्म इन ऐक्सीप्लेक्स सिस्टम यूजिंग लाईफटाइम मेजरमेंट।	19.08 लाख	2019-2022	डीएसटी-एसईआरबी
डॉ. रितेश सिंह			
सी-एच बांड फंक्शनाइजेशन टू एक्सेस बायो रिलीवेंट स्काफ्फोल्ड्स	35.00 लाख	2015-2020	डीएसटी
सिंथेटिक एक्प्लोरेशन ऑफ एजा-ऑक्सीएलाइल केशन फॉर रेपिड एक्सेस टू बॉयो-रिलेवेंट फ्लोरिनेटेड स्केफोल्ड्स एण्ड देयर बॉयोलाजिकल इवेलुशन	54.71 लाख	2023-2020	डीएसटी
बॉयो-कैटेलिटिक (हिटेरो) एरोमेटिक सी-एच एनीमेशन	19.2 लाख	2023-2021	डीएसटी (एन-पीडीएफ)
डॉ. एम. भानुचंद्रा			
ट्रांजीशन मेटल- केटलाइज्ड सी-एच नाइट्रोजेनशन एंड ओक्सीजनेशन ऑफ अरेनेस यूजिंग सुल्फोक्सिड्स एज फंक्शनअलाइजेबल डायरेक्टिंग ग्रुप्स	36.3 लाख	2018-2021	एसईआरबी
डॉ. ईश्वर श्रीनिवासन			

डिजाइन ऑफ नोवल बायफंक्शनल एमाइन-यूरिया/थियौरा कैटालिस्ट्स फॉर असिमेट्रिक सी-सी बॉन्ड फॉर्मिंग एप्लीकेशन्स	28.0 लाख	2018-2021	सीएसआईआर
स्टडीज ऑन दि ऑर्गेनोकेटिलिटिक एनेनटियोसेलेक्टिव कंस्ट्रक्शन ऑफ हाइड्रोक्सेंथिनोन्स	43.0 लाख	2018-21	डीएसटी-एसईआरबी
डॉ. थिरुमूर्थि रामालिंगम			
हाफ सैंडविच ऑर्गेनोटेलूरियम ऑक्साइड/ हाइड्रॉक्साइड्स एन अल्टरनेटिव रीएजंट इन आर्गेनिक सिंथेसिस।	9.0 लाख	2019-2022	सीएसआईआर

फार्मेसी विभाग

डीएसटी-फर्स्ट (स्तर -1 श्रेणी)	61.0 लाख	2017-2022	डीएसटी, भारत सरकार
प्रो गोयल .अमित के .			
पॉलीमेरिक नैनोस्ट्रक्चर्स फॉर ट्रीटमेंट ऑफ़ माइक्रोबायल इन्फेक्शन्स	60.25 लाख	2019-2022	ब्रिक्स, डीएसटी, भारत सरकार
डॉसांवत .देवेश एम .			
डिजाइन, सिंथेसिस एंड कैरेक्टेराइजेशन ऑफ मल्टीफंशनल प्लेटफार्म फॉर टारगेटेड-ट्यूमर थैरेपी।	60.89 लाख	2018-2021	एसईआरबी, भारत सरकार
डॉकेसर रजा .			
टारगेटेड, सेफ एंड इफेक्टिव डिलिवरी ऑफ डॉक्सोरूबिसिन टू ब्रेस्ट कैंसर सेल्स बाय मीन्स ऑफ स्ट्रेटेजिकली डिजाइन्ड फोलेट-टैग्ड फॉस्फोलिपिड-बेस्ड मिक्स्ड नैनोमिसेल्लेस	32.48 लाख	2017-2021	डीबीटी, भारत सरकार
मल्टी-फंक्शनल नैनोमेटेरियल सिस्टम्स फॉर मोड्यूलेशन ऑफ ग्ल्यकोसिलेशन इन एनिमल्स	31.45 लाख	2018-2021	डीएसटी-नैनोमिशन

वाणिज्य और प्रबंधन स्कूल

प्रबंधन विभाग

डॉ. अवंतिका सिंह			
अस्सेस्सिंग इकॉनोमिक एंड सोशल इम्पैक्ट ऑफ़ सेल्फ हेल्प ग्रुप मूवमेंट इन राजस्थान-	10.10 लाख	2019-2021	आईसीएसएसआर- इंप्रेस

वाणिज्य विभाग

डॉ. सुशीला कुमारी सोरिया			
डिजिटाइजेशन अनेबलिंग देलही एमएसएमई'ज टू स्केल अप फॉर इंक्लूजिव ग्रोथ	6.00 लाख	2019-2021	आईसीएसएसआर- इंप्रेस

पृथ्वी विज्ञान स्कूल

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग

डॉ देवेश शर्मा .			
क्लाइमेट चेंज इम्पैक्ट स्टडीज फॉर राजस्थान (एरिया ऑफ़ इनलैंड ड्रेनेज एंड माही बेसिन)	30.78 लाख	2018-2021	आईएनसीसीसी, एमओडबल्यूआर
इंटीग्रेटेड एटमोस्फियरिक हाइड्रोलॉजिकल-मॉडलिंग सिस्टम टू अस्सेस द इम्पैक्ट ऑफ़ क्लाइमेट चेंज ऑन वाटर रिसोर्सेज इन द बनास रिवर बेसिन, राजस्थान	23.82 लाख	2020-2023	डीएसटी-एसईआरबी
डॉ. सुब्रत कुमार पांडा			
इंवेस्टिगेशन ऑफ चेन्जेस ऑफ क्लाइमेट एंड इटस एक्सट्रीम्स इन डिफरेन्ट ईको-रिजन्स ऑफ इंडिया	10.00 लाख	2018-2021	युजीसी
डॉ. चिन्मय मलिक			
इंवेस्टीगेशन ऑफ नेचुरल एण्ड एंथ्रोपोजेनिक हाइड्रोकॉर्बन्स ओवर एरिड एण्ड सेमी-एरिड रिजन्स इन वेस्टर्न इंडिया: इंप्लीकेशन्स टू एटमोस्फेरिक ऑक्सीडेशन, एग्रीकल्चर एण्ड क्लाइमेट	30.25 लाख	2022-2020	डीएसटी-एसईआरबी
अंडरस्टैंडिंग एटमोस्फियरिक अमोनिया नियर इट्स ग्लोबल हॉटस्पॉट रीजन	10.00 लाख	2021-2023	युजीसी
डॉ. जयंती पाल			
रीसेंट चेंजेज इन इंडियन ओसियन डाइपोल इन रेस्पोंस टू द ट्रॉपिकल इंडियन ओसियन सी सरफेस टेम्परेचर पैटर्न्स एंड इट्स कांसीक्वेंसेज	10.00 लाख	2018-2020	युजीसी

पर्यावरण विज्ञान विभाग

डीएसटी-फिस्ट (स्तर -1 श्रेणी राजस्थान सरकार)	80.0 लाख	2017-2022	डीएसटी, भारत सरकार
डॉ शैलेश कुमार पाटीदार			
अंडरस्टेंडिंग द रोल ऑफ कॉरम सेंसिंग प्रीक्योर्सस इन सिंथेटिक इकोलॉजी इंस्पायर्ड एल्गीबैक्टेरिया कॉ-कल्टीवेशन मॉडल फॉर एमेलियोरेशन इन लिपिड मैटाबोलिज्म	28.6 लाख	2022-2020	डीएसटी, एसईआरबी
कंटैमिनेशन असेसमेंट ऑफ़ लंथानीडेस इन एक्वेटिक मक्रोफ्य्टेस एंड एसिड माइन ड्रेनेज एफ्फेक्टेड प्लांट एनवायरनमेंट ऑफ़ राजस्थान	10.00 लाख	2021-2023	युजीसी
डॉ निवेदिता चौधरी			
असेसमेंट ऑफ़ क्रिटिकल लेवल्स ऑफ़ ओजोन पोलुशन ऑन वेजिटेशन यूसिंग बिओमोनिटीरिन्ग एस ए टूल	10.00 लाख	2021-2023	युजीसी

डॉ. राजेश कुमार

स्टडी ऑफ ग्लेसियाहाइड्रोलॉजिकल प्रोसेस एट नाराडू - शियरग्ले, वैस्टर्न हिमालया	59.4 लाख	2020-2023	डीएसटी

डॉ. एल. के. शर्मा

स्ट्रेटीफाइड फारेस्ट बायोमास मॉडलिंग यूजिंग हाइपरस्पेक्ट्रल डाटा	19.4 लाख	2017-2020	एसएसी (इसरो)

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी स्कूल

कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

डॉ. गौरव सोमानी

विक्टिम सेपरेशन टू मिनिमाइज डीडीओज अटैक इफैक्ट्स इन क्लाउड कंप्यूटिंग एनवायरोमेंट्स	37.312 लाख	2024-2021	डीएसटी-एसईआरबी

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग

डॉ. मिलन सासमल

फ्रेब्रिकेशन ऑफ एमओएस2-बीएसए-जेडएनओ नैनो-बॉयो हाइब्रिड कंपोजिट इलैक्ट्रोनिक डिवाइस फॉर एनवायरोंमेंटल मॉनीटरिंग.	33.16 लाख	2020-2022	डीएसटी-एसईआरबी
3डी प्रिंटेड माइक्रोनिडल फॉर इंट्रेगेटेड ड्रग डिलीवरी सिस्टम	10.00 लाख	2020-2022	युजीसी

डॉ. राजन सिंह

जिओमेट्रिकली ट्यून्ड डायोड-असिस्टेड मेग्नेटोरेसिस्टेंस इन सेमीकंडक्टर्स	10.00 लाख	2022-2020	युजीसी

मानविकी एवं भाषा स्कूल

अंग्रेजी विभाग

डॉ. संजय अरोड़ा (सह-अन्वेषक)

इंग्लिश स्किल्स फॉर एम्पलोयेबिलिटी- एम्पॉवरिंग इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स ऑफ राजस्थान इन ए ग्लोबेलाइज वर्ल्ड	15.98 लाख	2019-2020	एनपीआईयू (एमएचआरडी)

जीवन विज्ञान स्कूल

डीबीटी-बिल्डर स्तर 2 (ग्रुप लीडर: प्रो. संजीव के. पांडा)	476.0 लाख	2026-2021	डीबीटी, भारत सरकार

जैव रसायन विज्ञान विभाग

प्रोफेसर संजीब के. पांडा			
वाइटफ्लाई (बेमिसिया तबकी) इन नार्थ ईस्टर्न इंडिया डाइवर्सिटी, फैक्टर्स ऑफ़ वायरस ट्रांसमिशन एंड नेचुरल इन्हिबिटर	30.29 लाख	2018-2021	डीबीटी-टिवनिंग
जीनोम एडिटिंग ऑफ राइस फॉर फंक्शनल कैरेक्टेराइजेश ऑफ एर्जीनाइन डिकॉर्बोक्सिलेज फॉर एल्युमिनियम टोलेरेंस इन एसिडिक कंडीशन	26.00 लाख	2021-2024	सीएसआईआर
डॉ. तरूण भट्ट			
डिजाईनिंग एण्ड एक्सपेरिमेंटल वैलिडेशन ऑफ इन्हिबिटर फॉर आरईसीए प्रोटीन ऑफ एसीनेटोबेक्टर बॉमेनी: एन एडिशन टू द करंट इंटीबॉयोटिक एण्ड डिसइंफेक्टेंट्स	28.16 लाख	2018-2021	डीएसटी-एसईआरबी
डॉ. दीपक गयन			
आइडेंटिफिकेशन एंड फंक्शनल कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ नोवेल प्रोटीज फॉर डेवेलोपमेंट ऑफ डीहाइड्रेशन टोलेरेंस इन चिकपिया (साइसर एरियेटिनम एल.)	29.30 लाख	2022-2020	डीएसटी-एसईआरबी
आइडेंटिफिकेशन एंड फंक्शनल कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ क्लोरोप्लास्ट सीएलपी प्रोटीज ऑफ चिकपिया (साइसर एरियेटिनम एल) इन रेस्पोंस टू हीट स्ट्रेस	10.00 लाख	2022-2021	युजीसी
डॉ. भावना बिस्सा			
एक्सप्लोरिंग नॉन-सेल ऑटोनोमस फंक्शंस ऑफ ऑटोफेगी ड्यरिंग मेटाबोलिक रीप्रोग्रामिंग ऑफ ट्यमर माइक्रोएनवायरोमेंट	29.98 लाख	2022-2020	डीएसटी-एसईआरबी
अंडरस्टैंडिंग द मॉलिक्यूलर रेगुलेशन ऑफ़ ऑटोफागी डूरिंग ब्रैस्ट कैंसर मेटास्टेसिस	10.00 लाख	2022-2021	युजीसी
डॉ. विश्वनाथ तिवारी			
डिजाइनिंग एंड एक्सपेरिमेंटल वेलिडेशन ऑफ़ इनहिबिटर फॉर रेका प्रोटीन ऑफ एसिनेटोबेक्टर बौमन्नीऐन एडीशन : टू द करंट एंटीबायोटिक्स एंड डिसइंफेक्टेंट्स	28.16 लाख	2018-2021	डीएसटी-एसईआरबी

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

डॉ. विवेक वर्मा			
डिस्सेक्टिंग द रोल ऑफ स्माल युबिक्विटिन-लाइक मॉडिफायर (सुमो)यिलेशन इन रेगुलेटिंग बॉयोटिक स्ट्रेस रेस्पोंस इन पल्सेस	40.00 लाख	2024-2019	जैवप्रौद्योगिकी विभाग

डॉ. जय कांत यादव			
टारगेटिंग क्रिस्टेलिन-एमीलॉएड्स फॉर द डवलपमेंट ऑफ नॉन-इनवेसिव थेरापयूटिक स्ट्रेटजी फॉर ट्रीटमेंट ऑफ ऐज-रिलेटेड कैटरेक्ट	30.80 लाख	2018-2021	डीएसटी-एसईआरबी
डॉ तरूण कुमार भटट्			
डवलपमेंट एंड स्क्रीनिंग ऑफ पोटेंशियल एंटी-मलारिअल्स बेस्ड ऑन बेस्ड ऑन प्रिविलेज्ड स्काफ्फोल्ड्स	6.0 लाख	2017- 2021	राजस्थान-डीएसटी
डिजाइन, सिंथेसिस एंड इन सिलिको/ इन विट्रो स्टडीज ऑफ क्लाड़ोस्पोरी डेरिवेटिव्स एज पोटेंशियल एंटी-मलेरियल एजेंट्स	15.95 लाख	2018-2021	डीएसटी-एसईआरबी
आइडेंटिफिकेशन एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ ग्लाइसाइल-टीआरएनए सिन्थेसीस इन लिशमानिया डोनोवेनी	29.37 लाख	2019-2022	डीबीटी
डॉ. जयेंद्र नाथ शुक्ला			
आइडेन्टिफिकेशन ऑफ सेक्स -डिटरमाइनिंग सिंगल(स) एंड सेक्सुअल डिफरेंटएशन फैक्टर्स इन द रेड फ्लोर बीटल, ट्रिबोलियम कास्टेनयूम	49.0 लाख	2018-2021	डीएसटी-एसईआरबी
अंडरस्टैडिंग द मॉलिक्यूलर ऑफ सेक्स डिटरमिनेशन इन येलो फेवर मोस्कुइटो एडीज एजिप्टी	32.50 लाख	2017-2022	डीबीटी- रामालिंगास्वामी

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

डीएसटी-फिस्ट (स्तर -1 श्रेणी)	45.0 लाख	2016-2021	डीएसटी, भारत सरकार
डॉ. पवन के. दधीच			
इवेल्युएटिंग बायोप्रोस्पेक्ट्स ऑफ एक्सट्रीम टोलेंट क्यानोबक्टेरिया इन्हाबिट सांभर लेक ऑफ राजस्थान	8.70 लाख	2017-2020	डीएसटी, राजस्थान
डॉ. अरविंद पी. सिंह			
मेमेलियन ब्लैडर इज नॉट स्टेराइल: करक्टेराइजिंग द कैटल (काउ) यूरिनरी मिक्रोबायोम फॉर अंडरस्टैंडिंग इट्स थेरोपेटिक वैल्यू	40.00 लाख	2017-2020	एसईआरबी- डीएसटी
डॉ. अखिल अग्रवाल			
डवलपमेंट एंड डेमोनस्ट्रेशन ऑफ बायोकेमिकल एन्हैंस्ड ऑयल रिकवरी (बीसीईओआर) टेक्नोलॉजी फॉर मार्जिनल ऑयल वेल्स ऑफ वेस्टर्न इंडिया	70.0 लाख कुल) लागत (लाख 148.0	2019-2022	इंप्रिंट2
डवलपमेंट एण्ड स्केलअप ऑफ डेजर्ट सॉइलिफिकेशन टेक्नोलॉजी (डीएसटी) लैंड रिक्लेमेशन इन वेस्टर्न राजस्थान	33.0 लाख	2019-2022	डीएसटी-एसएसटीपी
डवलपमेंट ऑफ़ बायोकैमिकल एनहांस्ड ऑइल रिकवरी टेक्नोलॉजी फॉर नार्थईस्टन ऑइल फ़ील्ड्स ऑफ़ इंडिया	80.0 लाख	2019-2022	डीबीटी-ट्विनिंग
डॉ. निधि पारीक			

एक्सप्लोरेशन ऑफ़ थर्मोस्टेबल चीटनोलिटिक एनजाइम सिस्टम फ्रॉम राजस्थान एरिया एंड इलुसिडेशन ऑफ़ रिएक्शन मैकेनिज्म फॉर प्रॉडकशन ऑफ़ बायोएक्टिव ओलिगोसैकोराइडस	35.0 लाख	2015-2020	डीएसटी-इंस्पायर, भारत
इंटीग्रेटेड बायोकैटालिटिक डिसइंटीग्रेशन ऑफ़ काइटीन रिच बायोवेस्ट फॉर इम्प्रूवड प्रोडक्शन ऑफ़ बायोएक्टिव चिटोलिगोसैचाराइडस ग्लूकोसामाईन एंड एथनॉल	41.6 लाख	2019-2022	डीएसटी-एसईआरबी
डॉ. विजय के. वर्मा			
कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ मेम्ब्रेन/ सेक्रेटरी प्रोटीन्स इन हेलिकोबैक्टर पाइलोरी मिस्ट्री ऑफ़ बैक्टीरियल परसिस्टेंट इन्फेक्शन (ऐन इंटरफेस ऑफ़ होस्ट - पैथोजन इंटरेक्शन)	35.0 लाख	2017-2022	डीएसटी-इंस्पायर
अनरिवेलिंग द मिस्ट्री ऑफ बैक्टेरियल परसिस्टेंस इंफेक्शन: जिनोम-वाइड आइडेंटिफिकेशन एण्ड कैरेक्टेराइजेशन ऑफ टॉक्सिन-एण्टीटॉक्सिन सिस्टम्स ऑफ हैलीकोबेक्टर पायलोरी	47.00 लाख	2021-2024	आईसीएमआर
डॉ. दीक्षा त्रिपाठी			
आइडेंटिफाइंग द रोल ऑफ़ एमआईपी इन एक्टिवेटिंग होस्ट इन्नेट इम्युन रेस्पोंस फॉर डवलपमेंट ऑफ़ न्यू इंटरवेंशन स्ट्रेटेजी टू कॉम्बैट ट्यूबरक्लोसिस	55.0 लाख	2019-2022	डीबीटी बायोकेयर अनुदान

गणित, सांख्यिकी एवं कंप्यूटेशनल विज्ञान विभाग

गणित विभाग

डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी			
मैथमेटिकल मॉडलिंग ऑफ द बायोलॉजिकल कंट्रोल प्रोब्लम्स: नॉन-कैमिकल मैथड इन पॉपुलेशन एण्ड डिजीज कंट्रोल	18.12 लाख	2018-2021	डीएसटी-एसईआरबी
डॉ .विजय कुमार यादव			
फज्जी मॉडलिंग ऑफ टोलेरेंस एण्ड रफ ऑटोमेटा	10.00 लाख	2018-2021	युजीसी

सांख्यिकी विभाग

डॉ. दीपेश भाटी			
जनरेशन ऑफ़ स्टैटिस्टिकल मॉडल्स यूसिंग कोंकेटनेशन	17.97 लाख	2019-2022	डीएसटी-एसईआरबी

भौतिक विज्ञान स्कूल

भौतिक विज्ञान विभाग

प्रो. मनीष देव श्रीमाली			
एक्सपोसिव ऑस्कीलेशन सप्रेशन इन कपल्ड नोंलीनियर ओसीलेटर्स	20.78 लाख	2017-2021	एसईआरबी
मल्टीस्टेबिलिटी एंड हिडन एट्रेक्टर्स इन डायनेमिकल सिस्टम्स	66.32 लाख	2019-2022	डीएसटी
डॉ. अजीत के. पात्रा			
एक्सप्लोरेशन ऑफ स्कायरमायोनिक मेटेरियल्स	45.61 लाख	2023-2020	डीएसटी-एसईआरबी
मैग्नेटिक एंड स्पेक्ट्रल प्रॉपर्टीज ऑफ़ नावेल एमएन बेस्ड हयूस्लेर अलॉयज फॉर मग्नेटोइलेक्ट्रोनिकस एप्लीकेशंस	33.18 लाख	2019-2022	डीएसटी- आरएफबीआर
प्रोबिंग इलेक्ट्रॉनिक स्ट्रक्चर ऑफ़ कोबल्टाइट थिन फिल्म्स	7.04 लाख	2017-2021	यूजीसीडीएइ -
डॉ. सहिनुर रेज़ा			
अनकंवेंशनल सुपरकंडक्टिविटी एण्ड स्पिन-लिक्विड्स इन मैटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स	29.37 लाख	2020-2022	डीएसटी-एसईआरबी
क्वांटम क्रिटीकैलिटी एंड एक्सोटिक मैग्नेटिक स्टेट्स इन स्पिन टेट्रमर कंपाउंड्स	10.00 लाख	2021-22	यूजीसी
डॉयुगंधर बिटला .			
डवलपमेंट ऑफ़ एपीटेक्सियल फेर्रोइलेक्ट्रिक एंड ट्रांसपेरेंट कंडक्टिंग ऑक्साइड्स बेस्ड ऑन वेंडर वाल्स हेटेरोपाइटेक्सी	10.00 लाख	2020-22	यूजीसी
डॉ. नीरज पंवार			
साइज डिपेंडेंट मैग्नेटिक प्रॉपर्टीज ऑफ एम एन डोप्ड रेर अर्थ ऑर्थोक्रोमाइट्स: ए न्यूट्रॉन पॉवर डिफ्रेक्शन स्टडी	7.15 लाख	2018-2020	यूजीसीडीएई - सीएसआर मुंबई
इम्पैक्ट ऑफ आयोन इरेडिऐशन ऑन द एक्स्चंगेस बाएस, मैग्नेटाइजेशन रिवरल स्पाइन रीओरिएंटशन एंड मैग्नेटोक्लोरिक	6.25 लाख	2018-2021	आईयूएसी, नई दिल्ली
एक्सप्लोरिंग द मैग्नेटोक्लोरिक प्रॉपर्टीज ऑफ बल्क सिरेमिक्स, नैनोक्रिस्टलाइन एंड थिन फिलम ऑफ मैंगनीज डोप्ड रेर अर्थ ऑर्थोक्रोमाइट्स	44.26 लाख	2018-2021	डीएसटी,एसईआरबी

समाज विज्ञान स्कूल

लोक नीति, विधि एवं शासन विभाग

डॉ. ज्ञान रंजन पांडा			
लेजिस्लेटिव पॉलिसी- मेकिंग ऑन क्लाइमेट जस्टिस इन	6.00 लाख	2019-2021	आईसीएसएसआर–

इंडिया: द स्टडी ऑफ़ पार्लियामेंट्री बिजनेसेज, प्रैक्टिसेज एंड ओवरसाइटस सिंस थर्टीन लोक सभा			इम्प्रेस

खेल विज्ञान स्कूल

डॉ. हेमंत नायक बी.

इंटर ऑर्गेनेल एसोसिएशन ऑफ़ एंडोप्लास्मिक रेटिकलुम माइटोकांड्रिया एसोसिएशन एंड इट्स रोल इन रेप्लीकेशन स्ट्रेस एंड अदर सेलुलर फिजियोलॉजी एंड पथोफिजियोलॉजी	35.00 लाख	2020-2025	डीएसटी इंस्पायर
द पोटेनशियल रोल ऑफ़ एमआईआर–181–सी इन क्रोनिक ट्रॉमेटिक एंसीफेलोपेथी	10.00 लाख	2020-2022	यूजीसी

डॉ. नेहा सिंह

जीन एक्सप्रेशन स्टडीज ऑफ़ द स्केलेटल मसल रिपेयर पाथवे इंडयूस्ड बाय प्रोसोपिस सिनेरिया	10.00 लाख	2020-2022	यूजीसी

शोध-प्रबंध एवं शोध-निबंध

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र अपनी स्नातकोत्तर और पीएच.डी डिग्री पूरा करने हेतु एक शोध निबंध एवं शोध प्रबंध प्रस्तुत करते हैं। इस अध्याय में पीएच.डी, एम.ए., एम.आर्क., एम.बी.ए., एम.कॉम., एम.एससी. एम.टेक. के छात्रों द्वारा संबंधित पर्यवेक्षकों के मार्गदर्शन में शोध प्रबंध और शोध निबंध की सूची शामिल है। निम्नलिखित सूची में छात्रों के शोध निबंध और शोध प्रबंध के विवरण उपलब्ध हैं:

पीएच.डी. शोध प्रबंध

अभ्यर्थी का नाम	विभाग	शोध पर्यवेक्षक	शोध प्रबंध का शीर्षक	मौखिक परीक्षा की तिथि
मोनालिसा तिवारी (2014PHDBC02)	बॉयो-केमेस्ट्री	डॉ. किरन कुमार तेजावथ	असेसेस्समेंट ऑफ अंटीबाक्टेरियाल एक्टिविटी ऑफ बायोएक्टिव मॉलिक्यूल्स फ्रम मेडीकिनल प्लांट्स एंड सिल्वर नैनोपार्टीकल अगेन्स्ट अकीनेटोबाक्टरबौमाननी	02 जुलाई 2020
अविनाश गोठवाल (2014PHDPHARM02)	फार्मेसी	डॉ. उमेश गुप्ता	डेनड्रीमर मेडियटेड अप्प्रोचेस फॉर द इफेक्टिव ड्रग डेलीवेरी टु ब्रेन	09 जुलाई 2020
कौशिक नागादेव भूयन (2014PHDEN03)	अँग्रेजी	प्रो सुप्रिया अग्रवाल	द पॉलिटिक्स ऑफ एथनोग्राफी एंड ट्रवेल पोएटिक्स इन सलेक्ट मॉडर्न इंडियन ट्रावेलोगुएस	15 जुलाई 2020
सरोज कुमार रंजन (2014PHDMBA03)	प्रबंधन	डॉ. तुलसी गिरी गोस्वामी	साइकोलोजीकल कॉन्ट्रकेट ब्रीज एण्ड वर्कप्लेस आउटकम: रोल एण्ड परसीवड ऑर्गनाजेशनल सपोर्ट	09 जुलाई 2020
सीमा गौतम (2012PHDHINDI02)	हिंदी	प्रो एन. लक्ष्मी अयर	राजस्थान का लोक जीवन: मेवात के विशेष सन्दर्भ में	16 जुलाई 2020
शुभरा दास (2014PHDPH008)	भौतिक	डॉ. अजीत पात्रा	नॉवल हेसुलर बेसड ऐलोयस: सीनथेसिस, फेस स्टेबिलिटी एण्ड मेगनेटिक प्रोपरटिज्	23 जुलाई 2020
सोमन बेरा (2013PHDMT03)	गणित	डॉ. अमित चक्रवर्ती	कोनटैटिव स्टडी आफ ग्लूटमेट डीहाइड्रोजेनस सिस्टम फार नाइट्रोजन मेटाबोलीजम	14 जुलाई 2020
सीमा यादव (2014PHDCH007)	रसायन	डॉ. चन्द्रकान्ता दास	डीजाइनिंग न्यू इलेक्ट्रान रीच मेटल काम्पेलक्स एज केटालीस्ट फार सी-सी एण्ड सी-हैटेरोऐटम बॉण्ड फॉरमिंग रिक्शन्स	22 जुलाई 2020
वेंकटा निखिल राज एम	रसायन	डॉ. अनुज कुमार	सिंथेसिस, कैरक्टराइजेशन, मैगनेटिक	30 जुलाई

(2013PHDCH008)		शर्मा	एण्ड बॉयोलोजिकल स्ट्डीस आफ Fe(II), Fe(III) एण्डCo(II) कॉम्प्लेक्स विथ N2 (बाइडेनटेट), N3 (ट्राइडेनटेट) एण्डn2O2 (टेट्राडेनटेट) लाइगंडस	2020
ज्योतसना वर्मा (2013PHDCS02)	कम्प्यूटर	डॉ. निष्ठा केसवानी	बॉयोजियोग्राफी इस्पाइयर्ड ग्रुप मॉबिलेटी मॉडल फार वायरलैस ऐडहोक नेटवर्कस	05 अगस्त 2020
श्वेता कुमारी (2013PHDPPLG01)	पी पी एल जी	डॉ. एस कान्डास्वामी	लाइवलीहुड सिक्योरिटी एज अ प्रोटेक्शन आफ ह्यूमन राइटस-स्पेशल रेफरेंस टू बिहार रूरल लाइवलीहुड प्रोजेक्ट – अ किरिटिकल एवालियूशन	07 अगस्त 2020
पूजा पहारियॉ (2013PHDMBA04)	प्रबंधन	डॉ. अवंतिका सिंह	स्टेकहोल्डर परसपेक्टिव आफ ऐथिकल लीडरशीप: अ स्टडी आफ हाइर ऐजुकेशन इंस्टिटयूशंस इन राजस्थान	07 अगस्त 2020
सुमन राणा (2014PHDSW04)	सामाजिक	प्रो. जगदीश जाधव	पॉजिटिव यूथ डेवलपमेंट: ऐन एक्सप्लोरेशन एण्ड इंटरवेंशन इन रूरल राजस्थान	10 अगस्त 2020
महेश कुमार मीण (2013PHDCMS02)	संस्कृति और मीडिया अध्ययन	डॉ. नीकोलस लकरा	द डिजिटल ट्रन इन हिंदी फिल्म इण्डस्ट्री: ऐन एनालिसिस आफ विजुअल इफेक्टस	25 अगस्त 2020
रजनीश कुमार कारलुपिया	प्रबंधन	प्रो. एम.आर.पी. सिंह	फैक्टरस अफेक्टिंग कंज्यूमर बॉयिंग बिहेवियर आफ लाइफ इंशोरेंस प्रोडेक्टस: अ स्टडी आफ जम्मू एण्ड कश्मीर	28 अगस्त 2020
अरशद जमाल अंसारी (2015PHDPHARM01)	फार्मेसी	डॉ. देवश एम. सावंत	डेवलपमेंट आफ आइसोक्यिाइंड बेस्ड mcr फार द सिंथेसिस आफ नाइट्रोजन-कनटेनिंग हैटरोसाइकल्स एज पोटेंशल एंटीकैंसर एजेंटस	02 सितम्बर 2020
कुमारी रीना (2014PHDMBA01)	प्रबंधन	प्रो. एम.आर.पी. सिंह	सर्विस क्वालिटी एण्ड कंज्यूमर सेटिसफिक्शन: एन ऐमपिरकल स्टडी आफ बैंकस इन रूरल हरियाण	04 सितम्बर 2020
दीपिका बिस्वास (2014PHDBC01)	जीव रसायन	डॉ. विश्वनाथ तिवारी	स्टडीस आफ डिसइंफेक्टेंटस रोल ऑन ऐसीनेटोबेक्टर बोमन्नी	10 सितम्बर 2020
ओम प्रकाश केशरी (2014PHDMT05)	गणित	डॉ. आंनद कुमार	अ स्टडी आफ इन्सटेबिलिटी इन मैगनेटोहाइड्रौडायनेमिकस	10 सितम्बर 2020

नीरमल तिवारी (2015PHDSTA02)	सांख्यिकी	डॉ. संजय कुमार	ऐसटीमेशन आफ पोपुलेशन मोड यूजिंग आक्सिलरी इंफोरमेशन	14 सितम्बर 2020
रानी सोनी (2013PHDBT03)	जैव प्रौद्योगिकी	डॉ. तरूण कुमार भट्	सेक्रेटोरी प्रोटीनस् आफ मलेरिया पेरासाइट: पोटेनशल ड्रग एण्ड वैक्सीन टारगेटस	24 सितम्बर 2020
अशोक कुमार (2015PHDSTA01)	सांख्यिकी	डॉ. जितेन्द्र कुमार	टाइम सीरीज मॉडल विथ कोवाराइट: अ बयीसन अप्रोच	28 सितम्बर 2020
राजबाला (2014PHDMT06)	गणित	प्रो. जुगल किशोर प्रजापत	इन्वेशटीगेशन आफ सरटेन ऐनालिटिक एण्ड हारमोनिक यूनिवेलेंट मेपिंग एण्ड ऐपलिकेंशनस् टू फ्रेक्शनल कैल्कूलस	29 सितम्बर 2020
अशोक कुमार (2014PHDHINDI02)	हिंदी	डॉ. संदीप वी. रणभीरकर	केदारनाथ सिंह का काव्य:एक अनुशीलन	12 अक्टूबर 2020
रणजीत कुमार (2014PHDEC06)	अर्थशास्त्र	डॉ. मोतीलाल माहामलिक	फूड प्रोसेसिंग इण्डस्ट्री अण्डर गिलोबालाइजड ट्रेड रिजाइम इन इण्डिया: अ स्टडी आफ बिहार	26 अक्टूबर 2020
घनश्याम प्रजापत (2014PHDMB02)	सूक्ष्मजीव	डॉ. अखिल अग्रवाल	एवालियूशन आफ सोरिंग कंट्रोल स्ट्रैटिजिस इन सेंडपेक्ड बायोरिक्टर्स सिमूलेटिंग ऑयल फिल्डस आफ राजस्थान, इण्डिया	23 अक्टूबर 2020
सचचिदानंद प्रसाद (2015PHDPPLG03)	पी.पी.एल.जी	प्रो. एस.एन. अम्बेडकर	डीसेन्ट्रालाइजेशन एट द ग्रासरूटस: अ स्टडी आफ पंचायतस ऐक्टेंशन टू स्डूयूल्ड एरिया आफ झारखण्ड	02 नवम्बर 2020
सुरभि जैन (2014PHDCH008)	रसायन	डॉ. अनुज कुमार शर्मा	बायो-ऐफिनिटी एण्ड मोलेक्यूर इंटरक्शन आफ नोवेल इन्जिनियरड कॉपर काम्प्लेक्स	02 नवम्बर 2020
थोताकुरा नागारानी (2015PHDPHARM04)	फार्मेसी	प्रो. विपिन कुमार	फंक्शनालाइजड कॉर्बन नैनोकरियरस फार ड्रगस डिलीवरी टू ब्रेन एण्ड कैंसर सेलस	02 नवम्बर 2020
इलियास खान (2015PHDPHARM03)	फार्मेसी	डॉ. उमेश गुप्ता	डिजाइन एण्ड सिंथेसिस आफ नैना-पोलीमेरिक डिलीवरी आफ बायो-ऐक्टिवस फार द ऐफिक्टिव मैनजमेंट आफ ब्रेस्ट कैंसर	10नवम्बर 2020
रविकृष्ण दादा (2015PHDCH05)	रसायन	डॉ. सीरिनिवासाराव यारागोरला	कैलिशियम (II) कैटालाइजड सिंथेटिक ऐप्रोचेस टूवाडर्स प्रिवीलीजड हैट्रोसाइकलस एण्ड टोटल सिंथेसिस ऑ फोमोनोल	03दिसम्बर 2020
मुबअशीर रशीद रेथर	गणित	डॉ. अमित	मैथेमेटिकल एण्ड कम्प्यूटेशनल	30दिसम्बर

(2014PHDMT04)		चक्रवर्ती	मॉडलिंग आफ बायोकेमिकल स्वीचस इन प्लांट न्यूट्राइन्ट अपटेक	2020
गंगदा सुनील (2014PHDCH003)	रसायन	डॉ. परथा रॉय	कॉस्ट ऐफिक्टिव मेटल एण्ड मेटल – फ्री डाइस फार सोलन एनर्जी हारवेसटिंग	10दिसम्बर 2020
सुमित कुमार (2016PHDSTA01)	सांख्यिकी	डॉ. महेन्द्र साहा	सम प्रोब्लमस आन प्रोसेस कैपाबिलिटी स्टडीस: स्टैटिसटिकल इंफरेंस एण्ड ऐप्लीकेंशनस	11दिसम्बर 2020
कृतिका शर्मा (2013PHDES02)	पर्यावरण	डॉ. गरिमा कौशिक	एसेसमेंट्स एण्ड माइक्रोबाइल डीग्रेडेशन आफ फार्मास्यूटिकल कम्पाउन्डस इन इण्डिस्ट्रीयल वेस्ट	14दिसम्बर 2020
विध्यालक्ष्मी (2013PHDES05)	पर्यावरण विज्ञान	डॉ. गरिमा कौशिक	बायोरेमेडीएशन आफ Cr (VI) फ्राम टेन्नरी एफ्लूंट यूजिंग हलोटोलरेंट माइक्रोएलेग (dunaliella salina)	14दिसम्बर 2020
अमित सिंह (2013PHDCS01)	कम्प्यूटर विज्ञान	डॉ. ए. नागाराजू	एन इंटेलिजेंट नेटवर्क कोडिंग इन वायरलैस नेटवर्कस	15दिसम्बर 2020
गीता आर्य (2013PHDBT002)	जैव प्रौद्योगिकी	डॉ. सुरेन्द्र निमेश	नैनोपार्टिकल एसिसटेड ऐंटीबेक्टीरीयल ऐप्लीकेंशनस एण्ड डिलीवरी आफ न्यूक्लिक एसिड फार जेन थैरपी	28दिसम्बर 2020
सुमन राठौड (2014PHDEN07)	अंग्रेजी	प्रो. सुप्रिया अग्रवाल	सोशियो-कल्चरल स्टडी आफ चिल्ड्रन विथ डिसऐबीलिटी एण्ड थेराप्यूटिक मैजरस इन सलैक्ट कनटेंपरी इण्डियन फिक्शन	18जनवरी 2021
उषा जैन (2014PHDCSE03)	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	डॉ. मुजम्मिल हुसैन	सिम्पल एण्ड सिक्योर ओथेंटिकेशन मैकनिजमस इन वायरलैस सैंसर नेटवर्कस	01फरवरी 2021
कविता मीणा (2013PHDHINDI03) ,	हिंदी	डॉ. ममता खाण्डल	सुरेश गौतम की समीक्षा सृष्टि एवं दृष्टि (बाल साहित्य के विशेष सन्दर्भ में)	28जनवरी 2021
गिरीश कुमार (2015PHDHINDI03)	हिंदी	डॉ. ममता खाण्डल	21 वीं सदी के हिंदी महिला उपन्यास लेखन में चित्रित संवेदना (समय सीमा2010-2015)	29जनवरी 2021
शाहनवाज अहमद (2013PHDSW02)	सामाजिक विज्ञान	डॉ. अतिक अहमद	इफेक्टिवनैस आफ साइको-सोशल इंटरवेंशन आन एल्कोहॉल एण्ड टाबेको एक्सपेक्टेंसी अमोंग एडोलेसेंट: अ रेंडमाइजड कंट्रोलड ट्रायल	03फरवरी 2021

सोफिया शेख (2014PHDCS04)	कंप्यूटर विज्ञान	डॉ. ए. नागाराजू	ऐफिशिंएन्ट रिसोर्स यूटिलाइजेशनएण्ड लोड बैलेसिंग आन कम्पयूटेंशनल ग्रिड	08फरवरी 2021
अनुजा मिश्रा (2015PHDPPLG02)	पी.पी.एल.जी.	डॉ. एस. कान्डास्वामी	राइट टू सेफ ड्रिकिंग वाटर एज अ हयूमन राइट – अ क्रिटिकल लीगल ऐनालिसिस विथ स्पेशल रेफरेंस टू स्टेट आफ राजस्थान	22मार्च 2021
अनिता गोस्वामी (2013PHDEN01)	अंग्रेजी	प्रो. सुप्रिया अग्रवाल	रिकंस्ट्रक्टिंग इकोफेमीनाइन आइडेन्टिटी: अ कम्पेरिटव स्टडी आफ सलैक्ट वर्कस आफ माहासवेता देवी एण्ड इंदिरा गोस्वामी	25मार्च 2021
शैफाली कुमावत (2013PHDEC001)	अर्थशास्त्र	डॉ. मोहनकुमार एस..	स्ट्रक्चरल चैंजेस इन मिल्क प्रोडक्शन सेक्टर अण्डर इकोनोमिक लिबरलाइजेशन इन इण्डिया: ऐनालिसिस आफ मिल्क प्रोडक्शन सेक्अर इन राजस्थान	26मार्च 2021
कोमल अग्रवाल (2014PHDMB04)	सूक्ष्मजीव विज्ञान	प्रो.प्रदीप वर्मा	प्रोडक्शन, केरेक्टराइजेशन एण्ड ऐप्लीकेंशनस आफ लेककेसस फ्राम फंगल स्ट्रेंस आफ राजस्थान, इण्डिया	06अप्रैल 2021
शैलेन्द्र कुमार जैन (2014PHDCS03)	कंप्यूटर विज्ञान	डॉ. निष्ठा केसवानी	डिजाइन आफ अ प्राइवेसी – प्रीजरविंग मॉडल फार इंटरनेट आफ थिंगस	09अप्रैल 2021
शिवा दीक्षित (2015PHDPH05)	भौतिक विज्ञान	प्रो. मनीष देव श्रीमाली	डाइनामिक्स आफ नानलियनर सिस्टम विथ काम्पिटिटीव एण्ड नानलियनर इंटरक्शन	04मई 2021
हर्ष त्रिपाठी (2017PHDSTA01)	सांख्यिकी	डॉ. महेन्द्र साहा	सम प्रोब्लमस आन सेम्पलिंग इंसपेक्शन प्लान: स्टैटिसटिकल इंटरफ्रेंस एण्ड ऐप्लीकेंशनस	11जून 2021
लोकेश कौशिक (2014PHDPHARM05)	फार्मेसी	डॉ. केसर रजा	सिंथेसिस आफ डोसेटेक्सल पालमीटेट, एण्ड फारमूलेशन, केरेक्टराइजेशन एण्ड इवेल्यूशन आफ नैनोकोलोडियल कैरियरस फार इफेक्टिव डिलीवरी टू द ब्रेस्ट कैंसर सेलस	16जून 2021
विकास (2017PHDPH04)	भौतिक विज्ञान	डॉ. रजनीश कुमार वर्मा	ऐप्लीकेंशनस आफ लो डाइमेंशन मेटेरियलस इन सरफेस प्लासमोन / लोसी मोड रिजोनेंस बेस्ड फाइबर ऑप्टिक सेंसरस	18जून 2021

अनुज कुमार तौमर (2014PHDMB01)	सूक्ष्मजीव विज्ञान	प्रो. पवन कुमार दाधीच	बायोप्रोसपेक्टिंगआफ साइनोबैक्टीरीया थ्रीविंग इन सेमी-ऐरिड रिजनस आफ राजस्थान, इण्डिया	24जून 2021
विकास सिंह (2015PHDBT03)	जैव प्रौद्योगिकी	डॉ. सुमन तापरयाल	डेवलपमेंट एण्ड ऐनालिसिस आफ ग्लाइकोप्रोटीन-इम्युनोग्लोबुलिन कैमेरिक सबयूनिट वैक्सीन कैंडीडेट अगेंस्ट हरपस सिम्पेल्क्स वायरस 2 एण्ड1	29जून 2021
नैनसी (2015PHDPH02)	भौतिक विज्ञान	डॉ. अजीत पात्रा	Fe and Co बेस्ड पेरोव्स्काइट्स: स्ट्रक्चरल, इलैक्ट्रिकल, मैग्नेटिक एण्ड स्पेक्ट्रोस्कोपिक स्टडीस	30जून 2021

(आर.एस.-अुनसंधान पर्यवेक्षक,जे.एस – संयुक्त पर्यवेक्षक)

शोध निबंध

वास्तुकला विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम	डिज़ाइन थीसिस	पर्यवेक्षक का नाम
अक्षय गुप्ता	काम्पेरेटिव एनालिियसस आफ डेलाइट काम्पालइन्स मैथड्स आफ ग्रीन बिल्डिंग कोड्स	आ. सुनील शर्मा	इको-रिसोर्ट एट चनडुबी लेक, असम	आ. विधु बंसल
अमन कुमार	रिसाइलेंस ऐनालियसस आफ सेन्ट्रालाइजड एण्ड डिसेन्ट्रालाइजड वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट सिस्टम इन केस आफ हिली टररेन	आ. रितु बी. रॉय एण्ड आ. सन्नी बंसल	इण्डियन इंस्टिटयूट इनर्फोमेशन टेकनोलोजी, पुणे	प्रो. नीरज गुप्ता
अर्शा गिट्टी जॉर्ज	इफेक्ट आफ इन्सट्रकशनल स्पेस डिजाइन आन स्टूडेन्टस परर्फोमेंस – कैस आफ राजस्थान एण्ड केरल	प्रो. नीरज गुप्ता एण्ड आ. विधु बंसल	बायो 360 लाइफ सांइस पार्क,तिरुवनंतपुरम	आ. रितु बी. रॉय
दीक्षा भारती	इम्पैक्ट आफ इन्डोर प्लांटस इन एयर कंडीशन्ड ऑफिस स्पेस: अेन असेस्समेंट आफ यूजरस परसेपशन	प्रो. नीरज गुप्ता एण्ड आ. विधु बंसल	अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल युनिवर्सिटी,लखनऊ	प्रो. नीरज गुप्ता
गरिमा अग्रवाल	ऐनालाइजिंग पार्कस आफ लखनऊ बेस्ड ऑन फक्शनलटी एण्ड ऐस्थटिक	आ. रितु बी. रॉय एण्ड आ. सन्नी बंसल	अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली	प्रो. नीरज गुप्ता
मतसुशिता शर्मा	सॉलिड वेस्ट मैनजमेंट इन टयूरिस्ट टाउनस आफ राजस्थान	प्रो. नीरज गुप्ता एण्ड आ. सन्नी बंसल	इनफोसिस कैम्पस, नागपुर	प्रो. नीरज गुप्ता आ. सन्नी बंसल
पूजा अरोडा	स्ट्रेटजिस फार रिडेवलवपमेंट आफ हिसटोरिक सेरेमोनिल ऐक्सि, महल, नागपुर	आ. रितु बी. रॉय आ. विधु बंसल	इण्डियन इंस्टिटयूट आफ मैनजमेंट कैम्पस, नागपुर	प्रो. नीरज गुप्ता
प्रवीण रोहिला	फ्रेमवर्क फार सोशल एण्ड कल्चरल ऐसपेक्टस इन इण्डियन ग्रीन बिल्डिंग रेटिंग सिस्टमस	प्रो. नीरज गुप्ता एण्ड आ. सन्नी बंसल	लैक व्यू ऑफिस काम्पैल्कस, त्रिलोकपुरी, नई दिल्ली	प्रो. नीरज गुप्ता एण्ड आ. सन्नी बंसल
सरनया दिवाकरन पीसी	फल्ड रिसाइलेंट सस्टेंनबल बिल्डिग कन्सट्रकशन एण्ड एडबशन आफ सिकिंग आइसलेंड (म्योरो आइसलेंड) इन केरला	आ. रितु बी. रॉय एण्ड आ. विधु बंसल	इन्टरनेशनल रिसर्च इंस्टिटयूटआफ आयुर्वेद, कन्नूर	आ. रितु बी. रॉय
शैफाली राशि	द इम्पोरटेंस आफ फारमल एण्ड	प्रो. नीरज गुप्ता	इनफोरमेशन	आ. सन्नी बंसल

	इनफारमल ऑपन पब्लिक स्पेस्स इन ऐजुकेशनल कैम्पस फार सोशल कनेक्टिविटी	एण्ड आ. सन्नी बंसल	टेक्नोलॉजी पार्क, मोहन नागपुर महाराष्ट्रा	
सिल्वी झंगरा	रिवाइवल आफ ट्रेडीशनल वाटर हारवेस्टिंग सिस्टमस: स्टडी आफ स्टेपवेलस्	आ. रितु बी. रॉय एण्ड विधु बंसल	हैरिट्ज इको-रिसोर्ट, आर्करोल, जयपुर	आ. विधु बंसल
तुशार कोलेह	ग्लासेस एफेक्टिंग एनर्जी कनजमशन आफ एन आफिस बिल्डिंग इन काम्पोजाइट क्लाइमेट आफ जयपुर, राजस्थान	आ. सुनील शर्मा	अर्फोडेबल हाउसिंग, मुंबई	आ. रितु बी. रॉय

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
आशना वर्मा	हाइड्रोलोजिकल मॉडलिंग फार बनास रिवर बसीन यूजिंग HEC-HMS	डॉ. देवेश शर्मा
अनीश कुमार	सिमूलेशन आफ लाइटिनिंग इवेंट यूजिंग एन ऐनसेम्बल आफ WRF मॉडल् कान्फिगेरशन	प्रो. सोमेश्वर दास
अथीरा	सिमूलेशन आफ रेनफॉल इवेंट्स ऑवर बनास बसीन, राजस्थान यूजिंग WRF मॉडल्	डॉ. देवेश शर्मा
अवनी त्रिवेदी	डेसीफेरिंग लॉकडाउन इम्पेक्ट ऑन ऐटमोसफेरिक ओजोन कैमेस्ट्री यूजिंग बॉक्स मॉडल	डॉ. चिन्मय मलिक
बिभूतिमाया गादाई	इन्टरप्रिटिंग द कोविड इफेक्ट ऑन ऐटमोसफेरिक SO_2 & CO ऑवर द इण्डियन रिजन ड्यरिंग लॉकडाउन-2020	डॉ. चिन्मय मलिक
गितेश वासन	न्यूमेरिकल सिमूलेशन आफ किल्यर ऐयर टरबुलेंस (कैट) फार ऐलीवाऐशन आफ ऐवीऐशन ऐक्सीडेंटस यूजिंग वैदर रिसर्च फॉरकास्टिंग (डब्लयू.आर.एफ.) मॉडल	प्रो. सोमेश्वर दास
हरिताश्री एस.	न्यूमेरिकल सिमूलेशन एण्ड सेंसीटीविटी ऐनालाइसिस आफ माइक्रोफिजीक्स् एण्ड कुमुलस पैरामीटिराइजेशन स्कीमस् आफ क्लाउडबर्स्ट आवर उत्तराखण्ड यूजिंग डब्लयू.आर.एफ मॉडलिंग सिस्टम्	डॉ. सुब्रत कुमार पाण्डा
नाजमीन बानो	रिवीजिटिंग इण्डियन आश्यन डिपोल यूजिंग 70 इयरस् डेटा	डॉ. जयन्ती पॉल
राहुल कान्त यादव	रिलेशन बिटवीन PM एण्ड O_3 ऑवर डिफरेंट अरबन ऐनवायरमेंटल रिजाइमस् इन इण्डिया	डॉ. चिन्मय मलिक
सयोनी सरकार	स्टडी आफ लैंड औशीयन थरमल कॉन्ट्रास्ट ऑवर द इण्डियन औशीयन रिजन फार अ रिजन आफ 70 इयरस्	डॉ. जयन्ती पॉल

	(1950-2019)	
शिभम साहू	रोल आफ मोइशचर ट्रॉसपोर्ट एण्ड बाउंड्री लेयर प्रोसेस: सिमूलेशन आफ ट्रापीकल साइक्लोन झापला यूजिंग द डब्लयू.आर.एफ मॉडलिंग सिस्टम्	डॉ. सुब्रत कुमार पाण्डा
श्वेता पलित	ऐसीमिलेशन आफ सैटेलाइट रेडीऐंस एण्ड आरओ डेटा इन ऐन NWP मॉडल एण्ड दीयर इम्पैक्ट ऑन द सिमूलेश्न आफ लाइटिंनिग एण्ड CAT इवेंटस	प्रो. सोमेश्वर दास

एम. एस. सी. शोध प्रबंध (मौसम विज्ञान के छात्र, ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश)

अभ्यर्थी का नाम	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
जन्नतुल फिरदौस	अ स्टडी आफन थन्डरस्टॉर्म फॉरकास्टिंग बेस्ड आन ऐटमोसफेरिक इनस्टेबीलिटी इंडीसिस ऑवर बांग्लादेश यूजिंग WRF-ARW मॉडल	डॉ. सुब्रत कुमार पाण्डा एण्ड प्रो. सोमेश्वर दास
मो. अशरफुल इस्लाम	मॉडलिंग आफ लाइटिनिंग इवेंटस् यूजिंग वैदर रिसर्च एण्ड फॉरकास्टिंग मॉडल (WRF) डेरिवड माइक्रोफिजीकल पैरामीटरस्	डॉ. सुब्रत कुमार पाण्डा एण्ड प्रो. सोमेश्वर दास
रिजोना रितु	स्टडी आफ रेनफॉल इनडयूसड लैंडस्लाइड इन बांग्लादेश	डॉ. सुब्रत कुमार पाण्डा एण्ड प्रो. सोमेश्वर दास
सरिया मेहरीन	सिमूलेशन आफ रेडिएशेन फॉग इवेंट बॉय WRF मॉडल एण्ड वैलीडेशन विथ मैटार एण्ड रेडियोसॉण्ड डेटा	डॉ. सुब्रत कुमार पाण्डा एण्ड प्रो. सोमेश्वर दास
ज़रीन सबा	इम्पैक्टस् आफ रेडिऐन्स डेटा ऐसीमिलेशन आन द सिमूलेश्न आफ ऐक्सट्रीम हैलस्ट्रार्म इवेंट ऑवर बांग्लोदश यूजिग WRF मॉडल	डॉ. सुब्रत कुमार पाण्डा एण्ड प्रो. सोमेश्वर दास

जैव रसायन विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
आकाश चौधरी	वर्चुअल स्क्रीनिंग आफ इनहिबिटर अंगेस्ट रिलेक्सस् एण्ड रेका आफ ऐसीनेटोबेक्टर बाउमन्नी	डॉ. विश्वनाथ तिवारी
अक्षय पीएस	एनीगमा आफ AMPK सबयूनिट एक्सप्रेशन इन कैंसर	डॉ. भावना बिस्सा
अनीशा अजमेरा	सीड डिटरायरेशन इन चिकपी (Cicer Arietinum L.) डयूरिंग सीड ऐजिंग	डॉ. दीपक गयन
अरूणा कुमारी	आइडेंटिफिकेशन आफ मोलेक्यूलर टारगेटस आफ ऐंटीमाइक्रोबाइल पेपटाइटस अगेंस्ट एसिनेटोबैक्टर बाउमानी	डॉ. विश्वनाथ तिवारी

अतुल कुमार	सिनेरजिस्टिक क्योटोटॉक्सीक पॉटेंसी आफ जैमसाइटाबाइन लोडेड डॉक्सीक्लाइन कॉटेड गोल्ड नैनोफॉरमूलेंशन अगेंस्ट पैनक्रेटिक डक्टल एडेनोकारसीनोमा	डॉ. किरण कुमार तेजावथ
अतुल कुमार	सिनेरजिस्टिक क्योटोटॉक्सीक पॉटेंसी आफ जैमसाइटाबाइन लोडेड डॉक्सीक्लाइन कॉटेड गोल्ड नैनोफॉरमूलेंशन अगेंस्ट पैनक्रेटिक डक्टल एडेनोकारसीनोमा	डॉ. किरण कुमार तेजावथ
दरशना जैन दर्शाना जैन	जैनोम-वाइड ऐनालिसिस आफ हिसटन डिसेटालाइज इन विग्ना	प्रो. संजीब कुमार पाण्डा
दीपक जागिड	क्लानिंग आफ ऐसटरस जैन फ्राम अ हलोफिलिक बैक्टीरियम सलिपलुडीबैसिलस	डॉ.शिव स्वरूप
दिपीका	ऐनालिसिस आफ हलोफिलिक बिटा गैलेक्टोसिडेज़ एंजाइम एण्ड इट्स जैन क्लानिंग	डॉ.शिव स्वरूप
हेंमत कुमार	अणडरस्टैण्डिंग रोल आफ ATG8 इन टयूमरोजेनिस	डॉ. भावना बिस्सा
करिश्मा रावत	फाइंडिंग द रेशनेबल बिहान्ड लो म्यूटेशन रेट इन हाउसकीपिंग जैनस	प्रो. चन्दी सी. मण्डल
कार्तिकेय शर्मा	इनवेस्टिंग द ऐंटी-हाइपरगिलेकेमिक प्रापर्टी आफ बेलानाइटस ऐगियापेटिका डेल यूजिंग अल्फा-ग्लूकोसाइड एण्ड अल्फा-ऐमलेस इनहीबिटरी ऐसे	डॉ. किरण कुमार तेजावथ
कार्तिकेय शर्मा	इनवेस्टिंग द ऐंटी-हाइपरगिलेकेमिक प्रापर्टी आफ बेलानाइटस ऐगियापेटिका डेल यूजिंग अल्फा-ग्लूकोसाइड एण्ड अल्फा-ऐमलेस इनहीबिटरी ऐसे	डॉ. किरण कुमार तेजावथ
किरण गुर्जर	डिजाइनिंग आफ अ मल्टीटास्किंग बाइस्पेसफिक एंटीबॉडी अगेंस्ट Sars-Cov-2 स्पाइक ग्लायकोप्रोटीन एण्ड एंट्री रिसेपेटरस Ace-2 एण्डDpp4	डॉ. विजय कुमार प्रजापति
कोमल अग्रवाल	आइडेंटिफिकेश्न आफ पेपटाइडस इनहेबीटैटरस फार प्लाजमेपसीन प्रोटीज आफ प्लासमोडियम फालसीपेरम बाय यूजिंग प्रोटीन-पेपटाइड मॉलेक्यूर डॉकिंग टूल	डॉ. धनेश्वर प्रिस्टी
कुणाल गुप्ता	सिक्वेंस ऐनासिस एण्ड क्लानिंग आफ द पाली-गामा-ग्लूटेमिक ऐसिड जैन	डॉ.शिव स्वरूप
कुणाल गुप्ता	एक्सप्लोरेशन आफ नोवल ड्रगस अगेंस्ट dhfr & dhps जैनस आफ पी. फेलसीपेरम थ्रू मॉलेक्यूर डॉकिंग स्टडीस	डॉ. धनेश्वर प्रिस्टी
मुदरिका खिरिया	इन सीलीको एण्ड इन विट्रो आफ फेरूला ऐसाफोटिडा फयूटो-एर्क्टक्ट अगेंस्ट पेनक्रटिक कैंसर	डॉ. किरण कुमार तेजावथ
मुदरिका खिरिया	इन सीलीको एण्ड इन विट्रो आफ फेरूला ऐसाफोटिडा फयूटो-	डॉ. किरण कुमार

	एक्स्ट्रैक्ट अगेंस्ट पेनक्रटिक कैंसर	तेजावथ
निधी बंसल	हाइ थ्रोपूट वर्चुल स्क्रीनिंग एण्ड बाइडिंग एनर्जी ऐनासिस टू डेवलप अ सिंगल टारगेट ड्रग अगेंस्ट स्पाइक प्रोटीन आफ B.1.1.7 लिनेजआफSARS-CoV-2	डॉ. विजय कुमार प्रजापति
निखलेश चौहान	जैनोम-वाइड ऐनालिसिस आफ HVA22 जैन इन राइस	प्रो. संजीब कुमार पाण्डा
प्रशांत पुरी	पोस्ट-ट्रांसलेशन मोडिफिकेशन इन राइस ड्यूरिंग ड्रोट स्ट्रस	डॉ. दीपक गयन
प्रतिमा झंवर	डिजाइनिंग आफ बैक्टीरियोफेज टेल फाइबर बेस्ड पेपटाइड थेरापेटिकस अगेंस्ट ऐसीनोबेक्टर बाममनी	डॉ. विश्वनाथ तिवारी
राजश्री मेघवाल	इन सिलीको डिजाइनिंग आफ पेपटाइड-ड्रग कंजूगेटस फार डेवलेपमेंट आफ इफेक्टिव थेरिपी फार ट्रीटिंग काम्पलीकेट्ड मलेरिया	डॉ. धनेश्वर प्रिस्टी
रविन्द्र कुमार बैरवा	कॉड्रीनेशन बिटवीन ऑटोफागी पाथवे एण्ड ऐक्सोसमस सिक्रेशन	डॉ. भावना बिस्सा
सीमा कुलदीप	आइडेंटिफिकेशन आफ जैन सिगनेचर आफ कोलेस्ट्रोल मेटाबोलिजम एण्ड रेगुलेशन फार डायग्नोसिस एण्ड प्रिडिक्टिव बायोमेकर इन कैंसर	प्रो. चन्दी सी. मण्डल
सौम्या रंजन साहू	रेगुलेशन आफ प्रोटीज अण्डर ड्रोट स्ट्रेस इन चिकपी (Cicer arietinum L.)	डॉ. दीपक गयन
तडी सांई रत्नाकर	इन-सीलिको रिडिजाइनिंग आफ सारीलूमाब इंटरफेस रेसीडयूस टू ऐनहेंस IL-6R बाइडिंग एण्ड डामिनिश द IL-6 साइटोटोक्सिक इफेक्टस आफ COVID-19 इंडयूसड साइटोकाइन रिलीज स्न्ड्रोम	डॉ. विजय कुमार प्रजापति
वैष्णवी त्रिपाठी	मंथ-वाइज स्टडी आन द इफेक्ट आफ डिफरेंट एन्वायरमेंटल फेक्टरस आन SARS-CoV-2 इंफेक्टिवीटी: एन एननूअल ऐनालिसिस	प्रो. चन्दी सी. मण्डल

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अंकिता यादव	सिल्वर नैनोपार्टिकल बायोसिनथेसिस यूजिंग टरमिनालिया बैलरिका लिवस एक्स्ट्रक्ट एण्ड जरमिनेशन एण्ड ग्रोथ आफ सोलानम लायकोपेरिसकम प्लांट	डॉ. सुरेन्द्र निमेश
बुद्धि प्रकाश	ऐस्ससमेंट आफ न्यूली सिनथेसासइड इमायीडाजोल डेरीवेटीवस एंटीमाइक्रोबाइल एण्ड एंटीबायोफिल्म प्रोपर्टी अगेंस्ट इ. कोली एण्ड बी. सबटीलस	डॉ. जन्मेजय पाण्डे

दकक्षिता खजुरिया	ऐक्ससिंग मल्टीड्रग रेजीसटेंस आफ पाथोजेनस डयू टू बायोफिल्म एण्ड ऐक्ससिंग द इफेक्ट आफ एंटीबायोफिल्म ड्रग आन मॉडल आग्रनिज्मस	डॉ. जन्मेजय पाण्डे
दीक्षा श्रीवास्तव	आइडेंटीफिकेशन आफ नावेल टारगेट फार थेराप्यूटिक ऐप्रोच अगेंस्ट हेपाटोसेलूलर कारकीनोमा – यूजिंग नेक्सट – जनरेशन स्क्विनसिंग	डॉ. तरूण कुमार भट्ट
गरिमा यादव	आइडेंटीफिकेशन एण्ड एक्सपिरेशन प्रोफाइलिंग आफ सूमो जैनस इन द रेड फलार बिटल, ट्रीबोलियम कैस्टान्यूम	डॉ. जयेन्द्र नाथ शुक्ला
हर्ष वर्धन सिंह	आइडेंटीफिकेशन आफ सूमो प्रोटीज इन कीकर ऐरीटीनम एण्ड रिकोम्बीनेंट ऐक्सपिरेशन आफ अ पूटेटिव चिकपी सूमो प्रोटीज CaOTS1	डॉ. विवेक वर्मा
हर्षिता अग्रवाल	ऐस्ससमेंट आफ द इफेक्ट आफ एग्रीगेटेट फारमस आफ एंटीमाइक्रोबाइल प्रोटीन लाइसोजाइम आन बायोफिल्म फॉरमेशन बाय बासीलूस सबटिलस एण्ड ऐसकेरिसिया कोली	डॉ. जन्मेजय पाण्डे
लैसी लवलीन	बायोसिंथेसिस आफ सिल्वर नैनोपार्टिकलस यूजिंग टरमिनालिया बेलीरिका बारक एक्सट्रेक्ट एण्ड इट्स इम्पेक्ट आन ग्रोथ आफ सिसर ऐरीटीनम प्लांट	डॉ. सुरेन्द्र निमेश
मेघा गुप्ता	टू इंवेस्टिगेशन द डिफरेंट जैन एक्सपिरेशन प्रोफाइल एण्ड आइडेंटीफिकेशन आफ नावेल ड्रग टारगेट अगेंस्ट द डीजिज क्यूटानियोस सिक्वामोस सेल कारकीनोमा यूजिंग आरएनए सीक् डेटा	डॉ. तरूण कुमार भट्ट
नीलम	आइसोलेशन एण्ड कैरक्टाराइजेशन आफ प्रोटीन एग्रीगेटरस इन सोया चंकस	डॉ. जय कान्त यादव
नीरज कुमार सिंह	आइडेंटीफिकेशन आफ वेरियंटस इन द जैनोम स्क्वेंस आफ हेड एण्ड नेक स्क्विामोस सेल कारकीनोमा (HNSCC) फार द आइडेंटीफिकेशन आफ नावेल टारगेट फार द थेरोपेटिक एप्रोच	डॉ. तरूण कुमार भट्ट
रजनी चौधरी	इन सिलीको ऐनालिलिस आफ वरीसेला जोस्टर वाइरस प्रोटेमो टू आइडेन्टिटी इट्स एग्रीगेशन प्रोन प्रोटीन एण्ड डेरिवड पेपटाइडस	डॉ. सुमन तापरयल
रक्षा सोलंकी	इन सिलीको ऐनालिलिस आफ सूमो मशीनरी काम्पोनेंटस आफ सिसर ऐरीटीनम एण्ड रिकाम्बीनेंट ऐक्सपिरेशन आफ अ पूटेटिव चीकपी E1 CaSAE1b	डॉ. विवेक वर्मा
रक्षमिता रनोत	सेक्स एण्ड स्टेज-स्पेसीफिक प्रोफाइलिंग आफ जैनस इन द रेड फलॉर बिटल, ट्रीबोलियम केस्टान्यूम	डॉ. जयेन्द्र नाथ शुक्ला
शिवानी शर्मा	इन सिलीको ऐनालिलिस आफ ह्यूमन हरपेसवाइरस-7 प्रोटेमो	डॉ. सुमन तापरयल

	टू आइडेन्टिटी इट्स एग्रीगेशन प्रोन प्रोटीनस एण्ड डेरिवड पेपटाइडस	
श्रेया बंगरवा	इफेक्ट आफ हिट ट्रीटमेंट आन द प्रोटीन एग्रीगेटस आफ सोय नगगेट्स	डॉ. जय कान्त यादव
श्रीकान्त बोहरा	ग्रीन सिंनथेसिस एण्ड एंटीबेक्टियरल पोटेंशियल आफ सिल्वर नैनोपार्टिकलस सिंथेसाजाइड यूजिंग टरमिनालिया बेलीरिका बार्क एक्स्ट्रेक्ट	डॉ. सुरेन्द्र निमेश
सुभाष हिला	इन सिलीको ऐनालिलिस आफ हर्पस वाइरस-6अ (HHV-6A) प्रोटेमो टू आइडेन्टिफाइ इट्स एग्रीगेशन प्रोन प्रोटीनस एण्ड डेरिवड पेपटाइडस	डॉ. सुमन तापरयल
सुंदरम शिल्पी	आइडेंटीफिकेशन आफ सेक्स-स्पेसिफिकली ऐक्सप्रेस्ड जैनस इन द रेड फलार बिटल ट्रीबोलियम केस्टान्यूम	डॉ. जयेन्द्र नाथ शुक्ला
तमन्ना यादव	स्टडिंग द इफेक्ट आफ प्रोटेओलेटिक एंजाइमस आन प्रोटीन एग्रीगेट्स इन सोया चंकस	डॉ. जय कान्त यादव

रसायन विज्ञान विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अभिषेक शा	रेजियोसलेक्टिव-इंटरमोलेक्यूर C-H बॉड ऐमिनेशन आफ हेट्रोऐरोमेटिक कम्पाउंड्स वाया नाइट्रेन इंसरशन	डॉ. रितेश सिंह
अदिति मिश्रा	ऐवल्यूशन आफ सलेक्टेड फलावेंडिस फार एंटी-ऐलजेमाइरस पोटेंशल	डॉ. अनुज कुमार शर्मा
अक्षांजली मौर्य	पेलाडियम नैनोपार्टिकल ग्राफडेड आन थिओल फंकशनलाइजड टिटेनियम ऑक्साइड नैनोट्युबस एज केटालिसट फार सुजुकी मियूरा कपलिंग रिक्शनस	डॉ. हेमंत जोशी
अमित कुमार	मेटल् एण्ड ऑक्सीडेंट फ्री फंकशनलाइजड टरशरी ऐलकेलेशन आन 2-आर्ल इन्डोन	डॉ. रितेश सिंह
चांदनी सोनी	सिंथेसिस आफ थिया-माइकल एडक्ट्स फ्राम मोरिटा-बेलिस-हिलमन किनोट्स	डॉ. इश्वर सिरीनीवासन
दिनेश यादव	अ सेरेनडीपिटियस रूट टू द सिंथेसिस आफ आइसोलेबल डाइनामाइनस फ्राम मोरिटा-बेलिस-हिलमन (MBH) किनोट्स	डॉ. इश्वर सिरीनीवासन
जय शर्मा	परसपेशन आफ स्टूडेंस टुवार्डस फिल्पड क्लासरूम आफ आर्गेनिक कैमिस्ट्री एण्ड रिवयू आफ Aza-oxy-allyl केशन एण्ड Oxy-allyl केशन इंटरमिडिट	डॉ. रितेश सिंह
खुशबु	ट्रांजिशन मेटल केटालाइजड सिंथेसिस आफ बेंजोफयूजड	प्रो. आर.टी.

	हेट्रोसाइक्लीक कम्पाउंउ वाया डोमीनो ऐप्रोच	पारदासनी
किरन मीणा	मेटल फ्री सिंथेसिस आफ कॉंगेस्टेड एण्ड फंकशनल थियोदर यूजिंग Aza-Oxyallyl केशन एज अ की इंटरमिडिट	डॉ. रितेश सिंह
मनीष चौहान	इंवेस्टिगेशन आफ ZnO नैनोस्ट्रक्चरस आन गिलास स्लाइडस	डॉ. पार्थ रॉय
मनोज प्रधान	सिंथेसिस एण्ड करक्ट्राइजेशन आफ प्याराजोल-डेकोरेटड डिबेंजोहेटेरोएरेनेस	डॉ. एम. भानुचंद्र
मुकेश कुमार	रूथेनियम काम्पेल्क्स आफ ENE (E = S, Se) पिंसर लाइगेंडस: अ वर्साटाइल केटालाइसट फार ट्रांसफर हाइड्रोजेनेशन आफ कारबोनिल कम्पाउंड, ओपनोर टाइप ऑक्सीडेंट एण्ड N-alkylation आफ ऐमाइनस	डॉ. हेमंत जोशी
नेहा माथुर	सिंथेसिस आफ CdSe क्वांटम डॉट एण्ड इंवेस्टिगेट इट्स फोटोफिजीकल प्रोपर्टीज	डॉ. पार्थ रॉय
प्रवेश मकर	डिजाइन एण्ड सिंथेसिस आफ स्ट्रेरीकली बल्की ट्रीपोडल नाइट्रोन लिगैंड कार्डिनेडेट पल्लाडियम डाक्लोराइड मोलेक्यूर रोटर	डॉ. हेमंत जोशी
प्रेरणा	सिंथेसिस एण्ड करक्ट्राइजेशन आफ टिटेनियम काम्पलेक्स आफ हाइड्रोक्सीमिथाइल फेरोसिन	डॉ. थिरूमूर्ति रामालिंगम
प्रियंका पानीग्रही	सिंथेसिस, करक्ट्राइजेशन एण्ड ऐप्लीकेंशन आफ फेरोसिनमिथाइल फॉस्फेट	डॉ. थिरूमूर्ति रामालिंगम
रमया राज ई टी	ट्रांजिशन मेटल केटालाइसड सिंथसिस आफ बेंजोफयूसड हैट्रोसाइक्लिक कम्पाउंड वाया डोमीनो एप्रोच	प्रो. आर.टी. पारदासनी
रिचा सिंह	बायोटीनलेड मेटल काम्पलेक्स फार ऐंहेंसड एंटीकैंसर एक्टीविटी	डॉ. अनुज कुमार शर्मा
एस इनीयन	इंवेस्टिगेशन आफ ऐनोडाइजड TiO2 नैनो स्ट्रकचर एट वैरियस कंडीशन	डॉ. पार्थ रॉय
शिखा सिंह	सिंथेसिस एण्ड करक्ट्राइजेशन आफ 2-(trimethylsilyl)methyl] प्यरीडाइन लिगैंड एण्ड मेटल काम्पलेक्स	डॉ. थिरूमूर्ति रामालिंगम
सिमरन वर्मा	एवाल्यूशन आफ केयरफुली डिजाइन कॉपर काम्प्लेक्स फार दियर DNA एण्डBSA बाइनडिंग बिहेवियर	डॉ. अनुज कुमार शर्मा
सितांशु अग्रवाल	सिंथेसिस आफ 2,8- डायरेल्डिबेन्जोथियोफेनीज एण्ड 2,8- डायलकोक्सीडाइबेन्जोथिफेनीज	डॉ. एम. भानुचंद्र
सोनू कुमार बंगरवा	सिंथेसिस आफ एन-हिट्रोसाइक्लिक स्कोफोल्डस आफ डिबेन्जिथियोफीन	डॉ. एम. भानुचंद्र
सुधीर मुडली	फेसिल प्रीपेरेशन आफ पेरीफेरल सबस्टीट्यूड डिबेन्जिोहिट्रोसाइकिल: इंवेस्टिगेशन आफ हिट्रोसाइकिल आन द फोटोफिजीकल प्रोपर्टीज	डॉ. एम. भानुचंद्र

वाणिज्य विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अखिल कुमार चौधरी	बैरियर ऐनालिसिस आफ ऐडोब्शन आफ सप्लाई चैन फाईनेंस साल्यूशंनस: अ केस स्टडी आफ सलेक्टेड MSMEs इन स्पेशल रेफरेंस टू आगरा लैदर इडस्ट्री	डॉ. सुशीला कुमारी सोरिया डॉ. सुशीला कुमारी सोरिया
अर्पिता	इम्पेक्ट आफ टेलीवर्क आन वर्क कल्चर इन प्री एण्ड डयूरिंग कोविड ऐरा	डॉ. नेहा सेठ
भरत सिंह	कंजयूमर प्रिफरेंस एण्ड चोइस टुवार्डस बेकरी प्राडक्ट इन हनुमानगढ सिटी	प्रो. प्रवीण साहू
कनक प्रिया	इम्पेक्ट आफ डिजीटाइजेशन इन रूरल इण्डिया	डॉ. सुशीला कुमारी सोरिया
कीर्ति	कॉइनटीग्रेशन एण्ड कैजुअलटी ऐनालिसिस फार डावरसीफिकेशन आप्पुरचुनिटिस: अ स्टडी आफ सलैक्टेड सस्टेनेबिलिटी इंडेक्स इन रेफरेंस आफ इण्डियन इकोनॉमी	डॉ. नेहा सेठ
कीर्ति मोटवानी	इम्पेक्ट आन ऐफीशियंसी आफ प्राइवेटाइजेशन आफ पब्लिक एंटरप्राइजेस – ऐवीडेंस फ्राम VSNL, BALCO, BPCL एण्डAir India Ltd.	डॉ. नेहा सेठ
माधुरी महेश्वरी	कांट्रीब्यूशन आफ सीएसआर टुवार्डस वैरियस एरियास डयूरिंग द पैंडऐमिक स्चिवेशन: ऐमपीरीकल ऐवीडेंस फ्राम संसेक्स कम्पनीस	डॉ. सुशीला कुमारी सोरिया
मो. ज़िशान	प्राइसिंग स्ट्रेटिजीस एण्ड कस्टमर रिटेंशन	प्रो. प्रवीण साहू
मेनावती सुथर	एचआर प्रेक्टिस आफ सलैक्टड ऑर्गनाइजेशन डयूरिंग कोविड-19	प्रो. प्रवीण साहू
मोनिका शर्मा	इज बिटकॉइन ऐसोसिएट्स विथ स्टॉक मार्केट एण्ड फारेक्स: ऐवीडेंस फ्राम इण्डियन एण्ड यूएस मार्केटस	डॉ. नेहा सेठ
पूजा यादव	अ स्टडी आफ ग्रीन मार्केटिंग इनफलूसिंग कंजयूमर बॉयिंग बिहेवियर	प्रो. प्रवीण साहू
रिया यादव	इफिक्ट आफ इंर्फोमेंशन कम्मयूनिकेंशन टेकनोलॉजी आन पेमेंट एण्ड सेटलमेंट सिस्टमस: ऐमरजेंस आफ डिजिटल इण्डिया	डॉ. नेहा सेठ
संतोष साहू	फिंटेक इंनोवेशन इन इण्डिया एण्ड ऐमरजिंग बिजनेस मॉडल: प्रोसपेक्टस एण्ड चैलेंजस	डॉ. संजय कुमार पटेल
सपना ओमप्रकाश पाल	इम्पेक्ट आफ GST आन इण्डियन ई-कॉमर्स इण्डस्ट्री: ऐमपिरिकल स्टडी आफ प्री एण्ड पोस्ट रिफॉर्म	डॉ. संजय कुमार पटेल
स्वाति सुमन	ऐनालिसिस आफ ब्लॉकचैन टेकनोलोजी इन बैंकिंग सेक्टर: ऐप्लीकेंशनस एण्ड ट्रांसकेंशन वैलीडेशन	डॉ. संजय कुमार पटेल
विकास	इफेक्टिवनैस आफ टेक्नीकल इंडीकेट्स इन शेयर मार्केट	डॉ. सुशीला कुमारी सोरिया

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अभूरी स्वर्ण भारत	डिजिटल इमेज इंक्रपशन: ऐरनॉल्ड केट मेप ऐलगोरिद्यम	डॉ. ममता रानी
अजय सैनी	VI-ANPR-TL ऐप्लीकेंशन इन सिक्यूरिटी सर्विलेंस	डॉ. अजय इण्डियन
अल्वीन जे. क्रिस्टाइन	फेस, ऐज एण्ड जेंडर डिटेक्शन	डॉ. निष्ठा केसवानी
अंकित कुमार दुबे	अ डिप लर्निंग बेस्ड ऐप्रोच फार क्लासीफिकेशन आफ कोविड-19 यूजिंग सीटी-स्केन इमेजस	डॉ. कृष्ण कुमार मोहबे
आयुष्मान तिवारी	नेटवर्क बेस्ड इंट्रशन डिटेक्शन एण्ड प्रीवेंशन सिस्टमस फार LLN	डॉ. निष्ठा केसवानी
बबीता	नेटवर्क इंट्रशन डिटेक्शन सिस्टम यूजिंग डिप लर्निंग	डॉ. गौरव मीणा
इरम	अण्डरस्टेडिंग द बॉटनेट एण्ड बॉटनेट बेस्ड DDoS अटैक्	श्री रवि राज चौधरी
हेमंत सोनी	इंट्रशन डिटेक्शन सिस्टम यूजिंग SNORT	डॉ. गौरव मीणा
कृष्ण पाल सिंह	ऐनोमली-बेस्ड इंट्रशन डिटेक्शन सिस्टम फार IoT नेटवर्क	डॉ. निष्ठा केसवानी
महावीर महेला	हयूमन वॉइस एण्ड इमोशन डिटेक्शन यूजिंग आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस	डॉ. गौरव मीणा
मीनू शर्मा	AI बेस्ड कोविड-19 डायग्नोसिस यूजिंग मल्टीमॉडल मेडिकल इमेजस	डॉ. कृष्ण कुमार मोहबे
निर्मल कुमार सेहर	क्रेक डिटेक्शन	श्री रवि राज चौधरी
निशु यादव	फेस मास्क्, ऐज एण्ड जेंडर डिटेक्शन	श्री रवि राज चौधरी
राधा अग्रवाल	स्पीच इमोशन रिकोग्नाइजेशन यूजिंग डिप लर्निंग एण्ड amp मशीन लर्निंग	श्री रवि राज चौधरी
राज रोशन	डेटा गिलोव: अ रिप्लेसमेंट आफ ट्रडिशनल इनपुट डिवाइस	डॉ. निष्ठा केसवानी
संतोष कुमार	प्रीडिक्टिंग एंटीबायोटिक रेजीसटेंस यूजिंग ML ऐलगोरिदम	डॉ. गौरव मीणा
शेलेन्द्र मेहता	डिजाइन आफ प्राइवेसी-प्रीजरविंग मॉडल फार इंटरनेट आफ थिंग्स	डॉ. निष्ठा केसवानी
सुरभि जॉगिड	टेक्स्ट क्लासिफिकेशन	डॉ. ममता रानी
सुशिला	डिटेक्शन आफ SQL इंजेक्शन अटैक यूजिंग मशीन लर्निंग	श्री रवि राज चौधरी

कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अनमोल कुमार	आन मिनीमाइजिंग द DDoS अटैक ऐफिक्ट आन कॉनटेनेराइजड टारगेटस यूजिंग वर्चुअल मशीन (VM) एण्ड फिजीकल मशीन (PM) लेवल सेपरेशन	डॉ. गौरव सोमानी

बबीता	नेटवर्क इंट्रशन डिटेक्शन सिस्टम यूजिंग डिप लर्निंग	श्री गौरव मीणा
हेमंत सोनी	इंट्रशन डिटेक्शन सिस्टम यूजिंग SNORT	श्री गौरव मीणा
कृष्णा पाल सिंह	एन ऐनोमली-बेस्ड इंट्रशन डिटेक्शन सिस्टम फार IoT नेटवर्कस	डॉ. निष्ठा केसवानी
नरेंद्र कुमार चाहर	सिम्पलीफाइड माइक्रोपेमेंट मैकेनिज्म फार इलेक्ट्रोनिक कॉमर्स	डॉ. मुजम्मिल हुसैन
नेहा कुमारी	फैशियल इमोशन रिकोगनिशन यूजिंग स्टेटिक इमेजस	श्री रवि साहरन
शुभम तौमर	सिक्यूरिटी ऐनहेंसमेंट हेल्थकेयर वायरलैस बॉडी एरिया नेटवर्क यूजिंग ब्लॉकचैन	डॉ. मुजम्मिल हुसैन
सोम्या कुलश्रेष्ठ	अ साल्यूशन टू सिक्योर मेडिकल डेटा थ्रू ब्लॉकचैन टेक्नोलॉजी	श्री रवि साहरन
तेजपाल कुमार	APT-बेसड मालवेयर ऐनालिसिस यूजिंग ऑरिजन इंर्फोमेशन अस्स्टिेड हाइब्रिड ऐनालिसिस	डॉ. गौरव सोमानी

संस्कृति और मीडिया अध्ययन विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अदिति खरे	सेक्जिम एण्ड जेंडर स्ट्रोटाइपिंग इन वेब सीरीज: अ सेमीओटिक ऐनालिसिस आफ मिर्जापुर (सिजन 1 एण्ड 2)	डॉ. अनुप कुमार
अमल राज के	अ स्टडी आन हिस्ट्री, करंटप प्रेक्टिस एण्ड प्रोस्पेक्ट आफ टोलपाव कोथू आर्ट फ्राम आफ केरला	डॉ. अनुप कुमार
अश्विन चंद्रान एमवी	इफेक्टस आफ "Ningalenne Communistaki" इन शेपिंग शोसियो-पॉलटिकल वियुस आफ केरला	डॉ. अनुप कुमार
धमेन्द्र कुमार यादव	मिडिया एण्ड माइग्रेशन: अ कम्पेरिटिव स्टडी आफ आडियो-विजुअल कंस्ट्रक्शन आफ माइग्रेंट इश्यूस डयूरिंग द कोविड-19 पेंडेमिक बाय जी न्यूज एण्ड मोजो	डॉ. प्रंता प्रतीक पटनायक
ज्यो पी जॉन	द इम्पेक्ट आफ कम्यूनिटी रेडियो इन लोकल कम्मियूनीटिज	डॉ. नीरू प्रसाद
हिमांशु शर्मा	ऐरान एण्ड ध्मान – ट्रांसलेशन आफ ऑरल सांगस आफ द गाडुलिया लोहारस आफ राजस्थान	डॉ. नीरू प्रसाद
जैरीन जैमस	मिडिया लिटरेसी इन पोस्ट कोविड ऐरा: क्लाउट कल्चरल	डॉ. निकोलस लकडा
कीर्ति किरन	ट्राइल बाय मिडिया इन सुशांत सिंह राजपूतस केस – ऐन ऐक्टीविसम ऑर अ थ्रेट टू द सोसायटी	डॉ. नीरू प्रसाद
कोपल हालन	न्यू फार्म लॉस एण्ड द रिप्रेजेंटेशन आफ द न्यूज इन द नेशनल डेली न्यूजपेपरस	डॉ. निकोलस लकडा
मोहम्मद हस्फाक	हाउ डिड अरबी-मलयालम लिटरेचर इंनफिल्यूंस कल्चरल कम्मीयूनिकेशन आफ द मालाबार मपीला मुस्लिमस	डॉ. निकोलस लकडा

मोहित श्रीवास्तव	अ स्टडी आन द काम्पेरिटिव ऐनालिसिस आफ विजुअल कंटेट इन दैनिक भास्कर एण्ड द टाइम्स आफ इण्डिया	डॉ. अनुप कुमार
पिंकी कडवे	रोल आफ ट्रांसजेंडर इन हिंदी सिनेमा	डॉ. नीरू प्रसाद
श्रेया तिवारी	कास्ट टेंशन एण्ड कॉनफिल्कटस विथ डिफरेंट डाइमेंशनस शान इन मराठी सिनेमा आफ नागराज मंजुले एण्ड पाजीव पाटील	डॉ. प्रंता प्रतीक पटनायक
विनीत कुमार	न्यूज कवरेज आफ बिहार इलेक्शनस 2020: कन्टेंट ऐनालिसिस आफ दैनिक भास्कर	डॉ. प्रंता प्रतीक पटनायक

डिजिटल सोसायटी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अनुरध कुमार	द रोल आफ DDU-GKY: अ केस स्टडी आफ इफेक्टिव स्कील इण्डिया प्रोग्राम फार पटना	प्रो. उमा संकर मिश्र
मनीष तरूण	प्रोटेक्टिंग प्राइवेसी इन डिजीटल ऐज: अ केस स्टडी आफ समस्तीपुर डिस्ट्रीक्ट आफ बिहार	डॉ. ग्याना रंजन पांडा
प्रणव पटेल	एक्सप्लोरेशन आफ गूगल डेटा स्टूडियो एज डेटा: ऐनालिसिस फार कौशल भारत	प्रो. उमा संकर मिश्र
रौनक माहेश्वरी	रिस्टोरिंग लाइवलीहुडस बाय डिप्लायिंग आइसीटी बेस्ड साल्यूशन: अ केस स्टडी आफ DDU-GKY माइग्रेंट बैनेफिशरीस ऐक्रोस इण्डिया एमिड कोविड-19 पेंडेमिक	प्रो. जगदीश जाधव एण्ड प्रो. उमा संकर मिश्र
शिव कुमार	रोल आफ आइसीटी इन डिजास्टर मिटीगेशन: अ केस स्टडी आन आरोग्य सेतु ऐप्लीकेंशन डयूरिंग आउटब्रेक आफ कोविड-19 इन इण्डिया	डॉ. ग्याना रंजन पांडा
स्वाति चिकारा	इ-इनेबलमेंटआफ पंचायती राज इंस्टीटयुशंस	प्रो. जगदीश जाधव एण्ड प्रो. उमा संकर मिश्र

अर्थशास्त्र विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अंशुल नेगी	आरबीआइ शुड लुक बियोंड इंफिलेशन टारगेटिंग एण्ड एडाप्ट क्रेडिट टारगेटिंग ऐज वेल टू काम्बाट द स्टेट आफ द इकोनोमी	डॉ. डीएसएन डोग्गाग
अर्चना भारद्वाज	इंफिलेशन एण्ड फाइनेंशियल डेवलपमेंट इन इण्डिया: ऐन ऐम्पेरिकल ऐनालिसिस	डॉ. डीएसएन डोग्गाग
भरत अग्रवाल	इकोनामिक्स एण्ड ऐन्वायरमेंट ऐस्पेक्टस आफ एनर्जी ऐफीशिन्यसी	डॉ. प्रगति जैन
भरत धनडे	परफोर्मेंस आफ जीएसटी इन इण्डिया: अ रेवन्यू कलेक्शन बेस्ड ऐवाल्यूशन	डॉ. हेमलता मंगलानी

दिव्या शर्मा	नॉन-परफार्मिंग ऐस्ट्स एण्ड इट्स इंगेजमेंट विथ मेक्रो इनडिकेट्रस: रिजन बिहाइन्ड द बिगनिंग आफ द टिवीन बैलेंस शीट सिंड्रोम	डॉ. प्रमोद कुमार नायक
हाजिर अली एम	ऐन ऐनालिसिस आफ द इफेक्ट आफ द कोविड-19 पेंडेमिक आन द ई-कॉमर्स सेक्टर एण्ड बॉयिंग पैटर्न्स आफ पिपल	डॉ. डीएसएन डोग्गाग
इती कडियन	डज मेक्रो इकोनोमिक वैरियबल इनफलुंस स्टॉक मार्केट: ऐन ऐमपेरिकल ऐनालिसिस फ्राम इण्डिया	डॉ. प्रमोद कुमार नायक
जय कुमार टहलयानी	ऐनालाइजिंग वैरियस डिटरमाइनेटस विथ रेफरेंस टू ऐजुकेशन एण्ड एक्सपियरंस	डॉ. प्रगति जैन
ज्योति मीणा	द डिटरमाइनेटस आफ बैकिंग सेक्टर डेवलमेंट इन इण्डिया	डॉ. प्रमोद कुमार नायक
मनमीत कौर	स्टडी आफ मेक्रोइकोनोमिक वैरियबलस अफेक्टिंग एक्सचेंज रेट इन बी.आर.आई.सी.एस. कंट्रीस	डॉ. हेमलता मंगलानी
मंजू झा	गवरमेंट एक्सपेंडीचर एण्ड इकोनोमिक ग्रोथ: एन ऐमपीरकल स्टडी आफ बिमारू स्टेट्स आफ इण्डिया	डॉ. हेमलता मंगलानी
मयंक मोयल	मेक्रोइकोनोमिक आफ फूड इंफिलेशन एण्ड इटस डिटरमाइनेटस: ऐवीडेंटस फ्राम इण्डिया	डॉ. हेमलता मंगलानी
नवल किशोर	इम्पेक्ट आफ माइग्रेशन आन इकोनामिक डेवलपमेंट आफ इण्डिया	डॉ. डीएसएन डोग्गा
नितेश कुमार	ऐक्जामिनिंग द रिलेशनशिप अमोंग जीडीपी, इंफिलेशन एण्ड मनी सप्लाई: ऐवीडेंस फ्राम इण्डिया	डॉ. प्रमोद कुमार नायक
प्रीति	द इकोनोमिक डिटरमाइनेटस एण्ड ट्रेंड आफ इनवर्ड फारेन डाइरेक्ट इंवेस्टमेंट इन ब्रिक्स कंट्रीस: अ पैनल डेटा ऐनालिसिस	डॉ. हेमलता मंगलानी
रूपल टाक	इम्पेक्ट आफ कोरोना आन कैश डिमाण्ड इन द इकोनोमी	डॉ. डीएसएन डोग्गा
रूपेश लाल भगत	मिड-डे मिल स्कीम अ केस स्टडी आफ चंदवा ब्लॉक आफ लातेहर डिस्ट्रीक्ट इन झारखण्ड	डॉ. डीएसएन डोग्गा
सागर कुमावत	ऐक्सप्लोरिंग द डाइलेम्मा आफ चुजिंग बिटवीन स्ट्रांगर फाइनेशियल सिस्टम एण्ड क्रानी कैपीटाइलिजम	डॉ. प्रगति जैन
सोमिता कुमारी	द रोल आफ एफडीआइ आन इकोनोमिक ग्रोथ इन इण्डिया	डॉ. प्रमोद कुमार नायक
शिवालिका शर्मा	द इंवेस्टमेंट पैटर्न आफ एन इण्डियन हाउसहोल्ड: अ स्टेटस रिपोर्ट आफ टू डिकेडस आफ 21st सेनचूरी	डॉ. प्रमोद कुमार नायक
सिमरन	मेक्रोइकोनोमिक डिटरमाइनेटस आफ इकोनोमिक ग्रोथ: एन ऐम्पेरिकल ऐनालिसिस आफ ब्रिक्स नेशनस	डॉ. प्रगति जैन
सुचिशमिता मिश्रा	एन इकोनोमिक ऐनालिसिस आफ इफेक्टिवनेस आफ आनलाइन टीचिंग-लर्निग प्रोसेस एण्ड कॉनस्विकनेस आफ कोविड-19 पेंडेमिक आन आनलाइन टीचिंग एण्ड लर्निग	डॉ. हेमलता मंगलानी

टुंगारिया राधा मोहनलाल	रोल आफ हाइर ऐजुकेशन इन द इकोनोमिक ग्रोथ आफ इण्डिया	डॉ. प्रमोद कुमार नायक एण्ड डॉ. रीना गोदारा
वैभव माहेश्वरी	स्टडिंग द सक्सेस आफ वैरियस पिलर्स इनट्रोडयुस्ड इन दिल्ली गर्वमेंट स्कूल	डॉ. प्रगति जैन
विजय कुमार वैष्णव	द इकोनोमिक ऐस्पेक्ट आफ टूरिज्म एण्ड ट्रेंड ऐनालिसिस आफ टूरिस्ट इन इण्डिया	डॉ. डीएसएन डोग्गाग

अध्ययन विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबन्ध का नाम	पर्यवेक्षक का नाम
आकांशा शर्मा	वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों द्वारा रसायन विज्ञान को सीखने मे समक्ष आने वाली कठिनाइयाँ	डॉ. नरेन्द्र कुमार
अनामिका कुमारी	गणित शिक्षण सीखने की प्रक्रिया मे गणितीय मॉडलिंग की प्रभावशीलता की और निहितार्थ पर एक अध्ययन	डॉ. गोविन्द सिंह
अन्नू	उष्मप्रवैगिकी की शिक्षा और शिक्षण को बढाना	डॉ. टी. संगीता
अनुज कुमार	गणित शिक्षा मे डिजिटल शिक्षाशास्त्र की चुनौतियों और प्रभावशीलता पर एक अध्ययन	डॉ. गोविन्द सिंह
अनुप्रिया बेरा	विश्वविद्यालय स्तर पर रसायन विज्ञान के छात्रों की आभासी प्रयोगशाला सीखने पर प्रतिबिम्बों का अध्ययन	डॉ. संगीता यदुवंशी
अनुराधा छीपा	12 वी कक्षा के प्रश्नों के सन्दर्भ मे भौतिकी एनसीआईआरटी पाठ्य पुस्तक का विश्लेषण	डॉ. संगीता यदुवंशी
अविरल खण्डेलवाल	वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों के बीच भौतिकी अवधारणाओं की समझ पर पारंपरिक खेलो का प्रभाव	डॉ. अंजलि शर्मा
भूपेंद्र गुर्जर	जटील संख्या और संख्या सिद्धांत से संबंधित शैक्षणिक सैद्धांन्तिक और व्यवहारिक चिंताओं पर एक अध्ययन	डॉ. गोविन्द सिंह
गौत्तम कवालिया	छात्रों मे मशीन लर्निंग के प्रति जागरूकता	डॉ. सीमा गौतम
गुंजन	वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षार्थियों की गणित मे कठिनाइयों और प्रभावी शिक्षण सीखने की रणनीतियों का एक अध्ययन	डॉ. गोविन्द सिंह
हरिओम तंवर	सीनियर सैकेंडरी स्कूल के छात्रों के बीच कोनिक्स सीखने के लिए कोनिक्स और शिक्षक की धारणा के अनुप्रयोग पर एक अध्ययन	डॉ. सीमा गौत्तम
हर्षवर्धन सिंह	माध्यमिक छात्रों मे प्रकाश की अवधारणा के बारे मे भ्रान्ति	डॉ. अंजलि शर्मा
जय कुमार तहिल्याणी	आर्गेनिक केमिस्ट्री के फिल्पड क्लास रूम के प्रति छात्रों की धारणा और एज़ाओक्सी एलिलकेशन की समीक्षा	डॉ. कनक शर्मा
जय कुमार तहिल्याणी	शिक्षा और अनुभव के संदर्भ मे कृषि उत्पादकता के विभिन्न	डॉ. रीना गोदारा

	निर्धारको का विश्लेषण करना .	
जसवंत सिंह गुर्जर	गणितीय विज्ञान महामारी के अनुप्रयोगों, महत्व और शैक्षणिक चिन्ताओ पर एक एक्स्पोजिस्टरी अध्ययन	डॉ. गोविन्द सिंह
कमलेश भावरीय	कार्बनिक रसायन विज्ञान मे छात्रों की उपलब्धि पर मिश्रित शिक्षण पद्धति का प्रभाव	डॉ. कनक शर्मा
किशन कुमार	“ इलेक्ट्रोस्टोटिक्स ” पढ़ाने मे अनुभव की गयी वैचारिक चुनौतियों के बारे मे शिक्षक की राय	डॉ. टी. संगीता
कृष्ण यादव	वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर संभाव्यता सिद्धांत और यादृच्छिक चर के प्रति छात्रों का दृष्टीकोण	डॉ. सीमा गोपीनाथ
महेशकुमार दिद्वारिया	मूल भोतिकी पढ़ाने मे माइंड मैपिंग और थिंकिंग मैप्स, एक शैक्षणिक उपकरण के रूप मे	डॉ. अंजलि शर्मा
मनीषा कुमारी मीना	वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों मे शिक्षण त्रिकोणमिति मे शैक्षणिक चिंताओ भोतिकी चुनौतियों का अध्ययन	डॉ. गोविन्द सिंह
मोहित यादव	सीनियर सेकेंडरी स्कूल गणित मे लीनियर प्रोग्रामिंग सीखने मे शिक्षार्थियो की सीखने की कठिनाइयों और इसके प्रभावी शिक्षण उपचार	डॉ. सीमा गोपीनाथ
निधि	कोविड -19, महामारी के दोरान दूरस्थ शिक्षण मे रसायन विज्ञान के शिक्षको की दुर्दशा और	डॉ. नरेन्द्र कुमार
पंकज चौधरी	भौतिकी प्रयोगशाला के प्रति छात्रों और शिक्षको के नवीन विश्वास का पता लगाने के लिए अध्ययन	डॉ. टी. संगीता
पवन पिंगल	शिक्षार्थीयों की ज्यामिति में शिक्षण सीखने की नवीन पद्धतियों की कठिनाइयों पर एक अध्ययन	डॉ. गोविन्द सिंह
प्रदीप	वरिष्ठ माध्यमिक रसायन विज्ञान के छात्रों की परीक्षा की चिंता	डॉ. नरेन्द्र कुमार
प्रियंका कँवर	छात्रों को सीखने की सीमा और व्युत्पन्न और वास्तविक जीवन में व्युत्पन्न के अनुप्रयोग में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है	डॉ. सीमा गोपीनाथ
प्रियंका सैनी	विभिन्न ग्रेड विज्ञान के छात्रों की गर्मी और तापमान के बारे में वैचारिक ग़लतफ़हमी का अध्ययन	डॉ. अंजलि शर्मा
रामनिवास जोरर	शिक्षकों और छात्रों मे मशीन लर्निंग मे रूचि .	डॉ. सीमा गोपीनाथ
रवि चौधरी	वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल के छात्रों द्वारा गणित सीखने मे चुनौतियो का एक अध्ययन	डॉ. गोविन्द सिंह
रवि प्रकाश रार	जीव विज्ञान में गणित के अनुप्रयोगों और प्रभावशीलता पर एक अध्ययन	डॉ. गोविन्द सिंह
रुपेशलाल भगत	झारखण्ड के लातेहार जिले के चंदवा ब्लॉक की “मध्यान्ह भोजन योजना” एक केस स्टडी	डॉ रीना गोदारा

शुभम खोईवाल	वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर एक शिक्षण उपकरण के रूप में कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान	डॉ. संगीता यदुवंशी
शुचिस्मिता मिश्रा	ऑनलाइन शिक्षण सीखने की प्रक्रिया की, प्रभावशीलता का अर्थमितीय विश्लेषण और ऑनलाइन शिक्षण और सीखने पर कोविड-19 महामारी के परिणाम	डॉ. रीना गोदारा
सोहम ठाकुर	रसायन विज्ञान शिक्षा मे, आई.सी.टी. के, शैक्षणिक उपयोग की दिशा मे, शिक्षकों की आत्म प्रभावकारिता का अध्ययन	डॉ. नरेन्द्र कुमार
स्तुथी शर्मा	इंटीग्रल कैलकुलस में सीखने की कठिनाइयाँ और सीनियर सेकेंडरी स्कूल स्तर पर इसके शिक्षण विचार	डॉ. सीमा गोपीनाथ
सुभाष बेनीवाल	इस कोविड महामारी के दौरान भौतिकी विज्ञान के ऑनलाइन शिक्षण के प्रति छात्रों की धारणा	डॉ. संगीता यदुवंशी
सूर्य प्रकाश कुमावत	हायर सेकेंडरी ऑर्गेनिक केमिस्ट्री एजुकेशन में हाईब्रिड बोर्ड गेम बेस्ड लर्निंग	डॉ. कनक शर्मा
तरुण स्वामी	सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों में सीखने की सम्भावना, सिद्धांत मे रूचि	डॉ. सीमा गोपीनाथ
तुगारिया राधा	भारत के आर्थिक विकास में उच्च शिक्षा की भूमिका	डॉ. रीना गोदारा
विक्रम कुमार	बीजगणित मे शिक्षार्थियों की सीखने की कठिनाईयों का अध्ययन और बीजगणित में प्रभावी शिक्षण अधिगम रणनीतियां	डॉ. गोविन्द सिंह
योगेशकुमार जियानी	गणितीय मॉडलिंग का अनुप्रयोग और महत्व	डॉ. सीमा गोपीनाथ
योगिता वार्ष्णेय	वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर सूचना प्रौद्योगिकी के शैक्षणिक उपयोग के प्रति रसायन विज्ञान के शिक्षकों के दृष्टिकोण का अध्ययन	डॉ. नरेन्द्र कुमार
युवराज मीणा	भौतिकी की आभासी प्रयोगशाला के लिए विश्वविद्यालय के भोतिकी विज्ञान के छात्रों की धारणा का अध्ययन	डॉ. संगीता यदुवंशी

अंग्रेजी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबन्ध का नाम	पर्यवेक्षक का नाम
निष्ठा महावर	भारतीय सेक्स वर्कर्स की शिफ्टिंग नैरैटेव: जीवन लेखन के क्षेत्र की जाँच	डॉ. नेहा अरोड़ा
साक्षी कुमारी	अफ्रीकी अमेरिकी सट्टा फिक्शन की रचनात्मक गतिशीलता : 21वी सदी के उपन्यासों का अध्ययन	डॉ. भूमिका शर्मा
निखिला वि	भारत मे क्वीर लाइव्स लेखक्त्व, प्रतिनिधित्व और वैधता पर एक अध्ययन	डॉ.देवेन्द्र रांकावत

पर्यावरण विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबन्ध का नाम	पर्यवेक्षक का नाम
अंजू कुमारी	भागीरथी बेसिन, उत्तराखंड में भूमि उपयोग, भूमि कवर, परिवर्तन और भूमि की सतह के तापमान पर उनके प्रभावों का विश्लेषण और अनुकरण	प्रोफेसर राजेश कुमार
अर्चित अरोड़ा	जयपुर शहर की पर्यावरण गुणवत्ता का आकलन : वायु गुणवत्ता पर महामारी से सम्बंधित लॉक डाउन की अंतर्दृष्टि	डॉ. निवेदिता चौधरी
अशोक नतवाडिया	किशनगढ़ से नसीराबाद क्षेत्र के खनन एवं ग़ैर खनन क्षेत्र मे जमा कण पदार्थ और धूल का विश्लेषण	डॉ. निवेदिता चौधरी
बी. अस. नीवआन	दक्षिण –पूर्वी ऑस्ट्रेलिया मे आईओडी और इऐनएसओ घटनाओं से प्रभावित जलवायु परिवर्तन के कारण जंगल की आग की भविष्य वाणी में मशीन लर्निंग अल्गोरिद्हम की प्रभावशीलता	डॉ. एल के शर्मा
बेदाब्रत बरूह	सीसर एरीटीनम (चना) और विगना एकोनितिफोलिया(मोथ बीन) मे व्रद्धि और विकास पर तीन व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों के जैव रासायनिक प्रभाव	डॉ. गरिमा कौशिक
भावना यादव	क्लोरेला एसपी के .मोनोऐगल कल्चर मीडिया में, कार्बन स्पेसिएशन व पौषक तत्व उपयोग दर का निर्धारण .	डॉ. शैलेन्द्र कुमार पाटीदार
भूमिका सूद	चन्द्र भागा बेसिन, पश्चिम हिमालय के बड़ा सिगरी और छोटा सिगरी गेलेशियर का द्रव्यमान संतुलन और विशेषता पहचान	प्रोफेसर राजेश कुमार
गीतिका शेखावत	जयपुर में स्थानीय बाजार के फलों और सब्जियों में भारी धातु का पता लगाना	डॉ. ऋतु सिंह
खुशबू काला	स्थानिक वितरन मॉडलिंग का उपयोग करके संरक्षित क्षेत्र की परिदृश्य पारिस्थितिकी पर विदेशी प्रजातियों के संपर्क और वितरण का प्रभाव	डॉ. एल. के. शर्मा
कीर्ति सिंघल	यूवी / विज स्पेक्ट्रोफोटोमीटर का उपयोग करके बिस्फेनाल ए का निर्धारण और इसका क्षरण और विषाक्ता अध्ययन	डॉ. गरिमा कौशिक
कृतिका सोमवत	स्पैटो – टेम्पोरल डेटासेट का उपयोग करते हुए ग्रेट इंडियन डेजर्ट के इकोटोनल इंडिकेटर का आकलन	डॉ. एल. के. शर्मा
मोहित सिंह	राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, बान्दरसिंदरी में कीट विविधता (लेपि डोप्तेरा और ओडोनाटा) का अध्ययन	डॉ. शैलेन्द्र कुमार पाटीदार
नताशा राठोड	राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, बान्दरसिंदरी के आसपास के क्षेत्र मे धूल प्रदूषण का गुणात्मक मूल्याङ्कन	डॉ. निवेदिता चौधरी
प्रफुल्ल पारीक	राजस्थान के किशनगढ़, अजमेर, औद्योगिक, आवासीय और नियन्त्रक स्थल का धूल कैपचरिंग संभावित और वायु प्रदूषण	डॉ. ऋतु सिंह

	सहिष्णुता सूचकांक (एपीटीआई)	
राहुल कुमार	बिहार के पटना शहर में वायु गुणवत्ता और सार्वजानिक स्वास्थ्य पर कोविड -19 लोकडाउन का प्रभाव	प्रोफेसर राजेश कुमार
राकेश कुमार सैनी	राजस्थान के किशनगढ़,(अजमेर) संगमरमर और ग्रेनाईट औद्योगिक क्षेत्र मे और उसके आसपास भूजल की गुणवत्ता का आकलन	डॉ. ऋतु सिंह
सौरभ धाकड़	बायोरिफाइनिंग के लिए डाइकैंथियम एनुलैटम का जैव रासायनिक लक्षण वर्णन	डॉ शैलेन्द्र कुमार पाटीदार
शैलेश	राजस्थान के किशनगढ़ क्षेत्र के खनन, आवसीय और राजमार्ग स्थलों पर सयंत्रो पर पार्टिकुलेट मैटर के प्रभाव का विशलेषण	डॉ. निवेदिता चौधरी
श्रुति प्रभा	भारत के महानगरो में परिवेशी वायु गुणवत्ता पर कोविड -19 लोकडाउन का प्रभाव	प्रोफेसर राजेश कुमार
सुशीला	अजमेर एवं जयपुर जिलो से एकत्रित जल के नमूनों मे भौतिक-रासायनिक लक्षण का वर्णन एवं फ्लोराइड आकलन	डॉ. गरिमा कौशिक
वत्सला	किशनगढ़ ग्रामीण के भूजल मिट्टी और वनस्पति में फ्लोराइड एक्सपोज़र और जोखिम मूल्याङ्कन	डॉ. ऋतु सिंह
विकास रुलानिया	लुगदी और कागज उद्योग से अपशिष्ट जल का भौतिकी –जैव रासायनिक विश्लेषण और जौ के अंकुरण दर पर इसका प्रभाव	डॉ. गरिमा कौशिक

हिंदी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	**निबन्ध का नाम**	**पर्यवेक्षक का नाम**
आरती कनोई	कमलेश्वर के उपन्यास ‘ समुद्र मे खोया हुआ आदमी ’ में चित्रित महानगरीय बोध	डॉ. संदीप रणभिरकर
बोदू राम यादव	गोविन्द मिश्र कृत ‘ धूल पोधों पर ’ उपन्यास का तात्विक (अध्ययन)	प्रोफेसर एन. लक्ष्मी अय्यर
चैनाराम	ममता कालिया कृत ‘ दोड़ ’ उपन्यास का तात्विक विश्लेषण	प्रोफेसर एन. लक्ष्मी अय्यर
गीता चौधरी	उषा प्रियंवदा कृत ‘ रुकोगी नहीं राधिका ’ उपन्यास में स्त्री संवेदना : एक अध्ययन	डॉ. ममता खांडल
हीना कँवर गोड़	पदमश्री डॉ. अर्जुन सिंह शेखावत कृत ‘ भाखर रा भोमिया ’ में आदिवासी समाज और संस्कृति	डॉ. सुरेश सिंह राठौड़
लोकेश गुर्जर	मिथिलेश्वर कृत ‘ संत ना बांधे गांठड़ी ’ उपन्यास में अभिव्यक्त समस्याएँ	डॉ. सुरेश सिंह राठौड़
मनोज बिस्वास	महिमा मेहता कृत संस्मरणात्मक उपन्यास ‘ परछाइयाँ ’ में चित्रित मानव संवेदना	डॉ. ममता खांडल

नीलेश कुमार पारीक	डॉ. सूरज सिंह नेगी कृत ‘ वसीयत ’ उपन्यास में अभिव्यक्त वृद्ध विमर्श	डॉ. सुरेश सिंह राठौड़
साक्षी कुमारी	मन्नू भंडारी कृत ‘आपका बंटी उपन्यास’ में चित्रित बालमनोविज्ञान	डॉ. एस. पी. महेंद्रा
संजू चौधरी	अल्पना मिश्रा कृत ‘ अस्थी फूल ‘ उपन्यास में आदिवासी विमर्श	डॉ. ममता खांडल
श्रवण कुमार	मोहनदास नैमिषराय के उपन्यास ‘ मुक्तिपर्व ’ में चित्रित दलित विमर्श	डॉ. संदीप रणभिरकर
शुभलता	नासिरा शर्मा के ‘ शाल्मली ’ में स्त्री संघर्ष	डॉ. एस. पी. महेंद्रा
सोना जाट	प्रभा खेतान कृत “ छिन्नमस्ता ” उपन्यास में स्त्री विमर्श	डॉ. एस. पी. महेंद्रा
सुखा राम मेघवाल	जैनेन्द्र कुमार के उपन्यास ‘ त्यागपत्र ’ में सामाजिक चेतना	डॉ. एस. पी. महेंद्रा
तपेश सिहाग	प्रदीप सौरभ के उपन्यास ‘ तीसरी ताली ’ मे चित्रित किन्नर विमर्श	डॉ. संदीप रणभिरकर

प्रबंधन विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबन्ध का नाम	पर्यवेक्षक का नाम
अभय कुमार गुप्ता	भारत मे ऑनलाइन शोपिंग के प्रति उपभोक्ता का व्यवहार	प्रोफेसर उमा शंकर मिश्रा
अभिजीत जोशी	वास्तविक बाज़ार मूल्यों से ब्लैक स्कोल्स मॉडल्स से कीमतों की तुलना	डॉ. संजय कुमार गर्ग
आदित्य विक्रम राइ	हीरोमोटोकोर्प का उपभोक्ता व्यवहार .	प्रोफेसर उमा शंकर मिश्रा
अक्षिता जैन	भारत मे म्यूच्यूअल फण्ड कंपनियों पर एक तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. संजय कुमार गर्ग
अनुराग नामा	बिग बाज़ार मे भर्ती और चयन	डॉ. अवंतिका सिंह
अर्चना पारीक	कर्मचारी पर तनाव के प्रभाव का एक व्यापक अध्ययन	डॉ. अवंतिका सिंह
अरनब साहा	“ मेक इन इंडिया ” उत्पादों की खरीद के लिए उपभोक्ता को प्रभावित करने के लिए एक बाजारिया का प्रयास	डॉ. अवंतिका सिंह
अर्पिता जैन	कामकाजी पेशेवरों पर कोविड -19 महामारी का प्रभाव	डॉ. अवंतिका सिंह
धर्मेन्द्र सिंह	भारत मे जीवन बीमा कंपनी पर एक व्यापक अध्ययन	डॉ. संजय कुमार गर्ग
हीना अलवानी	व्यक्तिगत वित्त में पोर्टफोलियों चयन और सम्पति आवंटन रणनीतियो पर एक व्यापक अध्ययन	डॉ. संजय कुमार गर्ग
जेरमिया जॉर्ज	कोविड -19 परिदृश्य के संबंध कर्मचारी सशक्तिकरण पर एक अध्ययन	डॉ. अवंतिका सिंह
खुशबु यादव	कोविड -19, कर्मचारी अनुबंध प्रथाये : भारतीय वास्तविकताओं के लिए दुनिया भर मे अवधारणा	डॉ. तुलसी गिरी गोस्वामी

लवकेश चतुर्वेदी	प्रेरणा के माध्यम से कर्मचारियों की संतुष्टि बढ़ाना	डॉ.तुलसी गिरी गोस्वामी
मिहिर गुप्ता	ऑनलाइन रिटेलिंग कंपनी अमेज़न और फ्लिप्कार्ट मे ब्रांड वफ़ादारी और ग्राहक "पर एक केस स्टडी	डॉ. तुलसी गिरी गोस्वामी
मितेष पंवार	टाटा म्यूच्यूअल फण्ड और आदित्य बिडला सन लाइफ म्यूच्यूअल फण्ड के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. संजय कुमार गर्ग
निखिल जैन	कानूनों के तहत विशेष चुनिन्दा केसों के सन्दर्भ मे इनसाइडर ट्रेडिंग का अध्ययन	डॉ. संजय कुमार गर्ग
परिधि पवार	ऑनलाइन मनोरंजन एप्प के लिए उपभोक्ता वरीयता : अमेजन प्राइम वीडियो और नेट फ्लिक्स का एक तुलनात्मक अध्ययन	प्रोफेसर उमा शंकर मिश्रा
पूनम सांगवान	मानव संसाधन पोस्ट महामारी का विकास काम की दुनिया हमेशा के लिए बदल सकती है	डॉ. तुलसी गिरी गोस्वामी
रजनीश कुमार निराला	हुंडई मोटर्स गोरखपुर के प्रति ग्राहक संतुष्टि के स्तर पर एक अध्ययन	प्रोफेसर उमा शंकर मिश्रा
रणवीर कुमार	भारत मे उच्च शिक्षा के छात्रों के बीच निवेश ज्ञान और योग्यता पर एक अध्ययन	डॉ. संजय कुमार गर्ग
रितिका मेथावानी	भारत मे कोविड -19, के बाद निवेशकों के निवेश पैटर्न पर एक तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. संजय कुमार गर्ग
रोहित कुमार	डोमिनोज पिज्जा और पिज्जाहट मोतिहारी के प्रति ग्राहक संतुष्टि पर एक अध्ययन	प्रोफेसर उमा शंकर मिश्रा
शिखा सलोनी	भारत मे मातृत्व और पितृत्व अवकाश की स्थिति	डॉ.तुलसी गिरी गोस्वामी
शिल्पा दर्गड़	भारतीय पूँजी बाज़ार मे बैंकिंग शेयरों के पदर्शन को प्रभावित करने वाले कारको पर एक अध्ययन	डॉ. संजय कुमार गर्ग
सिद्धार्थ चाहर	राजस्थान केंद्रीय विश्व विद्यालय मे प्रवेश लेने से पहले विज्ञापन की भूमिका	प्रोफेसर उमा शंकर मिश्रा
सुनीता कोरी	भारत मे महिलाओं के स्वास्थ्य देखभाल की चुनौतियाँ	डॉ. तुलसी गिरी गोस्वामी
तशा जैन	भारत मे गैर जीवन बीमा कंपनियों पर एक तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. संजय कुमार गर्ग

गणित विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबन्ध का नाम	पर्यवेक्षक का नाम
आदित्य कुमार सोनी	चार शारीरिक प्रतिबंधित समस्या पर	डॉ राम किशोर
अनामिका कुमारी	गणित की शिक्षण सीखने की प्रक्रिया में गणितीय	डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी

	मोडलिंग की प्रभावशीलता और निहितार्थ	
अनुज कुमार	गणित शिक्षा मे डिजिटल शिक्षा शास्त्र की चुनौतियों और प्रभावशीलता पर एक अध्ययन	डॉ. विपुल कक्कर
भूपेंद्र गुर्जर	जटिल संख्या और संख्या सिद्धांत से सम्बंधित शैक्षणिक सैद्धान्तिक और व्यवाहरिक चिंताओं पर एक अध्ययन	प्रो. जुगल किशोर प्रजापत
दीपेश यादव	आपदा घटना रिट्रीयल क्युइंग मॉडल का एक अध्ययन	डॉ. विद्योतमा जैन
देवेन्द्र कुमार धनोदिया	एन-बॉडी प्रॉब्लम पर	डॉ. राम किशोर
गौतम कवालिया	छात्रों में मशीन लर्निंग के प्रति जागरूकता	डॉ. अमित चक्रबोर्ती
गुंजन	वरिष्ठ माध्यमिक गणित में शिक्षार्थियों की कठिनाईयों का अध्ययन और कलन मे प्रभावी शिक्षण रणनीतियां	डॉ. राम किशोर
हरिओम	सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों के बीच कोनिक्स टीचर्स पेर्सप्सन के एक अध्ययन का अध्ययन	डॉ. विजय कुमार यादव
जतिन शर्मा	एक मल्टीस्ट्रेन महामारी मॉडल के साथ टीकाकरण का स्थानीय स्थिरता विश्लेषण	डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी
जसवंत सिंह गुर्जर	महामारी विज्ञान के अनुप्रयोगों, महत्वों और शैक्षणिक चिंताओ पर गणितीय एक्सपोजिटोरी अध्ययन	डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी
कृष्ण यादव	वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर संभाव्यता सिद्धांत और यादृच्छिक चर के प्रति छात्रों का रवैया	डॉ. विद्योतमा जैन
लक्षदीप भारती	3 जनसमूह पर सीतनिकोव समस्या	डॉ. राम किशोर
मनीषा कुमारी	वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयओं मे शैक्षणिक चिंताओ का एक अध्ययन और त्रिकोणमिति सीखने मे चुनौतियो	प्रो. जुगल किशोर प्रजापत
मनोज चौधरी	तीन शारीरिक समस्या अंडाकार प्रतिबंधित पर	डॉ. राम किशोर
मोहम्मद आरिफ जन	लंग्राग्रियन हिल का मामला सामान्यीकृत पहाड़ी की समस्या	डॉ. राम किशोर
पवन कुमार	प्रतिबंधित तीन शारीरिक समस्या पर एक संक्षिप्त सर्वेक्षण	डॉ. राम किशोर
पवन पिंगल	ज्यामिति मे शिक्षण सीखने की नवीन पद्धतियों और शिक्षार्थियों की कठिनाइयों पर एक अध्ययन	डॉ. राम किशोर
प्रियंका कँवर	छात्रों को सीखने की सीमा और वास्तविक जीवन मे व्युत्पन्न के अनुप्रयोग में कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है	डॉ. राम किशोर
राकेश चौधरी	परिपत्र प्रतिबंधित तीन शारीरिक समस्या रैखिक	डॉ. राम किशोर

	स्थिरता विश्लेषण	
रामनिवास	शिक्षकों और छात्रों के बीच मशीन लर्निंग में रूचि	डॉ. अमित चक्रबोर्टी
रवि चौधरी	सीनियर सैकेंडरी स्कूल के छात्रों को गणित सीखने के अध्ययन में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है	प्रो. ए. पी. सिंह
रवि प्रकाश रार	जीव विज्ञान विषय मे गणित के अनुप्रयोग और प्रभावशीलता पर एक अध्ययन	डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी
श्रुति शर्मा	वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर इंटीग्रल कैलकुलस सीखने की कठिनाईयों और इसके शिक्षण विचार	डॉ. विजय कुमार यादव
तरुण स्वामी	सीनियर सैकेंडरी स्कूल के छात्रों में सीखने की संभावना सिद्धांत मे रूचि	डॉ. विद्योतमा जैन
विक्रम कुमार	वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मे बीजगणित सीखने मे शिक्षार्थियो की कठिनाइयों का एक अध्ययन और बीजगणित में प्रभावी शिक्षण सीखने की रणनीतियां	डॉ. विपुल कक्कर
यशपाल स्वामी	तीन शारीरिक प्रतिबंधित समस्या पर	डॉ. राम किशोर
यौगेश कुमार जियानी	गणितिय मॉडलिंग का अनुप्रयोग और महत्व	डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग (एकीकृत एमएससी और एमएससी सूक्ष्मजीवविज्ञान0029

अभ्यर्थी का नाम	**निबन्ध का नाम**	**पर्यवेक्षक का नाम**
अभिषेक त्यागी	हाईपरसैलिन– क्षारीय झील से पृथक सायनोंबेक्टेरिया के प्रकाश संश्लेषक वर्णक पर लवणता के प्रभाव का मूल्याङ्कन	प्रो. पवन कुमार दाधीच
अदनान खान	स्टेफिलोकोकास ओरियास के एमएसआरए एफ्लाक्स पंप का इन सिलिको करेक्टरराइजैसन इन हाउस कंपाउंड लाइब्रेरी का आणविक डोकिंग और इन विट्रो विश्लेषण	प्रो. इंशाद अली खान
अलीशा माथुर	साइनोस्पिरा एसपी में फैकोबिलीप्रोटीन सामग्री पर नाइट्रोजन का प्रभाव सांभर झील से पृथक	प्रो. पवन कुमार दाधीच
अंजलि बिसवा	एंथ्रेक्स प्रबंधन के लिए एन्थ्रेसीस पीपीआई बी के लिए अवरोधको की सरंचना आधारित पहचान	डॉ. दीक्षा त्रिपाठी
अपूर्वा धनोपिया	केले (मूसा एक्यूमिनाटा)फल से बेक्टेरियल एन्दोफैट्स : एंटीबायोटिक्स प्रतिरोध से लेकर आंतो के बैक्टीरिया के खिलाफ विरोधी गतिविधि तक	डॉ. अरविन्द प्रताप सिंह

भावना ठाकुर	पपीता (कैरिका पपीता) फल के साथ जुड़े एन्दोफाय्तिक प्रतिरोध से लेकर एंट्रिक बैक्टीरिया के खिलाफ बायो कण्ट्रोल एजेंटो तक	डॉ. अरविन्द प्रताप सिंह
दीपिका कुमारी	एंट्रिक बैक्टीरिया डी एन ए एक्सट्रेक्टसन और माइक्रोस्प्रीन जैसे एमिनो एसिड स्क्रीनिंग चयनित साईनोबक्टिरियल स्ट्रेन से	डॉ. अखिल अग्रवाल
गरिमा कँवर शेखावत	होमोलोजी दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए स्तैफिलोकोकास ओरियस के नोरा एफ्लक्स पंप की त्रिआयामी सरंचना की भविष्यवाणी, इन – हाउस लाइब्रेरी के आणविक डॉकिंग और पहचाने गए हिट के इन विट्रो विश्लेषण	प्रो. इंशाद अली खान
कोमल अलारिया	लागत प्रभावी पोषक तत्व के रूप में केले के छिलके का उपयोग करके बैक्टीरियल सेल्युलोज का उत्पादन	डॉ. निधि पारीक
कुमारी प्रियंका चौहान	एंट्रेक्स प्रबंधन के लिए बैसिलस के त्रिगर फैक्टर के लिए अवरोधको की सरंचना आधारित पहचान	डॉ. दीक्षा त्रिपाठी
मधु कुमारी	मायको बैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिसइ इन्ही के साथ प्रोथीयोनामाइड की बाध्यकारी विशिस्ता की जाँच	डॉ. दीक्षा त्रिपाठी
ममता यादव	फलों के रस और कागज़ उद्योग में कवक जाएलानेज और इसके अनुप्रयोगों का एक प्रायोगिक और इन सिलिको अध्ययन	प्रो. प्रदीप वर्मा
मनीष रोजर	तेल क्षेत्र के नमूनों मे खट्टेपन को नियंत्रित करने के लिए सोडियमनाईटरोंसाइड की प्रभावशीलता का मूल्यांकन	डॉ. अखिल अग्रवाल
निकिता शर्मा	दुलियाजान, असम के तेल जलाशयों से एलडीपीई को नष्ट करने वाले बैक्टीरिया का अलगाव	डॉ. अखिल अग्रवाल
प्रिया कुमारी	हेलिकोबेक्टोर पाइलोरी के खिलाफ चिकित्स्तीय लक्ष्य के रूप मे बायोफिल्म निर्माण जीन की पहचान	डॉ. विजय कुमार वर्मा
रामरतन बिजर्निया	विभिन्न आवासों मे रहने वाले साइनोबैक्टेरिया की अलगाव और रूपात्मक पहचान	प्रो. पवन कुमार दाधीच
रूपल निगम	रौगाणु रोघी पेप्टाईड्स (एएमपी) के खिलाफ लक्षित करने के लिए हेलिकोबेक्टोर पाइलोरी के बाहरी झिली प्रोटीन /आसंजन प्रोटीन का जैव	डॉ. विजय कुमार वर्मा

	सूचनात्मक विश्लेषण	
सतीश राजपुरोहित	हेलिकोबेक्टोर पाइलोरी में दवा प्रतिरोधी एंजाइम को लक्षित करना	डॉ. विजय कुमार वर्मा
शिवा वैष्णवी	व्हाइट रोग फंगी से लैकेस का उपयोग करके दैक्लोफेनाक और क्लोरेमफेनिकोल की फार्मास्युटिकल का बायोरेमेडीएसन : एक प्रोयोगिक और इन सिलिको विश्लेषण	प्रो. प्रदीप वर्मा
टीना कुमावत	अंगूर (वाईटिस विनिफेरा)मे ऐंडोफैतिक जीवाणु समुदाय: रोगाणु रोधी प्रतिरोध से लेकर आंतो के बैक्टीरियां निरोधात्म गतिविधि तक	डॉ. अरविन्द प्रताप सिंह
तेजस्विनी आनंद	एकटेरियसचिटिनास:द्वारा ग्लूकोसामाईन के बढे हुए उत्पादन के लिए माइक्रोवेव विकिरण और आयनिक तरल उत्पाद का उपयोग करने वाले चीटिन का संयुक्त पूर्व उपचार	डॉ. निधि पारीक
त्रिवेन्द्र कुमार धवन	टेट के ऐफ्लक्स पंप स्टेफिलोफोकस ऑरियस किस ३ डी सरंचना का स्पस्टीकरण, इन हाउस लाइब्रेरी की आणविक डोकिंग और पहचाने गए हिट्स का इन विट्रो विश्लेषण	प्रो. इंशाद अली खान

फार्मेसी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	**निबंध का शीर्षक**	**पर्यवेक्षक का नाम**
आयुषी भटनागर	इन सिलिको इवोल्यूशन एंड सिंथेसिस ऑफ नोवेल मॉर्फोलिनोपाइरीमिडीन डेरिवेटिव्स एज पोटेंशियल पीआई3के इन्हिबिटर्स	डॉ रुचि मलिक
अभिषेक यादव	सिंथेसिस एंड कंप्यूटेशनल स्टडीज ऑफ क्विनेजोलाइन 3-ऑक्साइड्स एज पोटेंशियल नोर ए एफ्लेक्स पंप इन्हिबिटर्स	प्रो अमित के गोयल/ सह-पर्यवेक्षित- डॉ देवेश एम सावंत
अनूप दास	डेवलपमेंट एंड इवोल्यूशन ऑफ सेल्फ नैनो एमल्सिफाइंग ड्रग डिलीवरी सिस्टम को-लोडेड विद डोक्सोरूबिसिन हाइड्रोक्लोराइड एंड बरबेरीन फॉर एफीकेसियस मैनेजमेंट ऑफ ब्रेस्ट कैंसर	डॉ कैसर रज़ा
हिमानी सिंह	बी-साइक्लोडेक्सट्रिन मॉडिफाइड पीएएमएएम डेंड्रीमर्स फॉर द इफेक्टिव डिलीवरी ऑफ बोर्टेजोमिब: ए कंपेरेटिव स्टडी ऑफ़ एजुकेशन एंड कंपलेक्सेशन	डॉ उमेश गुप्ता
जितेंद्र कुमार	कंप्यूटेशनल स्टडीज एंड कोडिलीवरी एप्रोचेस यूजिंग मैथोट्रेक्जेट एंड पाइपराइन फॉर एंटी-कैंसर इफेक्ट	प्रो अमित के गोयल और डॉ कैसर रजा

कमलेश ठाकुर	नोवेल पीवीपी-पीएचबी कांजगेट बेस्ड पॉलीमेरिक माइसेलेस फॉर द बेटर डिलीवरी ऑफ पैक्लीटैक्सेल	प्रो अमित के गोयल और डॉ उमेश गुप्ता
कावेन्द्र सिंह	पीडी/सीयू को-कैटालाइज इंटरामॉलिक्युलर सी-एन कपलिंग रिएक्शन फॉर द सिंथेसिस ऑफ ट्राईसाईकलिक इमिडाज़ोपाइरीडीन डेरिवेटिव्स	डॉ देवेश एम सावंत
मीनाक्षी टेलर	इफेक्ट ऑफ लाइपोजोमल साइज ऑन बायोफार्मास्यूटिकल परफॉर्मेंस ऑफ डोसीटैक्सल	डॉ कैसर रज़ा
नैंसी	ड्यूल डिलीवरी ऑफ मैंगीफेरिन एंड डोसीटैक्सल फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ कैंसर यूजिंग सोलिड लिपिड नैनोकेरियर	डॉ कैसर रज़ा
पिंकी गहलोत	डॉकिंग स्टडीज एंड सिंथेसिस ऑफ 1, 3-डायफिनायल पायराजोल डेरिवेटिव्स एज बेस-1 इन्हिबिटर्स टू टारगेट अल्जाइमर डिजीज	डॉ रुचि मलिक
पूजा चौधरी	प्रिपरेशन एंड इवोल्यूशन ऑफ डोसटैक्सेल बी साइक्लोडेक्सट्रिन कंपलेक्स यूजिंग न्यू सोंग्स फॉर मैनेजमेंट ऑफ कैंसर	डॉ कैसर रज़ा
राखी	सिंथेसिस, कैरक्टराइजेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन ऑफ फोलेट ऐसरिफाइड कन्ज्यूगेट्स फॉर द इफेक्टिव डिलीवरी ऑफ़ डोसटैक्सेल	डॉ कैसर रज़ा
रनाता मन्ना	सिंथेसिस ऑफ बैंजो पायरिडो इमिडेजो एजापाइनोन डेरिवेटिव्स वाया अलकालेटेड इमिडाज़ोपाइरीडीन्स बाय सी-एन कपलिंग रिएक्शन	डॉ देवेश एम सावंत
रेशु सिंह	एड्जोर्पसन आफ फोलिक एसिड कंजगेटेड पीएलजीए-काइटोशन माइसेलेस ऑफ डॉक्सोरूबिसिन हाइड्रोक्लोराइड एंड ब्रेस्ट कैंसर	प्रो अमित के गोयल और डॉ उमेश गुप्ता
सान्या बाथेजा	गैलेक्टोसाइलेटेड एल्ब्यूमिन ननोपार्टिकल्स फॉर इंप्रूव्ड प्रोटीन बाइंडिंग, स्टेबिलिटी एंड इफेक्टिव डिलीवरी ऑफ़ जेमिसिटाबाइन	प्रो अमित के गोयल और डॉ उमेश गुप्ता
शैलेश मणि त्रिपाठी	आइडेंटिफिकेशन ऑफ सूडोनॉट बाइंडिंग एजेंट्स फॉर इन्हिबिशन ऑफ वन राइबोसोमल फ्रेमशिफ्टिंग इन एसआरएस सीओ वी2	डॉ देवेश एम सावंत
शिवम कुमार	कंप्यूटेशनल स्टडी एंड सिंथेसिस ऑफ 3, 4-हाइड्रोपायरीमाइडीन-2 (1एच)-वन डेरिवेटिव्स एज ग्लाइकोजीन सिंथेसिस काइनेज-3बी इन्हिबिटर्स	डॉ देवेश एम सावंत
स्माइली	डेवलपमेंट एंड कैरक्टराइजेशन ऑफ जेमकेटेबाइन-क्वेरसेटीन लोडेड लिपिड पॉलीमर हाइब्रिड ननोपार्टिकल्स (एलपीएचएन'एस) अगेंस्ट ब्रेस्ट कैंसर	डॉ उमेश गुप्ता
सोफिया तरन्नुम	हाईएल्यूरिक एसिड (एचए) इंजीनियर्ड एचपीएमए-पीएलए	डॉ उमेश गुप्ता

	नैनोपार्टिकल्स फॉर द डिलीवरी ऑफ बोरटेजोमीब	
सुजीत कुमार सिंह	सिंथेसिस एंड कंप्यूटेशनल स्टडीज ऑफ एमिनो टेट्राजोल एज पोटेंशियल एमएसआरए पंप इन्हिबिटर्स	डॉ देवेश एम सावंत
तनीषा गुप्ता	डेवलपमेंट एंड कैरक्टराइजेशन ऑफ़ टीएमजेड-पीएएमएएम-एसआईआरएनए डेंड्रीप्लेक्सेज फॉर इफेक्टिव मैनेजमेंट ऑफ ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म	डॉ उमेश गुप्ता
विनय कुमार	एर्जीनाइन मॉडिफाइड डेंड्रीमर बेस्ड अप्रोच फॉर द इफेक्टिव ब्रेन डिलीवरी ऑफ डोनेपेजिल	डॉ उमेश गुप्ता

भौतिकी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	**निबंध का शीर्षक**	**पर्यवेक्षक का नाम**
आकांक्षा अग्रवाल	इफेक्टिव ऑफ ग्रोथ ऑक्सीजन पार्शियल प्रेशर ऑन द फिजिकल प्रॉपर्टीज ऑफ एनआईसीओ2ओ4 थिन फिल्म्स	डॉ युगांधर बिटला
आकाश बशीर	द इफेक्ट ऑफ रिकांबिनेशन कोएफिशिएंट एंड आयोनाइजेशन रेट ऑन वेवगाइड इंस्टेबिलिटी इन क्वांटम प्लाज्मास	डॉ सुखमंदर सिंह
अमित यादव	इंटरेक्शन ऑफ प्लाज्मा वेट माइक्रोवेव	डॉ सुखमंदर सिंह
अंकित कुमार	न्यूमेरिकल स्टडी ऑफ टाइट बाइंडिंग बैंड स्ट्रक्चर ऑफ एक्सोटिक लेटिस सिस्टम्स	डॉ साहिनूर रेज़ा
अंकुर गौड़	प्रोपेगेशन स्टडी ऑफ द ऑप्टिकल वर्टेक्स बीम थ्रू ऑप्टिकल वेवगाइड	डॉ बृजेश कुमार सिंह
अन्नू	एनहांसिंग द लर्निंग एंड टीचिंग ऑफ थर्मोडायनेमिक्स	डॉ टी संगीता और डॉ संदीप कुमार
अनुराधा छीपा	एन एनालिसिस ऑफ एनसीईआरटी फिजिक्स टेक्स्ट बुक फॉर क्लास 12 इन रेफरेंस टू द क्वेश्चंस	डॉ संगीता यदुवंशी और डॉ सुखमंदर सिंह
अतुल राज बंसीवाल	स्टडी ऑफ पोलेराइजेशन कंपलेक्स फील्ड	डॉ बृजेश कुमार सिंह
अविरल खंडेलवाल	इंपैक्ट ऑफ ट्रेडिशनल गेम्स ऑन अंडरस्टैंडिंग ऑफ फिजिक्स कॉन्सेप्ट्स अमोंग सीनियर सेकेंडरी स्टूडेंट्स	डॉ अंजलि शर्मा और डॉ बृजेश कुमार सिंह
देबोद्यूति कार	ए स्टडी ऑन नॉनलीनियर इलेक्ट्रोमैग्नेटिक प्रोपेगेशन आइनोस्फीयर	डॉ रजनीश कुमार वर्मा
हर्षवर्धन सिंह	मिसकनसेप्शन अबाउट कांसेप्ट ऑफ लाइट अमोंग सेकेंडरी स्टूडेंट्स	डॉ अंजलि शर्मा और डॉ बृजेश कुमार सिंह
किसान कुमार सेंद	टीचर ऑपिनियंस अबाउट द कांसेप्चुअल चैलेंजेज एक्सपीरियंस्ड इन टीचिंग "इलेक्ट्रोस्टेटिक्स"	डॉ टी संगीता और डॉ सुखमंदर सिंह
क्षितिज सिंह राठौर	कॉस्ट इफेक्टिव ट्रांसपेरेंट कंडक्टिंग ऑक्साइड थिन फिल्म्स ऑफ़ एएल:जेडएनओ युजिंग स्पिन कोटिंग टेक्निक	डॉ युगांधर बिटला
महेश कुमार डीडवारिया	माइंड मेपिंग एंड फिजिकल मैप्स एज ए पेडाजोजिकल टूल्स	डॉ अंजलि शर्मा और

	इन टीचिंग बेसिक फिजिक्स	डॉ रजनीश कुमार वर्मा
मनोज कुमार मेघवाल	फ्रैक्टल्स एंड फ्रेक्टल डाइमेंशन इन रियल वर्ल्ड	प्रो मनीष देव श्रीमाली
मुबारक अली	कैरक्टराइजेशन आफ ग्राफीन ऑक्साइड बाय यूवी/वीआईएस स्पेक्ट्रोस्कॉपी	डॉ संदीप कुमार
मुकेश कुमार बराला	सिंथेसिस एंड स्ट्रक्चरल कैरक्टराइजेशन ऑफ सीईएमएनओ3	डॉ अजीत के पात्रा
निर्मल कुमार	द इफ़ेक्ट ऑफ़ आयोनाइजेशन एंड रिकांबिनेशन ऑन इलेक्ट्रॉन बीम प्लाजमा इंस्टेबिलिटी इन हॉल थ्रस्टर डिवाइसेज	डॉ सुखमंदर सिंह
पंकज चौधरी	टू एक्सपेर स्टूडेंट्स एंड टीचर्स बिलीफ टूवर्ड फिजिक्स लैबोरेट्री	डॉ टी संगीता और डॉ संदीप कुमार
पार्वती बाई मीना	स्पिन वेव थ्योरी इन 2डी (स्क्वायर लेटिस) इन क्वांटम ऑफ सॉलिड स्टेट फिजिक्स	डॉ राकेश कुमार
प्रीतम दास	डेप्थ डिस्ट्रीब्यूशन स्टडी फॉर इंप्लांटेड टारगेट	प्रो मैत्रेयीनैंडी और डॉ रजनीश कुमार वर्मा
प्रियंका सैनी	स्टडी ऑफ कांसेप्चुअल मिसअंडरस्टैंडिंग ऑफ वेरियस ग्रेड साइंस स्टूडेंट्स अबाउट हीट एंड टेंपरेचर	डॉ अंजलि शर्मा और डॉ युगांधर बिटला
राहुल निम्बार	ए रिव्यू ऑन नैनोजनरेटर्स फॉर एनर्जी हार्वेस्टिंग	डॉ नीरज पंवार
राहुल सैनी	स्ट्रक्चरल स्टडी ऑफ़ पीईओ/टीआईओ2 पॉलीमर नैनोकंपोजिट	डॉ संदीप कुमार
रिया ओझा	इन-फेज एंड एंटी-फेज सिंक्रोनाइजेशन एंड नॉन-लीनियर आइडेंटिकल ऑसीलेटर्स	प्रो मनीष देव श्रीमाली
शिल्पा शर्मा	सिमुलेशन ऑफ अल्ट्राशॉर्ट लेजर पल्स	डॉ पी प्रेम किरण और डॉ युगांधर बिटला
सोनम मीना	एक्सप्लोरेशन ऑफ ऑर्डर डिसऑर्डर ट्रांजिशंस इन मैग्नेटिक सिस्टम	डॉ राकेश कुमार
सौरदीप भट्टाचार्य	डिले एंबेडिंग टेक्निक फॉर नॉन-लीनियर टाइम सीरीज एनालिसिस	प्रो मनीष देव श्रीमाली
शुभम मेहता	इंट्रोडक्शन टू इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन टेक्नोलॉजी	डॉ सुखमंदर सिंह
सुभाष बेनीवाल	स्टूडेंट्स परसेप्शन टुवर्ड्स ऑनलाइन लर्निंग ऑफ फिजिकल साइंस ड्यूरिंग कोविड-19 पांडेमिक	डॉ संगीता यदुवंशी और डॉ सुखमंदर सिंह
सूरज कुमार	टाइट बाइंडिंग बैंड स्ट्रक्चर ऑफ फ्लैट बैंड सिस्टम ऑन कंप्यूटर	डॉ साहिनूर रेज़ा
वैभव यादव	स्ट्रक्चरल प्रॉपर्टीज ऑफ़ बीआई1-एक्ससीएएक्सएफई1-वायसीआरवायओ3 (एक्स, वाय = 0.1, 0.2)	डॉ अजीत के पात्रा और डॉ युगांधर बिटला
वर्षा सोकाल	यूवी-विस स्पेक्ट्रोस्कॉपी स्टडी ऑफ पीईओ/टीआईओ2	डॉ संदीप कुमार

	नैनोकंपोजिट्स	
विशाल कुमार गुप्ता	ए स्टडी ऑफ स्पेस चार्ज लिमिटेड कंडक्शन मैकेनिज्म	डॉ संदीप कुमार
योगेश ढाका	पॉलीक्रिस्टलाइन सीओ-एफई बेस्ड सॉफ्ट फेरोमैग्नेटिक एलॉय	डॉ अजीत के पात्रा
युवराज मीना	स्टडी द परसेप्शन ऑफ यूनिवर्सिटी फिजिक्स स्टूडेंट्स फॉर द वर्चुअल लैबोरेट्री ऑफ फिजिक्स	डॉ संगीता यदुवंशी और डॉ सुखमंदर सिंह

लोक नीति, विधि और शासन विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अभिनव	इमर्जिंग ट्रेंड्स इन डिजिटल गवर्नेंस- ए स्टडी ऑफ द बिहार राइट टू पब्लिक ग्रीवेंस रिड्रेसल एक्ट, 2015 एंड इट्स इंपैक्ट इन द स्टेट ऑफ बिहार	डॉ अंजन कुमार साहू
अमन महारानिया	हेल्थ पॉलिसी ऑफ राजस्थान ऑन कोविड-19: ए स्टडी ऑफ गवर्नमेंट एंड ब्यूरोक्रेटिक रेस्पॉन्स टू द पांडेमिक	डॉ सी. जीवन कुमार
अनंतकृष्णन एच	इंपैक्ट ऑफ ई-लर्निंग ऑन स्टूडेंट्स परफॉर्मेंस: ए केस स्टडी ऑफ इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान	डॉ सी. जीवन कुमार
अनन्या श्रीवास्तव	वूमेन बिहाइंड द क्लोज्ड डोर्स - ए प्रीवेंशन पॉलिसी अप्रोच टू स्टडी डॉमेस्टिक वायलेंस इन इंडिया	डॉ एस कंडासामी
दहिया लक्ष्मी देवीलालजी	चाइल्ड मैरिज इन राजस्थान: इंपैक्ट ऑफ गवर्नमेंट पॉलिसी टू प्रीवेंट चाइल्ड मैरिज	डॉ एस कंडासामी
डावनी जॉनसन	डिजिटल डेमोक्रेसी एंड सिटीजन आर्टिकुलेशन: इंपैक्ट ऑफ सोशल मीडिया वोटर बिहेवियर इन केरला	डॉ ज्ञान रंजन पांडा
दीपक कुमार मीना	स्टडी ऑफ पीएमएवाय-जी फॉर सोशियो-सायकोलॉजिकल चेंजेज इन बेनेफिशरीज लाइफ इन ग्राम पंचायत पदाना, सवाई माधोपुर राजस्थान ड्युरिंग 2016-2021	डॉ अंजन कुमार साहू
दीपिका शास्त्री	द रोल ऑफ रिलीजन इन इनफ्लुएंसिंग पब्लिक पॉलिसी इन इंडिया: पीपल्स पर्सपेक्टिव इन उत्तर प्रदेश	डॉ एस कंडासामी
करुणा राजपुरोहित	वूमेन एंड लोकल गवर्नेंस इन इंडिया: ए केस स्टडी ऑफ़ कोटडी ग्राम पंचायत ऑफ़ अजमेर डिस्ट्रिक्ट	प्रो एस एन अम्बेडकर
लायनथांगपुई	डिजिटल इंडिया प्रोग्राम इन नॉर्थ ईस्टर्न रीजन: द स्टडी ऑफ़ इट्स इंप्लीमेंटेशन इन मिजोरम	डॉ ज्ञान रंजन पांडा
सपन कुमार रौल	पंचायत राज सिस्टम इन इंडिया	डॉ एस कंडासामी

सामाज कार्य विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अभिजीत स्टेनली	इंपैक्ट ऑफ कोविड-19 ऑन अनऑर्गेनाइज्ड सेक्टर: ए केस	डॉ जगदीश जाधव

	स्टडी ऑफ छप्पारपड़ावा ग्राम पंचायत	
आदर्श राज	इंपैक्ट ऑफ कोविड-19 पांडेमिक ऑन द वेलबिइंग ऑफ फार्मर इन सुंदरपत्ति विलेज	डॉ शैज़ी अहमद
अजमल रोशन	ड्रॉप आउट अमोंग मुस्लिम वुमैन इन हायर एजुकेशन: ए केस स्टडी ऑन पिनारायी पंचायत	डॉ शैज़ी अहमद
अलीना जोस	इंपैक्ट ऑफ वाइल्ड एनिमल अटैक ऑन रेजिडेंट्स ऑफ अरालाम ग्रामा पंचायत	डॉ राजीव एम एम
आशुतोष कुमार	इंपैक्ट ऑफ कोविड-19 ऑन कॉलेज गोइंग स्टूडेंट्स फ्रॉम नालंदा पंचायत	डॉ डी पी नेगी
चैतन्य के	स्टडी ऑन इंपैक्ट ऑफ़ कोविड-19 अमोंग यूथ ऑफ़ कन्नूर डिस्ट्रिक्ट, केरला	डॉ अतीक अहमद
जिट्टू जॉर्ज	कोविड-19 एंड माइग्रेंट वर्कर्स इन गल्फ कंट्री: ए केस ऑफ मलयाली माइग्रेंट इन यूनाइटेड अरब एमिरेट्स	डॉ डी पी नेगी
मिजो मैथ्यू	इंपैक्ट ऑफ़ कोविड-19 फैमिली लाइफ, एजुकेशनल इंगेजमेंट एंड साइकोलॉजिकल स्टेटस ऑफ स्टूडेंट ऑफ 10 क्लास, लिविंग इन लोटियाना पंचायत, ब्यावर, राजस्थान	डॉ सुभासिस भद्र
मोहम्मद साजिद	साइकोलॉजिकल वेल-बीइंग आफ डायवोर्सड वूमेन इन करुणागप्पल्ली तालुका	डॉ शैज़ी अहमद
नरेंद्र सिंह खंगारोत	कोविड-19 - द सोशियो-इकोनामिक कंडीशन ऑफ वूमेन इन दांग विलेज, अजमेर डिस्ट्रिक्ट	डॉ राजीव एम एम
नीना राजू	ए स्टडी ऑन इंपैक्ट ऑफ़ कोविड-19 ऑन द ट्रांसजेंडर कम्युनिटी, विद स्पेशल रेफरेंस टू केरला स्टेट इन इंडिया	डॉ डी पी नेगी
प्रीतम सिंह	द चैलेंजिस एंड सपोर्ट सिस्टम्स अमोंग द वूमेन मेंबर ऑफ एसएचजीएस इन लोटियाना (ब्यावर राजस्थान) पंचायत ड्यूरिंग पांडेमिक	डॉ सुभासिस भद्र
रविकांत	इंपैक्ट ऑफ कोविड-19 ऑन गर्ल चाइल्ड एजुकेशन: ए केस स्टडी ऑफ सारेली विलेज इन हरियाणा स्टेट	डॉ जगदीश जाधवी
रजिया बटूल	रिवर्स इंक्लूसिव एजुकेशन इन राजस्थान: ए केस स्टडी ऑफ़ टू इंक्लूसिव स्कूल इन अजमेर डिस्ट्रिक्ट, राजस्थान	डॉ अतीक अहमद
शरण एन थॉमस	ए स्टडी ऑन सोशियो- इकोनामिक इंपैक्ट ऑफ़ कोविड-19 ऑन फिशर फोक वूमेन एट थंगाशेरी इन कोल्लम डिस्ट्रिक्ट, केरला	डॉ राजीव एम एम
विष्णु राज	ए स्टडी ऑन आईडेंटिफाइंग द एकेडमिक बैकवर्डनैस अमोंग शेड्यूल ट्राइब इन मट्टापारा कॉलोनी ऑफ अंबालावायल ग्राम पंचायत	डॉ अतीक अहमद

खेल जीव विज्ञान विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
आरती दास एम टी	माइंडफूलनेस एंड न्यूट्रीशनल नॉलेज प्रिडिक्टिंग ईटिंग बिहेवियर अमोंग एथलीट्स	डॉ नीतू पी एस
अश्विनी मोहनदास	न्यूट्रीशनल एसेसमेंट ऑफ जूडो प्लेयर्स	डॉ नेहा सिंह
अश्विनी मोहनदास	न्यूट्रीशनल एसेसमेंट ऑफ जूडो प्लेयर्स	डॉ नेहा सिंह
इशिता पारीक	फिजिकल एक्टिविटी एंड न्यूट्रीशनल अवेयरनेस अमोंग फिटनेस ट्रैकर एंड न्यूट्रिशन एप यूजर्स एंड नॉन यूजर्स	डॉ नेहा सिंह
इशिता पारीक	फिजिकल एक्टिविटी एंड न्यूट्रीशनल अवेयरनेस अमोंग फिटनेस ट्रैकर एंड न्यूट्रिशन एप यूजर्स एंड नॉन यूजर्स	डॉ नेहा सिंह
मोहित धारीवाल	न्यूट्रीशनल एसेसमेंट ऑफ नेशनल लेवल मेल एंड फीमेल वूशु प्लेयर्स	डॉ सुनील जी पुरोहित
प्रज्ञा शेखर	इफेक्ट ऑफ कॉन्करेंट ट्रेनिंग ऑन पलमोनरी फंक्शन ऑफ सेडेन्टरी इंडिविजुअल्स	डॉ हेमंत नाइक बी
राहुल फगेरिया	कंपैरेटिव स्टडी ऑफ डाइटरी इनटेक बिटवीन वालीबॉल एंड हॉकी प्लेयर्स	डॉ सुनील जी पुरोहित
स्नेहा झा	रिलेशनशिप ऑफ ऑर्थोरेक्सिया नर्वोसा विथ पर्सनैलिटी एंड परफेक्शन अमोंग न्यूट्रिशन स्टूडेंट्स एंड जिम गोवर्स	डॉ गुनीत इंदर जीत कौर
श्रेयशी सेन	ईटिंग एटीट्यूड, ईटिंग बिहेवियर एंड बॉडी इमेज सेटिसफेक्शन अमोंग फिमेल एथलीट्स	डॉ नीतू पी एस
योगेश कुमार	इफेक्ट ऑफ स्ट्रैंथ एंड कोऑर्डिनेशन एक्सरसाइजेज फॉर रिएक्शन टाइम ऑफ सेडेन्टरी इंडिविजुअल्स	डॉ हेमंत नाइक बी

समाज प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अनिक कुमार	डिजिटल मार्केटिंग- कस्टमर बिहेवियर टुवर्ड्स ईमेल मार्केटिंग	डॉ राहुल शुक्ला
अनुरुद्ध कुमार	द रोल ऑफ डीडीयू-जीकेवाई: ए केस स्टडी ऑफ इफेक्टिव स्किल इंडिया प्रोग्राम फॉर पटना डिस्ट्रिक्ट इन द स्टेट ऑफ बिहार	प्रो उमाशंकर मिश्रा
अशोक सैनी	सेटिस्फेक्शन लेवल ऑफ सिटीजन टूवर्ड्स द कॉमन सर्विस सेंटर इन राजस्थान	डॉ जया कृतिका ओझा
अतुल राज	क्रिएटिंग डिजिटल स्पेस फॉर ग्रासरूट इनोवेशन: ए केस ऑफ नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन- इंडिया (एनआईएफ)	डॉ जया कृतिका ओझा
लुशिका वत्स	ऑनलाइन शॉपिंग: फैक्टर्स अफेक्टिंग कंज्यूमर्स बिहेवियर ऑफ सहरसा डिस्ट्रिक्ट बिहार	डॉ राहुल शुक्ला
मनीष तरुण	प्रोटेक्टिंग प्राइवेसी इन डिजीटल एज़: ए केस स्टडी ऑफ समस्तीपुर डिस्ट्रिक्ट ऑफ बिहार	डॉ ज्ञान रंजन पांडा

मुदिता जोशी	अंडरस्टैंडिंग ऑफ द रोल ऑफ इनोवेशन फॉर द ग्रोथ एंड डेवलपमेंट ऑफ स्माल-स्केल फॉर फार्मर्स	डॉ वैरोक्पम प्रेमी देवी
नेहा मिश्रा	रिस्क बेनिफिट एनालिसिस ऑफ द प्राइवेसी ट्रेड-ऑफ इन ओपन गवर्नमेंट डाटा पोर्टल	डॉ वैरोक्पम प्रेमी देवी
प्रणव पटेल	एक्सप्लोरेशन ऑफ गूगल डाटा स्टूडियो एज डाटा: एनालिटिक्स फॉर कौशल भारत	प्रो कर मिश्राउमा शं
रौनक माहेश्वरी	रेस्टोरिंग लाइवलीहुड बाय डिप्लोयिंग आईसीटी बेस्ड सॉल्यूशंस: ए केस स्टडी ऑफ डीडीयू-जीकेवाई माइग्रेंट बेनिफिसियरीज एक्रोस इंडिया एमिड कोविड-19 पांडेमिक	प्रो जगदीश जाधव और प्रो उमा शंकर मिश्रा
शिव कुमार	रोल ऑफ आईसीटी इन डिजास्टर मिटिगेशन: ए केस स्टडी ऑन आरोग्य सेतु एप्लीकेशन ड्यूरिंग आउटब्रेक ऑफ कोविड-19 इन इंडिया	डॉ ज्ञान रंजन पांडा
स्वाति चिकारा	ई-अनेबलमेंट ऑफ पंचायती राज इंस्टीट्यूशंस	प्रो जगदीश जादव और डॉ ज्ञान रंजन पांडा

खेल जैव यांत्रिकी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अक्षय सुरेश	डायनामिक्स ऑफ ब्लो टू द हेड इन एमेचर बॉक्सर्स	डॉ एम मारीश्वरन
मोहर चट्टोपाध्याय	फुट स्ट्राइक पेटर्न्स, एंथ्रोपोमेट्रिक पैरामीटर्स एंड सोमेटाइम्स इन ऑप्टीमाइजिंग मल्टी-स्प्रिंट स्पोर्ट्स परफॉर्मेंस	डॉ एम मारीश्वरन

खेल जीव विज्ञान विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
आरती दास एम टी	माइंडफूलनेस एंड न्यूट्रीशनल नॉलेज प्रिडिक्टिंग ईटिंग बिहेवियर अमोंग एथलीट्स	डॉ नीतू पी एस
अश्विनी मोहनदास	न्यूट्रीशनल एसेसमेंट ऑफ जूडो प्लेयर्स	डॉ नेहा सिंह
इशिता पारीक	फिजिकल एक्टिविटी एंड न्यूट्रीशनल अवेयरनेस अमोंग फिटनेस ट्रैकर एंड न्यूट्रिशन एप यूजर्स एंड नॉन यूजर्स	डॉ नेहा सिंह
मोहित धारीवाल	न्यूट्रीशनल एसेसमेंट ऑफ नेशनल लेवल मेल एंड फीमेल वूशु प्लेयर्स	डॉ सुनील जी पुरोहित
प्रज्ञा शेखर	इफेक्ट ऑफ कॉन्करेंट ट्रेनिंग ऑन पलमोनरी फंक्शन ऑफ सेडेन्टरी इंडिविजुअल्स	डॉ हेमंत नाइक बी
राहुल फगेरिया	कंपैरेटिव स्टडी ऑफ डाइटरी इनटेक बिटवीन वालीबॉल एंड हॉकी प्लेयर्स	डॉ सुनील जी पुरोहित
स्नेहा झा	रिलेशनशिप ऑफ ऑर्थोरेक्सिया नर्वोसा विथ पर्सनैलिटी एंड परफेक्शन अमोंग न्यूट्रिशन स्टूडेंट्स एंड जिम गोवर्स	डॉ गुनीत इंदर जीत कौर

श्रेयशी सेनो	ईटिंग एटीट्यूड, ईटिंग बिहेवियर एंड बॉडी इमेज सेटिसफेक्शन अमोंग फिमेल एथलीट्स	डॉ नीतू पी एस
योगेश कुमार	इफेक्ट ऑफ स्ट्रैंथ एंड कोऑर्डिनेशन एक्सरसाइजेज फॉर रिएक्शन टाइम ऑफ सेडेन्टरी इंडिविजुअल्स	डॉ हेमंत नाइक बी

सांख्यिकी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अमित कुमार कुशवाहा	टाइम ट्रकेटेड सिंगल एक्सेप्टेंस सेंपलिंग इंस्पेक्शन प्लान बेस्ड ऑन बर-हटके एक्स्पोनेंशियल डिसटीब्यूशन	डॉ महेंद्र साहा
अंतरा बिस्वास	मॉडलिंग ऑफ कोविड-19 आउटब्रेक इन इंडिया इन रेफरेंस टो इनफेक्शन एंड मोर्टेलिटी	डॉ जितेंद्र कुमार
बोबिका आनंद	एन एप्रोच ऑफ मॉडलिंग ऑफ इन्फेक्शन ऑफ वेरियस स्टेज ऑफ कोविड-19 इंफेक्शन वर्ल्डवाइड	डॉ जितेंद्र कुमार
चंद्र मणि प्रसाद	एनहेंस रेशिया एंड प्रोडक्ट टाइप ऐस्टीमेटर्स फॉर ऐस्टीमेटिंग पापुलेशन मोड यूजिंग ऑग्ज़ीलियरी इंफॉर्मेशन एंड सिंपल रेंडम सेंपलिंग	डॉ संजय कुमार
हर्ष त्रिपाठी	सम प्रॉब्लम ऑन सेंपलिंग इंस्पेक्शन प्लान: स्टैटिसटिकल इन्फ्रेंस एंड एप्लीकेशंस	डॉ महेंद्र साहा
हेमांग मित्तल	ऐस्टीमेशन ऑफ द कंट्रीब्यूशन ऑफ फार्मर इन इंडियन इकोनामी	डॉ जितेंद्र कुमार
इशिता हम्बीर	एप्लीकेशन ऑफ प्रोसेस कैपेबिलिटी इंडेक्स फॉर नॉन-नॉर्मल डिस्ट्रीब्यूशन	डॉ महेंद्र साहा
करण सैनी	इंप्रूव्ड रेशिया एंड प्रोडक्ट टाइप एस्टिमेटर्स ऑफ पॉपुलेशन मोड इन टू-फेस सेंपलिंग	डॉ संजयकुमार
मोहम्मद अफरीद के	रिडक्टिव रेशिया एंड प्रोडक्ट टाइप एस्टिमेटर्स फॉर पॉपुलेशन मीन यूजिंग ऑग्ज़ीलियरी इंफॉर्मेशन इन द प्रेजेंस ऑफ कोरिलेटेड मेजरमेंट एरर	डॉ संजय कुमार
प्रीति सुमन	एप्लीकेशन ऑफ प्रोसेस कैपेबिलिटी इंडेक्स फॉर नॉर्मली डिस्ट्रीब्यूटर क्वालिटी करैक्टेरिस्टिक्स	डॉ महेंद्र साहा
शैली गुप्ता	टाइम ट्रंकेटेड ग्रुप एक्सेप्टेंस सेंपलिंग इंस्पेक्शन प्लान बेस्ड ऑन गोम्पर्ट्ज़ डिस्ट्रीब्यूशन	डॉ महेंद्र साहा
शिवनारायण गुर्जर	ऐस्टीमेशन ऑफ द कंट्रीब्यूशन ऑफ फार्मर इन इंडियन इकोनामी	डॉ जितेंद्र कुमार
सुमित कुमार	सम प्रॉब्लम्स इन प्रोसेस कैपेबिलिटी स्टडीज: स्टैटिसटिकल इन्फ्रेंस एंड एप्लीकेशंस	डॉ महेंद्र साहा
योगेश पांडिया	रेशिया- एंड प्रोडक्ट- टाइप एस्टिमेटर्स फॉर पापुलेशन मीन यूजिंग ऑग्ज़ीलियरी इंफॉर्मेशन इन द प्रेजेंस ऑफ mकोरिलेटेड मेजरमेंट एरर	डॉ संजय कुमार

छात्र नियोजन और उपलब्धियाँ

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग

छात्रों का नाम	संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां
हरिथास्री एस	पीएचडी इन फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरीअहमदाबाद ,
सोहन पाल मीना	पीएचडी इन नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ ओसानोग्राफीगोवा ,
सास्वत दाश	प्रोजेक्ट एसोसिएट ,एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टिट्यूट ,नई दिल्ली
मुर्शेद पीपी	पीएचडी इन एसआरएम यूनिवर्सिटीचेन्नई ,
संजुक्ता घोष	जेआरएफ इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी ,दिल्ली ,नई दिल्ली
सुमित्रा शर्मा	जेआरएफ फ़ टेक्नोलॉजीइंडियन इंस्टिट्यूट ऑ ,दिल्ली ,नई दिल्ली

वास्तुकला विभाग

छात्रों का नाम	संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां
दीक्षा भारती	स्व रोज़गार
मात्सुशिता शर्मा	आर्कटेक जयपुर ,ऐजे स्टूडियो ,
पूजा अरोड़ा	परियोजना सलाहकार आईईएस लिमिटेड, पुणे
शेफाली राशी	इंसेप्शन कंसल्टेंसी एंड एसोसिएट्स, अमरावती, महाराष्ट्र
अक्षय गुप्ता	वास्तुकला और योजना संकाय में सहायक प्रोफेसर (संविदात्मक) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ
गरिमा अग्रवाल	स्व रोज़गार
प्रवीण रोहिल्ला	आर्किटेक्ट, एआरआईएनईएम कंसल्टेंसी सर्विसेज प्रा लिमिटेड हौज खास, नई दिल्ली
सरांय दिवाकरण पीसी	असिस्टेंट प्रोफेसर टैलेंट इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्चर (संविदात्मक), केरल
सिल्वी झंगरा	आर्कटेकजयपुर ,ऐजे स्टूडियो ,
तुषार कोल्हे	नक्ष स्टूडियो, कालकाजी, नई दिल्ली
अमन कुमार	हिल एआरसी एच स्टूडियो, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश
आर्ष गिट्टी जॉर्ज	आईईएस कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, त्रिशूर, केरल में सहायक प्रोफेसर

जैव रसायन विभाग

छात्रों का नाम	संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां
कुनाल गुप्ता	सहायक प्रबंधक, आरबीआई, जयपुर
तनु शर्मा	लोयोला यूनिवर्सिटी शिकागो में पोस्टडॉक
कार्तिकेय शर्मा	आईटी, हैदराबाद, में पीएचडी., गेट 2021
वैष्णवी त्रिपाठी	आईजीआईबी, दिल्ली, में पीएचडी सीएसआईआर नेट जेआरफ (2020) कर
सीमा कुलदीप	आईआईटी, कानपुर, में पीएचडी गेट 2021

प्रियांशी राना	आईआईएससी, बैंगलोर में पीएचडी
ऋचा जोशी	आईआईटी मंडी में पीएचडी
हेमंत कुमार	डीबीटी जेआरएफ (2020), गेट (2021), सीएसआईआर नेट एलएस (2020)
दीपिका	गेट (2021), सीएसआईआर नेट एलएस (2020)
अक्षय पीएस	गेट 2021
प्रशांत पूरी	गेट 2021
प्रतिमा झंवर	गेट 2021
करिश्मा रावत	गेट 2021
आकाश चौधरी	गेट 2021

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

छात्रों का नाम	संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां
लवली जोशी	पीएच.डी. आईजीबीआई-सीएसआईआर
हर्षिता अग्रवाल	पीएचडी आईआईटी जोधपुर
हर्ष वर्धन सिंह	पीएचडी आईआईएसईआर, भोपाल

रसायनिकी विभाग

छात्रों का नाम	संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां
तनवीर आलम खान	सहायक प्रोफेसर, सोफिया गर्ल्स कॉलेज, अजमेर
सीमा यादव	सहायक प्रोफेसर, पूर्णिमा विश्वविद्यालय, जयपुर
सुरभि जैन	अलंकार पीजी कॉलेज, जयपुर
मुकेश धाकर	पीएच.डी. एमएलएसयू, उदयपुर
मनोज प्रधान	पीएच.डी. आईआईएसईआर, कोलकाता
रजनी मीना	पीएच.डी. आईआईटी गुवाहाटी
गर्विता धनावत	पीएच.डी. आईआईटी कानपुर मे
कृतिका डोगरा	पीएच.डी. शिव नादर विश्वविद्यालय, नोएडा
कैलाश मोहर	पीएच.डी. आईआईटी गुवाहाटी
योगिता गुप्ता	पीएच.डी. शिव नादर विश्वविद्यालय, नोएडा
महेंद्र जांगिड़	कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, (बीएआरसी(
नेहा सिंह	केनरा बैंक में प्रोबेशनरी अधिकारी
कोमल	लेक्चररशिप, पंजाब लोक सेवा आयोग
चांदनी सोनी	क्वालिफाइड नेट(3358 - एआईआर) (88 - रैंक) जेआरएफ और गेट-
मनोज प्रधान	क्वालिफाइड नेट(98 - रैंक) जेआरएफ-
मनीष चौहान	क्वालिफाइड नेट(133 - रैंक) जेआरएफ-
नेहा माथुर	क्वालिफाइड नेट(808 - रैंक) जेआरएफ-
चित्तरंजन मिश्रा	क्वालिफाइड नेट(3636 - रैंक) जेआरएफ-

खुशबु	क्वालिफाइड नेट(2124 - रैंक) जेआरएफ-
जयश्री समानता	क्वालिफाइड नेट(1576 - रैंक) जेआरएफ-
सुरभि भट्ट	बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन से सम्मानित, रसायन विज्ञान और पर्यावरण में हाल ही रुझान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आर)टीसीई-(2021

वाणिज्य विभाग

छात्रों का नाम	संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां
वर्षा रुस्तगी	निदेशक, डीडीआर कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, गुरुग्राम, हरियाणा
आदित्य चतुर्वेदी	लेखा कार्यकारी, सिलारिस सूचना प्रा. लिमिटेड, नई दिल्ली

कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग

छात्रों का नाम	संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां
नेहा कुमारी	कॉग्निजेंट
नरेन्द्र कुमार	सहायक प्रोफेसर, ज्योति विद्यापीठ (महिला) विश्वविद्यालय, जयपुर

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

छात्रों का नाम	संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां
राज रोशन	सेवा एंटरप्राइज लिमिटेड यूएस बेस्ड, अजमेर
अजय सैनी	सोलाटिक्स पार्टनर, यूएस बेस्ड कंपनी, पुणे
अंकित दुबे	कांटेक्ट पॉइंट 360, गुरुग्राम
मीनू शर्मा	सीएचईजीजी, ऑनलाइन शिक्षा मंच

संस्कृति और मीडिया अध्ययन विभाग

छात्रों का नाम	संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां
निखिल मित्तल	फ्लायट बेस लैब्स, पूना
सचिन यधुवंशी	एरास्मस मुंडस स्कॉलर परस्यूइंग डॉक नोमाड्स

डेटा विज्ञान और विश्लेषिकी विभाग

छात्रों का नाम	संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां
काजल यादव	डेटा साइंस कंसल्टेंट इंटर्न
भारत चौधरी	डेटा साइंटिस्ट कैपिटल फ्लोट
सौरभ कुमार बरनवाल	मशीन लर्निंग इंजीनियर
पंवार अभाश अनिल	डेटा साइंटिस्ट
नाबमिता चक्रबोर्टी	एसोसिएट डेटा साइंटिस्ट
अखिथा बाबू	सिस्टम इंजीनियर टीसीएस ,
प्रांजल सोनी	जूनियर डाटा साइंटिस्ट

अंकित कुमार	सॉफ्टवेयर इंजीनियर
अंशुमन यादव	-
दिलीप कुमार	असिस्टेंट सिस्टम इंजीनियर
माधवेन्द्र मिश्रा	-
अभिनव रूहेला	मशीन लर्निंग इंजीनियर

अंग्रेजी विभाग

छात्रों का नाम	**संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां**
मेघदीप साहा	स्नातकोत्तर शिक्षक, शशि स्कूल ऑफ कॉमर्स, भागलपुर
कौशिक भुयान	अंग्रेजी के सहायक प्रोफेसर, एएसबीएम विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर
राहुल कुमार	अनुवादक, राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर पीठ, राजस्थान
जयवीर सिंह	अनुवादक, पासपोर्ट कार्यालय, जयपुर, राजस्थान
स्नेहिल रांकावत	पीएचजय नारायण व्यास विश्वविद्यालय ,डी., जोधपुर
विजय गुप्ता	सहायक, शहरी आवास सोसायटी, नई दिल्ली
बनारसी भामू	स्कूल व्याख्याता, सरकारी स्कूल, जोधपुर, राजस्थान
पुम्मी शर्मा	पीएचडीआईआईटी ,, जम्मू
निशा पालीवाल	पीएचडीआईआईटी जोधपुर ,, राजस्थान
अंकिता चौधरी	पीएचडीश्याम विश्वविद्यालय ,, दौसा, राजस्थान
मोनिका	पीएचडी, सीयूराजअजमेर ,, राजस्थान
प्रखर श्रीवास्तव	पीएचडी, सीयूराजअजमेर ,, राजस्थान
रौनक सिंह	स्कूल शिक्षक, सरकारी स्कूल, दिल्ली
श्रीलक्ष्मी	पीजीटीसीकर ,, राजस्थान
अंकित शर्मा	पीएचडीपंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय ,, चंडीगढ़
ममता महरनिया	पीएचडीपंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय ,, चंडीगढ़
रमेश सुतार	पीएचजय नारायण व्यास विश्वविद्यालय ,डी., जोधपुर
विवेक पिचोनिया	टीजीटी, नवोदय विद्यालय, मणिपुर
मनीषा खीचर	स्कूल व्याख्याता, सरकारी स्कूल, धौलपुर, राजस्थान
मनीषा अकोडिया	स्कूल व्याख्याता, सरकारी स्कूल, राजस्थान

शिक्षा विभाग

छात्रों का नाम	**संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां**
मधु यादव	ब्रांच पोस्ट मास्टर
आनंद मोहन	पीजीटी (संविदात्मक) जेएनवी, नागालैंड
चयनिका शर्मा	गेट
रजीत बिजर्निया	सीटेट
मनीष मील	गेट
नितिन चौधरी	गेट

राकेश वर्मा	गेट
जीतेन्द्र गडवाल	सीटेट
मोनिका	सीएसआईआर नेट-जेआरएफ
सुनील कुमार	सीटेट
अंशिका यादव	सीएसआईआर नेट-जेआरएफ
अभिषेक लवानिया	सीटेट
तानिया	सीटेट
विजय कुमार कुमावत	सीटेट
महेंद्र कुमार हिनोनिया	सीटेट

पर्यावरण विभाग

छात्रों का नाम	**संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां**
कृतिका सोमवत	कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, आरएसपीसीबी, 2021
स्वतंत्र कुमार दुबे	पोस्ट-डॉक्टोरल फेलो, दक्षिण कोरिया टीचिंग असिस्टेंट, डिपार्टमेंट ऑफ लाइफ साइंस हेमचंद्राचार्य नॉर्थ गुजरात यूनिवर्सिटी
प्रेक्षा पलसानिया	पीएच.डी. राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय
लुकेश्वरी श्याम	पीएच.डी. आईएआरआई, नई दिल्ली
प्रसून कुमारी द्विवेदी	पीएच.डी. टेरी विश्वविद्यालय नई दिल्ली
प्रेक्षा पलसानिया	यूजीसी-जेआरएफ2020 ,
प्रसून कुमारी द्विवेदी	यूजीसी-नेट, 2019, यूजीसी- जेआरएफ 2020
के शीतल.	यूजीसी-नेट, 2019
लुकेश्वरी श्याम	यूजीसी-नेट- जेआरएफ, 2020

भाषा विज्ञान विभाग

छात्रों का नाम	**संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां**
लागू नहीं	लागू नहीं

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

छात्रों का नाम	**संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां**
अनुज कुमार तोमर	कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय में जीवन विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर (तदर्थ)

प्रबंधन विभाग

छात्रों का नाम	**संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां**
अक्षिता जैन	मॉर्निंग स्टार इन्वेस्टमेंट एडवाइजर लिमिटेड, मुंबई
हीना अलवानी	मॉर्निंग स्टार इन्वेस्टमेंट एडवाइजर लिमिटेड, मुंबई
रितिका मेठ्वानी	मॉर्निंग स्टार इन्वेस्टमेंट एडवाइजर लिमिटेड, मुंबई

शिल्पा दरगार	मॉर्निंग स्टार इन्वेस्टमेंट एडवाइजर लिमिटेड, मुंबई

गणित विभाग

छात्रों का नाम	संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां
सौमेन बेरा	पोस्टडॉक-, टेनेसी विश्वविद्यालय, नॉक्सविले (यूएसए)
मुबशेर रशीद रथेर	पोस्टडॉक-, आईआईएससी, बैंगलोर
नीशा सैनी	पीजीटी (कस्नातकोत्तर शिक्ष)
निशा	पीजीटी (स्नातकोत्तर शिक्षक)
कविता कुमारी	पीजीटी (स्नातकोत्तर शिक्षक)
कार्तिक शर्मा	टीजीटी (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक)
हरदीप सिंह	टीजीटी (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक)
अनीता भामू	एलडीसी (आरएमएसएसबी)
अनिल गोदारा	इंडियन एयर फ़ोर्स
अभिषेक	नेट/जेआरएफ
मोनिका	नेट/जेआरएफ
अंशिका यादव	नेट/जेआरएफ
रवि प्रकाश रार	नेट/जेआरएफ
विक्रम कुमार	नेट/जेआरएफ
इंदु बाला	नेट
मोहित शर्मा	गेटनेट/
प्रवीण जोशी	गेट
कोमल कुमारी	गेट
श्रीचंद भूरिया	गेट
पीयुशी जैन	गेट
अभिषेक लवानिया	सीटेट (केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा)
तानिया	सीटेट (केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा)
विजय कुमार कुमावत	सीटेट (केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा)
मधु यादव	सीटेट (केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा)
महेंद्र कुमार हिनोनिया	सीटेट (केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा)
कोमल जोशी	सीटेट (केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा)
सुनील कुमार	सीटेट (केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा)
आशीष पूनिया	पीएचडीआईआईटी गुवाहाटी ,
तरुण कुमार	एम. एससी. आईआईटी मंडी
योगेश कुमार कुम्हार	एम. एससी. आईआईटी मद्रास
नवीन कुमार गुप्ता	पीजी डिप्लोमा, आईएसआई चेन्नई
आस्था	एम. एससी. आईआईटी मंडी
अंकुर राव	एम. एससी. आईआईटी बोम्बे

पंकज हेमनानी	एम. एससी. आईआईटी मंडी

फार्मेसी विभाग

छात्रों का नाम	संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां
अविनाश गोठवाल	पोस्टडॉक्टोरल रिसर्च एसोसिएट, नॉर्थ डकोटा स्टेट यूनिवर्सिटी (एनएसडीयू), यूएसए
अरसद जमाल अंसारी	पोस्टडॉक्टोरल रिसर्च एसोसिएटभारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान , आईआईएसईआर) संस्थान), मोहाली
लोकेश कौशिक	सहायक प्रोफेसर, नूतन फार्मेसी कॉलेज, संकल्पचंद पटेल विश्वविद्यालय, विसनगर, गुजरात
तनिषा गुप्ता	पीएच.डी. स्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्चनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मा (एनआईपीईआर), अहमदाबाद
शैलेश त्रिपाठी	पीएच.डी. बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (बिट्स), पिलानी
पिंकी गहलोत	पीएच.डी. निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
नेंसी	परेक्सेल इंडिया प्रालिमिटेड .
सोफिया तरन्नुम	परेक्सेल इंडिया प्रालिमिटेड .
अभिषेक यादव	स्व रोजगार

भौतिक विभाग

छात्रों का नाम	संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां
विक्रम सिंह रेगर	I ग्रेड व्याख्याता, भौतिकी आरपीएससी
राजेश कुमार	I ग्रेड व्याख्याता, भौतिकी आरपीएससी
पायल सुवालका	I ग्रेड व्याख्याता, भौतिकी आरपीएससी
सुनील कुमार मीना	I ग्रेड व्याख्याता, भौतिकी आरपीएससी
सुभाष मीना	I ग्रेड व्याख्याता, भौतिकी आरपीएससी
बलराम मीना	I ग्रेड व्याख्याता, भौतिकी आरपीएससी
ललित सिंह राठौर	I ग्रेड व्याख्याता, भौतिकी आरपीएससी
बसंत कुमार दूत	सांख्यिकी अधिकारी, राजस्थान
शुभम द्विवेदी	डीआरडीओ जोधपुर ,

सार्वजनिक नीति, कानून और शासन विभाग

छात्रों का नाम	संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां
लागू नहीं	लागू नहीं

समाज प्रौद्योगिकी इंटरफेस विभाग

छात्रों का नाम	संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां

अनुरूध कुमार	असिस्टेंट सिस्टम इंजीनियर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज
शिव कुमार	राज्य ग्रामीण आजीविका मिशनयूपी ,
अनिक कुमार	आईटी और एमआईएस कार्यकारी, सेस्टा विकास सेवाएं, असम

सामाजिक कार्य विभाग

छात्रों का नाम	संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां
अभिजित स्टान्ली	-
आदर्श राज	सलाहकार परियोजना प्रशिक्षु, प्रज्ञा, चंबा हिमाचल प्रदेश
अलीना जोसे	-
आशुतोष कुमार	-
चैथान्य के	-
जित्तू जॉर्ज	-
मिजो मैथ्यु	-
मुहम्मद साजिद	-
नरेश सिंह खंगारोत	राजस्थान पुलिस
नीना राजू	कल्याण अधिकारी, विजय पत्र और बोर्ड लिमिटेड (इंडिया) करुदयमपालयम, तमिलनाडु
प्रीतम सिंह	आजीविका अधिकारी, मैजिक बस, अजमेर
रविकांत	वरिष्ठ सहयोगी, पिन क्लिक संपत्ति प्रबंधन
रज़िया बतूल	-
शेरोन अन्न थॉमस	परियोजना समन्वयक, नेहरू युवा केंद्र, केरल
विष्णु राज	-
अजमल रोशन	-

खेल जैव विज्ञान विभाग

छात्रों का नाम	संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां
अंजलि वशिष्ठ	यूजीसी नेट एलएस–
प्रिया तिवारी	भारतीय खेल प्राधिकरण (साई भोपाल)
निधि सक्सेना	भारतीय खेल प्राधिकरण (साई गांधीनगर)
मोहित धारीवाल	यूजीसी नेट –एलएस, ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट (OGQ)
इशिता पारीक	हेल्थफाईम विलनेस प्राइवेट लिमिटेड।

खेल जैव यांत्रिकी विभाग

छात्रों का नाम	संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां
महोअर चट्टोपाध्याय	यूजीसी नेट –एलएस

खेल मनोविज्ञान विभाग

छात्रों का नाम	संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां
लागू नहीं	लागू नहीं

सांख्यिकी विभाग

छात्रों का नाम	संगठन/कंपनी का नाम/उपलब्धियां
सुमित कुमार	सहायक प्रोफेसर, इंजीनियरिंग और भौतिक विज्ञान विभाग, आईएआर, गांधीनगर, गुजरात, भारत
वरुण आगीवाल	वरिष्ठ व्याख्याता (जैव सांख्यिकी), भारतीय लोक संस्थान स्वास्थ्य, हैदराबाद
शिवांशु कुमार	सांख्यिकी सहायक, दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन आयोग डीएसएसएसबी)), योजना विभाग, नई दिल्ली
रजिनी प्रजापत	एएसओ (कृषि विभाग राजस्थान)
राजपाल	एएसओ (कृषि विभाग राजस्थान)
ममता चौधरी	आईएसएस ऑफिसर

लैंगिक लेखा परीक्षा

विश्वविद्यालय की लैंगिक लेखा परीक्षा समिति ने वर्ष 2020-21 के लिए लेखा परीक्षण किया। कर्मचारियों (शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक), विद्यार्थियों और बुनियादी सुविधाओं की एक संक्षिप्त रिपोर्ट नीचे प्रस्तुत की गई है:

1. विभागवार शैक्षणिक कर्मचारियों की लैंगिक रूपरेखा

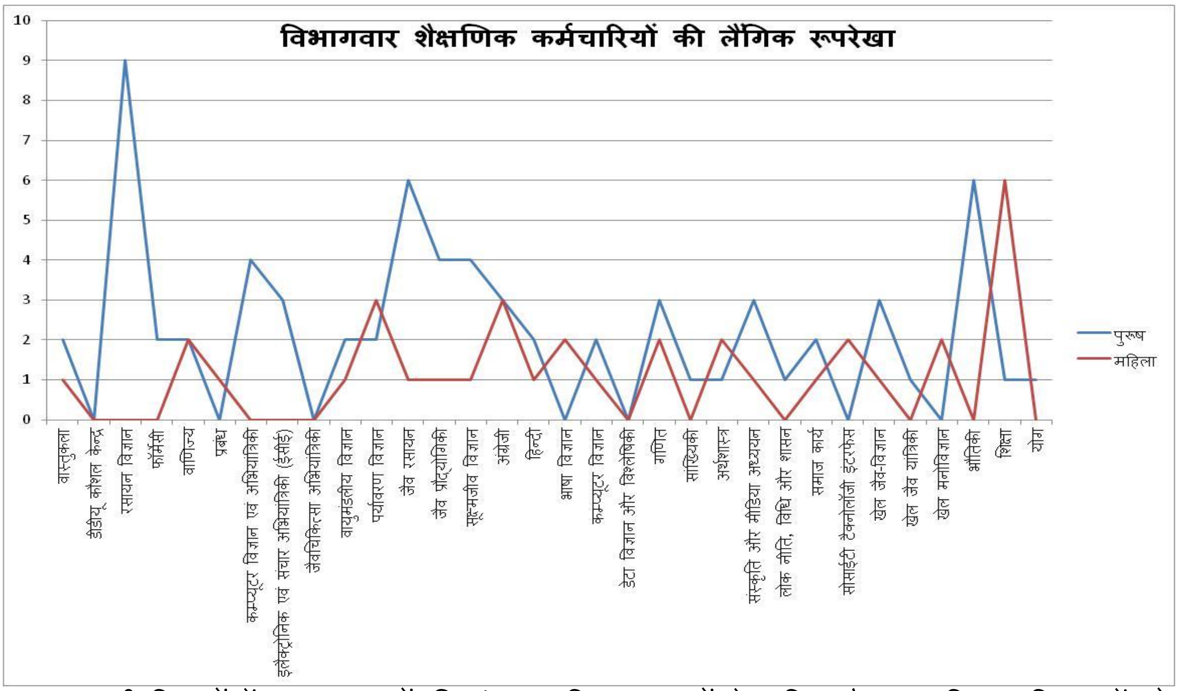

लगभग सभी विभागों में पुरुष सदस्यों की संख्या महिला सदस्यों से अधिक है। भाषा विज्ञान विभाग में कोई पुरुष संकाय नहीं है जबकि खेल जैव यांत्रिकी, सांख्यिकी, वायुमंडलीय विज्ञान, लोक नीति, विधि और शासन तथा रसायन विज्ञान विभागों में कोई महिला प्रतिनिधि नहीं है।

2. कर्मचारियों का वितरण

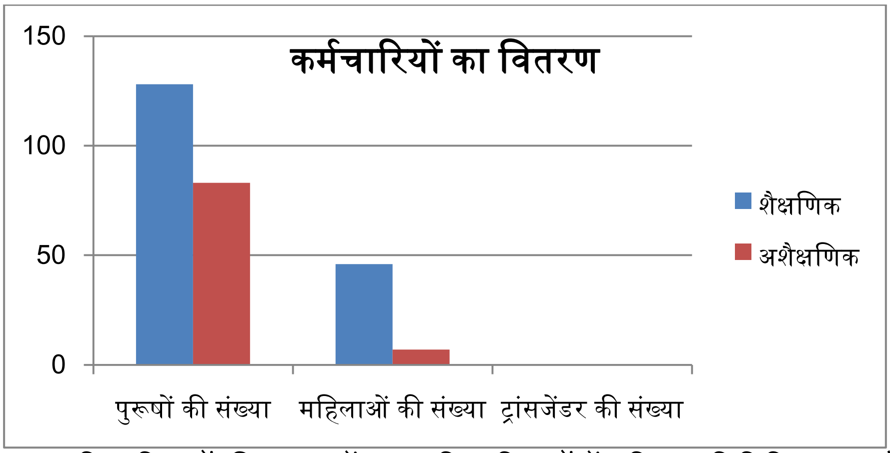

अकादमिक विभागों की तुलना में प्रशासनिक विभागों में महिला प्रतिनिधित्व कम है।

3. अंतरराष्ट्रीय निवेश

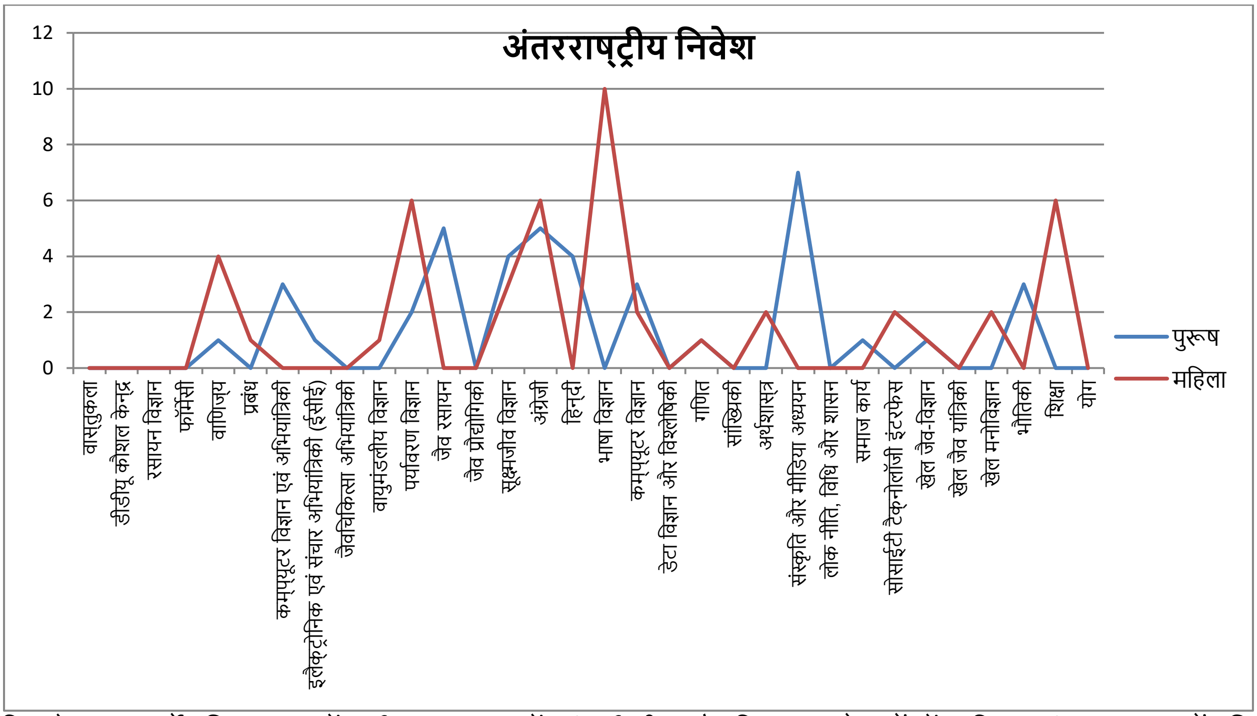

पिछले कुछ वर्षों की तुलना में वर्ष 2020-21 में अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक आयोजनों में महिला संकाय सदस्यों की भागीदारी में वृद्धि हुई है।

4. राष्ट्रीय निवेश

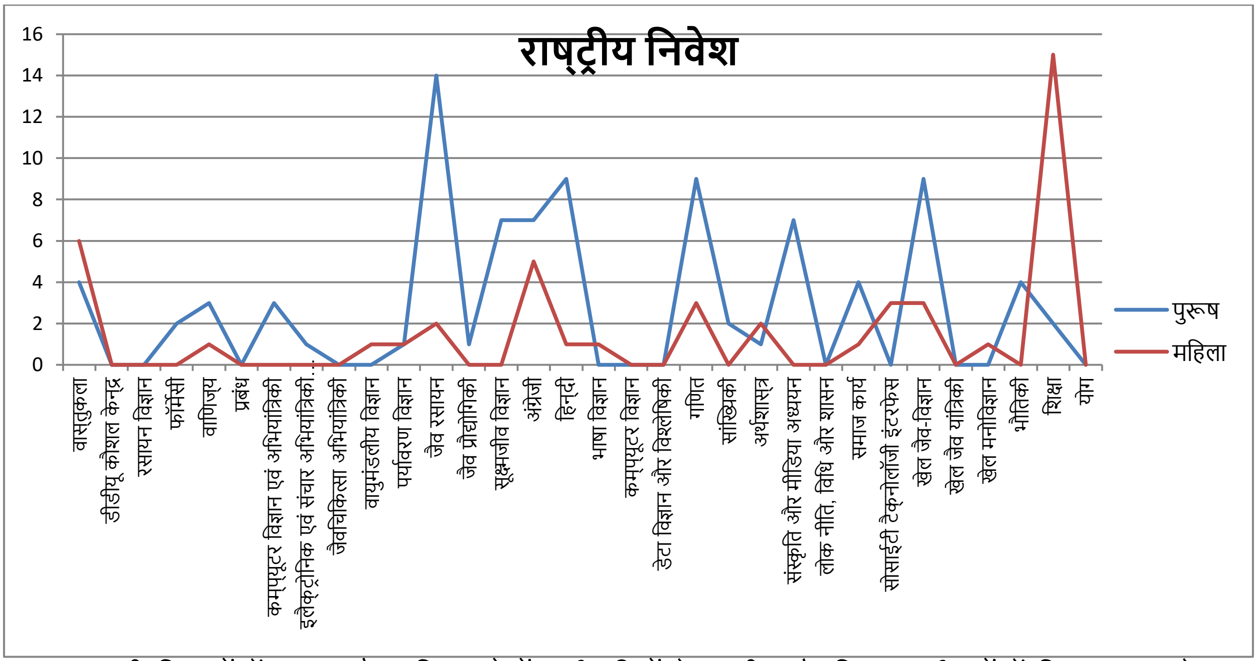

लगभग सभी विभागों में पुरुष और महिला दोनों कर्मचारियों ने राष्ट्रीय शैक्षणिक कार्यक्रमों में निष्पक्ष रूप से भाग लिया।

5. आमंत्रित वार्ता / विजिट

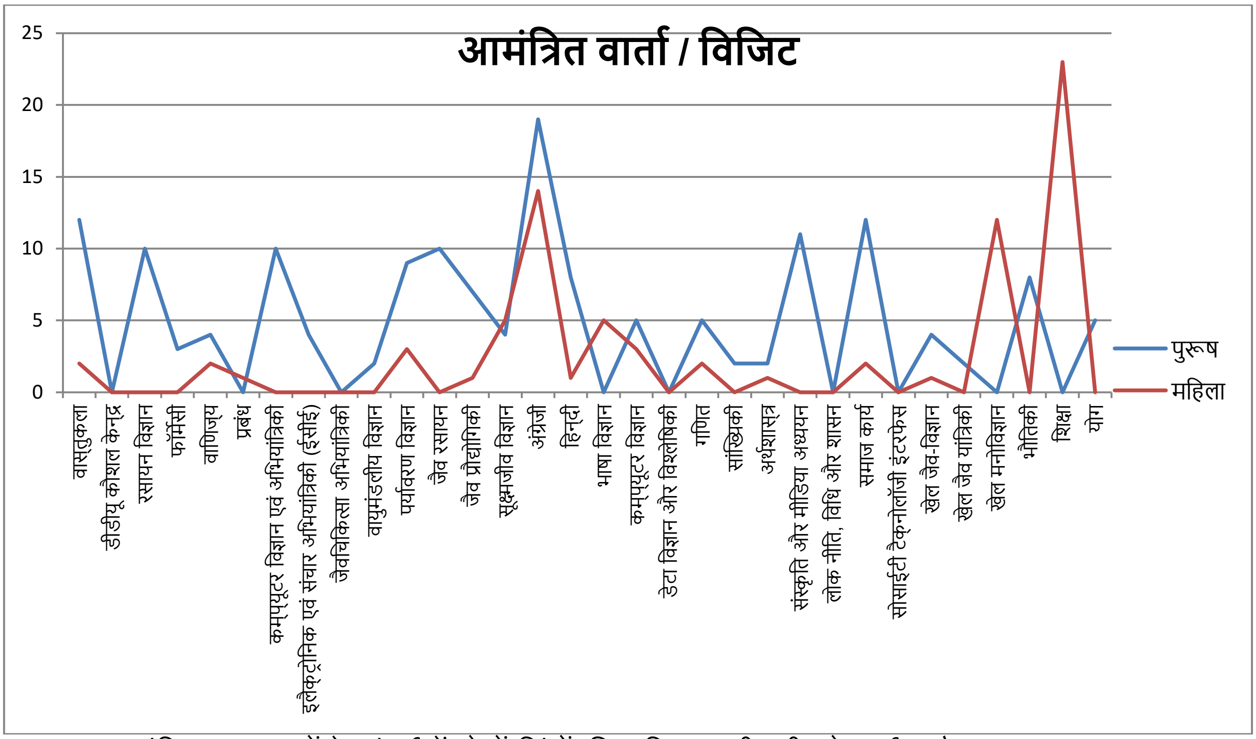

यह ग्राफ आमंत्रित व्याख्यानों के संदर्भ में दोनों लिंगों की सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है।

6. प्राप्त अनुसंधान अनुदान

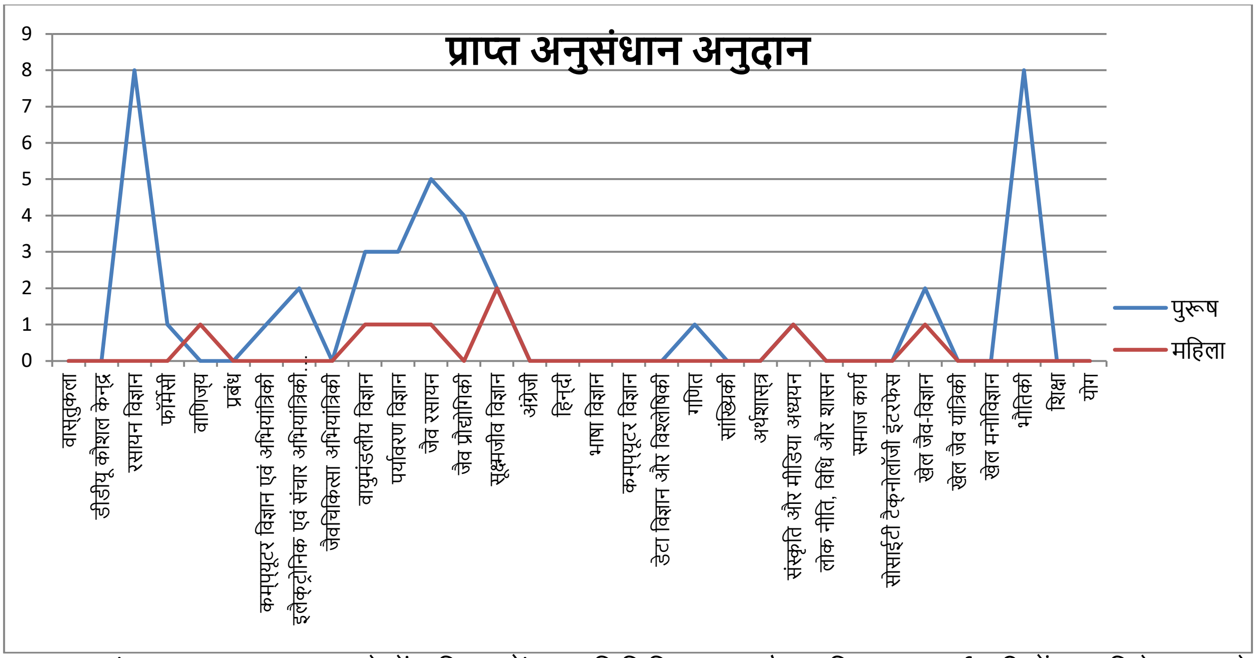

बाह्य अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने में महिलाओं का प्रतिनिधित्व कम है जबकि पुरुष कर्मचारियों का, विशेष रूप से विज्ञान विभागों में, सराहनीय प्रदर्शन रहा हैं।

7. पुरस्कार प्राप्ति

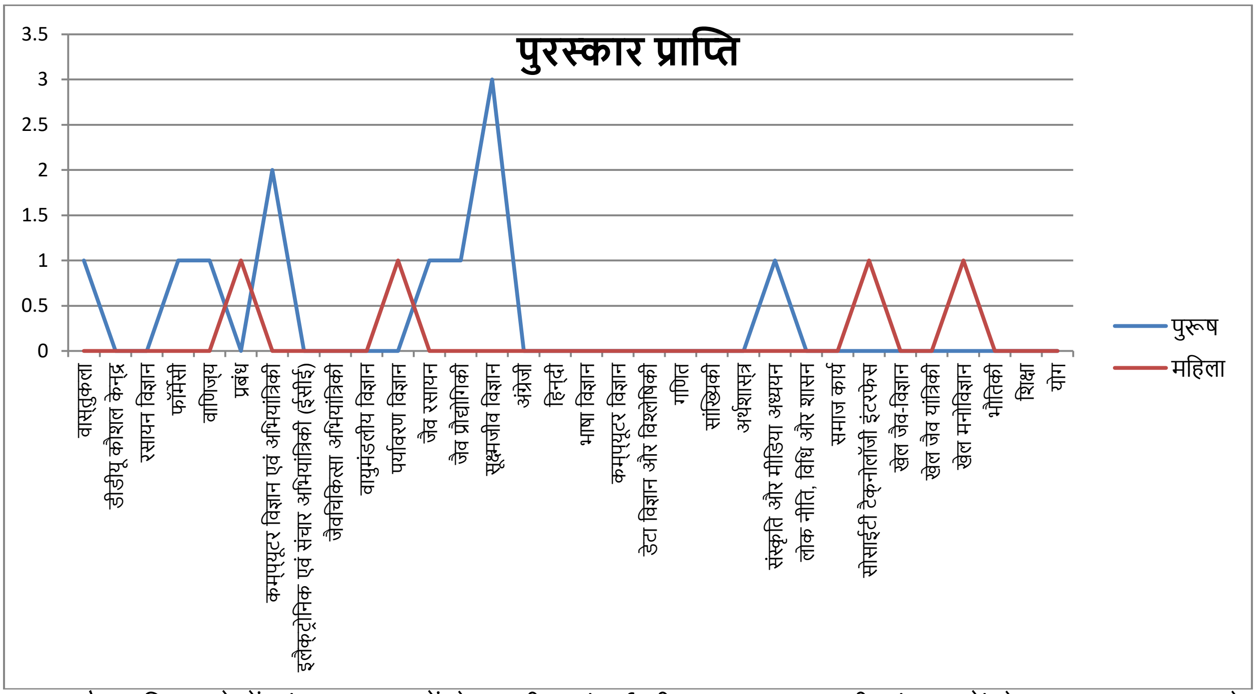

पुरुष और महिला दोनों संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बाहरी संस्थाओं से पुरस्कार प्राप्त करके विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया।

8. कार्यालय स्थान की उपलब्धता

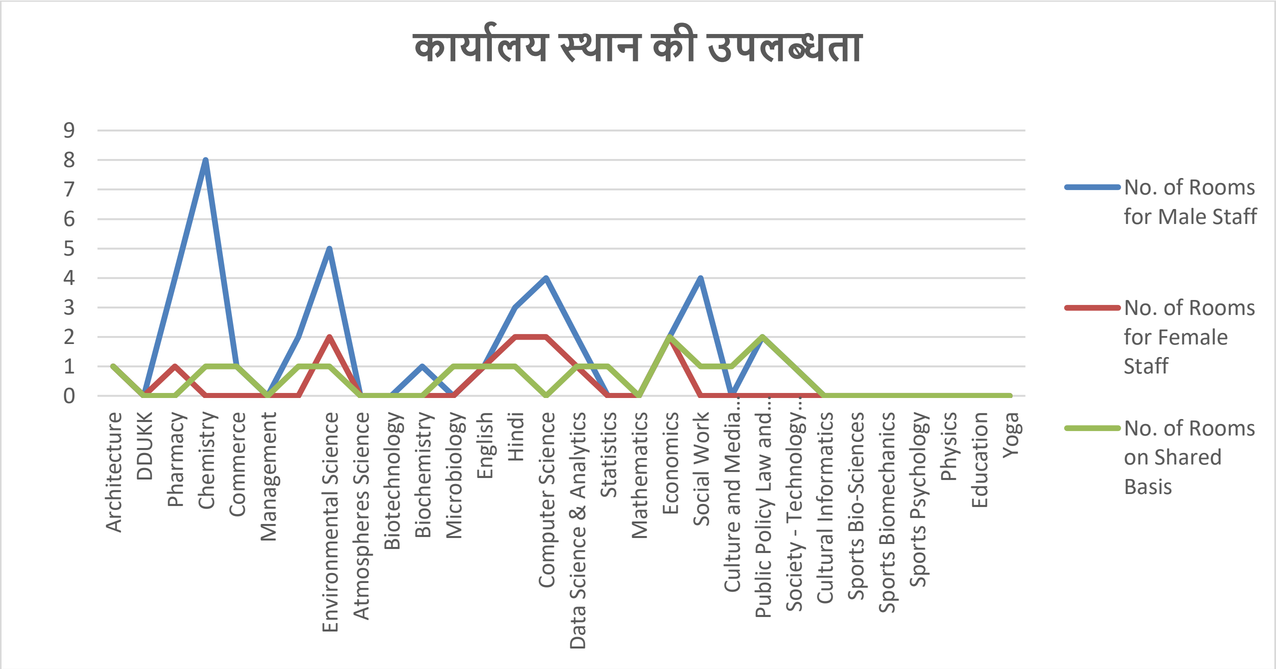

कार्यालय स्थान का अधिकतर उपयोग साझा आधार पर किया जाता है, सिवाय उन विभागों को छोड़कर जो अपने स्थायी शैक्षणिक भवनों में स्थानांतरित हो गए हैं।

9. विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकोष्ठों में लैंगिक प्रतिनिधित्व

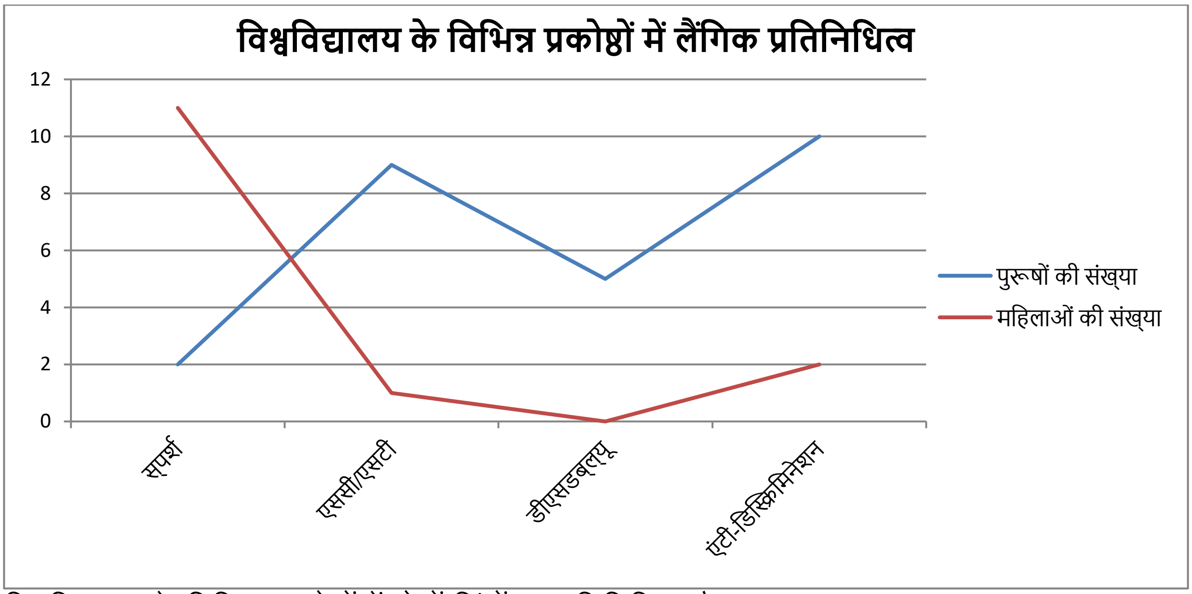

विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकोष्ठों में दोनों लिंगों का प्रतिनिधित्व है।

1. सीयूसीईटी 2020 में आवेदकों की लैंगिक प्रोफ़ाइल

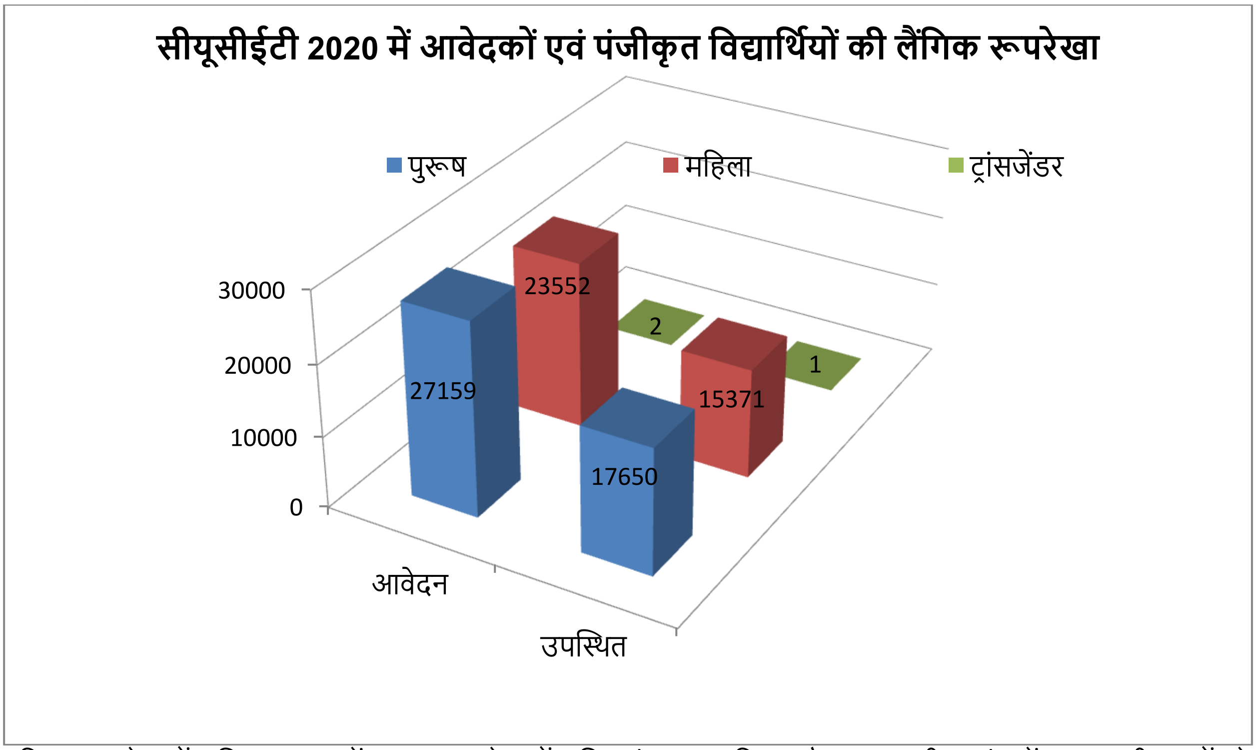

महिला आवेदकों की तुलना में पुरुष आवेदकों की संख्या अधिक है। साथ ही, ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों ने विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन किया था।

2. पंजीकृत विद्यार्थियों की लैंगिक रूपरेखा

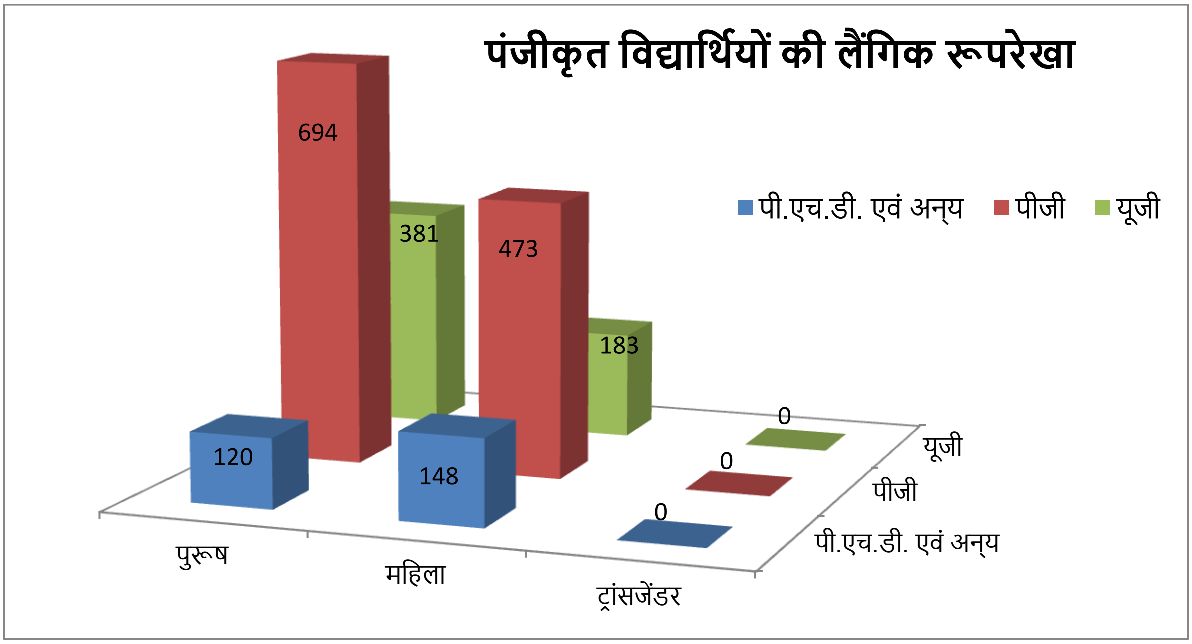

विश्वविद्यालय के विभिन्न यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों में पुरुष छात्रों का पंजीकरण अधिक है। हालांकि, पीएचडी और अन्य कार्यक्रमों में महिला प्रतिनिधित्व अधिक देखा गया है।

3. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में प्रदर्शन

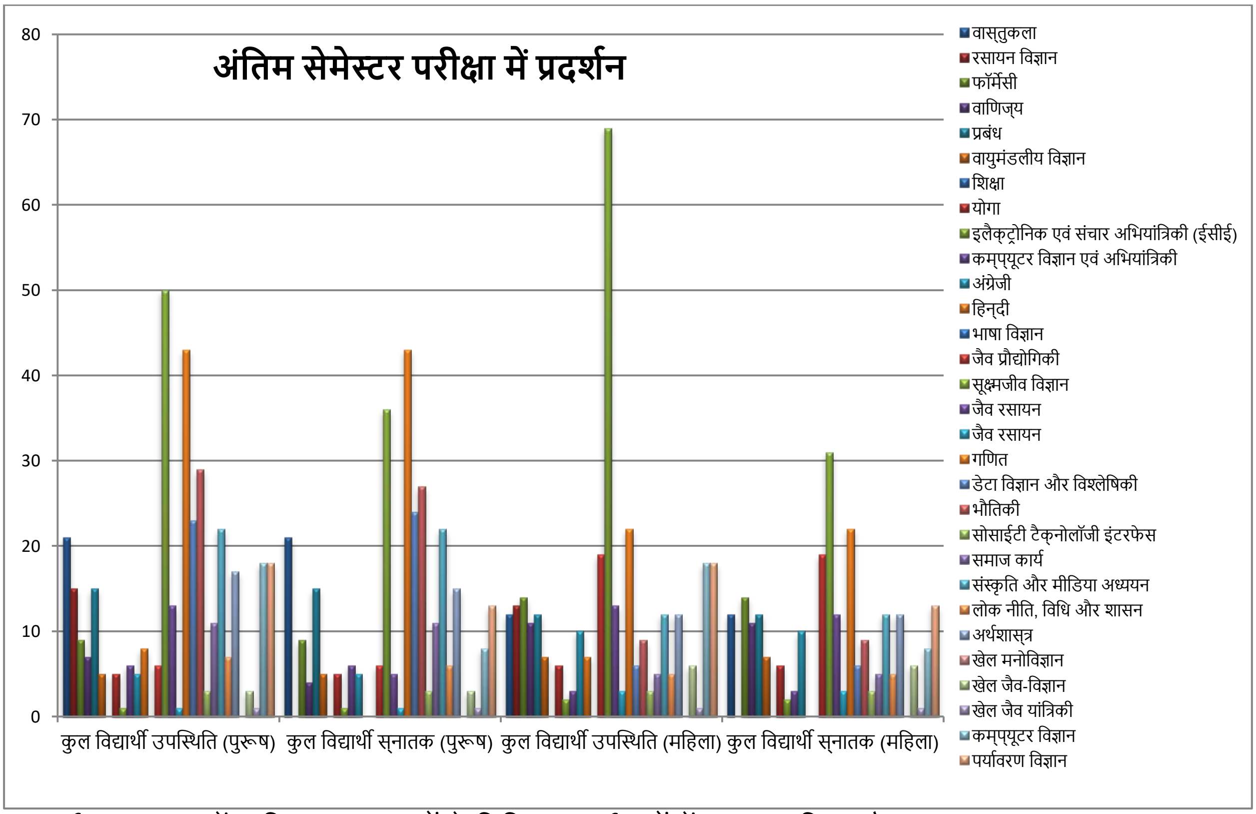

वर्ष 2020-21 में अधिक पुरुष छात्रों ने विभिन्न कार्यक्रमों में स्नातक किया है।

4. शैक्षणिक उपलब्धियाँ

ए. अध्येतावृत्ति

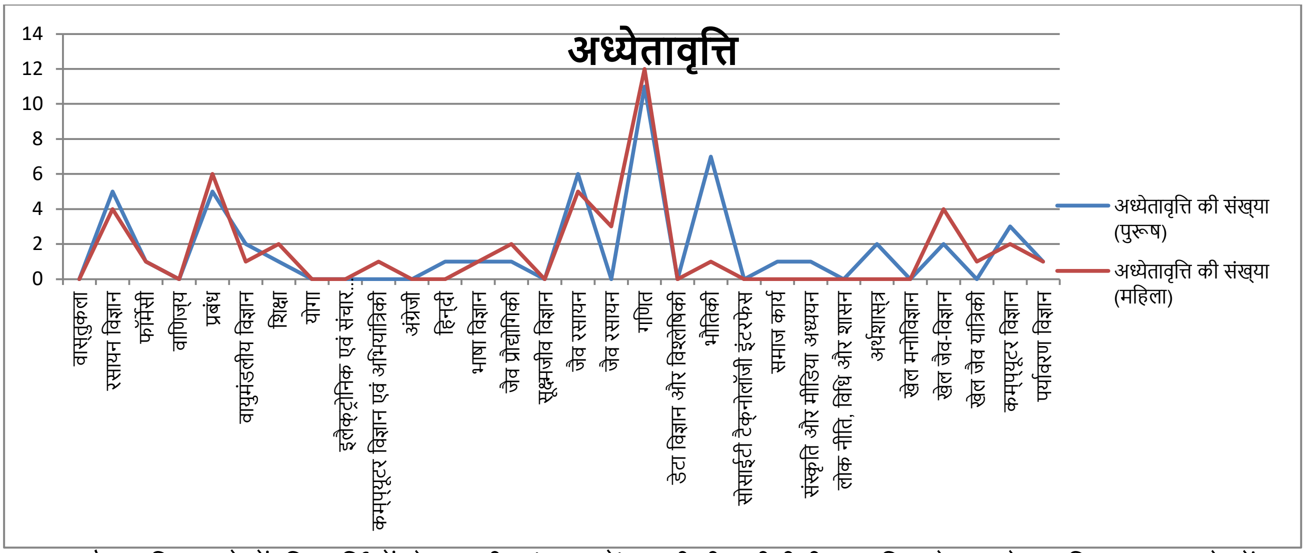

पुरुष और महिला दोनों विद्यार्थियों ने बाहरी संस्थाओं (यूजीसी, डीबीटी, आदि) से अध्येतावृत्ति प्राप्त करने में अच्छा प्रदर्शन किया।

5. पाठ्यक्रम और पाठ्येत्तर गतिविधियों में उपलब्धि

ए. सांस्कृतिक भागीदारी

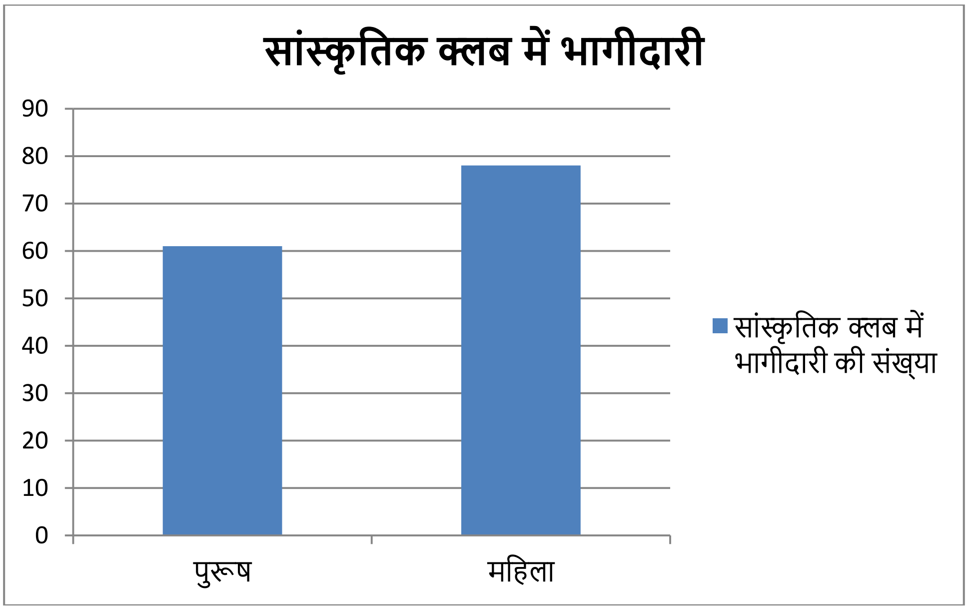

सांस्कृतिक गतिविधियों में महिला विद्यार्थियों का प्रदर्शन पुरुष विद्यार्थियों से बेहतर था।

6. विद्यार्थी प्रगति

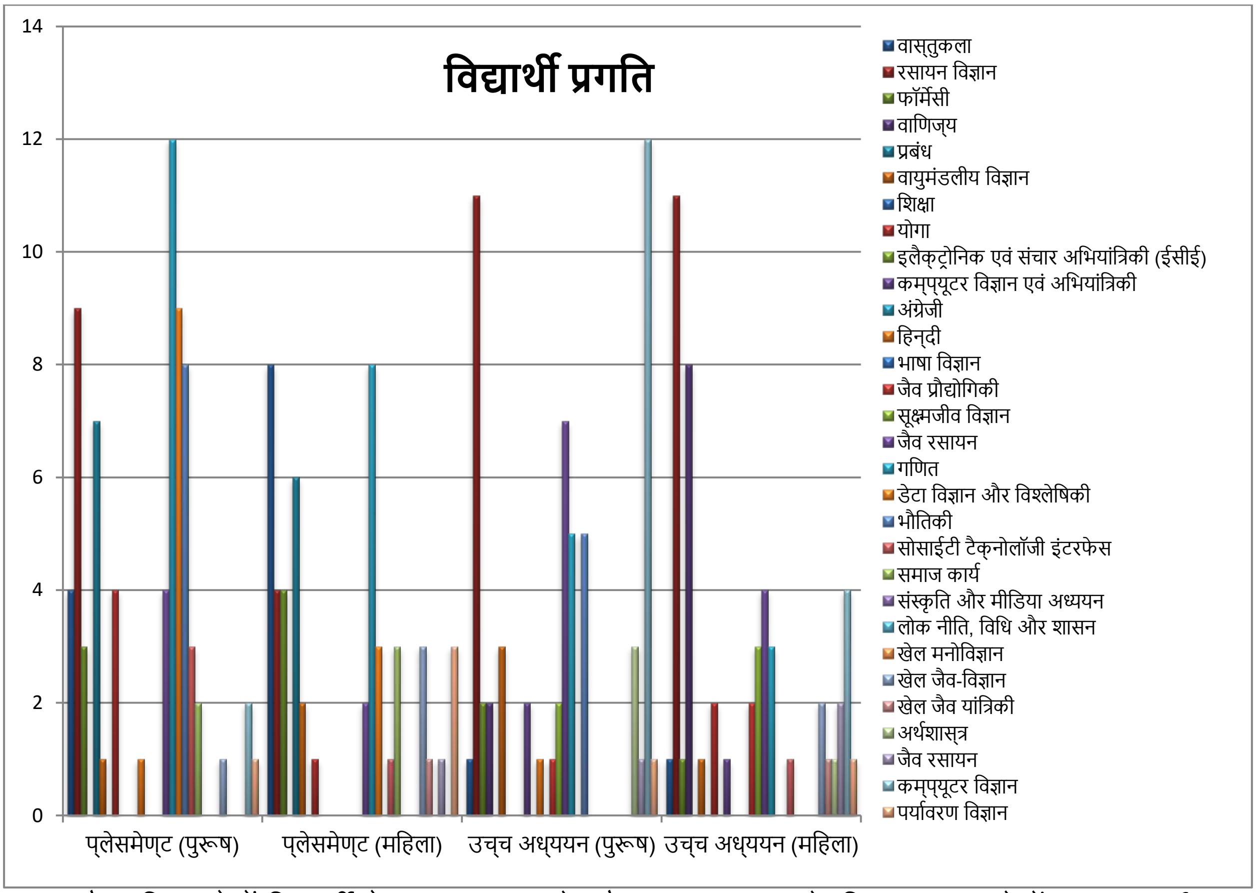

पुरुष और महिला दोनों विद्यार्थी रोजगार प्राप्त करने और उच्च अध्ययन के लिए चयन करने में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

अन्य सुविधाएँ

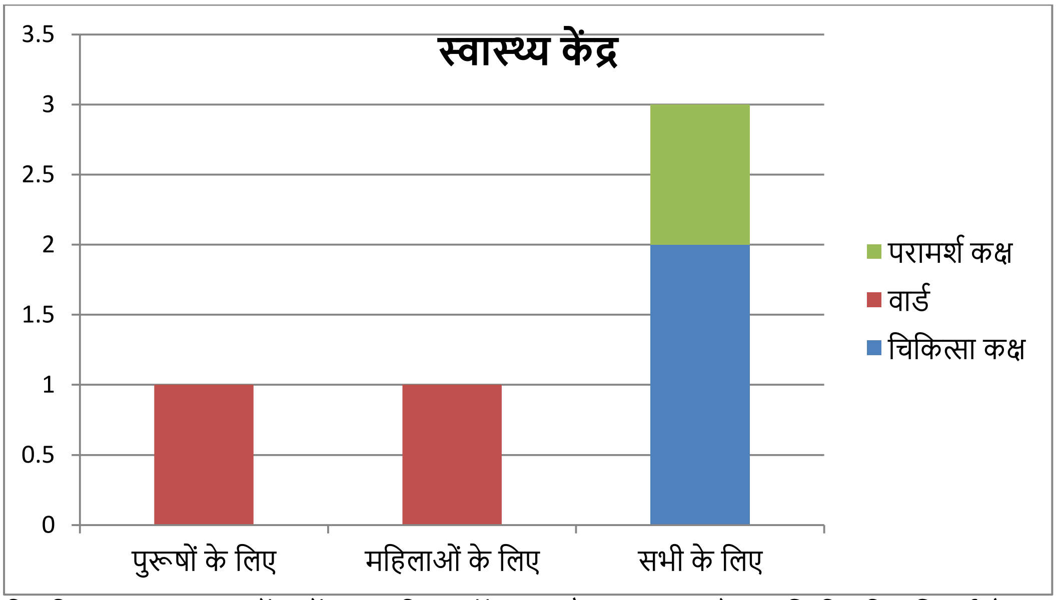

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र में एक महिला डॉक्टर और एक पुरुष ड्रेसर की नियुक्ति की गई है।

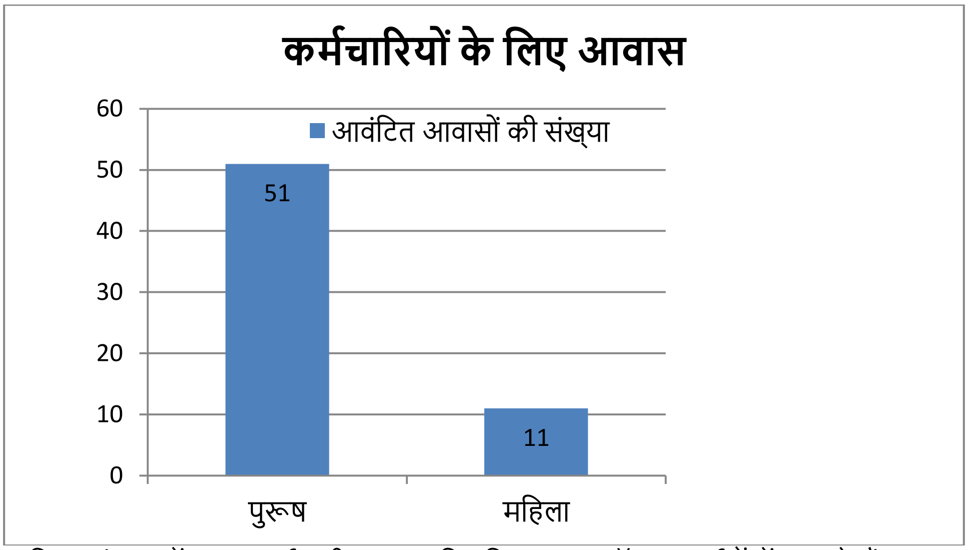

अधिक संख्या में पुरुष कर्मचारी सदस्य विश्वविद्यालय स्टॉफ क्वार्टरों में रह रहे हैं।

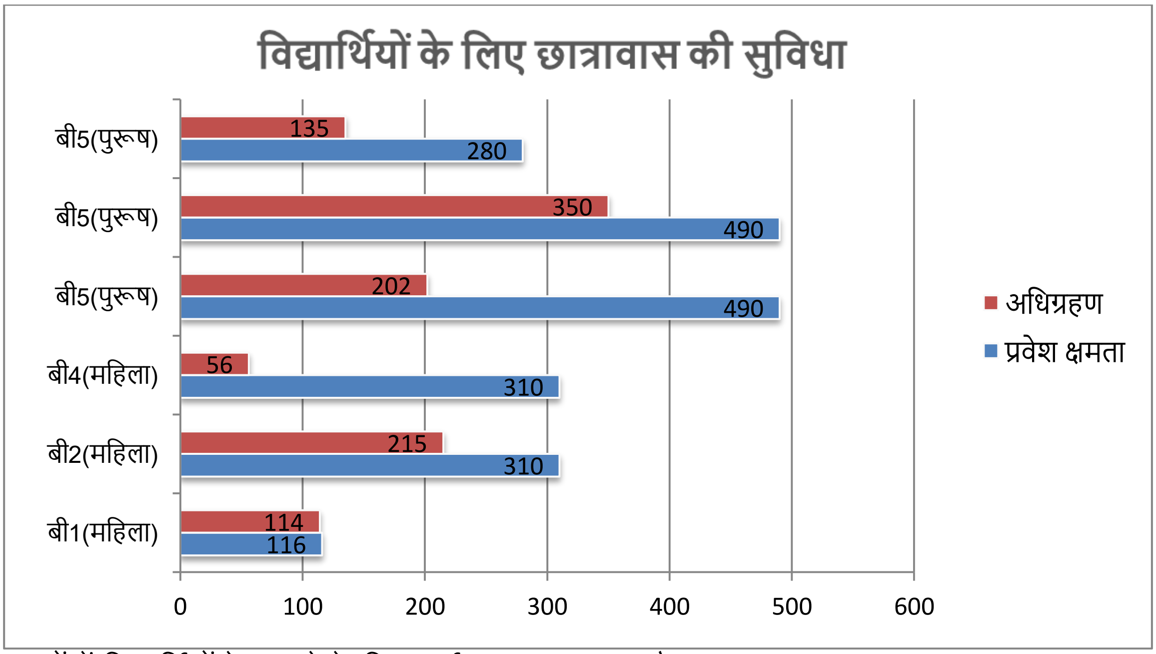

छात्रावासों में विद्यार्थियों के ठहरने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध है।

विश्वविद्यालय के प्राधिकारी

सदस्य: कार्यकारी परिषद

केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 की संशोधित संविधि 11

संविधि	सदस्य(यों) के नाम
संविधि 11(1)(i): कुलपति (पदेन अध्यक्ष)	प्रो. नीरज गुप्ता कुलपति (प्रभारी) एवं अध्यक्ष कार्यकारी परिषद राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (दिनांक 05.10.2020 से प्रभावी) **पूर्व सदस्य (01.07.2020 से 30.06.2021 के दौरान):** प्रो. अरुण के पुजारी कुलपति एवं अध्यक्ष कार्यकारी परिषद राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (दिनांक 05.10.2015 से 04.10.2020 तक)
संविधि 11(1)(ii): सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, या उनके नामित व्यक्ति	सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सरकार भारत, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001
संविधि 11(1)(iii): अध्यक्ष, यूजीसी या उनके नामित व्यक्ति	**[विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 846 दिनांकित 03.06.2019]** प्रो. जे.एस. राजपूत, यूनेस्को के कार्यकारी निकाय में भारत के प्रतिनिधि, पूर्व अध्यक्ष, एनसीटीई ए-16 सेक्टर पी/7, मित्र एन्क्लेव, ग्रेटर वैली स्कूल के सामने, ग्रेटर नोएडा-201 308 (दिनांक 29.05.2019 से प्रभावी)
संविधि 11(1)(iv): राज्य सरकार के प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा या उनके नामित व्यक्ति जो सचिव के पद से नीचे पदक्रम के न हों, विशेषत: उच्च शिक्षा के मामलों से संबंधित हो	प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार, मुख्य भवन, सचिवालय, जयपुर-302 005, राजस्थान
संविधि 11(1)(v): उप कुलपति, यदि कोई हो	(रिक्त)
संविधि 11(1)(vi): चार सदस्य, अध्ययन केंद्रों के अधिष्ठाताओं में से वरिष्ठता के अनुसार आवर्तन द्वारा कुलपति द्वारा नियुक्त	**[अधिसूचना संख्या 246 दिनांकित 27.05.2020]** 1. डॉ अंजलि शर्मा अधिष्ठाता, शिक्षा स्कूल राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (दिनांक 27.05.2020 से प्रभावी) **[अधिसूचना संख्या 1046 दिनांकित 29.07.2020]**

संविधि	सदस्य(यों) के नाम
	2. प्रो. जे.के. प्रजापत अधिष्ठाता, गणित, सांख्यिकी और कम्प्यूटेशनल विज्ञान स्कूल राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (दिनांक 29.07.2020 से प्रभावी) **[अधिसूचना संख्या 247 दिनांकित 31.05.2021]** 3. प्रो. सुप्रिया अग्रवाल अधिष्ठाता, मानविकी एवं भाषा स्कूल राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (31.05.2021 से प्रभावी) **[अधिसूचना संख्या 248 दिनांकित 31.05.2021]** 4. प्रो. जगदीश उल्हास जाधव अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान स्कूल राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (31.05.2021 से प्रभावी) **पूर्व सदस्य (दिनांक 01.07.2020 से 30.06.2021 के दौरान):** **[अधिसूचना संख्या 2284 दिनांकित 06.09.2019]** 1. डॉ अजीत कुमार पात्रा अधिष्ठाता, भौतिकीय विज्ञान स्कूल राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (दिनांक 06.09.2019 से 25.05.2021 तक) **[अधिसूचना संख्या 2283 दिनांकित 06.09.2019]** 2. डॉ. एल.के. शर्मा अधिष्ठाता, पृथ्वी विज्ञान स्कूल राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (दिनांक 06.09.2019 से 12.07.2020 तक) **[अधिसूचना संख्या 2285 दिनांकित 06.09.2019]** 3. प्रो. प्रवीण साहू अधिष्ठाता, वाणिज्य एवं प्रबंधन स्कूल राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (दिनांक 06.09.2019 से 25.05.2021 तक)
संविधि 11(1)(vii): एक आचार्य, जो अधिष्ठाता नहीं हो, वरिष्ठता के आधार पर क्रमानुसार द्वारा कुलपति द्वारा नियुक्त किया जाएगा	**[अधिसूचना संख्या 3155 दिनांक 05.11.2019]** प्रो. प्रदीप वर्मा सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग (दिनांक 05.11.2019 से प्रभावी)
संविधि 11(1)(viii): एक सह आचार्य, वरिष्ठता के आधार पर क्रमानुसार कुलपति द्वारा नियुक्त किया जाएगा	(रिक्त)

संविधि	सदस्य(यों) के नाम
संविधि 11(1)(ix): एक सहायक आचार्य, वरिष्ठता के आधार पर क्रमानुसार कुलपति द्वारा नियुक्त किया जाएगा	**[अधिसूचना संख्या 320 दिनांक 14.06.2021]** डॉ. संजय कुमार सहायक आचार्य, प्रबंधन विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (दिनांक 14.06.2021 से प्रभावी) **पूर्व सदस्य (दिनांक 01.07.2020 से 30.06.2021 के दौरान):** **[अधिसूचना संख्या 1059 दिनांक 14.06.2018]** डॉ. भूमिका शर्मा सहायक आचार्य, अंग्रेजी विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (दिनांक 14.06.2018 से 13.06.2021 तक)
संविधि 11(1)(x): कोर्ट के निर्वाचित सदस्यों में से दो, जिनमें से कोई भी विश्वविद्यालय का या विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त या संबद्ध संस्थान का कर्मचारी या छात्र नहीं हो और, जिन्हें कुलाध्यक्ष द्वारा नामित किया जाएगा	(रिक्त-02) प्रथम कोर्ट का कार्यकाल 06.10.2016 को समाप्त हो गया है। द्वितीय कोर्ट का गठन प्रक्रियाधीन है।
संविधि 11(1)(xi): शैक्षणिक और सार्वजनिक जीवन में विशिष्ट चार व्यक्ति, जिन्हें कुलाध्यक्ष द्वारा नामित किया जाएगा	(रिक्त-04) **पूर्व सदस्य (दिनांक 01.07.2020 से 30.06.2021 के दौरान):** **[एमएचआरडी पत्र संख्या 48-11/2012-डेस्क (यू) दिनांकित 30.05.2018 और विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 1059 दिनांकित 14.06.2018]** **[दिनांक 14.06.2018 से 29.05.2021 तक]** 1. प्रो. रीना दाधीच आचार्य, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग, कोटा विश्वविद्यालय, कबीर सर्कल के पास, एमबीएस मार्ग, कोटा (राजस्थान) 324 005, भारत 2. प्रो. अखिल रंजन गर्ग आचार्य, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, अभियांत्रिकी और वास्तुकला संकाय, जे.एन.वी. विश्वविद्यालय, जोधपुर (राजस्थान)

संविधि	सदस्य(यों) के नाम
	3. प्रो. अशोक कुमार नागावत निदेशक कौशल शिक्षा, राजस्थान आईएलडी कौशल विश्वविद्यालय, होटल खासा कोठी परिसर, एम.आई. रोड, जयपुर - 302001, राजस्थान 4. प्रो. कृष्ण गोपाल शर्मा विभागाध्यक्ष और आचार्य, इतिहास और भारतीय संस्कृति विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
संविधि 6(6): कुलसचिव कार्यकारी परिषद और अकादमिक परिषद का पदेन सचिव होगा, लेकिन इन प्राधिकरणों में से किसी एक का सदस्य नहीं माना जाएगा (पदेन सचिव)	श्री के.वी.एस. कामेश्वर राव कुलसचिव, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (दिनांक 01.01.2016 से प्रभावी)

समिति की गणपूर्ति: संविधि 11(3) के प्रावधानों के अनुसार, अध्यक्ष को छोड़कर, दो बाहरी सदस्यों सहित कार्यकारी परिषद के कुल सदस्यों की आधी संख्या कार्यकारी परिषद की बैठक की गणपूर्ति होगी।

सदस्यों का कार्यकाल: संशोधित संविधि 11(2) के प्रावधानों के अनुसार, कुलपति, उप-कुलपति व कुलसचिव को छोड़कर कार्यकारी परिषद के सभी सदस्य तीन वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करेंगे।

सदस्य: वित्त समिति

केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 की संशोधित संविधि 13

संविधि	सदस्य(यों) के नाम
संविधि 17(1)(i): कुलपति	प्रो. नीरज गुप्ता कुलपति (प्रभारी) राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (दिनांक 05.10.2020 से प्रभावी) **पूर्व कुलपति (01.07.2020 से 30.06.2021 के दौरान):** प्रो. अरुण के पुजारी कुलपति राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (दिनांक 05.10.2015 से 04.10.2020 तक)
संविधि 17(1)(ii): उप कुलपति	(रिक्त)
संविधि 17(1)(iii): कोर्ट द्वारा नामित एक व्यक्ति	(रिक्त)
संविधि 17(1)(iv): कार्यकारी परिषद द्वारा	1. प्रो. अशोक कुमार नागावत

नामित तीन व्यक्ति, जिनमें से कम से कम एक व्यक्ति कार्यकारी परिषद का सदस्य होगा	निदेशक, कौशल शिक्षा, राजस्थान आई.एल.डी. कौशल विश्वविद्यालय, होटल खासा कोठी परिसर, एम. आई. रोड, जयपुर, (राज.) - 302001 (दिनांक 20.05.2019 से प्रभावी) 2. डॉ. बी.के. मोहपात्रा निदेशक (प्रभारी), एम.ए.एन.यू.यू. कटक परिसर, पहली मंजिल, प्लॉट संख्या 22, सेक्टर 5, नीलाद्री विहार, चंद्रशेखरपुर, भुवनेश्वर -751021 (दिनांक 20.05.2019 से प्रभावी) 3. प्रो. अखिल रंजन गर्ग आचार्य, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, अभियांत्रिकी और वास्तुकला संकाय, जे.एन.वी. विश्वविद्यालय, जोधपुर (दिनांक 11.12.2020 से प्रभावी) **पूर्व सदस्य (दिनांक 01.07.2020 से 30.06.2021 के दौरान):** 1. प्रो. प्रवीण साहू अधिष्ठाता, वाणिज्य एवं प्रबंधन स्कूल राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (दिनांक 15.06.2020 से 10.12.2020 तक) 2. प्रो. विपिन कुमार अधिष्ठाता, रासायनिक विज्ञान एवं फॉर्मेसी स्कूल, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (दिनांक 15.03.2019 से 05.03.2020 तक)
संविधि 17(1)(v): कुलाध्यक्ष द्वारा नामित तीन व्यक्ति	1. संयुक्त सचिव (सीयू एण्ड एल), एमएचआरडी, नई दिल्ली 3. संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार, एमएचआरडी, नई दिल्ली 3. संयुक्त सचिव (सीयू) यूजीसी, नई दिल्ली
संविधि 7(5): वित्त अधिकारी, पदेन सचिव	सचिव,पदेन

समिति की गणपूर्ति: संविधि 17(2) के प्रावधानों के अनुसार, वित्त समिति के पाँच सदस्य वित्त समिति की बैठक के लिए गणपूर्ति करेंगे।

सदस्यों का कार्यकाल: संविधि 17(3) के प्रावधानों के अनुसार, पदेन सदस्यों को छोड़कर अकादमिक परिषद के सभी सदस्य तीन वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करेंगे।

सदस्य: अकादमिक परीषद

केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 का संशोधित संविधि 13

संविधि	सदस्य(यों) के नाम
संविधि 13 (1)(i): कुलपति	प्रो. नीरज गुप्ता कुलपति (प्रभारी) राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (दिनांक 05.10.2020 से प्रभावी) **पूर्व कुलपति (01.07.2020 से 30.06.2021 के दौरान):** प्रो. अरुण के पुजारी कुलपति राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (दिनांक 05.10.2015 से 04.10.2020 तक)
संविधि 13(1)(ii): उप कुलपति, यदि कोई हो	(रिक्त)
संविधि 13(1)(iii): अध्ययन के स्कूल के अधिष्ठाता	**[विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 1646 दिनांकित 24.09.2020 तथा संख्या 3045 दिनांकित 31.10.2018 द्वारा अधिसूचित)** 1. अधिष्ठाता, रासायनिक विज्ञान एवं फॉर्मेसी स्कूल - प्रो. अमित कुमार गोयल (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) 2. अधिष्ठाता, पृथ्वी विज्ञान स्कूल - प्रो राजेश कुमार (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) 3. अधिष्ठाता, वाणिज्य एवं प्रबंधन स्कूल - डॉ. प्रवीण साहू (दिनांक 31.10.2018 से प्रभावी) 4. अधिष्ठाता, भौतिकीय विज्ञान स्कूल - डॉ अजीत कुमार पात्रा (दिनांक 31.10.2018 से प्रभावी) 5. अधिष्ठाता, शिक्षा स्कूल - डॉ अंजलि शर्मा (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) 6. अधिष्ठाता, गणित, सांख्यिकी और कम्प्यूटेशनल विज्ञान स्कूल - प्रो. जे. के. प्रजापत (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) 7. अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान स्कूल - प्रो. जगदीश उल्हास जाधव (24.09.2020 से प्रभावी) 8. अधिष्ठाता, मानविकी एवं भाषा स्कूल - प्रो. सुप्रिया अग्रवाल (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) 9. अधिष्ठाता, वास्तुकला स्कूल - प्रो. नीरज गुप्ता (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) 10. अधिष्ठाता, जीवन विज्ञान स्कूल

	- प्रो. पवन कुमार दाधीच (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) 11. अधिष्ठाता, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी स्कूल - प्रो. उमा शंकर मिश्रा (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) **पूर्व सदस्य (दिनांक 01.07.2020 से 30.06.2021 के दौरान): [विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 3045 दिनांकित 31.10.2018 और संख्या 2203 दिनांकित 25.08.2017 द्वारा अधिसूचित]** 1. अधिष्ठाता, पृथ्वी विज्ञान स्कूल - डॉ. एल.के. शर्मा (दिनांक 25.08.2017 से 12.07.2020 तक)
संविधि 13(1)(iv): शैक्षणिक विभागों/ केंद्रों के अध्यक्ष	**[विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 1646 दिनांकित 24.09.2020, तथा संख्या 3045 दिनांकित 31.10.2018 द्वारा अधिसूचित]** 1. अध्यक्ष, प्रबंधन विभाग -प्रो. उमा शंकर मिश्रा (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) 2. अध्यक्ष, सामाजिक कार्य विभाग - डॉ. सुभासिस भद्रा (दिनांक 31.10.2018 से प्रभावी) 3. अध्यक्ष, शिक्षा विभाग - डॉ अंजलि शर्मा (दिनांक 31.10.2018 से प्रभावी) 4. अध्यक्ष, गणित विभाग - प्रो. जे.के. प्रजापत (दिनांक 31.10.2018 से प्रभावी) 5. अध्यक्ष, भौतिकी विभाग - डॉ अजीत कुमार पात्रा (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) 6. अध्यक्ष, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग - प्रो. पवन कुमार दाधीच (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) 7. अध्यक्ष, वाणिज्य विभाग - प्रो. प्रवीण साहू (दिनांक 25.08.2017 से प्रभावी) 8. अध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग - डॉ अरविंद पांडे (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) 9. अध्यक्ष, वायुमंडलीय विज्ञान विभाग - डॉ. देवेश शर्मा (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) 10. अध्यक्ष, फार्मेसी विभाग - प्रो. अमित कुमार गोयल (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) 11. अध्यक्ष, वास्तुकला विभाग - प्रो. नीरज गुप्ता (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) 12. अध्यक्ष, लोक नीति, विधि एवं शासन विभाग - प्रो. एस.एन. अम्बेडकर (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी)

	13. अध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग - डॉ ईश्वर श्रीनिवासन (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) 14. अध्यक्ष, जैव रसायन विभाग - प्रो. संजीब कुमार पांडा (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) 15. अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग - डॉ संजय अरोड़ा (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) 16. अध्यक्ष, हिंदी विभाग - प्रो. एन. लक्ष्मी अय्यर (दिनांक 25.08.2017 से प्रभावी) 17. अध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान विभाग - प्रो राजेश कुमार (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) 18. अध्यक्ष, जैव प्रौद्योगिकी विभाग - डॉ. पंकज गोयल (दिनांक 25.08.2017 से प्रभावी) 19. अध्यक्ष, खेल जैव विज्ञान विभाग - डॉ. चंद्रशेखर गहन (दिनांक 31.10.2018 से प्रभावी) 20. अध्यक्ष, योग विभाग - डॉ संजीब कुमार पात्रा (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) 21. अध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान विभाग 22. अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग 23. अध्यक्ष, संस्कृति और मीडिया अध्ययन विभाग 24. अध्यक्ष, डेटा विज्ञान और विश्लेषिकी विभाग 25. अध्यक्ष, सोसायटी-प्रौद्योगिकी इंटरफेस विभाग 26. अध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार विभाग 27. अध्यक्ष, खेल मनोविज्ञान विभाग 28. अध्यक्ष, खेल जैवयांत्रिकी विभाग 29. अध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग 30. अध्यक्ष, भाषाविज्ञान विभाग 31. अध्यक्ष, जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग **पूर्व सदस्य (दिनांक 01.07.2020 से 30.06.2021 के दौरान):** **[विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 1646 दिनांकित 24.09.2020, संख्या 3045 दिनांकित 31.10.2018 और संख्या 2203 दिनांक 25.08.2017 द्वारा अधिसूचित]** 1. अध्यक्ष, प्रबंधन विभाग -प्रो. एम. आर. पी. सिंह (25.08.2017 से 30.03.2021 तक (दुर्घटना में मृत्यु)) 2. अध्यक्ष, शिक्षा विभाग - डॉ. अंजलि शर्मा (31.10.2018 से 09.05.2021 तक)

	3. अध्यक्ष, गणित विभाग - प्रो. जे.के. प्रजापत (31.10.2018 से 25.05.2021 तक - विभागाध्यक्ष से इस्तीफा) 4. अध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान विभाग -प्रो. डीसी शर्मा (दिनांक 25.08.2017 से, दिनांक 31.10.2018 से 23.09.2020 तक) 5. अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग - प्रो. एस.एन. अम्बेडकर (दिनांक 25.08.2017 से, दिनांक 31.10.2018 से 23.09.2020 तक) 6. अध्यक्ष, संस्कृति और मीडिया अध्ययन विभाग - प्रो. एस.एन. अम्बेडकर (दिनांक 25.08.2017 से, दिनांक 31.10.2018 से 23.09.2020 तक) 7. अध्यक्ष, डेटा विज्ञान और विश्लेषिकी विभाग - डॉ. मानस कुमार पात्रा (दिनांक 31.10.2018 से 05.08.2020 तक - कार्य मुक्त) 8. अध्यक्ष, सोसायटी-प्रौद्योगिकी इंटरफेस विभाग - प्रो. एस.एन. अम्बेडकर (दिनांक 31.10.2018 से 23.09.2020 तक)
संविधि 13(1)(v): दस आचार्य, वरिष्ठता और क्रम के आधार पर (अध्ययन स्कूलों के अधिष्ठाता और विभागों / केंद्रों के अध्यक्ष को छोड़कर) को कुलपति द्वारा अलग-अलग स्कूलों के प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए नामित	**[विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 1646 दिनांकित 24.09.2020 द्वारा अधिसूचित]** 1. प्रो. प्रदीप वर्मा, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग (अनुमोदन के अनुसार, दिनांक 13.11.2019 से प्रभावी) 2. प्रो. मनीष देव श्रीमाली, भौतिकी विभाग (अनुमोदन के अनुसार, दिनांक 06.07.2020 से प्रभावी) 3. प्रो. एम.आर.पी. सिंह, प्रबंधन विभाग (दिनांक 10.07.2020 से 30.03.2021 तक - दुर्घटना में मृत्यु) 4. प्रो. डी.सी. शर्मा, गणित विभाग (अनुमोदन के अनुसार, दिनांक 13.11.2019 से प्रभावी) 5. प्रो. चंडी चरण मंडल, जैव रसायन विभाग (अनुमोदन के अनुसार, दिनांक 13.11.2019 से प्रभावी) 6. प्रो. इंशाद अली खान, सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग (अनुमोदन के अनुसार, दिनांक 06.07.2020 से)
संविधि 13(1)(vi): पाँच सह आचार्य, जो शैक्षणिक विभाग के अध्यक्ष न हों, वरिष्ठता और क्रम के आधार पर कुलपति द्वारा नामित	**[विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 1646 दिनांकित 24.09.2020 द्वारा अधिसूचित]** 1. सुश्री रितु बी राय, वास्तुकला विभाग (अनुमोदन के अनुसार, दिनांक 13.11.2019 से प्रभावी)

	2. डॉ. एस. कंडासामी, लोक नीति, विधि एवं शासन विभाग (अनुमोदन के अनुसार, दिनांक 13.11.2019 से प्रभावी) 3. डॉ. लक्ष्मीकांत शर्मा, पर्यावरण विज्ञान विभाग (अनुमोदन के अनुसार, दिनांक 13.07.2020 से प्रभावी) 4. डॉ. जितेंद्र कुमार, सांख्यिकी विभाग (दिनांक 31.10.2018 से प्रभावी) 5. डॉ. ममता रानी, कंप्यूटर विज्ञान विभाग (दिनांक 13.11.2019)
संविधि 13(1)(vii): छ: सहायक आचार्य, वरिष्ठता और आवर्तन के आधार पर कुलपति द्वारा नियुक्त किये जायेंगे।	**[विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 1646 दिनांकित 24.09.2020 द्वारा अधिसूचित]** 1. डॉ. अमित चक्रवर्ती, गणित विभाग (अनुमोदन के अनुसार, दिनांक 13.11.2019 से प्रभावी) 2. डॉ. दीपेश भाटी, सांख्यिकी विभाग (अनुमोदन के अनुसार, दिनांक 13.11.2019 से प्रभावी) 3. डॉ निष्ठा केसवानी, कंप्यूटर विज्ञान विभाग (अनुमोदन के अनुसार, दिनांक 13.11.2019 से प्रभावी)
संविधि 13(1)(viii): छ: व्यक्ति जो विश्वविद्यालय में सेवारत नहीं हैं, उन्हें शिक्षा प्रगति और विकास में उनके विशेष ज्ञान के लिए अकादमिक परिषद द्वारा सहयोजित किये गये हों।	**[विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 1634 दिनांकित 24.09.2020 द्वारा अधिसूचित]** 1. प्रो. अनिल राय, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) **[विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 1633 दिनांकित 24.09.2020 द्वारा अधिसूचित]** 2. प्रो. जतिंदर ग्रोवर, शिक्षा विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) **[विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 1632 दिनांकित 24.09.2020 द्वारा अधिसूचित]** 3. प्रो. नियाज अहमद, जीवन विज्ञान स्कूल, हैदराबाद विश्वविद्यालय (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) **[विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 1631 दिनांकित 24.09.2020 द्वारा अधिसूचित]** 4. डॉ. एस. सुरेश बाबू, अध्यक्ष एवं वैज्ञानिक, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, तिरुवनंतपुरम (केरल) (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी)

	[विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 548 दिनांकित 09.05.2019, संख्या 1646 दिनांकित 24.09.2020 द्वारा अधिसूचित] 5. प्रो. एम.आर. यादव, फार्मेसी फैकल्टी, एमएस यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, वडोदरा (गुजरात) (दिनांक 09.05.2019 से प्रभावी) **[विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 3607 दिनांकित 29.11.2019, संख्या 1646 दिनांकित 24.09.2020 द्वारा अधिसूचित]** 6. प्रो. जी.डी. शर्मा, कुलपति, बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) (दिनांक 29.11.2019 से प्रभावी)
संविधि 13(1)(ix): कुलाध्यक्ष द्वारा मनोनीत कोर्ट के निर्वाचित सदस्यों में से दो सदस्य	**(रिक्त)** <कोर्ट का गठन शिक्षा मंत्रालय से प्रतीक्षित>
संविधि 13(2): अधिष्ठाता छात्र कल्याण (पदेन सदस्य)	**[विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 1646 दिनांकित 24.09.2020 द्वारा अधिसूचित]** प्रो. प्रवीण साहू **पूर्व सदस्य (दिनांक 01.07.2020 से 30.06.2021 के दौरान):** **[विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 3045 दिनांकित 31.10.2018 और संख्या 2203 दिनांकित 25.08.2017 द्वारा अधिसूचित]** प्रो. एस.एन. अम्बेडकर (दिनांक 25.08.2017 से 23.09.2020 तक)
संविधि 13(2): कुलानुशासक (पदेन सदस्य)	**[विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 1646 दिनांकित 24.09.2020 द्वारा अधिसूचित]** प्रो. अमित कुमार गोयल (दिनांक 24.09.2020 से प्रभावी) **पूर्व सदस्य (दिनांक 01.07.2020 से 30.06.2021 के दौरान):** **[विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 3045 दिनांकित 31.10.2018 और संख्या 2203 दिनांकित 25.08.2017 द्वारा अधिसूचित]** डॉ. लक्ष्मीकांत शर्मा (दिनांक 25.08.2017 से 23.09.2020 तक)

संविधि 13(2): परीक्षा नियंत्रक	**[विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 1646 दिनांकित 24.09.2020 द्वारा अधिसूचित]** परीक्षा नियंत्रक **पूर्व सदस्य (दिनांक01.07.2020 से 30.06.2021 के दौरान):** **[विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 3045 दिनांकित 31.10.2018 द्वारा अधिसूचित]** डॉ. उत्पल कुमार देबनाथ (दिनांक 31.10.2018 से 21.09.2020 तक - कार्यमुक्ति की तिथि)
संविधि 13(2): पुस्तकालयाध्यक्ष	**[विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 1646 दिनांकित 24.09.2020, संख्या 3045 दिनांकित 31.10.2018 और संख्या 2203 दिनांकित 25.08.2017 द्वारा अधिसूचित]** डॉ. विजय कुमार एम., पुस्तकालयाध्यक्ष, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय
कुलसचिव (पदेन सचिव)	श्री के.वी.एस. कामेश्वरा राव, कुलसचिव, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय

समिति की गणपूर्ति: संविधि 13(4) के प्रावधानों के अनुसार, अध्यक्ष को छोड़कर, दो बाहरी सदस्यों सहित परिषद के कुल सदस्यों की आधी संख्या अकादमिक परिषद की बैठक के लिए गणपूर्ति करेंगे।

सदस्यों का कार्यकाल: संशोधित संविधि 13(3) के प्रावधानों के अनुसार, पदेन सदस्यों को छोड़कर अकादमिक परिषद के सभी सदस्य तीन वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करेंगे।

संकाय सदस्यों / अधिकारियों / कर्मचारियों की सूची

अकादमिक वर्ष 2020-21 के दौरान नियुक्त शैक्षणिक कमर्चारियों की सूची

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद	विभाग	नियुक्ति की तिथि
1	डॉ. तरूण कुमार	सहायक आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	15.09.2020
2	डॉ. जया कृतिका ओझा	सहायक आचार्य	सोसायटी-टेक्नोलॉजी इंटरफेस	15.09.2020
3	डॉ. नीथू पी.एस.	सहायक आचार्य	खेल मनोविज्ञान	16.09.2020
4	डॉ. गुनीत इंदर जीत कौर	सहायक आचार्य	खेल मनोविज्ञान	25.09.2020
5	डॉ. शीतल प्रसाद महेन्द्रा	सह - आचार्य	हिन्दी	01.10.2020
6	डॉ. हेमांगा दत्ता	सह - आचार्य	भाषा विज्ञान	01.10.2020
7	डॉ. एम. मारीस्वरन	सहायक आचार्य	खेल जैवयांत्रिकी	09.10.2020
8	डॉ. वायरोकम प्रेमी देवी	सहायक आचार्य	सोसायटी-टेक्नोलॉजी इंटरफेस	29.10.2020
9	डॉ. शरीता देवीराम शर्मा	सहायक आचार्य	भाषा विज्ञान	01.02.2021

अकादमिक वर्ष 2020-21 में नियुक्त प्रशासनिक और अशैक्षणिक कमर्चारियों की सूची

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पद	विभाग
1	डॉ. आशिमा जौहरी	चिकित्सा अधिकारी	22.04.2021

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कमर्चारियों की सूची 30 जून, 2021 के अनुसार

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद	विभाग
1.	प्रो. नीरज गुप्ता	आचार्य	वास्तुकला
2.	श्रीमति रितु भार्गव राय	सह - आचार्य	वास्तुकला
3.	श्री विवेकानंद तिवारी	सहायक आचार्य	वास्तुकला
4.	डॉ. सुनील शर्मा	सहायक आचार्य	वास्तुकला
5.	डॉ. देवेश शर्मा	सह - आचार्य	वायुमंडलीय विज्ञान
6.	डॉ. सुब्रत कुमार पांडा	सहायक आचार्य	वायुमंडलीय विज्ञान
7.	डॉ. चिन्मय मलिक	सहायक आचार्य	वायुमंडलीय विज्ञान
8.	डॉ. जयंती पाल	सहायक आचार्य	वायुमंडलीय विज्ञान
9.	प्रो. चंडी चरण मंडल	आचार्य	जैव रसायन
10.	प्रो. संजीब कुमार पांडा	आचार्य	जैव रसायन
11.	डॉ. विश्वनाथ तिवारी	सहायक आचार्य	जैव रसायन
12.	डॉ. शिव स्वरूप	सहायक आचार्य	जैव रसायन

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद	विभाग
13.	डॉ.किरण कुमार तेजावत	सहायक आचार्य	जैव रसायन
14.	डॉ.विजय कुमार प्रजापति	सहायक आचार्य	जैव रसायन
15.	डॉ. दीपक गएन	सहायक आचार्य	जैव रसायन
16.	डॉ. भावना बिस्सा	सहायक आचार्य	जैव रसायन
17.	डॉ. पंकज गोयल	सह - आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी
18.	डॉ. जयेन्द्र नाथ शुक्ला	सहायक आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी
19.	डॉ. जनमेजय पांडे	सहायक आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी
20.	डॉ. तरुण कुमार भट्ट	सहायक आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी
21.	डॉ. सुमन तप्रयाल	सहायक आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी
22.	डॉ. जय कांत यादव	सहायक आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी
23.	डॉ. ईश्वर श्रीनिवासन	सह - आचार्य	रसायन
24.	डॉ. अनुज कुमार शर्मा	सहायक आचार्य	रसायन
25.	डॉ. थिरुमूर्थी रामलिंगम	सहायक आचार्य	रसायन
26.	डॉ. पार्थ रॉय	सहायक आचार्य	रसायन
27.	डॉ. एम भानुचन्द्रा	सहायक आचार्य	रसायन
28.	डॉ. रितेश सिंह	सहायक आचार्य	रसायन
29.	डॉ. हेमंत जोशी	सहायक आचार्य	रसायन
30.	डॉ. राजागोपाल रेड्डी सीलम	सहायक आचार्य	रसायन
31.	प्रो. प्रवीण साहू	आचार्य	वाणिज्य
32.	डॉ. नेहा सेठ	सहायक आचार्य	वाणिज्य
33.	डॉ. सुशीला कुमारी सोरिया	सहायक आचार्य	वाणिज्य
34.	डॉ. संजय कुमार पटेल	सहायक आचार्य	वाणिज्य
35.	डॉ. ममता रानी	सह - आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान
36.	डॉ. कृष्ण कुमार मोहबे	सहायक आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान
37.	श्री रवि राज चौधरी	सहायक आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान
38.	डॉ. निष्ठा केसवानी	सहायक आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान
39.	श्री गौरव मीणा	सहायक आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान
40.	डॉ. अजय इंडियन	सहायक आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान
41.	डॉ. मुज़म्मिल हुसैन मोहम्मद	सहायक आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग
42.	डॉ. गौरव सोमानी	सहायक आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग
43.	श्री रवि सहारन	सहायक आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग
44.	डॉ. तरूण कुमार	सहायक आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग
45.	डॉ. प्रान्त प्रतीक पटनायक	सहायक आचार्य	संस्कृति और मीडिया अध्ययन
46.	डॉ. नीरू प्रसाद	सहायक आचार्य	संस्कृति और मीडिया अध्ययन
47.	डॉ. निकोलस लकड़ा	सहायक आचार्य	संस्कृति और मीडिया अध्ययन
48.	डॉ. अनूप कुमार	सहायक आचार्य	संस्कृति और मीडिया अध्ययन

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद	विभाग
49.	डॉ. हेमलता मंगलानी	सहायक आचार्य	अर्थशास्त्र
50.	डॉ. प्रगति जैन	सहायक आचार्य	अर्थशास्त्र
51.	डॉ. सत्यनारायनमूर्ति डोगा	सहायक आचार्य	अर्थशास्त्र
52.	डॉ. प्रमोद कुमार नायक	सहायक आचार्य	अर्थशास्त्र
53.	डॉ. अंजलि शर्मा	सहायक आचार्य	शिक्षा
54.	डॉ. गोबिन्द सिंह	सहायक आचार्य	शिक्षा
55.	डॉ. नरेंद्र कुमार	सहायक आचार्य	शिक्षा
56.	डॉ. संगीता यदुवंशी	सहायक आचार्य	शिक्षा
57.	डॉ. रीना राम किशोर गोदारा	सहायक आचार्य	शिक्षा
58.	डॉ. टी संगीता	सहायक आचार्य	शिक्षा
59.	डॉ. सीमा गोपीनाथ	सहायक आचार्य	शिक्षा
60.	डॉ. कनक शर्मा	सहायक आचार्य	शिक्षा
61.	डॉ. मिलन ससमल	सहायक आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार
62.	डॉ. राजन सिंह	सहायक आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार
63.	डॉ. कपिल सारस्वत	सहायक आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार
64.	प्रो. सुप्रिया अग्रवाल	आचार्य	अंग्रेज़ी
65.	डॉ. संजय अरोड़ा	सह - आचार्य	अंग्रेज़ी
66.	डॉ. भूमिका शर्मा	सहायक आचार्य	अंग्रेज़ी
67.	डॉ. नेहा अरोड़ा	सहायक आचार्य	अंग्रेज़ी
68.	डॉ. देवेंद्र रांकावत	सहायक आचार्य	अंग्रेज़ी
69.	डॉ. वेद प्रकाश	सहायक आचार्य	अंग्रेज़ी
70.	प्रो. राजेश कुमार	आचार्य	पर्यावरण विज्ञान
71.	डॉ. लक्ष्मी कांत शर्मा	सह - आचार्य	पर्यावरण विज्ञान
72.	डॉ. गरिमा कौशिक	सहायक आचार्य	पर्यावरण विज्ञान
73.	डॉ. ऋतु सिंह	सहायक आचार्य	पर्यावरण विज्ञान
74.	डॉ. शैलेश कुमार पाटीदार	सहायक आचार्य	पर्यावरण विज्ञान
75.	डॉ. निवेदिता चौधरी	सहायक आचार्य	पर्यावरण विज्ञान
76.	प्रो. एन. लक्ष्मी अय्यर	आचार्य	हिन्दी
77.	डॉ. शीतल प्रसाद महेन्द्रा	सह - आचार्य	हिन्दी
78.	डॉ. सुरेश सिंह राठौड़	सहायक आचार्य	हिन्दी
79.	डॉ. संदीप वी. रणभिरकर	सहायक आचार्य	हिन्दी
80.	डॉ. ममता खांडल	सहायक आचार्य	हिन्दी
81.	डॉ. धनपति शोगरकपम	सहायक आचार्य	भाषा विज्ञान
82.	डॉ. साक्षी भाटिया	सहायक आचार्य	भाषा विज्ञान
83.	डॉ. शरीता देवीराम शर्मा	सहायक आचार्य	भाषा विज्ञान
84.	प्रो. उमा शंकर मिश्रा	आचार्य	प्रबंधन

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद	विभाग
85.	डॉ. संजय कुमार	सहायक आचार्य	प्रबंधन
86.	डॉ. अवंतिका सिंह	सहायक आचार्य	प्रबंधन
87.	डॉ. तुलसी गिरि गोस्वामी	सहायक आचार्य	प्रबंधन
88.	प्रो. जुगल किशोर प्रजापत	आचार्य	गणित
89.	प्रो. दिनेश चन्द्र शर्मा	आचार्य	गणित
90.	डॉ. आनंद कुमार	सहायक आचार्य	गणित
91.	डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी	सहायक आचार्य	गणित
92.	डॉ. विद्योत्तमा जैन	सहायक आचार्य	गणित
93.	डॉ. विपुल कक्कर	सहायक आचार्य	गणित
94.	डॉ. विजय कुमार यादव	सहायक आचार्य	गणित
95.	डॉ. राम किशोर	सहायक आचार्य	गणित
96.	डॉ. आशा कुमारी मीना	सहायक आचार्य	गणित
97.	प्रो. पवन कुमार दाधीच	आचार्य	सूक्ष्म जीव-विज्ञान
98.	प्रो. प्रदीप वर्मा	आचार्य	सूक्ष्म जीव-विज्ञान
99.	प्रो. इनशाद आली खान	आचार्य	सूक्ष्म जीव-विज्ञान
100.	डॉ. निधि पारीक	सहायक आचार्य	सूक्ष्म जीव-विज्ञान
101.	डॉ. अखिल अग्रवाल	सहायक आचार्य	सूक्ष्म जीव-विज्ञान
102.	डॉ. अरविंद प्रताप सिंह	सहायक आचार्य	सूक्ष्म जीव-विज्ञान
103.	डॉ. चन्द्र शेखर गहन (लियन पर, 18.05.2018 से खेल जीव विज्ञान में सह – आचार्य, अनुबंध पर)	सहायक आचार्य	सूक्ष्म जीव-विज्ञान
104.	डॉ. दीक्षा त्रिपाठी	सहायक आचार्य	सूक्ष्म जीव-विज्ञान
105.	डॉ. विजय कुमार वर्मा	सहायक आचार्य	सूक्ष्म जीव-विज्ञान
106.	प्रो. विपिन कुमार	आचार्य	फार्मेसी
107.	प्रो. अमित कुमार गोयल	आचार्य	फार्मेसी
108.	डॉ. देवेश मधुकर सावंत	सहायक आचार्य	फार्मेसी
109.	डॉ. रुचि मालिक	सहायक आचार्य	फार्मेसी
110.	डॉ. उमेश गुप्ता	सहायक आचार्य	फार्मेसी
111.	डॉ. क़ैसर रज़ा	सहायक आचार्य	फार्मेसी
112.	प्रो. मनीष देव श्रीमाली	आचार्य	भौतिक विज्ञान
113.	डॉ. अजित कुमार पात्रा	सह - आचार्य	भौतिक विज्ञान
114.	डॉ. नीरज पँवार	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान
115.	डॉ. बृजेश कुमार सिंह	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान
116.	डॉ. रजनीश कुमार वर्मा	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान
117.	डॉ. राकेश कुमार	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान
118.	डॉ. सुखमनदर सिंह	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद	विभाग
119.	डॉ. सहेनूर रेज़ा	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान
120.	डॉ. युगांदर बिटला	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान
121.	प्रो. नगेन्द्र अम्बेडकर सोले	आचार्य	लोक नीति, विधि और शासन
122.	डॉ. एस. कांदसामी	सह - आचार्य	लोक नीति, विधि और शासन
123.	डॉ. ज्ञान रंजन पांडा	सहायक आचार्य	लोक नीति, विधि और शासन
124.	डॉ. जीवन कुमार चेरुकु	सहायक आचार्य	लोक नीति, विधि और शासन
125.	डॉ. अंजन कुमार साहू	सहायक आचार्य	लोक नीति, विधि और शासन
126.	जगदीश उल्हास जाधव	आचार्य	सामाजिक कार्य
127.	डॉ. सुभाशीष भद्रा	सह - आचार्य	सामाजिक कार्य
128.	डॉ. शेज़ी अहमद	सहायक आचार्य	सामाजिक कार्य
129.	डॉ. अतीक अहमद	सहायक आचार्य	सामाजिक कार्य
130.	डॉ. दांडुब पल्जोर नेगी	सहायक आचार्य	सामाजिक कार्य
131.	डॉ. राजीव एम एम	सहायक आचार्य	सामाजिक कार्य
132.	डॉ. जया कृतिका ओझा	सहायक आचार्य	सोसायटी-टेक्नोलॉजी इंटरफेस
133.	डॉ. वायरोकम प्रेमी देवी	सहायक आचार्य	सोसायटी-टेक्नोलॉजी इंटरफेस
134.	डॉ. एम. मारीस्वरन	सहायक आचार्य	खेल जैवयांत्रिकी
135.	डॉ. नेहा सिंह	सहायक आचार्य	खेल जीव विज्ञान
136.	डॉ. हेमंत नाईक बनावथ	सहायक आचार्य	खेल जीव विज्ञान
137.	डॉ. सुनील जी पुरोहित	सहायक आचार्य	खेल जीव विज्ञान
138.	डॉ. नीथू पी.एस.	सहायक आचार्य	खेल मनोविज्ञान
139.	डॉ. गुनीत इंदर जीत कौर	सहायक आचार्य	खेल मनोविज्ञान
140.	डॉ. जितेंद्र कुमार	सह - आचार्य	सांख्यिकी
141.	डॉ. अरविंद पांडे	सह - आचार्य	सांख्यिकी
142.	डॉ. दीपेश भाटी	सहायक आचार्य	सांख्यिकी
143.	डॉ. महेंद्र साहा	सहायक आचार्य	सांख्यिकी
144.	डॉ. संजय कुमार	सहायक आचार्य	सांख्यिकी
145.	डॉ. संजीब कुमार पात्रा	सहायक आचार्य	योगा
146.	डॉ. काशीनाथ जी मैत्री	सहायक आचार्य	योगा

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों की सूची 30 जून, 2021 के अनुसार

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	पद
1.	श्री केवीएस कामेश्वर राव	कुलसचिव
2.	डॉ. विजयकुमार एम.	पुस्तकालय अध्यक्ष
3.	श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव	संयुक्त कुलसचिव
4.	डॉ. हरि सिंह परिहार	संयुक्त कुलसचिव

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	पद
5.	श्री महेश कुमार जोशी	आंतरिक लेखा परीक्षा अधिकारी
6.	श्री सुल्तान सिंह	कार्यपालक अभियंता
7.	श्रीमती सौभाग्यवती गुप्ता	सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष
8.	श्री सरोजा कुमार पांडा	सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष
9.	श्रीमती अनुराधा मित्तल	जनसंपर्क अधिकारी
10.	डॉ. अंकुर मित्तल	चिकित्सा अधिकारी
11.	डॉ. आशिमा जौहरी	चिकित्सा अधिकारी
12.	श्री ओम कुमार कर्ण	हिंदी अधिकारी
13.	श्री प्रदीप कुमार	सहायक कुलसचिव
14.	श्री आशीष कुमार गुप्ता	सहायक कुलसचिव
15.	श्री श्याम सिंह	सहायक कुलसचिव
16.	श्री मनोज कुमार इंदोरिया	सहायक कुलसचिव
17.	श्री रमेश सिंह सोलंकी	अनुभाग अधिकारी
18.	श्री गौरव शर्मा	अनुभाग अधिकारी
19.	श्री प्रदीप कुमार गर्ग	अनुभाग अधिकारी
20.	श्री लोकेश विजयवर्गीय	अनुभाग अधिकारी
21.	श्री इंदरपाल	अनुभाग अधिकारी
22.	श्री शफीक मोहम्मद	अनुभाग अधिकारी
23.	श्री राजपाल सिंह रेवर	सुरक्षा अधिकारी
24.	श्री कार्तिक भाटी	सहायक अभियंता (विद्युत)
25.	श्री भारत भूषण गुप्ता	निजी सहायक
26.	श्री शंकर कुमार गुप्ता	निजी सहायक
27.	श्री सेवा राम कुमावत	निजी सहायक
28.	श्री गिरधारी लाल वर्मा	सहायक
29.	श्रीमती नेहा बजाज	सहायक
30.	सुश्री प्रतिमा चट्टराज	सहायक
31.	श्री विनीत प्रकाश बिश्नोई	सहायक
32.	श्री पुनीत अग्रवाल	सहायक
33.	श्रीमती हेमा चौधरी	सहायक
34.	श्री जहांगीर कुरैशी	सहायक
35.	श्री राजेश कुमार	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)
36.	श्री दर्पण बंसल	कनिष्ठ अभियंता (इलेक्ट्रिकल)
37.	श्री मोहित जामड़	वरिष्ठ तकनीकी सहायक (आईसीटी)
38.	श्री संजय जोशी	वरिष्ठ तकनीकी सहायक (आईसीटी)
39.	श्री दिबाकर सेन	अर्ध-पेशेवर सहायक

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	पद
40.	श्री नरेश कुमार मंगल	तकनीकी सहायक
41.	श्री अवधेश विजय	तकनीकी सहायक
42.	श्री जय राम चेजारा	सुरक्षा निरीक्षक
43.	श्री विवेक व्यास	प्रयोगशाला सहायक
44.	श्री आरिफ खान	प्रयोगशाला सहायक
45.	श्री पुष्पेंद्र कुमार शर्मा	प्रयोगशाला सहायक
46.	श्री संदीप शर्मा	प्रयोगशाला सहायक
47.	श्री सत्य नारायण राव	प्रयोगशाला सहायक
48.	श्री गिरिराज शर्मा	प्रयोगशाला सहायक
49.	श्री पंकज कुमार टेलर	प्रयोगशाला सहायक
50.	श्री विमल कुमार जैन	प्रयोगशाला सहायक
51.	श्री दशरथ कुमार शर्मा	प्रयोगशाला सहायक
52.	श्री सोम्यजीत डे	पुस्तकालय सहायक
53.	श्री मनोज पारीक	पुस्तकालय सहायक
54.	श्री संतोष कुमार कुमावत	वरिष्ठ लिपिक
55.	श्री दिलीप रायचंदानी	वरिष्ठ लिपिक
56.	सुश्री लता गुरबक्षानी	वरिष्ठ लिपिक
57.	श्री मधुर सागर शर्मा	कनिष्ठ लिपिक
58.	श्री विनोद चौधरी	कनिष्ठ लिपिक
59.	श्री पवन कुमार शर्मा	कनिष्ठ लिपिक
60.	श्री गोविंद कुमावत	कनिष्ठ लिपिक
61.	श्री ललित भोपरिया	कनिष्ठ लिपिक
62.	श्री नवीन चंद सेन	कनिष्ठ लिपिक
63.	श्री सुरेन्द्र सिंह राजावत	कनिष्ठ लिपिक
64.	श्री योगेश कुमार मीणा	कनिष्ठ लिपिक
65.	श्री गौरव कुमार	कनिष्ठ लिपिक
66.	श्री गणपत लाल सोलंकी	कनिष्ठ लिपिक
67.	श्री अंशु शर्मा	कनिष्ठ लिपिक
68.	श्री गिर्राज प्रसाद शर्मा	केयरटेकर
69.	श्री गौरव सुखवाल	वाहन चालक
70.	श्री संजय कुमार शर्मा	वाहन चालक
71.	श्री नवीन कुमार शर्मा	वाहन चालक
72.	श्री हुक्मा राम मेघवाल	वाहन चालक
73.	श्री राजवीर सिंह	रसोइया
74.	श्री नितेश यादव	पुस्तकालय परिचर

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	पद
75.	सुश्री प्रिया शर्मा	पुस्तकालय परिचर
76.	श्री राजेंद्र कुमार सोनी	प्रयोगशाला परिचर
77.	श्री खेमा राम	प्रयोगशाला परिचर
78.	श्री आशीष कुमार शर्मा	प्रयोगशाला परिचर
79.	श्री अखिलेश तिवारी	प्रयोगशाला परिचर
80.	श्री भागीरथ आशिया	प्रयोगशाला परिचर
81.	श्री विष्णु बंसल	प्रयोगशाला परिचर
82.	श्री सागर मल गुर्जर	कार्यालय परिचर
83.	श्री मंगल चंद धानका	कार्यालय परिचर
84.	श्री आशीष कुमार शर्मा	एमटीएस
85.	श्री लेखराज	एमटीएस
86.	श्री जय सिंह	छात्रावास परिचर
87.	श्री नाथमल टाक	छात्रावास परिचर
88.	श्री सत्य नारायण सोलंकी	रसोई परिचर

*****